मतलब-संग्रह

(अर्थात् नव भाषा का उस्ताद)

जिसको
हिन्दी, अंगरेजी, उर्दू, बंगला, गुजराती,
मराठी, तैलंगी, दिल्लीवाल, मारवाड़ी,
नव भाषाओं में विद्यार्थियों और
सर्व साधारण के हितार्थ

रामलाल नेमाणी ने संग्रह कर

निज राम-प्रेस में
मुद्रित करवा
प्रकाशित
किया

चतुर्थ संस्करण

कलकत्ता

जून १९०७ ई०

मूल्य २।) डाकव्यय ।/)

॥ भोजी भाग्या क्युं जावो तो वाचांता सरी ॥

(मारवाड़ी बोलीमें)

"नया वृद्धविवाह नाटक."

यह वही खास चूरू, फतेहपुर, जसरापुर, रामगढ, की बोली में बनाया गया है। कैसोही उदासीनता में बैठेहो एकबार पढनेसे हसते २ पेट फूल जायगा। पुस्तक क्या है शिक्षा और दिल्लगी का भंडार है या यों कहिए मारवाड़ीयोंकी वर्तमान दशा का चित्र है। इसकी समालोचना बडे बडे समाचार पत्रोंने की है। जिसमें से एक पत्रकी समालोचना लिखना काफी समझकर नीचे प्रकाश करते हैं। जरा मन लगा के आद्योपान्त पढ जाइए—

"भारतमित्र कलकत्ता ता. २४ जुलाई सन् १८०६ ई०में लिखता है"

वृद्धविवाह नाटक—बाबूभगवतीप्रसाद दारूका ने यह पुस्तक मारवाड़ी भाषामें बनाई है। छपी है बहुतही सुन्दर। मूल्य है आठ आने मिलनेका पता रामलाल नेमाणी न० ५८ तुलापट्टी कलकत्ता है। मारवाडियों में बूढों के विवाह की बडी चाल है। कैसाही बूढा क्यों न हो बेटे पोतो के होते भी उसे विवाहकी सूझती है। इस पोथी में बुढापेके विवाह की खराबी दिखाई गई है। इसमें मारवाडी समाज का नकशा भी खासा उतारा है। पुस्तक की भाषा साफ और सरल है। कमपढे मारवाडी भी इसे खूब समझ सकेंगे। यदि इस पुस्तक के प्रभाव से मारवाडीयोंको कुछ चेत होतो उनकी समाज का एक बडा दोष दूरहो सक्ता है।

सतरंज चातुरी।

अगर आपको सतरंज के खेलने का सौक हो, और यदि बातकी बातमें किसी को मात करने की इच्छा हो, तो इसे अवश्य मङ्गाइये यह किताब बडी मेहनत से तैयार की है, शतरंज के खिलाडीयोंके बडी हो मतलब की किताब है, इसमें शतरंज के "दो चाल से आठ चाल" तक के ७७ नकशे है, कीमत सब के सुभीते ही के लिये सिर्फ ।≶) जिल्द बधी का ॥) डाक महसूल ≶)

रामलाल नेमाणी

मालिक "रामप्रेस"

न० ५८ तुलापट्टी कलकत्ता

MATLAB SANGRAH

Hindi, English, Urdu, Bengali, Gujrati,

Marhati, Telungi, Marwari,

and Delhiwal Languages

By

Ramlall Nemani

PROPRIETOR OF RAM PRESS CALCUTTA

For the use of public

Published by the Author in his

RAM PRESS

All Rights Reserved

Price per copy Rs 2/4 Postage 6 As

REGISTERED UNDER ACT X X OF
1847 AND ACT X X V OF 1867

ऐक्ट (आईन) २० सन १८४७ और ऐक्ट २५ सन १८६७ ईसवीके मुताबिक इस किताब की रेजिस्टरी करायी गई है कोई महाशय इसको या इसके आशय को न छपावें नहीं तो नफेके बदले में नुकसान उठाना पड़ेगा।



— — -

प्रकाशक—रामलाल नेमाणी
प्रोप्राईटर "रामप्रेस"
५८, काटन स्ट्रीट बड़ाबजार, कलकत्ता।
प्रिण्टर—श्रीहरिश्चन्द्र घोष



ग्रंथकर्त्ता—रामलाल नेमाणी।

भूमिका।

प्रिय पाठक !

आपतो भली भांति जानते होंगे कि एकताके बिना किसी देशका उद्धार नहीं होता है। आजतक जितने देशकी उन्नति सुनने में आई है सबमें एकता ही प्रधान रही है। साथही इसके आपको यह भी मालूम होगा कि भाषा, भाव, भेष येही तीनो एकताके प्यारे सन्तान हैं जिनके प्यारसे एकता आती है जहा इन तीनों में किसीका अनादर होता है वहासे एकता दूर भागती है।

हमारे भारत वर्षका कुछ ऐसा ही दुर्भाग्य आ उपस्थित हुआ है कि इन तीनोंका कहना कौन कहे एक भी पूर्ण रूपसे नहीं वर्तमान है। तब भला एकता क्योंकर हो! जहा एककी भाषा दूसरा नहीं समझता और इसी लिये भाव भी एकसे दूसरेका नहीं मिलता। और बेशके लिये क्या कहना है जहा एक भाव ही नहीं वहा एक वेश क्या आने गया? अब आप भली भांति समझ सकते हैं कि वहा बिचारी एकता क्यों कर आना पसन्द करेगी? फिर हो चुका! जहा एकता नहीं वहा सब कुछका सत्यानाशही है भला बताइये! इस बिचारे दीन भारतका क्योंकर उद्धार हो सकता है?

एक दिन मेरे मनमें सहसा यह बात उठ पडी कि कोन ऐसा उपाय है जिससे एक प्रान्तके हमारे भारत वासी दूसरे प्रान्तके भारतवासी से भली भांति अपने भाव को प्रकाशकर मैत्री का परिचय दें एव एक दूसरेके साथपूर्ण सहानुभूतिको बढावें। मेरे मनमें जिस समय यह तरग उठा था। कि ईश्वरने हमारी इच्छाको पूर्ण करनेके लिये बडे २ महानुभावोंके हृदयमें भारतमें एक लिपि होनेके विचारका प्रादुर्भाव किया

बस! सभी बडे २ विद्वानों के हृदय में यह बात उठने लगी कि कैसे भारतवर्ष मात्रमें एक लिपि हो। निदान इसके प्रचारके लिये एक सभा स्थापित हो ही गई बल्कि उस सभाने भिन्न २ भाषाओंकी कई एक पुस्तकें देवनागर अक्षर में छपवाभी डाली अब मेरे साहसने मुझे दूना जोर दिया मैंने झट यह पुस्तक

तैयार की इसमें अनेक भाषायें हैं जैसे हिन्दी, अगरेजी, उर्दू, बगला, गुजराती, मराठी, तैलगी, मारवाडी, दिल्लीवाल इनमें जितनी भाषायें दी गई हैं उनके अक्षर विन्यास जरूरी व्याकरण एवं बोल चालके शब्द देदिये गये हैं

ऐसे तो बिना स्वार्थके जगत्में कोई भी किसी काममें प्रवृत्त नहीं होता है पर मेरा अधिक परिश्रम अपने देशवासी भाइयों को परस्परमें अपने २ भावको जतानेही के लिये है

यदि केवल रुपयाही कमाने की इच्छा रहती तो आज कल हमारे देशके प्राय अधिकाश नव युवक उपन्यास ही के रसिया अधिक होते हैं तो मैं एक तिलस्मकी हवा खिलानेवाला उपन्यास ही निकालता जिससे औरोंकी भाति ग्रन्थकर्ता होनेकी लालसा भी मिटजाती और कुछ रुपये भी हाथ लगते पर मेरे उद्योगने उधर ध्यान तक नहीं दिया मेरी बराबर यही उत्कट इच्छा बनी रही कि किस भाति हम चार देशके चार भाई इकट्ठे होकर अपने मनके भाव को जताकर सहानुभूति प्रकट करते बस ! इसी प्रबल इच्छाने ऐसे संग्रह करनेमें मुझे जोरकर प्रवृत्त कराया है ईश्वरेच्छासे विद्वान् मनुष्योंने मेरे परिश्रम को सफल भी किया इस पुस्तकके तीन सस्करण हुए तीनों सस्करण हाथों हाथ विकगये अब चौथा संस्करण तैयार हुआ है इसमे अनेक सुधार भी किये गये हैं

परिश्रमके जाननेवाले तथा गुणग्राही पुरुषके पास इसका आदर दिन २ बढता ही जाता है और आशामी है कि इस पुस्तकसे जिनको लाभ पहुंचेगा वे मुझे इसकी वृद्धि करने के लिये उत्साहित करेंगे क्यों कि हमारे शास्त्रकारोंने लिखा है कि-'फलेन परिचीयते" अर्थात् फलसे पदार्थ परिचित हो जाता है। इस लिये मेरा इसके विषय में उत्साह बढताही जाता है

मै इसके विषयमें कुछ अधिक कहना अनुचित समझताहू इस लिये पाठकों के सामने गुणप्रशसा की ढिठाई न कर केवल इसका उद्देश्य ही कह कर विराम लेता हू आशा है कि हिन्दुस्तानमें एकता फैलानेवाले महा पुरुष तथा व्यवसायमें अनेक भाषा से सम्बन्ध रखने वाले एव अनेक भाषा में निपुणता प्राप्त करने वाले रसिक जन इसके प्रचारमें पूरी सहानुभूति देखावेंगे

आपका विनयी
रामलाल नेमाणी

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तिलंगी	मारवाड़ी	दिल्लीवाल
अ	A	ا	অ	અ	[illegible]	అ	[illegible]	[illegible]
आ	A	آ	আ	આ	[illegible]	ఆ	[illegible]	[illegible]
इ	I	اِ	ই	ઇ	[illegible]	ఇ	[illegible]	[illegible]
ई	I	اِی	ঈ	ઈ	[illegible]	ఈ	[illegible]	[illegible]
उ	U	اُ	উ	ઉ	[illegible]	ఉ	[illegible]	[illegible]
ऊ	U	او	ঊ	ઊ	[illegible]	ఊ	[illegible]	[illegible]
ए	E	اے	এ	એ	[illegible]	ఎ	[illegible]	[illegible]
ऐ	Ai	اَی	ঐ	ઐ	[illegible]	ఐ	[illegible]	[illegible]
ओ	O	او	ও	ઓ	[illegible]	ఒ	[illegible]	[illegible]
औ	Au	اَو	ঔ	ઔ	[illegible]	ఔ	[illegible]	[illegible]
अं	An	اں	অং	અં	[illegible]	అం	[illegible]	[illegible]
अः	Ah	اہ	অঃ	અઃ	[illegible]	అః	[illegible]	[illegible]
क	K	ک	ক	ક	[illegible]	క	[illegible]	[illegible]
ख	Kh	کھ	খ	ખ	[illegible]	ఖ	[illegible]	[illegible]
ग	G	گ	গ	ગ	[illegible]	గ	[illegible]	[illegible]
घ	Gh	گھ	ঘ	ઘ	[illegible]	ఘ	[illegible]	[illegible]
ङ	N	نگ	ঙ	ઙ	[illegible]	ఙ	[illegible]	[illegible]
च	C	چ	চ	ચ	[illegible]	చ	[illegible]	[illegible]

९ भाषाकी वर्णमाला

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तिलंगी	मारवाड़ी	दक्षिणी
छ	Chh	چھ	ছ	છ	𑘔	ఛ	[illegible]	[illegible]
ज	j	ج	জ	જ	𑘕	జ	[illegible]	[illegible]
झ	jh	جھ	ঝ	ઝ	𑘖	ఝ	[illegible]	[illegible]
ञ	Yan	ن	ঞ	ઞ	𑘗	ఞ	[illegible]	[illegible]
ट	T	ٹ	ট	ટ	𑘘	ట	[illegible]	[illegible]
ठ	Th	ٹھ	ঠ	ઠ	𑘙	ఠ	[illegible]	[illegible]
ड	D	ڈ	ড	ડ	𑘚	డ	[illegible]	[illegible]
ढ	Dh	ڈھ	ঢ	ઢ	𑘛	ఢ	[illegible]	[illegible]
ण	N	ن	ণ	ણ	𑘜	ణ	[illegible]	[illegible]
त	T	ت	ত	ત	𑘝	త	[illegible]	[illegible]
थ	Th	تھ	থ	થ	𑘞	థ	[illegible]	[illegible]
द	D	د	দ	દ	𑘟	ద	[illegible]	[illegible]
ध	Dh	دھ	ধ	ધ	𑘠	ధ	[illegible]	[illegible]
न	N	ن	ন	ન	𑘡	న	[illegible]	[illegible]
प	P	پ	প	પ	𑘢	ప	[illegible]	[illegible]
फ	Ph	پھ	ফ	ફ	𑘣	ఫ	[illegible]	[illegible]
ब	B	ب	ব	બ	𑘤	బ	[illegible]	[illegible]
भ	Bh	بھ	ভ	ભ	𑘥	భ	[illegible]	[illegible]

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तैलंगी	मारवाड़ी	दिल्लीवाल
म	M	م	ম	મ	[illegible]	మ	[illegible]	[illegible]
य	Y	ی	য	ય	[illegible]	య	[illegible]	[illegible]
र	R	ر	র	ર	[illegible]	ర	[illegible]	[illegible]
ल	L	ل	ল	લ	[illegible]	ల	[illegible]	[illegible]
व	W	و	ব	વ	[illegible]	వ	[illegible]	[illegible]
श	Sh	ش	শ	શ	[illegible]	శ	[illegible]	[illegible]
ष	Sh	ش	ষ	ષ	[illegible]	ష	[illegible]	[illegible]
स	S	س	স	સ	[illegible]	స	[illegible]	[illegible]
ह	H	ه	হ	હ	[illegible]	హ	[illegible]	[illegible]
ल	L	ل	ল	ળ	[illegible]	ళ	[illegible]	[illegible]
क्ष	Xh	کش	ক্ষ	ક્ષ	[illegible]	క్ష	[illegible]	[illegible]
त्र	TT	تر	ত্র	ત્ર	[illegible]	త్ర	[illegible]	[illegible]
ज्ञ	Gna	گنا	জ্ঞ	જ્ઞ	[illegible]	జ్ఞ	[illegible]	[illegible]
क	K	ک	ক	ક	[illegible]	క	[illegible]	[illegible]
का	Ka	کا	কা	કા	[illegible]	కా	[illegible]	[illegible]
कि	Ki	کی	কি	કિ	[illegible]	కి	[illegible]	[illegible]
की	Ki	کی	কী	કી	[illegible]	కీ	[illegible]	[illegible]
कु	Ku	کو	কু	કુ	[illegible]	కు	[illegible]	[illegible]

९ भाषाकी वर्णमाला

हिन्दी	अंग्रेजी	उर्दू	बंगला	गुजराती	मराठी	तैलंगी	मारवाड़ी	दिल्लीमाल
कू	Ku	کُو	কূ	કૂ	[illegible]	కూ	[illegible]	[illegible]
के	Ke	کے	কে	કે	[illegible]	కే	[illegible]	[illegible]
कै	Kai	کَے	কৈ	કૈ	[illegible]	కై	[illegible]	[illegible]
को	Ko	کو	কো	કો	[illegible]	కో	[illegible]	[illegible]
कौ	Kau	کَو	কৌ	કૌ	[illegible]	కౌ	[illegible]	[illegible]
कं	Kan	کں	কং	કં	[illegible]	కం	[illegible]	[illegible]
कः	Kah	کہ	কঃ	કઃ	[illegible]	కః	[illegible]	[illegible]
१	1	۱	১	૧	१	౧	१	१
२	2	۲	২	૨	२	౨	२	२
३	3	۳	৩	૩	३	౩	३	३
४	4	۴	৪	૪	४	౪	४	४
५	5	۵	৫	૫	५	౫	५	५
६	6	۶	৬	૬	६	౬	६	६
७	7	۷	৭	૭	७	౭	७	७
८	8	۸	৮	૮	८	౮	८	८
९	9	۹	৯	૯	९	౯	९	९
१०	10	۱۰	১০	૧૦	१०	౧౦	१०	१०

विषयानुक्रमणिका।

हिन्दी भाग पहिला।

अङ्गरेजी भाग दुसरा।

उर्दू भाग तीसरा।

बङ्गला भाग चौथा।

गुजराती भाग पांचवा।

मराठी भाग छठा।



INDEXES

Subjects page

PART I HINDEE

PART II ENGLISH

PART III URDU

PART IV BENGALI

PART V GUJRATI

PART VI MARATTI

فہرست بہ تفصیل مضامین

حصہ اول ہندی

حصہ دویم انگریزی

حصہ سویم اُردو

حصہ چہارم بنگلہ

حصہ پنجم گجراتی

ભાગ ૨જો—ઇંગ્રેજી.

ભાગ ૩ ઉર્દુ.

ભાગ ૪ થો અગલા.

ભાગ ૫ મો ગુજરાતી

ભાગ ૬ ઠો મરાઠી.

मराठी भाग पहिला हिन्दी।

भाग-दुसरा इंग्रजी ।

भाग ३ उर्दू ।

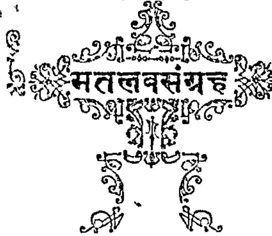
भाग ४ बंगला ।

भाग ५ गुजराथी ।

भाग ६ मराठी

AUJUR-HAND BHAIRODAN
JAIN LIBRARY.





(राजपूताना)

अगजाननपद्मार्कं गजाननं अहर्निशम् ।
अनेकदं तं भक्तानामेकदन्तमुपास्महे ॥ १ ॥
अर्चामि वाचस्पतिमत्सरेण सारापि लब्धु यदहमण्डलीय ।
मुक्ताऽऽत्ममूर्त्तत्वमुपैति यस्या सा सम्प्रसादाऽस्तु सरस्वती य ॥ २ ॥

स्वरवर्णमाला ।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ
ऌ	ॡ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

व्यञ्जनवर्णमाला ।

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष						
१	२	३	४	५	६	७	८	९	०

बारहखडी।

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	ख	खः।
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	ग	गः।
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घ	घः।
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः।
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः।
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	ज	जः।
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झ	झः।
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः।
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठ	ठ।
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः।
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढ	ढ।
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	ण	णः।
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	त	तः।
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थ	थः।
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः।

ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः।
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः।
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः।
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः।
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः।
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः।
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः।
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः।
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः।
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः।
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः।
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः।
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः।
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः।
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः।
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः।

क्य ख्य ग्य घ्य ङ्य च्य छ्य ज्य झ्य ञ्य ट्य ठ्य।

ड्य ढ्य ण्य त्य थ्य द्य ध्य न्य प्य फ्य ब्य भ्य म्य।

य्य र्य ल्य व्य श्य ष्य स्य ह्य क्ष्य।

ङ्क ङ्ख ङ्ग ङ्घ ङ्म च्छ ञ्ज ञ्झ ण्ट ण्ठ ण्ड ण्ढ

ण्ण न्त न्थ न्द न्ध न्न म्प म्फ म्ब म्भ म्म।

स्क स्ख ट्ट ट्ठ ड्ड ष्क ष्ख ञ्ज ठ ड ड्ड ढ्ढ

ष्ण स्त स्थ द्द द्ध ङ्क स्प स्फ द्ब द्ग ह्म ष्फ

ष्प द्ब द्भ न्स द्ग।

कृ खृ गृ घृ तृ दृ धृ नृ पृ हृ वृ मृ

शृ भृ सृ हृ।

क्र ख्र घ्र च्र छ्र ज्र त्र द्र ध्र न्र प्र फ्र

ब्र भ्र म्र व्र श्र स्र ह्र।

क्व ख्व ग्व घ्व ङ्व च्व ज्व ण्व त्व थ्व ध्व न्व

श्व ष्व व्व भ्व प्व स्व ह्व द्व न्त्व स्त्व न्त्व त्त्व।

ष्व द्व म्र स्र न्त्र न्द्र स्व स्कृ ङ्कृ त्ता त्य क्व

ग्ग क्छ व्ज ट्ट ठ्ठ ड्ड ड्ड त्त द्द द्ध प्प ष्ट

प्स ष्स व्व ब्ब ल्क ल्प ल्ल ट्य श्श ल्द ग्ध ल्क

त्स क्स म्ह म्ह क्त ष्कृ त्त्य त्त्व क्म ग्म ङ्म त्म

ष्म द्म न्म श्म प्म स्म ह्म।

क्न ख्न ग्न घ्न ञ्न प्न म्न श्न स्न ल्ल क्ल ग्ल

स्ल ब्ल श्ल स्ल न्त्य न्द्य न्ध्य स्त्य ष्ट्य त्त्य र्मी र्य्यं

र्यां तृ नृ दृ ङ ढ।

दो अक्षरोंका लेसन।

ाका	काकी	बाबा	बाबी	दादा	दादी
ाचा	चाची	नाना	नानी	मामा	मामी
ाउ	ताई	छोरा	छोरी	साला	साली
्फा	फूफी	जीजा	जीजी	दास	मीना
ाल	घर	चद	मन	भान	सिंघ
्त	लाल	काला	देव	राग	रूप
ास	चद	सुख	मन	देव	दास
ाथ	साथ	मन	भानु	कृपा	हरि
ापी	रवि	दत्त	हरी	राम	कासी
ाव	दाऊ	रघ	कालु	दुर्गा	दीन
ोडा	धनी	पिता	पुरी	खावो	अच्छा

ाता दयालु है बाबा जाता है मामी ममताळु है काका कृपालु है
ाचा आता है मामा अजमेर गया दादा दादी स्वर्ग में है चाची रसोई बनाती है
ाली बहुत चञ्चल है भानु उगता है कालु भागता है यह फल अच्छा है

तीन अक्षरोंका लेसन।

ाहिये	जाने दो	किसको	कचौडी	सुनिये
ाडका	क्याकहा	कहताहूं	सुनताहूं	कहोतो
ुनोतो	आइये	बैठिये	देखिये	किसको
ासको	कौन है	कहोहै	आयाहूं	कहांसे
ाठना	रखना	ज्यादा	आराम	करोगे
ारना	छेदना	अज्ञान	करना	मञ्जूर
ारीब	चौपाया	कारण	बालक	होता है
ावर	कांपना	रसीद	आदम	आते हैं
किसान	करना	लिखना	जमीन	अच्छी है
ालाका	मदद	बचना	कितना	हमारी

रवि रति तीक्ष्णो भवति यदि नभोमण्डलं निर्मलं भवति। बोपदेवो मुग्धबोध व्याकरणं प्रणीतवान्। पक्षिणो रात्रौ वृक्षशाखायां निवसन्ति। साधवः सर्वभूतेषु दया कुर्वन्ति। कालीदासो बहूनि काव्यानि रचितवान्। अर्जुनो बाहुबलेन पृथिवीमजयत्। युधिष्ठिरः सदा सत्यमुवाच। उद्योगी पुरुषो लक्ष्मीमुपैति कापुरुषा एवदैवमवलम्बन्ते।

चतुर्थं पाठः।

पाटलिपुत्र नगरे चन्द्रगुप्तोनाम राजावभुव। चाणक्यश्चन्द्र गुप्तस्य नरपतेरमात्य आसीत्। परशुरामः पृथिवीं निःक्षत्रियामकरोत्। धृतराष्ट्रो जन्मान्ध आसीत् तेन राज्यं न प्राप। रामः पितुरादेशात् सीतया लक्ष्मणेन च सह वनं जगाम। भीमो गदाघातेन दुर्य्योधनस्य ऊरु वभञ्ज। चन्द्रं दृष्ट्वा मनसी महान् हर्षो जायते। आकाशे रजन्यामसंख्यानि नक्षत्राणि दृश्यन्ते रात्रौ प्रभातायां पूर्वस्यां दिशि सूर्य्यः प्रकाशते। वसन्तागमे तरुषु लतासु च नवपल्लवानि कुसुमानि च जायन्ते।

पञ्चम. पाठः।

यो वाल्ये विद्यां नोपार्जयति स चिराय मुर्खो भवति। यो दयालु र्भवति स दीनेभ्यो धनं ददाति। यः कृपणो भवति स आत्मानमपि वञ्चयते। यो बन्धुवाक्यं न शृणोति स विपदमाप्नोति। पण्डिताः शास्त्रलोचनया कालं यापयन्ति। मूर्खो निद्रया कलहेन च समयमतिवाहयन्ति। यः शठेषु विश्वसिति स आत्मको

मृत्युमाह्वयति। यो विपदि सहायो भवति स एव यथार्थवन्धुः। यो दुर्जनेन सह मैत्रीं करोति स पदे पदे विपदमाप्नोति। यस्य कुलं शीलं च न ज्ञायते न तस्मिन् सहसा विश्वसनीयम्। यत्नेन विना किमपि न सिध्यति तस्मात् सर्वेषु कार्य्येषु यत्नः करणीयः।

षष्ठ. पाठ।

सदा सत्यं ब्रूयात्। सर्वे सत्यवादिनमाद्रियन्ते तस्य वचसि विश्वासं कुर्वन्ति च। यो हि मिथ्यावादी भवति न कोऽपि तस्मिन् विश्वसिति।

सदा प्रियं ब्रूयात्। प्रियवादी सर्वस्य प्रियो भवति।

विद्या हि परमं धनम्। यस्य विद्याधनमस्ति स सदा सुखेन कालं नयति। श्रमेण यत्नेन च विना विद्या न भवति तस्मात् विद्यालाभाय श्रमो यत्नश्च विधेयः। विद्यां विना वृथा जीवनम्।

आलस्यं सर्वेषां दोषाणामाकरः। अलसा विद्यामुपार्ज्जयितुं न शक्नुवन्ति धनं न लभन्ते। अलसानां चिरमेव दुःखम्। तस्मादालस्यं परित्यजेत्।

मातापितरौ पुत्रार्थं बहून् क्लेशान् सहेते। तयोर्नित्यं प्रियं कुर्य्यात्। कायेन मनसा वाचा तयोर्हितं चिन्तयेत्। तयोः सततं भक्तिमान् भवेत्। प्राणात्ययेऽपि तयोरवमानना न कार्य्या। तयोरनुमतिं विना न किञ्चित् कर्म्म कर्त्तव्यम्।

सप्तम पाठ

अतिभोजनं रोगमूलम् आयुःक्षयकरम् । तस्मादतिभोजनं परिहरेत् ।

योऽस्मानध्यापयति सोऽस्माकं परमो गुरुः । स हि पितृवत् पूजनीयः । विद्यादाता जन्मदाता द्वावेव समानौ सम मान-नीयौ च ।

क्रोधं यत्नेन वर्जयेत् । क्रोधवशो न परुषं भाषेत न कमपि प्रहरेत् । क्रोधो हि महान् शत्रुः ।

सर्वं परवशं दुःखम् । सर्वमात्मवशं सुखम् । एतदेव सुख-दुःखयोर्लक्षणम् ।

परहिंसायां परोपकारे च बुद्धिर्न कार्य्या । तयोः समं पापं नास्ति ।

यथाशक्ति परेषामुपकारं कुर्य्यात् । परोपकारो हि परमो धर्मः ।

अहङ्कारं परिहरेत् । नाहङ्कारात् परो रिपुः ।

सन्तुष्टस्य सदा सुखम् । य आत्मनः सुखमिच्छेत् स सन्तोषमवलम्बते । सन्तोषमूलं हि सुखम् ।

षष्टम. पाठ ।

गमिष्यामि	जाऊंगा।
इदानीमेवाऽऽगच्छामि	अभी आता हू।
तत्र किं कार्य्यमस्ति ?	वहा क्या काम है ?
अद्य किं किं कुर्य्याम्	आज क्या क्या करूं ?
भवन्त कुतस्त्या. ?	आप कहाके हो ?
तव किन्नामास्ति ?	तेरा क्या नाम है ?
किं करणीयम् ?	क्या करना चाहिये ?
उत्तिष्ट	उठ।
प्रात.कालोजात	सबेरा हुवा।
पूर्वं किं पठनीयम् ?	पहिले क्या पढना चाहिये ?
किमनेन पठितेन भविष्यति ?	इस्से पढने से क्या होगा ?
किं कथनीयम् ?	क्या कहना है ?
चालयामि	चलता हू।
गच्छ	जाना।
जलं देहि	जल दे।
उत्तिष्ठामि	उठता हू।
सर्वे उत्थापिता	सब उठादिये।
अयं किमध्येति ?	यह क्या पढता है ?
न्यायशास्त्रम्	न्यायशास्त्र को
कदाऽऽगमिष्यसि ?	कब आवोगे ?
द्वितीये मासे	दोमहिने में।
अस्य कदा जन्माभूत् ?	इसका कब जन्म हुवा था ?

कदा गतोसि ?	कब आया है ?
किं कुर्य्याम् ?	क्या करूं ?
आनय	लाइये।
शृणोमि	सुनता हूं।
अस्यां मञ्जुषायां किमस्ति ?	इस संदूक में क्या है ?
नैव कोनचित्खल्वनृतादिकं वक्तव्यम्	कभी किसी को झूठ बोलना नहीं चाहिये
विचार' कर्त्तव्यः	विचार करना चाहिये।
क्व गच्छेय ?	कहां चले ?
रामस्य उद्याने	रामके बागमें।
त्वं किं कर्त्तुं गच्छसि ?	तू क्या करने को जाता है ?
पाठाय व्रजामि।	पढने के लिये जाता हूं।
भवान् कति वार्षिकः ?	आप कितने वर्ष के हुए ?
तव कति भ्रातरो भगिन्यश्च।	तेरे कितने भाई और बहिन हैं।
यथेच्छाऽस्ति।	जिनकी इच्छा हो।
भुञ्जीध्वम्।	भोजन कीजिये।
अत्युत्तमा सम्पन्ना	बड़े उत्तम हुए है।
कि कथनीयम् ?	क्या कहना है ?
प्रभूतं भुक्तम्।	बहुत भोजन किया।
तर्हि उत्तिष्टत।	तो उठिये।
क्षेत्राणि कर्षन्तु।	खेत जोतो।
व्रीहय'	धान।
गोधूमा	गेहूं

चाणक्यनीति।

नानाशास्त्रोद्धृतं वक्ष्ये राजनीतिसमुच्चयम्। सर्वबीजमिदं शास्त्र चाणक्यं सारसंग्रहम्॥ मूलसूत्र प्रवक्ष्यामि चाणक्येन यथोदितम्। यस्य विज्ञानमात्रेण मूर्खो भवति पण्डितः। विद्वत्त्वञ्च नृपत्वञ्च नैवतुल्य कदाचन। स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते॥ १॥ पण्डिते च गुणा सर्वे मूर्खे दोषा हि केवलम्। तस्मान्मूर्खसहस्रेषु प्राज्ञ एको विशिष्यते॥ २॥ मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ट्रवत्। आत्मवत् सर्वभूतेषु य पश्यति स पण्डित॥ ३॥ किं कुलेन धनेनापि गुणहीनस्तु यो नर। अकुलीनोऽपि शास्त्रज्ञो दैवतैरपि पूज्यते॥ ४॥ रूपयौवनसम्पन्ना विशालकुलसम्भवा। विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुका॥ ५॥ नक्षत्रभूषणं चन्द्रो नारीणा भूषण पति। पृथिवीभूषण राजा विद्या सर्वस्य भूषणम्॥ ६॥ माता शत्रु पिता वैरी येन बालो, न पाठित। सभामध्ये न शोभन्ते हंसमध्ये बको यथा॥ ७॥ वरमेको गुणी पुत्रो न च मूर्खशतैरपि। एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारागणो-ऽपिसन्॥ ८॥ लालयेत् पञ्चवर्षाणि दशवर्षाणि ताडयेत्। प्राप्ते तु षोडशे वर्षे पुत्र मित्रवदाचरेत्॥ ९॥ एकेनापि सुवृक्षेण पुष्पितेन सुगन्धिना। वासित तद्वन सर्वं सुपुत्रेण कुल यथा॥ १०॥ एकेनापि कुवृक्षेण कोटरस्थेन वह्निना। दह्यते तद्वनं सर्वं कुपुत्रेण कुल यथा॥ ११॥ दूरत शोभते मूर्खो लम्बशाटपटावृत। तावच्च शोभते मूर्खो यावत्किञ्चिन्न भाषते॥ १२॥ विषादप्यमृतं ग्राह्य-ममेध्यादपि काञ्चनम्। नीचादप्युत्तमां विद्या स्त्रीरत्न दुष्कुला-दपि॥ १३॥ उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिक्षे शत्रु विग्रहे। राजद्वारे

श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धव. ॥ १४ ॥ परोक्षे कार्य्यहन्तार प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् । वर्जयेत्तादृशं मित्र विषकुम्भ पयो मुखम् ॥ १५ सकृद्दुष्टश्च मित्र यः पुनः सन्धातुमिच्छति । स मृत्युमुपगच्छति गर्भमश्वतरी यथा ॥ १६ ॥ न विश्वसेदविश्वस्तं मित्रञ्चापि न विश्वसेत् । कदाचित् कुपित मित्र सर्वदोष प्रकाशयेत् ॥ १७ ॥ उपकारगृहीतेन शत्रुणा शत्रुमुद्धरेत् । पादलग्नकरस्थेन कण्टकेनेव कण्टकम् ॥ १८ ॥ न कश्चित् कस्यचिन्मित्रं न कश्चित् कस्यचिद्रिपुः । कारणेन हि जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ १९ ॥ दुर्जनं प्रियवादी च नैव विश्वासकारणम् । मधु तिष्ठति जिह्वाग्रे हृदये तु हलाहलम् ॥ २० ॥ दुर्जनः परिहर्त्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि स । मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः ॥ २१ ॥ नदीनां नखिना चैव शृङ्गिणां शस्त्रपाणिनाम् । विश्वासो नैव कर्त्तव्यः स्त्रीणां राजकुलस्य च ॥ २२ ॥ हस्ती हस्तसहस्रेण दशहस्तेन वाजिनः । शृङ्गिण शत हस्तेन स्थानत्यागेन दुर्जनः ॥ २३ ॥ आपदर्थं धन रक्षेद्दारान् रक्षेद्धनैरपि । आत्मान सतत रक्षेद्दारैरपि धनैरपि ॥ २४ ॥ परदार परद्रव्य परिवाद परस्य च । परिहास गुरोः स्थाने चापल्यञ्च विवर्जयेत् ॥ २५ ॥ त्यजेदेक कुलस्यार्थे ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत् । ग्राम जनपदस्यार्थे आत्मार्थे पृथिवीन्त्यजेत् ॥ २६ ॥ चल त्येकेन पादेन तिष्ठत्येकेन बुद्धिमान् । प्रसमीक्ष्य परस्थानं पूर्व मायतन त्यजेत् ॥ २७ ॥ लुब्धमर्थेन गृह्णीयात् क्रुद्धमञ्जलिकर्मणा । मूर्खं छन्दोऽनुवृत्तेन तथा सत्येन पण्डितम् ॥ २८ ॥ अर्थनाश मनस्ताप गृहे दुश्चरितानि च । वञ्चनाञ्चापमानञ्च मतिमान्न प्रकाशयेत् ॥ २९ ॥ धनधान्यप्रयोगेषु तथा विद्यागमेषु च । आहारे

व्यवहारे च त्यतानज्ञ: सुखी भवेत् ॥ ३० ॥ धनिनः श्रोत्रियो राजा नदीवैद्यस्तु पञ्चम । पञ्च यत्र न विद्यन्ते तत्र वास न कारयेत् ॥ ३१ ॥ यस्मिन् देशे न सम्मान न प्रीतिर्न च बान्धवाः । न च विद्यागम कश्चि त्तं देश परिवर्जयेत् ॥ ३२ ॥ मनसा चिन्तित कर्म्म वचसा न प्रकाशयेत् । अन्यलचितकार्य्यस्य यत सिद्धिर्न जायते ॥ ३३ ॥ कुदेशञ्च कुवृत्तिञ्च कुभार्य्यां कुनदीं तथा । कुद्रव्यञ्च कुभोज्यञ्च वर्जयेच्च विचक्षण: ॥ ३४ ॥ ऋणशेषोऽग्निशेषश्च व्याधिशेषस्तथैव च । पुनश्च वर्द्धते यस्मात्तस्मात् शेषञ्च कारयेत् ॥ ३५ ॥ चिन्ताज्वरो मनुष्याणा वस्त्राणामातपो ज्वर । असौभाग्य ज्वर स्त्रीणा मश्वाना मैथुन ज्वरः ॥ ३६ ॥ अस्ति पुत्रो वशे यस्य व्रते भार्य्या तथैव च । अभावे सति सन्तोष: स्वर्गस्थोऽसौ महीतले ॥ ३७ ॥ दुष्टा भार्य्या शठ मित्र भृत्यश्चोत्तरदायक: ॥ ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न सशय: ॥ ३८ ॥ माता यस्य गृहे नास्ति भार्य्या चाप्रिय वादिनी । अरण्य तेन गन्तव्य यथारण्य तथा गृहम् ॥ ३९ ॥ ऋण कर्त्ता पिता शत्रु माता शत्रुर्व्यभिचारिणी । भार्य्या रूपवती शत्रु पुत्र शत्रु: कुपण्डित ॥ ४० ॥ कोकिलानां स्वरूप नारीरूप पतिव्रतम् । विद्या रूप कुरूपाणा क्षमा रूप तपस्विनाम् ॥ ४१ ॥ अविद्या जीवन शून्य दिक् शून्या चाप्य बान्धवा । पुत्रहीन गृहशून्यसर्व शून्य दरिद्रता । अदाता वशदोषेण कर्मदोषाद्दरिद्रता । उन्मादो मातृदोषेण पितृदोषेण मूर्खता ॥ ४३ ॥ गुरुरग्निर्द्विजातीना वर्णाना ब्राह्मणो गुरु । पतिरेको गुरुः स्त्रीणा सर्वस्याभ्यागतो गुरुः ॥ ४४ ॥ अतिदर्पे हता लङ्का अतिमाने च कौरवा: । अतिदाने बलिर्बद्धः सर्वमत्यन्तगर्हितम् ॥ ४५ ॥ वस्त्रहीनस्त्वलङ्कारो घृतहीनञ्च भोजनम् ।

स्तनहीना च या नारी विद्याहीनञ्च जीवनम् ॥ ४६ ॥ भोज्यं भोजनशक्तिश्च रतिशक्तिर्वरा स्त्रियः। विभवो दानशक्ति श्च नाल्पस्य तपसः फलम् ॥ ४७ ॥ पुत्रप्रयोजना दारा पुत्र.पिण्ड प्रयोजनः हितप्रयोजन मित्र धनं सर्वप्रयोजनम् ॥ ४८ ॥ दुर्लभ प्राकृतं वाक्य दुर्लभः पुत्रपण्डित.। दुर्लभासदृशी भार्य्या दुर्लभः स्वजनः प्रियः ॥ ४९॥ शैले शैले न माणिक्य मौक्तकं न गजे गजे। साधवो नहि सर्वत्र चन्दनं न वने वने ॥ ५० ॥ अशोच्या निर्धनः प्राज्ञोऽशोच्यः पण्डित बान्धवः। अशोच्या विधवा नारी पुत्रपौत्रप्रतिष्ठिता ॥ ५१ ॥ अविद्य. पुरुषः शोच्यः शोच्य मैथुनमप्रजम्। निराहाराः प्रजाः शोच्याः शोच्य राज्यमराजकम् ॥ ५२ ॥ कुलीनैः सह सम्पर्क पण्डितैः सह मित्रताम्। ज्ञातिभिश्च समं मेल कुर्वाणो न विनश्यति ॥ ५३ ॥ कष्टा वृत्ति पराधीना कष्टो वासो निराश्रय.। निर्द्धनो व्यवसायश्च सर्वकष्टा दरिद्रता ॥ ५४ ॥ तस्करस्य कुतो धर्मदुर्जनस्य कुत. क्षमा। वेश्यानाञ्च कुत स्नेह : कुत. सत्यञ्च कामिनाम् ॥ ५५ ॥ प्रेषितस्य कुतो मान कोपनस्य कुतः सुखम्। कुत. स्त्रीणा सती त्वञ्च कुतः प्रीतिः खलस्य च ॥ ५६ ॥ दुर्बलस्य वल राजा वालाना रोदन वलम्। वलं मूर्खस्यमौनत्वं चौराणामनृत वलम् ॥ ५७ ॥ यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवं परिवसेवते। ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति अध्रुवं नष्ट मेव च ५८ ॥ शुष्कं मास स्त्रियो वृद्धा वालार्कस्तरुणं दधि। प्रभाते मैथुनं निद्रा सद्यः प्राण हराणि षट् ॥ ५९ ॥ सद्यो-मासं नवान्नञ्च वालास्त्री चीरभोजनम्। घृतमुष्णोदकञ्चैवसद्य प्राण कराणि षट् ॥ ६० ॥ सिंहादेकं वकादेकं षट्शुनस्त्रीणि गर्द्दभात्। वायसात् पञ्च शिक्षेच्च चत्वारि कुक्कुटादपि ॥ ६१ ॥

१ से १०० तक का।

१	११	२१	३१	४१	५१	६१	७१	८१	९१
२	१२	२२	३२	४२	५२	६२	७२	८२	९२
३	१३	२३	३३	४३	५३	६३	७३	८३	९३
४	१४	२४	३४	४४	५४	६४	७४	८४	९४
५	१५	२५	३५	४५	५५	६५	७५	८५	९५
६	१६	२६	३६	४६	५६	६६	७६	८६	९६
७	१७	२७	३७	४७	५७	६७	७७	८७	९७
८	१८	२८	३८	४८	५८	६८	७८	८८	९८
९	१९	२९	३९	४९	५९	६९	७९	८९	९९
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

१ से १० तक का पहाडा।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
२	४	६	८	१०	१२	१४	२६	१८	२०
३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०
४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०
५	१०	१५	२०	२५	३०	३५	४०	४५	५०
६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६०
७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	६३	७०
८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	६४	७२	८०
९	१८	२७	३६	४५	५४	६३	७२	८१	९०
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

अक्षर	स्थान	नाम
अ, आ, कवर्ग और विसर्ग	कण्ठ	कण्ठ्य
इ, ई, चवर्ग और य श	तालु	तालव्य
ऋ ॠ र और टवर्ग	मूर्द्धा	मूर्द्धन्य
स ऌ ॡ और तवर्ग	दन्त	दन्त्य
उ ऊ और पवर्ग	ओष्ठ	ओष्ठ्य
ए ऐ	कण्ठ और तालु	कण्ठतालव्य
ओ औ	कण्ठ और ओष्ठ	कण्ठौष्ठ्य
अनुस्वार और ङ ञ म ण न	नासिका जिह्वा का अग्रभाग	नासिक्य
ड़ ढ़	उलट कर मूर्द्धा से मिलने पर	द्विस्पृष्ट

(१३) जानना चाहिये अकारादि सानुनासिक होते हैं और सानुनासिक के जनाने के लिये इनके सिरपर ँ ऐसा चिन्ह लिखते हैं जिस को अर्द्ध चन्द्र कहते हैं जैसे —बाँस

स्वर यह हैं —

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः व्यञ्जन यह हैं — क ख ग घ ङ। च छ ज झ ञ। ट ठ ड ढ ण। त थ द ध न। प फ ब भ म। य र ल व श ष। स ह क्ष त्र ज्ञ।

इन अक्षरों के आगे 'कार' के जोड़ने से उन्हीं अक्षरों का बोध होता है कि जिन के आगे वह लगाया जाता है, जैसे —अकार से 'अ' और मकार से 'म' समझा जाता है।

सन्धि।

(१४) जब दो अक्षर निकट रहने पर मिल जाते हैं तो उन के मेल से जो विकार होता है उस को सन्धि कहते हैं। सन्धि तीन प्रकार की होती हैं—स्वरसन्धि व्यञ्जन और स्वरसन्धि।

(१५) स्वर के साथ स्वर का मेल होनेसे जो विकार होता है उसको स्वरसन्धि

कहते है भौर स्वर या व्यञ्जन के साथ व्यञ्जन का मेल होनेसे जो विकार होता है उसको व्यञ्जन सन्धि भौर विसर्ग के साथ व्यञ्जन या स्वर के मेल होनेसे जो विकार होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं।

स्वरसन्धि।

(१६) जब दो ह्रस्व स्वर या दीर्घ इकट्ठे होतो दोनों मिलकर एक दीर्घ स्वर होजाता है। जैसे —राम+अनुज=रामानुज, हिम+आलय=हिमालय, विद्या+अर्थी=विद्यार्थी, गदा+आघात=गदाघात, कवि+इन्द्र=कवीन्द्र मही+ईश्वर=महीश्वर, महती+इच्छा=महतीच्छा, साधु+उपाय=साधूपाय गुरु+ऊरु=गुरूरु, वधु+ऊहनम्=वधूहनम्, स्वयम्भू+उदय=स्वयम्भूदय।

(१७) यदि अकार या आकार के आगे इकार या ईकार हो तो दोनों मिलकर एकार होजाता है उकार या ऊकार होतो दोनों मिलकर ओकार होजाता है, और ऋकार होतो अर् हो जाता है और अर् का रकार ऊपर जाकर रेफ हो जाता है। जैसे —

नर+इन्द्र=नरेन्द्र, गण+ईश=गणेश, रमा+ईश=रमेश, भाग्य+उदय=भाग्योदय, महा+उत्सव=महोत्सव, जल+ऊर्मि=जलोर्मि, गङ्गा+ऊर्मि गङ्गोर्मि हिम+ऋतु=हिमर्तु महा+ऋषि=महर्षि आदि।

(१८) यदि अकार या आकार के आगे एकार या ऐकार होतो दोनों मिल कर ऐकार हो जाता है और यदि ओकार या औकार होतो औकार हो जाता है। जैसे —

नाम+एव=नामैव तथा+एव=तथैव परम+ऐश्वर्य=परमैश्वर्य, महा+ऐश्वर्य=महैश्वर्य, सुन्दर+ओदन=सुन्दरौदन, महा+औषध=महौषध, महा+औदार्य=महौदार्य आदि।

(१८) यदि इ ई उ ऊ अचरों से भिन्न स्वर उन के आगे होतो इ ई को य् उ ऊ को व् ऋ ॠ को र् और ऌ को ल् मे बदल देते हैं। जैसे—

यदि+अपि=यद्यपि, इति+आदि=इत्यादि प्रति+उत्तर=प्रत्युत्तर, नि+ऊन=न्यून, अति+ऐश्वर्य=अत्यैश्वर्य, अति+ओज=अत्योज, अति+औदार्य=अत्यौदार्य, अनु+अय=अन्वय, सु+आगत=स्वागत, अनु+इत=अन्वित, अनु+एषण=अन्वेषण, पितृ+अनुमति=पित्रनुमति मातृ+आनन्द=मात्रानन्द,।

(२०) यदि ऐ ऐ ओ औ के आगे भिन्न स्वर हो तो ए को अय् ऐ को आय ओ को अव् और औ को आव् से बदल देते हैं। अकार या आकार पूर्व अक्षर से मिलता है और य कार या वकार आगे वाले स्वर से मिलता है। जैसे —

ने+अन=नयन ने+अक=नायक, पो+अन=पवन पौ+अक=पावक इत्यादि।

व्यञ्जनसन्धि।

(२१) यदि क च ट त प के आगे ग घ ज झ द ध ब भ य र ल व अथवा कोई स्वर रहे तो क को ग से, च को ज से, ट को ड से, त को द से, और प को ब से बदल देते हैं। जैसे —

दिक्+गज=दिग्गज, दिक्+अम्बर=दिगम्बर, अच्+आदि=अजादि, षट्+आनन=षडानन, जगत्+ईश=जगदीश।

(२२) यदि क च ट प त के आगे कोई सानुनासिक अक्षर हो तो क को ङ, च को ञ, ट को ण, त को न और प को म से बदल देते हैं। जैसे—प्राक्+मुख=प्राङ्मुख, जगत्+नाथ=जगन्नाथ।

(२३) यदि त और द के आगे च और छ हो तो त और द को च से बदल देते हैं और द के आगे ट और ठ हो तो त और द को ट से बदल देते हैं। जैसे—उत्+चारण=उच्चारण, तत्+टीका=तट्टीका।

(२४) यदि त और द के आगे ज और झ या ड और ढ हो तो त और द को ज और ड से बदल देते हैं। जैसे—उत्+ज्वल=उज्ज्वल, भवत्+डमरु=भवड्डमरु,।

(२५) यदि त और द के आगे श हो तो त और द के स्थान में च और श के स्थान में छ हो जाता है। जैसे —तत्+शब्द=तच्छब्द आदि।

(२६) यदि त और द के आगे ह हो तो त और द के स्थान में द और ह के स्थान में ध हो जाता है। जैसे—तत्+हित=तद्धित,।

(२७) यदि त और द के आगे ल हो तो त और द के स्थान में भी ल हो जाता है। जैसे —उत्+लङ्घन=उल्लङ्घन आदि।

(२८) यदि अनुस्वार के पश्चात् कोई स्पर्श वर्ण हो तो उसी का पंचम वर्ण उसके स्थान पर होता है। जैसे – टं+कार=टङ्कार सं+भव=सम्भव इत्यादि

(२९) यदि ह्रस्व स्वर के पश्चात् छ हो तो छ के स्थान में च सहित छ होता है और यदि दीर्घ स्वर हो तो दोनों प्रकार प्रगट होता है। जैसे – गज+छाया=गजच्छाया, श्री+छाया=श्रीच्छाया वा श्री छाया इत्यादि।

विसर्ग सन्धि।

(३०) स्वर या व्यञ्जन के साथ बिसर्ग का मेल होने से जो हेर फेर होता है उसे विसर्ग सन्धि कहते हैं।

(३१) यदि विसर्ग के पहले इ ओर उ हो और उसके पश्चात् क, ख, प और फ होतो विसर्ग के स्थान में ष हो जाता है। जैसे –नि +कपट=निष्कपट, दु +माप=दुष्माप इत्यादि।

(३२) यदि विसर्ग के पहले ह्रस्व अ हो और उसके पश्चात् ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व, और ह होतो विसर्ग और पहल का ह्रस्व अ दोनों के स्थान पर ओ हो जाता है और यदि अकार पश्चात् में होतो वहऽ इस रूप में व लिखा जाता है। जैसे,—तेज +मय=तेजोमय, मन +रथ=मनोरथ, मन+अवधान=मनोऽवधान इत्यादि।

(३३) यदि विसर्ग के पश्चात् च छ होतो उसके स्थान पर श हो जाता है, इसी प्रकार यदि त, थ होतो स और ट, ठ होतो विसर्ग की जगह पर ष हुवा करता है, जैसे —नि +चल=निश्चल, धनु +टङ्कार,=धनुष्टङ्कार, नि +तार=निस्तार इत्यादि।

(३४) यदि विसर्ग के पहले अ आ, के सिवाय और कोई स्वर हो और उसके पश्चात् ग, घ, ङ, ज, झ ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म य, र ल, व और ह होतो विसर्ग के स्थान पर र् हो जाता है। जैसे —नि +गुण=निर्गुण, बहि+सुख=बहिर्सुख इत्यादि।

(३५) यदि विसर्ग के पहले आ के स्थान पर अ, इ और उ स्वर होतो विसर्ग का लोप हो कर उसके पहले का ह्रस्व स्वर दीर्घ स्वर हो जाता है। जैसे – पुन +रमते=पुनारमते नि +रोग=नीरोग, शम्भु +राजते=शम्भूराजते इत्यादि

दूसराभाग ।

शब्द विचार ।

(३६) जो आवाज सुनाई देती है उसी को शब्द कहते हैं। शब्द दो प्रकार के होते हैं—ध्वन्यात्मक और वर्णात्मक ।

(३७) ध्वन्यात्मक शब्द से केवल ध्वनि या आवाज सुनाई देती है जिस को न हम लिख सके न बोल सके हैं और न उसका उच्चारण कर सके हैं। जैसे—किसी बाजे का सुर और जन्तु ओं की बोली ।

(३८) वर्णात्मक शब्द उस वर्ण समुदाय को कहते हैं जिस से किसी अर्थका बोध होता है और उसको हम ठीक २ लिख पढ सके हैं और उसका उच्चारण भली प्रकार से कर सके हैं, जैसे —रामकृष्ण दामोदर माधव ।

(३९) व्याकरण में इसी प्रकार से दो भेद हैं—सार्थक और निरर्थक ।

(४०) जिस शब्दका कुछ अर्थ निकलता है उसको सार्थक कहते हैं, जैसे —पशु पक्षि आदि ।

(४१) जिस शब्द से किसी अर्थ का बोध नहीं होता उसको निरर्थक कहते हैं , जैसे —अम बम ।

(४२)अर्थ भी दो प्रकारके होते हैं—वाच्य और लक्ष्य ,

(४३) जिस शब्दका जो अर्थ नियत किया गया है उसी में उसका प्रयोग किया जावे तो उस अर्थ को वाच्य कहते हैं , जैसे —गधा एक पशु है ।

(४४) यदि कोई शब्दको उसको अपनी या नियुक्त अर्थके सिवाय किसी और अभिप्राय से उसका दूसरा अर्थ प्रगट करने के लिये प्रयोग में लावे तो उस अर्थ को लक्ष्य कहते हैं , जैसे —वह मनुष्य गधा है अर्थात् मूर्ख है।

(४५) सार्थक शब्दके तीन भेद होते हैं—संज्ञा, क्रिया और अव्यय ।

(४६) संज्ञा पदार्थ के नाम को कहते हैं, जैसे —पेड़, नदी, पर्वत आदि ।

(४७) क्रिया काम के करने वा होनेको कहते हैं, जैसे – आया, गया आदि।

(४८) अव्यय वह शब्द है जिस में कारकों के कारण विकार नहो, जैसे —और, यदि, परन्तु आदि ।

संज्ञा।

(४८) संज्ञा तीन प्रकार की होती हैं—रूढ़ी, यौगिक और योग रूढ़ी।

(५०) रूढ़ी संज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जिनके टुकड़े सार्थक नहीं सके, जैसे,—घर, बन, घोड़ा आदि।

(५१) यौगिक संज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जो प्रकृति प्रत्यय वा शब्दों के योग से बनते हैं, जैसे—गर्भवती विद्यालय।

(५२) योग रूढ़ी संज्ञा वह है जो अपने पहले अर्थको छोड़कर किसी विशेष अर्थको प्रगट करती है जैसे —पीताम्बर।

(५३) पांच भेद संज्ञाके और भी है—(१) जाति वाचक जिस से सामान्य रूप का ज्ञान होता हैं, जैसे —वृक्ष, घोड़ा। (२) व्यक्ति वाचक संज्ञा से केवल एक ही मनुष्य वा वस्तु के नाम का बोध होता है, जैसे —राम गोपाल इत्यादि। (३) गुण वाचक संज्ञा किसी संज्ञा के साथ बोली जाती है जिसका कि वह गुण प्रकाश करती है। यह विशेषण कहलाती है और जिसका गुण प्रकाश किया जाय उसको विशेष्य कहते हैं, जैसे —ऊंचा वृक्ष। (४) भाव वाचक संज्ञा से पदार्थों के व्यापार का बोध होता है, जैसे—ऊंचा से ऊंचाई। (५) सर्वनाम वह संज्ञा है जो संज्ञा के स्थान पर बोली जाती है, जैसे —मोहन अपने खेत में गया

(५४) संज्ञा के तीन अङ्ग लिङ्ग वचन और कारक हैं।

(५५) हिन्दीमें लिंग उस चिन्ह को कहते हैं जिस से स्त्रीवाचक और पुरुष वाचक शब्दों का ज्ञान होता है। इस चिन्ह या जाति भेद से संज्ञा वाचक शब्द पुल्लिंग और स्त्रीलिंग होते हैं। पुल्लिंग से पुरुष जाति और स्त्रीलिंग से स्त्रीजाति का बोध होता है। संस्कृत में नपुंसक लिंग भी होता है। यह हिन्दीमें नहीं होता इस से किसी जोड़े का बोध नहीं होता, जैसे—ईंट, पत्थर। जिनके जोड़े नहीं होते उनका पुल्लिंग और स्त्रीलिंग बोलचाल के व्यवहार से विशेषण और क्रिया लगाकर समझ लेते है, जैसे —बड़ाघर, छोटीबात, धूआंउठा, चिनगारी चमकी।

(५६) हिन्दीमें पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के चार चिन्ह हैं— ई" 'इन' 'नी' और 'आइन' पर बहुत से स्थान पर 'इन' के बदले 'न' और आइन के बदले आनी मानते है, जैसे —नर नारी, माली मालीन, या मालन, मोर, मोरनी, मिसर मिसराइन या मिसरानी।

(५७) जिन पुलिग शब्दों मे अकार या आकार रहता है उन में ई प्रत्यय करके स्त्रीलिंग बनाया जाता है और उनके अन्तिम स्वर का लोप हो जाता है, जैसे— देव देवी, घोडा घोडी, नर नारी, दास दासी।

(५८) यदि व्यापार करने वालो के वाचक शब्द के अन्त मे अ या आ होतो 'अ या 'आ' को 'इन या 'न' से बदल देते हैं, जैसे—सोनार सोनारिन कसेरा कसेरिन या कसेरन।

(५९) किसो किसो व्यापार वाचक पुल्लिग और स्त्रीलिंग मे दोनों नियम नियुक्त रहते है, जैसे —

अहीर	अहीरीन	अहीरन	अहीरी
चमार	चमारिन	चमारन	चमारी

(६०) पशु पक्षि वाचक अकारान्त पुल्लिग शब्दों में नी प्रत्यय के लगाने से स्त्रीलिंग शब्द बन जाता है, जैसे' सिंह सिंहनी, मोर मोरनी।

(६१) प्राय उपनाम वाची पुल्लिग शब्दों में 'आइन' ता 'न या 'आनी' और 'नी' प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिंग हो जाता है, जैसे —

चौबे	से	चौबाइन,	चौबन
पडा	से	पडाइन,	पडानी आदि

(६२) बहुत से पुल्लिग शब्दों का स्त्रीलिंग भिन्न २ शब्दो से प्रकाश किया जाता है। जैसे —

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी
बाप	मा
पिता	माता
भाई	बहिन

(६३) वचन सख्या का नाम हैं। हिन्दीमें उसके दो भेद हैं—एक वचन जिस से एक वस्तुका बोध होता है और बहु वचन से एक से अधिक वस्तु का बोध होता है, जैसे —लडका पढता हैं और लडके पढते हैं। आदर भाव के प्रगट करने में एक वचन के स्थान में भी बहु वचन का प्रयोग होता है, जैसे पण्डित जी आए। बहु वचन के पांच चिन्ह हैं—ओ, ओं, ए, ए और आ।

(६४) जिस से संज्ञा का सम्बन्ध क्रिया के साथ हो उसे कारक कहते हैं। कारक के आठ भेद हैं—(१) कर्त्ता (२) कर्म (३) करण (४) सम्प्रदान (५) अपादान (६) सम्बन्ध (७) अधिकरण और (८) सम्बोधन।

(६५) काम के करने वाले को कर्त्ता कहते हैं। इसका मुख्य चिन्ह 'ने' है, जैसे —राम ने देखा। कर्म वह है जिस पर क्रिया का व्यापार सपूर्ण होता है जैसे —राम ने किताब वाले को देखा। इसका मुख्य चिन्ह 'को' है। करण से किसी कार्य्य की सिद्धि पाई जाती है, जिसका चिन्ह को है, जैसे ,—रामने कुत्तेको लकड़ी से मारा। जिसके निमित्त क्रिया प्रयोग में लाई जाती है, उसको सम्प्रदान कहते हैं। इसका चिन्ह 'के लिये' 'को' और 'के' और 'के हेतु' या 'के अर्थ' है, जैसे —मोहन अपने भाईके लिये एक किताब लाया। अपादान विभाग को कहते हैं, जिसका चिन्ह 'से' है जैसे —वृक्ष से पत्र झड़ते हैं, सम्बन्ध से वस्तुओं-का परस्पर अधिकार प्रगट होता हैं जिसका चिन्ह 'का' 'की' 'के' होता है, जैसे '—रामका घोड़ा। जो कर्त्ता और कर्म्म के द्वारा उन दोनों की क्रिया ओंका आधार हो उसे अधिकरण कहते हैं, जिसका चिन्ह 'में' और 'पर' है, जैसे — साधु कुटी में रहता है। राम चटाई पर बैठा है। जिस से कोई किसी को पुकार कर उस का ध्यान अपनी तरफ़ आकर्षित करे उसको सम्बोधन कहते हैं, इसके चिन्ह 'हे', 'अरे', 'हरे', 'ओ', 'हो' और 'ए' होते हैं जैसे —हे राम। इत्यादि।

(६६) क्रिया और कारक का सम्बन्ध जिस से जाना जाता है उसको विभक्ति कहते हैं। हिन्दी में कारकों के चिन्ह विभक्ति हैं जो कि संज्ञा शब्दोंके अन्त में आने से यह अपने २ कारकों को प्रकाश करते है, जैसे —

अकारान्त पुल्लिङ्ग मनुष्य शब्द।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	मनुष्य या मनुष्यने	मनुष्य या मनुष्योंने
२ कर्म	मनुष्य को	मनुष्यों को
३ करण	मनुष्य से	मनुष्यों से
४ सम्प्रदान	मनुष्य के लिये	मनुष्यों के लिये
५ अपादान	मनुष्य से	मनुष्यों से
६ सम्बन्ध	मनुष्य का, की, के	मनुष्यों का, की, के

७ अधिकरण	मनुष्य में	मनुष्यों में
८ सम्बोधन *	हे मनुष्य !	हे मनुष्यो !

इसी प्रकार और भी सब जानो ।

(६७) सर्वनाम की परिभाषा पहले ही हो चुकी है। इस का कोई लिंग नियत नहीं है। यह जिस सज्ञा के बदले में आता है उसी के अनुसार इसका लिंग बनाया जाता है, जैसे —पुरुषने कहा मै आऊं गा। स्त्रीने कहा मैं आऊं गी।

(६८) इसके पाच भेद है—पुरुष वाचक जिससे किसी प्राणी या वस्तु का बोध होता है जैसे—मैं, तू, वह। सकेत वाचक जो इशारे से किसी वस्तु को प्रगट करते हैं, जैसे —यह, वह, इधर, उधर। सम्बन्ध वाचक, जैसे —जो, सो प्रश्न वाचक जैसे —कौन, क्या आदि। अनिश्चय वाचक जैसे —कोई, सर्वनाम जिसके उच्चारण से कुछ निश्चय नहीं हो।

(६९) पुरुष वाचक सर्वनाम के तीन अङ्ग हैं—उत्तम पुरुष बोलने वाले को कहते हैं, जैसे —मैं, हम। मध्यम पुरुष सुनने वाले को कहते हैं या जिस से कोइ बात की जावे, जैसे —तू, तुम। अन्यम पुरुष अन्य पुरुष को कहते हैं या वह जिस की बात की जावे, जैसे—वह, वे।

उत्तम पुरुष की कारक रचना।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
२ कर्म	मुझको, मुझे	हमको, हमें
३ करण	मुझ से	हम से
४ सम्प्रदान	मेरे लिये	हमारे लिये
५ अपादान	मुझ से	हम से
६ सम्बन्ध	मेरा, री, रे	हमारा, री, रे
७ अधिकरण	मुझ में	हम में
८ सम्बोधन *		

मध्यम पुरुष की कारक रचना।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	तू, तूने	तुम, तुमने

* सर्वनाममें सम्बोधन नहीं होता।

२ कर्म	तुझको तुझे	तुमको, तुम्हे
३ करण	तुझ से	तुम से
४ सम्प्रदान	तेरे लिये	तुम्हारे लिये
५ अपादान	तुझ से	तुमसे
६ सम्बन्ध	तेरा, रे, री	तुम्हारा, रे, री
७ अधिकरण	तुझ में	तुम में
८ सम्बोधन *		

अन्यम पुरुषकी कारक रचना।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	वह, उस ने	वह, वे, उन्होंने
२ कर्म	उसको, उसे	उनको, उन्हे
३ करण	उस से	उन से, उन्हों से
४ सम्प्रदान	उसके लिये	उनके लिये, उन्होंके लिये
५ अपादान	उस से	उन से, उन्होंसे
६ सम्बन्ध	उसका के, की	उनका, उन्होंका, के, की
७ अधिकरण	उस में	उन में, उन्हों में
८ सम्बोधन *		

(७०) इन तीनों बहुवचन में प्रत्यय 'लोग लगाकर बोला और लिखा जाता है जैसे—हम लोग हम लोगोंने। इसी प्रकार और कारकों में भी 'लोगों' लगाया जाता है।

(७१) सकेत वाचक सवनाम के उच्चारण से किसी सज्ञा का निश्चय रूप इसारे से प्रगट किया जाता है; जैसे,—☞ यह घोडा। यह' पासके लिये और 'वह' दूर की वस्तु के लिये प्रयोग किया जाता है।

(१) 'यह' शब्दकी कारक रचना।

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	यह, इसने	यह, ये, इन्होंने
२ कर्म	इसको, इसे	इनको, इन्हें

* सवनाम मे सम्बोधन नहीं होता।

३ करण	इस से	इन से, इन्हों से
४ सम्प्रदान	इसके लिये	इनके लिये, इन्होंके लिये
५ अपादान	इस से	इनका, इन्हों से
६ सम्बन्ध	इसका, के, की	इनका, इन्हों का, के, की
७ अधिकरण	इस में	इन में, इन्हों में
८ सम्बोधन *		

(२) 'वह' की रचना पहले ही हो चुकी है

(७२) जो सर्वनाम वाक्य में कही हुई संज्ञा से सम्बन्ध रखता है उसको सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहते हैं। यह 'जो' या 'जौन' और इसका सम्बन्धी 'सो' या तौन सम्बन्ध वाचक सर्वनाम है। इनकी कारक रचना इस प्रकार है —

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	जो जौन, जिसने	जिनने जिन्होंने
२ कर्म	जिसका, जिसे	जिनको, जिन्हों, जिन्होंको
३ करण	जिस से	जिन से, जिन्हों से
४ सम्प्रदान	जिसके लिये	जिनके लिये, जिन्होंके लिये
५ अपादान	जिस से	जिन से, जिन्हों से
६ सम्बन्ध	जिसका के, की	जिनका, जिन्होंका के की
७ अधिकरण	जिस में	जिन में, जिन्होंमें
८ सम्बोधन *		

कारक	एकवचन	बहुवचन
१ कर्त्ता	सो (तौन) तिसने	सो (तौन) तिन्होंने
२ कर्म	तिसको, तिसे	तिनको, तिन्हे
३ करण	तिस से	तिन से
४ सम्प्रदान	तिसके लिये	तिनके लिये
५ अपादान	तिस से	तिन से
६ सम्बन्ध	तिसका, के, की	तिनका, तिन्होंका, के की
७ अधिकरण	तिस में	तिन में, तिन्हों में
८ सम्बोधन *		

* सर्वनाम में सम्बोधन नहीं होता ।

(७३) अनिश्चय वाचक सर्वनाम से किसी वस्तु का निश्चय रूप प्रगट नहीं होता, जैसे —कोई, सब, कुछ ।

कारक	(१) कोई एकवचन	(२) सब बहुवचन
१ कर्त्ता	कोई, किसीने	सब सबने सभोंने
२ कर्म	किसी को	सबको, सभों कों
३ करण	किसी से	सब से, सभों से
४ सम्प्रदान	किसी के लिये	सबके लिये सभोंके लिये
५ अपादान	किसी से	सब से, सभों से
६ सम्बन्ध	किसीका, के, की	सबका, सभोंका, के की
७ अधिकरण	किसी में	सब में, सभों में
८ सम्बोधन		

(७४) शब्द 'कोई' का 'बहुवचन नहीं होता पर इसके आगे 'लोग' बढ़ाने से या इसको दोबार कहने से इसका बहुवचन बनता , जैसे —कोई लोग कहते हैं या कोई २ कहते हैं ।

(७५) 'कुछ' परिमाण वाचक सर्वनाम है। इससे इसके रूप नहीं बनते, जैसे —कुछबात, कुछलोग ।

(७६) 'इस' 'उस' 'जिस 'तिस' और किसके आगे 'सा' और इन शब्दों के आदि अक्षर को ऐ', वै , 'तै', और कै' से बदल कर सादृश्यसूचक शब्द बना लेते हैं, और इसी प्रकार इनके 'स' को 'तना' से बदल कर परिमाण वाचक शब्द बना लेते हैं , जैसे —ऐसा वैसा, जैसा, तैसा, कैसा इतना उतना, जितना, तितना, कितना ।

(७७) किसी सज्ञाको आदर देने के लिये उसका प्रयोग बहुवचन सर्वनाम के साथ करते हैं , जैसे—हम आते हैं (मैं आता हूं) तुम आते हो (तू आता है) पर इन में तुम के बदले आप कहा जाता है , जैसे—आप आते हैं , वे आते हैं (वह आतो है) ।

(७८) जब कर्त्ता के पश्चात् उसके सम्बन्ध को प्रयोग करते हैं तो उसके विशेष्य के स्थान में 'अपना' 'अपने' 'अपनी" से बदल देते हैं और जब कि निज वाचक सर्वनाम प्रगट किया जाता है तो इन्हीं विशेष्यके आगे "आप" शब्द को बढ़ा देते हैं , जैसे — वह अपना काम आप कर लेता है ।

क्रिया।

(७९) क्रिया कामको कहते है जिस से 'होने' या 'करने' का अर्थ किसी काल पुरुष और वचनके साथ पाया जाए नहीं तो 'होने' और 'करने' के समान होता या करना' के आगे कारक आकर वे सज्ञा के समान हो जावेंगे, जैसे—उसका होना भला है। क्रिया धातु से बनती है।

(८०) धातु वह है जिस से कोई काम समझा जाए और उसके अत में 'ना' हो।

(८१) धातु के दो भेद हैं अकर्मक और सकर्मक। जिस क्रिया का काम कर्त्ता ही पर समाप्त हो जाए उसको अकर्मक क्रिया कहते है, जैसे—मोहन सोता है। जिस क्रिया का काम कर्त्ता पर समाप्त न होकर कर्मपर समाप्त हो उसे सकर्मक क्रिया कहते है, जैसे—मोहन किताब पढता है इसके सिवाय कर्त्ता के लिग वचनके समान जो क्रिया हो उसको कर्त्ता प्रधान कहते है; जैसे— लडका खाता है। और जिस क्रिया का लिग वचन कर्म के लिग वचन के अनुसार हो उस क्रिया को कर्म प्रधान कहते है, जैसे—घोडा देखा जाता है।

(८२) क्रिया के करने में जो समय लगता है उसको काल कहते हैं। इसके तीन भेद है--भूत, भविष्य, वर्त्तमान।

(८३) भूत से काम में आरभता और सम्पूर्णता दोनों पाई जाती है, जैसे—गया। जो क्रिया आरभ भी न हुई हो उसका काल भविष्य कहलाता है; जैसे—जाएगा और जो क्रिया आरभ हुई हो पर समाप्त न हुई हो उसको वर्त्तमान कहते हैं जैसे--जाता है।

(८४) भूत ६ प्रकार का होता है—सामान्य भूत, आसन्न भूत, पूर्ण भूत, अपूर्ण भूत, सदिग्ध भूत, और हेतुहेतुमद्भूत। भूतकी विशेषता जिस में न हो उसको सामान्य भूत, जिसे को समाप्त हुए विलब न हुवा हो उसे आसन्न भूत, जिसको समाप्त हुए बहुत विलब हुवा हो उसे पूर्ण भूत, जिसके होने में शका हो उसे संदिग्ध भूत और जो कारण और फल सहित भूत की दशा को सूचित करता है, उसको हेतुहेतुमद्भूत कहते है, जैसे—हुआ, हुआ है, हुआ था, होता था, हुआ होगा और होता।

(८५) भविष्य का कोई भेद नहीं है, जैसे—होगा।

(८६) वर्त्तमान काल तीन प्रकार के होता है--सामान्य, सदिग्ध और तात्का

लिया। सामान्य वर्त्तमान में उसकी विशेषता नहीं पाई जाती, जैसे—बैठता है। सदिग्ध वर्त्तमान कालसे शक्का का बोध होता है, जैसे—बठना होगा। और जो काम उपस्थित समयमें होता है उसको तात्कालिक वर्त्तमान कहते हैं, जैसे—बैठ रहा है।

(८६) क्रिया के तीन भेद और हैं—विधि, सभावना पूर्वकालिक। विधि से आज्ञा, सभावना से क्रियाके होनेका सभव और पूर्वकालिक या अपूर्ण क्रिया से किसी क्रिया का हो चुकना और दूसरी क्रियाकी अपेचा सूचना पाई जाती हैं, जैसे —तू उठ, वह उठे उठकर आदि।

(८७)हेतु हेतुमद्भूत, विधि और सामान्य भूत के साधनसे क्रिया के संपूर्ण रूप बनाए जाते है। इ ग्रेजी व्याकरण के ६८ पृष्ट से ८० तक केवल क्रियाके साधित दृष्टांतो को देखो पर उन में बालके नाम और रूप इग्रेजी बग्राकरण की नियमावली के अनुसार रखे गए है इस लिये केवल उनके साधित दृष्टातो को देखना उचित है।

विक्रित

(८८) कुछ धातु ऐसे हैं जो कभी कभी बदल जाते हैं। उनको विक्रित धातु कहते है। जैसे —"जाना" का भूत हुवा गया'।

(८८) आदर सूचक विधिमें जब मध्यम पुरुष को आदरके लिये प्रयोग में लाते है तो 'आप" को तुम" के स्थान में लाकर धातु का 'न चिन्ह उडाकर इये' के लगाने से आदर सूचक क्रिया बनाई जाती है। जैसे —आप खाईये।

प्रेरणार्थक

(६०) प्रेरणार्थक क्रिया वह क्रिया कहलाती है जिसमें कि एक कर्म से अधिक हो जैसे —रामसोहन को लड्डू खिलाता है। क्रिया चाहे अकर्मक हो या सकर्मक परंतु प्रेरणार्थक होने ही से अकर्मक से सकर्मक एक कर्मक से द्विकर्मक और द्विकर्मक से त्रिकर्मक हो जाते हैं। जैसे—वह उठता है, वह उसको उठाता है, वह उसको अपने भाई से उठवाता है।

यौगिक क्रिया।

(८१) जो क्रिया दो धातुओं के योग से बनती हैं उनको यौगिक क्रिया कहते हैं। जैसे—देख सकना। यह कई प्रकारसे बनती हैं—

(१) मध्यम पुरुष विधिके आगे उठना बैठना' आना' जाना पडना' चुकना' डालना' लेना और देना लगानेसे यौगिक क्रिया बनती है' जैसे—बोल उठा' आबैठा खागया, देख आया' गिर पड़ा मारडाला खालिया और चलदिया दे चुका।

(२) सामान्य भूतके अन्तमें' करना, धातु की क्रिया पुरुष लिंग और वचन के अनुसार लगाने से यौगिक क्रिया बनती है, जैसे—वह पढ़ा करता है इसके बनाने के और भी अनेक भेद हैं।

कृदन्त।

(८२) धातु से जो ऐसा प्रत्यय को निकाले कि जिस से कर्तृत्व का बोध होता है तो उस प्रत्यय को कृत् कहते हैं और वह कृत् जिसके अन्तमें हो उसको कृदन्त कहते हैं जैसे—दाता।

(८३) भाषाकी कृदन्तीय संज्ञा पांच प्रकार की है—कर्तृवाचक, कर्मवाचक करण वाचक, भाव वाचक और क्रियाद्योतक।

(८४) कर्तृवाचक संज्ञा बनाने की रीति यह है कि धातुके आकार को एकार करके उसके आगे 'वाला' या 'हारा' 'इ 'या' या 'वैया" बैढ़ाने से कृदन्त बनता है, जैसे खानेवाला, जानेहारा जडना से जड़िया, लडना से लडैया। इसी प्रकार 'सार 'हार 'आ' 'ई', आक 'ऊ' 'आलु' 'अड़', 'ओड़ा डी, और 'एल" आदि को भी उसी प्रकार बढ़ाने से कृदन्त बनता है, जैसे मिलनसार, होनहार, भूला रेती, पैराक, जडाऊ, झगडालु बुझक्कड़, खेलाडी, बुझैल।

(८५) कर्म वाचक कृदन्त सामान्य भूतके आगे 'हुआ' लगाने से बनता है, जैसे—बोया हुआ खेत,।

(८६) करण वाचक संज्ञा के बनाने में कभी२ धातु ही को ज्यों का त्यों बोलते हैं,—जैसे—बेलना। कभी२ उसके आकार को उडा देते हैं, जैसे—बेलन। कभी२ लघुता के लिये उसके आगे 'ई' बढा देते हैं, जैसे—बेलनी।

(८७) कर्द्तीय भाव वाचक से केवल व्यापार ही का बोध होता है। यह धातु के चिन्ह को लोप कर देनेसे, धातु के चिन्ह का आकार उडादेने से, उसके चिन्ह के बदले 'आव' लगाने से, सामान्य भूत के आगे 'ई' या 'हट' या वट या 'त' तो 'स', 'प' और 'आ' लगानेसे बनता है, जैसे —कूद, फांद, लूट, लेन देन, घटाव, बढाव लिखाई, पढाई, लिखावट, बनावट, बचत बढती, पियास या प्यास, मिलाप, घेरा आदि। यह एकवचन मध्यम पुरुष विधि के प्रथम अक्षर को दीर्घ करने से भी बनता है जैसे —चलना, ढलना से चाल, ढाल।

(८८) हेतुहेतुद्भूत ही को कभी-२ क्रियाद्योतक सज्ञा मानते हैं, जैसे — दौडता आता है। और कभी २ उसके आगे 'हुआ' लगा देते हैं, जैसे—दौडता हुआ आ गिरा। और यहा जब क्रिया विशेषण होता है तो दो वार आता है, जैसे—लडका दौडता दौडता आता है।

तद्धित।

(९९ सज्ञा के आगे प्रत्यय लगा कर उसका अर्थ बदल देनेसे तद्धित कहलाता है। जैसे —दूधवाला।

(१००) कर्तृवाचक तद्धित 'वाला', 'ई', 'वी', 'इया', एला, 'आ', 'मा' 'वान', 'वन्त', 'न' और 'तु' प्रत्यय लगाने से बनता है, जैसे—लकडहारा, आमवाला, धनी, तपस्वी, भठतिया, घरैला, ज्ञानवान्, बुद्धिमान् कुलवन्त, दयालु और कपाल। ऐसा ही ऐत, 'एल', ईला', और 'र' प्रत्ययसे पटैत घायल, रङ्गीला, लुहार आदि बनते हैं।

(१०१) 'इत' प्रत्यय से कर्म वाचक तद्धित बनता है, जैसे —दुखित 'अ', 'इ', और 'इक' से सम्बन्ध का अर्थ निकलता है, जैसे —वैष्णव, दानव मानुषी सासारिक। 'इया' से स्त्रीलिङ्ग का बोध होतो उससे न्यूनता प्रगट होती है, जैसे —डिब्बा से डिबिया।

समास।

(१०२) विभक्ति रहित दो तीन शब्दों के मेल को समास कहते हैं कि जिनसे एक पद का बोध होता है। जैसे राजदार द्वारपाल आदि।

(१०३) समास के छः भेद है—तत्पुरुष, कर्मधारय, बहुव्रीहि, द्विगु, द्वन्द्व और अव्ययीभाव।

(१०४) विशेषण और विशेष्य के समानाधिकरण को कर्मधारय समास कहते हैं, जैसे—महाराज, सत्पुरुष इत्यादि।

(१०५) जब पूर्व पद में कर्त्ता और कर्म की विभक्ति न हो और उत्तर पदका अर्थ प्रधान हो तो ऐसे समय तत्पुरुष समास होता है, जैसे—पुरुषोत्तम, नरसिंहावतार।

(१०६) कई एक पदों के मेल से एक समासिक पद बन कर अपने अर्थ को छोड़ कर किसी सङ्केतित अर्थ को जो प्रकाश करता है उसको बहुव्रीहि समास कहते हैं, जैसे मिठ बोना, मृगनैनी।

(१०७) संख्यावाचक शब्द के साथ यदि समास हो और दोनों पद प्रधान समझे जावें तो ऐसे समास को द्विगु समास कहते हैं, जैसे—त्रिलोक, पञ्चतत्त्व।

(१०८) दो या दो से अधिक शब्दों में 'और' शब्द और संख्या वाचक शब्दका लोप हो तो ऐसे समास को द्वन्द्व कहते हैं, जैसे—मातापिता, हातपाव, नाककान।

(१०९) अव्ययी भाव वह समास है जिस में पूर्व पद का अर्थ कुछ प्रधान रहे और दूसरे पदके मिलाने से क्रिया विशेषण हो जावे, जैसे—दिनरात, हरघड़ी प्रतिदिन।

अव्यय।

(११०) जिस शब्दका आकार सदा एक ही होता है और जिसमें लिङ्ग वचन और कारक का विकार नहीं होता उसको अव्यय कहते हैं, जैसे—अब, तथापि

(१११) अव्यय के चार भेद है—क्रिया विशेषण, सम्बन्ध बोधक, समुच्चय बोधक और विस्मयादि बोधक।

(११२) जिस शब्द से क्रिया का गुण प्रगट हो उसको क्रिया विशेषण कहते हैं, जैसे,—घोड़ा शीघ्र दौड़ता है।

(११३) काल वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता में काल-का

समय का बोध होता है जैसे —अब, तब, कब, जब, कल, परसों, तरसों, नरसों, नित्य, शीघ्र, पश्चात्, प्रथम, तत्काल, निदान, तुरन्त, बारबार आदि ।

(११४) स्थान वाचक क्रियाविशेषण से क्रिया की विशेषता में किसी स्थान का बोध होता है, जैसे —यहां, वहां कहां, जहां, तहां, जिधर, तिधर किधर, इधर, उधर, परे, परे, निचे, ऊपर, बाहर, भीतर, आसपास, सर्वत्र आदि ।

(११५) प्रकार वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता में किसी प्रकार की रीति का बोध होना है, जैसे — इतना कितना, जितना, तितना, बहुत, कुछ, थोड़ा, एक बेर, दो बेर, अत्यन्त आदि ।

(११६) स्वीकार निषेध वाचक क्रिया विशेषण से किसी क्रिया के होने या न होने का बोध होता है, जैसे —हां, अवश्य नहीं, मत, तो, निश्चय आदि ।

(११७) निश्चय वाचक क्रिया विशेषण से क्रिया की विशेषता निश्चय रूप के प्रगट होने का ज्ञान होता है, जैसे —अभी तभी कभी, जभी, यहीं, वहीं, ज्योंही, त्योंही, इत्यादि। इन्हींको कभी कभी २ दोहरा कर भी बोलते हैं, जैसे —ज्यों ज्यों भीजे कामरी त्यों त्यों भारी होय। गुणवाचक शब्द भी क्रिया विशेषण हो जाते हैं, जैसे लड़का अच्छा पढ़ता है ।

(११८) बहुत से शब्दों में 'करके' 'पूर्वक' या 'से' लगानेसे क्रिया विशेषण बनता है, जैसे —विनय पूर्वक, घबड़ा करके, बुद्धि बल से ।

(११९) सम्बन्ध वाचक अव्यय से वाक्य की संज्ञा और उसके साथ दूसरे शब्दों का सम्बन्ध प्रगट होता है, जैसे —नाव नदीके तीर जा लगी ।

(१२०) जो शब्द दो पदों या वाक्यों या उनके अंशों के मध्य में आकर एक एक पद, वाक्य या उनके अंशों को जुदी २ क्रिया समेत अन्वय को मिलाते हैं या अलग करते है वे समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं, जैसे —राम और गोपाल आये। इनमें से जो मिलाते हैं वे संयोजक कहलाते है, जैसे —और, एवं यथा, तथा, यदि, जो, तो, यद्यपि, कि, भी, फिर, पुनः तथापि, तोभी । इनके सिवाय जो अलग करते हैं वे विभाजक कहलाते है, जैसे—या, अथवा, पर, किन्तु, परन्तु चाहे या, क्योंकि, वरंच, न न, या या ।

(१२१) जिन शब्दों से अन्त करण की व्यवस्था प्रगट होती है वह विस्मयादि

बोधक अव्यय कहलाते हैं। इनके कई भेद हैं। पीडा या शोक बोधक आह! अहहह! ओ होहोहो! हाय २! आनन्द बोधक या आश्चर्य बोधक वाह! वाह! जय! जय! निरादर या लज्जा बोधक छी! छीछी! दुर २! धिग!

तृतीय भाग।

वाक्य रचना।

(१२२) वाक्य विचार से शब्दों के द्वारा वाक्यों की रचना करनेका ज्ञान होता है।

(१२३) शब्दों के वह समूह जिन से कि पूरा २ मतलब समझा जाता है वाक्य कहलाते हैं जोकि अपने अपने भेद अर्थात् योग्यता, आकांक्षा और आसक्ति से संयुक्त होते हैं।

(१२४) पदार्थों के बाधा रहित परस्पर सम्बन्ध को योग्यता कहते हैं, जैसे—घोडा हिनहिनाता है। यहा घोडे और हिनहिनाने का परस्पर सम्बन्ध है।

(१२५) पदों में परस्पर अन्वित होने को चाह या आकांक्षा कहते हैं, जैसे—"लडका घोडा" में क्रिया की आकांक्षा है। किन्तु "लडका घोडे पर सवार है" यह वाक्य है।

(१२६) आसक्ति पदों की समीपता को कहते हैं, जैसे—यहां 'बालक' कहते हैं 'रोता है' इसमें समीपता का अभाव है। 'बालक रोता है' यह वाक्य पूरा है।

(१२७) जो वाक्य अपने अर्थ को बिना किसी और वाक्य की सहायता के पूरा करे वह स्वतंत्र कहलाते हैं और जो किसी वाक्य की सहायता से अपना मतलब पूरा करे वह आश्रित वाक्य कहलाते है, जैसे—'वह लडका जो कल आया था आज नहीं आया।' इसमें दो वाक्य हैं जो दूसरा पहले के अधीन है।

उद्देश्य और विधेय।

(१२८) उद्देश्य और विधेय रहित कोई वाक्य नहीं होता।

(१२८) जिसके विषय में जो कुछ कहा जाता है वह उद्देश्य कहलाता है और जो कुछ जिसके लिये कहा जाय वह कहना विधेय कहलाता है। वाक्य में उद्देश्य पहले और विधेय पीछे आता है। क्रिया सदा विधेय होती है। सकर्मक क्रिया के बाद कर्म रहता है, जैसे —रामने मृग मारा।

पद योजना का क्रम।

(१३०) पद योजना की सरल रीति यह है कि पहले कर्त्ता फिर कारण, फिर कर्म और तत्पश्चात् क्रिया आती है, जैसे —पक्षि पर से उड़ते हैं।

(१३१) समझाने की विशेषता और छन्द की आवश्यकता के कारण कभी कभी कोई शब्द अपने ठीक २ स्थान पर नहीं रखे जाते, जैसे,—आगे चले बहुरि रघुराई।

(१३२) जो पद जिस से सबन्ध रखे उसको उसी के पास बिठाना चाहिये, जैसे —परिश्रमी लड़के पठन पाठन करके अपने गुरु को सन्तुष्ट करते हैं।

(१३३) प्रश्न के विषय में प्रश्न वाचक सर्वनाम या क्रिया विशेषण आता है और यदि वाक्यप्रश्नात्म प्रश्न वाचक हो तो सर्वनाम वाक्य के पहले रहता है, जैसे —वह कब जायगा। क्या वह घोड़ा है? जहां प्रश्न वाचक शब्द कोई न हो वहां बोलने वाले के स्वर से पहचाना जाता है, जैसे — हें! वह आगया?

कर्त्ता और क्रिया का अन्वय।

(१३४) कर्त्ता ही सदा वाक्य का उद्देश्य हुवा करता है। अकर्मक क्रिया सदा अपने कर्त्ता के लिंग पुरुष और वचन के अनुसार हुवा करती है, जैसे — राम रोता है।

(१३५) सकर्मक क्रिया के होने पर सामान्य भूतकालिक और उस के योग से बनी हुई और क्रियाओं के कर्त्ता के 'ने' चिन्ह लगाया जाता है; जैसे —रामने पुस्तक पढ़ी।

(१३६) 'को' रहित कर्म कारक की विभक्ति होने पर क्रिया का लिंग वचन कर्म के अनुसार रहता है और 'को' सहित कर्म कारक की विभक्ति होने पर क्रिया

सदा पुल्लिंग एक वचन में प्रयुक्त रहती है, जैसे —रामने घोड़े को देखा, लड़कीने लड्डू खाए।

(१३७) सामान्य आसन्न पूर्ण और अपूर्ण भूत कालों के सिवाय सकर्मक क्रिया का लिंग वचन कर्ता के अनुसार हुवा करता है, जैसे,—लड़का पुस्तक पढ़ेगा।

(१३८) अनेक क्रियाओंका अकेला कर्ता पहली क्रिया से संयुक्त रहता है और बाकी क्रियाओं के साथ उसका अध्याहार रहता है, जैसे —वह न आता है न जाता है न खाता है न पीता है सदा प्रोक्षित रहता है।

(१३९) यदि भिन्न २ लिङ्ग सहित कर्ताओं की एक क्रिया होतो क्रिया का लिङ्ग वचन अन्तिम कर्ता के अनुसार होता है और इसमें कोई कर्ता का वचन बहुवचन हो तो उस कर्ता को क्रिया के पास ही बिठाना उचित है क्यों कि क्रिया का वचन इस अवकाश में बहुवचन होता है।

(१४०) यदि कोई सख्या-वाचक या समुदाय-वाचक कोई शब्द अनेक लिङ्ग सहित अनेक कर्ताओं और क्रिया के बीचमें आजावे तो बहुवचन पुलिङ्ग में क्रिया रखी जाती है, जैसे —रामगोपाल अपनी स्त्री समेत सब चले गए।

(१४१) आदर सूचक शब्द के साथ क्रिया सदा बहुवचन में रहती है; जैसे —पण्डितजी आए।

(१४२) यदि अनेक कर्ता के समुदाय से एक या बहुवचन का बोध हो तो उसी बोध के अनुसार क्रिया का भी वचन बना रहेगा, जैसे —कपड़ा, लत्ता, रुपया, पैसा मेरा सब लुट गया। गोपीराम, राधाकिशन, देवीपाण्डे सब मेरे नाम को रोते हैं।

(१४३) एक वचन कर्ताओं के बीचमें विभाजक शब्द के आने से क्रिया एक वचन की होती है, जैसे,—राम या गोविन्द कल आजाएगा।

(१४४) यदि तीनों पुरुष किसी वाक्य में एक ही क्रिया के कर्ता हों तो क्रिया अन्यम पुरुष की अपेक्षा मध्यम पुरुष और मध्यम पुरुष की अपेक्षा उत्तम पुरुष के अनुसार होती है, जैसे —वह हम तुम आवेंगे। वह और हम आवेंगे। वह और तुम आओगे। हम तुम आवेंगे।

(१४५) यदि दो कर्मोंमें से एक उद्देश्य और दूसरा विधेय हो तो उद्देश्यके आगे 'को' विभक्ति रहती है पर विधेय के आगे लोप हो जाती है, जैसे,—रामने रावण को अपने तीर का निशाना बनाया।

शब्दों के योग सम्बन्ध कारक होता है, जैसे—मालिक के अधीन, प्रेम का भूखा, राम के ऐसा इत्यादि।

(१५७) आलसी, ढीला, चतुर, निपुण, छोटा, बड़ा इत्यादि गुणवाचक शब्दों के योग से अधिकरण कारक होता है; जैसे—लिखने पढने में निपुण हो। इसी प्रकार और भी जानो।

LESSONS FOR THE FOREIGNERS

(1) The beginners of this book should refer the table of the six languages whereby the can learn the Indian Alphabets with their English equivalents very easily

The vowels are 16 in number They are,—

(Hindi) अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ ओ औ अं अः ।

(Guzrati) અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ એ ઐ ઓ ઔ અં અઃ ।

(Bengali) অ আ ই ঈ উ ঊ এ ঐ ও ঔ অং অঃ ।

(English) A A I I U U E Ai O Au An Ah

(Urdu) اَ آ اِ اِي اُ اُو اے اَے او اَو انگ اَہ

But ऋ ॠ ऌ ॡ with their equivalents in others respectively, are also taken under the headings of the vowels by the Gram marians They are used in the Sanscrit language and very seld on in Indian

The consonants are,—

(Hindi) क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ।

(Guzrati) ક ખ ગ ઘ ઙ ચ છ જ ઝ ઞ ।

(Bengali) ক খ গ ঘ ঙ চ ছ জ ঝ ঞ ।

(English) K Kh G Gh N Ch Chh J Jh Yan

(Urdu) ک کھ گ گھ نگ چ چھ ج جھ ں

(Hindi)	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न।
(Guzrati)	ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ	ત	થ	દ	ધ	ન।
(Bengali)	ট	ঠ	ড	ঢ	ণ	ত	থ	দ	ধ	ন।
(English)	T	Th	D	Dh	N	T	Th	D	Dh	N
(Urdu)	ٹ	ٹھ	ڈ	ڈھ	ن	ت	تھ	د	دھ	ن

(Hindi)	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	ह
(Guzrati)	પ	ફ	બ	ભ	મ	ય	ર	લ	વ	શ	ષ	સ	હ
(Bengali)	প	ফ	ব	ভ	ম	য	র	ল	ব	শ	ষ	স	হ
(English)	p	ph	B	Bh	M	Y	R	L	W	Sh	Sh	S	H
(Urdu)	پ	پھ	ب	بھ	م	ے	ر	ل	و	ش	ص	س	ہ ح

(Hindi)	क्ष	त्र	ज्ञ
(GuZrati)	ક્ષ	ત્ર	જ્ઞ
(Bengali)	ক্ষ	ত্র	জ্ঞ
(English)	Xh	Tr	Gni
(Urdu)	کش	تر	گیہ

The letters of the alphabets of all the languages mentioned herewith are divided into two main classes—स्वर *Swar* (the vowels) *Vyanjan* व्यञ्जन (the consonants)

The vowels are the letters which can be sounded by themselves The Consonants are the letters which can not be sounded without the help of the vowels Both of them are well explained in the above

As the consonants are not sounded without the help of the vowels, for the same reason the vowels are added to them, and when vowels are added to them, we find some change in them as distinguished form their original form as shown in the following —

(Hindi) अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः
(Guzrati) અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ ઋ એ ઐ ઓ ઔ અં અઃ
(Bengali) অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ ৠ ঌ ৡ এ ঐ ও ঔ অং অঃ
English A A' I I' U U' Ri R' Lri Lri E Ai O Au An Ah
(Hindi ा ि ी ु ू ृ ॄ ॢ ॣ े ै ो ौ ं ः
(Urdu) ا آ اِ ای اُ او ر ری لر لری اے اَے او اَو انگ اہ

We have explained above that the use of the vowels ऋ ॠ ऌ ॡ is very rare other than Sanscrit, so excluding them we have the 12 vowels of which the forms should be noted as shown in the following —

(Hindi) क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः
(Guzrati) ક કા કિ કી કુ કૂ કે કૈ કો કૌ કં કઃ
(Bengal) ক কা কি কী কু কূ কে কৈ কো কৌ কং কঃ
(English) K Ká Ki Kí Ku Kú Ke Kai Ko Kau Kan Kah
(Urdu) کَ کا کِ کی کُ کو کے کَے کو کَو کنگ کہ

These twelve forms are called Barahkhari or the twelve forms formed by the vowels for the vowel change in the forms of each consonants, which are stated above

The vowels are sixteen in number of which अ इ उ ऋ ऌ are called—ह्रस्व स्वर *hraswa suar* Short vowels and आ ई ऊ ॠ ॡ ए ऐ ओ औ are called दीर्घ स्वर *Dirgha swar* long vowels. Out of which long vowels ए ऐ ओ औ। are called संयुक्त स्वर *Sanyuktasuar*

compounded long vowels. The sign ( ) is called अनुस्वार and अनुनासिक the nasal dot, forms a nasal sound by placing on any of the letters and the sign is called विसर्ग or अयोग वाह half sounding *h* with colon like two dots, which by placing after any last letter of any word sounds like half H, as —प्रायः (*práyah*) which means nearly, but if it is placed in the midst of any letter, the letter placed after the विसर्ग gives a double sound of the same letter, —दुःख as (dukh) which means, sorrow

In many of the words the consonants are sounded without the help of the vowels, as राम् in which case the sign (्) हलन्त called in Bengali हसत should be placed at the lower extremity of the letter to show that the letter in question is sounded without the help of a vowel, as —राम् Rám.

The position af a letter from which the sound of the letter comes out is called its स्थान or position

क्ष ज्ञ are called संयुक्त व्यञ्जन the compounded consonants, for, they are compounded from क and ष, which become क्ष ज्ञ is compounded from ज and ञ, which become ज्ञ

The consonants are 36 in all There are 25 letters from क to म which are called स्पर्शवर्ण the tangible letters, as the tip of the tongue touches the position from which the letter is pronounced They are divided into five वर्ग (classes), and each वर्ग or class contains five letters क ख ग घ ङ are called कवर्ग *Kauarg*, च छ ज झ ञ are called चवर्ग *Chauarg*, ट ठ ड ढ ण are called टवर्ग *Tauarg* त थ द ध न are called तवर्ग *Tauarg*, प फ ब भ म are called पवर्ग *Pauarg* य र ल and व are called अन्तस्थ *Antasth* the last letters श ष स ह are called the ऊष्म वर्ण *Ushmajuarna* अ आ कवर्ग and ह are pronounced from the throat and hence they are called कण्ठस्थ वर्ण *Kanthasth uarna* the guttural letters इ ई चवर्ग and य श pronounced

from palatae and hence they are called तालव्य वर्ण *Tálauya uarna* palatal letters

उ ऊ and पवर्ग are pronounced from lips which are called ओष्टस्थ *Oshtasth* the labial letters

ऋ ॠ टवर्ग र ष and in Marhatti ळ (pronounced like l by turning the tip of the tongue) are called मूर्द्धन्य *Múrdhanya* cerebrall letters, as they are pronounced from Cerebrum

ऌ ॡ तवर्ग with ल and स are pronounced from the teeth and hence they are called दतस्थ वर्ण *Dantasth warna* dental letters

ए ऐ are pronounced from the throat and palate and are called कण्ठतालव्य वर्ण *Kanthatálauya uarna* guttural-palatal letters

ओ औ are pronounced from the lips and throat they thus are, called कंठौष्टस्थ वर्ण, *Kanthaushtasth warna* the guttural labial letters

व is pronounced from the teeth and lips and hence it is called दतौष्टस्थ वर्ण *Dantaushtasth uarna* the labial dental tetters

The nasal dot or अनुस्वार *Anuswár* is pronounced from nose called अनुनासिक वर्ण *Anunasik uarna* the letter on which the nasal dot is placed are called the अनुनासिक or nasal letters The letters coming at the end of each five वर्ग *uarg* or classes are ङ ञ ण न म They are also taken under the headings of the अनुनासिक वर्ण *warna* Any letter of any वर्ग *uarg* or class placed under its अनुनासिक वर्ण gives the sound of the nasal dot or अनुस्वार, as —गङ्गा or गंगा=Ganges (*á*) जम्बू or जंबू=(jambú in Cashmere), चञ्चल or चंचल=*Chanchal* (frolicsome) ठण्ढा or ठंढा *thandá*= cool or cold) अन्त or अंत = *ant* (end)

COMPOUND LETTERS

Hindi, Marhatti, Guzrati and Bengali languages have many words, that are borrowed from the sanscrit language which con-

tain the compounded letters called संयुक्त वर्ण *Sunyukta warna* the compounded letters They are shown in the following —

क+ष=क्ष, ज्ञ or ज्ञ+र=ज्ञ्र, स+त+र=स्त्र, ज+ञ=ज्ञ, ज=ञ=ज्ञ।

In the same way —

(Guzrati) ક્ર ગ્ર દ્ર ક્ય ચ્ય ન્હ ધ્વ ગ્ધ ગ્મ છ ટ્ટ ક્ષ
ત્ત ત્ન પ્ત જ્ર ર્ક

(Bengali) কৃ গৃ দৃ ক্য চ্য দ্য হ্ন ধ্ব গ্ধ গ্ম চ্ছ দ্ব
ক্ষ ত্ত ত্ন প্ত জ্র র্ক

(Hindi) कृ गृ दृ क्य च्य द्य ह्न ध्व ग्ध ग्म च्छ द्व क्ष
त्त त्न प्त ज्र र्क

(English) Kri Gri Dri Kya Chya Dya Nha Dhwa Gdha Gma
Chchha Dwa Xhma Tta Tna Pta Jra Kra

(Urdu) کسہ در جیہ کمہ کدھہ دھوبھہ دنہ چبد کدہ ڈر گر کر
تب س ست حر کر

सन्धि।

Any letter after which the word "कार" is added denotes that the very letter is implied to be noted, as —चकार signefies the letter 'च'

*T*wo letters coming very close to form a compound word are called सन्धि *Sandhi* compounding

There are three kinds of सन्धि *Sandhi* compoundings,—स्वर सन्धि *Suar Sandhi* vowel compounding व्यञ्जन सन्धि *Wyanjansandhi* Consonant compounding and विसर्ग सन्धि *visarg Sandhi* or half L sounding compoundings—

स्वर सन्धि।

Two long or short vowels when coming together become long when compounded as,—राम + अनुज = रामानुज (Ram's brother), विद्या + आलय = विद्यालय (School), कवि + इन्द्र + कवीन्द्र (Lords of Poets) साधु + उपाय = साधूपाय (Proposals from sage)

If *ikar* and *ikar* may come to be used after *akár* and *ákár* they are then changed into *ekár*, *úkár* and *ukár* into *okár* and *rikár* into *ar*, when they are brought together to form a compound word as नर + इन्द्र + नरेन्द्र (The lord of men) गण + ईश = गणेश (The Head of the Shiva's attendance), भाग्य + उदय = भाग्योदय (To be lucky) जल + ऊर्म्मि = जलोर्म्मि waves, महा + ऋषि = महर्षि (a great sage)

If *ekar* and *aikar* may come to be compounded with *akár* and *ákár* they become *aikár* and when *okar* and *aukár* come to be used thus with them, they become *aukár* as —

नाम + एव = नामैव, तथा + एव = तथैव, परम + ऐश्वर्य = परमैश्वर्य, महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य, सुन्दर + ओदन = सुन्दरौदन, महा + औषध = महौषध।

If any other short sounding-letter may be compounded with इ ई उ ऊ, then इ ई is changed into य्, उ ऊ into व् ऋ ॠ into र् and ऌ, as —यदि + अपि = यद्यपि, इति + आदि = इत्यादि, नि + ऊन = न्यून, अति + ऐश्वर्य = अत्यैश्वर्य, अनु + अय = अन्वय, सु + आगत = स्वागत, मातृ + आनन्द = मात्रानन्द पितृ + अनुमति = पित्रनुमति।

If the different letters are to be compounded with ए ऐ ओ औ, ए is changed into अय्, ऐ into आय्, ओ into अव् and औ into आव्, while *akár* and *akár* become united with its preceding letter and *yakar* or *wakár* with those, coming after them, as —

ने + अन = नयन, नै + अक = नायक पो + अन = पवन, पौ + अक = पावक।

VYANJAN SANDHI व्यञ्जन सन्धी। OR COMPOUNDS OF CONSONANTS

If ग घ ज झ द ध ब भ म य र ल व or any vowel be preceded by क च त ट प then क is changed into ग, च into ज, त into द, ट into ड and प into ब, as —

दिक्+गज=दिग्गज, अच्+आदि=अजादि षट्+आनन=षडानन, जगत्+ईश=जगदीश।

If any nasal letter be preceded by the above consonants it is changed into the last letter of its वर्ग *warg or class, as —प्राक्+*सुख=प्राङ्मुख, जगत्+नाथ=जगन्नाथ etc

If च and छ are preceded by त and द, then त and द are changed into च, similarly if ट and ठ are preceded by त and द, then त and द are changed into ट, as —उत्+चारण=उच्चारण, तत्+टीका=तट्टीका।

If ज and झ or ड and ढ be preceded by त and द, then त and द are changed into ज or ड, as —उत्+ज्वल=उज्ज्वल, भवत्+डमरु=भवड्डमरु।

If श is preceded by त and द then त and द is changed into च and श is changed into छ, as,—तत्+शब्द=तच्छब्द।

If ह is preceded by त and द, then त and द are changed into द, and ह is changed into ध, as —तत्+हित=तद्धित।

If ल is preceded by त and द, त and द are then changed into the same ल, as —उत्+लङ्घन=उल्लङ्घन।

If any tangible letter is preceded by any nasal letter, it is changed into the last or the 5th letter of its वर्ग *warg* or class, as —टं+कार=टङ्कार।

If छ is preceded by any short vowel sound, छ is then changed into च्छ *chchh* and if preceded by long vowel sound, it takes the same form or remains unchanged, as —गज+छाया=गजच्छाया, श्री+छाया=श्रीच्छाया or श्रीछाया।

विसर्ग सन्धि।

VISARG SANDHI

If a विसर्ग is preceded by इ and उ and is followed by क ख प and फ it is then changed into ष, as —नि + कपट = निष्कपट।

If a विसर्ग is preceded by *akár* and is followed by ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, य, र ल व, and ह, *visarg* and *akar* both are then changed into ओ and if it is followed by *akár* it is then changed into *okár* as —मन + रथ = मनोरथ, मन + अवधान = मनोऽवधान।

If a *visarg* is followed by च and छ, it is then changed into श, similarly followed by त and थ, it is changed into स, and if it is followed by ट and ठ it becomes then ष, as —नि + चल = निश्चल, धनु + टङ्कार = धनुष्टङ्कार, नि + तार = निस्तार।

If a *visarg* is preceded by any vowel except *akár* and *ákar* and is followed by ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व and ह, *visarg* is then changed into र्, as —नि + गुण = निर्गुण।

If a *visarg* be preceded by *okar*, superceded by the vowels अ, इ उ, the short vowel sound preceded by the visarg is changed into its corresponding long without its use any longer, as —पुनः + रमेत = पुनारमेत, नि + रोग = नीरोग।

The सन्धि *Sandhi* the compound of the words are used alike in the different languages Hindi, Bengáli, Guzeráti and Marhatti, be cause the source of these languges is Sanscrit from which they have taken their different forms and changes

General rules of grammar used in all the languages in speaking and writing

1 - Whatever is heard is called शब्द or لفظ *shabd* or *lafz* a sound They are of two kinds सार्थक or موضوع *sárthak* or *mauzú* an articulate and निरर्थक or مهمل *Nirarthak* or *mohmil* an inarticulate

(2) In Bengali an inflected word called পদ *pōd* is divided into five parts—বিশেষ্য *visheshyō* a qualified word i e noun or word for a noun বিশেষণ *visheshan* an adjective সর্ব্বনাম *sarbbōnám* a pronoun অব্যয় *abyōy*, a conjunction and ক্রিয়া *kriyá* a verb

(3) In Guzrati શબ્દ *shabd* a word is divided into two parts—વિકારી *wikari*, a word of which the form is changeable by suffixes or prefixes and અવિકારી *Awikári*, a word the form of which is not changeable

(4) વિકારી શબ્દ *wikári shabd* a changeable word is devided into two parts—વિષય પદ *wishay pad* being the names of living beings, qualifications, things or the words used for a noun, while the other part is ક્રિયાપદ *kriyápad* being a name for the words like doing going etc *i e* a verb

(5) વિષય પદ *vishay pad* name is divided into five parts—નામ *Nám*, a noun , સર્વનામ *Sarwanam*, a pronoun , વિશેષણ *visheshan* an adjective , ક્રિયાપદ *kriyápad*, a verb and અવ્યય *awyay* a conjunction

(6) In the Marhatti language a word is divided into सिद्ध *siddhi* not derived from any other word and साधित *sadhit*, a derivative word It is again divided into two parts सविभक्तिक *Sawibhaktik* word with case ending and अविभक्तिक *Awibhaktik* word without case ending or अव्यय *Awyaya* Conjunction

(7) Thus a word in *Marhatti* language is divided into eight parts four of them namely —नाम *Nám* a noun, सर्वनाम *Sarwanam* a pronoun, विशेषण *Vishoshan* an adjective and क्रिया *kriya* a verb have the case endings and the remainder four without case endings are क्रिया विशेषण *kriyá visheshan* an adverb *ubhayánwayi* a Conjunction , शब्द योगी *Shabdayogi* a preposition and केवल प्रयोगी *Keval prayogi* an interjection

NOUN

(8) सङ्ख्या *Sankhyá* (H) اسم *Isma* (U) বিশেষ্য *Visheshya* or সংজ্ঞা (B) नाम *Nám* (G) नाम *Nam* (M) Noun (E) the names of any person place or thing are divided in all these languages in different parts

(9) In Hindi it is divided into three parts according to its natural forms They are रूढी *rúrhi* a noun in the form of a simple word, as—घर *ghar* house बन *ban* forest

(10) यौगिक *yaugik* compound noun is formed by the help of other word, as—गर्भवती *garbhawati* pregnant formed from गर्भ *garbha* pregnancy and वती *wati* a suffix to form a feminine gender; योग रूढी *yog rúrhi*, a kind of noun which gives a different Meaning on compounding with any other word, as—पीताम्बर *Pitámber* a kind of yellow dress, formed from पीत *Pit* yellow and अम्बर *ambar* a cloth

(11) It is again divided into five parts—जातिवाचक *Játi wachak* expressing a form Common to all, as,—घोड़ा *ghora* a horse, व्यक्तिवाचक *vyakti wachak* a proper noun expressing only one name of a particular person or thing as—राम *Rám* लखनऊ *Lucknow* ताज महल *Táj mahal* &c गुण वाचक *gun wachak* an adjective is used with any other noun to which it qualifies It is called विशेषण *Visheshan* an adjective भाव वाचक *Bháwa wachak*, an abstract noun denotes the name of a quality as—from ऊंचा *únchá* high to ऊंचाई *únchai* height; सर्वनाम *Sarwanám* a pronoun used in place of a noun; as—मोहन अपने खेत में गया *Mohan apne khet men gayá* Mohon went to his field

(12) In *Urdu* there are so many kinds of nouns that they are too numerous to mention herewith

(13) In *Bengali* the five kinds of nouns are—ব্যক্তি *Vyakti*

proper, as —গোপীনাথ ভট্টাচার্য্য *Gopi náth Bhattachárji* , গোবিন্দ চন্দ্র বানার্জী *Gobindō chandra Banerji* বস্তু *vōstu* names of things, as — ফল *phōl* fruit, মূল *múl* root, আম *am* mangoe, জাতি *játi* common as —মনুষ্য *mōnushyō* man, গো *gow* cow সিংহ *singhō* lion ভাব *Bháwa* abstract, as —গমন *gōmōn* going ভোজন *bhojōn* feeding

(14) In Marhatti noun is divided in three parts — सामान्य *samanya* common as —झाड *jhár* tree, जनावर *janáwar* animal, विशेष *vishesh* proper, as —गोविंदा *Govinda* काशी *Káshi* गंगा *Gangá* Ganges, and भाव वाचक *Bhawa vachak* abstract, as —मनुष्यपण *Ma nushyapan* manliness भलाई *bhalai* goodness

(15) In Guzráti there are only two kinds of nouns सामान्य *sámánya* common, as,—साप *sap* serpent, गाम *gám* village विशेष *vishesh* proper, as —भाइ मगनदास मोतीराम *Bh ai Mangal Das Moti Ram*

(16) In all the languages mentioned herewith the nouns have gender, number and case

---

GENDER

(17) Gender shows whether male is meant or female The names of males are masculine and those of females the famınine, while things without life are neuter In all these languages the gender is called *Ling* लिङ्ग masculine is called पुलिङ्ग *Pulling* faminine is called स्त्रीलिङ्ग *stri ling* and neuter is called नपुंसक लिङ्ग *Nupunsak ling* In Urdu they are called مذکر *muzakkar* مؤنث *Muannas* and مخنث *mukhannas* respectively things without life are also spoken of as males and females and to *point out* their gender is very difficult to the foreigners

(18) In Hindi there are four terminations for forming a famenine gender from the masculine —इन *in* as, पडिताइन *Panditáin* or wife of *Pandit* a priest न *na* as, दुलहन *dulhin* a bride, नी *ni* as ब्राह्मणी *Bráhmani* a wife of a Brahman आनी *ani* as —खतरानी *Khtarani* a female *khatri*

(19) The masculines ending in *akár* or *akár* are changed into *ikár* (ई) when their famenine is to be formed

---

AKARANT THE WORDS ENDING IN AKA'R (*a*)

Masculine	Famenine
देव *dew* God	देवी *dewi* goddess
दास *dás* servant	दासी *dási* maid servant
हिरन, *hiran* male deer	हिरनी *hirani* female deer

ákáránt THE WORDS ENDING IN *ákár*

Masculine	Famenine
घोड़ा *ghorá* horse	घोड़ी *ghori* mare
गधा *gadhá* he-ass	गधी *gadhi* she-ass
बकरा *bakará* he goat	बकरी *bakari* she goat

(20) The words *denoting* the names of the persons having any occupation have *akár* or *akár* in their ending, *akár* is changed into *in* or *na*

Akárant WORDS ENDING AKA'R

Masculine	Famenine
सोनार *sonár* gold smith male	सोनारिन *sonárin* famale of gold smith
लोहार *lohár* black smith (male)	लोहारिन *loharin* famale of blacksmith

Masculine	Faminine
कसेरा *Laserá* brazier	कसेरिन, कसेरन *Laserin* or *Laseran* brázieress
ठठेरा *thathera* brazier	ठठेरिन, ठठेरन *thatherin* or *thathran* brazieress

(2) The gender or many words in Hindi is pointed out by different words, as —

Masculine	Fáminine
राजा *Rajá* king	रानी *Ráni* queen
भाई *Bhái* brother	बहिन *Bahin* sister
मा *Má* mother	बाप *Báp* father

(22) If the masculines ending in ई (*i*), it is changed into इन *in* or *na*, as —

Masculine	Faminine
माली *Máli* gardner	मालिन, मालन, *Malin* or *málan* wife of a gardner
तेली *Teli* oilman	तेलिन, तेलन *Talin* or *telan* oilwoman

(20) The masculines being the names of the birds and flesh eating or other quadrupeds have the ending नी *ni* for their faminines —

Masculine	Faminine
सिंह *Sinh Laon*	सिंहनी *sinhni* lioness
मोर Mor *Peacock*	मोरनी *morni* peahen

(24) Among the names of the living beings many words are always used in one gender only Thus the word मछली Machhli is always used in faminine The masculines of such nouns is formed by placing *nar* before them, as—नर मछली *nar machhli* a male fish, similarly the words used only in the masculines form their faminines by placing before them

(25) The neuter words that have their ending *á* are generally used in masculine , as— कपडा *kaprá* cloth, दया *dayá* favour; माया *mayá* capital पर्दा *pardá* screen, मुर्दा *murdá* deadbody

(26) words ending in *í* are generally famimine , as —लकडी *lakri* timber, पगडी *pagrí* turban

(27) Urdu is the mixture of Hindi Persian and Arabic and therefore the famimine is formed accordingly

(28) Arabic words of the form تفعيل *taf'íl* are famimine as, تحرير *tahrír* 'writing', تقرير *takrír* 'speech' The word تعويذ 'ta' *wíz* 'an' amulet', is an exception to this rule

(29) Persian verbal nouns ending in *sh* are famimine as, كشش *kashish*, 'attraction' from كشيدن *kashidan* to attract'

(30) Arabic verbal nouns ending in ت (*t*) are famimine, as, رحمت *rahmat*, 'mercy' The words قامت *kamat*, 'stature' etc are exceptions

(31) The following are the twenty one letters of the alphabet in the famimine gender—

ب *be* (*b*) پ *pe* (*p*) ت *te* (*t*) ٹ *te* (*t*) ث *sé* (*s*) چ *che* (*ch* ح *he* (*h*) خ *khe* (*kh*) د *dál* (*d*) ڈ *dál* (*d*) ذ *zál* (*z*) ر *re* (*r*) ڑ *re* (*r*) ز *ze* (*z*) ژ *zhe* (*zh*) ط *toe* (*t*) ظ *zoe* (*z*) ف *fe* (*f*) و *wao* (*w*) ه *he* (*h*) ي *ye* (*y*) , or in other words all characters spelt with two letters together with د *dál* (*d*) ڈ *dál* (*d*) and ذ *zál* (*z*) and و *wáo* (*w*) are famimine

(32) Some words such نوكر *naukar*, 'a servants' &c are applicable to either sex, and are therefore in the masculine or in the famimine according to the context

(33) Some famimine nouns are masculine or famimine according as they form part of compound verbs or not, Thus گذارش كيا *guzárish kiyá*, 'requested' being a compound word turned from the famimine

noun guzárish 'requested' into a masculine form But the word is faminine in the phrase مری گذارش meri guzárish, my request'

(34) Substantives standing for inanimate object have no gender in Persian, but in Arabic as in Hindustáni they are either masculine or faminine according as the custom allows the one or the other certain words are of different genders according to their use in Hindustáni and in the language to which they belong Thus مدرسہ madrasa 'a college,' is faminine in Arabic, but masculine in Hindustáni

(35) Let us now observe that in Hindi all parts of speech except the conjunction have genders, of which many have their corresponding genders and many have not, (they being cofined to one gender only) Thus the adjective اچھا achchhá, 'good, is masculine having its faminine اچھی achchhi, the interjection ارے are 'O' is masculine having its corresponding faminine اری ari the adjective dur, far' is always faminine, having no corresponding masculine, the words برابر barábar 'equal' to are masculine, they have no corresponding faminine

(36) The word اوقات aukat is masculine when it means 'time' and faminine when it signifies 'circumstances' Thus we say اونکے اوقات ضایع ہوئے unke aukat záya huue, 'their time is lost, اونکی اوقات کیا هی unki aukát kya hai, 'what are his circumstances' (i e he is worth nothing), similarly اردو urdú is masculine when is means 'army,' and faminine when it signifies the Hindustani language

(37) The idiom of the Hindustani language requires the word طرف taraf, 'towards,' to be used sometimes in the masculine and sometimes in the faminine, thus we say میری طرف meri taraf, 'towards me' (in the faminine, and شہر کے چارطرف shahr ke chárou

taraf, towards the four sides of the city, i e all around it (in the masculine) Its plural اطراف *atráf* is always masculine

(38) The words بلبل *bulbul*, 'nightingale' etc are used in the masculine by some authors and in the faminine by others

(39) Formerly the word سیر *sair* 'walk,' was used in the masculine, but the modern authors use it in the faminine

(40) In the Bengali language the faminine generally formed from a masculine word by changing the ending *a* into *á* as—

Masculine	Faminine
বাম *báma* handsome man	বামা *bámá* a handsome lady
ক্ষীণ *khína* weak man	ক্ষীণা *khiná* a weak lady
মনোহর *mōnohara* heart enchanting man	মনোহরা *mōnohará* a heart enchanting lady
কোকিল *kokilá* male cuckoo	কোকিলা *kokilá* female cuckoo

(41) The syllable অক *ōk* being the last syllable of a masculine word, forms its faminine by changing অ *ō* into ই *i* and ক *kō* into কা *ká* as—

Masculine	Faminine
নায়ক *náyōk* leader	নায়িকা *náyiká* leaderess
পাচক *páchōk* digestive	পাচিকা *páchiká* digestive
গায়ক *gáyōk* songster	গায়িকা *gáyiká* songstress

(42) Common nouns belonging to masculine gender change their endings অ *ō* into ঈ *í* for faminine, as—

Maculine	Faminine
মানুষ *mánush* man	মানুষী *mánushi* woman
হংস *hōnsh* male swan	হংসী *hōnsi* female swan
কুরংগ *kurōngō* male deer	কুরংগী *kurōngi* female deer
সর্প *sarpō* male serpent	সর্পী *sōrpi* female serpent
ছাগ *chhág* he-goat	ছাগী *chhági* she goat
ব্যাঘ্র *byághra* tiger	ব্যাঘ্রী *byaghri* tigress

(43) The words that have their endings इ वान मान मत are in the masculine, which are changed into ईन वत and मत, for faminines as — धनी *Dhani* rich man, धनिनी *Dhanini* rich lady, मान *Man* man of dignity, मानिनी *Minini* lady of dignighty, रूपवान *Rúpwán* handsome, रूपवती *Rúpwati* handsome lady बुद्धिमान *Buddhiman* intelligent man, बुद्धिमती *Buddhimati* intelligent lady, श्रीमान *Srimán* tittle for man, श्रीमती *Shrimáti* tittle for lady

(44) The *akárant* of the words ending in मय कर चर दृश is changed into ई when their faminine gender is formed as —स्वर्णमय *Swarnmay* golden, स्वर्णमयी *Swarnmayi* golden, मृण्मय *Mrinmay* earthen, मृण्मयी *Mrinmayi* earthen, हितकर *Hitkar* favourable, हितकरी *Hitkari* favourable, सहचर *Sahchar* attendant, सहचरी *sahchari* confidante

(45) For pointing out the faminines of the adjectives लघु, गुरु, मृदु and others the *akárant* (*a*) of their ending is changed into its corres ponding *ikárant* (*i*), as,—लघु *Laghu* small, लघ्वी *Laghui* small गुरु *gurú* great, गुर्वी *gurwi* great, मृदु *Mridu* sweet, मृद्वी *mridwi* sweet

(46) Words प्रथम द्वितीय and तृतीय in their ending *a* is changed into *á* for pointing out faminine while the others like them complete words ending in *a* is changed into *i*, as —प्रथम *Pratham* first, प्रथमा *prathamá* first, द्वितीय *Dwitiya* second, द्वितीया *dwitiyá* second, चतुर्थ *Chōturthō* fourth, चतुर्थी *chaturthi* fourth षष्ठ *shastō* sixth, षष्ठी *shashti* sixth, एकादश *ekadash* eleventh, एकादशी *ekadashi* eleventh, सप्तम *saptam* seventh, सप्तमी *Saptami* seventh, काल *kál* time, काली *kali* time, गौर *gaur* man of white complexion गौरी *gauri* lady of white complexion तरुण *tarun* youth, तरुणी *taruni* young lady, कुमार *kumar* prince, कुमारी *kumári* princess, नर्तक *narttak*, actor नर्तकी *narttaki* actress सुन्दर *sundar* beautiful, सुन्दरी *sundari* beautiful lady, नट *nat* dancer नटी *nati* danceress, नद *nōd* river, नदी *nōdi* river, घट *ghōt* water jar घटि *ghoti* water jar, कदल *kadal* plantain tree, कदली *kadali* plan-

tain tree, কিশোর *kishor* man of 16 years, কিশোরী *kishori* lady of 16 years, পট *pöt*, cloth পটি *pöti* cloth, নাগ *nag*, male serpent নাগী *nagi* female serpent, আমলক *amlök*, myrabalan আমলকী *ámlöki* myrabalan

(47) Many masculine words have their famınines by different words in Bengali and Guzrati as —জনক *jönök* father, জননী *janöni* mother, পিতা *pitá* father, মাতা *mátá* mother, বর *bör* bride-groom, কন্যা *konyá* bride, ভ্রাতা *bhrátá* brother ভগিনী *bhögini* sister, নর *nör* man, নারী *nári* woman, পুরুষ *purush* man, স্ত্রী *stri* woman, রাজা *rájá* king, রাজ্ঞী *ragyin* queen, ব্রহ্মা *brömhá* Adam, ব্রহ্মাণী *brömháni* Eve, বিদ্বান *widwán* educated man, বিদুষী *widushi* educated woman, রুদ্র *rudra* Mahadoo, রুদ্রাণী *rudrani* Parwati মাতুল *mátul* maternal uncle, মাতুলানী *matulani* maternal aunt, যুবা *jubá* young, যুবতী *juboti* fare, ভব *bhöw*, Shiv ভবানী *bhawani*, Parwati বরুণ *warun*, Neptune বরুণানী *warurani* wife of neptune ইন্দ্র *indrö* the king of deties, ইন্দ্রাণী *indrani* the queen of deties, পাপিয়ান *pápiyán*, sinner পাপীয়সী *pápiyasi* wife of sinner

રાજા *rájá* king, રાણી *rání* queen, *war* bridegroom બહુ *bahu* bride, સાસરો *sasaro* fatherinlaw, સાસુ *sasu* motherinlaw, ભાઈ *bhái* brother, ભોજાઈ, ભાભી *bhojai*, *bhabhi* brother's wife, પુરુષ *purush* man, સ્ત્રી *stri* woman, પાડો *páro* buffalo (male), ભેંસ *bhens* buffalo (female), આખલો *ákhalo* bull, ગાય *gáya* cow, મોર *mora* peacock, ઢેલ *dhel* peahen

(8) Many masculines have double famınines having some difference in their meaning, as —শূদ্র *shúdra* low caste, (১) শূদ্রা *shudra* a woman of low caste, (২) শূদ্রী *shudri* wife of a low caste ক্ষত্রিয় *kshötriyö* warrior caste, (১) ক্ষত্রিয়া *kshötriyá* a woman of warrior caste, (২) ক্ষত্রিয়ী *kshötriyi* wife of a warrior caste, বৈশ্য *waishyö* trading caste, (১) বৈশ্যা *waishyá* a woman of trading caste, (২) বৈশ্যী *waishyi* wife of a trading caste,

(49)There are many masculines that have their faminines either by

मकनातीस	थोडा स्याहीपन लिये सफेद चमका पत्थर ।
सिन्दूरिया	सफेदपन लिये गुलाबी ।
लीली	जात नीलम की नीलम से नरमपन और थोडा जर्द ।
वेरूज	हलका सब्ज इसकी खारटोडा से है ।
मरगज	जात पन्ने की रंग सब्ज लेकिन पानी नहीं ।
पितोनिया	सब्ज के ऊपर सुर्ख छीटादार ।
वांशो	सब्ज हलका सभी सबसे नरम होता है लेकिन पालिस अच्छा होता है ।
दुरेनजफ्	कच्चे धान के माफिक पालिस अच्छा होता है ।
सुलैमानी	काला ऊपर सफेद डोरा ।
आलेमानी	भूरा रंगदार ऊपर डोरा जात सुलेमानी की ।
जजेमानी	रंग पाश के माफिक ऊपर डोरा जात सुलेमानी की ।
सिवार	सब्ज ऊपर भूरे रंग की रेखा ।
तुरसावा	गुलाबीपन लिये जर्द होता है पत्थर बोहत नरम ।
अहवा	गुलाबी ऊपर बड़े बड़े छींटा ।
आबरी	कालापन लिये सोने के माफिक ।
लालबरद	लाल ऊपर सब जगह सोने के छीटा रहता है ।
कुदरत्	काला ऊपर सफेद और जर्द दाग होता है ।
चित्ती	काला ऊपर सोने का छींटा और सफेद डोरा मालूम देता है ।
संगेसम	जात दो अंगुरी और सपेद जिस में कपूरी उस से अच्छा होता है ।
लास	जात मारबर की ।
मारबर	रंग पाश के माफिक रंग लाल और सपेद मिला होने से मकराना कहते हैं ।
दानाफिरंग	पिसता के माफिक थोडा सब्ज होता है ।
कसौटी	काला सोने के कसकी परीक्षा होती है ।
दारचना	दारचीना के माफिक रंग मुसलमान लोग तसवीर बनाते हैं ।

हकीक कुलबहार मबज पनके साथ जर्द मिला है मुसलमान जप की माला बनाते हैं पत्थर जल में होता है।

हालन गुलाबी मयला हिलाने से हिलता है।

मिजरी सफेद ऊपर स्याम दरख्त दीखता है।

सुनेलजप सफेद में बाल के माफिक लकीर होती है।

कहरवा पीला जिसका बोरखा माला बनता हैं कपूर कहते हैं।

झरना मटिया जिस में पानी देने से सब पानी झर जाता है।

मगबसरी पाव के सुर में मैं पड़ता है।

दातला जरदपन लिये सफेद जैसे जुना सख की माफिक।

मकड़ी मादापन लिये हुए काला ऊपर मकड़ी के जाल के माफिक।

सगीया सख के माफिक सफेद इस का घड़ीकालाकुट बनता है।

गुदड़ी नाना प्रकार फकीर लोग पहनते हैं।

कासला सबजपन लिये सफेद।

सिफरी सबजपन लिये आसमानी।

हदीद भूरापनलिये स्याह वजन का भारी होता है मुसलमान लोग माला से जाप करते हैं।

हवास सोनापन लिये सब्ज होता है दवाई में काम आता है।

सींगली स्याही और सुरखी मिली हुई जात माणिक की।

ढेडी काला इस की खरल तथा कटोरा बनता है।

हकीक रंग सब प्रकार इसका छड़ी का मूठ तथा कटोरा तथा खिलौना होता है।

गोरी रंग सब प्रकार ऊपर सफेद सूत होता है इसका कटोरा तथा जूहार तोलने का बाट होता है।

सीया काला इस की नाना प्रकार की मूर्त्ति बनाती है।

सिमाक लाल जर्द थोड़ा स्याह मयला होता है ऊपर सफेद अरद गुलाबी छींटा इस का खरल कटोरा बनता है।

सुसा सफेद मटिया इसका कटोरा तथा खरल बनती है।

पनधन	थोडा सब्ज़पन लिये हुए काला इस का खिलौना बनता है।
धमलीया	थोडा कालापन लिये गुलाबी इस की खल बनती है।
डूर	कत्थे के माफिक इस की खल बनती है।
तिलीयर	काला ऊपर सफेद छोटा इस की खल बनती है।
खारा	सब्ज़पनलिये काला इसकी खल बनती है।
पायजहर	सफेद पागके माफिक विषके घाव पर घिस कर लगाने से घाव सुख जाता है।
सिरखडी	रग मिट्टी के माफिक इसका खिलौना बनता है जखम पर घस कर लगाने से जखम भर देता है।
जहर मोरा	थोडा सफेद पन लिये सबज इसका गुण कोई चीज मे विष मिलाय कटोरा में धर देने से विष का दोष जाता है।
रवात	लाल रातने बुखार आवे जिस के गले में बांधने से आराम होता है।
सोहन मखी	नीला दवाई में पडता है।
हजरतयउद	सफेद मिट्टीके माफिक पीसाबकी बीमारीमे फायदा करता है।
सुरमा	काला आखका अञ्जन होता है।
पारस	काला लोहे के साथ लगाने से सोना होता है।

सग बहुत है लेकिन ये ८४ सग जौंहरी लोगों में प्रसिद्ध है सग का अङ्ग सब का शीतल है लेकिन सोधने से भस्म करने से अङ्ग बदल जाता है नगीने का घाट चौकोने कु कुतबी कहते हैं छ कौने कु छटास कहते है आठ कोनेकु अठास कहते हैं पानघाट कु दरावघाट कहते है गोलघाट कु गिरदा कहते है हीरे का खोटा तुरमली माणिक का खोटा नरम पन्नेका खोटा पयगु नीलम का खोटा लीली लसनीया का खोटा। कर्केतक् मूगे का खोटा कहरवा गोमेदकका खोटा तुरसावा पुखराज का खोटा सुनेला मोती का खोटा बिलायती मोती

शिक्षोपदेश।

सबसे पहले हरएक काम में परब्रह्म परमेश्वर सच्चिदानन्द का ध्यान करना चाहिए क्योंकि परमेश्वर का नाम प्रथम लेने से कार्य्य की सिद्धि होती है।

प्रथमे नार्जिता विद्या द्वितीये नार्जितं धनम्।
तृतीये नार्जितं पुण्यं चतुर्थे किं करिष्यति॥

१ प्रथम विद्या सीखने का उद्योग करना चाहिये। क्योंकि विद्या पुरुष का चमत्कार स्वरूप है विद्या गुप्त धन है विद्या भोगको देनेवाली है सुखको करनेवाली है विद्यासे यश कीर्त्ति होती है राज्य सम्मान होता है विद्या बिना नर पशु समान है।

२ आदमी को उद्यम हमेशा करना चाहिये केवल भाग्यके भरोसे रहना अच्छा नहीं, उद्यम करने से विद्या लक्ष्मी, यश और मुक्ति मिलती है।

३ माता पिता, बड़ाभाई, गुरु, मालिक और अपने से बड़ों की सेवा बन्दगी हमेशा करनी चाहिये, जो बड़ोंकी सेवा नहीं करते, उनको धर्मकी प्राप्ति नहीं मिलती।

४ पुरुष का शृङ्गार और चातुरी का मूल बोली है बोलने के वक्त लज्जा नहीं रखनी, पांच आदमीयोंके सामने विचार कर बोलना, जवाब का ठीक उत्तर देना नम्रता के साथ मीठा वचन बोलना, अभिमान का वचन मनुष्ने नहीं निकालना बोलते वक्त क्रोध नहीं लाना सबके आगुवान होकर नहीं बोलना, किसी को कड़वा लगे ऐसा वचन नहीं बोलना, दो आदमी अलग बात करते होय जिसके बीचमें नहीं बोलना।

कवित्त।

सीख्यो सब काम धन धामके सुधारवेको
सीख्यो अभिराम बाम राखन हजुरमें
सीख्यो असवारी हय हाथी सुखपालहुकी
सीखरो समसेर काटदेन अरि उरमें
सीखरो सरधाम गढ कोटके गिरायवे को
तिरवोहू सीखरो महानदीनके पुरमें।

सीखो चौरा हेम और भजन परिचा रघु
योलमोल सोखो सब सीखो गयो धुरमें ॥

५ इतनों का विश्वास नहीं करना—१ मूर्ख २ युवती स्त्री ३ जुवारी ४ बदमाश ५ चोर ६ दयाहीन ७ रण्डीबाज ८ भडवा ९ लबाड १० दुशमन ११ वाकेदार १२ रोगी १३ अनजान १४ नशाबाज १५ अग्नि १६ जल १७ सर्प ।

६ इतनों से वैर नहीं रखना—१ गुरु २ पण्डित ३ स्त्री ४ बेटा ५ बालक ६ वृद्ध ७ मित्र ८ विप्र ९ वैद्य १० पडोसी ११ रसोइया १२ राज्य कारबारी ।

७ इतनों से विवाद नहीं करना—१ राजा २ गुरु ३ बलवान पत्तवाला ५ तपस्वी ६ मूर्ख ७ दीर्घ रोगी ८ अल्पायु ।

८ इतनों गुप्त रखना—१ यन्त्र २ मन्त्र ३ औषधि ४ दान ५ मान ६ अपमान ७ द्रव्य ८ सुकृत ९ गृहच्छिद्र १० खोटाकर्म ११ मर्मकी बात ।

९ इतनों से हँसी ठट्ठा नहीं करना—१ नशाबाज २ नादान ३ बीमार ४ मूर्ख ५ बालक ६ गरीब ७ मुसाफिर ८ मतवाला ९ बावला ।

१० इतनी ठौर वास नहीं करना—जहां अपना बान्धव नहीं १ मित्र नहीं २ विद्याका प्रचार नहीं ३ वैद्य नहीं ४ धनकी प्राप्ती नहीं ५ अपनी बडाई नहीं ६ ।

११ इतनी ठौर मौनपना रखना—१ देवपूजा में २ जाप में सन्ध्या कर्म में ४ मैथुन में ५ मूतने में ६ दिशाफिरने में ८ भोजन में ।

१२ इतना गुण मोटा—१ बडपना २ विनय ३ परोपकार ४ सुपात्र दान ५ निश्प्रहता ६ प्रभुभक्ति ७ धर्मके काम में प्रीति ।

१३ इतना हृदय में धरना १ गुरुवचन २ भलीविद्या ३ सुजनता ४ परोपकार ५ नियम ६ सन्तोष ७ प्रभुस्मरण ।

१४ इतना बढावना—१ कीर्त्ति २ गुण ३ कला ४ सुपुत्र ५ कुल ६ चमा ७ सुशीलता ।

१५ इतने बाना छोडना नहीं—गुरुभक्ति २ दया ३ धर्म ४ विनय ५ सत्य ६ सुशीलता ७ तप ।

इतना दुःख के पात्र हैं—१ राजा अनीत २ खोटे गाव का वास ३ नीचकुल की सेवा ४ असपूर्णविद्या ५ स्त्री कलहकारिणी ६ पण्डितोंको मूर्खकी मित्रताई

७ खराब भोजन ८ विधवा स्त्रीका योवन ९ मूर्ख भर्त्तार आगी स्त्रीके खेदकी लहर १० निर्धनता ११ कन्या बहुत ।

इतनों की तृप्ति नहीं होती—१ राजा २ स्त्री ३ विप्र ४ समुद्र ५ अग्नि ६ उदर ७ यम ।

इतने शत्रुतुल्य हैं—१ ऋणकर्त्ता पिता २ माता व्यभिचारिणी ३ पुत्रमूर्ख ४ रूपवती भार्य्या ।

इतना लक्ष्मी के साथ है—१ अहङ्कार २ तृष्णा ३ निर्दयता ४ कठोर वचन ५ नीच पात्र वल्लभ ।

इतनों का जहां तहां आदर होता है—१ विद्वान २ शूरवीर ३ धनवान ४ रूपवती स्त्री ५ पान ६ सुपारी ।

इतना नहीं करना—१ कुसङ्गत २ कुशिक्षा ३ अतिलोभ ४ कपट ५ मद्यपान ६ विषय ७ दुराक्रिया ८ राग ९ द्वेष १० झूठ बोलना ११ कलेश १२ चुगली १३ पर निन्दा १४ परहिंसा १५ विश्वासघात १६ पापका व्यवहार १७ पापका उपदेश १८ सोच मे शोक १९ हर्ष में खुशी २० गई वस्तुका सोच २१ परवस्तु ऊपर प्रीति २२ अनिष्ट वस्तु परग्लानी २३ असमाधि २४ पूर्वविरुद्ध काम ।

सत्पुरुष इक्कीस—१ दयावन्त २ लज्जावन्त ३ क्षमावन्त ४ विनयवन्त ५ शास्त्र जाननेवाला ६ विशेष ज्ञानका जाननेवाला ७ धर्मको जाननेवाला ८परोप कारको जाने १० किया हुवा उपकारको जाने ११ मिष्ट वचन बोले १२ सोमदृष्टि १३ सत मूर्ति १४ गुणग्राहकता १५ गुरवाई १६ सर्वका वल्लभ १७ मिष्टाचारका पक्षी १८ प्रतिज्ञवन्त १९ आदिापणारहै २० अभिमानी न रहै २१ पापक्रियासे रहित ।

स्त्रीदोष—१ अशुची २ अतिलोभ ३ झुठ ४ कपट ५ मूर्खता ६ बिना विचार ७ निर्दयता ये सात दोष स्त्री जन्मे तिसके साथ जन्मे और पुरुष से स्त्रीका आहार दुगुणा लज्जा चौगुणी काम अष्टगुणा होता है ।

दोस्तीके षट्प्रकार—लेना, देना कहना सुनना, भोजन करना और भोजन कराना लेकिन दोस्ती हर किसी के साथ नही करनी दुनियामें मतलबी यार बहुत है ।

दोस्त तीन तरह के होते हैं—अपना दोस्त, दूसरा दोस्तका दोस्त, तीसरा दुशमन का दुशमन ईसी तरह तीन तरहके दुशमन होते हैं प्रथम अपना दुश

मन दूसरा दोस्तका दुश्मन तीसरा दुश्मन का दोस्त और ध्यान से देखो तब कोई किसी का दुश्मन नहीं होता फक्त अपना बदफैल सोही अपना दुश्मन है मुनासिब अपना बदफैल मिटाना।

सुख सात प्रकार—१ रोगरहित काया २ माथेकरजानही ३ स्त्रीसुपात्र ४ पुत्रपौत्रादिक ५ पञ्चमहाजनो मे प्रतिष्ठवान ६ सगाकुटम्बादिकचारिपत्तकरिसहित ७ यात्रादिक बिना आजीवका अर्थ विदेश न जाय।

विद्या मोटी चौद प्रकार—१ आकाशगामिनी २ परशरीर प्रवेशिनी ३ शत्रुपरा जयिनी ४ वशीकरनी ५ भूतादिदमनी ६ सुवर्णसिद्धी ७ रससिद्धी ८ रजितसिद्धी ९ मोहनी १० स्तम्भनी ११ परावर्त्तनी १२ बन्धचोभिनी १३ सर्वसम्पत्करी १४ शिवपदसाधिनी।

विद्या छोटी चवदे प्रकार—१ राग पिछाम २ रसायन विधि ३ व्याकरण पढना ४ ज्योतिषशास्त्र का ग्यान ५ वेदान्त का जानना ६ नृत्यगीत ७ नटबाजी ८ घोडे का चढना ९ रथ हाकना १० धनुर्विद्या ११ जल का तिरना १२ धैर्य बचन बोलना १३ दूसरे के चित्तकी बात लखनी १४ ब्रह्मज्ञान।

रत्न चौद—१ चक्र २ मणिनत ३ कामपक्षच ४ लक्ष्मी ५ मन्त्री ६ स्त्री ७ हस्ति ८ घोडा ९ कामधेनु १० शख ११दण्ड १२ छत्र १३ वैद्य १४ अमृत।

छत्तिस विनोद—१ विद्या २ बुद्धि ३ गणित ४ लिखित ५ चित्र ६ नृत्य ७ कवित्व ८ कथा ९ श्रवण १० दर्शन ११ वार्ता १२ जल १३ पुष्प १४ फल १५ यन्त्र १६ मन्त्र १७ शास्त्र १८ शस्त्र १९ गज २० तुरङ्गम २१ रथ २२ यात्रा २३ कला २४ क्रीडा २५ कलत्र २६ कार २७ युद्ध २८ तल २९ गीत ३० विज्ञान ३१ पक्षी ३२ पतित ३३ वक्रत्व ३४ आखटका ३५ समस्या।

अपना मतलब बिनाकोऽ उद्यमकरे नही
लज्जा बिना सग्राम में कोइ झुझे नही
प्रेम की प्रीति बिना रसरीत जाने नहीं
शील बिना सत्य के साध मिले नही
नेमधरे बिना निश्चय पद मिले नही
देह धरे बिना परमार्थ साध मिले नहीं
ध्यान बिना मर्म की गति धमे नहीं

ज्ञान बिना मुक्तिमार्ग मिले नही। दया जैसा धर्म नही, । अपयश जैसा मरण नहीं। धर्म जैसा मित्र नहीं, पाप जैसा शत्रु नही, विद्यावान के कोइ विदेश नहीं। समर्थवान के कोई भी भार नहीं मेहनत करनेवाले के कोइ दूर नही। मिष्टवचन बोलनेवालेका कोई दूसरा नही, क्रोध जैसा विष नहीं, क्षमा जैसा अमृत नहीं। लोभ जैसा दुःख नही, सन्तोष जैसा सुख नहीं पण्डित उसको कहना जिसमें सर्व गुण होवे धनवान उसको कहना जिसमें सदा सन्तोष रहे सुखी उसको कहना जिसका चित्त चञ्चल नहीं, सावधान जिसको कहना धन, यौवन, आयुका भरोसा रखे नहीं। शूरवीर उसको कहना जो स्त्रीके स्नेहवश नहीं होय बुद्धिमान उसको कहना दूसरेको दुख देवे नहीं बडा उसको कहना जो परोपकार करे दरिद्री उसको कहना जिस्को आशा बहुत, चोर उसको कहना, जो अपनी सम्पदा आप भोगे, सभा शोभिता बोले नही, सोखकी बात सुने नहीं, जिसको गूगा जानना कही बात समझे नही, जिसको पशू जानना, क्रोध वस होय, उसको अन्धा जानना।

१ गुस्सा आवे जब बोलनेके पहिले एकसे दसतक गिनना। और जो बहुतही गुस्सा आवे तो एकसे सो तक गिनो इससे गुस्से के जोशमें पाप नहीं होगा और यो आदमी कोई वखत दुःख भी नही पावे।

२ सतोष न रखनेसे बहुत नुकसान होता है, इसवास्ते जो कुछ अपने को मिले उसमें आनद मानना चाहिए

३ विश्वासघात करके दु खके वखत मित्रको छोडना नही।

४ जिस्की प्राप्ति खरचसे ज्यादा वोही श्रीमन्त और जिस्की प्राप्ति खरचसे थोडी वो गरीब।

५ दूसरे ने दिया हुवा दु ख शांतचित्तसे सहना पण उसको बदलें का दु ख न पहु चाना इस्को सहन शीलता कहते हैं, यह गुण बडा अमोल्लिक है इस मुतविक चलना बडा कठोण है।

६ प्रतिष्ठा पूर्व्वक रहना चाहते हो तो ऋण मतलो और किसी के आगे हाथ न फैलाओ।

७ यदि चाहते हो कि ससार में अपना कोई शत्रु न होतो क्रोध को तिलाञ्जलिदो अर्थात् शान्त भाव धारण करो।

८ पच बनकर किसी से न मिलो।

नित्य प्रतिकृत्य

आदमीको चाहिये कि रात घण्टा १ बाको रहे जब बिस्तर परसे उठ कर अपने इष्टदेव का ध्यान एकाग्रचित्त से करे उस वक्त बुद्धि ठीक रहती है, इस लोक के। और परलोकके अनेक कार्य्य सिद्ध होते हैं। अगर इतना जल्दीसे नहीं उठ सके, तब भी सूर्योदय होनेके पहिले जरूरही उठना उचित है। फराकत हो कर ठण्ढे जलसे मुख धोना, फिर तेल का मर्दन कर स्नान करना, अथ स्नानके गुण चेतन्य सुख करि शुभकर्म करनेवास्ते भाव शुद्धि का हेतु होता है स्नान हृदय के ताप रुधिर के कोप, मनकी ग्लानी, शरीर की दुर्गन्ध, आलस्य, सोच इतनों को दूर करती हैं, शरीर की क्रान्तीको बढ़ाती हैं, और कफ, वायु, हिचकी, उलटी, ज्वर, चीणता इतने रोगवालेको वा नींद से उठकर, नींद आती हो उस वक्त, मैथून, करके, भोजन करके, इतनोको स्नान करना मना हैं, और उष्ण जलसे स्नान कर शीतल भोजन नहीं खाना, शीतल जल से स्नान कर उष्ण भोजन नहीं खाना, और सवेरे स्नान करने के बाद देवदर्शन पूजन ईश्वर का स्मरण करना, अगर स्थिरता हो तो धर्मशास्त्र सुनना वा पढना धर्मशास्त्र सुनने का फल ज्ञान है, ज्ञान का फल मुक्ति है, और भोजन के समय मिष्ट वस्तु चिकनी चरकी खट्टो हन्या साग इत्यादि सब तरह का खाना जिससे शरीर खून का साफ रहता है, भोजन के समय प्रथम जल नहीं पीना, अग्निको मन्द करता है, और भोजन धीरे धीरे करना। अति खट्टा, अति तीखा, अति गर्म अति शीतल, अति रूखा भोजन नहीं करना, भोजनके अन्तमें दूध या गऊकी छाछ पीना, भोजन करने के बाद दोनो हाथको हथेनी घिस कर तीन वक्त नेत्रोंके उपर फेरना, जिससे नेत्ररोग नहीं होय, नेत्र ठण्डा रहे, पीछे तम्बूल खाकर कदम पचास टहलना पीछे सोना चाहो तो बांई करवट दावके सोना वा चित्तसोना जिससे भोजन अच्छा पचता है, भोजनके दो घण्टा बाद, शीतल जल पीना, और सन्ध्या समय ईश्वर का स्मरण करना, और सन्ध्या समय मैथुन, भोजन, सोना, विद्यापढ़ना, इतना मना है, और फजिर उषाकाल हो उस वक्त आठ घुट पानीका पीनेसे अमृत जैसा गुण होता है, और नित्य प्रति शरीरको दबाना, सौगन्ध करना, फिकर करना

इत्यादिसे शरीर कमजोर होता है और बासी अन्न भोजन, वृद्धस्त्रीका सङ्ग करना सूर्यके तावडे का सेवना, सन्ध्या समय निद्रा लेनी, प्रभात समय मैथुन करना इतनी बात प्राणको हरण करती है और नया अन्न, नया घृत वालास्त्री, खीर भोजन गर्मजलमें स्नान इतनी प्राणकी पोषण करनेवाले हैं। बहुत जल पीनेसे, विना भुख आहार करनेसे, दिन में सोनेसे, रात्री में जागरण करनेसे, दस्त और पेशाबकी हाजत रोकनेसे, इतने कारणोंसे रोग की उत्पत्ति होती है और सूर्यके सामने बैठके, उत्तम वृक्षके नीचे, जलको जगह में, गऊके स्थान में, गोबरके ढेरमें श्मशानमें, जिस तर्फ की पवन आती हो उस के सामने या रस्ते में इतनी ठौर मलमुत्र करना नहीं चाहिये।

ऋतुओंका आहार विहार।

वसन्तऋतु—(चैत्र, वैशाख) इस ऋतुमें कोपको प्राप्त हुआ जो कफ सो रोगों को उत्पन्न करे जठराग्निको नाश करे इस लिये शहत संयुक्त हरड खाय तो कफ दूर होय और भ्रमण करे।

ग्रीष्म ऋतु—(ज्येष्ठ आषाढ) इस ऋतुमें सूर्य सब प्राणी मात्रका बल हर लेता है इसवास्ते वृक्षादिक की सघन छायाका सेवन उचित है। गुडसंयुक्त हरड शीतल जल आदि मधुर द्रव्य और हलका भोजन, दाख, चिकना द्रव्य, सिखरन, मिस्रीका शर्बत, शीतल जलमें पैरना, फुहारा आदिका छुडाना, कर्पूर चन्दनादिक का लेप, दिनका सोना पंखेकी हवा, खीरका भोजन इत्यादि और भी अच्छी २ वस्तु ये सब इस ऋतुमें पथ्य हैं और कडवी तीक्ष्ण वस्तु नोन खटाई दाह करनेवाली वस्तु खेद दारू धूप कुपथ्य हैं।

वर्षा ऋतु—(श्रावण, भाद्रपद) सेंधानोन संयुक्त हरड, खटाई, चिकना द्रव्य, नोन, मिस्री, पीपल मिरच, सोंठ पिपलामूल, चित्रक, सेंधानोन इनसे संयुक्त दही और मठा गर्म पानी, कुए का जल सफेदवस्त्र, हलका भोजन भ्रमण करना इतना पथ्य है और मैथुन, दिनका सोना, खेद धूपमें रहना, तलावका जल, दही वनध्यान ये कुपथ्य हैं।

शरद ऋतु—(आश्विन, कार्त्तिक) वर्षा ऋतु में उपजा जो पित्त सो सरद ऋतु में कोपको प्राप्त होय उसके दूर करने के वास्ते मिस्री संयुक्त हरडका सेवन

श्रौर मिश्रीको आदि ले मीठीवस्तु चावल मुग तलावका जल, गर्मदूध ये पथ्य हैं श्रौर दिनका सोना, पूर्वकी वायु, तीक्ष्ण वस्तु नोन, खटाइ धूप, ये कुपथ्य है।

हेमन्त ऋतु—(अगहण, पौष) इस ऋतु में ताजा घृत, गेहू उडद, गुड, मोटा दही, नमक, तेल का मर्दन, तिल, मिश्री आदि मीठा द्रव्य सोठसयुक्तहरड, नवा वस्त्र इतना पथ्य है।

शिशिर ऋतु—(माघ, फाल्गुन) इस ऋतु में मिरिच, अदरख,, सेधानमक, वडा, गुड, दही, पीपलसयुक्त हरड, तथा हेमन्त ऋतु में लिखा सोई पथ्य है।

वसन्त ऋतु में कफका कोप

ग्रीष्म ऋतु में वायुका सञ्चय श्रौर कफकी शान्ति।

वर्षा ऋतु में वायुका कोप पित्तका सञ्चय।

शरद ऋतु में पित्तका कोप वायुकी शान्ति।

शिशिर ऋतु में कफका सञ्चय।

वायुका कोप इतने प्रकार से होता है—हलकी वस्तु थोडी वस्तु सूखी वस्तु अति शीतल वस्तुको खानेसे अति खेदसे चिन्तासे भयसे सन्ध्या समय मैथुन करने से रात्रि को जागरण करने से जलमें तैरनेसे धातुका क्षीणपनासे अन्न को अजीर्णतासे।

पित्तका कोप—गर्म तीखी वस्तु कडवी वस्तु खानेसे निमक खटाइके खानेसे क्रोध करनेसे तावडाको सेवासे मध्याह्न समय भूख मारनेसे प्यासके रोकनेसे पित्तका कोप होता है पित्तके उदय में मीठी वस्तु पर दील होता है।

कफका कोप—चिकने द्रव्यसे मीठा द्रव्यसे शीतल भोजन से दिनको सोनेसे अग्नि मन्दतासे।

कफके उदय में खट्टी वस्तुकी अभिलाषा रहती है।

ज्ञानोपदेश।

जगतमें पदार्थ चार—धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इनका साधन करना। कुविषय सात प्रकार—जूआ खेलना २ मांस भक्षण ३ मदिरा पीना ४ वेश्या गमन ५ परस्त्री गमन ६ जीवहिंसा ७ चोरी इनको त्यागना।

भय सातप्रकार—१ यहलोक २ परलोक ३ अकस्मात् ४ अजीवका ५ आधान ६ अपयश ७ मरण इनका हमेशा भय रखना।

यम पाचप्रकार—१ सत्यवचन २ दया ३ चोरी न करना ४ व्यवहार ५ ब्रह्मचर्य्य।

नियम पाचप्रकार—१ गुरुसेवा २ सन्तोष ३ सरलता ४ अक्रोध ५ शौच।

नवधाभक्ति—१ श्रवण २ कीर्तन ३ चिंतन ४ सेवन ५ वन्दन ६ ध्यान ७ लघुता ८ समता ९ एकता।

पुण्य सातप्रकार—१ अन्न खानेको देनेसे २ पानी पीलानेसे ३ वस्त्र देनेसे ४ रहनेको स्थान देनेसे ५ सोने बैठनेको आसन देनेसे ६ और गुणिजन जो शील सन्तोष ज्ञान ध्यान में बडे होय जिनकी प्रशंसा करनेसे ७ और उन्होंकी सेवा बन्दगी करनेसे।

वैराग्य तीनप्रकार—१ दुःखगर्भित २ मोहगर्भित ३ ज्ञानगर्भित जिसमे ज्ञानगर्भित वैराग्य श्रेष्ट है।

षट्कर्म—१ देवपूजा २ गुरुसेवा ३ दान ४ तप ५ शास्त्र पढना ६ वैराग्यभावधरना।

धर्मसे आलम्बन चारप्रकार—१ वाचना २ पूछना ३ परवर्तना ४ अनुपेक्षा अथवा १ धर्मकथा २ ध्यान ३ पढ़ना ४ गुणना।

मतभेद पाचप्रकार—१ कोई परवस्तु स्वभावको माने कोई उद्यमको माने ३ कोई कालको माने ४ कोई नियतको माने ५ कोई कर्मके उदयको माने मतलब इन पाचोंको माने सोही ज्ञानी है।

गुरुलक्षण—काम क्रोध मोह लोभको जीत लिया पाप कर्मसे विरक्त विषय से विरक्त आपदा में धीर रखे मुक्तिमार्गको जाने संसारको असार जाने।

साधु लक्षण—रागद्वेष से रहित क्षमावान् दयावन्त, ज्ञानवन्त, पापका शत्रु, क्रोध मान माया लोभ व्यापे नहीं, आत्माके स्वरूपको जाने, समता में लवलीन, योग पालने वाला दुःख सहनेवाला, मरणका भय नहीं, पंचेन्द्रीयको जीतनेवाला ज्ञानका उद्योग करनेवाला धर्मका सखडा।

साधुकी परीक्षा—बालजीव होयसो भेख देखे, मध्यम जीव होय सो आचरण देखे, पण्डित हो सो ज्ञानतत्त्व देख परिक्षा करे ।

तपलक्षण—मनकी इच्छाको रोकना, ब्रह्मचर्य्य पालना, शीतलस्वभाव रखना, ज्ञान साथ एकताभाव रखना, खोटा ध्यान धरना नही, बकवद करना नही, झूठ बोलना नहीं, क्रोध मान कपटाई, लोभसे विरक्त प्रभुके ध्यान सयुक्त जिसको तपस्वी कहना ।

क्रिया लक्षण—जिस क्रियासे शुद्ध आत्माका अनुभव होय वहीं शुद्धक्रिया है ज्ञान सहित क्रिया मुक्तिमार्ग का कारण हैं, परमात्मा द्रव्यका अनुभव योगका सोह बीज ध्यानका अभ्यास करना यही मुक्तिमार्ग है, क्रिया करना प्रति धरना धर्मशास्त्रको मानना क्रियाकी विधि जाने जिसकी सङ्गत करे क्रिया जानने की इच्छा करना सुद्रता लोभ अतिदीनता अज्ञानता भय सठता मत्सरता इनके सङ्गसे क्रियाका आरम्भ करे, तो निष्फल होता है। जबतक मनस्थिर नहीं होय तबतक शास्त्रोक्त क्रिया करे सो सर्व निरर्थ होता है ।

ज्ञानी—गई वस्तुको याद करे नही, अगाडी वस्तुकी इच्छा नहीं, शीत उष्ण सुख दु खको गिने नहीं, मान अपमानको समानपने माने, शुद्ध क्रिया करे, फलकी इच्छा करे नहीं, द्रव्यगुण पर्यायको जाने ममता वढावे नही ज्ञान ध्यानमे सावधान रहे ।

ब्रम्हज्ञानी लक्षण—अच्छी वस्तु मिलने से हर्ष नहीं करे, और बिगाड होनेसे शोक नहीं करे, अपना स्वभावसे चलायमान नहीं होवे वही ज्ञानी होय ।

वहिरात्मा लक्षण—जिसके विषय, क्रोध, मान, कपटाई, लोभ होय, तत्त्वकी रुची नही गुण ऊपर द्वेष धरे आत्माकी पहचान नही ।

अन्तरात्मा लक्षण—जिसके तत्त्वकी रुचि होय ज्ञान होय योगवृत्ति होय मोहको जीत लिया अप्रमादीपना होय ।

परमात्मा लक्षण— जिसकी गई है उपाधि कर्मसे विरक्त केवल ज्ञानी ।

व्यवहार शिक्षा ।

१ आदमी को धन प्राप्ति करनेका उद्यम हमेशा करना चाहिये । संसार का काम भोग सब धन के आधीन है ।

२ आजीविका छ प्रकार से है—खेती करनेसे २ विद्या से ३ व्यापार करने से ४ नौकरी करने से ५ कारीगरी करने से ६ जानवर पालने से

३ उत्तम सो बुद्धिसे कमाता है मध्यम सो हाथोंसे कमाता है, अधम सो पगोंसे कमाता है, अधमाधम सो मस्तक से बोझा उठाकर कमाता है।

४ व्यवहार जगत में बहुत तरह का है, लेकिन जो व्यवहार अपने से बनसके सो करना। व्यवहार आदमी का स्वरूप है, व्यापार, का फल भोगना वा देना। जिस व्यवहार में बहुत आदमियोंको नफा दीखे सो व्यवहार, अपने घरकी पूंजीका बल और देशकालका प्रसङ्ग देख फायदे रूपी काम करना, प्रथम थोडा करना फिर लाभ देखे तो यथायोग्य करना और बहुत धंधा करनेवाला अथवा बहुत लोभके काम में जानेवाला आखिर निश्चय ठगाता है।

५ जिसके घरमें पैदा होय अथवा पैदासे खर्च ज्यादा होय, धंधा बहुत होय, कबाडिया होय, इतनोंको उधार देना नही चाहिये।

६ लुचा आदमी से सिपाही से वा विप्रसे लेन देनका व्यवहार नहीं रखना।

७ अपना व्यवहार सुद्ध रखना व्यवहार सुद्ध जिसका धन सुद्ध धन सुद्ध जिसका आहार सुद्ध, आहार सुद्ध जिसका देह सुद्ध।

८ हिसाब कोमीका अपनी बही में दुरुस्त रखना, रुपैया लेना निकले वो तकाजा करके ले लेना, अगर देना निकले तो तुरत चुकती देदेना। अपने घरमें रुपैया पडा रहे जिसकी जोखिम मिटे दूसरे का अहसान रहे नही और हिसाब की सफाई होय।

९ लेन देनका खाता बहुत दिनोंतक नहीं चलाना, हिसाबका अलसेट किसीसे नहीं रखना, अगर अलसेट पडे तक कोशिश करके जलदी निमटाना, अपने घरमें कुड कसरपडकर घरमें फैसला होय जबतक अदालत नहीं जाना।

१० रुपैया किसीको देना सो प्रथम बही वा कागजमें नाम लिखकर पीछे देना अपना खाता तैयार रखना, देसावरोंकी चिट्ठी आवे सो अथवा चिट्ठी लिखनेके वक्त और खाता खताने के वक्त इतना हरकिसीके सामने लिखना बाचना नहीं।

११ दस्तावेज किसीसे कराना सो पक्का कराना और अपना दस्तखत दूसरे को खूब समझ बूझ कर देना।

१२ लेन देनका व्यवहार घरवालोंसे अथवा ममतावालोंसे काम रखनो अगर काम पडे तो दो एक बातका ज्यादा खुलासा कर लेना चाहिये ।

१३ आढत किसीसे करनी सो पक्की आसामी से करनी, झगडा खलखेट करने वालोंसे काम नहीं डालना । और आढ़तियेको चिठ्ठी देना जिसमें मतलब रूपी कम हरफों में समाचार लिखना ।

१४ गुमास्ता रखना सो लिखने पढने में दुरस्त होय, मेहनती होय खातिरी वाला होय जिसको रखना और अनजान को कुविषयी को नहीं रखना ।

१५ गुमास्तागीरी करनी होवे तो प्रथम सेठसे पेटभर रोजगारका खुलासा कर लेना चाहिये, अपने से काम बन सके जितना सभावना काम मेहनत और चौकसी इकटारीके साथ करना ।

१६ दलाली करनी होवे तो मेहनत करना सरम नहीं रखनी बडे आदमी-योंकी खुशामद करनी और ज्यादा रोजगार का ढब बाधना ।

१७ अपने घरमें पैदा होवे सो देख लेना पैदा होवे जिससे खर्च कम करना खोटे काममें रुपैया खर्च नही करना, बनसके जहातक कर्जदार नहीं होना ।

१८ बिना बिचारे कोईकाम नहीं करना, अगर सलाह किसीसे लेना चाहिये (जिसको पाच भले आदमी सराहते होय भलादार होय दयावान होय तिनसे लेना ।

१९ व्यवहारके काम में साच रखना झूठा भरोसा किसीको नहीं देना, किसी का मुलाहजा रखकर झूठ नही बोलना सरम नहीं रखना, अत्यन्त लोभके काममें जाना नहीं, आलस करना नहीं, हर किसीका विश्वास करना नही, अपने मतलब में होशियार रहना ।

२० चिट्ठीमें मतलबरूपी बातें लिखना चाहिए व्यर्थज्यादा समाचार न बढाना चाहिए ।

२१ जिस चिट्ठीका जवाब लिखना होय पहिले आई हुईचिट्ठीको बाचके तब फिर जबाब लिखना चाहिए ।

डाकका कायदा।

हिन्दी मनीआरडर।

डाकद्वारा मनीआर्डर भेजने में ५) रुपये तक ₋) १०) रुपये पर ≈) १५) रुपये पर ≡) फीस देना पडता है, फिर पद्रह से ऊपर २५) तक।) फिर इसी तरह से और २ अधिक रुपये के मनिआर्डर पर अधिक महसूल लगता है।

एक आदमी के नामका एक मनिआडर डाक की मारफत रु० ६००) तक होता है अगर इससे ज्यादा रुपयों का मनिआर्डर उसी दिन कराना होवे तो दूसरे आदमी के नामका दूसरा मनिआर्डर होने सक्ता है।

१ जो चिठ्ठी चारों तरफ से बन्द होती है उसे पढने का किसीको अधिकार नहीं यदि चिट्ठी पौन तोले तक वजनकी हो तो आधे आने का टिकट लगाना चाहिये और पौन तोले से ऊपर डेढ तोले तक एक आने का टिकट, लगाना होगा।

बैरंग या कम महसूली चिट्ठीका महसूल इसी हिसाब से दुगुना लगता है।

जवाबी कार्ड उन्हें कहते हैं जो दो कार्ड जुडे हुये दो पैसेको मिलता है उन मेसे १ पर हाल लिखा जाता है दूसरा जिस पर रिपलाइ (Reply) शब्द लिखा है जवाब के लिये खाली साथमें होता है या वेग्रता इसपर भेजनेवाला अपना पता लिख सकाता है।

पैकट।

यह दोनो तरफ से किनारों की तरफ खुला होता है इसमें पुस्तकें छपे हुए कागज छपने के लिये हाथकी लिखी कापियाँ भेजी जाती है इसका महसूल १० तोले तक आध आना और फिर हर दश तोले तक के लिये आध आना बढता है।

नमूना।

नमूने की वस्तु भी आध आने में १० तोले तक भेजी जा सकती है और फिर हर दश तोले पर आध आना ज्यादः होता जाता है।

पारसल का खर्चा।

तोले	१०)	तक	≠)
तोले	४०)	तक	।)
तोले	८०)	तक	।≠)
तोले	१२०)	तक	॥)
तोले	१६०)	तक	॥≠)
तोले	२००)	तक	॥।)
तोले	२४०)	तक	॥।≠)
तोले	२८०)	तक	१)
तोले	३२०)	तक	१≠)
तोले	३६०)	तक	१।)
तोले	४००)	तक	१।≠)
तोले	४४०)	तक	१॥)
तोले	४८०)	तक	२)

४८० तोले के ऊपर २००० तोले तक हर ४० तोल का ।)

पार्सल।

४४० तोले के भीतर तक पार्सल बिगर रजिस्ट्रि किये जासक्ता है पर इससे ऊपर बिना रजिस्ट्री के नहीं जासक्ता। बैरंग पारसल नहीं जाता। रजिस्ट्रि कराई का ≠) टिकट अधिक लगाया जाता है। पारसल दो हजार तोले तक जासक्ता है। मगर एकही पारसल ४४० तोले से ज्यादा होने से उस पार्सल का महसूल दूना लिया जाता है।

वेल्युपेबल पोष्ट।

पारसल, कागज, किताब, रेलवे मालकी रसीद इत्यादि जिस धनीको पौंहचाके उसके पाससे मालका रुपैया लेना होवे तो डाकवाला पौंहच्या सक्ता है और इसका कमिशन मनिआर्डर के मुजब लिया जाता है जिस धनीको कोइ चीज भेज्या है और वह धनी उसका रुपैया न देवें तो डाकवाला माल धनी को माल फिरती पौंहच्या कर फक्त एक तरफ का महसूल लेता है।

डाक में कोई ऐसी चीज रवाना न करना जिस से आग लगजावे या डाक का नुकसान होजावे या डाकवालों को तकलीफ पहुंचे जैसे की बारूद, टोपी, शीरा, नील, शीशा, अर्क वगैरे और कोई ऐसी नाजुक और गलीली चीज होवे कि चाहे वह कैसी ही दुरस्ती से बन्दकर के रवाना किया होवे फिर भी उस को रस्तामें या पार्सलों की रगड से नुकसान पहुंचे उसको सरकार हर्जेका जिम्मेदार नहीं होगी और डाकवालों को हुक्म है की ऐसी चीज न लेवें।

बीमा कराना।

हरेक वस्तुके यथोचित पहुंच नेके लिये उसका बीमा हो सकता है बीमा की वस्तु ५०) रुपये तकका हो तो और महसूल के उपरान्त ≈) देना पड़ता है और फिर ५०) या उसके हिस्से पर ≈) देना होता है।

बीमा चिट्ठी रजिस्टर्ड या रजिस्टर पार्सल का होता है और अन रजिस्टर्ड पार्सल का नहीं होसकता।

रवानगी की रसीद।

हरेक अनरजिस्टर्ड पार्सल या चिट्ठी एक पेकट वगैरह की रसीद एक पैसेका टिकट लगाकर भेजनेवाला ले सकता है उसपर पाने वालेका नाम पता लिखकर एक पैसा का टिकट लगाकर डाक घरमें पेश करना होता है।

रेलवी माल की रसीद।

रेलके माल (पार्सल) की रसीद खुली चिट्ठी में रजिस्टी करके रजिस्ट्री मुदा वी० पी० के तौर पर रवाना करनी चाहिये और उसकी मालियत १०००) से अधिक न होनी चाहिये और उसके लिफाफे पर भेजनेवाले की सही रहनी चाहिये कि पानेवाले के कहने से यह माल भेजा जाता है फिर वह रसीद पानेवाले के मुकाम के डाकघर पर पहुचने पर पानेवाला डाकघर में उसकी लागत जमा करके रसीद छुडा सक्ता है और फिर उस रसीद को रेलके स्टेशन पर पेश करके अपना मगाया माल छुडा सक्ता है और उस मालकी लागत का रुपया मनीआर्डर द्वारा उस मालके भेजनेवाले के पास डाक के कर्म्मचारी लोग पहुचा देवेंगे।

लेट फी (देर से पत्रके चलान का महसूल।)

लेट लेटर फी के हिसाब से ज्यादा लगा कर डालना चाहिये। अगर (plat form) पर कोई बक्स न हो तो (late letter fee) का)॥ लगा कर (train letter) बक्स में रवाना करना चाहिये और यदि किसी स्टेशन में १ मीलके अन्दर कोई लेटर बक्स न हो तो बिना (late letter fee) लगाए train letter box में letter रवाना हो सक्ता है।

खारिज टिकट।

जो टिकट एक बार मोहर लग कर खारिज हो गया हो वह दुबारा न लगाना

चाहिये क्योंकि इससे सर्कार का नुकसान होने के कारण दो साल की जेल और जुर्माने की सजा दी गई है। फटे टिकट भी न लगाने चाहिये।

यदि कोई डाक में छोड़ी हुई चीज वापिस मंगाना हो तो उसके लिये १) फीस दरखास्त के साथ जमा करना चाहिये जिसको कि पूरी जांच होने पर वापिस मिल सक्ती है।

यदि कोई चीज किसी खास डाक से रवाना करना हो तो १५ मिनिट डाक की रवानगी के पहले डाक घरमें पहुंचानी चाहिये और साथ ही Registered Letter पर ≁) और un registered पर)।। का टिकट लगा देना चाहिये।

कलकत्ता बड़ाबजार हावड़ा बम्बई और मद्रास के स्टेशनों पर गाड़ी के लेटर बक्स में चिट्ठी न डालना चाहिये और यदि plat form पर कोई letter box हो तो उसमें आध आने का टिकट बतौर फि से फलानी जगह जाता हूं अगर मेरी कोई चिट्ठी पत्री आवेतो इस पते से मेरे पास रवाना की जानी चाहिये। इससे चिट्ठी पत्री के मिलने में देर नहीं होती। चिट्ठी खोलने के पहले डाकघर की मोहर देखना चाहिये कि यह कब चली और कब अपने पास पहुंचनी चाहिये। अगर देरी से पहुंचे तो उसकी चिट्ठी निकाल कर खाली लिफाफा रिपोर्ट के साथ सुपरिन्टेन्डेन्ट के पास भेजना चाहिये कि फिर कभी ऐसी देर न हो।

सेविंग बेंक।

सेविंग बेंक में रुपया जमा करने के दो रस्तेरखे गए है (१) तो वह जिसमें रुपया जमा करने पर ६ महिने बाद नोटिस दे कर रुपया वापिस मिलता है जिस पर ३।। सालाना सैकड़े के हिसाब से व्याज मिलता है और (२) रुपया जमा करने पर जो चाहे तब रुपया वापिस लिया जा सक्ता है जिसमें व्याज ३≁) मिलता है केवल हफ्ते में एकबार सोम या शनि को रुपया मिलसक्ता है। दोनो हालत २०००) से ज्यादा नहीं जमा हो सक्ता और नाबालिग के नाम से १०००)से ज्यादा जमा नहीं किया जासक्ता।

रुपया जमा करनेवाले को पासबुक नामक एक छोटी सी किताब अङ्गरेजी या उसके मन माफिक और कोई किताब उसी देशी भाषा की छापी हुई मिलती है जिस देशके डाक घरमें वह रुपया जमा करता है।

जिस पर कि उसका नाम ठिकाना और खाते का नम्बर रहता है। पहले यह

किताब मुफ्त दी जाती हैं, अगर उसकी गलती से यह किताब खो जाय तो १) जमा करने पर दूसरी प्रति उसको दी जाती है। इस किताब में जो रकम दर्ज की जाती है उसीके अनुसार सर्कार रुपया देती है। इसलिये उसको रकम आदि को डाकघर से चलने के पहले होशियारी से देख लेना चाहिये।

यदि कोई किसी और जगह जाना चाहे यो यदि वहां के डाकघर में सेविंग बैंक का कारबार जारी हो तो उसका खाता जारी होने से ३ महिने बाद वहां के डाकघर में बदल दिया जासक्ता है जिसके लिये एक दरखास्त और अपना पासबुक डाक खाने में पेश करना चाहिये पर एक हेड आफिस से दूसरे हेड आफिस में १६ वीं मार्च से ३१ वीं मार्च तक नहीं बदला जासक्ता।

रजवाडी डाकघर।

देशी रजवाडी डाकघर केवल भारतवर्ष में ५ पाच है—चाम्बा, ग्वालियर, झिंद नाभा और पटियाला जिनके साथ सर्कार ने चिट्ठी पत्री के अदल बदल का प्रबन्ध इसी गाइड के नियुक्त नियमावली और मजमून के अनुसार किया गया है। सर्कारी चिट्ठी लिफाफे पोष्टकार्ड पर रियासत का नाम निशान छपा रहता है जो कि उसी रजवाड़ी लेटर बक्स में डाला जा सक्ता है कि जिस रजवाड़े का उन पर नाम निशान रहता सर्कारी लेटर बक्स में डालने से बैरंग हो जाते है।

जब जल्दी देश से परदेश जाना हो तो डाक मुन्सी को अपना पता लिख कर दरखास्त लिख देना चाहिये।

रेलका कायदा।

१ गाड़ी की रवानगी के कमसे कम १० मिनिट पहले टिकट लेकर ष्टेशन पर मुसाफिर को हाजिर हो जाना चाहिये।

२ कलकत्ता, हवडा, श्रीरामपुर, चन्दननगर, मेमारी, वर्द्धमान, आसानसोल, वैद्यनाथ, मोकामा, पटना, बांकीपुर, दीनापुर, गया, आरा, मोगलसराय, प्रागजी, जब्बलपुर, कानपुर, एटावा, टुण्डला, अलीगढ और दिल्ली के ष्टेशनों पर मुसाफिर जब चाहे तब दिन के समय अपना माल लगेज में दे सक्ते हैं और टिकट खरीद सक्ते है।

मनेजर या डिष्ट्रिक्ट ट्राफिक सुपरिण्टेण्डेण्ट महोदय की सेवा में दरख्वास्त के साथ भेजना चाहिये ।

१५ ४४ घण्टे पहले नोटिस भेजने से जनानी या मर्दानी गाडी या खाना (कम्पार्टमेंट) रिजर्व (स्वतन्त्र) मिल सक्ती हैं यदि नोटिस दे देने पर स्वतन्त्रता के प्राप्त करने की दरकार न हो तो इस विषय का भी नोटिस देना चाहिये नहीं तो ४ पहिये की गाडी के पहले घंटे का ५) और फि हर घण्टे का ।) इनकारी नोटिस न पहुचने तक का लगता है ।

१६ ऐसी स्वतन्त्रता की गाडी या खाने में किसी स्टेशन पर ठहर नहीं सक्ते क्योंकि जहा चढना दरकार होगा वहा से यहा तकका अलग २ महसूल देना पडेगा और जितना समय लगेगा उतना महसूल और ऊपर से उस गाडी का किराया १५ वे नियम के अनुसार देना पडे गा

१७ कुत्तों का महसूल हर २५ कोस का ।) लगताहै और अम्बाला कालका लैन में ॥) । कोई यात्री बिना हुकुम परमेश्वर गाडीमें कुत्ता नहीं ले जासक्ता । इसका एक खाना अलग गार्ड की पिछली गाडी में रहता है । कुत्ते के गले मे पट्टा और सिकली रहनी चाहिये ।

१८ कलकत्ते की हुगली नदी का पुल जहाज के वास्ते खोल दिया जाता है आगबोट परआनेवाले हवडे के यात्रियोंसे दाम नहीं लिया जाता ।

१९ कलकत्ते या बम्बई होकर लदन जाने वाले यात्रियों को बी० आइ० एस० एन० कम्पनी के मनेजर एजेण्ट को सूचीपत्र लिखना चाहिये जिस से उनको कलकत्ता हवडा, सीरामपुर, ताडकेश्वर हुगली, वर्द्धमान, नलहाटी, रानीगंज, मधुपूर, साहिबगंज, भागलपुर, जमालपुर, मुंगेर, मोकामाघाट, पटना, मिर्जापुर, बांकीपुर, दिघाघाट, गया, दीनापुर, आरा, बक्सर, मोगलसराय, बांकीपुर, कानपुर, प्रागजी, आगरा, अलीगढ, दिल्ली इत्यादि से टिकट मिल सक्ता है ।

धर्मशाला ।

१ हवडा स्टेशन के पास ही राजा शिवबक्स बागला की बनाई धर्मशाला है ।

२ ताडकेश्वर मे "ताडकेश्वर और बैद्यपुर नामक दो धर्मशाला महन्त सतीश चन्द्रगिरि और बाबू विपिन बिहारी सेन की है । दोनो में सदाव्रत बटता है ।

३ अजीमगञ्ज स्टेशन के पास दो दुतर्फा बधुसिंघ बहादुर और राय धनपत सिंघ की धर्मशाला केवल जैनी और ओसवालो के लिये बनी है। खानेका समान खूब मिलता है।

४ भागलपुर स्टेशन के पास हो अजीमगञ्ज के राय धनपत सिंघ बहादुर की "जैनधर्मशाला" है जिसमें २०० मनुष्य टिक सक्ते है। दूसरी तोडमलकी धर्मशाला में १०० मनुष्यो की गुञ्जायश है।

५ गिरीडिह स्टेशन के पास हो पारसनाथ के यात्रियों ही के लिये मुरशीदाबाद के राय धनपत सिंघ की धर्मशाला खडी है।

६ मोकामा स्टेशन के पास लाला भगवानदास बागला की धर्मशाला है। यहाँ भोजन की सामग्री किफायत दाम पर बिकती है।

७ पटने में ३ धर्मशाला है—एक स्टेशन के पास लाला गुरमुखराय सरावगी की, दूसरी मगलेश तलाव के पास स्टेसन से पाव कोस पर स्वर्गवासी लाला अनन्त लाल अगरवाल की है। स्टेसन से आधकोस पर बीच चौक में यहाँ के मारवाडी समाज ने तीसरी धर्मशाला बनवाई है।

८ बाकीपुर स्टेशन के दोतर्फा लाला कोई और स्वर्गवासी लाला छोटेलाल की धर्मशालाए बनी है। सब चीजे यहा पास की दुकानों पर सुभीते से मिलती हैं।

९ गयास्टेशन के ठीक सामने शिवप्रसाद झुनझुनवाले की धर्मशाला केवल सनातन धर्मावलम्बियों के लिये बनी है। इसमे ५०० मनुष्यो तक को बसेरा दिया जाता है। दूसरी बोद्ध गया मन्दीर के पास बौद्ध यात्रियों के लिये महा बौद्धावलम्बी समाज ने चंदा एकत्रित करके बनाई है।

१० मिर्जापुर मे सेठ भैरामल बसीधर की धर्मशाला मौजूद है।

११ विन्ध्याचल मे स्टेशन के पास सेठ शिवनारायण बलदेवदास सिघानिया की धर्मशाला है।

१२ नैनी स्टेशन के नजदीक उत्तर की ओर सेठ बिहारीलाल कृष्णलाल की धर्मशाला है, जहा पर कि सदाव्रत भी बटता है। इन्ही की बनाई धर्मशाला श्रीप्रागराज में है जहाँ सब प्रकार की वस्तु मिल सक्ती है।

१३ कानपुर—स्टेशनसे पाव कोस के लग भग सेठ बैजनाथ रामनाथ की धर्मशाला है। स्टेशन से ४०० गज के लग भग उत्तर पश्चिम के कोण पर सेठ तुलसीराम शिवप्रसाद की धर्मशाला है।

१४ आगरा—आगरा फोर्ट स्टेशन से ४०० गजकी लग भग उत्तर पश्चिम के कोण पर लाला रामकिशनदास सरावगी की धर्म्मशाला है इसमें ब्राह्मण का वासा है और खाने पीनेका बहुत आराम है।

१५ अलीगड़ में स्टेशन के पास ही लाला अयोध्याप्रसाद की धर्म्मशाला है। इस में २० मनुष्यों का निर्वाह होता है इसके पासकी दुकानों पर सुभीतेसे भोजन का सामान मिलता है और इसीके पास बड़ा भारी एक तलाव स्नान सन्ध्याके लिये उपस्थित है।

१६ दिल्ली में लाला छन्नामल की धर्म्मशाला स्टेशन से पाव मीलके लगभग है।

तारका कायदा।

१ बिजली के तार द्वारा जो समाचार मिलते हैं और भेजे जाते हैं उनको तार कहते हैं। यह तीन प्रकार के होते है। अर्जेन्ट (ज़रूरी) आर्डीनरी (मामूली) डिफर्ड (चार आनेवाला)

२ तारके महसूलका नियम।

तारका दरजा	शब्दकी संख्या	दर	हर एक शब्दका दर	तार देनेका या तार घरसे समाचार पाने का समय
अरजेन्ट (ज़रूरी)	१६	२)	)	दिन रात २४ घन्टे खुला रहता है
आरडीनरी (मामूली)	१६	१)	)	५ बजेसे ८ बजे रात तक परन्तु अरजेन्ट तारके बाद भेजा जाता है
डेफर्ड (साधारणसे साधारण)	१०	।)	)	५ बजेसे ८ बजे तक लिया जाता है परन्तु खबर सब से पीछे भेजी जाती है।

तार भेजने वाले को तार घर से रसीद दी जाती है।

३ किसी वस्तुका महसूल यदि मूल से अधिक लेलिया गया हो वह अधिक

महसूल उसको वापस दिया जाता है मगर भेजनेवाला अधिक टिकट लगाकर कोई वस्तु भेजता है तब उसको अधिक टिकट वापस नहीं मिलता जबतक कि सुपरिण्टेण्डेण्ट, चेक आफ़िस, गवर्नमेण्ट टेलीग्राम डिपार्टमेण्ट कलकत्ता के पास दरखास्त न दे।

४ अगर तार भेजने वाला हिन्दुस्तानमें खबर भेजने के निमित्त फ़ारम लिखकर तार घरमें देदे और रवाना होने के पहले भेजना न चाहे तो उसको दिये हुए महसूल से दोआना पैसा काट कर वापस दिया जाता है। तार भेजनेवाला या तार घर का किरानी फारम पर टिकट लग जाने और उस पर मोहर पड़ जाने पर उसका दाम दरखास्त देनेसे लौट दिया जाएगा। खबर के रवाना हो जाने पर दाम जमा करने से खबर रोक दिया जा सकता है। अगर तार भेजनेवाला खबर रुकने की सूचना तार ही द्वारा जानना चाहे तो वह फिरती तारके महसूल जमा करने पर तार द्वारा जान सक्ता है नहीं तो डाक द्वारा उसको खबर रुकने की सूचना मिल सक्ती है। यदि पानेवाला खबर पा गया हो तो पानेवाले को उपरोक्त कारवाई के होजाने पर उस तारके खारिज हो जाने की सूचना दे दी जायगी।

५ यदि तार भेजने वाला किसी मनुष्यके पास सरकारी आफीस में खबर भेजते समय जवाब के लिये पहले महसूल जमा करना चाहे तो चार चार [illegible] से कम जमा नहीं करा सकता। एक आने का भाग नहीं लिया जाता है। जवाबी तार भेजना वाला फारम पर (R P) जवाबी महसूल [illegible] और उसका दाम भी लिख सक्ता है।

६ जवाबी तारका पानेवाला जवाब भेजने का जिम्मेदार नहीं है।

७ तार भेजने वाला यदि एकही तार घरके द्वारा [illegible] में बहुत मनुष्य के पास समाचार भेजना चाहे तो एक ही महसूल में भेज सकता है परन्तु हरएक स्थान के लिए चारआना और एकमें [illegible] महसूल देना पड़ेगा। अर्थात् एक ही मनुष्य के पास भेजने में पूरा महसूल देना होगा और शेष के पास केवल चारआना [illegible] और [illegible] दाम से अधिक [illegible] का समाचार पहुंच जायगा। इस प्रकार के तार भेजने वालों से [illegible] पहिले महसूल नहीं लिया जा सकता है।

८ तार पाने वाला यदि तार घरसे पांच मील से अधिक दूर [illegible] उसका तार वहां से डाक द्वारा भेजा जावेगा।

९ जिस स्थान में तारघर न हो यदि वहां तार भेजा जाय तब यह तार उस स्थान के समीप वाला तार घर में आयगा और वहांसे तार भेजने वालेके कहने अनुसार चाहै तो डाक द्वारा समाचार भेजा जायगा चाहै वहीं तार घरके पिअन द्वारा भेजा जायगा। इस दशामें तार भेजने वाले को तार घरके पिअन का खर्चा देना पडेगा और तार के फारम पर (XP) लिखना होगा। यदि तार घरके आदमी के खर्चा से कम दाम तार भेजने वाले दाखिल करेगा तब उसका समाचार डाक द्वारा भेजा जायगा।

१० तार घरसे डाक द्वारा जब तार भेजा जाता है तो भेजने वालों से डाक महसूल नहीं लिया जाता।

छापेखाने मे तारभेजने के नियम।

११ यदि कोई तार भेजने वाला सर्वसाधारण के भलाई के निमित्त कोई समाचार पत्रों में छापने के निमित्त भेजना चाहै तब उसको नीचे लिखे हुए दरसे महसूल देना पडता है।

दरजा	कितना शब्द तक भेज सक्ता है।	कमसे कम कितना देना होगा।	४८ वा ५४ से हरेक छ शब्द अधिकका।	ठिकाना
अोरडीनरी (साधारण)	४८	१)	)	ठिकाने के भी शब्द जोड जायगी
डिफर्ड (साधारणसे साधारण)	५४	॥)	)	,,

१२ तार भेजनेवाले को अपने समाचार पत्र (News paper) के ठिकाने पर टेलीग्राफ के डाइरेक्टर जेनरल के वही में रजिष्टर किया हुआ नाम लिखना चाहिये। ऐसे२ समाचार पत्र की तालिका (फेहरिस्त) तारके नियमावली में लिखे हुए रहते हैं। समाचार पत्र सरकारी तार आफिस में रजिष्टरी के लिये भेजा जाता है।

१३ समाचार पत्र में कोई तार द्वार समाचार भेजना चाहै तो केवल २४०

शब्द एक बार भेज सकता है यदि इससे अधिक शब्द आन पड़े तब हरेक २४० शब्द के पीछे M T F क्रमश लिख कर आगे का समाचार दूसरे तारमें लिखना चाहिये M T F का महसूल नही देना पडता।

१४ तार घरके डाइरेक्टर जेनरल से आज्ञा लेकर समाचार पत्र का सम्पादक बेरङ्ग समाचार तार द्वारा मगा सकता है।

१५ तार भेजनेवाले के दस्तखत किये हुए और विषय लिखे हुए फारम केवल तीन दिन गवर्नमेण्ट के तार आफिस मे रहते है इसके पीछे गवर्नमेण्ट टेलीग्राफ डिपार्टमेंट कलकत्ता के चेक आफिस मे भेज दिये जाते है तब वहा चार मासतक सभाल कर रखते है। फिर नष्ट कर दिये जाते है।

१६ यदि तार भेजनेवाला वा पानेवाला अपने नाम के भेजे हुए या भेजाए हुए फारम फिर देखना चाहे तो गवर्नमेंट टेलीग्राफ डिपार्टमेंट कलकत्ता के चेक आफिस के सुपरिण्टेण्डेण्ट के पास तीन दिन के भीतर दरखास्त पत्र और ज़ामिनी देकर वह फारम लेकर देख सकते है।

१७ उपरोक्त कापी के पानेवालों को हरेक सौ शब्द वा उसके अंशका ।) आना देना पडता है।

हुण्डी।

सिद्धश्री कलकत्ता शुभस्थान भाईजी श्रीरामगोपाल बद्रीप्रसाद योग्य लिखी अजमेरसे अनूपचद हरदियाल केन श्री जैगोपाल बाचिज्यो अपरच हुण्डी १ रूपये ५००) अङ्के पाचसोहरी निमे रुपये अढाईसोके दूने पूरे यहा रखे दानमल शिवप्रसाद पास मिति चैत्र बदी ८ बार रवी से मुद्दत दिन ५१ इक्कावन पीछे नेमो साहयोग्य रुपये हुण्डी चलण दीज्यो मिती चैत्र बदी ८ सम्वत् १८६२। दसखत।

पैठ।

सिद्धश्री कलकत्ता शुभस्थान भाईजी श्रीरामगोपाल बद्रीप्रसाद योग्यलिखी अजमेरसे अनूपचद हरदीयाल केनश्रीजैगोपाल बाचिजो अपरच हुण्डी १ रुपये ५००) अङ्के पांचसोकी निमे रुपये अढाइसोके दूने पूरे इहा रखे दानमल शिवप्रसाद पास मिति चैत्र बदी ८ बार रवी से मुद्दत दिन ५१ इक्कावन पीछे नेमो साहयोग्य रुपये हुण्डी चलन दीज्यो लिखी थी परन्तु रखेवाला धनी कहता है कि

हुण्डी खोई गई, इसवास्ते पैठ लिख देते हैं कि आप अपनी रोकड, रजनावा, खाता सब बहियोंको चोकस देख तपासके इस पैठ की रीति प्रमाण सीकार दाम दीजियेगा कदाचित् हुण्डी पहिले सीकार गई होवे तो पैठ रद्द समझ बाच करके फेर दीजीयगा सनद नग २ आपके उपर लिखी है उनमें से एक सनद का रुपये मुजरे देवे गे। मिती चैत्र सुदी १२। सम्वत् १८६२।

परपैठ।

सिधश्री कलकत्ता सुभस्थान भाई जी श्रीरामगोपालजी बद्रीप्रसादजी जोग लिखी अजमेर से अनूपचद हरदियाल केनश्रीजेगोपाल बांचिजो उपरच हुण्डी किता १ रुपैया ५००) अके पांच सौ के दुने पूर्व यहा रखे दानमल शिवप्रसाद पाम मिती चैत्र वदी ८ बार रवीसे मुद्दत दिन ५१ इकावन पीछे नामी शाह जोग रुपैया हुण्डी चलन दीन्यो लिखी थी, तथा पैठ लिखो है मिती चैत्र सुदी १३ सो भी रखेवाला धनी कहता है कि खोई, गई, ईसवास्त परपैठ लिख देते है आप वहां अपनी सब बहियों को चौकस देख तपास के परपैठ लिखे प्रमाण सकार दाम दीजियेगा कदाचित हुण्डी अथवा पैठ आगे सकार चुक्या होवे तो यह परपैठ रद्दी समझ बाचके फेर दीजियेगा सनद नग ३ आपक ऊपर लिखी है जिसमें से सनद नग १ का रुपैया हम मुजरे देंगे मिती बैसाख बदी ५ सम्वत् १८६२ दसखत।

कानूनी बातो का सचेप,

कर्जा लेनेका स्टाम्प।

यदि कर्ज १० रुपयेसे अधिक न हो तो ≶) का स्टाप लेकर उसपर लिखना होगा और इससे ५० तक ।) पचाससे १००) रु० तक ॥) एकसौसे २००) तक १) फिर २००) से ३०० तक १॥) रु० ३०० से ४०००) तक २) रुपयेका ष्टाप लेना फिर इससे ऊपर हर सैकड़े पर ॥) अधिक लगाना होगा।

रसीदका स्टाम्प।

रसीद अगर २०) रुपयेसे कमकी हो तो सादे कागजपर भी लिखी जा सकती है और २०) रुपया या इससे अधिक की हो तो उसपर ≠) एक आने का रसीदी टिकट लगाना पड़ेगा, ऐसा नहीं करनेमें लिखने लिखानेवाले दोनों अपराधी समझे जावेंगे।

रसूम-अदालत ।

यदि किसीको दीवानी नालिश करनी होतो जो दावा ५) रुपयेसे कम होतो ।=) का स्टाम्प लगाना होगा फिर पांचसे १०) तक ॥) का और फिर हर पांचके हिस्सेके लिये ।=) बढाते रहना होगा अर्थात् १००) के दावे को रसूम ७॥) रुपये होगी हजार रुपये तक की रसूम में इसी तरह ७।) रुपये की सैंकड़ा बढ़ेगा फिर ५०००) हजारतक ५) रुपये सैंकड़ा और फिर १००००) तक की २५०) पर १०) रु० और दश हजारसे ज्यादे ३०) रु० रसूम अदालत होती है और ३०) हजारसे अधिक एक दावे में (बिना विशेष कारणके नहीं लिया जाता है अगर प्रार्थना इजरा या बाकी हो तो आधी फिस लगेगी और तजवीज सानी भी प्रार्थना यदि डिग्रीके दिनसे १०) दिनके भीतर होतो फीस आधी लगेगी पीछे पूरी ।

बैनामा वगैरह ।

बैनामा लिखानेमें बिकरी की हुई मालियत ५०) रुपये से ज्यादे न हो तो ।) के स्टाम्प पर लिखा जावेगा ५०) से अधिक १००) तक १) का १००) अधिक [illegible] तक १) फी सैंकडा बढेगा फिर हजार से ऊपर हर ५००) पर ५) [illegible] बढेंगे।

किराया नामा ।

किराये नामेको सरखत भी कहते हैं जिनमें किराये [illegible] दिनसे इकरारके दिनतक १०) रुपयेसे अधिक न हो तो ।) के स्टाम्प पर लिखा जावेगा और १०)से ५०) तक होतो ।) और ५०) से १००) तक ।) फिर हर सैंकडे पर यही हिसाब।

बड़े बड़े शहरोंके तोपोंकी सलामी

सम्राट सप्तम एडवर्ड १०१ भारतके वाइसराय बड़े लाट ३१ प्रान्तीय गवर्नर १७ लेफिटनेंट गवर्नर १५ एजेन्ट [illegible] १३ [illegible] १३ पोलिटिकल एजेण्ट ११

सिक्कों का तौल और माप ।

विलायती सिक्का ।

४ फादिंग का	१ पेनी	२० शिलिंग की	
१ पेनी का	८ पाई	५ शिलिंग का	
१२ पेनीकी	१ शिलिंग	२१ शिलिंग की	

अंगेजी औषधीका तौल।

५ पेन्मकी	१ ग्रोट
२४ ग्रेनकी	१ स्क्रुपल
३ स्क्रुपलका	१ ड्राम
८ ड्रामका	१ औंस
१२ औंसका	१ पौंड

कपडेका वा जमीनका नाप

२॥ इंचीका	१ नेल
४ नेलका	१ क्वाटर
४ क्वार्टरका	१ गज
१। गज़का	१ एल
१२ इंचीका	१ फुट
३ फुटका	१ गज़
५॥ गज़का	१ पोल
४० पोलका	१ फरलौंग
८ फरलौंगका	१ मैल
३ मैल	१ लीग
६०॥ मैलको	१ डिगरी
१७६० गज़की	१ मैल

कागज का।

२४ शीटका	१ क्वॉयर
१०॥ क्वायरका	१ टोकन
२० क्वायरका	१ रीम
१ रीमका	१ बडल
२० रीमका	१ बेल

महाराष्ट्रदेश का तौल।

८० तौलेका	१ सेर
५ सेरकी	१ पसेरी
८ पसेरीका	१ मन
२० मनकी	१ खडी
१२० सेरका	१ पक्का

मोती का तौल।

१६ बीसवासी का	१ बदाम
१६ बदाम का	१ टुकडा
१०० टुकडे का	१ चउ
१३॥ टका की	१ रत्ती
२४ रत्ती का	१ टाक

मराठी जमीनका नाप

२० चौरचकाठीकी	१ पाड
२० पाडको	१ बीघा
१२० विघाका	१ चाहुर
१६ चौरसआना का	१ गंठा
४० गुंठेकी	१ एकर

अंग्रेजी वक्त।

६० सेकण्ड की	१ मिनट
६० मिनट की	१ घटा
२४ घंटेका	१ दिन
७ दिनका	१ हफता
४ हफतेका	१ महीना
१२ महिने का	१ वर्ष

जंव्हार का तौल कलकत्ते मे

कलदार रुपया १) भर को रत्ती ६४ मुम्बईकी रत्ती १०० जिसकी रत्ती १०३ उतरती है।

जैपुर दिल्ली और बनारस की रत्ती १०० जिसकी रत्ती ८८॥ उतरती है।

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर.

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
⁄)	०	≠॥	१॥⁄)	१।	१४॥≠
≠)	०	॥≠।	१॥≠)	१॥	१।)॥
≢)	०	२)।	१॥≢)	१॥	१३≠।
।)	०	३॥≠।	१॥।)	१॥।	।≢।
।⁄)	०	५॥≠॥	१॥।⁄)	१॥।	१३≢।
।≠)	०	८)॥।	१॥।≠)	२	१।≠॥
।≢)	०	१०॥≢।	१॥≢)	२	१५⁄
॥)	०	१४।⁄	२)	२।	४≠॥
॥⁄)	०	१८≠)	२⁄)	२।	१८॥≢।
॥≠)	०	२२।≠	२≠)	२॥	८॥≢।
॥≢)	।	२⁄।	२≢)	२॥	२४≠।
॥।)	।	७≢॥	२।)	२॥।	१५)॥
॥।⁄)	।	१२॥।⁄	२।⁄)	३	६।≠
॥।≠)	।	१८॥।⁄॥	२।≠)	३	२३≠॥
॥।≢)	॥	।⁄॥।	२।≢)	३।	१५।≠।
१)	॥	७।)॥।	२॥)	३॥	८⁄
१⁄)	॥	१४॥≠॥।	२॥⁄)	३॥।	१≢।
१≠)	॥	२२॥	२॥≠)	३॥।	१८॥।)।,
१≢)	॥	५॥।)॥	२॥≢)	४	१३॥।)॥।
१।)	॥।	१४॥)।	२॥।)	४।	८।)।
१।⁄)	॥।	२२।≢	२॥।⁄)	४॥	३≢
१।≠)	१	८।⁄	२॥।≠)	४॥	२३।)॥
१।≢)	१	१८।≠।	२॥।≢	४॥।	१८⁄॥।
१॥)	१।	३॥।≠॥	३)	५	१५॥⁄

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर.

रत्ती	चउ	टोकडा	रत्ती	चउ	टोकडा
३/)	५।	१२।/।	४॥/)	१२॥।	१७॥/॥
३≠)	५॥	८।≠॥	४॥≠)	१२।	)॥
३≢)	५॥।	७/॥	४॥≢)	१२॥	८॥।/॥
३।)	६	५≠।	४॥।)	१२॥।	१७॥≠।
३।/)	६।	३॥≠।	४॥।/)	१३।	१॥≢
३।≠)	६॥	२॥/।	४॥।≠)	१३॥	११॥/
३।≢)	६॥।	१॥≢॥	४॥।≢)	१३॥।	२१॥≢।
३॥)	७	१॥/।	५)	१४।	७।)॥
३॥/)	७।	२/॥	५/)	१४॥	१८।/।
३॥≠)	७॥	२॥।/॥	५≠)	१५	४॥।)॥
३॥≢)	७॥।	४)	५≢)	१५।	१६।≠॥।
३॥।)	८	५॥≠॥	५।)	१५॥।	४/॥
३॥।/)	८।	७॥≢॥	५।/)	१६	१६॥।≠॥
३॥।≠)	८॥	१०।	५।≠)	१६॥	५≢
३॥।≢)	८॥।	१३≠॥	५।≢)	१६॥।	१८॥।≠॥
४)	९	१६।≠॥	५॥)	१७।	८/
४/)	९।	२०॥)॥	५॥/)	१७॥	२२॥≢
४≠)	९॥	२४॥।/॥	५॥≠)	१८	१२॥≢॥
४≢)	१०	४॥/॥	५॥≢)	१८॥	३।
४।)	१०।	९॥।/।	५॥।)	१८॥।	१९≢।
४।/)	१०॥	१५।≢॥	५॥।/)	१९।	१७॥/॥
४।≠)	१०॥।	२१॥/॥	५॥।≠)	१९॥।	२।≢।
४।≢)	११।	३≠॥	५॥।≢)	२०	१९॥
४॥)	११॥	१०≠॥	६)	२०॥	१२॥

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर-

रत्ती	घउ	दोकडा	रत्ती	घउ	दोकडा
६/)	२१	५॥≡	७॥/)	३२॥	१॥/॥
६≠)	२१।	२४।/।	७॥≠)	३३।	५॥≠।
६≡)	२१॥	१८≠॥	७॥≡)	३३॥	१०॥)॥
६।)	२२।	१०॥≡।	७॥।)	३४।	१६/।
६।/)	२२॥	७॥≡)	७॥।/)	३४॥	२१॥)॥
६।≠)	२३।	३।/॥)	७॥।≠)	३५॥	२॥≠॥
६।≡)	२३॥	२४।	७॥।≡)	३६	९॥/॥
६॥)	२४	२०॥/	८)	३६॥	१६॥≠॥
६॥/)	२४॥	१७।/॥	८/)	३७	२४≠॥
६॥≠)	२५	१४॥/	८≠)	३७॥	७≠।
६॥≡)	२५॥	१२≡॥	८≡)	३८।	१५॥)॥
६॥।)	२६	१०।/॥	८।)	३८॥	२४।≠॥
६॥।/)	२६॥	८॥≠॥	८।/)	३९॥	८॥≡।
६॥।≠)	२७	७॥≡॥	८।≠)	४०	१८।≡।
६॥।≡)	२७॥	७।≠	८।≡)	४०॥	३।≠॥
७)	२८	७।)॥	८॥)	४१।	१४।/
७/)	२८॥	७॥≠।	८॥/)	४२	।≠॥
७≠)	२९	८।≡	८॥≠)	४२॥	११॥≡।
७≡)	२९॥	९॥≡	८॥≡)	४३	२३॥≡।
७।)	३०	११।≠।	८॥।)	४३॥	११।≠।
७।/)	३०॥	१३॥)॥	८॥।/)	४४।	२४।)॥
७।≠)	३१	१६≠)	८॥।≠)	४५	१२॥/॥
७।≡)	३१॥	१९≠॥	८॥।≡)	४५॥	१।≠।
७॥)	३२	२२॥≠॥	९)	४६॥	१५≠

मोति चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	टोकडा	रत्ती	चउ	टोकडा
१५/)	१२८॥।	२३।)।	१६॥/)	१५७	१६)॥
१५≠)	१३१	६।/॥।	१६॥≠)	१५८।	८॥≠
१५≡)	१३२	१४॥≠॥	१६॥≡)	१५८॥	४≠॥
१५।)	१३३	२३॥≠।	१६॥)	१६०॥	२३॥≠।
१५।/)	१३४।	८।/।	१६॥/)	१६१॥	१८/
१५।≠)	१३५।	१८≡।	१६॥≠)	१६२	१४॥≡
१५।≡)	१३६॥	३॥)॥।	१६॥≡)	१६४।	१०॥)।
१५॥)	१३७॥	१४।/।	१७)	१६५।	७।)॥
१५॥/)	१३८॥	॥)॥।	१७/)	१६६॥	४।)।
१५॥≠)	१३९॥	१२≡॥	१७≠)	१६८	१॥≠॥
१५॥≡)	१४०॥	२४।/॥	१७≡)	१६९	२४॥)॥।
१५॥।)	१४२	११॥।≠॥	१७।)	१७०।	२२॥।/॥
१५॥।/)	१४३	२४॥≠॥।	१७।/)	१७१॥	२५॥/॥।
१५॥।≠)	१४४।	१३।≠।	१७।≠)	१७२॥	२०॥/
१५॥।≡)	१४५॥	२।)॥	१७।≡)	१७४	२०।≡॥
१६)	१४६॥	१६॥≠॥	१७॥)	१७५।	२०॥/
१६/)	१४७॥	६।≡॥	१७॥/)	१७६॥	२१≠
१६≠)	१४८॥	२१॥≡॥	१७॥≠)	१७७॥	२२/॥।
१६≡)	१५०	१२।≠॥	१७॥≡)	१७९	२३॥/
१६।)	१५१।	३॥/।	१७॥।)	१८०॥	।≡)
१६।/)	१५२।	२०≠॥	१७॥।/)	१८१॥	२॥)॥
१६।≠)	१५३॥	१२≡॥	१७॥।≠)	१८३	५॥/।
१६।≡)	१५४॥	४॥≡॥	१७॥।≡)	१८४।	८॥/
१६॥)	१५५॥	२२॥≠॥	१८)	१८५॥	१२॥

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर·

रत्ती	घउ	दोकडा	रत्ती	घउ	दोकडा
१८/)	१८६।।।	१६॥≠)	१९॥/)	२१९।	)॥
१८≠)	१८८	२१≠।	१९॥≠)	२२०॥	१४।/॥
१८≡)	१८९॥	१≡।।।	१९॥≡)	२२२	६/।।।
१८।)	१९०।।।	६॥≡।	१९।।।)	२२३।	२२।/॥
१८।/)	१९२	१२॥≠	१९।।।/)	२२४।।।	१४
१८।≠)	१९३।	१८।।।≠।।।	१९।।।≠)	२२६।	६/।।।
१८।≡	१९४।।।	।।।/	१९।।।≡)	२२७॥	२३॥≠।।।
१८॥)	१९६	८/	२०)	२२९	१६॥≠॥
१८॥/	१९७।	१५।।।)॥	२०/)	२३०॥	१०/।।।
१८॥≠)	१९८॥	२३॥≡	२० ≠)	२३२	४)।
१८॥≡)	२००	७॥)।।।	२०≡)	२३३।	२३।/।।।
१८।।।)	२०१।	१६॥/॥	२०।)	२३४।।।	१८≠॥
१८।।।/)	२०२।।।	१/॥)	२०।/	२३६।	१३।/॥
१८।।।≠)	२०४	११)।।।	२०।≠)	२३७॥	९/॥
१८।।।≡)	२०५।	२१।≡।	२०।≡)	२३९।	५≠।।।
१९)	२०६।।।	७।)।।।	२०॥)	२४०।।।	१।।।/
१९/)	२०८	१८॥/।	२०॥/)	२४२	२३।।।/।।।
१९≠)	२०९॥	४।/	२०॥≠	२४३॥	२१।/।
१९≡)	२१०।।।	१७॥	२०॥≡)	२४५	१९।)।
१९।)	२१२।	४≠।	२०।।।)	२४६॥	१७॥≠।
१९।/)	२१३॥	१८≡॥	२०।।।/)	२४८	१६।≡॥
१९।≠)	२१५।	६।।।	२०।।।≠)	२४९॥	१५॥≠।।।
१९।≡)	२१६।	२०॥≡।।।	२०।।।≡)	२५१	१५।≡।
१९॥)	२१७।।।	१०≠॥	२१)	२५२॥	१५।≠

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घउ	दोकडा	रत्ती	घउ	दोकडा
२१/)	२५४	१६≠।।	२२॥/)	२९१॥	१५।)।
२१≠)	२५५॥	१७।)।॥	२२॥≠)	२९३।	२/
२१≡)	२५७	१८॥/	२२॥≡)	२९४॥।	१४।/
२१।)	२५८॥	२०॥)।	२२॥)	२९६॥	२)।
२१।/)	२६०	२३≠॥	२२॥/)	२९८	१५≠॥
२१।≠)	२६१॥	१)।	२२॥≠	२९९॥।	३॥
२१।≡)	२६३।	४।/	२२॥≡	३०१।	१७॥)॥
२१॥)	२६४	८/।	२३)	३०३	७।)।।
२१॥/)	२६६।	१२।)।	२३/)	३०४॥	२२≠॥
२१॥≠)	२६७॥	१६।।≠॥	२३≠)	३०६।	१२॥/॥
२१॥≡)	२६९।	२२	२३≡)	३०८	३।≡
२१॥)	२७१	२॥)।	२३।)	३०९॥	१९॥≡॥
२१॥/)	२७२॥	८।)।	२३।/)	३११।	११।≡।
२१॥≠)	२७४	१४॥≡।	२३।≠)	३१३	३॥≠
२१॥≡)	२७५॥	२१॥/।	२३।≡)	३१४॥	२१
२२)	२७७।	४≠॥	२३॥)	३१६।	१४।/
२२/)	२७९॥	११॥≠	२३॥/	३१८	७॥/॥
२२≠)	२८०।	२०≠॥	२३॥≠)	३१९॥	१॥)॥
२२≡)	२८२	३॥/।	२३॥≡)	३२१।	२१≠॥
२२।)	२८३॥	१२॥≡।	२३॥)	३२३	१६/।
२२।/)	२८५	२२॥)।	२३॥/	३२४॥	११≠।
२२।≠)	२८६॥	७।)॥	२३॥≠)	३२६॥	७≠।
२२।≡)	२८८।	१८	२३॥≡)	३२८।	३।/॥
२२॥)	२९०	३॥≠॥	२४)	३३०	—•—

मोति चउका हिसाव दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
२४/)	३३१॥	२१/॥	२५॥/)	३७४।	११॥।
२४//)	३३३।	१८॥//।	२५॥//)	३७६	२०
२४///)	३३५	१७।/।	२५॥///)	३७८	३॥
२४।)	३३६॥।	१६/।	२५॥।)	३७९॥।	१२
२४।/)	३३८॥	१५	२५॥।/)	३८१॥	२२॥/।
२४।//)	३४०।	१४/॥	२५॥।//)	३८३॥	७।/॥
२४।///)	३४२	१४/॥।	२५॥।///)	३८५।	१८/
२४॥)	३४३॥।	१४।/।	२६)	३८७।	४/॥
२४॥/)	३४५॥	१५	२६/)	३८९	१५॥/
२४॥//)	३४७।	१६/	२६//)	३९१	२॥
२४॥///)	३४९	१८	२६///)	३९२॥।	१४॥।
२४॥।)	३५०॥।	१९॥।	२६।)	३९४॥।	२॥
२४॥।/)	३५२॥	२२।	२६।/)	३९६॥	१५॥।
२४॥।//)	३५४।	/॥।	२६।//)	३९८॥	४।/।
२४॥।///)	३५६।	२॥	२६।///)	४००।	१८॥
२५)	३५८	७।)॥।	२६॥)	४०२।	८/
२५/)	३५९॥।	११॥)॥।	२६॥/)	४०४	१२/
२५//)	३६१॥	१६।	२६॥//)	४०६	१२॥
२५///)	३६३।	२१/॥	२६॥///)	४०८	४।/॥
२५।)	३६५।	२	२६॥।)	४०९॥।	२०॥।
२५।/)	३६७	८/	२६॥।/)	४११॥।	१२॥
२५।//)	३६८॥।	१४॥/	२६॥।//)	४१३॥	४॥।
२५।///)	३७०॥	२१॥	२६॥।///)	४१५॥	२२॥
२५॥)	३७२॥	३॥।/॥	२७)	४१७॥	१५॥/

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
२७/)	४१९॥	९।	२८॥/)	४६७।	१४॥
२७ǂ)	४२१॥	३।	२८॥ǂ)	४६९।	१९।
२७⫻)	४२३।	२२॥।	२८॥⫻)	४७१।	२४॥
२७।)	४२५।	१७।ǂ।	२८॥।)	४७३॥	५ǂ।
२७।/)	४२७।	१३	२८॥।/)	४७५॥	११।
२७।ǂ)	४२९।	८॥।/॥	२८॥।ǂ)	४७७॥	१७॥।/
२७।⫻)	४३१।	५⫻	२८॥।⫻)	४७९॥	२४॥।/।
२७॥)	४३३।	१॥।/	२९)	४८१॥।	७।
२७॥/)	४३५	२४	२९/)	४८३॥।	१५।
२७॥ǂ)	४३७	२१॥/।	२९ǂ)	४८५॥।	२३॥
२७॥⫻)	४३९	१९॥ǂ।	२९⫻)	४८८	७।/॥।
२७॥।)	४४१	१८ǂ॥	२९।)	४९०	१६॥/॥
२७॥।/)	४४३	१७/॥।	२९।/)	४९२।	२।
२७॥।ǂ)	४४५	१६॥	२९।ǂ)	४९४।	११।ǂ॥।
२७॥।⫻)	४४७	१६।ǂ	२९।⫻)	४९६।	२२
२८)	४४९	१६॥ǂ॥।	२९॥)	४९८॥	८/
२८/)	४५१	१७।ǂ॥।	२९॥/)	५००॥	१९॥
२८ǂ)	४५३	१८॥ǂ	२९॥ǂ)	५०२॥।	३॥
२८⫻)	४५५	२०।	२९।⫻)	५०४॥।	१८॥ǂ
२८।)	४५७	२२।/।	२९॥।)	५०७	६॥।
२८।/)	४५९	२४॥।/॥।	२९॥।/)	५०९	२०
२८।ǂ)	४६१।	२॥।/॥	२९॥।ǂ)	५११।	८॥।
२८।⫻)	४६३।	६।	२९॥।⫻)	५१३।	२२॥/॥।
२८॥)	४६५।	१०ǂ	३०)	५१५॥	१२॥

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
३०/)	५१७॥।	२॥/	३१॥/)	५७०॥	२३॥
३०⫽)	५१९॥।	१८	३१॥⫽)	५७२॥।	२४॥।
३०⫻)	५२२	९	३१॥⫻)	५७५।	१॥
३०।)	५२४।	)॥	३१॥।)	५७७॥	३॥/।
३०।/	५२६।	१७।/	३१॥।/)	५७९॥।	६⫽॥
३०।⫽)	५२८॥	९।⫽	३१॥।⫽)	५८२	९॥
३०।⫻)	५३०॥।	२।⫽।	३१॥।⫻)	५८४।	१२॥।
३०॥)	५३२॥।	२०॥/।	३२)	५८६॥	१६॥⫽॥
३०॥/)	५३५	१४।	३२/)	५८८॥।	२१/
३०॥⫽)	५३७।	८।	३२⫽)	५९१।	॥⫽।
३०॥⫻)	५३९॥	२॥।/॥	३२⫻)	५९३॥	६।
३०॥।)	५४१॥	२८॥।/॥	३२।)	५९५॥।	११॥।⫽।
३०॥।/)	५४३॥।	१८।	३२।/)	५९८	१८/
३०॥।⫽)	५४६	१४⫽॥।	३२।⫽)	६००।	२४॥।
३०॥।⫻)	५४८।	१०॥	३२।⫻)	६०२॥।	६॥
३१)	५५०॥	७।	३२॥)	६०५	१४।/
३१/)	५५२॥।	४॥	३२॥/)	६०७।	२२।
३१⫽)	५५५	२।	३२॥⫽)	६०९॥।	५॥।
३१⫻)	५५७।	)।/	३२॥⫻)	६१२	१४॥/।
३१।)	५५९।	२३॥।⫽।	३२॥।)	६१४।	२३॥।⫽।
३१।/)	५६१॥	२२॥।⫽॥	३२॥।/)	६१६॥।	८॥⫽।
३१।⫽)	५६३॥।	२२।⫽	३२॥।⫽)	६१९	१८॥।/॥
३१।⫻)	५६६	२२।	३२॥।⫻)	६२१॥	४॥
३१॥)	५६८।	२२॥⫽॥।	३३)	६२३॥।	१५॥⫽

मोती चउका हिसाव दाणा १ ऊपर.

रत्ती	चउ	दोकडा	रत्ती	चउ	दोकडा
३३/)	६२६।	२≠॥	३४॥/)	६८४।	१३॥
३३≠)	६२८॥	१४≠॥	३४॥/)	६८६॥	११॥
३३≢)	६३१	१॥≠)	३४॥≢)	६८९।	९॥/॥
३३।)	६३३।	१४॥	३४।॥)	६९१॥	८।
३३।/)	६३५॥	२॥/॥	३४।॥/)	६९४।	७।/॥
३३।≠)	६३८	१६।≠॥	३४।॥≠)	६९६॥	६॥≠
३३।≢)	६४०॥	५॥≠॥	३४।॥≢)	६९९।	६॥≠
३३॥)	६४२॥	२०॥/	३५)	७०१॥	७।
३३॥/)	६४५।	१०॥	३५/)	७०४।	८≠॥
३३॥≠)	६४७॥	११	३५≠)	७०६॥	९॥
३३॥≢)	६५०	१७।	३५≢)	७०९।	११।
३३।॥)	६५२॥	८॥	३५।)	७११॥	१३॥
३३।॥/)	६५५	)॥	३५।/)	७१४।	१६≠
३३।॥≠)	६५७।	१८/।	३५।≠)	७१६॥	१९।
३३।॥≢)	६५९॥	१०॥≠॥	३५।≢)	७१९।	२२॥
३४)	६६२।	४≠॥	३५॥)	७२२	१॥/।
३४/)	६६४॥	२२॥/॥	३५॥/)	७२४॥	६।
३४≠)	६६७	१७	३५॥≠)	७२७	११।
३४≢)	६६९॥	११॥≠	३५॥≢)	७२९॥	१६॥
३४।)	६७२	६॥	३५।॥)	७३२	२२।/।
३४।/)	६७४॥	२।	३५।॥/)	७३४॥	३॥/
३४।≠)	६७६॥	२१≠॥	३५।॥≠)	७३७।	१०।
३४।≢)	६७९।	१९॥/	३५।॥≢)	७३९॥	१७।≠।
३४॥)	६८१॥	१६।≠॥	३६)	७४२॥	•

मोती चउका हिसाब दाणा एक ऊपर·

रत्ती	चउ	टीकडा	रत्ती	चउ	टीकडा
३६/)	७४५	८	३७॥/)	८०८।	१०ɇ॥।
३६ɇ)	७४७॥	१६॥	३७॥ɇ)	८११	४।ɇ।
३६≡)	७५०।	)॥	३७॥≡)	८१३॥	२४/
३६।)	७५२॥।	९॥/।	३७॥।)	८१६।	१९।
३६।/)	७५५।	१९।ɇ॥	३७॥।/)	८१९	१४॥।
३६।ɇ)	७५८	५	३७॥।ɇ)	८२१॥	१०॥।
३६।≡)	७६०॥	१५।ɇ॥।	३७।≡)	८२४॥	७।
३६॥)	७६३।	१॥/।	३८)	८२७।	४ɇ॥।
३५॥/)	७६५॥।	६३॥	३८/)	८३०	१॥
३६॥ɇ)	७६८॥	)॥	३८ɇ)	८३२॥	२४।/॥
३६॥≡)	७७१	१२	३८≡)	७३५।	२२॥/॥।
३६॥।)	७७३॥।	१	३८।)	८३८	२११
३६॥।/)	७७६।	१४।ɇ	३८।/)	८४०॥।	२०।ɇ॥।
३६॥।ɇ)	७७९	३।	३८।ɇ)	८४३॥	२०
३६॥।≡)	७८१॥	१७॥	३८।≡)	८४६।	२०
३७)	७८४।	७।	३८॥)	८४९	२०॥/
३७/)	७८६॥।	२२॥	३८॥/)	८५१॥।	२१॥
३७ɇ)	७८९॥	१३ɇ	३८॥ɇ)	८५४॥	२२॥।ɇ।
३७≡)	७९२।	४।)	३८॥≡)	८५७।	२४॥।
३७।)	७९४॥।	२०॥।	३८॥।)	८६०।	२
३७।/)	७९७॥	१२॥।	३८॥।/)	८६३	४॥।
३७।ɇ)	८००।	५।	३८॥।ɇ)	८६५॥।	७॥।ɇ।
३७।≡)	८०२॥।	२२/।	३८॥।≡)	८६८॥	११॥
३७॥)	८०५॥	१६।ɇ॥	३९)	८७१।	१५।ɇ

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर.

रत्ती	घठ	दोकडा	रत्ती	घठ	दोकडा
३३/)	६२६।	२≠॥।	३४॥/)	६८४।	१३॥
३३≠)	६२८॥	१४≠॥।	३४॥/)	६८६॥।	११॥
३३≢)	६३१	१॥≠)	३४॥≢)	६८९।	९॥/॥।
३३।)	६३३।	१४॥	३४॥।)	६९१॥।	८।
३३।/)	६३५॥।	२॥/॥।	३४॥।/)	६९४।	७।/॥
३३।≠)	६३८	१६॥≠॥	३४॥।≠)	६९६॥।	६॥≠
३३।≢)	६४०॥	५॥≠॥	३४॥।≢)	६९९।	६॥≠
३३॥)	६४२॥।	२०॥/	३५)	७०१॥।	७।
३३॥/)	६४५।	१०॥।	३५/)	७०४।	८≠॥
३३॥≠)	६४७॥।	११	३५≠)	७०६॥।	९॥
३३॥≢)	६५०	१७।	३५≢)	७०९।	११।
३३॥।)	६५२॥	८॥।	३५।)	७११॥।	१३॥
३३॥।/)	६५५	)॥।	३५।/)	७१४।	१६≠
३३॥।≠)	६५७।	१८/।	३५।≠)	७१६॥।	१९।
३३॥।≢)	६५९॥।	१०॥।≠॥	३५।≢)	७१९।	२२॥।
३४)	६६२।	४≠॥	३५॥)	७२२	१॥/।
३४/)	६६४॥	२२॥/॥।	३५॥/)	७२४॥	६।
३४≠)	६६७	१७	३५॥≠)	७२७	११।
३४≢)	६६९॥	११॥≠	३५॥≢)	७२९॥	१६॥
३४।)	६७२	६॥।	३५॥।)	७३२	२२।/।
३४।/)	६७४॥	२।	३५॥।/)	७३४॥।	३॥/
३४।≠)	६७६॥।	२१≠॥	३५॥।≠)	७३७।	१०।
३४।≢)	६७९।	१९॥/	३५॥।≢)	७३९॥।	१७।≠।
३४॥)	६८१॥।	१६।≠॥	३६)	७४२॥	•

मोती चउका हिसाब

टांक २ मं चढता	चउ	दोकडा	टांक १ मं चढता	चउ	दोकडा
१)	३३०	०	२६)	१२॥	१८≠॥
२)	१६५	०	२७)	१२	२२≠)॥
३)	११०	०	२८)	११॥	३॥/।
४)	८२॥	०	२९)	११।	१३
५)	६६	०	३०)	११	०
६)	५५	०	३१)	१०॥	१४॥०।
७)	४७	१४।)॥	३२)	१०।	६।)
८)	४१।	०	३३)	१०	०
९)	३६॥	१६॥≠॥	३४)	९॥	२०॥/॥
१०)	३३	०	३५)	९।	१७॥/॥
११)	३०	०	३६)	९	१६।/॥
१२)	२७॥	०	३७)	८॥	१६॥/।
१३)	२५।	१३॥	३८)	८॥	१८।/॥
१४)	२३॥	७≠।	३९)	८।	२१≠॥
१५)	२२	०	४०)	८।	०
१६)	२०॥	१२॥	४१)	८	४॥≠)
१७)	१९।	१६≠॥	४२)	७॥	१०॥≠॥
१८)	१८।	८।/।	४३)	७॥	१७।≠
१९)	१७।	११॥/)॥	४४)	७॥	०
२०)	१६॥	०	४५)	७।	८।/)
२१)	१५॥	२१।≠	४६)	७	१७।/।
२२)	१५	०	४७)	७	२।
२३)	१४।	८॥०॥	४८)	६॥	१२॥
२४)	१३॥	०	४९)	६॥	२१।≠॥
२५)	१३	२०	५०)	६॥	१०

मोती चउका हिसाब दाणा १ ऊपर·

रत्ती	चउ	टोकडा	रत्ती	चउ	टोकडा
४५/)	११६३।	१२/॥।	४६॥/)	१२४२	१२⸗
४५⸗)	११६६॥	११	४६॥⸗)	१२४५।	२०॥
४५≡)	११६८॥।	८॥	४६॥≡)	१२४८॥।	५
४५।)	११७३	८।	४६॥।)	१२५२	१४॥
४५।/)	११७६।	७॥	४६॥।/)	१२५५।	२४॥
४५।⸗)	११७८॥	७।	४६॥।⸗)	१२५८॥।	१०
४५।≡)	११८२॥।	७॥	४६॥।≡)	१२६२	२०॥⸗॥।
४५॥)	११८६	८)॥	४७)	१२६५॥	७।
४५॥/)	११८९।	८⸗।	४७/)	१२६८॥।	१८/॥
४५॥⸗)	११९२॥	१०॥⸗॥	४७⸗)	१२७२।	६/॥।
४५॥≡)	११९५॥।	१२॥⸗	४७≡)	१२७५॥	१९/।
४५॥।)	११९९	१५	४७।)	१२७९	७।
४५॥।/)	१२०२।	१७॥⸗।	४७।/)	१२८२।	२०॥/
४५॥।⸗)	१२०५॥	२१।	४७।⸗)	१२८५॥।	८॥/॥।
४५॥।≡)	१२०९	•	४७।≡)	१२८९	२४।/॥।
४६)	१२१२।	४⸗॥	४७॥)	१२९२॥	१४।/
४६/)	१२१५॥	८॥।/	४७॥/)	१२९६	७॥।
४६⸗)	१२१८॥।	१३॥⸗)॥	४७॥⸗)	१२९९।	२०॥
४६≡)	१२२२	१९॥	४७॥≡)	१३०२॥।	११॥।/॥
४६।)	१२२५॥	)॥	४७॥।)	१३०६।	३॥/।
४६।/)	१२२८॥।	६॥⸗।	४७॥।/	१३०९॥	२०॥।
४६।⸗)	१२३२	१३॥।	४७॥।⸗)	१३१३	१३।⸗।
४६।≡)	१२३५।	२१⸗	४७॥।≡)	१३१६॥	६॥
४६॥)	१२३८॥।	३॥।⸗॥	४८)	१३२०	•

मोती चउका हिसाव

टाक २ में चढता	चव	टोकडा	टाक १ में चढता	चव	टोकडा
१)	३३०	०	२६)	१२॥	१८≡॥
२)	१६५	०	२७)	१२	२२ॐ)॥
३)	११०	०	२८)	११॥	३॥ ⁄ ।
४)	८२॥	०	२९)	११।	१२
५)	६६	०	३०)	११	०
६)	५५	०	३१)	१०॥	१४॥०।
७)	४७	१४।)॥	३२)	१०।	६।)
८)	४१।	०	३३)	१०	०
९)	३६॥	१६॥≠॥	३४)	९॥	२०॥ ⁄ ॥
१०)	३३	०	३५)	९।	१७॥ ⁄ ॥
११)	३०	०	३६)	९	१६॥≠॥
१२)	२७॥	०	३७)	८॥	१६॥≠।
१३)	२५।	१३॥	३८)	८॥	१८।≠॥
१४)	२३॥	७≠।	३९)	८।	२१≠॥
१५)	२२	०	४०)	८।	०
१६)	२०॥	१२॥	४१)	८	४॥≠)
१७)	१९।	१६≠॥	४२)	७॥	१०।≠॥
१८)	१८।	८। ⁄ ।	४३)	७॥	१३।≡
१९)	१७।	११॥ ⁄)॥	४४)	७॥	०
२०)	१६॥	०	४५)	७।	८। ⁄)
२१)	१५॥	२१।≡	४६)	७	१७।≠।
२२)	१५	०	४७)	७	२।
२३)	१४।	९॥०॥	४८)	६॥	१२॥
२४)	१३॥	०	४९)	६॥	२१।≠॥
२५)	१३	२०	५०)	६॥	१०

मोती चउका हिसाब

टाक १ मे घढता	घउ	दोकडा	टाक १ में घढता	घउ	दोकडा
५१)	६।	२२⁄	७६)	४।	८≠।
५२)	६।	८॥⁄॥।	७७)	४।	३॥⁄
५३)	६	२२॥≠।	७८)	४	२३⁄।
५४)	६	११⁄॥।	७९)	४	१७॥≠॥
५५)	६	०	८०)	४	१२॥
५६)	५॥।	१४।)॥	८१)	४	७।≠॥
५७)	५॥।	३॥≶।	८२)	४	२।≠
५८)	५॥	१८॥≢॥	८३)	३॥।	२२॥⁄॥
५९)	५॥	९।⁄।	८४)	३॥।	१७॥।⁄॥।
६०)	५॥	०	८५)	३॥।	१३≢॥।
६१)	५।	१५॥≢॥।	८६)	३॥।	८॥≠॥
६२)	५।	७।	८७)	३॥।	४।⁄
६३)	५	२३॥।⁄	८८)	३॥।	०
६४)	५	१५॥≠	८९)	३॥	२०॥।)॥
६५)	५	७॥≠	९०)	३॥	१६।≠॥।
६६)	५॥।	०	९१)	३॥	१२॥≠।
६७)	४॥।	१७॥)॥	९२)	३॥	८।≠
६८)	४॥।	१०।)॥।	९३)	३॥	४॥।⁄॥
६९)	४॥।	३।)।	९४)	३॥	१⁄
७०)	४॥	२१।≠॥।	९५)	३।	२२।≠
७१)	४॥	१४॥।)॥	९६)	३।	१८॥।
७२)	४॥	८।⁄।	९७)	३।	१५≢)।
७३)	४॥	२)॥।	९८)	३।	११॥≢॥।
७४)	४।	२०॥≢	९९)	३।	८।⁄।
७५)	४।	१५	१००)	३।	५)

मोती चउका हिसाब

टांक १ में चढता	चउ	टोकडा	टांक १ मे चढता	चउ	टोकडा
१०१)	३।	१॥≠॥।	१२६)	२॥	११॥/॥
१०२)	३	२३॥०॥	१२७)	२॥	८॥।/॥)
१०३)	३	२०।≠॥	१२८)	२॥	७॥।/
१०४)	३	१७।/	१२९)	२॥	५॥।/
१०५)	३	१४।०॥	१३०)	२॥	३॥।/॥
१०६)	३	११।/	१३१)	२॥	१॥।≠॥
१०७)	३	८।≠॥	१३२)	२॥	०
१०८)	३	५॥/	१३३)	२।	२३≠
१०९)	३	२॥।	१३४)	२।	२१।०।
११०)	३	०	१३५)	२।	१९।≠
१११)	२॥।	२२।	१३६)	२।	१७॥≠।
११२)	२॥।	१९॥≠।	१३७)	२।	२५॥≠
११३)	२॥।	१७)॥	१३८)	२।	१४≠
११४)	२॥।	१४।≠॥	१३९)	२।	१२।≠॥
११५)	२॥।	११॥।)।	१४०)	२।	१०॥≠॥
११६)	२॥।	९॥≠॥।	१४१)	२।	९)॥
११७)	२॥।	७)॥।	१४२)	२।	७।≠।
११८)	२॥।	४॥≠॥	१४३)	२।	५॥।)।
११९)	२॥।	२।/	१४४)	२।	४≠॥।
१२०)	२॥।	०	१४५)	२।	२॥/)।
१२१)	२॥	२२॥≠॥।	१४६)	२।	१)॥
१२२)	२॥	२०।≠॥।	१४७)	२।	२४।≠॥।
१२३)	२॥	१८।)॥।	१४८)	२	२२॥।≠॥
१२४)	२॥	१६≠	१४९)	२	२१।≠॥
१२५)	२॥	१४	१५०)	२	२०

मोति चउका हिसाब

टाक १ मे चढता	चउ	दोकडा	टाक १ में चढता	चउ	दोकडा
१५१)	२	१८॥०॥	१७६)	१॥	१२॥
१५२)	२	१७/॥	१७७)	१॥	११।≠
१५३)	२	१५।≠	१७८)	१॥।	१०।≠।
१५४)	२	१४।०॥	१७९)	१॥।	९।/॥
१५५)	२	१२॥≠॥	१८०)	१॥।	८।/।
१५६)	२	११॥)॥	१८१)	१॥।	७।/
१५७)	२	१०≠	१८२)	१॥	६।/
१५८)	२	८॥/॥	१८३)	१॥	५।/।
१५९)	२	७॥०॥	१८४)	१॥	४।/॥
१६०)	२	६।	१८५)	१॥	३।≠
१६१)	२	४॥≠॥	१८६)	१॥	२।≠॥
१६२)	२	३।≠।	१८७)	१॥	१।≠॥
१६३)	२	२।≠।	१८८)	१॥	॥)॥
१६४)	२	१≠॥	१८९)	१॥	२४॥/)॥
१६५)	२	०	१९०)	१॥	२३॥≠
१६६)	१॥	२३॥०॥	१९१)	१॥	२२॥०॥
१६७)	१॥	२२॥/॥	१९२)	१॥	२१॥≠
१६८)	१॥	२१।≠)॥	१९३)	१॥	२०॥≠॥
१६९)	१॥	२०।)।	१९४)	१॥	२०/॥
१७०)	१॥	१९/॥	१९५)	१॥	१९≠)॥
१७१)	१॥	१८)।	१९६)	१॥	१८।/॥
१७२)	१॥	१६॥/॥	१९७)	१॥	१७॥)।
१७३)	१॥	१५॥≠)॥	१९८)	१॥	१६॥≠॥
१७४)	१॥	१४॥≠॥	१९९)	१॥	१५॥/।
१७५)	१॥	१३॥/	२००)	१॥	१५)

मोती चउका हिसाब·

टाक १मिं घटता	घड	दोकडा	टाक १मिं घटता	घड	दोकडा
२०१)	१॥	१४≠॥|	२२६)	१।	२१।)
२०२)	१॥	१३।/॥|	२२७)	१।	२०।≠
२०३)	१॥	१२॥/	२२८)	१।	१९॥≠॥|
२०४)	१॥	११॥|०।	२२९)	१।	१९/॥|
२०५)	१॥	१०॥≠॥	२३०)	१।	१८।≠॥|
२०६)	१॥	१०≠)	२३१)	१।	१७॥/॥|
२०७)	१॥	९।≠)॥	२३२)	१।	१७≠॥)
२०८)	१॥	८॥≠॥	२३३)	१।	१६॥≠
२०९)	१॥	७॥≠।	२३४)	१।	१६)।
२१०)	१॥	६≠।	२३५)	१।	१५।≠॥|
२११)	१॥	६।≠।	२३६)	१।	१४॥/।
२१२)	१॥	५॥≠॥	२३७)	१।	१४≠॥|
२१३)	१॥	४॥≠॥|	२३८)	१।	१३≠॥
२१४)	१॥	४≠।	२३९)	१।	१३/।
२१५)	१॥	३।≠॥|	२४०)	१।	१२॥
२१६)	१॥	२॥|०॥	२४१)	१।	११॥≠॥|
२१७)	१॥	२/।	२४२)	१।	११।/॥|
२१८)	१॥	१।≠	२४३)	१।	१०॥)॥
२१९)	१॥	॥≠)	२४४)	१।	१०।
२२०)	१॥	०	२४५)	१।	९॥≠
२२१)	१।	२४।/	२४६)	१।	९≠।
२२२)	१।	२३।≠।	२४७)	१।	८॥/॥|
२२३)	१।	२२॥≠॥	२४८)	१।	८/
२२४)	१।	२२।/	२४९)	१।	७॥)॥
२२५)	१।	२१।≠॥|	२५०)	१।	७)

मोती चउका हिसाब·

टांक १ में चढता	चउ	दोकडा	टाक १में चढता	चउ	दोकडा
२५१)	१।	६।≢॥	२७६)	१	१९॥/
२५२)	१।	५॥≢।	२७७)	१	१९≠
२५३)	१।	५।≢	२७८)	१	१८॥≢।
२५४)	१।	४॥≠॥	२७९)	१	१८।)॥
२५५)	१।	४।≠॥	२८०)	१	१७॥/॥
२५६)	१।	३॥≠॥	२८१)	१	१७।≢
२५७)	१।	३।≠॥	२८२)	१	१७)।
२५८)	१।	२॥≠॥	२८३)	१	१६।/॥
२५९)	१।	२।≠॥	२८४)	१	१६≢।
२६०)	१।	१॥।≠॥	२८५)	१	१५॥)॥
२६१)	१।	१	२८६)	१	१५।≠
२६२)	१।	॥≢।	२८७)	१	१४॥≠॥
२६३)	१।	।≢॥	२८८)	१	[illegible]
२६४)	१।	०	२८९)		
२६५)	१	२४॥)॥	२९०)		
२६६)	१	२४/	२९१)		
२६७)	१	२३॥/॥	२९२)		
२६८)	१	२३≠	२९३)		
२६९)	१	२२॥≠॥	२९४)		
२७०)	१	२२≢॥	२/		
२७१)	१	२१॥)।	२/		
२७२)	१	२१।/।	२८		
२७३)	१	२०॥≠	२८		
२७४)	१	२०।≢	२/		
२७५)	१	२०	/		

मोती चउका हिसाब

टांक १में चढ़ता	चउ	टोकड़ा	टांक १में चढ़ता	चउ	टोकड़ा
३०१)	१	८।/।	३२६)	१	१॥
३०२)	१	८।०।	३२७ ,	१	॥/॥।
३०३)	१	८॥/॥	३२८)	१	॥/॥।
३०४)	१	८।०॥	३२९)	१	।०॥।
३०५)	१	८/	३३०)	१	०
३०६)	१	७॥)॥	३३१)	॥	२४॥/॥
३०७)	१	७।=॥	३३२)	॥	२४।/।
३०८)	१	७/।	३३३)	॥	२४/॥
३०९)	१	६॥०॥	३३४)	॥	२३॥०॥
३१०)	१	६।=।	३३५)	॥	२३॥
३११)	१	६/॥	३३६)	॥	२३=।
३१२)	१	५॥०।	३३७)	॥	२२॥/॥
३१३)	१	५।/॥	३३८)	॥	२२॥/
३१४)	१	५/॥	३३९)	॥	२२।/॥
३१५)	१	४॥०	३४०)	॥	२२/
३१६)	१	४।/॥	३४१)	॥	२१॥।
३१७)	१	४/॥)	३४२)	॥	२१।=॥
३१८)	१	३॥)।	३४३)	॥	२१=।
३१९)	१	३।=)।	३४४)	॥	२०॥०॥
३२०)	१	३/	३४५)	॥	२०।/॥
३२१)	१	२॥)॥	३४६)	॥	२०।/
३२२)	१	२।=)॥	३४७)	॥	२०/॥
३२३)	१	२/)॥	३४८)	॥	१९॥/।
३२४)	१	१॥/॥ ,	३४९)	॥	१९॥०॥
३२५)	१	१।०॥	३५०)	॥	१९।०॥

मोती चउका हिसाव

टाक १में चढता	घउ	दोकडा	टाक १ में चढ़ता	घउ	दोकडा
३५१)	॥।	१८)।	३८०)	॥।	११॥।/॥
३५२)	॥।	१८॥	३८५)	॥।	१०॥≠॥
३५३)	॥।	१८।≠॥।	३९०)	॥।	९॥/॥।
३५४)	॥।	१८≠॥	३९५)	॥।	८॥)॥।
३५५)	॥।	१८॥।≠।	४००)	॥।	७॥
३५६)	॥।	१७॥≠	४०५)	॥।	६।≠॥।
३५७)	॥।	१७।≠	४१०)	॥।	५।≠॥।
३५८)	॥।	१७≠॥	४१५)	॥।	४॥)।
३५९)	॥।	१६॥।≠॥।	४२०)	॥।	३॥/
३६०)	॥।	१६॥≠॥	४२५)	॥।	२॥≠।
३६१)	॥।	१६।≠॥	४३०)	॥।	१॥।
३६२)	॥।	१६≠॥	४३५)	॥।	॥/॥।
३६३)	॥।	१५॥।≠॥	४४०)	॥।	०
३६४)	॥।	१५॥≠॥	४४५)	॥	२४≠॥
३६५)	॥।	१५।≠॥	४५०)	॥	२३।/।
३६६)	॥।	१५≠॥	४५५)	॥	२३॥०।
३६७)	॥।	१४॥।≠॥	४६०)	॥	२१॥≠॥।
३६८)	॥।	१४॥≠॥।	४६५)	॥	२०॥।≠॥
३६९)	॥।	१४।≠॥।	४७०)	॥	२०≠॥
३७०)	॥।	१४≠	४७५)	॥	१९।≠॥
३७१)	॥।	१३॥।≠।	४८०)	॥	१८॥
३७२)	॥।	१३॥≠।	४८५)	॥	१८)॥।
३७३)	॥।	१३।≠॥	४९०)	॥	१७।/॥
३७४)	॥।	१३≠॥।	४९५)	॥	१६॥≠॥।
३७५)	॥।	१३	५००)	॥	१६

तनख्वा गिनने का कोष्टक।

१) रुपैये से १००००) रुपैये तक हररोज का तनख्वा

१) रुपैये से १००००) रुपैये तक	२८ दीनका			२९ दीनका			३० दीनका			३१ दीनका		
१	०	०	७	०	०	७	०	०	६	०	०	६
२	०	१	२	०	१	१	०	१	१	०	१	०
३	०	१	९	०	१	८	०	१	७	०	१	७
४	०	२	३	०	२	२	०	२	२	०	२	१
५	०	२	१०	०	२	९	०	२	८	०	२	७
६	०	३	५	०	३	४	०	३	२	०	३	१
७	०	४		०	३	१०	०	३	९	०	३	७
८	०	४	७	०	४	५	०	४	३	०	४	२
९	०	५	२	०	५	०	०	४	१०	०	४	८
१०	०	५	९	०	५	६	०	५	४	०	५	२
११	०	६	३	०	६	१	०	५	१०	०	५	८
१२	०	६	१०	०	६	७	०	६	५	०	६	२
१३	०	७	५	०	७	२	०	६	११	०	६	९
१४	०	८	०	०	७	९	०	७	६	०	७	३
१५	०	८	७	०	८	३		८	०	०	७	९
१६	०	९	२	०	८	१०	०	८	६	०	८	३
१७	०	९	९	०	९	५	०	९	१	०	८	९
१८	०	१०	३	०	९	११	०	९	७	०	९	३
१९	०	१०	१०	०	१०	६	०	१०	२	०	९	१०
२०	०	११	५	०	११	०	०	१०	८	०	१०	४
२५	०	१४	३	०	१३	१०	०	१३	४	०	१२	११
३०	१	१	२	१	०	७	१	०	०	०	१५	६
३५	१	४	०	१	३	४	१	२	८	१	२	१
४०	१	६	१०	१	६	१	१	५	४	१	४	८
४५	१	९	९	१	८	१०	१	८	०	१	७	३
५०	१	१२	७	१	११	७	१	१०	८	१	९	१०
१००	३	९	२	३	७	२	३	५	४	३	३	७
२००	७	२	३	६	१४	४	६	१०	८	६	७	३
५००	१७	१३	८	१७	३	१०	१६	१०	८	१६	२	०
१०००	३५	११	५	३४	७	८	३३	५	४	३२	४	१
२०००	७१	६	१०	६८	१५	५	६६	१०	८	६४	८	३
३०००	१०७	२	३	१०३	७	२	१००		०	९६	१२	४
५०००	१७८	९	१	१७२	६	७	१६६	१०	८	१६१	४	७
१००००	३५७	२	३	३४४	१३	३	३३३	५	४	३२२	९	३

अधिक मास का कोष्ठक।

जेठ	२ आसोज २ चैत	श्रावण	जेठ	वैशाख	भाद्रपद	आषाढ
१८९६	१ पोष क्षयो १८९८	१९०१	१९०४	१९०७	१९०९	१९१२
१९१५	१९१७	१९२०	१९२३	१९२६	१९२८	१९३१
१९३४	१९३६	१९३९	१९४२	२ चैत १९४५	१९४७	१९५०
१९५३	१९५५	१९५८	१९६१	१९६४	१९६६	१९६९
१९७२	१९७४	१९७७	१९८०	१९८३	१९८५	१९८८

अधिक मास पाच वर्ष में दो आते हैं और क्षय महीना बहुत वर्ष से कार्तिक मगसर पोष, ये तीन महीनों में से होता है और जिस वर्ष में क्षय महीना होता है उसी वर्ष में अधिक महिना अवश्य होता है।

ब्याजका हिसाब।

कम्पनी कागद का च्यार परसेंट का ब्याज मास ६ से मिलता है जिसका पूलता ब्याज वर्ष १८ में दुना रुपया होता है।

ब्याज मास १२ से पूलता फलाने से रुपैया नीचे लिखे हुये वर्षोंमें दुना होता है।

ब्याज दर ॥) सैकडे का वर्ष १२ में दुना रुपैया होता है।

ब्याज दर ॥) सैंकड़े का वर्ष ७ मास १० मे दुना रुपैया होता है।

ब्याज दर १) सैंकडे का वर्ष ५ मास ११॥ में दुना रुपैया होता है।

रुपैया १) जिसका ब्याज दर रुपैया १) सैकडे के हिसाबसे हर वर्ष पूलता ब्याज फलाने से वर्ष १०० में रुपैया १०११२२/) होता है।

दूसरे के मनमें धरा हुआ अंक बताने की रीति।

प्रथमरीति—मनमें धरे हुये अंको को ३ तीनसे गुणाकार करना, उस

गुणाकार में १ मीलाना फेर उसको ३ तीनसे गुणाकार करना उसीमे मनमें धरा हुवा अङ्क मीनाके वो जोड जो मगुण मनमें धरा हुवा अङ्क बतावेगा उसको बताना उसने उस जोड पर पहीला ३ का अङ्क आवेगा सो तीन का अङ्क छोडके बाकी का जो बचे उसको मनका अङ्क समझना।

जैसे कीसीके मनमें धरा हुवा अङ्क ४ है। जब ४ को तीन से गुणाकार कीया तो १२ हुवा। फेर उसमें १ मीलाया तो १३ हुवा फेर तेराको तीनका गुणाकार कीया तो ३८ हुवा, फेर उसमें मनमें धरा हुवा ४ का अङ्क मिलाने से ४३ हुवा इसके उपरका ३ का अङ्क छोड देनेसे वोही ४ मनमें धरा हुवा अङ्क समझना चाहिये।

दुसरी रीति—मनमें धरे हुये अङ्कमें १ मीलाना पीछे उसको ३ का गुणाकार करनां, उस गुणाकार में फेर १ मीलाना, जो जोड आवेगा उसमें मनमें धरा हुवा अङ्क मीना के मनका आक बताने वाले को बताना, अङ्क बताने वालेने उस जोड में से ४ बाद करके उसको ४ से भागाकार करना, जो भागाकार आवेगा उसको मनका अङ्क जानना जैसे मनमें धरी हुई सख्या १० है उसमें १ मीलाने से ११ हुवा ११ को तीनका गुणाकार कीया तो ३३ हुवा, फेर १ मीलाया तो ३४ हुवा फेर मनमें धरा हुवा, अङ्क १० मीलानेसे ४४ हुवा, उसमें ४ बाद दीया तो ४० रहा फेर ४ से भागाकार कीया तो १० भागाकार हुवा यही १० उसका मन का अङ्क है।

तीसरीरीति—मनमें धरे हुये अङ्को को दुना करना फेर उसमें ४ मीला कर उसको ५ से गुणाकार करना, उस गुणाकार में १२ मीलाना फेर उसको १० से गुणाकार करने से जो सख्या होगी वो मनमें अङ्क बताने वाले को बताना अङ्क बताने वालेने उसमें से ३२० बाद करके जो बाकी बचे उसके उपर की दो सुन्य उडाकर बाकी जो रहेगी वोही उसका उत्तर है।

जैसे—मनमें धरी हुइ सख्या ५० है अब ५० को दुना करने से १०० हुवा उसमे ४ मीलाने से १०४ हुवा इसको ५ का गुणाकार करने से ५२० हुवा ५२० में १२ मीलाने से ५३२ हुवा, ५३२ को १० गुणा करने से ५३२० हुवा, इसमें ३२० बाद करने से ५००० रहा इसो ५००० के उपर की दो सुन्य उडा देने से वोही मनमें धरा हुवा अङ्क ५० रह गया।

गणित ।
Arithmetic.

१—गणित करने की विद्या को अङ्क गणित और Arithmotic कहते हैं।

२—जिससे सख्या का रूप प्रगट किया जाता है उसको अङ्क Number कहते हैं।

जोड के नियम ।

३—दो वा दो से अधिक संख्याओं को इकट्ठी करने के काम को जोड कहते हैं। और जोडने से जो सख्या आती है उस को योग फल कहते है।

४—जोड के चिन्ह को धन कहते हैं। जिस सख्या के आगे यह + चिन्ह रखा जाता है, तो उसके जोडने का मतलब निकलता है। और यह = चिन्ह बराबर का कहलाता है। जैसे '—४ + ४ + २ + ३ = १३

५—चारमें चार मिलाया तब आठ हुवा, आठ में दो जोडा तब दश हुवा, दशमें तीन मिलाया तब तेरह हुवा। एही तेरह को योग फल कहा जाता है। इस प्रकार के जोड को मिश्र जोड कहते है।

जोडका उदाहरण '—	५	५५३८		१३४५६
	८	२५६७	२	७८९०१
	७	३८५८	३	२३४०५
	६	४३२१	४	६७८९०
	५	५७३५	५	१२३४५
	४	६७५४	६	२३४५०
	३	३६५४	७	४५७२५
जोड	३८	३२४२८ जोड	२७	५४०५०
			जोड	२१८२२७

६—एक प्रकार के कइ फक वस्तु को इकट्ठा करने के कार्य्य को मिश्र जोड कहते हैं जैसे '—सात रुपये आठ आने, नौ रुपये बारह आने और तीन रुपये दश आने इन सब को जोडने से बीस रुपये चौदह आने हुए।

घटाना ।

किसी बडी सख्या मे से छोटी सख्या के घटाने के काम को घटाना कहते है घटाने के चिन्ह यह "—" है इसको ऋण कहा जाता है और यह चिन्ह घटाने के

निमित्त सख्याके बाम भाग रखा जाता है। बडी सख्या को जमा कहा जाता है और छोटी सख्या को खर्च कहते हैं और जो बचता है उसको बाकी कहते है।

यथा— २५४ इसको जमा कहते हैं
१०८ खर्च कहते हैं
१४५ बाकी कहते हैं

घटाने के उदाहरण प्रश्न

९	१३४५	२४	२३४५६७
४	१४५८	७	४३२१०
५	८८७	१७	१८१३५७

प्रश्न

२७—८=१८ | २२७३१—२०४५=२०१८६ | २४५८—२२ उत्तर २४१७

एकही जातिके दो सख्याके आपस में घटानेके कामका मिश्र घटाना कहते हैं।

	रु० आ० पा०		रु० आना पाइ
उदाहरण	२२।) ॥		४४४५॥।≠)
	८।) ।		२१०५।)
	१३।) ।		२३४०।≠)

गुणाकार।

एक सख्या को कइ एक बार सचित रीति से जोडने की क्रिया को गुणाकार कहते हैं। जो सख्या कइ एक बार जोडी जाती है उसको गुण्य कहते है जेबार जोडी जाती है उसको गुणक कहते है। गुणा करने के पश्चात जो सख्या आती है उसको गुणन फल कहते हैं। यथा—

उदाहरण २२४ गुण्य
५ गुणक
११२० गुणन फल

गुणका चिन्ह ' ×" यह है यह चिन्ह दो सख्या के मध्य मे आता है।

यथा— २२४ × ५ = ११२०

गुणाके उदाहरण प्रश्न

२२४५	३२४५६	२२३४५६
८	५५	९
१७९६०	१६२२८०	२०११११०४
	१६२२८०	
	१७८५०८०	

३६—आई बहू आया काम। गई बहू गया काम।
३७—आधीमा पूतको माथो नोज देखे। (मारवाडी)
३८—अपनी खाय पराइ तके सो मुध जाय गेह के धर्क।
३९—आजही मूंड मूंडाया और आज ही ओले पडे।
४०—आशिक को खुदा करदे या कर दे जमी परदे।
४१—अपनी माको डाकन कोई नहीं बताता।
४२—आनि की तो खाली पौन ही पौन है
४३—आगे पीछे मीम तले।
४४—आगे आगरा पीछे लाहौर।
४५—आगे आगी लेर पिरागो। (मारवाड़ी)
४६—आखा देखो परसराम कभीन झूठो होय।
४७—आप डूबते प्रोथनी ले डूबे जिजमान।
४८—इखासत के दो मत कै।
४९—इन्द्र की मा भी प्यासी रही।
५०—इधर पडे तो कूआ उधर पडे तो खाई।
५१—इदही के चाद होगए।
५२—इति श्री होगई।
५३—उलटी गत भगवान की, गई सिटप्प माय काबुलमे मेवा मारा टींट बजके माय।
५४—उलटा ही उलटा पासा पडता है सीधा तो पडताही नहीं।
५५—उलटा चोर कोतवाल को डंडे
५६—ऊतगाय में कुम्हार मेहता
५७—ऊट बिलाई का सा जोडा।
५८—ऊट चढे न कुत्ता खाय।
५९—ऊत गयो दक्खन, वहीं का लाया लच्छन।
६०—ऊपर चढ कर देखा घर घर यही लेखा।
६१—ऊत गए की चिट्ठी आई बांचे उसको राम दोहाई।
६२—एक सो एक दो सो ग्यारा।
६३—एक अधा एक कोढी राम मिलाइ जोडी।
६४—एक हाथ से ताली कभी नहीं बजती।
६५—एक तनदुरस्ती हजार नियामत।
६६—एक मियान में दो तरवार नहीं रहतीं।
६७—एक पथ दो काज।
६८—एक नबा सौ दुख हरे।
६९—ऐरन की चोरी करे, करे सुई का दान।
७०—ऐब करनेको भी हुनर चाहिए।
७१—ओछके सोये कामो काम बात बनावें बडी बडी।
७२—औसर चूको डोमडो गावे ताल बेताल।

७३—करम दलिद्री मुलाकात बादशा हों की।
७४—काला अक्षर भैंस बराबर।
७५—काणो आंख एक खोले या मींचे।
७६—काणी को, काजल ही नहीं सुहाता।
७७—के हंसा मोती चुगै के लंघण कर जाय।
७८—काल करै सो आज कर आज करै सो अब। औसर बीते जात हैं बहुरी करो गे कब।
७९—कामी के साख नहीं लोभी के नाक नहीं।
८०—काठ की हांडी एक बारही चढै।
८१—कहा राम राम कहा टें टें।
८२—कुत्ते की पूछ बारा बरस दबी रही पर जब निकली तब टेढी की टेढी।
८३—कमाऊ आवे डरता निखट्टू आवे लडता।
८४—कम जोर गुस्सा जादा, यही मार-खाने का इरादा।
८५—कुलड़ीका गप्पा नहीं है।
८६—कभी गाड़ी नावमें कभी नाव गाड़ी में।
८७—किस गिरते पर सत्ता पामी।
८८—कोई गावे होली कोइ गावे दीवाली।
८९—काठ का उल्लू है।
९०—खजूर खाय सो झाड पर चढै।
९१—खसम मरेका धोखा नहीं सपना सञ्चा चाहिये।
९२—खाना सोई अपना पहरना सोई जग का।
९३—छूटी हार निगल गई।
९४—खोटा बेटा खोटा पैसा मौके का हथियार।
९५—गले में गूदड पडा सिर में गुलाल
९६—गाय गया सूता जागी।
९७—गुरु से चेला मारका।
९८—गंगाजीको न्हायबो विप्रन से व्यवहार डूबजाय तो डूबजाय पार जाय तो पार।
९९—गांव बसायो बाणियां पार पडे तब जानिया।
१००—गंगा न्हाई गोमती आई खसमको रोवती।
१०१—गाजर की पुंगी,बाजी तो बजाई नही तो तोड खाई।
१०२—गुड दिये मरे तो जहर क्यों दे।
१०३—गुरु चेला लालची दोनो खेले दांव
१०४—गोद के को छोडकर पेट के की आस न करे।
१०५—गरीबकी जोरू जगत की भाभी।
१०६—जर, जमी, जन, जोर पर।
१०७—जान बूझ कर कुएमें कूदे।
१०८—जहर खायगा सो मरेगा।

१०८—जाट बोला जाटनी इसी गाव में रहना, कट बिलाई ले गई हाजी हाजी कहना।

११०—जुल्मी जाय पर जुल्म न जाय।

१११—जोरू न जाता खुदा से नाता।

११२—जैसे करनी वैसो फल।

११३ ज्‍ू ज्‍ू भीजे कामली। त्यू त्यू भारी होय।

११४—जागे सो पावे सोवे सो खोवे।

११५—जान से हाथ धो बैठे।

११६—जिसको नदे मौला उसको दे आसफुदौला।

११७—ठगे ठग ठगाये ठाकर।

११८—तूफिरे डाल डाल मैं फिरूपात पात

११९—तीन के मत तेरा मे।

१२०—तरवार का घाव सूखे बात का घाव न सूखे।

१२१—तीन में न तेरा में।

१२२—तीन सुहाली तेरह थाली, बाटन वाली सत्तर जनी।

१२३—तीन पाच मत कर।

१२४—तीन बुलाए तेरह आए भई राम की बाणी राघो चेतन यू उठ बोले दे टाल मे पाणी।

१२५—तुझे और नही मुझे ठौर नहीं

१२६—तीतर छोड बामी में दीहो भटजी भए निराले।

१२७—तेरी सिल सिल मेरी छाती।

१२८—तीन लोक से मथुरा न्यारी।

१२९—दगा किसी का सगा नहीं।

१३०—थूक के चाटना अच्छा नहीं

१३१—देखना सो भूलना नहीं।

१३२—दुशाले में लपेट कर मारना

१३३—दलालके दिवाला न मसजिदके ताला।

१३४—दूधका जला छाछ फुक २ पीता है।

१३५—देव से दाना बडा।

१३६—देखादेखी जोकरै सो पीछे पछताय।

१३७—दिन दूना रात चौगुना।

१३८—दुबधा में दोउ गए माया मिली न राम।

१३९—दो हाथों में लड्डु है।

१४०—दूसरे की थाली मे लड्डु बडा दिखता हैं।

१४१—धरम की जड सदा हरी।

१४२—धन धनीका गुवाल के हाथ में लकडी।

१४३—धरमका धरम करम का करम।

१४४—दिन दुपहरे अन्धा करै।

१४५—धरमका धक्का मत देना।

१४६—धीरे धीरे ठाकरा धीरे सब कुछ होय। माली सीचे रात दिन ऋतु आए फल होय।

१४७—धी मरी जवाई चोर

१४८—नार मुई घर सपति नासी मु डमु डाय भए सन्यासी।

१४९—न रातको नींद है न दिनको चैन है।

१५०—नाई! नाई! मेरे सिर में कितने बाल जोहोंगे सो सामने गिर जायगे

१५१—नई जोगण काठकी मुद्रा।

१५२—नई नायन बासका नहरना।

१५३—नबाब का नाती बन गया।

१५४—नगाड़ खाने में तूती की आवाज कौन सुनता है।

१५५—नादानकी दोस्ती जीका जजाल

१५६—नाचन लगी फिर घुंघट किसका

१५७—नामर्दों खुदाने दी मार मार तो कर।

१५८—नीम हकीम खतरे जान।

१५९—नामी चोर मारा जाय नामी साह कमा खाय।

१६०—पर उपदेश कुशल बहुतेरे।

१६१—पर की बुराई चेतेतो अपनाही बुरा हो।

१६२—पचों मे परमेश्वर है।

१६३—पासा पड़े अनाड़ी जीतै।

१६४—पचायती क्या मतलब।

१६५—पतली दालके खानेवाले है।

१६६—पेट फूल कर कुप्पा होगया।

१६७—प्रितिका निभाना खाडेको धार है।

१६८—पेटमे कतरनी मूंह से राम राम

१६९—पानी पीकर जात पूछना।

१७०—पराए सुख दुखनी।

१७१—पापी का धन परले जाय, धोबी का धन गधा खाय।

१७२—पैर से गाठ देवे सो हाथ से कोनी खुलै।

१७३—पूतके लच्छन पालने दीखें।

१७४—पढ़े फारसी बेचे तेल, यह देखो कुदरत का खेल।

१७५—पांच ७ गलौया पहुंचा भागी है।

१७६—पैसेकी डोकरी टका टाट मूंडाई का।

१७७—फलाने की जड़ पतालमें।

१७८—फूटे भाग फकीर के भरी चिलम गिर जाय।

१७९—फलाने का नाक सो हाथ लम्बा।

१८०—फुक देदेकर पैर रखना।

१८१—फिर सोच।

१८२—फूवड चाले सौघर हाले।

१८३—फटे कापड़े मत देख—दिल्ली का घर दूर है।

१८४—अखत के बोए मोती निपजे।

१८५—बकरेकी मा कबतक खैर मनावेगी।

१८६—अखत करे सो आदमी क्या करे।

१८७—बीती ताय बिसार दे आगे की सुध लेय।

१८८—बिल्लीके भाग से छींका टूट पड़ा।

१८९—बनतो भाग मे गिरना है।

१९०—बाड़ी में मूतने से क्या बेर निकलता है।

१९१—ब्याहने न गए तो बरातमें तोगएहै

२६९—लेनाही सीखा देना न सीखा।
२७०—लक्ष्मी किधर जाके राजी हुई।
२७१—लाखों लगाकर लुट गया।
२७२—लपोड़ संख है।
२७३—लाख पर दीया कोड़ पर धजा।
२७४—लेना एक न देना दो।
२७५—वह दिन कहां कि मियां के पांव में जुती।
२७६—सावन के अंधे को हरा ही हरा सुझता है।
२७७—सूरदास की कारी कमरी चढ़ै न दूजो रंग।
२७८—सोना और सुगन्ध।
२७९—सूखे पर नाव चलाता है।
२८०—सांप छछुन्दर वाली हो रही है।
२८१—सुख की आधी भली, दुःख की एक भी निकम्मी।
२८२—सांच को आंच नहीं।
२८३—सत्तर में न बहत्तर में।
२८४—साठा सो पाठा।
२८५—साली नहीं तो सास होगी दिल्लगी?
२८६—सारस किसी जोड़ी है।
२८७—सीधी अङ्गुली से घी नहीं निकलता।
२८८—सौधर्मात्मा की नाव में एक पापी बैठ जाय तो सारी नाव डूब जाय।
२८९—सिंह और बकरी एक घाट पानी पिये?
२९०—मकान हुईंलकी मिजाज परियोंका
२९१—सगी को जड़ लगा है।
२९२—सतरञ्ज किसी चाल है।
२९३—साईं टेढ़ो चाग्निया देरो सकल जहान, टुक एक भोला मोहर का सार्थी करे सलाम।
२९४—सौ में एक सहस्र में काना मय के ऊपर ऐंचा ताना। ऐंचे ताने करी पुकार कञ्जे से रहना हुशियार
२९५—सेर को हांडी में सेवा सेर कैसे रहे?
२९६—सिंघों का मुंह किसने धोया है?
२९७—सोना गया कारण के साथ।
२९८—सुनके बाज किसके, हम लगाई खिसके।
२९९—सेर एक चून उधारारी कोई घी दे तो, गटक मसीदा कर खूरी कोई गुड़ दे तो। मरती पड़ती खाल्लु री कोई कर देती।
३००—सदा दिवाली सन्त घर आठों पहर आनंद।
३०१—समन्दर में रहना मगर मच्छ से वैर।
३०२—हाकिम हारे, मुंह में मारे।
३०३—हाथ को हाथ खाय।
३०४—हाथी के पिछे कुत्ते भूं साही करते हैं।
३०५—हाथ में लिया कासा फिर मंगने का क्या सासा।

MATLAB-SANGRAH

CAPITAL LETTERS

A	B	C	D	E	F
ए	बी	सी	डी	ई	एफ्
G	H	I	J	K	L
जी	एच्	आई	जे	के	एल्
M	N	O	P	Q	R
एम्	एन्	ओ	पी	क्यू	आर्
S	T	U	V	W	X
एस्	टी	यू	वी	डबल्यू	एक्स
Y	Z.				
वाई	जेड				

SMALL LETTERS

a	b	c	b	e	f
ए	बी	सी	डी	ई	एफ्
g	h	i	j	k	l
जी	एच्	आई	जे	के	एल्
m	n	o	p	q	r
एम्	एन्	ओ	पी	क्यू	आर्
s	t	u	v	w	x
एस्	टी	यू	वी	डबल्यू	एकस
y	z.				
वाई	जेड				

MANUSCRIPT LETTERS [CAPITAL]

A B C D

ए बी सी डी

E F G H

ई एफ् जी एच्

I J K L M

आइ जे के एल् एम्

N O P Q R

एन् ओ पी क्यु आर

S T U V

एस टी यु वी

W X Y Z

डबल्यु एक्स वाई जेड

MANUSCRIPT LETTERS [SMALL]

a b c d e f g h

ए बी सी डी ई एफ़ जी एच

i j k l m n o p

आई जे के एल एम एन् ओ पी

q r s t u v w x

क्यू आर एस टी यु वी डब्ल्यु एक्स

y z.

वाई जेड।

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

Geometrician.

VOWELE स्वर

A,	A	E.	EE,	U,	OO
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
RI,	RI,	LRI,	LRI	E,	AI,
ऋ	ॠ	ऌ	ॡ	ए	ऐ
O,	OU.	AN,	AH,		
ओ	औ	अं	अः		

CONSONANTS व्यञ्जन

K,	KH,	G,	GH,	N,	CH,
क	ख	ग	घ	ङ	च
CHH,	J,	JH,	N,	T,	TH,
छ	ज	झ	ञ	ट	ठ
D,	DH,	N,	T,	TH,	D,
ड	ढ	ण	त	थ	द
DH,	N,	P,	PH,	B,	BH,
ध	न	प	फ	ब	भ
M,	Y	R,	L	V,	SH,
म	य	र	ल	व	श
S,	S	H,			
ष	स	ह			

BARAKHARI बाराखडी

K,	KA,	KI,	KEE,	KU,	KOO,
क	का	कि	की	कु	कू
KE,	KAI,	KO,	KOU,	KUN,	KAN
के	कै	को	कौ	कं	कः

मनुष्यों के नाम

Ram	राम	Singh	सिंघ	Ramsingh	रामसिंघ
Pokur	पोकर	Mull	मल	Pokarmull	पोकरमल
Gokul	गोकुल	Chand	चंद	Gokulchand	गोकुलचंद
Bihari	बिहारी	Lall	लाल	Biharilall	बिहारीलाल
Sew	सिव	Purshad	प्रसाद	Sewpurshad	सिवप्रसाद
Dhan	धन	Raj	राज	Dhanráj	धनराज
Chet	चेत	Ram	राम	Chetram	चेतराम
Gouri	गौरी	Shankar	शंकर	Gourishankar	गौरीशंकर
Durga	दुर्गा	Dutt	दत्त	Durgadutt	दुर्गादत्त
Sham	श्याम	Sookh	सुख	Shamsookh	श्यामसुख
Joogal	जुगल	Kisore	किसोर	Joogalkisore	जुगलकिसोर
Brij	ब्रिज	Mohan	मोहन	Brijmohan	ब्रजमोहन
Moorli	मुरली	Dhur	धर	Moorlidhur	मुरलीधर
Ram	राम	Kison	किसन	Ramkison	रामकिसन
As	आस	Karan	करन	Askaran	आसकरन
Raj	राज	Rup	रूप	Rajrup	राजरूप
Kison	किसन	Gopall	गोपाल	Kisongopal	किसनगोपाल
Parma	परमा	Nand	नंद	Parmanand	परमानंद
Lichhmi	लछमी	Narayan	नारायण	Lichhminarayan	लछमीनारायण
Jadu	जादु	Roy	राय	Jaduroy	जादुराय
Raghoo	रघु	Nath	नाथ	Raghoonath	रघुनाथ
Ram	राम	Chandar	चंदर	Ramchandur	रामचंदर
Bhairoo	भैरू	Dan	दान	Bhairoodan	भैरूदान
Tej	तेज	Pal	पाल	Tejpall	तेजपाल
Gopi	गोपी	Ballabh	बल्लभ	Gopiballabh	गोपीबल्लभ
Hur	हर	Dial	दयाल	Hurdial	हरदयाल
Debi	देवी	Bux	बक्स	Debibux	देवीबक्स

शहरोंके नाम.

Post-Office		Zillah	पोष्ट आफिस		जाला
Abu	+	Sirohi	आबु	+	सारोही.
Agra	+	Agra	आगरा	×	आगरा
Ahmedabad	+	Bombay	अहमदाबाद	+	मुबई
Ahmedabad	+	Ahmedabad	अहमदाबाद	+	अहमदाबाद
Ahmednagar	+	Bombay	अहमदनगर	×	मुबई
Ajmer	+	Ajmer	अजमेर	×	अजमेर
Ajitgarh		Jaipur	अजीतगढ		जैपुर
Ajodhya	+	Fyzabad	अज्योध्या	×	फैजाबाद
Ajodhia		Bankura	अज्योध्या		बाकुरा
Ajodhia		Burdwan	अज्योध्या		बरदवान
Akbarpur		Gaya	अकबरपुर	×	गया
Akbarpur		Cawnpur	अकबरपुर		कानपुर
Akbarpur	+	Fyzabad	अकबरपुर	+	फैजाबाद
Alibag	+	Kolaba	अलिबाग	×	कोलाबा
Aligarh	×	Agra	आलिगढ	×	आग्रा
Aligarh		Fatehgarh	आलिगड		फतेगढ
Aligarh		Tonk	अलिगढ		टाक
Alipur	×	Bengal	आलिपुर	×	बँगाल
Alipur		Delhi	अलिपुर		दिल्ली
Alipur		Muzaffargarh	अलिपुर		मुजफरगड
Alipur		Wardha	आलिपुर		वरधा
Alipur		Surut	अलिपुर		सुरत
Alipur Duar	×	Jalpaiguri	अलिपुरदाउर	×	जुल्पाईगोरी

+ यह निसान तारघरका है

Alipur Khera		Mainpuri	अलिपुरखेड़ा		मैनपुरी
Alipur Saidan		Sialkot	अलिपुर सैदां		सियाल्कोट
Allahabad		Bahawalpur	अलाहाबाद		भावलपुर
Allahabad	×	Agra	अलाहाबाद	×	आग्रा
Allahabad city	×	Agra	अलाहाबाद सिटी	×	आग्रा
Allahabad fort	×	Agra	अलाहाबाद फ़ोर्ट	×	आग्रा
Allahabad Kutchery	×	Agra	अलाहाबाद कचैरी	×	आग्रा
Allahabad		Gujranwala	अलाहाबाद		गुजरानवाला
Alwar		Alwar	अल्वर		अल्वर
Amraoti	×	Berar	अमरावती	×	बेरार
Amritsar	×	Punjab	अमृतसर	×	पंजाब
Anantapur	×	Madras	अनन्तपुर	×	मदरास
Akola		Ahmednagar	आकोला		अहमदनगर
Akola	×	Berar	आकोला	×	बरार
Almora	×	Agra	आल्मोड़ा	×	आग्रा
Andheri		Thana	अंधेरी		थाना
Arrah		Bihar	आरा		बिहार
Arvi	+	Wardha	आरवी	×	वरधा
Arvi		Poona	आरवी		पुना
Asop		Marwar	आसोप		मारवाड़
Aurangabad	×	Hyderabad Deccan	औरंगाबाद	×	हैदराबाद दिक्खन
Aurangabad		Bulandshahr	औरंगाबाद		बुलंदशहर
Aurangabad		Murshidabad	औरंगाबाद		मुर्शिदाबाद
Aurangabad	×	Gaya	औरंगाबाद	×	गया
Aurangabad		Sitapur	औरंगाबाद		सीतापुर
Aurangabad		Gurgoan	औरंगाबाद		गुरगांव
Aurangabad		Kheri	औरंगाबाद		खैरी

+ यह निशान तारघरका है

Aurangabad		Umballa	औरंगाबाद		अम्बाला
Azamgarh	×	Agra	अजामगड	×	आग्रा
Badnera		Amraoti	बडनेरा		दमरावती
Bahawalpur	×	Punjab	बाहवलपुर	×	पञ्जाब
Bahraich	×	Oudh	भरेच	×	अवध
Bahrampur		Fatehpur	बहरामपुर		फतेपुर
Bahrampur		Gurdaspur	बहरामपुर		गुरदासपुर
Bahrampur		Umballa	बहरामपुर		अम्बाला
Baidyanath Deoghur	×	Sonthal	वैजनाथ देवघर	×	सोनथल
Bakhtiarpur		Monghyr	बखतीयारपुर		मुंगेर
Bakhtiarpur	×	Patna	बखतियारपुर	×	पटना
Balrampur		Manbhoom	बल्रामपुर		मानभूम
Balrampur		Gonda	बलरामपुर		गोंडा
Balasore	×	Bengal	बालासोर	×	बेंगाल
Ballia	×	Agra	बल्लिया	×	आग्रा
Balia		Faridpur	बलिया		फरदिपुर
Banda	×	Agra	बांदा	×	आग्रा
Banda city		Agra	बादा सिटी		आग्रा
Banda		Saugar	बांदा		सागर
Banda		Ratnagiri	बादा		रत्नागिरी
Bandikui		Jaipur	बांडीकुई		जैपुर
Banglore	+	Madras	बङ्गलोर	+	मदरास
Bankipore	+	Bihar	बांकिपुर	+	बिहार
Bankura	+	Bengal	बाकूरा	+	बेंगाल
Bara-banki	+	Oudh	बारावकी	+	अवध
Barabazar	+	Calcutta	बडाबजार	×	कलकत्ता
Barabazar		Mymensingh	बडाबजार		मैमनसिंघ
Barabazar	+	Mainpuri	बडाबजार	×	मैनपुरी

+ यह निसान तारघरका है

Bara	+	Ghazipur	बारा	×	गाजीपुर
Bara	+	Allahabad	बारा	×	अलाहाबाद
Bara	×	Unao	बारा	×	उनाव
Barahabhum		Manbhum	बाराहभूम		मानभूम
Baraut	+	Meerut	बारोत	×	मेरठ
Baraut	×	Allahabad	बारात	×	अलाहाबाद
Barbigha		Monghyr	बारबीघा		मुंगेर
Bareilly	+	Bareilly	बरेली	×	बरेली
Barh		Jhansi	बारह		झांसी
Barh	+	*Patna*	बाढ	×	पटना
Barah	×	Gaya	बारा	×	गया
Barhaj	+	Gorakhpur	बरहेज	×	गोरखपुर
Barhalganj		Gorakhpur	बरहलगंज		गोरखपुर
Barhampur		Shahabad	बरहमपुर		शाहाबाद
Barisal	+	Bengal	बैरासाल	×	बंगाल
Baroda	+	Gujarat	बरोदा	×	गुजरात
Barrackpore	+	Bengal	बारकपुर	×	बंगाल
Basti	+	Basti	बस्ती	×	बस्ती
Basti city	×	Basti	बस्ती सिटी	×	बस्ती
Básti-Guzan		Jullundur	बस्ती गजन		जालन्धर
Basti-Khark	+	*Muzaffargarh*	बस्ती खरक	+	मुजफ्फरगढ
Beawar	+	Merwara	बियावर (नयानगर)	×	मेरवाडा
Begumpur		Patna	बेगमपुर		पटना
Begu sarai	+	Monghyr	बेगुसराय	×	मुंगेर
Behta		Rai-Bareli	बिहटा		रायबरेली
Belgaum	+	Bombay	बेलगाम	×	बंबई
Bellary	×	Bellary	बलारी	×	बलारी

× यह निशान तार घरका है

Benares city (kashee)	+	Benares	बनारस सिटी (काशी)	×	बनारस
Berhampore	×	Ganjam	बहरमपुर	+	गंजाम
Berhampore city	+	Ganjam	बरहामपुर सिटी	+	गंजाम
Berhampore	+	Murshidabad	बरहामपुर	+	मुर्शिदाबाद
Bettiah	+	Champaran	बितिया	+	चम्पारन
Bhadrak	+	Balasore	भद्रक	+	बालासोर
Bhagalpur city	+	Bhagalpur	भागलपुर सिटी	+	भागलपुर
Bhagalpur		Gorakhpur	भागलपुर		गोरखपुर
Bharatpur city	+	Bharatpur	भरतपुर सिटी	+	भरतपुर
Bharatpur		Murshidabad	भरतपुर		मुर्शिदाबाद
Bhatinda Ry Station	+	Ferozepore	भटीन्डा	+	फिरोजपुर
Bhavnagar	+	Kathiawar	भावनगर	+	काठियावाड़
Bhilwara	+	Mewar	भीलवारा	+	मेवाड़
Bhiwani	×	Hissar	भिवानी	+	हिसार
Bhopal	+	Bhopal	भोपाल	+	भोपाल
Bhubaneshwar		Puri	भुवनेश्वर		पुरी
Bhuj	×	Cutch	भुज	+	कच्छ
Bhusaval	×	Khandesh	भुसावल	+	खानदेश
Bihar		Patna	बिहार		पटना
Bihar		Partabgarh	बिहार		प्रतापगढ़
Bihar		Unao	बिहार		उनाउ
Bihta		Patna	बिहटा		पटना
Bihta		Umballa	बिहटा		अम्बाला
Bijapur	+	Bijapur	बीजापुर	×	बीजापुर

+ यह निशान तारघरका है

Bijnor	+	Bijnor	बिजनोर		बिजनोर
Bekaneer		Gurgaon	बाकानेर		गुरगाव
Bikaner	+	Bikaner	बाकानेर	×	बाकानेर
Bilaspur	+	Bilaspur	बिलासपुर	+	बिलासपुर
Bilaspur		Bulandshahr	बिलासपुर		बुलदशाहर
Bilaspur		Umballa	बिलासपुर		अंबाला
Bilaspur		Rampur	बिलासपुर		रामपुर
Bissau	+	Jaipur	बिसाऊ	+	जयपुर
Bogra	+	Bogra	बोगरा	×	बोगरा
Bombay	×	Bombay	बुंबई	×	बुम्बई
Brindaban	+	Muttra	वृन्दावन	×	मथुरा
Broach	×	Broach	भरोच	×	भरोंच
Bud Gaya		Gaya	बुधगया		गया
Bakhtiarpur		Bakhtiarpur	बख्तियारपुर		बख्तियारपुर
Bulandshahr	×	Bulandshahr	बुलदशहर	+	बुलन्दशहर
Bundi	×	Bundi	बूंदी	+	बूंदा
Balrampur		Manbhum	बलरामपुर		मानभूम
Balrampur	+	Gonda	बलरामपुर	×	गोंडा
Burdwan	×	Bengal	बर्द्धवान	×	बंगाल
Burhanpur		Khandwa	ब्राह्मणपुर		खंडवा
Burnagar		Gaikwar	बरनगर		गायकवाड
Buxar	×	Arrah	बक्सर	+	आरा
Byculla	×	Bombay	बयकला	×	बुंबई
Calcutta	×	Calcutta	कलकत्ता	×	कलकत्ता
Cawanpore	×	Cawanpur	कानपुर	+	कानपुर
Chaibassa	×	Singhbhum	चाइबासा	×	सिंघभूम
Chakia		Mirzapur	चकिया		मिर्जापुर
Chakardharpur ×		Singhbhum	चक्रधरपुर	×	सिंगभूम

+ यह निशान नारपरका है

Kamakhy Hill		Kamrup	कामक्षा		कामरूप
Kamptee	×	Nagpur	कामठी	×	नागपुर
Kamtaul	+	Darbhanga	कामटेल	×	दुरभंगा
Kanauj-City	+	Fatehgarh	कन्नौजसिटी	+	फतेहगड
Kanwant		Jaipur	कावट		जयपुर
Kapurthala	×	Kapurthala	कपुरथाला	+	कपुरथला
Karachi	+	Karachi	करानी	+	कराची
Karanja	×	Akola	कारंजा	+	आकोला
Karanja		Kolaba	कारंजा		कोलाबा
Karanja		Wardha	कारंजा		वरधा
Karanja		Poona	कारंजा		पुना
Karauli		Karauli	करोली		करोली
Karnal	+	Karnal	करनाल	×	करनाल
Kashipur		Naini Tal	कासीपुर		नैनीताल
Kashipur		Hamirpur	कासीपुर		हमिरपुर
Kashipur		Backergunge	कासीपुर		बाकरगंज
Kashipur		Manbhum	कासीपुर		मानभूम
Katihar	×	Purnea	कटिहार	+	पुरनिया
Katni	+	Jubbalpur	कटणी	+	जब्बलपुर
Katrasgarh	+	Manbhum	कतरासगढ	+	मानभूम
Khagria	+	Monghyr	खगडीया	+	मुंगेर
Khamgaon	×	Berar	खामगाव	+	बेराड
Khandwa	+	Nimar	खंडवा	+	निमाड
Kharagpur		Midnapore	खडगपुर		मिदनापुर
Kharchi	×	Marwar	खारची	+	मारवाड
Kheri	+	Oudh	खेरा		अवध
Kheta sarai	+	Jaunpur	खेतासराय		जूनपुर
Khetri	+	Jaipur	खेतडी	+	जयपुर

+ यह निशान तार घरका है

Madras +	Madras	मदरास	+	मदरास
Madura ×	Madras	मदुरा	+	मदरास
Mahajan	Bikaner	माहाजन		बिकानेर
Mahiganj +	Rangpur	माहीगज	×	रगपुर
Mainpuri +	Mainpuri	मैनपुरी	+	मैनपुरा
Makhdumpur	Gaya	मखडमपुर		गया
Makrana	Marwar	मकराना		मारवाड
Malda +	Malda	मालदा	+	मालदा
Malegaon	Basim	मालेगांव		बासिम
Maalegaon champ } +	Nasik	मालेगावचाप	+	नासिक
Malegaon Bazar	Akola	मालेगांव् बजार		आकोला
Malegaon Budruk }	Poona	मालेगांव बदरक		पुना
Malkapur	Kolhapur	मलकापुर	×	कोल्हापुर
Malkapur +	Buldana	मालकापुर	×	बुल्डाना
Malhargarh	Jaora	मल्हारगड		जावरा
Mandlay +	Mandlay	माडले	+	मांडले
Mandawa +	Jaipur	मडावा	+	जयपुर
Mandsaur Ry Stn × }	Gwalior	मदसोर	×	ग्वालियर
Mandvi	Surat	माडवा		सुरत
Mathabhanga×	Cooch Behar	माथाभांगा	+	कूचबिहार
Mankachar +	Goalpara	माणकाचर	×	गोवालपारा
Masulipatam+	Madras	मछलीपटण	+	मदरास
Matigara	Darjeeling	माटीगडा		दारजिलिंग
Meerut city ×	Agra	मेरठसिटी	+	आगरा
Myurbhanja	Bangal	मयुरभज		बेंगाल

× यह निशान तार घरका है

Mhow	+	Indore	मउ	+	इन्दौर
Midnapore	×	Midnapore	मिदनापुर	+	मिदनापुर
Mirzapur	+	Mirzapur	मिर्जापुर	+	मिर्जापुर
Mirzapur	×	Murshidabad	मिरजापुर	×	मुर्शिदाबाद
Mirzapur	×	Shahjahanpur	मिरजापुर	×	साहाजहानपुर
Mirzapur	+	Saran	मिरजापुर	+	सारन
Mokamah	×	Patna	मोकामा	×	पटना
Monghyr	×	Monghyr	मुंगेर	×	मुंगेर
Moradabad	×	Moradabad	मोरादाबाद	×	मोरादाबाद
Morena	×	Gwalior	मोरेना	×	ग्वालियर
Motihari	×	Champaran	मोतिहारी	×	चम्पारन
Moulmein	+	Amherst	मौलमेन	×	अमहर्स्ट
Moghal-Sarai	+	Benares	मोगलसराय	×	बनारस
Multan	×	Multan	मुलतान	×	मुलतान
Mundwa		Marwar	मुंडवा		मारवार
Murtazapur		Akola	मूर्तिजापुर		आकोला
Muttra	+	Muttra	मथुरा	×	मथुरा
Muzaffarnagar	×	Muzaffarnagar	मुज्जफरनगर	×	मुज्जफरनगर
Muzaffarpur	×	Muzaffarpur	मुजफ्फरपुर	×	मुजफरपुर
Mymensingh	×	Mymensingh	मैमनसिंघ	×	मैमनसिंघ
Nababganj		Dacca	नबाबगंज		ढाका
Nababganj		Cawnpur	नबाबगंज		कानपुर
Nababganj		Bareilly	नबाबगंज		बरेली
Nababganj		Allahabad	नबाबगंज		अलाहाबाद
Nababganj		Fatehgarh	नबाबगंज		फतेगढ़
Nababganj		Gonda	नबाबगंज		गोन्डा
Nababganj		Unao	नबाबगंज		उनाव
Nadia	+	Nadia	नदीया	×	नदीया

× यह निशान तार घरका है

Nagour	Marwar	नागोर			मारवाड
Nagpur	+	Nagpur	नागपुर	×	नागपुर
Nahargarh		Kotah	नाहारगड		कोटा
Naihati	+	24Pargnas	नाईहारी	×	२४ परगना
Naini-Tal	+	Naini Tal	नैनीताल	×	नैनीताल
Nalbari		Kamrup	नलबाडा		कामरुप
Nalhati		Birbhum	नलहटा		बीरभुम
Nandgaon	+	Nasik	नांदगांव	×	नासिक
Nandgaon		Kolaba	नांदगाव		कोलाबा
Nandgaon Kazi		Amraoti	नांदगांवकाजी		अमरावती
Nandgaon peth		Amraoti	नादगावपेठ		अमरावती
Nandura Nimgaon		Buldana	नान्दुरा निमगाव		बुलठाना
Nandura Peshwa		Amraoti	नान्दुरा पेशवा		अमरावती
Napasar		Bikaneer	नापासार		बीकानेर
Nasirabad		Khandesh	नसीरावाद		खानदेस
Nasirabad		Rae Bareli	नसीरावाद		रायबरेली
Nasirabad		Larkana	नसीरावाद		लारकाना
Nasirabad		Tippera	नसीरावाद		टीपेरा
Narnund		Hissar	नारनुड		हिसार
Narwal		Cawnpur	नारवल		कानपुर
Narwana		Rohtak	नारवाना		रोहतक
Nasik		Nasik	नासीक		नासीक
Nasirabad	+	Ajmer	नसीराबाद	×	अजमेर
Nathdwara	+	Mewar	नाथदवारा	+	मेवाड
Nourangabad		Amratsar	नौरंगाबाद		अमृतसर
Nawadah	×	Gaya	नवाडा	×	गया

+ यह निशान तार घरका है

Nawagarh	Bilaspur	नवागढ	बीलासपुर
Nawagarh	Manbhum	नवागढ	मानभूम
Nawalgarh +	Jaipur	नौलागढ	जयपुर
Nawanagar	Shahabad	नवानगर	साहाबाद
Neemuch ×	Gwalior	निमच	ग्वालियर
Nepal	Nepal	नेपाल	नेपाल
Nellore ×	Madras	नेलोर	× मदरास
Nilphamari ×	Rangpur	निलफामारी	× रंगपुर
Nimkathana ×	Jaipur	निमकाथाना	जयपुर
Noakhali ×	Bengal	नोवाखाली	बेंगाल
Nohar	Bikaner	नोहर	बिकानेर
Nowgaon ×	Assam	नौगांव	आसाम
Ootcamund ×	Madras	उतकामाड	× मदरास
Orai ×	Agra	ओराइ	+ आगरा
Pabna +	Bengal	पबना	× बेंगाल
Pachamba	Hazaribagh	पचम्बा	हजारीबाग
Pali Marwar	Marwar	पालीमारवाड	मारवाड
Pali	Hardoi	पाली	हरदोइ
Pali	Mirzapur	पाली	मिर्जापुर
Pali	Kolaba	पाली	कोलाबा
Pali	Kaira	पाली	कैरा
Parasnath	Hazaribagh	पारसनाथ	हजारीबाग
Parbatsar	Marwar	परबतसर	मारवाड
Partabgarh ×	Oudh	परतापगड	× अवध
Partabgarh	Alwar	परतापगड	अलवर
Partabgarh-city	Partabgarh	परतापगडसिटी	परतापगड
Patna	Bahraich	पटना	भरैच
Patna	Nasik	पटना	नासिक
Patna city ×	Patna	पटनासिटी	+ पटना

× यह निशान तार घरका है

Patna Dangar	Naini-Tal	पाटनादगर	नैनीताल
Peshawar ×	Panjab	पेशावर	× पंजाब
Phalera	Jaipur	फुलेरा	जयपुर
Phalodi	Marwar	फुलोदी	मारवाड़
Pilibhit ×	Agra	पीलीभीत	× आगरा
Poona ×	Bombay	पुना	× मुंबई
Puri ×	Bengal	पुरी	× बेंगाल
Purnea ×	Bihar	पुर्नियां	× बिहार
Purullia ×	Bengal	पुरलिया	× बेंगाल
Rae-Bareli ×	Oudh	रायबरेली	× अवध
Raipur ×	Raipur	रायपुर	+ रायपुर
Raipur	Ahmedabad	रायपुर	अहमदाबाद
Raipur	Bankura	रायपुर	बांकुरा
Raipur	Birbhum	रायपुर	बीरभुम
Rajaldesar	Bikaner	राजलदेसर	बिकानेर
Rajgarh	Bikaner	राजगड	बिकानेर
Rajgarh ×	Rajgarh	राजगड	+ राजगड
Rajgarh	Mirzapur	राजगड	मिर्जापुर
Rajgarh Alwar	Alwar	राजगड अलवर	अलवर
Rajgarh	Nahan	राजगड	नाहान
Rajgarh	Ajmer	राजगड	अजमेर
Rajkot ×	Bombay	राजकोट	× मुंबई
Rajshahi ×	Bengal	राजसाही	× बेंगाल
Ramesvaram ×	Madura	रामेस्वर	× मदुरा
Ramgarh Alwar ×	Alwar	रामगड	× अलवर
Ramgarh ×	Jaipur	रामगड	× जयपुर
Ramgarh	Hazaribagh	रामगड	हजारीबाग
Ramgarh	Ludhiana	रामगड	लुधियाना
Ramgarh	Shahabad	रामगड	शाहाबाद

× यह निशान तार घरका है

Ramgarh	×	Jaipur	रामगढ़	×	जैपुर
Ramgarh		Naini-Tal	रामगढ		नैनीताल
Ramgarh		Chittagong	रामगढ़		चिटगाञ
Ramnagar		Champaran	रामनगर		चम्पारन
Ramnagar	×	Benares	रामनगर	+	बनारस
Ramnagar		Naini-Tal	रामनगर		नैनीताल
Ramnagar	×	Gujranwala	रामनगर	×	गुजरानवाला
Ramnagar		Bara-Banki	रामनगर		बाराबंकी
Ramnagar		Fyzabad	रामनगर		फैजाबाद
Ramnagar		Purnea	रामनगर		पुरनिया
Ramnagar		Rewah	रामनगर		रिवा
Ramnagar	×	Sultanpur	रामनगर	×	सुलतानपुर
Ramnagar	×	Jammu	रामनगर	×	जम्म
Ramnagar		Darbhanga	रामनगर		दरभंगा
Rampur		Mymansingh	रामपुर		मैमनसिंघ
Rampur		Moradabad	रामपुर		मुरादाबाद
Rampur		Rewah	रामपुर		रिवा
Rampur		Jaunpur	रामपुर		जौनपुर
Rampur		Saharanpur	रामपुर		सहारनपुर
Rampur		Muzaffargarh	रामपुर		मुजफ्फरगढ
Rampur		Bashahr	रामपुर		बसहर
Rampur		Kalahandi	रामपुर		कालाहंडी
Rampur		Hoshangabad	रामपुर		हुसंगाबाद
Rampur		Gorakhpur	रामपुर		गोरखपुर
Rampur		Chitaldroog	रामपुर		चिटालड्रुग
Rampur		Tumkur	रामपुर		तुमकुर
Rampur		Azamgarh	रामपुर		आजमगढ़
Rampur		Ghazipur	रामपुर		गाजीपुर

× यह निशान तार घरका है।

Rampur		Gujranwala	रामपुर		गुजरानवाला
Rampur		Srinagar	रामपुर		श्रीनगर
Rampura		Kathiawar	रामपुरा		काठीयावाड़
Rampura		Ahmedabad	रामपुरा		अहमदाबाद
Rampura		Orai	रामपुर		ओराय
Rampur-Hat	×	Birbhum	रामपुरहाट	×	बीरभूम
Ranaghat	×	Nadia	रानाघाट	×	नदिया
Ranchi	×	Ranchi	रांची	+	रांची
Rangoon		Rangoon	रगून		रगून
Rangpur		Kathiawar	रगपुर		काठीयावाड
Rangpur		Mazaffargarh	रगपुर		मुजफरगढ़
Rangpur		Kathiawar	रगपुर		काठीयावाड़
Rangpur		Rangpur	रगपुर		रगपुर
Rangpur-Bazar		Rangpur	रगपुरबजार	+	रगपुर
Rangpura		Sialkot	रगपुरा		सियालकोट
Raniganj	×	Burdwan	रानीगञ्ज	×	बरधवान
Raniganj		Purtabgarh	रानीगज		परताबगढ़
Raniganj		Purnea	रानीगञ्ज		पुरनिया
Raniganj		Mymansingh	रानीगञ्ज		मैमनसिंघ
Ranisarai		Azamgarh	रानीसराय		आजमगढ़
Rasulabad		Gujrat	रसुलाबाद		गुजरात
Rasulabad		Cawnpur	रसुलाबाद		कानपुर
Rasulabad		Unao	रसुलाबाद		उनाव
Rasulabad		Tippera	रसुलाबाद		टिपेरा
Rasulabad		Wardha	रसुलाबाद		वर्धा
Rasulpur		Burdwan	रसुलपुर		बरधवान
Rasulpur		Muttra	रसुलपुर		मथुरा
Rasulpur		Gurgaon	रसुलपुर		गुरगांव

× यह निसान तार घरका है।

Rasulpur	Rai Barely	रसूलपुर	रायबरेली
Rasulpur	Saran	रसूलपुर	सारन
Rasulpur ×	Sialkot	रसूलपूर ×	सियालकोट
Rasulpur(chack)	Lyallpur	रसूलपूर	लियालपूर
Ratangarh +	Bikaner	रतनगढ़ ×	बिकानेर
Ratangarh	Bijnor	रतनगढ़ +	बिजनौर
Ratannagar +	Bikaner	रतननगर +	बिकानेर
Ratanpur	Bilaspur	रतनपुर	बिलासपूर
Ratanpur	Khulna	रतनपूर	खूलना
Ratanpur	Kathiawar	रतनपूर	काठियावाड़
Ratnagiri	Malda	रतनागिरी	मालदा
Rawal pindi ×	Rawalpindi	रावलपिंडी ×	रावलपिंडी
Rawatsar	Bikaner	रावतसर	बिकानेर
Rehabari	Lakhimpur	रेहाबारी	लखीमपुर
Rewah	Rewah	रिवां	रीवा
Rewari +	Gurgaon	रेवाड़ी ×	गुरगांव
Rewari R S	Gurgaon	रेवाड़ी, आर, एस,	गुरगांव
Rohtak +	Rohtak	रोहतक +	रोहतक
Rohtak city	Rohtak	रोहतक सिटी	रोहतक
Rohtas	Shahabad	रोहतास	शाहाबाद
Rohtas	Jhelum	रोहतास	झेलम
Roorkee	Shaharanpur	रुरकी	शाहारनपुर
Roorkee R S	Shaharanpur	रुरकी, आर, एस,	शहारनपुर
Rutlam ×	Rutlam	रतलाम ×	रतलाम
Sagardighi	Murshidabad	सागर डिग्घी	मुरशीदाबाद
Sakrigali ×	Sahebganj	सकरीगली +	साहेबगंज
Saktigarh +	Burdwan	सकटीगढ़ +	बरदवान
Salimabad	Gaya	सालिमाबाद	गया

× यह निशान तार घरका है

Salem		Salem		सालेम		सालेम
Salkia	+	Howrah		सलकिया	×	हवड़ा
Salkucha		Goalpara		सलकूचा		ग्वालपाड़ा
Salmari		Purnea		सालमारी		पुरनिया
Salon		Rai Bareilly		सालन		राय बरेली
Samastipur	+	Darbhanga		समस्तीपूर	×	दरभंगा
Sambalpur	+	Sambalpur		सम्बलपूर	×	सम्बलपुर
Sambhar	+	Marwar		साम्भर	×	माड़वाड़
Sanavad	+	Indore		सानावद	×	इन्दौर
Sanchor	×	Marwar		सचोर		मारवाड़
Sanderao	×	Marwar		सदराव	×	माड़वाड़
Sanganer	×	Jaipur		सगानेर	×	जैपुर
Sardarshahr		Bikaner		सरदारसहर		बीकानेर
Sasaram		Gaya		ससाराम		गया
Satara	×	Satara	+	सातारा	×	सातारा
Saugor		Saugor		सागर		सागर
Seoni chappra		Seoni		सेवनी छपरा		सेवनी
Seoni-chhindwara		Chhindwara		सेवनी छींदवारा		होसङ्गाबाद
Seoni-malwa		Hoshangabad		सेवनी		होसङ्गाबाद
Shahabad ×		Hyderabad (Deccan)		शाहाबाद	+	हैदराबाद
Shahabad		Karnal		शाहाबाद		करनाल
Shahabad		Hardoi		शाहाबाद	×	हरदोई
Shahabad		Rampur [State] U P		शाहाबाद		रामपुर स्टेट यु.पी
Shahapur		Noakhali		शाहापुर		नोआखाली
Shahapur	×	Thana		शाहपूर	×	थाना
Shahapur	×	Belgaum		शाहापुर	×	बेलगाम

+ यह निशान तारघरका है

Shahapur	Kathiawar	शाहापूर,	काठियावाड
Shaharanpur +	Shaharanpur	शहारनपूर ×	शहारनपुर
Shahebganj +	Backerganj	साहेबगज ×	बाकरगज
Shahebganj ×	Bardwan	साहेबगज ×	बरद्वान
Shahganj	Fyzabad	शाहगज	फैजाबाद
Shahganj ×	Jaunpur	शाहगज ×	जौनपुर
Shahganj	Mirzapur	शाहगज	मिर्जापुर
Shahganj	Agra	शाहगज	आगरा
Shahganj	Bhopal	शाहगज	भोपाल
Shahagarh	Saugor	शाहगढ़	सागर
Shahagarh	Sultanpur	शाहगढ	सुलतानपूर
Shahjahanpur*	Shahjahanpur	शाहजहानपूर ×	शाहजहांनपूर
Shahjahan pur city ×	Shahjahanpur	शाहजहांपूरसिटी +	शाहजहानपुर
Shahjahanpur +	Shahjahanpur	शाहजहानपूर +	शाहजहानपर
Shahpur	Mandala	शाहपूर	माडला
Shahpur	Nimar	शाहपूर	निमाड
Shahpur	Muzaffernagar	शाहपूर	मुजफर नगर
Shahpur	Gurdaspur	शाहपूर	गुरदासपूर
Shahpur	Kangra	शाहपूर	कांगरा
Shahpur	Birbhum	शाहपूर	बीरभुम
Shahpur ×	Shahpur	शाहपर ×	शाहपर
Shahpur	Shahpur	शाहपूर	शाहपूर
Shahpur	Hyderabad (Sind)	शाहपूर	हैदराबाद (सिंद)
Shahpur	Ambala	शाहपुर	अम्बाला
Shahpur	Gorakhpur	शाहपुर	गोरखपूर
Shahpur	Mainwali	शाहपुर	मैनवाली
Shahpura +	Mewar	शाहपुरा	मेवाड

× यह निशान तार घरका है।

Salem	Salem	सालेम	सालेम
Salkia +	Howrah	सलकिया ×	हवडा
Salkucha	Goalpara	सलकुचा	ग्वालपाड़ा
Salmari	Purnea	सालमारी	पुरनिया
Salon	Rai Bareilly	सालन	राय बरेली
Samastipur +	Darbhanga	समस्तीपूर ×	दरभंगा
Sambalpur +	Sambalpur	सम्बलपूर ×	सम्बलपुर
Sambhar +	Marwar	साम्भर ×	माडवाड़
Sanavad +	Indore	सानावद ×	इन्दौर
Sanchor ×	Marwar	सचोर	मारवाड़
Sanderao ×	Marwar	सदराव ×	माडवाड
Sanganer ×	Jaipur	सगानेर ×	जैपुर
Sardarshahr	Bikaner	सरदारसहर	बीकानेर
Sasaram	Gaya	ससाराम	गया
Satara ×	Satara +	सातारा ×	सातारा
Saugor	Saugor	सागर	सागर
Seoni chappra	Seoni	सेवनी छपरा	सेवनी
Seoni-chhindwara	Chhindwara	सेवनी छींदवारा	होसङ्गाबाद
Seoni-malwa	Hoshangabad	सेवनी	होसङ्गाबाद
Shahabad ×	Hyderabad (Deccan)	शाहाबाद +	हैदराबाद
Shahabad	Karnal	शाहाबाद	कारनाल
Shahabad	Hardoi	शाहाबाद ×	हरदोइ
Shahabad	Rampur [State] U P	शाहाबाद	रामपुर स्टेट यु,पी
Shahapur	Noakhali	शाहापुर	नोआखाली
Shahapur ×	Thana	शाहपुर ×	थाना
Shahapur ×	Belgaum	शाहापुर ×	बेलगाम

+ यह निशान तार घरका है

Shahapur	Kathiawar	शाहापुर	काठियावाड़
Shaharanpur +	Shaharanpur	शहारनपुर ×	शहारनपुर
Shahebganj +	Backerganj	साहिबगंज ×	बाकरगंज
Shahebganj ×	Bardwan	साहिबगंज ×	बरद्वान
Shahganj	Fyzabad	शाहगंज	फैजाबाद
Shahganj ×	Jaunpur	शाहगंज ×	जौनपुर
Shahganj	Mirzapur	शाहगंज	मिर्जापुर
Shahganj	Agra	शाहगंज	आगरा
Shahganj	Bhopal	शाहगंज	भोपाल
Shahagarh	Saugor	शाहगढ़	सागर
Shahagarh	Sultanpur	शाहगढ	सुल्तानपुर
Shahjahanpur*	Shahjahanpur	शाहजहानपूर ×	शाहजहानपुर
Shahjahan pur city ×	Shahjahanpur	शाहजहांपुरसिटी +	शाहजहानपुर
Shahjahanpur +	Shahjahanpur	शाहजहानपूर +	शाहजहानपर
Shahpur	Mandala	शाहपूर	मांडला
Shahpur	Nimar	शाहपूर	निमाड
Shahpur	Muzaffernagar	शाहपूर	मुजफ्फर नगर
Shahpur	Gurdaspur	शाहपूर	गुरदासपुर
Shahpur	Kangra	शाहपूर	कांगरा
Shahpur	Birbhum	शाहपुर	बीरभूम
Shahpur ×	Shahpur	शाहपर ×	शाहपुर
Shahpur	Shahpur	शाहपुर	शाहपर
Shahpur	Hyderabad (Sind)	शाहपूर	हैदराबाद (सिंद)
Shahpur	Ambala	शाहपर	अम्बाला
Shahpur	Gorakhpur	शाहपुर	गोरखपूर
Shahpur	Mainwali	शाहपुर	मैनवाली
Shahpura +	Mewar	शाहपुरा	मेवाड़

× यह निशान तार घरका है।

Shahpura	Jubblepur	शाहपुरा	जबलपूर
Shahpura	Mandla	शाहपुरा	मंडला
Shahpura ×	Betul	शाहपुरा +	बेटूल
Shahzadpur +	Pabna	शहजादपुर +	पबना
Shahzadpur	Allahabad	शहजादपूर	एलाहाबाद
Shahzadpur	Shahzadpur	शहजादपूर	शहजादपुर
Shahzadpur	Fyzabad	शहजादपूर	फैजाबाद
Shamli	Muzaffernagar	शामली	मुजफरनगर
Shamnagar	Amritsar	शामनगर	अमृतसर
Shampur	Bijnor	शामपूर	बिजनौर
Shampur	Monghyr	शामपूर	मुंगेर
Shamsabad	Attock	शमसाबाद	अटक
Shamsabad	Fatehgarh	शमसाबाद	फतेहगढ़
Shamsabad	Agra	शमसाबाद	आगरा
Shamsabad	Allahabad	शमसाबाद	एलाहाबाद
Shamshernagar	Gaya	शमसेरनगर	गया
Shamshernagar	*Sylhet	शमसेर नगर +	सिलहट
Shankarganj	Rai Barelly	शंकरगंज	रायबरेली
Shankarganj	Jaunpur	शंकरगंज	जौनपुर
Shankargarh	Allahabad	शंकरगढ	एलाहाबाद
Shankargarh ×	Peshawar	शंकरगढ +	पेशावर
Shankerpur	Chanda	शंकरपुर	चांदा
Shankerpur	Bhagalpur	शंकरपुर	भागलपूर
Shegaon ×	Akola	शिगाव +	आकोला
Sholgaon	Khandesh	शिलगाव	खानदेश
Sholgaon	Buldana	शिलगाव	बूलढाणा
Sholgaon Atola	Buldana	शिल[illegible]	[illegible]
Sholgaon Desh[illegible]			

Shergarh	Barreilly	शेरगढ़	बरेली
Shergarh	Muttra	शेरगढ	मूथरा
Shergarh	Montgomary	शेरगढ़	मंटिगोमरी
Shergarh	Marwar	शेरगढ़	माडवाड
Shergarh-kotah	Kotah	शेरगढ कोटा	कोटा
Shergarh R S	Ferozepur	शेरगढ़ भार, एस,	फिरोजपुर
Sherghati	Gaya	शेरघाटी	गया
Sherpur	Bogra	शेरपुर	बोगरा
Sherpur	Pilibhit	शेरपुर	पीलीभीत
Sherpur	Patna	शेरपूर	पटना
Sherpur kalan	Ludhiana	शेरपुर कलां	लुधियाना
Sherpur Town	Mymensingh	शेरपूर टाउन	मैमनसिंघ
Shikarpur ×	Sukkur	शिकारपूर +	सक्कर
Shikarpur	Nadia	शिकारपूर	नदिया
Shikarpur	Shikarpur	शिकारपूर	शिकारपुर
Shikarpur	Cutch	शिकारपुर	कच्छ
Shikarpur	Champaran	शिकारपुर	चम्पारन
ShikohabadR s	Mainpuri	शिकोहाबादआर,एस,	मैनपुरी
Shikohabad	Mainpuri	शिकोहाबाद	मैनपुरी
Shillong +	Kashi hills	शिलाग ×	काशी हिल्स
Shirgaon	Thana	शरगांव	थाना
Shirgaon	Satara	शरगांव	सतारा
Takharkheda	Amraoti	टकारखेडा	अमरावती
Talegaon ×	Wardha	तलेगाव ×	वरधा
Tagat garh	Marwar	तागदगढ़	माडवाड़
Tajganj	Agra	ताजगंज	आगरा

+ यह निशान तार घरका है

Tajnapeth	Akola	ताजनापेठ	अकोला
Tajpur	Darbhangha	ताजपुर	दरभगा
Tajpur	Bijnour	ताजपुर	बिजनौर
Tajpur	Husiarpur	ताजपुर	हुशियार
Tajpur	Howrah	ताजपुर	हवड़ा
Takalghat	Nagpur	टाकलघाट	नागपुर
Telhara +	Akola	तेलहारा ×	अकोला
Tezpur +	Assam	तेजपूर +	आसाम
Thakurdwar	Bombay	ठाकुरदा	मुबई
Thanr ×	Poona	थाना	पुना
Thugaon	Amraoti	थुगांव	अमरावती
Trichinoply ×	Trichinopoly	ट्रीचना पल्ली ×	ट्रीचना पली
Trimbak	Nasik	त्रीम्बक	नासिक
Udaipur	Mewar	उदैपुर	मेवाड
Ujjin ×	Indore	उज्जैन ×	इन्दोर
Unao +	Unao	उनाव +	उनाव
Viramgam +	Ahmedabad	वीरम गांव +	अहमद बांद
Wadhwan ×	Kathiawar	वढवान ×	काठीयावाड
Wadnera	Wardha	वडनेरा	वरधा
Wardha ×	Wardha	वरधा +	वरधा
Yeotmal ×	Wardha	ययतमहल ×	वरधा

+यह निशान तार घरका है

इंग्रेजी वर्णमाला (Alphabets) में पांच स्वर होते हैं a, e, i, o, u, और w और y भी कभी स्वर (vowel) होते हैं और कभी व्यञ्जन (consonant) जबकि w या y इन पांच स्वरों के पश्चात् आते हैं तबतो स्वर (vowel) होते हैं और जब पहले आते हैं तो व्यञ्जन होते हैं जैसे city (सिटी) शहर, cow (काउ) गौ you (यू) तुम, we (वी) हम

जानना चाहिये कि इंग्रेजी में a से 'अ' समझा जाता है और a पर ā ऐसा निशान लगाने से 'आ' समझा जाता है i से 'इ' और i पर ऐसा ' निशान लगाने से i' ई (दीर्घ) समझी जाती है और e से 'ए' और ai से 'ऐ' और o से 'ओ' और ou से 'औ' जाना जाता है

इंग्रेजी वर्णमाला में तकार, थकार, दकार, धकार, भकार, घकार, झकार, खकार, शकार, चकार, छकार और फकार नहीं हैं t और d को तकार और दकार के लिये ही प्रयोग करते हैं जो कि सदा टकार और डकार के वास्ते प्रयोग किये जाते हैं परंतु जब कि तकार और दकार के वास्ते t और d का प्रयोग करते हैं तब उनके नीचे एक शून्य लगा दिया जाता है कि जिसमें व तकार और दकार न पढ कर, टकार और डकार हा पढे जाय , B में H (ह) के मिलाने से भकार और उसी तरह पर th से ठकार और थकार, dh में धकार और ढकार, Gh से घकार, jh से झकार, kh से खकार sh से शकार और ph से फकार समझा जाता है , चकार और छकार के लिये इस भाषा में कोई समान अक्षर नहीं हैं पर Ch से चकार और chh से छकार का काम लिया जाता है और ksh और से ksh 'क्ष' का काम लिया जाता है

अब इंग्रेजी भाषा में किस किस अवस्था में किस किस अक्षर से क्या क्या उच्चारण होता है सो आगे लिखेंगे, ऊपर जो लिख आए हैं सो केवल रोमन (Roman) * की नियमावली के अनुसार लिखे गए हैं

a, e, i, o, u, स्वर का जो अलग अलग नाम है यदि इसी प्रकार इनका उच्चारण हो तो यह long Vowel कहे जाते हैं और नहीं तो Short Vowel कहलाते हैं

१ A का उच्चारण पांच प्रकार से होता है —

(१) 'ए' के समान, जैसे fate (फेट) नसीब, gate (गेट) फाटक, lame (लेम) लंगडा इत्यादि

(२) 'ऐ' के समान, जैसे man (मैन) आदमी fat (फैट) मोटा, (चरबीदार) Cat (कैट) बिल्ली, आदि

* (वर्णमाला के अक्षरों के द्वारा अन्य भाषा की लिखावट उसके उच्चारण सहित को इंग्रेजी में ... (Roman) कहते हैं

Tajnapeth	Akola	ताजनापीठ	अकोला
Tajpur	Darbhangha	ताजपुर	दरभंगा
Tajpur	Bijnour	ताजपुर	बिजनौर
Tajpur	Husiarpur	ताजपुर	हुशियार
Tajpur	Howrah	ताजपुर	हवड़ा
Takalghat	Nagpur	टाकलघाट	नागपुर
Telhara +	Akola	तेल्हारा ×	अकोला
Tezpur +	Assam	तेजपुर +	आसाम
Thakurdwar	Bombay	ठाकुरद्वा	मुंबई
Thanr ×	Poona	थाना	पूना
Thugaon	Amraoti	थुगांव	उमरावती
Trichinoply ×	Trichinopoly	त्रीचना पल्ली ×	त्रीचना पल्ली
Trimbak	Nasik	त्रीम्बक	नासिक
Udaipur	Mewar	उदैपुर	मेवाड़
Ujjin ×	Indore	उज्जैन ×	इन्दोर
Unao +	Unao	उन्नाव +	उन्नाव
Viramgam +	Ahmedabad	वीरम गांव +	अहमद बाद
Wadhwan ×	Kathiawar	वढवान ×	काठीयावाड़
Wadnera	Wardha	वडनेरा	वरधा
Wardha ×	Wardha	वरधा +	वरधा
Yeotmal ×	Wardha	यवतमहल ×	वरधा

इंग्रेजी वर्णमाला (Alphabets) में पांच स्वर होते हैं a, e, i, o, u, और w और y भी कभी स्वर (vowel) होते हैं और कभी व्यंजन (consonant) जबकि w या y दूसरे स्वरों के पश्चात् आते हैं तब तो स्वर (vowel) होते हैं और जब पहले आते हैं तो व्यंजन होते हैं जैसे city (सिटी) शहर, cow (काउ) गाय you (यू) तुम, we (वी) हम

जानना चाहिये कि इंग्रेजी में a से 'अ' समझा जाता है और a पर ā ऐसा निशान लगाने से 'आ' समझा जाता है। i से 'इ' और i पर ऐसा ' निशान लगाने से í ई (दीर्घ) समझी जाती है और e से 'ए' और ai से 'ऐ' और o से 'ओ' और ou से 'औ' जाना जाता है

इंग्रेजी वर्णमाला में तकार थकार, दकार, धकार, भकार, फकार, छकार खकार, घकार, थकार, ठकार और धकार नहीं हैं t और d को तकार और दकार के लिये ही प्रयोग करते हैं और कि यद्यपि टकार और डकार के स्थान प्रयोग किये जाते हैं परन्तु जब कि तकार और दकार के वास्ते t और d का प्रयोग करते हैं तब उनके नीचे एक बिन्दु लगा दिया जाता है कि जिसमें ये तकार और दकार न पढ़ कर, टकार और डकार ही पढ़े जायें, B में H (ह) के मिलाने से भकार और उसी तरह पर th से ठकार और थकार, dh से धकार और ढकार, Gh से घकार, jh से झकार, kh से खकार, sh से शकार और ph से फकार समझा जाता है, चकार और छकार के लिये इस भाषा में कोई समान अक्षर नहीं है पर Ch से चकार और chh से छकार का काम लिया जाता है और x और ksh 'क्ष' का काम लिया जाता है

अब इंग्रेजी भाषा में भिन्न भिन्न अवस्था में भिन्न भिन्न अक्षर से क्या क्या उच्चारण होता है सो आगे लिखेंगे, ऊपर जो लिखे आए हैं सो केवल रोमन (Roman) * की नियमावली के अनुसार लिखे गए हैं

a, e, i, o, u, स्वर का जो अलग अलग नाम है यदि इसी प्रकार इनका उच्चारण हो तो यह long Vowel कहे जाते हैं और नहीं तो Short Vowel कहलाते हैं

१ A का उच्चारण पांच प्रकार से होता है —

(१) 'ए' के समान, जैसे fate (फेट) नसीब gate (गेट) फाटक, lame (लेम) लंगड़ा इत्यादि

(२) 'ऐ' के समान, जैसे man (मैन) आदमी fat (फैट) मोटा, (चर्बीदार) Cat (कैट) बिल्ली, आदि

* इंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के द्वारा अन्य भाषा की लिखावट उसके उच्चारण सहित को इंग्रेजी भाषा में रोमन (Roman) कहते हैं

(३) 'ऑ' के समान, जैसे ball (बॉल) गेंद, Call (कॉल) पुकारना, tall (टाल) लम्बा

(४) 'आ' के समान, जैसे far (फार) दूर, father (फादर) पिता, Cask (कास्क) पीपा, आदि

(५) 'अ' के समान, जैसे *Woman* (*वुमन*) *स्त्री*, *German* (*जर्मन*) *जर्मनी* का निवासी

(२) ई E का उच्चारण भी पांच प्रकार का होता है —

(१) 'इ' के समान जैसे Mete (मीट) नाप, Meet मीट मिलना, मुलाकात करना, me (मी) मुझे, she (शी) वह (स्त्री), be (बी) होना

(२) 'ए' के समान, जैसे met (मेट) मिला, Net (नेट) जाल, Pest (पेष्ट) आफत, leg (लेग) टांग

(३) 'अ' के समान, जैसे *Merchant* (मरचैंट) व्यापारी, Herd (हर्ड) झुण्ड (चौपाए का), her (हर) उसका, उसको

(४) 'इ' के समान, जैसे Mere (मियर) केवल, here (हियर) यहां

(५) अंत की e का उच्चारण नहीं होता, जैसे Care (केअर) होशियार able (एबिल्) योग्य, लायक

I का उच्चारण भी इसी तरह पांच प्रकार है —

(१) आई के समान—Fine (फाइन) अच्छा, जुर्माना, दण्ड, Kind (काइण्ड) कृपालु मिहर्बान, Mind (माइण्ड) मन, Find (फाइण्ड) मिलना, प्राप्त होना, Grind (ग्राईण्ड) पीसना, Bind (बाइण्ड) बांधना Blind (ब्लाइण्ड) अंधा

(२) इ के समान जैसे Pin (पिन) आलपीन Bit (बिट) काटना, Pit (पिट) गढा आदि

(३) ई के समान जैसे Famine (फैमिन) अकाल (अन्न का अभाव) कहत , *Fatigue* (*फैटीग*) थकावट, तकान Machine (मैशीन) यन्त्र कल, Marine (मैरीन) मल्लाही , Quinine (किनिन) कुनैन (दवा बुखार की)

(४) 'अ' के समान , जैसे Bird (बर्ड) पक्षी, परन्द, Gird (गर्ड) बांधना, झिड़क, मलामत

(५) 'आय' के समान, जैसे Fire (फायर) अग्नि, आतिश, आग , L [illegible] भयावना, [illegible], खौफनाक Sire (सायर) बाप

O का [illegible] भी पांच प्रकार का है —

(१) 'ओ' के समान जैसे Notice (नोटिस) विज्ञापन, इश्तिहार, Note (नोट) चिन्ह, निशान Quote (क्वोट) टूकना

(२) 'ऊ' के समान Lose (लूज) खोना Do (डू) करना Two (टू) दो, Whose (हूज) किसका, जिसका

(३) 'ऑ' के समान , जैसे Not (नॉट) नहीं , Dot (डॉट) शून्य, नुकता , Mock (मॉक) मुह चिढाना

(४) 'अ' के समान, जैसे None (नन्) कोइ नहीं, Done (डन्) किया Love (लव) स्नेह करना, प्यार करना

(५) 'उ' के समान जैसे Brook (ब्रुक) नाला, नहर Book (बुक) पुस्तक, किताब Hook (हुक) पकडने का काटा

U का भी उच्चारण पाच प्रकार है —

(१) 'उ' के समान, जैसे Put (पुट) रखना Truth (ट्रुथ) सचा , Bull (बुल) सांड

(२) 'ऊ' के समान, जैसे Brute (ब्रूट) जन्तु, जानवर, Flute (फ्लूट) बशी, Fruit (फ्रूट) फल, बर

(३) 'अ' के समान, जैसे Cut (कट) काटना, But (बट) परन्तु Nut (नट) सुपारी

(४) योे' के समान, जैसे Endure (इण्ड्योर) सहनकरना, बरदास्त करना, Manure (मैन्योर) खाद

(५) 'यू' के समान, जैसे Tube (ट्यूब) नल, Mute (म्यूट) खामोश, चुप

जानना चाहिये कि भिन्न अक्षरों का उच्चारण एकही सा होता ह जैसे a, e, i, o और u जिनके उदाहरण हम ऊपर देचुके हे Fate (फेट) नसीबा, Mail (मेल) जिरह, डाक, Pray (प्रे) प्रार्थना करना, उपासना करना, Feign (फेन) हीला या बहाना करना, There (देयर) वहां, देखो इनके वर्णो का उच्चारण, इन उदाहरणों म अ' के समान है, इसीतरह पर और भी जानो

c अक्षर का उच्चारण इग्रेजी भाषा म कभी क' होता है और कभी 'स' परन्तु जानना चाहिये कि यदि c के पश्चात् a, o, u म से कोइ भी स्वर लिखा हुआ हो तो उसका उच्चारण क' होता है, जैसे cat (कट) बिल्ली, cot (कॉट) झोपडा cut (कट) काटना इत्यादि

ऐसे समय जब कि c का उच्चारण 'क के समान होता है तो इस c को hard c (हार्ड सी)

(३) 'ऑा' के समान, जैसे ball (बॉल) गेंद, Call (कॉल)

(४) 'आ' के समान, जैसे far (फार) दूर, father (फ
पीपा, आदि

(५) 'अ' के समान, जैसे Woman (वुमन) स्त्री,
का निवासी

(२) ई E का उच्चारण भी पांच प्रकार का होता है

(१) 'ई' के समान जैसे Mete (मीट) नाप, Meet मीट
(मी) मुझे, she (शी) वह (स्त्री), be (बी) होना

(२) 'ए' के समान, जैसे met (मेट) मिला, Net
आपत्त, leg (लेग) टांग

(३) 'अ' के समान, जैसे Merchant (मरचैंट) व्यापा
(चौपाए का), her (हर) उसका, उसको

(४) 'इ' के समान, जैसे Mere (मियर) केवल, here (हि

(५) अंत की e का उच्चारण नहीं होता, जैसे Care (केअर)
योग्य, लायक

I का उच्चारण भी इसी तरह पांच प्रकार है —

(१) आई के समान—Fine (फाइन) अच्छा, जुर्माना, दण्ड, I
मिहीन, Mind (माइण्ड) मन, Find (फाइण्ड) मिलना, प्राप्त होना, (
Bind (बाइण्ड) बाधना Blind (ब्लाइण्ड) अधा

(२) इ के समान जैसे Pin (पिन) आलपीन Bit (बिट)
गडा आदि

(३) ई के समान जैसे Famine (फैमिन) अकाल (अन्न का अभाव
फैटीग) थकावट, तकान Machine (मैशीन) यन्त्र, कल, Marin
uinine (किनिन) कुनैन (दवा बुखार की)

(४) 'अ' के समान , जैसे Bird (बर्ड) पक्षी, परन्द, Gird (गर्ड
मत

) 'आय के समान, जैसे Fire (फायर) अग्नि, आतिश, आग ,
गौकनाक Sire (सायर) बाप

पांच प्रकार का है —

(१) 'ओ' के समान जैसे Notice (नोटिस) विज्ञापन, इश्तिहार, Note (नोट) चिन्ह, निशान Quote (कोट) टूकना

(२) 'ऊ' के समान Lose (लूज) खोना Do (डू) करना Two (टू) दो, Whose (हूज) किसका, जिसका

(३) 'ऑ' के समान , जैसे Not (नॉट) नहीं ; Dot (डॉट) शून्य, नुक्ता ; Mock (मॉक) मुह चिढाना

(४) 'अ' के समान, जैसे None (नन्) कोई नहीं, Done (डन्) किया Love (लव) स्नेह करना, प्यार करना

(५) 'उ' के समान जैसे Brook (ब्रुक) नाला, नहर Book (बुक) पुस्तक, किताब Hook (हुक) पकड़ने का काटा

U का भी उच्चारण पाच प्रकार है —

(१) 'उ' के समान, जैसे Put (पुट) रखना Truth (ट्रूथ) सच्चा , Bull (बुल) साड

(२) 'ऊ' के समान, जैसे Brute (ब्रूट) जन्तु, जानवर, Flute (फ्लूट) बंसी, Fruit (फ्रूट) फल, बर

(३) 'अ' के समान, जैसे Cut (कट) काटना, But (बट) परन्तु, Nut (नट) सुपारी

(४) 'या' के समान, जैसे Endure (इण्ड्यार) सहनकरना, बरदाश्त करना Manure (मैन्यार) खाद

(५) 'यू' के समान, जैसे Tube (ट्यूब) नल Mute (म्यूट) खामोश, चुप

जानना चाहिये कि भिन्न अक्षरों का उच्चारण एकही सा होता है जैसे a, e, i, o और u जिनके उदाहरण हम ऊपर देचुके हैं Fate (फेट) नसीबा, Mail (मेल) जिरह, डाक, Pray (प्रे) प्रार्थना करना, उपासना करना, Feign (फेन) हीला या बहाना करना, There (देयर) वहां, देखो इनके वर्णों का उच्चारण इन उदाहरणों में 'अ' के समान है, इसीतरह पर और भी जाना

c अक्षर का उच्चारण इग्रेजी भाषा में कभी 'क' होता है और कभी 'स' परन्तु जानना चाहिये कि यदि c के पश्चात् a, o, u में से कोई भी स्वर लिखा हुआ हो तो उसका उच्चारण 'क' होता है, जैसे cat (कैट) बिल्ली, cot (कॉट) खोपड़ी cut (कट) काटना इत्यादि

एम समय जब कि c का उच्चारण 'क' के समान होता है तो इस c को hard c (हार्ड सी)

cram (क्रैम) ठूसना ٹهوانسا
dram (ड्रैम) घूट گهونٹ
gram (ग्रैम) चना چنا
clap (क्लैप्) ताली تالی
slap (स्लैप्) थप्पड़ تهپڑ
bled (ब्लैड) खून बहा خون بہا
bred (ब्रैड) पैदा किया پیدا کیا
fret (फ्रैट्) रगडना رگڑنا
stem (स्टैम्) डाल شاخ
step (स्टैप्) डग, दमक قدم
grim (ग्रिम्) भयङ्कर ترشرو
brim (ब्रिम्) किनारा کنارہ
crib (क्रिब्) पलगडी پلنگڑي

clip (क्लिप्) कतरना, छाटना / تراشنا - چهانٹنا
slip (स्लिप) फिसलना پهسلنا
clot (क्लॉट) धक्का دهکا
plot (प्लॉट्) उपाय تحویر
crop (क्रॉप) फसल فصل
prop (प्रॉप्) टिकाओ ٹیکاؤ
frog (फॉग्) मेंडक میڈک
club (क्लब्) सोंटा چوب
glut (ग्लट) नाक तक पेट भरना / شکم دوزاری کرنا
slut (स्लट्) गन्दी स्त्री گندي عورت
shut (शट्) बन्द करना بندکرنا
stud (स्टड्) अस्तबल استبل

---

cask (कास्क) पीपा پیپا
pass (पास) गुजरना گذرنا
mast (मास्ट) मस्तूल مستول
hall (हॉल) दलान دالان
fall (फाल) गिरना گرنا
bill (बिल्) चोंच چونچ
fill (फिल्) भरना بهرنا
hill (हिल्) टेकडी پہاڑي
pill (पिल्) गोली گولی
till (टिल्) जबतक جبتک
bond (बॉण्ड) तमस्सुक تمسک
pond (पॉण्ड) तालाव تالاب
fond (फॉण्ड) अभिलाषी شائق
monk (मॉङ्क) भिखारी مفلس

less (लेस्) कम کم
fell (फेल्) गिराना گرانا
hell (हैल्) नर्क دوزخ
tell (टैल्) कहना کہنا
bell (बैल्) घण्टा گهنٹا
volt (वोल्ट) घोडीका बछेडा / گهوڑي کا بچهیڑا
buff (बफ) घूसा گهونسا
puff (पफ्) वायु का जोर / هوا کا جهونک
hull (हल्) भूसी بهوسی
lull (लल्) सुलाना سولانا
dull (डल्) मूर्ख احمق

band (बेण्ड) जमघट جمعات
hand (हेण्ड) हाथ هاتھ
land (लैण्ड) भूमि زمین
paint (पेण्ट) हांपना ہانپنا
sand (सेण्ड) बालू ریت
bend (बेण्ड) झुकाना جھکانا
rend (रेण्ड) फाड़ना پھاڑنا
best (बेस्ट) } सब से अच्छा / سب سے عمدہ
pent (पेण्ट) पाच پانچ
rest (रेस्ट) आनन्द آرام
bind (बाइण्ड) बांधना باندھنا
find (फाइण्ड) मिलना ملنا

mind (माइण्ड) मन دل
kind (काइण्ड) कृपाकारी مہربان
hind (हाइण्ड) पीछे پیچھے
cost (कास्ट) खर्च خرچ
fold (फोल्ड) मोड़ना موڑنا
told (टोल्ड) कहा کہا
gold (गोल्ड) सोना سونا
sold (सोल्ड) बेचा فروخت کیا
bust (बस्ट) अधूरी मूर्ति نصف تصویر
dust (डस्ट) धूल گرد
duck (डक्) बतख بطخ
luck (लक) भाग्य مقدر
tuck (टक्) जाल جال

---

bask (बास्क) घाम खाना دھوپ کھانا
dark (डार्क) अन्धेरा تاریک
hark (हार्क) सुनो سنو
mark (मार्क) चिन्ह نشان
least (लीस्ट) कम से कम کم سے کم
nest (नेस्ट) घोंसला گھونسلا
file (फाइल) पंक्ति قطار
while (व्हाइल) जबतक جبتک
dome (डोम) कलश گنبد
home (होम) घर گھر
lost (लॉस्ट) खोया گم شدہ

felt (फ़ेल्ट) मालूम किया معلوم کیا
melt (मेल्ट) गल गया گل گیا
dine (डाइन) } रसोई जीमना / دوپہر کا کھانا کھانا
fine (फाइन) जुर्माना جرمانہ
toss (टॉस) उछालना اچھالنا
fume (फ्यूम) भाफ جوش
tune (ट्यून) सुर سُر
jute (ज्यूट) जूट جوٹ
rule (रूल) नियम قاعدہ

Bikanir

LESSON 1st (लेसन) पहिला पाठ

Me (मी) मुझे مجھے
We (वी) हम ہم
Us (अस्) हमको ہمکو
So (सो) ऐसा ایسا
Or (ऑर) अथवा یا
Of (ऑफ़) का کا
If (इफ) अगर, यदि اگر
Am (ऐम) हूं ہوں
Do (डू) करना کرنا
Go (गो) जाना جانا
I (आइ) मैं میں
An (ऐन्) एक ایک
To (टू) को, तरफ کو - طرف

As (एज़्) जैसा جیسا
No (नो) नहीं نہیں
Be (बी) होना ہونا
By (बाइ) पास نزدیک - پاس
In (इन्) भीतर اندر
Up (अप्) ऊपर اوپر
At (ऐट) तरफ, पास, को, दर — طرف پاس - کو - درج
Is (इज) है ہے
It (इट) वह, यह یہ - وہ
He (ही) वह وہ
My (माइ) मेरा میرا

Is he in? क्या वह भीतर है?
Do I go? क्या मैं जाऊं?
He is up वह ऊपर है
If I go in अगर मैं भीतर जाऊं
Do as I do मैं करूं जैसा करो
If I go up अगर मैं ऊपर जाऊं
Go on चलो
If I be अगर मैं होऊं
I go up मैं ऊपर जाता हूं
Am I to go? क्या मुझे जाना पड़ेगा या क्या मैं जाने को हूं!
It is so वह ऐसा है
He is to go वह जाने को है
Is he in it? क्या वह उसके भीतर है?

Do it यह करो
I go मैं जाता हूं
I am मैं हूं
He is वह है
By me मेरे पास
Is he in or am I in? क्या मैं भीतर हूं अथवा वह है?
Is he up? क्या वह ऊपर है?
As he is, so I am जैसा यह है, वैसा मैं हूं
If he be in it अगर वह उसके अन्दर होवे
We do हम करते हैं

LESSON 2nd (लेसन) दूसरा पाठ

And (एण्ड) और اور	Him (हिम्) उसको اوسکو
All (ऑल) सब تمام	Pen (पेन्) कलम قلم
Cap (कैप) टोपी ٹوپی	Bed (बेड्) बिछौना بچھونا
Eat (ईट्) खाना کھانا	Bad (बैड्) खराब خراب
Ate (एट्) खाया کھایا	One (वन्) एक ایک
For (फॉर) वास्ते واسطے	Who (हू) जो, कौन جو - کون
Sit (सिट्) बैठना بیٹھنا	Try (ट्राई) चेष्टा करना کوشش کرنا
The (दी) वह وہ	Run (रन्) दौड़ना دوڑنا
Put (पुट्) रखना رکھنا	Buy (बाई) खरीदना خریدنا
You (यू) तुम تم	Can (कैन्) सकना سکنا
Are (आर) है, هو - هیں	How (हाउ) कैसा کیسا
Ask (आस्क) पूछना پوچھنا	Boy (बॉय) लड़का لڑکا
May (मे) सकना سکنا	Say (से) कहना کہنا
Not (नॉट्) नहीं نہیں	Cut (कट्) काटना کاٹنا

Can you run ?	क्या तुम दौड़ सकते हो ?
It is a new box	यह नया सन्दूक है ?
Get a pen for him	उसके वास्ते एक कलम लाओ
He did not ask me	उसने मुझ से नहीं पूछा
He is my son	वह मेरा लड़का है
Don't let him go out	उसको बाहर मत जाने दो
Why do you cry ?	तुम क्यों चिल्लाते हो ?
He is ill	वह बीमार है
Who got my hat ?	मेरी टोपी किसने पाई ?

Don't see it	यह मत देखो
He is too old man	वह बहुत बूढ़ा आदमी है
Now go one by one	अब एक एक करके जाओ
Get a new bag for him	उसके वास्ते एक नया बेग लाओ

LESSON 3rd (लेसन) पाठ तीसरा

Now (न्यू) नया نیا - نو
Why (व्हाइ) क्यों, किसवास्ते کیوں - کسواسطے
Day (डे) दिन دن - روز
Now (नाउ) अब اب
Let (लेट्) परवानगी देना اجازت دینا
Son (सन्) बेटा پسر - بیٹا
Yes (यस्) हां ہاں
Ill (इल्) बीमार مریض
Did (डिड्) किया کیا
Cry (क्राइ) चिल्लाना, रोना رونا - چلانا
His (हिज) उसका اوسکا
Hot (हॉट्) गरम گرم
Sun (सन्) सूर्य, आफताब آفتاب
See (सी) देखना دیکھنا
Old (ओल्ड) बूढ़ा, पुराना پورانا - بڈھا
Got (गाट्) पाया, मिला ملا - پایا
Get (गेट्) लाना, पाना لانا - پانا
Out (आउट्) बाहर باہر
Hat (हैट्) टोपी ٹوپی
Chair (चेअर) कुरसी کرسی

The Sun is too hot	सूर्य बहुत तपता है
Now let him run	अब उसे दौड़ने दो
Let him sit on the chair	उसे कुरसी पर बैठने दो
Why do you not ask him ?	तुम उससे क्यों नहीं पूछते ?
Sit by me	मेरे पास बैठो
Do not run	मत दौड़ो
Do it for me	यह मेरे वास्ते करो
I do not ask you	मैं तुमसे नहीं पूछता हूं
How are you ?	तुम कैसे हो ?

Do not eat it	मत खाओ
Who are you ?	तुम कौन हो ?
Why do you run ?	तुम क्यों दौड़ते हो ?
May I go ?	क्या मैं जाऊ ?
Can you eat ?	क्या तुम खा सकते हो ?
He is my boy	वह मेरा लड़का है
Don't say to him	उससे मत कहो

LESSON 4th (लेसन) पाठ चौथा

What (व्हाट्) क्या کیا

Rate (रेट्) भाव, दर نرخ

This (दिस्) यह یہ

Take (टेक्) लेना لینا

Will (विल) गा گا

Want (वाण्ट) चाहना چاہنا

Send (सेण्ड) भेजना روانہ کرنا

Less (लेस्) कमती کم

Soon (सून) जल्दी جلدی

Give (गिव) देना دینا

Name (नेम) नाम نام

Don't (डोण्ट) मत مت

Sent (सेण्ट) भेजा روانہ کیا

Book (बुक्) किताब کتاب

Come (कम्) आना آنا

Here (हियर) यहाँ یہاں

Very (वेरी) बहुत بہت

Your (योर) तुम्हारा تمہارا

That (देट्) { जो, वह, जोकि, कि / جو - جوکہ - کہ - وہ }

More (मोर) ज्यादा, अधिक زیادہ

Tell (टेल) कहना کہنا

News (निउज्) खबर, समाचार خبر

Many (मेनी) बहुत بہت

Upon (अपोन्) ऊपर, पर اوپر - پر

Gave (गेव) दे दिया دیا

When (व्हेन्) जब, कब کب - جب

Glad (ग्लेड्), खुश, आनंद خوش

Good (गुड्) अच्छा عمدہ

What is your name ?	तुम्हारा क्या नाम है ?
I can not take at this rate	इस भाव में मैं नहीं ले सकता
Tell him to come here	यहाँ आने के लिये उससे कहो
Who is that man ?	वह कौन आदमी है ?

Send me what I want	जो कुछ मैं चाहताहु मेरे पास भेजो
I am very glad of you came here	तुम्हारे यहा आनेसे मैं बहुत खुश हू
When will you give my book ?	मेरी किताब तुम कब देोगे ?
I gave him my cap	मैंने उसको अपनी टोपी दी
Don't give more work upon him	उसपर अधिक काम मत छोडो
Give me your book	अपना किताब मुझे देदो
Don't buy any more	और मत खरीदो
I wan't to send him soon	मे उसको जल्दी भेजना चाहता हू
It is a very good news.	यह खबर बहुत अच्छी है

LESSON 5th (लेसन) पाठ पाचवा

Daily (डेली) रोज रोज روز روز	Ready (रैडी) तैयार طیار
Start (स्टार्ट) रवाना होना روانہ ہونا	Delay (डिले) ढील دیری
Water (वाटर) पानी, जल آب	There (देअर) वहा وہاں
Wrong (रॉङ्ग) गलत, غلط	Speak (स्पीक) बोलना بولنا
Write (राइट्) लिखना لکھنا	Where (व्हीअर) जहा, कहा کہاں جہاں
Remit (रेमिट्) भेजना بھیجنا	Angry (ऍंग्री) खफा ناراض
Bring (ब्रिङ्) लाना لانا	Again (एगेन्) फिर پھر
Night (नाइट्) रात شب	House (हाउस) घर, मकान مکان
Every (ऍवरी) हरएक ہرایک	Empty (एम्पटी) खाली خالی
Knife (नाइफ) छुरी چاقو	Cause (कॅाज्) सबब, कारण وجہ
Shall (शॅल) गा, गे, गी گا	Glass (ग्लास) प्याला, दर्पण آئینہ - پیالی
Happy (हैपी) सुखी خوش	Abuse (एब्यूज) गाली देना گالی دینا
Money (मनी) रुपया, दौलत زر - دولت	Rupee (रूपी) रूपया روپیہ

I am very much angry upon you	मे तुम पर बडा नाराज हू
Bring me a glass of water	मेरे वास्ते एक गिलास जल लाओ
Come to my house every night	तुम मेरे घर रातको रोज आया करो
Why do you not speak to me ?	तुम मुझसे क्यों नहीं बोलते ?

Don't delay to remit money	रुपया भेजने में ढील मत करो
When will you start again ?	फिर तुम कब रवाना होगे ?
Where is your knife ?	तुम्हारा चाकू कहाँ है ?
I am very happy to see you	मैं तुमको देखकरके बहुत खुसी हूँ
Send me all empty bags	खाली थैलिया सब मेरे पास भेज दो
Where is your house ?	तुम्हारा घर कहाँ है ?
Be ready to send rupees	रुपया भेजने के लिये तैयार रहो
What is the cause of this ?	इसका क्या सबब है ?
He writes very well	वह बहुत अच्छा लिखता है
Don't abuse any one	कोइ को गाली मत दो।

LESSON 6th (लेसन) छठा पाठ

Please (प्लीज) कृपा करके مہربانی کرکے	Market (मारकेट) बजार بازار
Detain (डिटेन) अटकाना روکنا	Arrive (ऐराइव्) पहुचना پہنچنا
Credit (क्रेडिट) उधार देना (ادھار)	Accept (ऐक्सेप्ट) स्वीकार करना منظور کرنا
Health (हेल्थ) खेम कुशल تندرستی	Profit (प्रॉफिट्) फायदा نفع
Little (लिटिल्) कम, थोडा تھوڑا - کم	Matter (मैटर) काम امر - کام
Detail (डिटेल) ब्यौरेवार تفصیل وار	Remind (रिमाइण्ड) याद दिलाना یاد دلانا کرنا [دینا]
Report (रिपोर्ट) खबर خبر	Permit (परमिट) परवानगी देना اجازت
School (स्कूल्) पाठशाला مدرسہ	Reason (रीज़न) सबब, कारण وجہ
Advice (ऐड्वाईस) राय صلاح	Refund (रिफण्ड) जमा देना جمع
Belong (बिलोंग) अधिकार حصہ	Article (आर्टिकिल्) चीज, वस्तु شے
Silent (साइलेण्ट) चुप خاموش	Return (रिटर्न) पीछा लौटाना واپس کرنا
Unable (अनेबिल्) अयोग्य, نااہل	
Object (ऑब्जेक्ट) मतलब مطلب	

Please write me your health	कृपा कर अपने खेम कुशल के समाचार लिखो
What school do you belong to ?	तुम कौन पाठशालामें पढते हो ?
I can not give you on credit	मैं तुमको उधार नहीं दे सकता

Send me all the market reports	मेरे पास बाजार की सब खबरें भेजो
I am unable to come, send your advice	मैं नहीं आसक्ता अपनी सलाह भेजो
Send me all details of your case.	अपने मुकदमे का हाल सब ब्यौरेवार लिखो
Don't detain Lalchand on his way to home	घर जानेके वक्त लालचन्दको मत अटकाओ॥
Lallchand arrived here this night	आज रातको लालचन्द यहा पहुचा
Don't accept Motilall's Hundi	मोतलिाल की हुण्डी मत सकारो
What is the matter with you ?	तुम्हारी क्या हालत है ?
Permit me to go home	मुझे घर जाने की परवानगी दो
What is your object ?	तुम्हारा क्या मतलब है ?

Grammar.—इंग्रेज़ी व्याकरण.

Grammar (ग्रामर) صرف و نحو (सफ व नहव) अर्थात् व्याकरण वह विद्या है जिस से बोलने, चालने और लिखने पढने का ज्ञान होता है.

English Grammar, Orthography (आर्थोग्राफी), Etymology (एटिमॉलोजी) Syntax (सिण्टैक्स) और Prosody (प्रॉसोडी) में विभक्त है

I. ORTHOGRAPHY वर्णविचार رسم الخط علم املا

Orthography (आर्थोग्राफी) رسم الخط (रस्मुलखत) वर्णविचार व्याकरण का वह अंग है जो वर्णो के रूप, रूपान्तर और उनके लिखने की रीतियां बतलाता है

जिस शब्द के अंश का उच्चारण एक साथ हो उसे Syllable (सिलेबिल) جزو لفظ (जुजे लफ्ज) शब्दांश कहते हैं जिस शब्द में एक Syllable हो उसे Monosyllable (मॉनो सिलेबिल) कहते हैं जैसे ;—he, she

दो Syllables के शब्द को Dissyllable (डिसासिलेबिल) कहते हैं जैसे Serpent (सरपेंट) सांप तीन Syllable के शब्द को Trisyllable कहते हैं और तीन Syllables से अधिक Syllables जिन शब्दों में होते हैं उनको Polysyllable (पोलीसिलेबिल) कहते हैं जैसे –Incomprehensibility (इनकम्प्रिहेन्सिबिलिटी) समझ के बाहर ناقابل فہم बेकयासी

यदि पंक्ति में शब्द के सम्पूर्ण रूप के लिखने का स्थान न हो तो Syllable के टुकड़े न करने चाहिये पर शब्द के Syllable को अलग कर देना चाहिये जैसे; he, she, Serpent, In-com-pre-hen-si bi-li-ty

जबकि लिखना प्रारम्भ किया जाता है तो पहले प्रथम का अक्षर बड़ा (Capital) होना चाहिये और आदमी शहर दिन महीना और ईश्वर के समस्त नाम बड़े अक्षरों से प्रारम्भ करना चाहिये

कविता के प्रत्येक पद (Line) का प्रथम वर्ण सदा (Capital) होता है जैसे —

Why tell me in your every Tone my God is also

Is God yours only and not at all mine ?

मेरा भी हरबात में कहता है भगवान

क्या तेरा भगवान है मेरा नहीं भगवान् ?

ہر بات میں کہے ہو کہ میرا ہی خدا ہے * کیا آپہی کا خدا ہے ہمارا خدا نہیں

I और O सदा Capital में ही लिखे जाते हैं, जैसे,— Wait O man ! I come, हे मनुष्य ठहर ! मैं आता हूं

प्रधान शब्द का प्रथम वर्ण भी Capital से होता है

संकेत वर्ण حرف مختصر (हर्फे मुख्तसर) भी Capital से लिखा जाता है

II ETYMOLOGY (शब्द विचार)

Etymology (एटिमालोजी) शब्द विचार اشتقاق الفاظ (इश्तिकाक़े अलफ़ाज़) से शब्दों के भेद और उन के परस्पर सम्बन्ध का ज्ञान होता है Parts of speech (पार्टस आफ स्पीच) حرف (हर्फ़) अथवा शब्दों के भेद जो कि English Grammar में आठ प्रकार के होते हैं जिनके नाम यह हैं—Noun (नाउन) Pronoun (प्रोनाउन), Adjective (ऐडजेक्टिव) Verb (वर्ब) Adverb (ऐडवर्ब), Preposition (प्रिपोजीशन), Conjunction (कन्जङ्कशन), और Interjection (इण्टरजेक्शन)

1—NOUN (संज्ञा)

Noun (नाउन) संज्ञा اسم (इस्म) उस शब्द को कहते हैं, जिस से किसी पुरुष, स्थान या किसी वस्तु के नाम का बोध होता है जैसे -Book (बुक) पुस्तक किताब, Bombay (बोम्बे) मुम्बई Gobind गोविंद इत्यादि

इसके ५ भेद यह हैं—Proper (प्रॉपर), Common (कॉमन), Abstract (ऐबस्ट्रैक्ट), Material (मेटीरियल) Collective, और (कलेक्टिव)

(१) Proper Noun (प्रापर नाउन) व्यक्ति वाचक सज्ञा اسم خاص (इस्मे खास) वह शब्द है जिन से किसी निर्दिष्ट (खास) पुरुष या स्थान के नाम का बोध हो, जैसे, Maha bharat (महाभारत), Ram (राम), Benares (बनारस)

(२) Common Noun (कॅामन नाउन) जाति वाचक सज्ञा या (इस्मे आम) اسم عام उन शब्दों को कहते हैं जिन से केवल जाति का बोध होता है, जैसे, Book (बुक) किताब, City (सिटी) शहर, नगर

(३) Abstract Noun (ऐबस्ट्रैक्ट नाउन) भाव वाचक सज्ञा (जो कि उर्दू में नहा है) वह सज्ञा है जिसे किसी वस्तु के आभा या गुण का बोध होता है, जैसे Goodness (गुडनेस) भलाइ, Manliness (मैनलीनेस) पुरुषत्वता आदि

(४) Material Noun (मैटारियल नाउन) द्रव्य वाचक सज्ञा اسم مادی (इस्मेमादी) उस सज्ञा या اسم (इस्म) को कहते हे जिन से किसी द्रव्य या मादे का बोध हो जैसे -Wheat (व्हीट) गेहु گندم (गन्दुम), Gold (गोल्ड) सोना زر (जर)

(५) Collective Noun (कलेक्टिव नाउन) समुदाय वाचक सज्ञा اسم مجموعہ (इस्मे मजमूआ) उस सज्ञा को कहते हैं जिस से किसी समूह या झुण्ड का बोध होता है, जैसे — Army (आर्मी) فوج (फौज), सेना, Library (लाएब्रेरी) पुस्तकालय, کتب خانہ कुतुब खाना

Noun के साथ म Gender (जेण्डर) Number (नम्बर) Person (परसन) और Case (केस) का होना आवश्यकीय है

GENDER (लिंग)

यह बात जानने के लिये है कि Noun से जो नाम प्रगट होता है उस से Gender पुरुष जाना जाता है या स्त्री जानी जाती है या दो म से एक का भी बोध नहा होता अथवा कोइ नपुसक वस्तु या कोइ और पदार्थ जाना जाता है, इस अभिप्राय से जो कुछ समझा जाता है, उस समझाने वाले शब्द को Gender (जेण्डर) लिङ्ग या جنس जिंस कहते हैं Gender (जेण्डर) तान प्रकार के होते हैं

Masculine (मैसकुलिन) Feminine (फेमिनिन) और Neuter (निउटर)

जिन जिन शब्दों से कि पुरुष वाचक नाम समझे जाते हैं उन को Masculine Gender (मैस्कुलिन जेण्डर) पुलिङ्ग مذکر (मुजक्कर) कहते हे, जैसे —घोड़ा जिन २ शब्द से कि स्त्री वाचक नाम समझे जाते ह वह Feminine Gender (फेमिनिन जेण्डर) स्त्रीलिङ्ग مونث (मोंअिस) कहते हैं, जैसे — घोडी

और जिनसे कि किसी वस्तु या पदार्थ का नाम जाना जाता है पर पुरुष और स्त्री वाचक नाम नहीं जाने जाते, तो ऐसे शब्दों या नाम को Neuter Gender (निउटर जेण्डर) नपुंसक लिंग या مخنث (मुखन्नस) कहते हैं जैसे – मेज, कुरसी इत्यादि और भी जानो

जब निर्जीव पदार्थों या सजीव के समान सम्बोधन होता है तो उन का प्रथम वर्ण Capital letter में लिखा जाता है और उनका जेण्डर Masculine या Feminine होता है जो वस्तु कि शक्ति, वीरता, बड़ाई या महत्त्वता प्रगट करते हैं वह Masculine Gender समझे जाते हैं जैसे –Sun (सन) सूरज آفتاب (आफताब) Winter (विंटर) जाड़ा سرما (सर्मा), Time (टाइम) समय وقت (वक्त) War (वार) संग्राम, लड़ाई, جنگ (जङ्ग), Giant (जाएण्ट) राक्षस دانا दाना आदि

जिन शब्दों से छोटाई, दयालुता, सुन्दरता और हरियाली प्रकाश होती है व Feminine Gender समझे जाते हैं जैसे Moon (मून) चन्द्रमा ماهتاب (माहताब) The Earth (अर्थ) पृथ्वी زمین Spring (स्प्रिङ्ग) बसन्त, بہار (बहार) Hope (होप) आशा اُمید (उमेद) Virtue (वर्चू) भलाई نیکی (नेकी) Truth (ट्रुथ) सचाई راستی (रास्ती) Pride (प्राइड) घमंड تکبر (तकब्बुर) Fame (फेम) प्रसिद्धता شہرت Justice (जस्टिस) न्याय انصاف (इन्साफ) Peace (पीस) शान्ति خیریت (खैरियत) Jealousy (जेल्सी) इर्षा رقابت (रकाबत) Flattery (फ्लैटरी) चापलूसी خوشامد Modesty (मॉडेस्टी) इमानदारी ایمانداری Humility (ह्युमिलिटी) नम्रता, عاجزی (आजिजी) Ship (शिप) जहाज को Feminine Gender में लिखा करते हैं छोटे छोटे कीड़े मकोड़ा की गणना सदा Neuter Gender में होती है

Gender (लिङ्ग) के पहचानने की तीन रीतियां हैं—पहले भिन्न भिन्न शब्दों से, दूसरे भिन्न प्रत्यय से और तीसरे कोई शब्द किसी शब्द के आगे या पीछे रखने से, जैसे —

Masculine (पुलिङ्ग)	Feminine (स्त्रीलिङ्ग)
Bachelor (बैचिलर) कुवारा	Maid (मेड) कुवारी
Boy (बाय) लड़का	Girl (गर्ल) लड़की
Brother (ब्रदर) भाई	Sister (सिस्टर) बहिन
Buck (बक) हरिण	Doe (डो) हरिणी
Bull (बुल) बैल	Cow (काउ) गौ

Masculine (पुल्लिङ्ग)	Feminine (स्त्रिलिङ्ग)
Cock (कॉक) मुर्गा	Hen (हेन) मुर्गी
Colt (कोल्ट) बछेड़ा	Filly (फिली) बछेड़ी
Dog (डाग) कुत्ता	Bitch (बिच) कुतिया
Father (फादर) पिता	Mother (मदर) माता
Gentleman (जेंटिलमैन) सभ्य	Lady (लेडी) सभ्य स्त्री
Horse (हॉर्स) घोड़ा	Mare (मेयर) घोड़ी
Husband (हस्बेंड) पति	Wife (वाइफ) पत्नी
King (किंग) राजा	Queen (क्वीन) रानी
Lord (लॉर्ड) श्रीमान	Lady (लेडी) श्रीमती
Man (मैन) आदमी	Woman (वूमन) स्त्री
Nephew (नेफ्यू) भतीजा	Niece (नीस) भतीजी
Ram (रैम) भेड़ा	Eue (यू) भेड़ी, भेड़
Sir (सर) महाशय	Madam (मैडम) महाशया
Son (सन) पुत्र	Daughter (डॉटर) पुत्री
Uncle (अंकिल) चचा	Auant (आँट) चाची
Wizard (विज़ार्ड) जादूगर	Witch (विच) जादूगरनी

(२) भिन्न प्रत्यय से, जैसे—

Abbot (एबॉट) मठाधीश	Abbes (एबेस) मठाधिकारिणी
Ambassador (एम्बेसडर) राजदूत	Ambassadress (एम्बैसेड्रेस) राजदूती
Actor (ऐक्टर) नाटक पात्र	Actress (ऐक्टेस) नाटकपात्री
Adulterer (एडल्टरर) व्यभिचारी	Adulteress (ऐडल्ट्रेस) व्यभिचारिणी
Author (आथर) ग्रन्थ कर्त्ता	Authoress (ऑथरेस) ग्रन्थकारिणी
Chanter (चैन्टर) गानेवाला	Chantress (चैन्ट्रेस) गानेवाली
Emperor (एम्परर) महाराज	Empress (एम्प्रेस) महारानी
Giant (जाएण्ट) राक्षस	Giantess (जाएण्टेस) राक्षसी
God (गॉड) परमेश्वर, देव	Goddess (गाडेस) देवी, परमेश्वरी
Governor (गवरनर) शासक	Governess (गवर्नेस) शासिका

Masculine (पुलिंग)	Feminine (स्त्रीलिंग)
Heir (एयर) वारिस	Heiress (एयरेस) वारिसा या वारिसनी
Hunter (हृटर) व्याध, शिकारी	Huntress (हंट्रेस) शिकारिणी
Lad (लैड) लड़का, युवा	Lass (लैस) लड़की, युवती
Lion (लायन) सिंह	Lioness (लायनेस) सिंहनी
Master (मास्टर) स्वामी	Mistress (मीस्ट्रेस) स्वामिनी
Prince (प्रिंस) राजकुमार	Princess (प्रिंसेस) राजकुमारी
Prophet (प्राफेट) भविष्यवक्ता	Prophetess (प्रॉफेटस) भविष्यद्वक्त्री
Shepherd (शेफर्ड) गडरिया	Shepherdess (शेफर्डेस) गडरिनी
Sorcerer (सोरसेरर) इन्द्रजालिक	Sorceress (सोरसेरेस) इन्द्रजालिका
Tiger (टाइगर) व्याघ्र, चीता	Tigress (टाइग्रेस) व्याघ्री
Tutor (ट्यूटर) गुरु	Tutress (ट्यूट्रेस) गुरानी
Widower (विडोवर) रडुआ	Widow (विडो) रांड, विधवा
Beau (बो) गुडा	Belle (बेल) गुडी
Fox (फोक्स) लोमड़ी	Foxes (फोक्सेज) लोमड़िनी
Hero (हिरो) नायक	Heroine (हिरोइन) नायिका
Czar (जार) रूस, नरेश	Czarina (जारिना) रूसकीरानी
Sultan (सुलतान) सुलतान	Sultana (सुलताना) सुलताना

---

(३) आगे या पीछे शब्द रखने से

(१) आगे शब्द रखने से, जैसे—

Bull-Calf (बुल-काफ) बछड़ा	Cow-Calf (काउ-काफ) बछड़ी
The-ass (ही ऐस) गधा	She-ass (शी ऐस) गधी
He goat (ही गोट) बकरा	She-goat (शी-गोट) बकरी
Man servant (मेन-सरवेन्ट) नौकर	Maid-servant (मेड सर्वेन्ट) नौकरनी
Man-kind (मेन-काइण्ड) पुरुष जाति	Woman-Kind (वूमन-काइण्ड) स्त्रीजाति

(२) पीछे शब्द रखने से

Bride groom (ब्राइड ग्रूम) दूल्हा	Bride (ब्राइड) दुलहिन
Gentle-man (जेंटिल मेन) महाशय	Gentle woman (जेंटिल-वूमन) महाशया

Masculine (पुलिंग)	Feminine (स्त्रीलिंग)
Grand father (ग्रैंड-फादर) पितामह	Grand mother (ग्रैंड-मदर) मातामही
Milk-man (मिल्क-मैन) ग्वाला	Milk-maid (मिल्क-मेड) ग्वालिन
Peacock (पीकॉक) मोर	Peahen (पीहेन) मोरनी
Washer man (वाशर-मैन) धोबी	Washer-woman (वाशर वूमन) धोबिन

NUMBER—(वचन)

एक या एक से अधिक के अभिप्राय को Number (नम्बर) صيغه (सीगा) या वचन कहते हैं इंगरेजी भाषा में दो Number होते हैं Singular Number (सिंगुलर नम्बर) صيغه واحد (सागावाहेद) एक वचन और Plural Number (प्ररल नम्बर) صيغه جمع (सीगा जमा) बहुवचन Singular से एक का बोध होता है और Plural से बोध एक से अधिक का होता है जैसे—लडका आम खाता है लडके आम खाते ह

इंगेजी भाषा में Singular से Plural बनाने का साधारण नियम यह है कि शब्द के शेष में s बढा देते हैं जैसे, boy (बाए) लडका, boys (बॉएज) लडके

यदि किसी शब्द के अन्त में s, sh, ch, x, z या o होवे तो शब्द के शेष में es लगा देते हैं जैसे – loss (लॉस) हानि से losses (लासेज) हानिया, bush (बुश) झाडी से bushes (बुशेज) झाडियां, watch (वॉच) घडी से watches (वॅचिज) घडियां, box (बॉक्स) सन्दूक से boxes (बाक्सेज) सन्दूकों, topaz (टोपाज) पुखराज से topazes (टोपाजेज) पुखराजों, mango (मेंगो) आम से mangoes (मेंगोज) आमा

यदि किसी शब्द के शेष म y हो और y के प्रथम यदि कोई व्यजन हो तो y को ies से बदल देते हैं जैसे city (सिटी नगर cities (सिटीज) नगरिया इत्यादि किन्तु यदि y के प्रथम में व्यजन नहीं हो और स्वर हो तो केवल s के लगाने से बहुवचन हो जाता है जैसे day (डे) दिन, days (डेज) दिनों, boys (बॉएज) लडके

यदि Noun के अन्त में f या fe हो तो f या fe के स्थान म ves कर देते हैं जैसे—thief (थीफ) चोर से thieves (थीव्ज) चोरों, calf (काफ) बछडा से calves (काव्ज) बछडे

स्वर भेद से कितने हा Noun का Plural होता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुबचन) جمع
Ox (ऑक्स) बैल بیل	Oxen (आक्सन) बैलों بیلوں
Man (मैन) मनुष्य آدمی	Men (मेन्) मनुष्यों آدمیوں
Woman (वूमन) स्त्री عورت औरत	Women (विमन) स्त्रिया عورتیں औरते
Tooth (टूथ) दात دندا ददा	Teeth (टीथ) दातों دندهائي ददहाए
Child (चाइल्ड) बाल बच्चा بچہ	Children (चिल्ड्रेन) बाल बच्चे بچے
Mouse (माउस) चूहा چوہا	Mice (माइस) चूहे چوہے
Louse (लाउस) जू جوں	Lice (लाइस) जूए جوئیں
Goose (गूज) हंस هنس	Geese (गीज) हंसा هنسوں

कितन हा Noun के अन्त में f or fe होने पर भा Plural बनाने के लिये केवल s लगा देते ह, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुबचन) جمع
Chief चीफ) सरदार سردار	Chiefs (चीफ्स) सरदारों سردارں
Strife (स्ट्राइफ) कलह جھگڑا झगड़ा	Strifes (स्ट्राइफ्स) कलह جھگڑے झगडे
Dwarf (ड्वार्फ) कुबड़ा بونا बौना	Dwarfs (ड्वार्फ्स) कुबड़े بونے
Belief (बिलीफ) विश्वास اعتبار ऐतबार	Beliefs (बिलीफ्स) विश्वास की बात اعتبار کی باتیں
Brief (ब्रीफ) सक्षेप مختصر	Briefs (ब्रीफ्स) सक्षेप مختصر
Gulf (गल्फ) खाड़ी کہاری	Gulfs (गल्फ्स) खाड़ियां, کہاریاں
Roof (रूफ) छत چھت	Roofs (रूफ्स) छतें چھتیں
Proof (प्रूफ) सबूत ثبوت	Proofs (प्रूफ्स) सबूतें ثبوتیں

कितने ही Noun के Plural बिना नियम के होते हैं, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुबचन) جمع
Grotto (ग्राटो) गुफा غار गार	Grottoes (ग्राटोज) गुफाएं غاروں गारों
Stomach (स्टमक) पेट شکم शिकम	Stomachs (स्टमक्स) पेटें, शिकमहाए
Cuckoo (ककू) कोकिला کوئل कोएल	Cuckoos (ककूज) कोकिलाए, कोयलें
Bamboo (बैम्बू) बास بانس	Bamboos (बम्बूज) बांसों بانسوں
Spoonful (स्पूनफुल) चमचा भर	Spoonfuls (स्पूनफुल्स) चमचे भर

इंग्रेजी शब्द जो man से बनता है उस का Plural men से बनता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع
Statesman (स्टेट्समैन) देशका प्रबन्धकर्त्ता	Statesmen (स्टेट्समैन) देश के प्रबन्ध-[कर्ताओं]
Milkman (मिल्कमैन) ग्वाला شیرفروش	Milkmen (मिल्कमैन) ग्वाले شیرفروشان
Washerman (वॉशरमैन) धोबी	Washermen (वॉशरमैन) धोबियों
Washerwoman (वॉशरवूमैन) धोबिन	Washerwomen (वॉशरवूमैन) धोबिनें

किन्तु अन्य भाषा के शब्द जो man से बने हैं उन में Plural के लिये केवल s लगाना चाहिये, जैसे—

Singular एकवचन واحد	Plural बहुवचन جمع
Musalman मुसलमान	Musalmans (मुसलमान्स) मुसलमानों
German (जर्मन) जर्मनी का निवासी	Germans (जर्मन्स) जर्मनी के निवासियों

किसी २ Noun के डबल Plural होते है, जैसे—,

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
Manservant (मैन्सर्वेंट) नौकर	Menservants (मैन्सर्वेंट्स) नौकरों

कोई २ Noun का Singular और Plural एक ही सा होता है, जैसे —

Cannon (कैनन) तोप توپ	Sheep (शीप) भेड़ بھیڑ
Deer (डियर) हिरन هرن	Swine (स्वाइन) सूअर سوئر
Shot (शॉट) गोली گولی	Sail (सेल) पाल پال

कोई कोई Noun का Singular नहीं होता—

Tidings (टाइडिंगस) खबर خبر Scissors (सीजरस) कतरनी, کترنی Pincers (पिंसंस) चिमटा (दस्तपनाह) دستپناہ Customs (कस्टम्स) महसूल محصول Goods गुड्स माल, असबाब اسباب Trousers (ट्राउजर्स) पजामा پائجامہ

कितने ही Nouns के भिन्न २ वचनों में ~ २ अर्थ होते हैं—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع
Spectacle (स्पक्टेकिल्) तमाशा تماشا	Spectacles (स्पक्टेकिल्स) चश्मा چشمہ
Air (एअर) हवा, वायु هوا	Airs (एअरस) चाल चलन چال چلن
Manner (मैनर) रीति	Manners (मैनर्स) चाल चलन چال چلن

सख्यावाचक शब्द और अक्षरों और शब्दों का Plural इस ('s) चिन्ह के द्वारा बनाया जाता है, जैसे—

Singular	Plural	Singular	Plural
21	21's	Yet	Yet's
50	50's	If	If's
B A	B A's	No	Noo's
F A	F A's		

मुख्य शब्द का Plural रूप करनेसे समास युक्त शब्दों का Plural होता है, जैसे—

Singular (एकवचन) واحد	Plural (बहुवचन) جمع
Father-in-law (फदर-इन-लॉ) ससुर سسر	Fathers-in-law (फादर्स-इन-लॉ) ससुर سسروں
Brother in-law (ब्रदर-इन-लॉ) साला سالا	Brothers in-law (ब्रदर्स-इन-लॉ) साले سالے
Commander-in chief (कमान्डर इन चीफ) प्रधान सैनाध्यक्ष, फौज का सब से बडा अफसर فوج کا سب سے بڑا افسر	Commanders in-chief (कमाण्डर्स-इन-चीफ) प्रधान सैनाध्यक्षों (फौज के सब से बडे अफसरों)
Uncle in law (अकिल इन-ला) चचिया ससुर چچیا سسر	Uncles-in-law (अंकिल्स-इन लॉ) चचिया ससुरों چچیا سسروں
Mother in law (मदर-इन-लॉ) सास ساس	Mothers in law (मदर्स-इन-लॉ) सासें ساسیں
Grand father in law (ग्रैंड फादर-इन-लॉ) दादिया ससुर ددا سسر	Grand fathers in law (ग्रैण्ड फादर्स इन-लॉ) ददिया ससुरों ددا سسروں
Grand mother in law (ग्रैंड-मदर-इन लॉ) ददिया सास ددا ساس	Grand mothers in law (ग्रैण्ड-मदर्स-इन लॉ) ददिया सासें ددا ساسیں

Proper Noun का Plural नहीं होता पर जब कि वह Common Noun के समान किसी पद में प्रयोग किया जाता है तब उसका Plural रूप होता है, जैसे—I have seen many Gowri shankers like you (आइ हैव सीन मेनी गौरीशङ्कर्स लाइक यू) मैंने तुम से गौरीशङ्कर बहुत देखे हैं

Callective Noun का Plural नहीं होता है पर जब Common Noun की तरह प्रयोग किया जाता है तब इस का भी Plural रूप होता है जैसे Armies are sent to port Arther by Russia (आर्मीज आर सेंट टु पोर्ट आर्थर बाइ रशिया) रूस ने बहुत सी सैना आर्थर बन्दर पर भेजी है

जब कि Material Noun भिन्न भिन्न प्रकार के वस्तु प्रगट करता है तब यह Common Noun होता है और ऐसे समय में उस का Plural होता है जैसे—Some af the oils are best (सम ऑफ दि ऑइल्स आर बेस्ट) इन में से कुछ तेल अच्छे हैं

जब कि Abstract Noun की तुलना किसी और Abstract Noun से की जाती है तब उसका Plural होता है और ऐसे समय में यह Common Noun के समान होता है, जैसे—Her beauty is admired among all the beauties (हर बिउटी इज एडमायर्ड एमग ऑल दि बिउटीज) सब सुन्दरताओं के बीच उस की सुन्दरता का गुण प्रगट किया जाता है

लैटिन भाषा के Singular और Plural का रूप देखो—

Singular واحد	Plural جمع
Memorandum (मेमोरैन्डम) याद दाश्त يادداشت	Memoranda (मेमोरैण्डा) याददास्तें يادداشتیں
Adendúm (ऐडेण्डम) तितम्मा طول	Addenda (ऐडेण्डा) तितम्में طوالے
Erratum (इर्रैटम) अशुद्ध غلطی	Errata (इरैटा) अशुद्धियां غلطیاں
Datum (डैटम) आश्रय (पनाह) بناہ	Data (डेटा) आश्रयों بناهیں

PERSON

Noun में तीन Person (पर्सन् पुरुष) या संगे صيغه होते हैं (१) First Person (फर्स्ट परसन्) उत्तम पुरुष متكلم मुतकल्लिम अर्थात बात करने वाला जैसे I Ram do claim, मैं राम दावा करता हूं - (२) Second Person (सेकिण्ड)

पसन्) मध्यम पुरुष वा हाजिर حاضر कि जिस से बात करें, जैसे Gopal ! Come here गोपाल ! यहा आओ (३) Third Person (थर्ड परसन्) अन्यम पुरुष वा غائب गाएब कि जिस की बात करें, जैसे Gobind came गोविंद आया

CASE

जिस किसी Noun का सबध किसी और शब्द के साथ वाक्य में प्रगट किया जाता है उस को Case (केस) حالت हालत या कारक कहते है इंग्रेजी में तीन कारक होते हैं Nominative (नोमिनेटिव), Possessive (पोज़ेसिव) और Objective (ऑब्जेक्टिव)

(१) Nominative Case (नॉमिनेटिव केस) حالت فاعل हालते फाएल या कर्त्ता कारक किसी काम के करने वाले को कहते हैं , जैसे Ram Comes (राम कम्स) राम आता है He sleeps (ही स्लीप्स) वह सोता है

(२) Possessive Case (पोज़ेसिव केस) حالت اضافت हालते इजाफत किसी वस्तु के मालिक या उस पर अधिकार करने वाले को प्रगट करता है, जैसे Krishna's Book (कृष्णास बुक) कृष्ण की किताब

(३) Objective Case (ऑब्जेक्टिव केस) कर्म कारक حالت مفعول (हालते मफऊल) उस पुरुष या वस्तु को कहते हैं जिस के वास्ते कुछ काम किया जाता है— जैसे Gopal gave a book (गोपाल गेव ए बुक) गोपाल ने एक किताब दी

Nominative और Objective दोनों Cases का रूप एक ही सा होता है बहुधाकर Nominative क्रिया के पहले आता है और Objective क्रिया के पीछे, पर कभी कभी ये दोनों इस नियम के विरुद्ध भी आते हैं इस लिये इन के पहिचानने की रीति यह है कि Nominative क्रिया के पहले 'Who' (हू) 'कौन' या 'What' (हाट) 'क्या' के द्वारा प्रश्न करने से पहचाना जाता है, जिस के उत्तर से Nominative का बोध होता है—जैसे He came (ही केम) वह आया इस पद में Came क्रिया है इस के पहले Who लगाने से प्रश्न हुवा Who came ? यानी कौन आया ? तो उत्तर मिला 'He' 'वह' इस लिये 'He Nominative Case है उसी तरह पर The stone fell (दी स्टोन फेल्) वह पत्थर गिरा इस में fell क्रिया के पहले 'What' लगाने से प्रश्न हुवा What fell ? क्या गिरा ? उत्तर मिला 'The stone 'वह पत्थर' इस लिये The stone" Nominative है

Objective के पहचानने की यह रीति है कि क्रिया के पहले 'Whom' या 'What' (हूम या ह्वाट) किसे' या किस को' रखना चाहिये—जैसे , Gopal saw him (गोपाल सॉ हिम) गोपाल ने उस को देखा इस पद में क्रिया के पहले 'Whom' (हूम) 'किसको' या 'किसे' रखने से Whom saw ? (हूम सा ? प्रश्न हुवा कि किसे या किस को देखा ? तो उत्तर मिला 'him' (हिम) 'उसको' इस लिये "him" Object है और case इसका Objective case है इसी प्रकार Ram saw a bird (राम सा ए बर्ड) राम ने एक पक्षि देखा उसी प्रकार इस में भी क्रिया के पहले 'what' लाने से प्रश्न हुवा What saw ? क्या देखा ? उत्तर मिला 'a 'bird' 'एक पक्षि' इस लिये 'a bird' भी Object है और इस का case भी Objective case है यदि इसी प्रकार किसी पद में दो Objects हों तो एक Direct Object (डाइरेक्ट ऑबजेक्ट) प्रधान कर्म कहलाता है, और दूसरा Indirect Object * (इण्डारेक्ट ऑब्जेक्ट) गौण कर्म कहलाता है, जैसे—He gave him a ball (ही गेव हिम ए बाल) उस ने उसको एक गेंद दिया

Direct Object और Indirect Object के मालूम करने की यह रीति है कि verb के पहले 'what' रखने से direct Object जाना जाता है, जैसे, What gave ? (ह्वाट गेव) क्या दिया ? 'उत्तर मिला 'a ball' (एबॉल) 'एक गेंद' इसलिये 'a ball' direct Object है इसी प्रकार verb के पहले 'Whom' शब्द के रखने से Indirect Object जाना जाता है, जैसे - Whom gave ? प्रश्न हुवा कि किस को या किसे दिया उत्तर मिला कि 'him' 'उसको' या 'उसे' इसलिये 'him' Indirect Object है

Direct Object को accusative (ऐक्यूज़ेटिव , केस) भी कहते हैं और Indirect object को कभी कभी Dative case (डेटिव केस) सम्प्रदान कारक حالت مفعول لہ या हालते मफ़ऊलियत कहते हैं कि जिस के लिये कोई काम किया जाता है या जिसको कोई वस्तु दी जाती है

Nominative रूपके ('s) Apostrophe and s (अपॉस्ट्रफी और s) के लगाने से Possessive case बनता है जैसे Hari's Horse (हरीज हॉर्स) हरी का घोड़ा यदि Plural के अन्त में s हो तो केवल apostrophe लगा देना

* उर्दू में सात कारक के सिवाय और कोई कारक नहीं होता

चाहिये, जैसे, King's Horses राजाओं के घोड़े Men's Horses लोगों के घोड़े Possessive case शब्द "of" से भी विदित किया जाता है, जैसे Horses of Kings राजाओं के घोड़े इस से किसी शब्द या लेख पर अधिक भार पड़ता है।

Possessive case केवल जीवधारी, सूर्य, चन्द्र स्थान, समय और प्राणवित् संज्ञाओं के लिये प्रयोग किया जाता है जैसे, Ram's ball राम की गेंद Two day's work दो दिन का काम, Court's decree कोर्ट की डिग्री Moon's path चन्द्रमा का मार्ग Sun's rays सूर्य की किरणें Two month's time दो महिने का समय

निर्जीव पदार्थों के लिये Possessive case शब्द "of" से प्रगट किया जाता है जैसे, The roof of the building इमारत की छत The building's roof का लिखना अशुद्ध है किसी को संबोधन करने या बुलाने के लिये संबोधन कारक या حالت ندا (हालते निदा) अर्थात Vocative case (वैकेटिव केस) को प्रयोग में लाते हैं जैसे, O Ram! (ओ राम!) हे राम इत्यादि

2—PRONOUN (सर्वनाम)

A Pronoun is a word used instead of a noun ضمير (जमीर) या सर्व नाम वह शब्द है जिसका प्रयोग संज्ञा के बदले किया जाता है

इस के मुख्य भेद ४ हैं———

(1) Personal (परसनल)* صيغه सीगा या पुरुषवाचक

(2) Demonstrative (डिमॉन्स्ट्रेटिव) اسم اشارة (इस्मे इशारा) निश्चय वाचक

(3) Relative (रिलेटिव) اسم موصول (इस्मे मौसूल) सम्बन्ध वाचक

(4) Interrogative इंट्रॉगेटिव) حرف استفهامي (हर्फ इस्तफहामी) प्रश्न वाचक

इन के अतिरिक्त और भी चार भेद हैं, जो उर्दू में नहीं हैं।

(1) Adjective Pronoun (ऐडजेक्टिव प्रोनाउन) गुणवाचक सर्वनाम।

---

*उर्दू में केवल छ सीगे एक वचन और बहुवचन के दोनों मिला कर होते हैं और ضمير (जमीर) सर्वनाम के और कोई भेद नहीं होते

(2) Reflexive (रिफ्लेक्सिव) निजवाचक

(3) Indefinite (इंडेफिनिट्) अनिश्चय वाचक

(4) Reciprocal (रेसिप्रोकल) परस्पर संबधसूचक

(1) PERSONAL PRONOUN (पुरुष वाचक सर्वनाम)

Personal Pronoun पुरुष वाचक सर्वनाम या ضمیر सीगे वे शब्द हैं कि जिन से कहने वा सुनने वाले या जिस पुरुष या वस्तु का वर्णन किया जावे उस का बोध हो ये तीन प्रकार के होते हैं इनका वर्णन पहले भी हो चुका है

(1) First Person (फर्स्ट परसन) متکلم मुतकल्लिम या उत्तम पुरुष से बोलने वाला जाना जाता है जैसे—

Masculine or Feminine

Case	Singular	Plural
Nominative	I मैं, मैंने	We हम, हम ने
Possessive	My or Mine मेरा, मेरी	Our or Ours हमारा, हमारी
Objective	Me मुझे	Us हमें, हम को

(2 Second Person (सेकिण्ड परसन) حاضر (हाजिर) या मध्यम पुरुष सुनने वाले का बोध होता है, जैसे—

Masculine or Feminine

Case	Singular	Plural
Nominative	Thou तू , तूने	Ye or you तुम , तुम ने
Possessive	Thy or thine तेरा, तेरी	Your or yours तुम्हारा, तुम्हारी
Objective	Thee तुझे	You तुम को, तुम्हे

(3) Third Person (थर्डपरसन) غائب गायब या अन्यम पुरुष से किसी पुरुष या वस्तु के वर्णन किये जाने का बोध होता है, जैसे—

Case	Mas	Fam	Neut	अर्थ	Plural of all Genders
Nom	He	She	It	वह, उस ने	They वे, उन्हो ने, उन ने
Poss	His	Her or hers	Its	उसका, उसकी	Their or Theirs उनका
Obj	Him	Her	It	उसे उस को	Them उन को, उन्हे

'Thou' का उपयोग बहुत करके काव्य और प्रार्थना ही में होता है इसी से केवल एक पुरुष के लिये भी you ही लाते हैं पर इस का verb सदा Plural Number में ही रहता है Personal Pronoun के Possessive case के शब्द my, thy, our, your और their का प्रयोग केवल Noun के पहले ही होता है जैसे – This is my pen यह मेरी कलम है परन्तु mine, thine, hers, ours, yours theirs का प्रयोग सदा Noun के अन्त में हुवा करता है जैसे — This pen is mine यह मेरी ही कलम है

My, Thy, आदि शब्द Noun के पहले प्रयोग किये जाने और adjective के समान होने के कारण Adjective Pronoun कहलाते हैं

Possessive Personal Pronoun के साथ own (ओन) शब्द ज़ोर दार बनाने के कारण कभी कभी बढ़ा देते हैं जैसे —It is my own cat यह मेरी ही बिल्ली है

इसी प्रकार self (सेल्फ़) शब्द के लगाने से myself, thyself, yourself himself, herself, itself और इन्ही के Plural हुवे ourselves, yourselves, और themselves, जिन से कि Reflexive Pronoun निज वाचक सर्वनाम बनते हैं जैसे— I know it myself मैं इसको खुद जानता हूं

---

(2) DEMONSTRATIVE PRONOUN (निश्चय वाचक सर्वनाम)

Demonstrative Pronouns निश्चय वाचक सर्वनाम اسم اشارہ इस्मे इशारा वे शब्द हैं जिन से कि निश्चय पूर्वक किसी वस्तु का बोध होता है जैसे—This is my book यह मेरी किताब है 'This' पास के लिये और 'That' दूर के लिये लाया जाता है one शब्द adjective है पर कभी कभी Pronoun भी होता है, जैसे—Your Coat is black mine is a white one तुमारा कोट काला है, मेरा सफेद है None (नन) कोई नहीं No one का संक्षेप रूप है Other (दूसरा) another (दूसरा) और such (ऐसा) भी Demonstrative Pronoun हैं

---

(3) RELATIVE PRONOUN

Relative Pronoun, اسم موصول इस्मे-मौसूल सम्बन्ध सूचक वे शब्द हैं जो पूर्वोक्त Noun या Pronoun के साथ अपना संबन्ध बतलाते हैं और उस पूर्वोक्त

Noun या Pronoun को antecedent (ऐण्टीसीडेण्ड) مرجع मर्जा अर्थात पूर्वोक्त कहते हैं who, which, what और that और कभी कभी as और but भी Relative Pronoun होते हैं

Case	who	which
Nom	who जो	which जो
Pos	whose जिसका	whose जिस का
obj	whom जिसे	whom जिस को

Singular और Plural में 'who' और 'which' का रूप एक ही सा होता है 'That' और 'what' का कोइ रूपान्तर नहीं है 'who' केवल मनुष्य के लिये 'Which' निर्जीव वस्तुओं और पशुओं के लिये और 'That' को who और 'which' के बदले प्रयोग में लाते हैं जब कि शब्द 'as' जैसे—'such' या 'same' अर्थात 'ऐसे' वैसे या वही के पश्चात में आता है तब वह Relative pronoun होता है

जब but का अर्थ that not 'जो नहीं' का होता है तब वह Relative pronoun होता है जैसे—There was no one but wept वहां कोई ऐसा नथा जोकि न रोया हो Such is not the book as I want ऐसी किताब यह नहीं है जैसी कि मैं चाहता हू The boy who came now went away वह लड़का जोकि आया था अभी चला गया

(4) INTERROGATIVE PRONOUN

Interrogative Pronoun वे शब्द हैं जोकि प्रश्न के लिये प्रयोग किये जाते हैं जैसे—who is there? वहा कौन है? which समूह में से एक सख्या का बोध होने के लिये प्रयोग किया जाता है जैसे—which is he who slapped you? जिसने तुमको थप्पड मारा वह कौन है? अज्ञातता के प्रश्न के लिये 'what' प्रयोग में आता है निम्नलिखित पदों को पढो और समझो Who is he? वह कौन है? अर्थात क्या नाम है Which is he? वह कौन है? अर्थात इन में से कौन है? What is he? वह कौन है? अथात उसकी आजीवि का क्या है?

Indefinite pronoun अनिश्चय बोधक सर्वनाम से निर्णय पूर्वक किसि Noun का बोध नहीं होता जैसे—all, some, none, any

Reciprocal pronoun परस्पर संबंध सूचक सर्वनाम केवल परस्पर सम्बन्ध प्रकाश करते हैं

---

(3) ADJECTIVE विशेषण

An adjective is a word which qualifies a noun or pronoun विशेषण या اسم صفت इस्मे सिफ्त वह शब्द है, जोकि संज्ञा या اسم (इस्म) और सर्वनाम या ضمیر (जमीर) का गुण प्रगट करता है जैसे—He is a good boy, वह अच्छा लड़का है He is good, वह अच्छा है

मुख्य adjectives ४ प्रकार के होते हैं

(1) Adjectives of quality (ऐडजेक्टिवज ऑवक्वालिटी)

(2) Adjectives of quantity (ऐडजेक्टिवज ऑव् क्वाण्टिटी)

(3) Numeral adjectives (न्यूमरल ऐडजक्टिव्ज)

(4) Demonstrative adjectives (डिमॉन्स्ट्रेटिव ऐडजेक्टिव्ज)

(१) Adjectives of quality (एडजेक्टिवज ऑव क्वालिटी) صفت , معیہ (सिफ्ते वस्फिया) गुण वाचक विशेषण वे शब्द होते हैं जो किसी वस्तु का गुण वर्णन करते हैं जैसे—Good boy अच्छा लड़का

(२) Adjectives of quantity (ऐडजेक्टिव ऑव क्वाण्टिटी) परिमाण वाचक विशेषण صفت مقداریہ (सिफते मिकदारिया) माप या परिमाण बतलाते हैं, जैसे— much sugar बहुत चीनी

(३) Numeral adjectives (न्यूमरल ऐडजेक्टिवज) संख्या वाचक विशेषण صفت تعدادیہ (सिफ्ते तादादिया) ये शब्द हैं, जिनसे कि संख्या का बोध होता है जैसे— Two days दो दिन

(४) Demonstrative adjectives (डिमॉस्ट्रेटिव ऐडजेक्टिव्ज) संकेत वाचक विशेषण صفت اشاریہ (सिफ्ते इशारिया) वे शब्द है जो किसी Noun को संकेत या इशारे मे बतलाते हैं जैसे—This boy यह लड़का That man वह मनुष्य

Proper Noun से जो adjectives बनाए जाते हैं वे adjectives 'proper adjectives' कहलाते हैं जैसे, Japanese, English, German—जापानी, इंग्लिश, जर्मनी का निवासी

(1) ADJECTIVE OF QUALITTY

बहुत से adjectives of quality के शब्दोंमें ३ degrees of comparison (डिग्रीज आव कंपैरिजन) अर्थात् ३ सीगे صیغہ या रूप होते हैं

(१) Positive (पॉजिटिव) साधारण गुण बोधक या صیغہ عوامیہ सीगे अव्वामिया जिस से साधारण गुण प्रगट होता है जैसे—Ram is a good boy, राम एक अच्छा लड़का है

(२) Comparative (कंपैरेटिव) صیغہ تفضیل (सीगे तफजील) अधिक गुण वाचक जिससे अधिक गुण बोध होता है और जब दो Nouns की तुलना आपस में की जाती है तभी इसका प्रयोग किया जाता है जैसे—Ram is cleaverer than Gopal, राम गोपाल से अधिक चलाक है

(३) Superlative अतिशय गुण बोधक या सीगे मुबालगा صیغہ مبالغہ उसे कहते हैं जो सब से अधिक Noun का गुण वर्णन करे और इसका प्रयोग उस समय होता है कि जब दो से अधिक Nouns के गुणों की तुलना की जाती है जैसे,—Man is the best of all beings सब जीव धारियों से मनुष्य बढ़ कर है

DEGREE बनाने की रीति

एक syllable के adjectives में r या er लगाने से comparative और st या est के लगाने से superlative बनता है जैसे—sharp, तीक्ष्ण تیز (तेज) sharper अधिक तीक्ष्ण, या زیادہ تیز ज्यादा तेज, sharpest अतिशय तीक्ष्ण, या زیادہتر تیز ज्यादातर तेज यदि positive के अंत में e हो तो केवल r या st के लगाने से Comparative या Superlative degree बन जाता है जैसे—wise बुद्धिवान عقلمند अक्लमन्द wiser अधिक बुद्धिवान زیادہ عقلمند ज्यादा अक्लमन्द, wisest अतिशय बुद्धिवान زیادہتر عقلمند ज्यादा तर अक्लमन्द

यदि Positive के अन्त में एक ही Consonant हो और उस Consonant के पहिले एक ही Vowel हो तो er और est लगाने से वह Consonant द्वित्त अर्थात् डबल होजाता है जैसे Thin پتلا पतला, Thinner زیادہ پتلا ज्यादा या अधिक पतला, Thinnest, अतिशय या زیادہتر پتلا ज्यादा तर पतला और यदि Positive के अन्त में दो Consonants हों या एक ही Consonant हो पर उसके पहले दो Vowels हों तो er या est के लगाने से Comparative और Superlative degrees बन जाते हैं जैसे—Old, पुराना پرانا Older अधिक या ज्यादा पुराना

SAIN LIBRARY.

زیادہ پرانا Oldest, अतिशय पुराना या ज्यादा तर पुराना زیادہتر پرانا इसी प्रकार Dear प्यारा عزیز Dearer, Dearest, Fast तेज تیز Faster, Fastest, Thick मोटा موٹا Thicker, Thickest

यदि Positive के अंत में y हो और y के पहले कोइ Consonant हो तो er या est के लगाने से y के बदले i हो जाता है, और यदि y के पहले कोई Vowel होतो केवल er और est लगा दिया जाता है, जैसे—Pretty, सुन्दर, खुशनमा خوشنما Prettier, Prettiest Easy सहज, आसान آسان Easier, Easiest Gay खुश خوش Gayer, Gayest, Sandy रेतीला بالودار Sandier, Sandiest बहुतेरे adjectives दो Syllable के होते हैं और बहुतेरे दो से अधिक के हुआ करते हैं जिनका Comparative और Superlative 'More' या 'Most' अधिक या 'अतिशय' अथवा 'Less' or 'Least' 'बहुत कम या' 'बहुत ही कम' को Positive के पहले बढ़ाने से बनता है जैसे —Rightful हकदार حقدار More rightful अधिक या ज्यादा हकदार زیادہ حقدار Most rightful अतिशय या ज्यादातर हकदार زیادہتر حقدار Intelligent चतुर, ہوشیار होशियार, Less intelligent कम चतुर کم ہوشیار Least intelligent کمتر ہوشیار बहुत ही कम चतुर इसी प्रकार Favourable कृपालु مہربان मिहरबान More favourable, Most favourable or Less favourable or Least favourable इत्यादि इन्ही में से कितने ही Adjectives का Comparative और Superlative दोनों प्रकार से बनता है जैसे—Handsome खूबसूरत, More handsome, Most handsome, handsome, handsomer handsomest

निम्न लिखित जो Adjectives प्रकाश किये गए हैं उनके Comparative और Superlative नियम के विरुद्ध हैं

Positive	Comparative	Superlative
Bad, evil, ill खराब बुरा خراب	worse	worst
Far दूर دور	Farther	Farthest
Forth आगे, बाहिर اگاری - باہر	Further	Furthest
Fore आगे, सामने آگے - سامنے	Former	Foremost, first
Good, well अच्छा عمدہ	Better	Best
Hind पीछे پیچھے	Hinder	Hindermost

Positive			Comparative	Superlative
In	भीतर अन्दर	اندر	Inner	Innermost, Inmost
Late	देरसे	دیر سے	Later ज्यादा देरसे	Latest
			Latter ज्यादा पिछला	Last
Many	अधिक (संख्या)	زیادہ - (تعداد)	More	Most
Much	अधिक (नाप)	زیادہ (مقدار)	More	Most
Little	छोटा या थोडा	چھوٹا یا تھوڑا	Less	Least
Near	पास	نزدیک	Nearer	Nearest next (दूसरा)
Old	पुराना, वृद्ध	پرانا - بڈھا	Older, elder (जेठा)	Oldest, eldest
Out	बाहर	باهر	Outer, utter	Outmost outermost
				Utmost, uttermost
Beneath	नीचे	نیچے	Nether	Nethermost
Top	सिरा, चोटी	سرا - چوٹی		Topmost
Up	ऊपर	اوپر	Upper	Uppermost upmost

जानना चाहिये कि Comparative के बाद सदा 'than' आता है और Latin भाषा के कुछ Comparative इंग्रेजी भाषा में सम्मिलित हैं और उनके बाद than के बदले सदा to आता है, जिन का Positive degree नहीं होता

Superior (सुपीरियर) अधिक ऊंचा या ऊंचे दर्जे का اعلى درجه کا Inferior (इनफीरियर) अधम तर या नीचे दर्जे का ادنی درجه کا Anterior (ऐण्टीरियर) आगे वाला اگلا Posterior (पोस्टेरिअर) पिछला پیچھے Prior (प्रायर) पूर्वगत गुजिश्ता گذشته Senior (सीनीयर) बडा ज्येष्ठ بڑا Junior (जूनीयर) छोटा چھوٹا Latin भाषा के यह Comparatives जिनका Comparative Degree नाम मात्र है और उनका Positive degree कभी नहीं होता और न उनके आगे to कभी आता है वह यह हैं —

Interior (इंटीरियर) भितरी, اندرونی Exterior (एक्सटीरिअर) बाहरी باهری - بیرونی Ulterior (अल्टेरियर दूरतर, पिछला پیچھے - دورتر Major (मेजर) बड़ा, بالغ Minor (माइनर) نابالغ नादान

(2) ADJECTIVES OF QUANTITY.

Adjectives of quantity صفت مقداریہ (सिफ़ते मिक्दारीया) या परिमाण वाचक विशेषण से किसी वस्तु के प्रमाण का बोध होता है जैसे Some कुछ Small छोटा, Any कोई, Great बड़ा, Little थोड़ा, Much ज्यादा, Adjective of quantity की भी तीन degrees होती हैं जोकि adjective of quality की degrees के नियमानुसार बनती हैं—जैसे great, greater, greatest

---

(3) NUMERAL ADJECTIVES

Numeral adjectives صفت تعدادیہ सिफते तादादीया या सख्या बोधक विशेषण से सख्या का बोध होता है यह तीन प्रकार के होते हैं—Definite (डेफिनिट), Indefinite (इंडेफिनाईट) और Distributive (डिस्ट्रिब्यूटिव)

(१) Definite Numeral adjectives निश्चित सख्या बोधक विशेषण या صفت تعدادیہ حقیقی सिफ्ते तादादिया हकीकीसे ठीक ठीक सख्या का ज्ञान होता है जैसे—१५, २० यह भी तीन प्रकार के होते हैं—Cardinal (कॉर्डिनल) Ordinal (ऑर्डिनल) और Multiplicative (मल्टीप्लिकेटिव)

(a) Cardinal numeral adjectives निश्चित सख्या गणित बोधक विशेषण यह صفت شماریہ جیزئی सिफ्ते शुमारिया हर्फ़ीज़ी से गिनती की सख्या का बोध होता है जैसे Three men तीन मनुष्य

(b) Ordinal Numeral Adjective निश्चित क्रम सूचक विशेषण صفت طرتیبہ सिफ्ते जरफिया से स्थान का बोध हुवा करता है जैसे—Tenth boy दसवां लड़का, Fourth class चौथी श्रेणी

(c) Multiplicatives गुणन बोधक सख्या विशेषण صفت ضربیہ (सिफ्ते जर्बिया) गुणा बतलाते हैं, जैसे double treble fourfold दूना, तिगुना, चौगुना इत्यादि

(२) Indefinite Numeral adjectives अनिश्चय सख्या बोधक विशेषण صفت تعدادیہ غیر حقیقی सिफते तादा दिया गैर हकीकी से ठीक ठीक सख्या का बोध नहीं होता जैसे—all सब few कुछ no नहीं none कोइ नहीं much बहुत सा, more बहुत most सबसे अधिक any कोई, some कुछ, Certain फलाना several कई, sundry दूसरा

(३) Distributive Numeral Adjective विभाग वाचक विशेषण, या صفت تقسیمی सिफते तकसीमी से एक २ और अलग २ वस्तु का बोध होता है जैसे—where are your other caps तुम्हारी और और टोपियां कहा है ?

Each, every, either, neither का व्यवहार सदा singular nouns के साथ में हुवा करता है जैसे Each man had his own gun प्रत्येक मनुष्य के निज की बन्दूक थी He walks every morning वह हर सुबह हवा खाने जाता है Either he should go or I चाहे वह जाए या मैं जाऊं, Neither he should go nor I न वह जाए न मैं जाऊ several और other दोनों numbers के साथ उपयुक्त होते हैं जैसे where is your other pen or pens तुम्हारा दुसरा कलम या और कलमें कहा हैं, Several men are coming बहुत से आदमी आते हैं

---

(4) DEMONSTRATIVE ADJECTIVE (सकेत वाचक विशेषण)

Demonstrative adjectives सकेत वाचक विशेषण या صفت اشاریہ सिफते इशारिया वे शब्द विशेषण के है जो कि Noun को सकेत या इशारे से प्रगट करते हैं वे यह है a, an, the, this, that, you इधर yonder उधर और such ऐसा 'a, an और the' articles تنکیر तनकीर अर्थात निश्चायक कहलाते हैं 'a और an, Indefinite articles حرف تنکیر हर्फेतनकीर या अनिश्चायक कहलाते हैं, क्यों कि यह निश्चय पूर्वक किसी शब्दकी ओर सकेत या इशारा नहीं करते जैसे—a man एक आदमी अर्थात कोई आदमी जिससे कि मनुष्य मात्र का बोध होता है किन्तु विशेष व्यक्तिका नहा 'The' Definite article अर्थात निश्चायक या حرف تانیس हर्फ तानीस कहलाता है क्यों कि इस से केवल एक पुरुष या वस्तु का बोध होता है जैसे the boy वह लड़का अर्थात वही लड़का जिसका कभी पहले वर्णन हो चुका है उसीकी ओर फिर मानो Definite article 'the, के द्वारा सकेत किया गया है 'The, that का सक्षेपरूप है और 'a, और 'an, one का संक्षेपरूप है और इन दोनों का अर्थ भी 'any, से कुछ ही कम है

जिस सज्ञाका वर्णन पूर्व में न हुवा हो तो उनके पहले 'a या an लाना चाहिये इस के उपरान्त यदि फिर उसी का वर्णन किया जाए तो फिर दुसरे बार 'a, या 'an, उस सज्ञा के पहले न लाकर, अब जब उसका वर्णन हो तब २ उसी सज्ञा के पहले article 'the, लाना चाहिये जैसे-I saw a boy walking along, the

public road मैने एक लडके को सकारी सडक पर जाते हुए देखा The boy was good and mild वह लटका सीधा और नेक था

Proper Noun के पहले article नहीं आता जब तक कि उसका Common Noun के समान प्रयोग नहो Proper Noun का उस समय common noun के समान प्रयोग किया जाता है, कि जब वह किसी वस्तु या मनुष्य की श्रेणी का वर्णन करे अथवा एकही नाम कई मनुष्यों का हो, या पदवी के लिये एकही नाम किसी का रखा गया हो तो ऐसे समय में 'article, की आवश्यकता Proper noun के पहले भी होती है जैसे-Gulam was the Rustam of India गुलाम (पहलवान) हिन्दुस्थान का रुस्तम था The Czar of Russia रूसका जार अथात रूसराज्य की जो गद्दी पर बैठता है वह जार कहलाता है इस लिये Czar common noun हो गया इसीलिये इस के पहले 'the, रखना चाहिये इस नियम के अतिरिक्त River नदी, Island in group—टापुओं के झुड, Chains of mountains पर्वत की श्रेणीयां Straits-दर्रे, Gulf-खाई, Bay-खाडी, Sea-सागर, Ocean-महासागर, Book-पुस्तक, News papers समाचार पत्र के नाम के पहले सदा 'the, लाना चाहिये जैसे the Ganges, the Indies, the Andamans, (कालापानी के टापू) the East Indies, the Himalayas (हिमालय पर्वत की श्रेणीया), The Vindhyas, the straits of Babel mandeb, the Persian Gulf, the Gulf of Cambay, the Bay of Bengal, the Arabian sea, the Red sea the Indian ocean, the Atlantic ocean, the Bible (इसाइया की पवित्र पुस्तक) the Ramayan, the Quran, the Maha bharat, the Vaishyopkarak, पदवी आजीविका अथवा पेशों के नाम जो कि Proper noun के पहले आते हैं उनके नामों के पहले 'the, या कोई article नहीं आता जैसे—*Queen Victoria, Lord Curzon, King George -I, General Roberts,* Father William, Victoria, Queen of England, George I, king of England आदि Town-नगर cape-रास countries-देश, continents-महाद्वीप Single Island-अकेले टापु और Mountains-पहाड और lake-झील के पहले अथवा यदि पुस्तक का नाम पुस्तक के बनाने वाले ही का हो तो उसके पहले 'the' article नहीं रखा जाता है जैसे-Calcutta, Cape Comorin, Asia, India, Bengal, Ceylone, Mount abu, Paras Nath, Sambhar Lake, I have read shakspeare मैंने शेक्सपीयर नाम पुस्तक और पुस्तक विरचित महाशय का) पढा है

Collective Noun का common noun के समान ही प्रयोग किया जाता है जैसे- an army, a flock एक फौज, झुड (भेड़ा का) इस लिये इस में भी 'article' com mon noun के समान हीं प्रयोग करना चाहिये

जब कि material noun से भिन्न भिन्न जाति का बोध होता है तब वह com mon noun के समान प्रयोग में आता है जैसे sugarcane is one of the grasses —गन्ना या पोहड़ा घासकी जाति में से एक घास है Some of the oils are good- तेलों में से कोइ कोइ तेल अच्छे हैं

इसी तरह abstract noun भी जब common noun के समान प्रयोग हो तब उसके पहले 'article' आता है, जब कि किसी वस्तु या पुरुष में कोई गुण पाया जाता है जैसे-He is a Justice of the peace उस में शाती का न्याय है

Common noun के पहले कभी article प्रयोग करने से Abstract noun का अर्थ उत्पन्न होता है जैसे—Acted the lord wherever he went—जहा कहीं वह गया उसने प्रभुता का काम किया जब कि preposition—उपसर्ग حرف (हर्फ) अपने कर्म معمول (मफउल) के साथ आता है तब उस common noun के पहले 'article कोई नहीं आता जैसे—some came by land and some by water कोई खुसकी और कोई तरी के रस्ते से आए

Proper adjectives के पहले article लाने से उस देश वासी का बोध होता है के जिस proper noune से वह proper adjective बना है जैसे—an English एक इंग्रेज; the Japanese वह जापानी

कभी कभी किसी वस्तु की जाति या श्रेणी का बोध होने के लिये 'the' प्रयोग किया जाता है, जिससे कि समग्र श्रेणी या जाति का बोध एक ही शब्द से होता है नीचे लिखे दृष्टान्तों का मतलब एक ही है —

The lion is a noble beast—शेर कुलीन पशु है, अर्थात् पशुओं की जाति में वह जाति जो सिंघ की है, कुलीन है A lion is a noble beast—शेर की जाती कुलीन है अर्थात् पशुओं की जाती में एक जाति सिंघ की कुलीन है Lions are noble beasts—सिंघ की जातियां कुलीन हैं अर्थात् सब जातियों में सिंघों की जातियां कुलीन हैं

जब adjective के पहले 'the' प्रयोग किया जाता है तब उस से तीन अर्थ निकलते हैं —

(१) Common noun के समान जो कि किसी पुरुष को बहुधा plural number में प्रकाश करते हैं जैसे—To the pure all things are pure पवित्र के लिये सब वस्तु पवित्र हैं अर्थात पवित्र मनुष्यों के लिये सभी कुछ पवित्र है

(२) Abstract noun के समान केवल singular number में जैसे—All the motions of the nature were towards the true, the natural, the sweet and the gentle—सृष्टि की सब चाल सच्ची, असली, मनोहर कोमल के ओर थी अर्थात सृष्टि की सब चाल सचाई, असलियत, मनोहरता और कोमलता की ओर थी

(३) किसी वस्तु के मुख्य स्थान के विभाग का नाम बतलाने के लिये उपयुक्त होता है जैसे—the white of the eye आंख की सफेदी (विभाग) the thick of the forest जंगल का घना (विभाग)

जब कि Comparative degree के द्वारा किसी वस्तु को चुन कर अलग करना हो तो उस Comparative के पहले 'the' का प्रयोग करना उचित है जैसे—This man is cleverer than that—यह आदमी उस से अधिक चलाक है This man is the cleverer of two दोनो में से यह आदमी अधिक चलाक है

जब कि Superlative degree में एक ही प्रकार के पुरुष वा वस्तु अपने गुण द्वारा और पुरुष वा वस्तु को पीछे हटा कर आप अगुआ बन बैठते हैं तो उस समय उस Superlative degree के पहले 'the' की और उसके पश्चात 'of' की आवश्यकता होती है जैसे—He is the best of all वह सब से अच्छा है He is the cleverest of all वह सब से बढ़ कर चलाक है

जानना चाहिये कि इस व्यवस्था में सदा 'the' का प्रयोग करना बहुत आवश्यकीय है लेकिन जब कि Superlative degree के पहले Possessive pronoun हो या किसी सम्बोधन किये जाने वाले Noun का गुण प्रकाश करने के लिये प्रयोग किया जाय तब उसके पहले the' नहीं आता जैसे—He is my greatest friend वह मेरा सब से बढ़ कर मित्र है O dearest son ! when shall I see you again ? हे प्रिय पुत्र ! मैं तुमको फिर कब देखूंगा

जानना चाहिये कि Consonant के पहले अथवा उस Vowel के पहले जिस

यह शब्द जोकि ऐसे स्थान पर वाक्य के अर्थ को सम्पूर्ण करते हैं वह Complement कहलाते हैं जैसे—They made him king उन्हों ने उसको राजा बनाया Verbs में voice, mood, tense, number और person के कारण अनेक रूपांतर होते हैं

VOICE

Voice उसे कहते हैं, जिस से यह प्रगट होकि कर्ता काम करता है या वह किसी से काम कराया जाता है

Active voice معروف मारुफ या कर्तृ वाच्य यह प्रगट करता है कि Subject काम करता है जैसे—I saw him मैंने उसे देखा Passive voice مجہول मजहूल या अकर्तृ वाच्य प्रगट करता है कि Subject से कुछ काम कराया जाता है जोकि verb 'to be' के रूपान्तर के पश्चात Verb के Perfect participle के लगाने से बनता है—जैसे He was seen by me वह मुझे दिखाई दिया था

जानना चाहिये कि Passive voice में Active voice के दो Object में से कोई एक Object Passive voice में Subject बन जाता है जैसे—He gave me a mango उसने मुझ को एक आम दिया A mango was given me by him उस से मुझ को एक आम मिला था I was given a mango by him मेरे को एक आम उस से मिला था इत्यादि और भी जानो

Intransitive verb में कोइ Object न होने के कारण उसका Passive voice नहीं होता

कभी कभी Intransitive verb में अपने ही Verb से बने हुए Object की आवश्यकता होती है जैसे—He lived a sad life वह दुःखमय जीवन से ही जिया ऐसे Object को Cognate या Kindred object مفعول مطلق मफऊल मुतलक या सामान्य कर्म कहते हैं, क्या कि जिस Verb से वे Noun बनाए गए हैं उनसे उस Verb के समान ही अर्थ निकलता है Cognate या Kindred का अर्थ समान है ऐसे समय में इसका Passive voice बनाया जाता है, जैसे—A sad life was lived by him दुःखमय जीवन से वह जिलाया गया था और जब कि Intransitive verb से Preposition के द्वारा Transitive verb बनाया जाता है, जिसको कि Prepositional verb भी कहते हैं तो इस हालत में भी इसका Passive voice होता है जैसे—They were laughed at by her उसकी तरफ से वे हसाए गए थे।

MOOD (मूड)

Mood (मूड) रूप صورت (सूरत) से किसी क्रिया की रीति जानी जाती है Mood चार प्रकार के होते हैं—Indicative, Imperative, Subjunctive और Infinitive mood, Indicative mood (इण्डिकेटिव मूड) निश्चार्थरूप صورت بیانیه (सूरते बयानिया) से साधारण किसी कार्य्य के किये जानेका वर्णन या किसी प्रश्न के पूछे जानेका बोध होता है जैसे —Where are you ? तुम कहां हो I go home मैं घर जाता हू

Subjunctive mood वह है जिस से एक Verb दूसरे verb के अधीन रहा करता है इसको हिन्दी मे सम्भाव्य कहते हैं और उर्दू में صورت شرطیه (सूरते शर्तिया) कहते हैं जैसे —If the storm is raging I can not come यदि अंधड़ चलरहा है तो मैं नहीं आसक्ता Imperative mood صورت حکمیه सूरते हुक्मिया या अनुज्ञान रूप से विधि, आज्ञा, प्रार्थना आदि का बोध होता है जैसे —Do not steal मतचुराओ Go soon जल्दी जाओ Please give me your pen कृपाकर मुझे अपनी कलम दे दीजिये

Infinitive mood صورت مصدری सूरते मसदरी या भाव वाचक रूप से केवल कार्य्य का बोध होता है जैसे—To write लिखना इस में tense (काल) person पुरुष Number (वचन) नहीं होते यह वस्तुत , कोई Mood नहीं है किन्तु Verb का एक रूप है जोकि Noun के समान प्रयोग किया जाता है इसके पहले Preposition "to" आता है जोकि इसका चिन्ह है इससे केवल कार्य्य का होना प्रगट होता है किंतु कार्य्य के करने वालेका नाम प्रगट नहीं होता

Can, may, dare आदि शब्दों के पहले to नहीं आता जैसे —I can go मैं जासक्ता हू । I dare not go मुझ में जाने की साहस नहीं है

कुछ काल पहले English भाषा में एक और Potential mood صورت امکانیه सूरते इमकानिया या शक्यार्थ रूप जिस में कि Can, may, should आदि शब्द इसी Mood म गिने जातेथे, पर अब वे Indicative mood में गिने जाते हैं

Infinitive of purpose (परपज) या Indirect object को Gerundial Infinitive भी कहते हैं जैसे—He came to teach वह पढ़ाने को आया जो Noun कि Verb से बनते हैं उनको Verbal Noun धातु साधित संज्ञा या اسم فاعل इस्म फाएल कहते ह यदि उसके अन्त में ing होतो उसको Geurnd कहते हैं

जैसे— Running is useful दौड़नालाभ कारक है Participle कृदत या اسم حالیه इस्मे हालिया वह शब्द है जिस से कि Verb और Adjective दोनों का बोध होता है जैसे— I saw an ant coming मैने एक चींटी को आते हुए देखा, यहां 'Coming' ant (चींटी) का गुण प्रकाश करता है इस लिये Coming adjective है और इसी कारण इस को Verbal adjective धातु साधित सज्ञा विशेषण या صفت مصدری सिफते मसदरी भी कहते हैं यह क्रिया का बोध भी verb के समान करता है Participle के दो भेद हैं Present participle और Past participle. Present participle क्रिया के आगे ing के लगाने से बनता है जिसका कि रूप Gerund से मिलता है पर Gerund केवल Verbal noun है जैसे—His writing is good उसका लिखना अच्छा है, पर Participle शब्द सदा Verb हुआ करता है जैसे—He has been writing वह लिखता रहा है Past participle के बनाने की रीती आगे है

TENSE (टेन्स) काल

जिस से किसी कार्य्य के समय का बोध होता है, उसे Tense काल या زمانہ जमाना कहते हैं यह तीन प्रकार के होते हैं Present (प्रेजेण्ट) वर्त्तमान حال (हाल) Past भूत ماضی (माजी) और Future (फयूचर) भविष्यत مستقبل (मुस्तकबिल)

English भाषा में Verbs के Present और Past tenses क्रिया के रूपांतर से बनते हैं Future tense और Verb की सहायता से बनता है

Present tense वर्त्तमान काल या زمانہ حال जमाना हाल से उस काल या समय का बोध होता है जो कि इस समय जारी है जैसे—he is writing वह लिख रहा है He writes वह लिखता है Future tense से होने वाले कार्य्य प्रगट होते हैं, यह tense Infinitive के पहले 'shall' या 'will' के लगाने से बनता है जैसे—I will write मैं लिखूंगा Past tense से व्यतीत काल या गुजरे हुए जमाने का बोध होता है जैसे— I wrote (आईरोट) मैने लिखा

प्रत्येक tense के तीन रूप होते हैं—Indefinite सामान्य रूप जिस में क्रिया या कार्य साधारण रीति से किया जाता है. जैसे—he comes वह आता है we teach हम सिखाते हैं यह उर्दू में नहीं होता पर इसे مفرد मुफरिद कहना चाहिये

Imperfect अपूर्ण या ناتمام नातमाम से काय्य के आरम्भ होने का बोध होता है किन्तु उस के सम्पूर्ण होनेका बोध नहीं होता यह Present participle (जोकि Imperfect participle भी कहलाता है) और Verb to be के रूपों के जोड़नेसे बनता है जैसे—You are coming तुम आरहे हो He is coming वह आ रहा है I will be coming मैं आता रहूगा They were coming वे आ रहे थे

Perfect tense सम्पूर्ण काल या زمانه مکمل जमाना मुकम्मिल से क्रिया के करने की सम्पूर्णता पाइ जाती हैं यह Past participle के पहले Verb "to have" के रूपों के लगाने से बनता है, जोकि Perfect participle भी कहलाता है जैसे—I have come मैं आ चुका हू He has come वह आचुका है They had come वे आचुके थे We shall have come हम आचुके गें

यदि काय्य की समाप्ति अभी ही हुई हो तो Present perfect का प्रयोग में लाना उचित है जैसे—I have done it मैं इसे कर चुका हू यह हिन्दी म आसन्न भूतकाल और उर्दू में ماضی قریب (माजी करीब) कहलाता है यदि किसी वाक्य में समय प्रगट करना हो तो Past indefinite सामान्य भूत या माजी मुतलक का प्रयोग करना उचित है जैसें—I did it yesterday मैंने इस को कल किया I have done it yesterday यह मैं कर चुका हू यह वाक्य English Grammar के अनुसार अशुद्ध है

Past perfect tense को Pluperfect tense भी कहते हैं, जो कि सम्पूर्ण भूतकाल या ماضی بعید माजी बईद कहलाता है इस से एक काय्य की समाप्ति के पहले दूसरे कार्य्य की समाप्ति का बोध होता है जैसे—I had gone before you come मैं तुम्हारे आने के पहले चला गया था यदि एक काय्य की सम्पूर्णता जब तक किसी और दूसरे काय्य के पहले न पाइ जाए तबतक Past perfect tense या Pluperfect tense का प्रयोग करना बिलकुल अनुचित है

Future perfect tense सम्पूर्ण भविष्य या مستقبل تامیه मुस्तकबिल तमामिया जब भविष्यत में किसी एक क्रिया की समाप्ति के पहले किसी दूसरे काय्य के समाप्ति की सम्भावना पाइ जाती है तभी Future perfect tense का प्रयोग किया जाना उचित है जैसे—I shall have done it before you come तुम्हारे आनेके

पहले' मै इसे कर चुकुगा इन tenses के सिवाय Perfect continuous tense 'पूर्ण पूर्ण या ماضی کامل استمراری जमाना कामिल मजारिया कभी कभी Active voice में हुवा करता है जोकि किसी कार्यके आरम्भ होनेके समय से वर्तमान तक उस कार्य की असपूर्णता को प्रकाश करता है जैसे— I have been writing मैं लिखता रहा हू He had been writing वह लिखता रहाथा you shall have been writing तुम लिखते रहोगे

MUMBER AND PERSON

Verbs में भी noun के समान Singular और Plural दो 'numbers' हुवा करते ह जिनसे कि यह मालूम होता है कि उस के Subject का क्या 'number' और क्या 'Person' है और इसका number और 'Person' subject के 'number' और 'Person' के समान ही होता है, इस के ऊपर खूब ध्यान देना उचित है, क्योंकि बहुत से विद्यार्थी इसी में बडी भूल किया करते हैं

I go मैं जाता हू (First person singular) Thou goest तू जाता है (Second person singular) He she or it goes वह जाता या जाती है (third person singular) Plural में person का चिन्ह कुछ नहा है जैसे— We go हम जाते ह You go तुम जाते हो They go वे जाते हैं

Verbs के Mood, Voice, Tense, Number और Person से जो रूपान्तर होते हैं उन्ही के प्रगट करने को Conjugationविधान या गरदान گردان कहते ह

Verbs के past tense के बनाने के दो प्रकार हैं Strong और Week जिन Verbs के Present tense से Past tense के बनाने में उस के Vowel को बदलते हैं उन Verbs को stong verbs कहते हैं जैसे—write का Past tense हुआ wrote, Abide (बसना) से abode, Forgive (क्षमा करना) से forgave, give (देना) से gave जिन verbs के Present tens में d या t लगा कर past tense बनाते हैं उन Verbs को Week verbs कहते हैं जैसे— Mean (समझना) से हुवा meant, समझा love (प्यारकरना) से loved प्यार किया हुवा

बहुत से इग्रेजी भाषा के व्याकरणी (Grammarians) weak verbs को Regular verbs और Strong verbs को Irregular verbs भी कहते है

Strong verbs के दो समूह हैं—(१) तो वह जिन के Past participle en, n

या ne से बनता है (२) वह जिन का Past participle बिना en, n या ne के बनता है

(१) समूह

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	Past participle (पूर्ण कृदन्त)
Arise उठना اُٹھنا	Arose उठा اُٹھا	Arisen उठा हुवा اُٹھاھوا
Bear उत्पन्न करना	Bore उत्पन्न किया	Born उत्पन्न किया हुआ
Bear लेजाना لے جانا	Bore लेगया لے گیا	Borne लेगया हुआ لیا ھوا
Beget उत्पन्न करना	Begot, उत्पन्नकिया	Begotten, begot उत्पन्न कियाहुआ
Bid आज्ञादेना حکم دینا	Bade, bid आज्ञादी حکم دیا	Bidden, bid आज्ञादीहुई حکم دیاھوا
Bite काटना کاٹنا	Bit काटा کاٹا	Bitten, bit काटा हुआ کاٹا ھوا
Bind बाधना باندھنا	Bound बाँधा باندھا	Bounden, bound बाधा हुआ
Blow फूंकना پھونکنا	Blew फूका پھونکا	Blown फूका हुआ پھونکا ھوا
Break तोड़ना توڑنا	Broke तोड़ा توڑا	Broken तोड़ा हुआ توڑا ھوا
Chide धमकाना	Chid धमकाया	Chidden, chid धमकायाहुआ
Choose चुनना چننا	Chose चुना چنا	Chosen चुना हुआ چنا ھوا
Draw खींचना کھینچنا	Drew खींचा کھینچا	Drunken, drunk खींचा हुआ
Drink पीना پینا	Drank पिया پیا	Drawn पिया हुआ پیا ھوا
Drive हाकना ھانکنا	Drover drave हाका ھانکا	Driven हाँका हुआ ھانکا ھوا
Eat खाना کھانا	Ate खाया کھایا	Eaten खाया हुआ کھایا ھوا
Fall गिरना گرنا	Fell गिरा گرا	Fallen गिरा हुआ گرا ھوا
Fly उड़ना اُڑنا	Flew उड़ा اُڑا	Flown उड़ा हुआ اُڑا ھوا
Forbear बचारहना	Forbore बचारहा	Forborne बचारहा हुआ
Forget भूलना	Forgot भूलगया	Forgotten भूला हुआ
Forsake भूलना	Forsook भूला	Forsaken भूला हुआ
Freeze जमनाबरफका	Froze जमा	Frozen जमा हुआ
Get पाना پانا	Got पाया پایا	Gotten, got पाया हुआ پایا ھوا
Give देना دینا	Gave दिया دیا	Given दिया हुआ دیا ھوا
Go जाना جانا	Went गया گیا	Gone गया हुआ گیا ھوا
Grow उगना اُگنا	Grew उगा اُگا	Grown उगा हुआ اُگا ھوا

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P, participle (पूर्ण कृदत)
Hide छिपाना چھپانا	Hid छिपाया چھپایا	Hidden, hid छिपाया हुआ چھپایا ھوا
Know जानना جاننا	Knew जाना جانا	Known जाना हुआ جانا ھوا
Lie झूठबोलना, लेटना	Lay झूठबोला, लेटा	Lain झूठबोला हुआ, लेटा हुआ
Ride सवार होना سوار ھونا	Rode सवार हुआ	Ridden सवार हुआ
Rise निकलना, उठना	Rose निकला, उठा	Risen निकला हुआ, उठा हुआ
See देखना دیکھنا	Saw देखा دیکھا	Seen देखा हुआ دیکھا ھوا
Shake हिलाना ھلانا	Shook हिलाया ھلایا	Shaken, हिलाया हुआ ھلایا ھوا
Shrink सकोड़ना سکوڑنا	Shrank सकोड़ा	Shrunken, Shrunk सकोड़ा हुआ
Sink डूबना ڈوبنا	Sank डूबा ڈوبا	Sunken, Sunk डूबा हुआ ڈوباھوا
Slay मारडालना مارڈالنا	Slew मारडाला مارڈالا	Slain मारडाला हुआ مارڈالا ھوا
Slide फिसलना پھسلنا	Slid फिसला	Slidden, Slid फिसला हुआ
Smite मारना مارنا	Smote मारा مارا	Smitten, smit मारा हुआ مارا ھوا
Speak बोलना بولنا	Spoke बोला بولا	Spoken बोला हुआ بولا ھوا
Steal चुराना چرانا	Stole चुराया چرایا	Stolen चुराया हुआ چرایا ھوا
Stride जलदी २ चलना	Strode जलदी २ चला	Stridden जलदी २ चला हुआ
Strike मारना مارنا	Struck मारा	Stricken, struck मारा हुआ
Strive यत्नकरना	Strove यत्नकिया	Striven यत्न कियाहुआ
Swear सौगंध खाना	Swore सौगंध खाई	Sworn कसम खाई हुई
Take लेना لینا	Took लिया لیا	Taken लिया हुआ لیا ھوا
Tear फाड़ना پھاڑنا	Tore फाड़ा پھاڑا	Torn फाड़ा हुआ پھاڑا ھوا
Throw फेंकना	Threw फेंकना	Thrown फेंका हुआ
Tread कुचलना	Trod कुचला	Trodden, trod कुचला हुआ
Wear पहनना	Wore पहना	Worn पहना हुआ
Weave बुनना	Wove बुना	Woven बुना हुआ
Write लिखना	Wrote लिखा	Written लिखा हुआ

जानना चाहिये कि सात Participle नीचे लिखे किसी tense के विभाग नहीं है और उनका प्रयोग सदा Verbal adjectives के समान हुवा करता है जैसे कि —

Verbal adjectives	Part of some tense
Our boundon duty हमारे आवश्यकीय कर्त्तव्य	They were bound by their promise वे अपनी प्रतिज्ञा से बंधन किये गये थे
A drunken man बड़ा शराबी आदमी	They had drunk much wine उन्हों ने बहुत मदिरा पीलीथी
A sunken ship पैठा हुआ जहाज	The ship had sunk under the water जहाज पानी में पैठ गया था
A stricken deer तीर से बेधा हुआ हिरन	The deer was struck with an arrow हरिण तीर से बेधा गया था
The shrunken stream सङ्कुचित नदी	The stream had shrunk in its bed नदी अपने तल हटी से लग के सङ्कुचित हो गई थी (सूखगई थी)
Illgotten wealth नीच कमाईका धन	He had got wealth by ill means उसने बुरी कमाई से धन प्राप्त किया था
A hidden meaning अनमाना अर्थ	The meaning is hid (or hidden) इसका अर्थ बे मालुम है

(२) समूह

Present (वर्त्तमान)	Past (भूत)	P. participle (पूर्णकृदंत
Abide बसना	Abode बसगया	Abode बसाहुआ
Awake जागना	Awoke जागा	Awoke जागा हुआ
Become होना	Became हुआ	Become हुआ
Begin आरम्भ करना	Began आरम्भकिया	Begun आरम्भ किया हुआ
Behold देखना	Beheld देखा	Behold, *Beholden देखा हुआ
Cling चिपके रहना	Clung चिपकारहा	Clung चिपका हुआ

* Beholden का अर्थ उपकारी है

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्णकृदत)
Come आना	Came आया	Come आया हुआ
Dig खोदना	Dug खोदा	Dug खोदा हुआ
Fight लड़ना	Fought लड़ा	Fought लड़ा हुआ
Find पाना	Found पाया	Found पाया हुआ
Fling फेंकना	Flung फेंका	Flung फेंका हुआ
Grind पीसना	Ground पीसा	Ground पीसा हुआ
Hold पकड़ना	Held पकड़ा	Held पकड़ा हुआ
Ring बजाना	Rang बजाया	Rung बजाया हुआ
Run दौड़ना	Ran दौड़ा	Ran दौड़ा हुआ
Shine चमकना	Shone चमका	Shone चमका हुआ
Sing गाना	Sang गाया	Sang गाया हुआ
Sit बैठना	Sat बैठा	Sat बैठा हुआ
Sling गोफन चलाना	Slung गोफन चलाया	Slung गोफन चलाया हुआ
Slink पेट गिराना	Slunk पेट गिराया	Slunk पेट गिराया हुआ
Spin कातना	Spun काता	Spun काता हुआ
Spring उछलना	Sprang उछला	Sprung उछला हुआ
Stand खड़ा होना	Stood खड़ा हुआ	Stood खड़ा हुआ
Stave तोड़ना	Stove Staved तोड़ा	Stove, Stoved तोड़ा हुआ
Stick चिपकना	Stuck चिपका	Stuck चिपका हुआ
Sting डंक मारना	Stung डंक मारा	Stung डंक मारा हुआ
Stink दुर्गंध आना	Stank दुर्गंध आई	Stunk दुर्गंध आइ
String पिरोना	Strung पिरोया	Strung पिरोया हुआ
Swim तैरना	Swam तैरा	Swum तैरा हुआ
Swing झूलना	Swing झूला	Swung झूला हुआ
Win जीतना	Won जीता	Won जीता हुआ
Wind घुमाना	Wound घुमाया	Wound घुमा हुआ
Wring निचोड़ना	Wrung निचोड़ा	Wrung निचोड़ा हुआ

Group 111 (१) समूह Mixed verb

यह verbs आधे Strong और आधे Weak verbs है

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P participle (पूर्ण कृदन्त)
Beat मारना	Beat मारा	Beten मारा हुआ
Cleave चारना	Clove, cleft चारा	Cloven cleft चारा हुआ
Climb चढना	Clomb, Climbed चढा	Ceimbed चढा हुआ
Crow काय २ करना कौवेका	Crew, Crowed	Crown crowed
Do करना	Did (Irregular क्रिया)	Done किया हुआ
Grave खोदना	Graved खादा	Graven, graved खोदा हुआ
Hang लटकाना	Hung लटकाया	Hung लटकाया हुआ
Hang फांसीदेना	Hanged, फांसीदिया	Hanged फांसी दिया हुआ
Hew कुल्हाडासे काटना	Hewed कुल्हाडा से काटा	Hewn कुल्हाडा से काटाहुआ
Lade लादना	Laded लादा	Laden लादा हुआ
Melt गलना	Melted गला	Molten, Melted गला हुआ
Mow काटना, खतका	Mowed काटा	Mown काटा हुआ
Prove सिद्ध करना	Proved सिद्धकिया	*proven proved सिद्ध किया हुआ
Rive फाड़ डालना	Rived फाड़ डाला	Riven फाडडाला हुआ
Rot सड़ना	Rotted सड़गया	Rotten Rotted सड़ाहुआ
Saw आरेसे चारना	Sawed आर से चारा	Sawn आरे से चारा हुआ
Shape घड़ना	Shaped घड़ा	*Shapen, Shaped घड़ा हुआ
Shave मूड़ना	Shaved मूड़ा	Shaven मूड़ा हुआ
Shear कतरना	Sheared कतरा	Shorn Sheared कतरा हुआ
Show दिखाना	Showed दिखाया	Shown दिखाया हुआ
Seethe उबालना	Seethed उबाला	Sodden, Seethed उबाला हुआ

Present (वर्त्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Sew साना	Sowed सीया	Sewn सीया हुआ
Sow बोना	Sowed बोया आगे	Sown बोया हुआ
Stave ढकेलना आगे	Stove Staved ढकेला	Stove Staved आगे ढकेला हुआ
Straw छितराना	Strewed छितराया	Strewed or Strown छितराया हुआ
Swell फूलना, सूजना	Swelled सूजगया	Swollen सूजा हुआ
Thrive उन्नति करना	Throve, Thrived } उन्नतिकिया	Thrived Thriven { उन्नतिकिया हुआ
Wash धोना	Washed धोया	Washen, Washed धोया हुआ
Writhe मोडना	Writhed मोडा	× Writhen, Writhed मोडा हुआ

इन Participles का प्रयोग verbal adjective के समान हर समय हुआ करता है जैसे— A graven image घडी घडाइ वा खुदी खुदाइ मूरत A molten image—गली गलाई मूरत A rotten सडी timber—सडी हे लकडी Sodden rice—रधा रधाया भात A shorn goat—(बनारा सत्रारा बकरा) A well sewn cloth—खूबसिला सिलाया कपडा Unwashen hand—बिगर धूले हाथ A hewen log—तुडा तुडाया लकडी का लट्ठा

यदि Weak verbs के शेष म एक ही Consonant हो या उस के पहले एक ही Vowel हो या उस Consonant पर भार दे कर उसका उच्चारण होता हो तो वह Consonant ed लगानेसेद्वित हो जाएगा जैसे—Drop dropped गिरना Control, (बरदास्त करना) controlled, पर ऐसे शब्द जसे—Lengthen जिन के कि शेष के Syllable पर उच्चारण के समय भार न पडे या वह शब्द जिनमें कि एक Vowel न हो जैसे—Boil या ऐसे शब्द जिनमें कि एक ही Consonant न हो तो ऐसे शब्दों में Consonant double नहीं होता जैसे—Fold Folded मोडा Boiled उबाला up कभी कभी किसी शब्द के शेष में L होता है तो उस पर उच्चा

*यह Participles सदा काव्य ही मे प्रयोग कियाजाता है

रण के समय भार न पडने पर भी L द्वित्त हो जाता है जैसे travel (यात्रा करना) Travelled यदि L के पहले दो Vowel हो तो L द्वित नहीं होता जैसे—travel (छाती तोड मेहनत करना) travcled

वह Verbs जिन का कि Past tense मे बनाते है और जो कि Weak verbs कहलाते है ,

Present (वत्तमान)	Past (भूत)	P Participles (पूर्ण कृदन्त)
Burn जलाना	Burnt जलाया	Burnt जला हुआ
Creep रेंगना	Crept रगा	Crept रगा हुआ
Deal व्यापार करना	Dealt व्यापार किया	Dealt व्यापार किया हुआ
Dream स्वप्न देखना	Dreamt, dreamed	Dreamt, dreamed
Dwell बसना	Dwelt बसा	Dwelt बसा हुआ
Feel मालूम करना	Felt मालूम किया	Felt मालूम कियाहुआ
Keep रखना	Kept रखा	Kept रखा हुआ
Knell घुटनोंके बल बैठना	Knelt घुटनोंके बलबैठा	Knelt घुटनोंकेबल बैठाहुआ
Lean झुकना, टिकना	Leant झुका	Leant झुका हुआ
Mean चाहना	Meant चाहा	Meant चाहा हुआ
Sleep सोना	Slept सोया	Slept सोया हुआ
Spell हिज्जे करना	Spelt हिज्जे किया	Spelt हिज्जेकियाहुआ
Spill छिडकना	Spilt छिडका	Spilt छिडका हुआ
Spoil नष्ट करना	Spoilt, spoiled नष्टकिया	Spoilt, Spoiled } नष्ट कियाहुआ
Smell सूघना	Smelt सूघा	Smelt सूघा हुआ
Sweep झाडना	Swept झाडा	Swept झाडा हुआ
	निम्न लिखित शब्द भी इसी समूह में है	
Cleave चीरना	Cleft चिरा	Cleft चिरा हुआ
Flee भागना	Fled भागा	Fled भागा हुआ
Have रखना	Had रखा	Had रखा हुआ
Hear सुनना	Heard सुना	Heard सुना हुआ
Lay रखना	Laid रखा	Laid रखा हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्णकृदत)
Leave छोड़ना	Left छोड़ा	Left छोड़ा हुआ
Lose खोदेना	Lost खोदिया	Lost खोदिया हुआ
Make बनाना	Made बनाया	Made बनाया हुआ
Pay चुकती करना	Paid चुकाया	Paid चुकाया हुआ
Say कहना	Said कहा	Said कहा हुआ
Shoe नाल जड़ना	Shod नाल जड़ा	Shod नाल जड़ा हुआ

उन Weak verbs का समूह जिन के मध्यस्थ Vowel के बदल देने से उनका past tense बनता है

Beseech विनती करना	Besought विनती किया	Besought विनती किया हुआ
Bring लाना	Brought लाया	Brought लाया हुआ
Buy मोल लेना	Bought मोललिया	Bought मोल लिया हुआ
Can सकना	Could सका	Could नहीं है
Catch पकड़ना	Caught पकड़ा	Caught पकड़ा हुआ
Dare साहस करना	Durst, dared साहस	Dared साहस किया हुआ
May सकना	Might सका	Might (नहीं है)
Owe मालिक होना	Owed, मालिक हुआ	Owed मालिक हुआ
Seek ढूढ़ना	Sought ढूढ़ा	Sought ढूढ़ा हुआ
Sell बेचना	Sold बेचा	Sold बेचा हुआ
Shall गा	Should गा	Should (नहीं है)
Teach सिखाना	Taught सिखाया	Taught सिखाया हुआ
Tell कहना	Told कहा	Told कहा हुआ
Think सोचना	Thought सोचा	Thought सोचा हुआ
Will गा, इच्छा करना	Would गा, इच्छा किया	Would (नहीं होता)
Work काम करना	Worked काम किया	Wrought, worked

इन Verbs का तीनों रूप समान है

Bet शर्त्त बदना	betted, bet शर्त्त बदा	bet, betted शर्त बदा हुआ
Burst खिलना, फूटना	burst खिला फटा	Burst खिला हुआ, फूटा हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P participles (भूतकृदंत)
Cast फेंकना	cast फेंका	cast फेंका हुआ
Cost खर्च करना	cost खर्च किया	cost खर्च किया हुआ
Cut काटना	cut काटा	cut काटा हुआ
Hit ठोकर मारना	hit ठोकर मारा	hit ठोकर मारा हुआ
Hurt चोट लगना	hurt चोट लगा	hurt चोट लगा हुआ
Knit गाठ लगाना	knit, knitted गाठलगा	knit, knitted } गाठ लगा हुआ
Let परवानगी देना	let परवानगी दिया	let परवानगी दिया हुआ
Put रखना	put रखा	put रखा हुआ
Quit छोडना	quit, quitted छोडा	quit, quitted छोडाहुआ
Rid अलग रहना	rid अलग रहा	rid अलग रहा हुआ
Set अस्तहोना	set अस्त हुआ	set अस्त हुआ
Shed गिराना	shed गिराया	shed गिराया हुआ
Shred टुकडे २ करना	shred टुकडे २ किया	shred टुकडे २ किया हुआ
Shut बंद करना	shut बंद किया	shut बंद किया हुआ
Slit चीरना	slit चीरा	slit चीरा हुआ
Spit थूकना	spit, spat थूका	spit, spat थूका हुआ
Split चीरना	split चीरा	split चीरा हुआ
Spread फैलाना	spread फैलाया	spread फैलाया हुआ
Sweat पसीजना	sweat पसीजा	sweat पसीजा हुआ
Thrust घुसेडना	thrust घुसेडा	thrust घुसेडा हुआ
Wed शादी करना	wed, wedded शादीकिया	wed, wedded } शादीकियाहुआ

इसी समूह में कुछ verbs ऐसे हैं जिन के शेष मे d होता है और उस d को t मे बदल देने से उन का Past tense और Past participles बनता है

Bend झुकाना	bent झुका	bent झुका हुआ
Build बनाना	built बनाया	built बनाया हुआ
Gild सुनहला करना	gilt, gilded सुनहला किया	gilt, gilded } सुनहला किया हुआ

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Gird लपेटना	girt, girded लपेटा	girt, girded लपेटा हुआ
Lend उधारदेना	lent उधार दिया	lent उधार दिया हुआ।
Rend फाड डालना	rent फाड डाला	rent फाड डाला हुआ
Send भेजना	sent भेजा	sent भेजा हुआ
Spend खर्च करना	spent खर्च किया	spent खर्च किया हुआ
Wend जाना	went गया	went नहीं है

उन शब्दों का समूह जिन का Past tense vowel के घटाने से बनता है

Present (वर्तमान)	Past (भूत)	P Participle (पूर्ण कृदन्त)
Bleed बहना खूनका	bled खून बहा	bled खून बहा हुआ
Breed पैदा करना	bred पैदा किया	bred पैदा किया हुआ,
Feed खिलाना	fed खिलाया	fed खिलाया हुआ
Speed जल्दी करना	sped जल्दी किया	sped जल्दी किया हुआ
Meet मिलना	met मिला	met मिला हुआ
Lead लेजाना	led लेगया	led लेगया हुआ
Light उजाला करना	Lighted, lit उजालाकिया	Lighted { उजाला किया हुआ
Read पढना	read पढा	read पढा हुआ
Shoot मारना	shot मारा	shot मारा हुआ

निम्न लिखित दृष्टांतों में जहां जहा Participle का प्रयोग Adjective या tense के समान हुआ है उस पर ध्यान दो —

Verbal adjective	Part of some tense
A lighted candle	The candle is lit or lighted
जली जलाई बत्ती	बत्ती जलाई गइ है
Roast meet	The meat is roasted
भुजा भुजाया मांस	मांस भुजा गया है
Wrought iron	The ox is worked too hard
बरता बरताया लोहा	बैल से बे तरह काम लिया गया है

Conjugation of auxiliary and Defective verbs

(1) Be

Tenses and Moods	Singular 1st Person	2nd Person	3rd Person	Plural of allPersons
Present { Indicative	Am	Art	Is	Are
Subjunctive	Be	Be	Be	Be
Past { Indicative	Was	Wast	Was	Were
Subjunctive	Were	Wert	Were	Were

Infinitive	Imperative	Present Participle	Perfect Participle
To be	be	Bring	Having been

इस verb का प्रयोग ३ प्रकार से होता है

(१) Intransitive verb के Comple teprodication के समान केवल कायम होने के तात्पर्य म जैसे—God is=God exists परमेश्वर है अर्थात कायम है

(२) Intransitive verb के Incomplete predication के समान जैसे—Ram is a good boy

(३) Auxiliary verb के समान जिस से कि Passive verb के सब tenses और Active verb के सब Continuous tenses इसी की सहायता से बनते हैं

(2) Can

Tenses	Singular 1st Person	2nd Person	3rd Person	Plural of allPersons
Pre ent	Can	Canst	Can	Can
Past	Could	Couldst	Could	Could

इसका प्रयोग परवानगी, बल और शक्ति के अभिप्राय से किया जाता है जैसे— He can go—वह जा सक्ता है, अर्थात यह उसकी इच्छा थी कि वह जाए या न जाए पर उस को परवानगी दे दी है। He can not run as fast as you वह तुम्हारी तरह तेज नहीं दौड़ सक्ता, अर्थात उस में बल और शक्ति तुम्हारे इतनी नहीं है

(3) Do

Tenses	Singular 1st Person	2nd Person	3rd Person	Plural of allPersons
Present	Do	Dost	Does	Do
Past	Did	Didst	Did	Did

Infinitive	Imprative	Present participle	Past Participle
To do	Do	Doing	Having done

जब 'do' का अर्थ करने का होता है तो वह Transitive verb के सब moods और tenses में उसका Conjugation होता है, जैसे—You are doing what I have done already—जो कुछ मैं पहले ही से कर चुका हुं सो तुम अब कर रहे हो। जब कि "do" का विधान auxiliary verb के समान होता है, तब do present और past tense म होता है। यह Indicative mood में भार देने, इनकार करने आज्ञा देने और प्रश्न पूछने के लिये भी प्रयोग कियाजाता है। जैसे—I do not go—मैं नहीं जाता। Do not go—मत जाओ। Do you go? क्या तुम जाते हो?

Do का प्रयोग किसी आये हुए verb को दूसरी बार न प्रयोग करनेके लिये भी कियाजाता है, जैसे—You need not go as soon as you did yesterday तुम्हारे इतने जल्दी जानेकी आवश्यकता नहीं है जैसे कि तुम कल गए थे।

(1) Dare

Tenses	Singular			Plural
	1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Dire	Darest	Dares Dare	Dare
Past	Durst Dared	Durst Dared	Durst Dared	Durst Dared

Infinitive	Imperative	Present Participle	Past Participle
To dare	Dare	Daring	Having Dared

इसका प्रयोग verb के Incomplete predication के समान 'साहस करने' के अर्थ में होता है इस अवसर में यदि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य में किया जाए तो सदा इसका third present singular 'dare' होता है और 'dares' कभी नहीं होता जैसे—he dare not go home—घर जाने का वह साहस नहीं करता है यदि इसी वाक्य को स्वीकारक पद में प्रयोग करें तो इसका third present singular 'dares' होगा और dare कभी नहीं होगा जैसे—He dares to go home वह घर जाने का साहस करता है

यदि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य के Past tense में किया जाए तो इस के Past tense "durst" को प्रयोग में लाना चाहिये 'Dared' तो प्राय कभी कभी ऐसे अवसर में प्रयोग किया जाता है किन्तु बहुधाकर 'durst' ही प्रयोग में आता है जैसे—He durst not (or dared) not go home उसने घर जाने की साहस न की यदि इसीका प्रयोग स्वीकारक वाक्य मे किया जाय तो इस के Past tenes dared को प्रत्येक व्यवस्था में प्रयोग करना चाहिये और durst का ऐसे अवसर में प्रयोग करना उचित नहीं मुहावरे में 'I dare say' का अर्थ है "कदाचित मैं कहता हूं"

और जब कि इसका प्रयोग Transitve verb के साथ होता है तब इसका अर्थ 'सामना करने' का होता है ऐसे समय में इसका विधान regular verb के समान प्रत्येक mood और tense में होता है जैसे—He dares me to fight वह मुझ से लड़ने के लिये साम्हाना करता है He dared me to my face उसने मेरे रूबरू मेरा साम्हना किया

(5) Have

Tenses with moods		Singular			Plural of
		1st Person	2nd Person	3rd Person	all Persons
Present	Indicative	Have	Hast	Has	Have
	Subjunctive	Have	Have	Have	Have
Past	Indicative	Had	Hadst	Had	Had
	Subjunctive	Had	Hadst	Had	Had

Infinitive	Imperative	Present Participle	Past Participl
To have	Have	Having	Having had

जब कि "have" का Transitive verb के समान प्रयोग किया जाता है तो यह अधिकार प्रगट करता है ऐसे समय इसका विचार Regular verb के समान प्रत्येक mood और tense मे किया जासक्ता है जैसे—We have four goats and twenty sheep हम चार बकरी और २० भेड रखते है अर्थात् हमारे अधिकार मे है वा पास है और जब कि इसका प्रयोग auxiliary verb के समान होता है, तब इसी की सहायता से Perfect tenses के moods, active और passive बनाए जाते हैं

(6) May

Tenses	Singular			Plural of
	1st Person	2nd Person	3rd Person	All Persons
Present	May	Mayest	May	May
Past	Might	Mightest	Might	Might

यह verb परवानगी, सभावना, अभिलाषा और आशय प्रगट करने के लिये प्रयोग किया जाता है. जैसे—you may leave the room तुम कमरा छोड सक्ते हो अर्थात् तुम को छोड़ने की परवानगी दे दी गई है I might go, if I tried यदि मैं चेष्टा करता तो (कदाचित) जासक्ता था Ram may yet come राम (कदाचित) फिर भी आए May, Heaven, protect thee ईश्वर तुझे बचाए अर्थात ईश्वर से अभिलाषी वा प्रार्थनीय हू के तू बच जाय ईश्वर करे तु बचे इसी प्रकार I ran fast and I worked hard that I might win the prize मैं दृढता से दौड़ा और मैंने बड़ी परिश्रम की, कि मैं पारितोषिक जीत लू

(7) Might

इस क्रिया के अब रूपान्तर नहीं हैं आदि से यह एक प्राचीन क्रिया motan का Past tense है जिस का अर्थ लाचार होनेका है और यह अब प्रयोग में नहीं आता "Must" अब Past tense से कोई सबध नही रखता, किंतु वह वर्तमान और भविष्य काल में आवश्यकता या बलात्कार किसी बड़े प्रबल अभिप्राय, निश्चितार्थ प्रबल या बहुत ही बड़े निर्णय सूचक वाक्य और कर्तव्य अथवा बहुत ही कठिन लाचारी के बोध करने के लिये प्रयोग में आता है जैसे—

(1) What must come, must—जो कुछ होना है, अवश्य होगा

(2) I must finish this, before they come मैं उन के आनेके पहले इस को अवश्य समाप्त करूंगा

(3) He must be dead by this week—वह इसी सप्ताह में अवश्य मरेगा

(4) You must pay your rent—तुम को अपना भाड़ा चुकि कर देना चाहिये

(8) Need

इस स्वाधीन किया का अर्थ 'आवश्यकता' का है ऐसे समय में इसका विधान इस के सब काल और रूप रूपान्तर में किया जाता है जब कि इसका प्रयोग अस्वीकारक वाक्य में किया जाता है, तब इसका third person singular "need" होता है और 'needs' नहीं होता, जैसे—कि dares के बदले dare प्रयोग में आता है जैसे—He need not go any way—उस को किसी रस्ते जाने की आवश्यकता नहीं है

ऐसे ऐसे वाक्य जैसे कि "he must needs go" "उस को अवश्य करके जाना चाहिये," needs वास्तव में s के साथ प्रयोग किये जाने के कारण Possessive case है, जिस के पहले कि apostraphe छूट गया है, इसलिये needs=need's=of need=of necessity=necessarily इस लिये needs 'adverb' हो गया, क्यों कि यह 'go' का गुण वर्णन करता है

(9) Ought

Tenses	Singular			Plural of all Persons
	1st Person	2nd Person	3rd Person	
Present or Past	Ought	Oughtest	Ought	Ought

आदि से यह verb 'owe' का Past tense है जैसे—you ought (owed) him a hundred rupees तुम उस के १००) रुपये के कर्जदार हो वर्तमान की इंग्रेजी भाषा में "ought" का प्रयोग केवल "कर्त्तव्य" का बोध करने के लिये किया जाता है जैसे—you ought to obey your parents, and you are expected to do so

तुम को अपने माता पिता का आज्ञाकारी होना चाहिये और तुम से ऐसा होने की आशा है You ought to have done it, but you did not do it तुम को इसे कर लेना चाहिये था, पर तुमने इसे किया नहीं

(10) Quoth

Quoth का अर्थ "कहता है" या "कहा" होता है इस लिये यह past और present दोनों में प्रयोग किया जाता है यह केवल third person singular number में प्रयोग किया जाता है और अपने कर्त्ता के सदा पहले प्रयोग में आता है जैसे —"Fate would have its way" quoth he उसने कहा कि जो कुछ नसीब में बदा है, सो अवश्य होगा

(11) Shall

Tenses	Singular			Plural of all Persons
	1st Person	2nd Person	3rd Person	
Present	Shall	Shalt	Shall	Shall
Past	Should	Shouldst	Should	Should

इस verb का और कोई tense नहीं है और इस का Infinitive mood नहीं होता केवल Future indicative के first person में 'shall' और Subjunctive mood के सब persons मे 'should' का प्रयोग होना सदा सर्वदा उचित है Future Indicative Mood के Second और third persons में 'shall' के प्रयोग करने से भविष्यकाल के अतिरिक्त सदा आज्ञा का बोध हुवा करता है जैसे —you shall come if he should see—यदि वह मुलाकात करे तो तुम को जाना पड़ेगा He shall come by a week वह एक सप्ताह में आए गा

यदि कर्त्तव्य और निर्णय प्रगट करना होतो 'shall, का प्रयोग न कर के केवल 'should का ही प्रयोग करना चाहिये जैसे —I should do this यह मुझे करना चाहिये , अर्थात इस के करने का कर्त्तव्य मेरा है -I should have done this—यह मुझे कर लेना चाहिए था, अर्थात इसका करना मेरा कर्त्तव्य था

He should have arrived by this time इस समय वह पहुच गया होगा अर्थात इस समय में उसके पहुचने का निर्णय हो चुका है

यदि आशय प्रगट करना होतो Conjunction 'lest' के पश्चात केवल should ही का प्रयोग में लाना सदा उचित है। जैसे—He worked hard lest he should fail उसने कड़ी परिश्रम की कि उसका किया निष्फल न जाए।

(12) WILL

Tenses	Singular			Plural of all Persons
	1st Person	2nd Person	3rd Person	
Present	Will	Wilt	Will	Will
Past	Would / Willed	Wouldst / Willedst	Would / Willed	Would / Willed

Infinitive	Imperative	Present Participle	Past Participle
To Will		willing	having willed

इस क्रीया का प्रयोग कई प्रकार से होता है।

(१) केवल second और third persons के Future Indicative (moods) 'will'को सहायता ही से बनतेहै और Subjunctive mood के सबpersons केवल 'would' की सहायता से। जैसे—you will go-तुम जाओगे। He will go-वह जाए गा। If he should see he would know—यदि वह मिलेगा तो वह जानेगा।

यदि बोलने वाला कोई अपनी अभिलाषा प्रगट करना चाहे तो shall के बदले 'will' का प्रयोग इस अवसर में सदा first person में हुवा करता है। जैसे—I will not go मै नहीं जाऊ गा

'Will का प्रयोग auxiliary verb के समान स्वभाव अथवा आदत प्रगट करने के लिये किया जाता है। ऐसे अवसर में 'will' शब्द पर Present Indicative और 'would' पर Past Indicative का भार आकर पड़ता है। जैसे—He will come every day वह प्रतिदिन आया करेगा अर्थात उस का स्वभाव और आदत प्रतिदिन आने का है। ऐस ही He would come वह आया करता था। जब कि 'will' auxiliary अर्थात सहायक क्रिया नहीं होता तब इसका अर्थ होता है कि "लिखा पढ़ी करके किसी के नाम पर अपनी सम्पती को छोड़ देना।" ऐसे अवसर में इसी 'will' का Past tense willed होता है, would कदापि नहीं

होता। जैसे—He willed that all his property should go to his son उसने लिखा पढीसे निर्णय किया कि उस की सब सपत्ति उस के पुत्र को मिले।

(13) Wit

"Wit" क्रिया का अर्थ है,'जानना"। केवल इसके थोडे ही से रूपान्तर का प्रयोग हुवा करता है और शेष एक मात्र प्रयोग में नही आते। इस के Infinitive रूप (to wit) का अर्थ "अर्थात" है, जोकि आज दिन न्यायालय की लिखा पढी के प्रयोग मे अधिक आता है। जैसे—He left me by will all his buildings, to wit three—वह लिखा पढी के साथ अपने सब भवन मेरे वास्ते छोड गया, अर्थात तीन (भवन)।

इस का Present participle का प्रयोग negative adverbial form अर्थात अस्वीकारक क्रिया विशेषण के रूप unwittingly में होता है जिसका अर्थ है "न जानकर के"। जैसे—He can not blame you for it, since he did it unwittingly—वह तुम को इस के लिये कलक नही लगा सका, क्यो कि उसने यह अनजाने किया है। Indicative mood के Present और Past में भी इस का प्रयोग होता है। जैसे—He wot neither what he babbles nor what he means—जो कुछ कि वह बकाहै या जो कुछ कि वह चाहता है उस को वह आप नही जानता। अर्थात वह नहीं जानता है कि मैं क्या बकता हू या क्या चाहताहू। (Past) They wist not what had become of him वे नहीं जानते थे कि उस का क्या हुवा।

(14) Worth

ऐसे वाक्यो में इसका प्रयोग होता है कि जैसे —woe worth the day—ऐसे दिन का बुरा हो यहा 'worth' का अर्थ be अर्थात होना है। ऐसी जगह day objective case में होता है। 'worth' उस verb का subjunctive mood है जिस का अर्थ 'होना' "to be" 'to become' है।

जिस क्रिया का कर्त्ता (Subject) 'It' होता है और किसी Personal pronoun के पहले Objective case में प्रयोग किया जाता है तो Impersonal verbs कहलाता है। जैसे—It shames me to hear this इसके सुनने से मुझे लज्जा मालुम होती है। निम्न लिखित तीन दृष्टान्त ऐसे है, जिन में कि

'It, के बदले 'me' आता है Methinks=it thinks me=I think=मुझे सोच आता है। Meseems=it seems to me=मुझे मालूम होता है। Melists=it seems to me or pleases me=मुझे मालुम होता है या अच्छा लगता है।

Transitive Irregular verb 'To take' का पूर्ण विधान।

ACTIVE VOICE

Present take लेते है Past 'took' लिया Perfect participles taken लिया हुवा।

INDICATIVE MOOD निश्चार्थ रूप صورت سادہ

Present Indefinite—सामान्यवर्त्तमान (معرف) حال

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
1 I take—मैंलेता हू	1 We take—हमलेते हैं।
2 Thou takest—तूलेता है	2 You take—तुम लेते हो।
3 He, she or it takes or taketh वह लेताया लेतीहै	3 They take वेलेते हैं।

Past Indefinite—सामान्य भूत— ماضی مطلق

Singular एकवचन	Plural बहुवचन।
1 I took—मैंने लिया	1 We took—हमने लिया।
2 Thou tookest—तूने लिया	2 You took—तुमने लिया।
3 He, she or it took—उसने लिया	3 They took—उन्हो ने लिया।

Future Indefinite—सामान्य भविष्य— (معرف) مستقبل

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
1 I shall or will take—मैलु गा	1 We will or shall take हम लेंगे।
2 Thou wilt or shalt take तू लेगा	2 You will or shall take तुम लोगे।
3 He, she or it will or shall take वह लेगा या लेगी।	3 They will or shall take वे लेगे।

होता। जैसे—He willed that all his property should go to his son उसने लिखा पढ़ीसे निर्णय किया कि उस को सब संपत्ति उस के पुत्र को मिले।

(13) Wit

"Wit" क्रिया का अर्थ है,'जानना"। केवल इसके थोड़े ही से रूपान्तर का प्रयोग हुवा करता है और शेष एक मात्र प्रयोग में नहीं आते। इस के Infinitive रूप (to wit) का अर्थ "अर्थात" है, जोकि आज दिन न्यायालय की लिखा पढ़ी के प्रयोग में अधिक आता है। जैसे—He left me by will all his buildings, to wit three—वह लिखा पढ़ी के साथ अपने सब भवन मेरे वास्ते छोड़ गया, अर्थात तीन (भवन)।

इस का Present participle का प्रयोग negative adverbial form अर्थात अस्वीकारक क्रिया विशेषण के रूप unwittingly में होता है जिसका अर्थ है "न जानकर के"। जैसे—He can not blame you for it, since he did it unwittingly—वह तुम को इस के लिये कलंक नहीं लगा सका, क्यों कि उसने यह अनजाने किया है। Indicative mood के Present और Past में भी इस का प्रयोग होता है। जैसे—He wot neither what he babbles nor what he means—जो कुछ कि वह बकाहै या जो कुछ कि वह चाहता है उस को वह आप नहीं जानता। अर्थात वह नहीं जानता है कि मैं क्या बकता हूं या क्या चाहताहूं। (Past) They wist not what had become of him वे नहीं जानते थे कि उस का क्या हुवा।

(14) Worth

ऐसे वाक्यों में इसका प्रयोग होता है कि जैसे —woe worth the day—ऐसे दिन का बुरा हो यहां 'worth' का अर्थ be अर्थात होना है। ऐसी जगह day objective case में होता है। 'worth' उस verb का subjunctive mood है जिस का अर्थ 'होना' "to be" 'to become' है।

जिस क्रिया का कर्त्ता (Subject) It' होता है और किसी Personal pronoun के पहले Objective case में प्रयोग किया जाता है तो Impersonal verbs कहलाते है। जैसे—It shames me to hear this इसके सुनने से मुझे लज्जा मालुम होती है। निम्न लिखित तीन दृष्टान्त ऐसे है, जिन में कि

Past perfect or pluperfect—पूर्ण भूत ماضی بعید

Singular एक वचन	Plural एक वचन
1 I had taken मैंने चुका था	1 We had taken हमने चुके थे
2 Thou hadst taken तूने चुका था	2 You had taken तुमने चुके थे
3 He, she or it had taken वहले चुका (याथु की थी) था।	3 They had taken वेले चुके थे

Future perfect पूर्ण भविष्य (مستقبل (تمامیہ (اردومیں نہیں ہے)

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I shall or will have taken मैंले चुकू गा	1 We shall or will have taken हम ले चुके गे
2 Thou shalt or wilt have taken तूने चुके गा	2 You shall or will have taken तुम ले चुको गे
3 He, she or it shall or will have taken वह ले चुके गा (या गी)	3 They shall or will have taken वे ले चुके गे

Present perfect Continuous (पूर्ण पूर्ण वर्तमान हिन्दी और उर्दू में नहीं होता (حال (کامل مضارعہ اردو میں نہیں ہے

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I have been taking मैं लेता रहा हूं	1 We have been taking हम लेते रहे हैं
2 Thou hast been taking तू लेता रहा है	2. You have been taking तुम लेते रहे हो
3 He she or it has been taking वह लेता रहा या लेती रही है	3 They have been taking वे लेते रहे हैं।

Past perfect continuous पूर्ण पूर्ण भूत काल (ماضی (کامل مضارعہ

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I had been taking मैं लेता रहा था	1 We had been taking हम लेते रहे थे

Present Imperfect or progressive—अपूर्ण वर्त्तमान (حال (ناتمامیہ

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
1 I am taking मैं ले रहा हूं	1 We are taking हम ले रहे हैं।
2 Thou art taking तू ले रहा है	2 You are taking तुम ले रहे हो।
3 He, she or it is taking वह ले रहा या रही है।	3 They are taking वे ले रहे हैं

Past Imperfect or progressive—अपूर्ण भूत (ماضی (ناتمامیہ

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I was taking मैं ले रहा था	1 We were taking हम ले रहे थे।
2 Thou wast taking तू ले रहा था	2 You were taking तुम ले रहे थे।
3 He, she or it was taking वह ले रहा या रही थी।	3 They were taking वे ले रहे थे।

Future Imperfect or progressive—अपूर्ण भविष्य (مستقبل (ناتمامیہ

Singular एक वचन	Plural बहुवचन
1 I shall or will be taking मैं लेता रहूं गा	1 We shall or will be taking हम लेते रहेंगे
2. Thou shalt or wilt be taking तू लेता रहेगा	2 You shall or will be taking तुम लेते रहो गे
3 He she or it shall or will be taking वह लेता रहे गा या लेती रहे गी	3 They shall or will be taking वे लेते रहें गे

Present perfect पूर्ण वर्त्तमान ماضی قریب

Singular एक वचन	Plural बहुवचन
1 I have taken मैं ले चुका हूं।	1 We have taken हम ले चुके हैं।
2 Thou hast taken तू ले चुका है।	2 You have taken तुम ले चुके हो।
3 He she or it has taken वह ले चुका या चुकी है।	3, They have taken वे ले चुके हैं।

Past perfect or pluperfect—पूर्ण भूत ماضی بعید

Singular एक वचन	Plural एक वचन
1 I had taken मैंने चुका था	1 We had taken हमने चके थे
2 Thou hadst taken तूने चुका था	2 You had taken तुमने चुके थे
3 He, she or it had taken वहने चुका (यासु की थी) था।	3 They had taken वेने चुके थे

Future perfect पूर्ण भविष्य (تمامیہ) مستقبل (اردو میں نہیں ہے)

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I shall or will have taken मैं ले चुकू गा	1 We shall or will have taken हम ले चुके गे
2 Thou shalt or wilt have taken तू ले चुके गा	2 You shall or will have taken तुम ले चुको गे
3 He she or it shall or will have taken वह ले चुके गा (या गी)	3 They shall or will have taken वे ले चुके गे

Present perfect Continuous (पूर्णा पूर्ण वर्तमान हिन्दी और उर्दू में नहीं होता (حال (کامل مضارعہ اردو میں نہیں ہے)

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I have been taking मैं लेता रहा हू	1 We have been taking हम लेते रहे हैं
2 Thou hast been taking तू लेता रहा है	2 You have been taking तुम लेते रहे हो
3 He she or it has been taking वह लेता रहा या लेती रही है	3 They have been taking वे लेते रहे हैं।

Past perfect continuous पूर्णा पूर्ण भूत काल (کامل مضارعہ) ماضی

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I had been taking मै लेता रहा था	1 We had been taking हम लेते रहथे

2 Thou hadst been taking तू लेता रहा था।	2 You had been taking तुम लेते रहे थे
3 He, she or it had been taking वह लेता रहा था या लेती रही थी	3 They had been taking वे लेते रहे थे।

Future perfect continuous पूर्ण पूर्ण भविष्य काल (مستقبل کامل استمراری)

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 I shall or will have been taking मैं लेता रहूं गा	1 We shall or will have been taking हम लेते रहेंगे
2 Thou shalt or wilt have been taking तू लेता रहे गा	2 You shall or will have been taking तुम लेते रहो गे
3 He she or it shall or will have been taking वह लेता या लेती रहे गी	3 They shall or will have been taking वे लेते रहेंगे

SUBJUNCTIVE MOOD صورت شرطيه सङ्केत वाचक रूप।

Present Indefinite—सामान्य वर्त्तमान (حال معرد)

Singular एक वचन	Plural बहुवचन
1 If I take यदि मै लू	1 If we take यदि हम लें
2 If thou take यदि तू ले	2 If you take यदि तुमलो
3 If he, she or it take यदि वह ले	3 if they take यदि य लें

Past Indefinite—सामान्य भूत ماضی مطلق

Singular एक वचन	Plural बहु वचन
1 If I took यदि मैं लेता	1 If we took यदि हम लेते
2 If thou tookest यदितू लेता	2 If you took यदि तुम लेते
3 If he, she or it took यदि वह लेता	3 If they took यदि वे लेते

Future indefinite—सामान्य भविष्य مستقبل معروف

Singular एक वचन

1 If I should or would take यदि मैं लूं

2 If thou shouldest or wouldst take यदि तू ले

3 If he, she or it should or would take यदि वह ले

Plural बहु वचन

1 If we should or would take यदि हम लें

2 If you should or would take यदि तुम लो

3 If they should or would take यदि वे लें

Present Imperfect—अपूर्ण वर्त्तमान حال ناتمام

Singular एक वचन

1 If I am taking यदि मैं ले रहा हूं

2 If thou art taking यदि तू ले रहा है

3 If he she or it is taking यदि वह ले रहा या ले रही है

Plural बहु वचन

1 If we are taking यदि हम ले रहे हैं

2 If you are taking यदि तुम ले रहे हो

3 If they are taking यदि वे ले रहे हैं

Past Imperfect—अपूर्ण भूत (ماضی (ناتمام

Singular एक वचन

1 If I were taking यदि मैं लेता होता

2 If thou wert taking यदि तू लेता होता

3, If he, she or it were taking यदि वह लेता होता (या लेती होती)

Plural बहु वचन

1 If we were taking यदि हम लेते होते

2 If you were taking यदि तुम लेते होते

3 If they were taking यदि वे लेते होते

Future Imperfect—अपूर्ण भविष्य مستقبل ناتمام

Singular एक वचन | Plural बहु वचन

1 If I should be taking
यदि मैं लेता रहूं
2 If thou shouldst be taking
यदि तू लेता रहे
3 If he, she or it should be taking यदि वह लेता या लेती रहे

1 If we should be taking
यदि हम लेते रहें
2 If you should be taking
यदि तुम लेते रहो
3 If they should be taking
यदि वे लेते होते

Present perfect continuous—पूर्णापूर्ण वर्त्तमान حال کامل مضاریہ

1 If I have been taking
यदि मैं लेता रहा हूं
2, If thou hast been taking
यदि तू लेता रहा है
3 If he she or it have been taking यदि वह लेता रहा या लेती रही है

1 If we have been taking
यदि हम लेते रहे हो
2 If you have been taking
यदि तुम लेते रहे हो
3 If they have been taking
यदि वे लेते रहे हैं।

Past perfect continuous—पूर्णापूर्ण भूत (ماضی (کامل مضاریہ

1 If I had been taking
यदि मै लेता रहा था
2 If thou hadst been taking
यदि तू लेता रहा था
3 If he she, or it had been taking
यदि वह लेता रहा था या लेती रही थी

1 If we had been taking
यदि हम लेते रहे थे
2 If you had been taking
यदि तुम लेते रहे थे
3 If they had been taking
यदि वे लेते रहे थे

Future perfect continuous पूर्णापूर्ण भविष्य مستقبل کامل مضاریہ

1 If I should have been taking
यदि मैं लेता रहा होऊगा
2 If thou shouldst have been

1 If we should have been taking
यदि हम लेते रहे होए गे
2 If you should have been tak-

taking यदि तू लेता रहा होएगा
3 If he, she or it should have been taking यदि वह लेता रहा होवे गा या लेती रही होवे गी

ing यदि तुम लेते रहे होगे
3 If they should have been taking यदि वे लेते रहे होए गे

Imperative mood—आज्ञा सूचक रूप
2 Take ले or take thou लेतू
2 Take लो or take ye or you लोतुम

Infinitive mood—सामान्य रूप
Indefinite, to take लेना
Imperfect, to be taking लेते रहना
Perfect to have taken लेचकना
Perfect continuous, to have been taking लेते हुए रहचुकना

GERUND

Taking लेना
To take लेना

PARTICIPLES

Imperfect, taking लेता हुआ
Compound perfect participle having taken लिया हुआ
Perfect or past taken लिया हुआ
Perfect continuous, having been taking लेते रहते हुए

PASSIVEVOICE

TRANSITIVE REGULAR VERB TO "REACH"

INDICATIVE MOOD

Present Indefinite सामान्य वर्त्तमान
1 I am reached मैं पहुचाया गया हु
1, We are reached हम पहुचाए गए हैं
2 Thou art reached तू पहुचाया गया है
2 You are reached तुम पहुचाए गए हो

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

1 I shall have been reached मैं पहुंचाया जा चुकूंगा

2 Thou wilt have been reached तू पहुंचाया जा चुकेगा

3 He she or it will have been reached वह पहुंचाया जा चुकेगा या पहुंचाई जा चुकेगी

1 We shall have been reached हम पहुंचाए जा चुकेंगे

2 You will have been reached तुम पहुंचाए जा चुकोगे

3 They will have been reached वे पहुंचाए जा चुकेंगे

Perfect continuous—पूर्णापूर्ण काल

Wanting—नहीं होता

SUBJUNCTIVE MOOD

Present Indefinite—सामान्य वर्तमान

1 If I be reached यदि मैं पहुंचाया जाऊं

2 If thou be reached यदि तू पहुंचाया जाए

3 If he, she or it be reached यदि वह पहुंचाई जाए या पहुंचाया जाए

1 If we be reached यदि हम पहुंचाए जाएं

2 If you be reached यदि तुम पहुंचाए जाओ

3 If they be reached यदि वे पहुंचाए जाएं

Past Indefinite—सामान्य भूत

1 If I were reached यदि मैं पहुंचाया जाता

2 If thou wert reached यदि तू पहुंचाया जाता

3 If he, she or it were reached यदि वह पहुंचाया जाता या पहुंचाई जाती

1 If we were reached यदि हम पहुंचाए जाते

2 If you were reached यदि तुम पहुंचाए जाते

3 If they were reached यदि वे पहुंचाए जाते।

Future Indefinite सामान्य भविष्य

1, If I should be reached
यदि मैं पहुंचाया जाऊं

1, If we should be reached
यदि हम पहुंचाए जाए

2, If thou would be reached
यदि तू पहुंचाया जाए

2, If you would be reached
यदि तुम पहुंचाए जाओ

3, If he, she or it would be reached यदि वह पहुंचाया जाए या पहुंचाई जाए

3 If they would be reached
यदि वे पहुंचाए जाए

Present Imperfect—अपूर्ण वर्त्तमान

Wanting—नहीं होता

Past Imperfect—अपूर्ण भूत

1 If I were being reached यदि मैं पहुंचाया जाता था

1, If we were being reached
यदि हम पहुंचाए जाते थे

2, If thou wert being reached
यदि तू पहुंचाया जाताथा

2, If you were being reached
यदि तुम पहुंचाए जाते थे

3, If he, she or it were being reached यदि वह पहुंचाया जाता था या पहुंचाई जाती थी

3 If they were being reached
यदि वे पहुंचाए जाते थे।

Future Imperfect—अपूर्ण भविष्य

Wanting नहीं होता

Present Singular—पूर्ण वर्त्तमान

Singular एकवचन

1, If I have been reached
यदि मैं पहुंचाया गया हूं

2 If thou hast been reached
यदि तू पहुंचाया गया हैं।

Plural एकवचन

1, If we have been reached
यदि हम पहुंचाए गए हैं।

2, If you have been reached
यदि तुम पहुंचाए गए हैं।

3, If he, she, or it has been reached यदि वह पहुचाया गया है या पहुचाई गई।	3, If they have been reached यदि वे पहुचाये गये हैं।

Past Perfect—पूर्ण भूत

Singular एकवचन	Plural बहुवचन
1, If I had been reached यदि मैं पहुचाया गया था	1, If we had been reached यदि हम पहुचाए गए थे
2, If thou hadst been reached यदि तू पहुचाया गया था	2, If you had been reached यदि तुम पहुचाए गए थे
3, If he, she or it had been reached यदि वह पहुचाया गया था या पहुचाई गई थी।	3, If they had been reached यदि वे पहुचाए गये थे।

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

Singular एक वचन	Plural बहुवचन
1 If I should have been reached यदि मैं पहुचाया जाचूकूगा	1, If we should have been reached यदि हम पहुचाये जा चुकेंगे
2, If thou would have been reached यदि तू पहुचाया जा चुकेगा	2, If you would have been reached यदि तुम पहुचाए जा चुकोगे
3, If he she or it would have been reached यदि वह पहुचाया जा चुकेगा या पहुचाई जा चुकेगी	3, If they would have been reached यदि वे पहुचाए जा चुकेंगे

Perfect continuous—पूर्णापूर्ण काल

Wanting नहीं होता

जानना चाहिये कि जिन verbs के अन्त में ss, sh, ch, x या o हो तो उनके Indicative mood के Present tense के third Person Singular का रूप

verb के पश्चात es बढा देने से बनता है। जैसे—she dresses वह कपड़े पहनती है। He Marches वह कूच करता है। It goes वह जाता है। इसी प्रकार जिन verbs के अन्त में y होतो उन में est, es, eth और ed बढ़ाने के पहले y को i से बदल देना चाहिये। जैसे —Thou driest तू सुखाता है। she dries or drieth वह सुखाती है। We dried हमने सुखाया। और यदि y के पहले कोई vowel होतो कभी २ y जैसी की तैसी बनी रहती है। जैसे —he prayed उसने प्रार्थना की। she said उसने कहा।

जानना चाहिये कि Subjunctive mood जिस समय मनोरथ प्रगट करता है तब उस वाक्य के पहले जो कि Subjunctive mood के वाक्य पर निरभर करता है उस वाक्य के पहले 'that' अथवा 'lest' प्रयोग में आता है और 'that' के पश्चात 'may' या 'might' आता है और 'lest' के पश्चात 'should'। जैसे —

I keep your book } lest you should lose it / that you might not lose it

मैं तुम्हारी पुस्तक इस मनोरथ से रखता हूं कि तुम उसे खो न दो।

जब verb किसी प्रकार की शर्त प्रगट करता है तब उसके पहले 'if' लगाते हैं। और उस verb में जो उस शर्त का फल प्रगट करता है उसके पहले 'would' लगाते हैं। जैसे —If he should see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलेतो वह मुझको तत्काल पहचान लेगा।

कभी २ ऐसा भी होता है कि if, को प्रयोग में नहीं लाते और nominative के पहले should' 'had' या 'were' को लाते है। जैसे—should he see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलता तो वह मुझ को तत्काल पहचान लेता। Had he seen me he would have known me यदि वह मुझसे मिला होता तो वह मुझको पहचान गया होता। were I there I would pay you यदि मै वहा होता तो मै तुमको तुम्हारा दाम चुका देता।

5—Adverb।

An adverb is a word which qualifies a verb an adjective or an other adverb क्रिया विशेषण या (अर्थ) वह शब्द है जो किसी क्रिया विशेषण या क्रिया विशेषण का गुण प्रगट करे। यह स्थान, रीति, स्वीकारण अस्वीकारण, कारण, दशा आदि के प्रगट करनेके लिये प्रयोग में आता है।

3, If he, she, or it has been reached यदि वह पहुचाया गया है या पहुचाई गई है।

3, If they have been reached यदि वे पहुचाये गये हैं।

Past Perfect—पूर्ण भूत

Singular एकवचन

1, If I had been reached यदि मैं पहुचाया गया था

2, If thou hadst been reached यदि तू पहुचाया गया था

3, If he, she or it had been reached यदि वह पहुंचाया गया था या पहुचाई गई थी।

Plural बहुवचन

1, If we had been reached यदि हम पहुचाए गए थे

2, If you had been reached यदि तुम पहुचाए गए थे

3, If they had been reached यदि वे पहुचाए गये थे।

Future Perfect—पूर्ण भविष्य

Singular एक वचन

1, If I should have been reached यदि मैं पहुचाया जाचकूगा

2, If thou would have been reached यदि तू पहुचाया जा चुकेगा

3, If he, she or it would have been reached यदि वह पहुचाया जा चुकेगा या पहुचाई जा चुकेगी

Plural बहुवचन

1, If we should have been reached यदि हम पहुचाये जा चुकेंगे

2, If you would have been reached यदि तुम पहुचाए जा चुकोगे

3, If they would have been reached यदि वे पहुंचाए जा चुकेंगे

Perfect continuous—पूर्णापूर्ण काल

Wanting नहीं होता

जानना चाहिये कि जिन verbs के अन्त में ss, sh, ch, x या o हो तो उनके Indicative mood के Present tense के third Person Singular का रूप

verb के पश्चात es बढ़ा देने से बनता है। जैसे —she dresses वह कपड़े पहनती है। He Marches वह कूच करता है। It goes वह जाता है। इसी प्रकार जिन verbs के अन्त में y होतो उन में est, es, eth और ed बढ़ाने के पहले y को i से बदल देना चाहिये। जैसे —Thou driest तू सुखाता है। she dries or drieth वह सुखाती है। We dried हमने सुखाया। और यदि y के पहले कोई vowel होतो कभी २ y जैसी की तैसी बनी रहती है। जैसे —he prayed उसने प्रार्थना की। she said उसने कहा।

जानना चाहिये कि Subjunctive mood जिस समय मनोरथ प्रगट करता है तब उस वाक्य के पहले जो कि Subjunctive mood के वाक्य पर निर्भर करता है उस वाक्य के पहले 'that' अथवा 'lest' प्रयोग में आता है और 'that' के पश्चात 'may' या 'might' आता है और 'lest' के पश्चात should'। जैसे —

I keep your book } lest you should lose it / that you might not lose it

मैं तुम्हारी पुस्तक इस मनोरथ से रखता हूं कि तुम उसे खो न दो।

जब verb किसी प्रकार की शर्त्त प्रगट करता है तब उसके पहले 'if' लगाते हैं। और उस verb में जो उस शर्त्त का फल प्रगट करता है उसके पहले 'would' लगाते हैं। जैसे —If he should see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलेगा वह मुझको तत्काल पहचान लेगा।

कभी २ ऐसा भी होता है कि if, को प्रयोग में नहीं लाते और nominative के पहले 'should', had' या 'were' को लाते हैं। जैसे—should he see me he would know me at once यदि वह मुझसे मिलता तो वह मुझ को तत्काल पहचान लेता। Had he seen me he would have known me यदि वह मुझसे मिला होता तो वह मुझको पहचान गया होता। were I there I would pay you यदि मैं वहां होता तो मैं तुमको तुम्हारे दाम चुका देता।

5—Adverb।

An adverb is a word which qualifies a verb an adjective or an other adverb क्रिया विशेषण या (जर्फ) वह शब्द है जो किसी क्रिया विशेषण या क्रिया विशेषण का गुण प्रगट करे। यह स्थान, रीति, सोकारण असो-कारण कारण, दशा आदि के प्रगट करनेके लिये प्रयोग में आता है।

Adverb दो प्रकार के होते हैं—Simple और compound मिश्रित र मुरक्कि़ब Simple adverb- केवल शब्दोंका गुण बतलाते है। जैसे—He went away quickly वह शीघ्रता के साथ चला गया। Compound adverbs शब्द का गुण प्रगट करते हैं और वाक्यों को भी जोडते है। जैसे—He went ther when all had come वह वहा चला गया जब सब आगए थे।

Adverbs अनेक प्रकार के होते है —

1 Adverbs of quality गुण वाचक या जर्फ़ जमा हालिया जो क्रिया का गुण बतावे, जैसे—Ill well आदि।

2 Adverbs of time काल वाचक या जर्फ़ जमाँ जो क्रिया काल प्रगट करते हैं जैसे—Afterwards पीछे again फिर, too भी already अभी, always सर्वदा, while थोड़ी देर।

3 Adverbs of Place स्थान वाचक, या जर्फ़ मका जैसे—above ऊपर afar दूर, apart अलग, around चारों ओर आदि।

4 Adverbs of degree or Quantity परिमाण वाचक क्रिया विशेषण या जर्फ़ मिकदारिया जैसे —almost—प्राय altogether बिलकुल आदि।

5 Numeral Adverb या सख्या वाचक, जैसे—once एकबार—twice दोबार —thrice—तीनबार आदि।

6 Relative or conjunctive सबंध वाचक, जैसे when जब while जबतक why जिस कारण, whence जहा से, as जैसे, how कैसे आदि।

7 Interrogative या प्रश्न वाचक या जर्फ़ इस्तफहामी। जैसे—why क्यों? where कहा?

इसके अतिरिक्त adverbs के और भी कइ भेद होते है। जैसे—adverbs of manner रातिसूचक क्रिया विशेषण या जर्फ़तफ़ज़ील जैसे—wisely बुद्धिमानी से, *foolishly*-*मूर्खता से*, quickly—जल्दी से। ऐसों का Comparison भी होता है जैसे—wisely, more wisely, most mostly, soon, sooner, soonest ill, worse, worst, well better, best Adverb of belief विश्वासक क्रिया विशेषण जर्फ़ ऐतकादी and disbelief अविश्वासक क्रिया विशेषण जर्फ़ नाऐतकादी जैसे—no नहीं, surely निश्चय पूर्वक Perhaps कदाचित, indeed सचमुच। Adverbs of negation अस्वीकरण क्रिया, जैसे—no नही not नही। Adverbs

of Comparison तुलना सूचक क्रिया विशेषण यानफ़ं मुशाबहत जैसे—than से, so ऐसा, as जैसा आदि।

बहुत से adverbs Preposition के जोडनेसे बनते हैं। जैसे—there-in उसमें, there-from उससे, there with उसके साथ, here upon इस पर आदि।

जो adverbs दो या तीन शब्दोंसे मिलकर बनते हैं वह adverbial Phrase क्रिया विशेषण सम्बन्धित वाक्य खण्ड या फ़िकरा ज़र्फ़िया कहलाते हैं। जैसे—at random निरुद्देश्य, at last अन्त में, by and by थोडी देरमें, now and then कभी २, In Particular विशेषकर, at least कमसे कम, Now-adays आज कल, बहुत से adverbs केवल adjective में ly लगाने से बनते हैं। जैसे—bad, badly, wise, wisely

कभी कभी noun से भी adverb बनते हैं, जैसे—day, daily, week, से weekly, foot से a-foot (पैदल) shore से a shore किनारे किनारे

6—PREPOSITION

Preposition उपसर्ग या हर्फ़ इज़ाफ़ा एक शब्द है जो किसी noun या pronoun का सबन्ध किसी दूसरे noun या pronoun के साथ प्रगट करने के लिये किसी वाक्य में उसी noun या pronoun के पहले रक्खा जाता है। जैसे—He went from Patna to Kashi वह पटना से कासी को गया। यहां 'from' यात्रा के उस स्थान को प्रगट करता है जहां से वह प्रारम्भ हुई और 'to' जहां समाप्त हुई। जिस noun या pronoun के पहले to आता है वह सदा Objective case में होता है।

Preposition अनेक प्रकार के होते हैं—स्थान सम्बन्धक जैसे—in भीतर on पर upon ऊपर, under नीचे। preposition of time काल वाचक या हर्फ़ ज़मा जैसे | after sunset सूर्य्यास्तके पश्चात, within 5 minutes पांच मिनटके भीतर। बहुत से agent, cause या purpose प्रगट करते हैं जैसे—by से with साथ, through भीतर से between बीचमें आदि।

एक ही शब्द adverb और preposition और conjunction भी होते हैं, जिन का कि निश्चय भेद प्रयोग के समय अर्थ से जाना जाता है। जैसे—but जो नहीं सिवाय परन्तु केवल।

LIST OF PREPOSITION

Words शब्दार्थ

About (एबाउट) लगभग
Before (बिफोर) पहले
Above (एबव) ऊपर
Below (बिलो) नीचे
Across (ऐक्रास) आर पार
Behind (बिहाइन्ड) } पीछे
After (आफटर) }
Against (एगेंस्ट) विरुद्ध
Beside (बिसाइड) पास
Besides (बिसाइड्स) अतिरिक्त
Along (एलोंग) साथ साथ
Amid (एमिड) } बीच में
Between बिट्वीन }
During (ड्युरिंग) में, तक
In (इन) } में, भीतर
Into (इन्टू) }
Near (नीयर) } पास
Nigh (नाइ) }
Of (ऑफ) का
Off (ऑफ) दूर
Over (ओवर) ऊपर
Save (सेव) सिवाय
Since (सिंस) जब से
Regarding (रिगार्डिंग) सम्बन्ध में
Through (थ्रू) बीचमें हो कर

Amidst (एमिड्स्ट) } बीच में
Among (ऐमंग) }
Amongst (ऐमंगस्ट) }
Beyond (बियोंड) परे
But (बट) सिवाय
By से, पास
Around (ऐराउंड) चारों ओर
At (ऐट) ओर
Concerning (कंसर्निंग), बाबत
Except (एक्सेप्ट) सिवाय
For (फॉर) लिये
From (फ्राम) से
Down (डाउन) नीचे
Throughout (थ्रूआउट) आदिसे अन्ततक
To (टू) को
Up (अप) } ऊपर
Upon (अपान) }
Till (टिल) } जब तक
Until (अंटिल) }
Toward (टवार्ड) } ओर
Towards (टुवार्ड्स) }
Under (अण्डर) } नीचे
Underneath (अण्डरनीद) }
Within (विदीन) भीतर
With (विद) साथ
Without (विदाउट) बिना

7—CONJUNCTIONS

Conjunctions are words which join two words and sentences या

समन्वय हर्फे अत्तिफ वे शब्द हैं जोकि दो शब्दों और वाक्यों को मिलाते है।

Sentences वाक्य ३ तीन प्रकार होते है --

(१) जिस वाक्य मे एक हो subject उद्देश्य और एक ही predicate विधेय हो उस sentence को simple sentence—साधारण वाक्य कहते है। जैसे—rain falls —मेघाच्छन्न हो रहा है।

(२) जिन वाक्य मे दो वा दो से अधिक साधारण वाक्य स्वाधीनता पूर्वक होते है वहवाक्य Compound sentence मिश्रित वाक्य या जुमला मुरक्कब कहलाते है, जैसे —He was fatigued, for he worked वह थक गया था क्यों कि उसने कठिन परिश्रम की।

(३) जिन वाक्य मे वह वाक्य मुख्य हो और उसपर उससे छोटे छोटे वाक्य उसके अधीनहो तो ऐसे वाक्यको Complex sentence विषम वाक्य या जुमला मुवाहम कहते हैं। जैसे,—If rain will fall, I can not go यदि पानी बरसे गा तो मैं नही आ सक्ता। इसी प्रकार से Conjunction दो प्रकार के होते है—Co-ordinate (को ओर्डिनेट) स्वाधीन या हम दर्जा Subordinate (सबोर्डिनेट) अधीन। Co-ordinative, conjunction स्वाधीन समन्वय या अतिफेहम दर्जा इस लिये कहे जाते हैं कि वे अपने समानान्तर श्रेणी के वाक्यो को जोडते है। जैसे - He will come and I will go वह आवेगा और मैं जाउंगा। Co-ordinative conjunctions चार प्रकार के होते हैं Cupulatives (कापुलेटिवज) जोकि एक वाक्य का दूसरे वाक्य से केवल जोड देते है वह यह है and, both and, also, too, as well as, no less than, not only, but, also, now, well

Alternatives (आलटरनेटिवज) जिस से यह प्रगट होता है कि दो वाक्यो मे से कौन सा वाक्य पसद किया गया है। वह यह हैं—Either or, neither nor other wise, else, or

Adversatives (ऐडवरजेटिवज) से एक वाक्य से दूसरे वाक्य का मिलान किया जाता है। वह यह है—But, still, yet, nevertheless however, whereas, while, only

Illatives (इलेटिवज) से एक वाक्य का दूसरे वाक्य से परिणाम या फल प्रकाश होता है। वह यह है—Therefore, then, so, for

Subordinative conjunctions अधीन समन्वय या अतिफे अदना इस लिये कहलाए जाते है कि वे मुख्य वाक्य से छोटे छोटे वाक्यो को अधीनता

Hark ! सुनो ! Hush ! चुप चुप ! Hist ! चुप चुप ! खामोश खामोश !
Reproof—झिड़की मलामत—Fie ! fie ! छी ! छी ! लाहौल ! Contempt or
Ridicule—घृणानफरत या मसखरीमजाक
Stuff ! वाहियात ! Bosh ! खुरापात !
Tut-tut ! छी ! छी ! लाहौल !
pooh ! छी ! छी ! लाहौल !
Pish ! छी ! छी !
Pshaw (शॉ) छी ! छी ! फिश !
Tush ! (टश) छी ! छी ! वाहियात !

---

111 SYNTAX

Syntax वाक्य पद्धतिया नहू से शब्दो के द्वारा पदों की रचना करने का बोध होता है।

(1) Verb और subject सदा एकही Number और Person के होते हैं जैसे—He comes वह आता है। Thou sitteth तू बैठता। I see मैं देखता हूँ।

(2) मुख्य नियमानुसार subject अपने verb के पहले आता है, पर कभी कभी इस नियम के विरुद्ध भी हो जाता है—

(१) जब कि verb Intransitive हो और उसके पहले adverb "there" हो जैसे—there was a king—एक कोई राजा था, इस अवकाश पर 'there' केवल वाक्य के आरंभ करनेके लिये आता है और उसके कोई मानी नहीं होते।

(२) जब कि verb प्रश्न पूछने के लिये प्रयुक्त होता है। जैसे—How came you here ? तुम यहां कैसे आए ?

(३) जब कि verb Imperative mood में होता है। जैसे—Go ye unto all the world and preach the Gospel to every creature तुम सारे संसार में जाओ और प्रत्येक जीव को यीशु के धर्म का उपदेश करो।

(४) जब कि verb subjunctive mood में अभिलाषा वा मनोरथ के अभिप्राय से प्रगट किया जाता है या auxiliary verb "may' की सहायता से अभिलाषा प्रगट की जाती है। जैसे—Long live the king-महाराज कि चिरायु हो may he never come again-वह फिर कभी न आवे।

(४) जब कि verb subjunctive mood में शर्त प्रगट करता है और 'if' प्रयोग में नहीं आता। जैसे —had he met me, he would have known me यदि वह मुझ से मिलता तो मुझे पहचान लेता।

(६) जब कि verb किसी के सटीक वाक्य की सूचना देता है और जब कि वह सूचित वाक्य के मध्य में प्रयोग किया जाता है। जैसे —"agreed" said the prince "we will go there to night" राज पुत्रने कहा "माना" "हम आज की रात वहां चलेंगे"। "let me not live", quoth he उसने कहा 'मुझ को मत जीने दो"।

(७) जब कि वाक्य के प्रारंभ में adjective या participle का प्रयोग उस पर भार देने के लिये किया जाता है। जैसे—Great was the delight of our king हमारे महाराजका आनन्द बडा भारी था। Blessed is the man that walketh not on the path of the wicked—वह मनुष्य धन्य है जो कि दुष्ट जन के मार्ग पर नहीं चलता।

(८) जब कि वाक्य के पहले adverb का प्रयोग उसपर भार देने के अभिप्राय से किया जाता है। जैसे —Up rose the men at the word of command आज्ञा पाते ही लोगों ने अपने अपने हथियार सम्भाले।

(६) जब दो Simple sentences (साधारण) वाक्य जो बराबर बराबर Conjunctions से जोड़े जाते हैं तब subject किसी एक वाक्य के verb या auxiliary के पश्चात रखा जाता है। जैसे —so rotten was the boat that it very soon sank नाव ऐसी सड़ गई थी कि वह बहुत ही शीघ्र डूब गई। As men sow, so will they reap जो कुछ मनुष्य बोते हैं वैसे ही फल पाते हैं।

(१०) जब कि Object किसी verb के पहले भार देने के लिये आता है तब Subject को अवश्य उस verb के पश्चात प्रयोग में लाना चाहिये। जैसे —Silver and gold have I none मेरे पास चांदी और सोना नहीं है।

POSITION OF OBJECT

3—जब कि Object Relative या Interrogative pronoun होता है या वाक्य पर भार देने के वास्ते प्रयोग किया जाता है तो सदा verb के पहले प्रयोग किया जाता है। इसके सिवाय object सदा verb के पश्चात ही प्रयोग में आता है।

जैसे —The house we live in has fallen down वह घर गिरपडा है जिस मे हम रहते हैं। What kind of food do you relish well कौन सा भोजन आप को स्वादिष्ट मालुम देता है Silver and gold have I none मेरे पास चादी और सोना नही है।

He gave him a book--उसने उसको एक पुस्तक दी।

Adjective Participle या noun या Pronoun जोकि Possessive case में हो या noun या Gerund का प्रयोग Adjective के समान होने के सिवाय और किसी शब्द को verb और adjective के मध्य मे कदापि नही प्रयोगमे लाना चाहिये जैसे--I have selected the best boys of the school मैंने उस पाठशाला के सर्वोत्तम लडके चुन लिये है। I found my friend's house मुझ को अपने मित्र का घर मिल गया। Call for the village watch man उस दिहाती चौकीदार को बुला भेजो।

RELATIVE AND ANTECEDENT

5–A Relative pronoun या Relative adverb जहातक सभव हो antecedent के निकटस्थ अवश्य रखना चाहिये। जैसे -He is man, who comes to you यह वही मनुष्य है जो तुम्हारे पास आया करता है।

PREPOSITION AND OBJECT

5—केवल गद्य मे Preposition अपने object के पहले बहुत ही पास रखा जाता है,पर जब कि object "whom" "which" या "what" होता है तो object पहले और Preposition वाक्य के अत में रखा जाता है। जैसे—That is the boy whom we were looking for यह वही लडका है जिस को कि हम लोग ढूढ रहे थे। Which of these chairs did you sit on ? इन कुरसियो मे से तुम किस पर बैठे ?

6—पद्य में कभी कभी object के पश्चात Preposition आता है। जैसे—The banks of the river he went along—वह उस नदी के किनारे किनारे गया।

7—कोई एक Noun किसी दूसरे noun के या Pronoun के साथ में समान

धिकरण कहलाता है जब कि इन दोनो के case एक ही हों। जैसे—I, the man you were looking for, am here—मैं, वही आदमी यहां पर हू, जिस को कि आप ढूंढ रहे थे।

8—Finite verb (not auxiliary) असहायक क्रिया का number और person वही रहना चाहिये जोकि उस के subject का number और person हो।

9—Personal pronoun के first और second person के सिवाय subject के verb का person सदा third person में हुवा करता है। जैसे—

(Noun) An ant is crawling एक चीटी रेंग रही है।

(Pronoun) He returns to us tomorrow वह हमारे पास कल लौटे गा।

(Infinitive) To err is human चूक आदमी ही से होती है

(Gerund) Sleeping is useful निद्रा लाभदायक होती है

* (Phrase छोटा वाक्य) How to do this was unknown to every one

* (Clause वाक्य का बड़ा विभाग) How to do this is not known यह मालुम नही होता इसे कैसे करें।

10—जब कि दो या देसे अधिक subject एक ही person के न हो और 'and" से जोड़े जावें तो second person की अपेक्षा verb का first person और third person को अपेक्षा second person होता है और first person को अन्त में रखना चाहिये। जैसे —Ram, you and I are (we are) great friends राम तुम और हम (मैं) बड़े दोस्त हैं।

11—जब कि दो Subject ' or या ' 'nor' से मिलाए जाते है तो verb अपना सम्बन्ध उस subject से रखता है जो कि उस के निकटस्थ रहता है। जैसे—Either you or Ram is going राम चाहे तुम जा रहे हो।

12—जब कि दो subject "as well as" से मिलाए जाते हैं, तो verb अपना सबंध पहले subject से रखता है। जैसे—My friends as well I were going मैं वैसे ही मेरे इष्ट मित्र भी जा रहे थे।

13 जब कि दो या अधिक singular nouns "and से मिलाए जाए तो verb

*शब्दों का समूह जिन से अधूरा मतलब मिलता है phrase कहलाता है।

*बड़े वाक्य के विभाग को clause कहते हैं।

जैसे —The house we live in has fallen down वह घर गिरपडा है जिस में हम रहते हैं। What kind of food do you relish well कौन सा भोजन आप को स्वादिष्ट मालुम देता है Silver and gold have I none मेरे पास चांदी और सोना नहीं है।

He gave him a book--उसने उसको एक पुस्तक दी।

Adjective Participle या noun या Pronoun जोकि Possessive case में हो या noun या Gerund का प्रयोग Adjective के समान होने के सिवाय और किसी शब्द को verb और adjective के मध्य में कदापि नहीं प्रयोगमें लाना चाहिये जैसे--I have selected the best boys of the school मैंने इस पाठशाला के अत्योत्तम लडके चुन लिये हैं। I found my friend's house--मुझ को अपने मित्र का घर मिल गया। Call for the village watch man उस दिहाती चौकीदार को बुला भेजो।

RELATIVE AND ANTECEDENT

5–A Relative pronoun या Relative adverb जहांतक सम्भव हो antecedent के निकटस्थ अवश्य रखना चाहिये। जैसे -He is man, who comes to you यह वही मनुष्य है जो तुम्हारे पास आया करता है।

PREPOSITION AND OBJECT

5—केवल गद्य में Preposition अपने object के पहले बहुत ही पास रखा जाता है,पर जब कि object "whom" "which' या 'what' होता है तो object पहले और Preposition वाक्य के अन्त में रखा जाता है। जैसे—That is the boy whom we were looking for यह वही लडका है जिस को कि हम लोग ढूंढ रहे थे। Which of these chairs did you sit on ? इन कुरसियों में से तुम किस पर बैठे ?

6—पद्य में कभी कभी object के पश्चात Preposition आता है। जैसे—The banks of the river he went along—वह उस नदी के किनारे किनारे गया।

7—कोई एक Noun किसी दूसरे noun के या Pronoun के साथ में समान

Reported speech को ऐसे समय Inverted commas (इनवर्टेड कामान) अर्थात अवतरण चिन्ह " " के मध्य में लिखना चाहिये। जैसे — कि ऊपर दृष्टांत मे दिखाया गया है।

याद रखना चाहिये कि Direct narration होता English भाषा में 'that नही जोडा जाता।

यदि बोलने वाले शब्दों के भावार्थ को Reported speech प्रगट करता है तो उसको Indirect narration कहते हैं जैसे = He said that he would go उसने कहा कि मै जाऊ गा ऐसे समय Indirect narration मे 'that" उपयुक्त हुवा करता है, Reporting verb का tense कभी नहीं बदला जाता पर Reported speech का tense direct narration से Indirect narration के बनाने मे बदलता रहता है।

यदि Reporting verb का tense 'present' या 'Future' हो तो Reported speech का tense नहीं बदलता।

	Reporting verb	Reported speech
Direct	He tells you	" I am coming "
Indirect	He tells you	that he is coming
Direct	He will say	" Thou art wrong
Indirect	He will tell	that thou art wrong

ऐसे समय में 'he' से तात्पर्य का बोध भली प्रकार से न होने के कारण 'he' के पश्चात नाम लिख देना चाहिये

यदि *'Reporting verb' past tens में हो तो 'Reported speech' भी past* tense में होना चाहिय, यदि 'Reporting verb' past indifinite में हो तो Reported speech past perfect में होना चाहिये, और यदि Past continuous 'Reporting verb में हो तो 'Reported speech मे Past perfect continuous होना चाहिये

Reporting verb से	*Reported speech में*
Shall	should
Will	would
May	might

भार देना हो तो adverb को sentence के प्रथम में रखना चाहिये। जैसे—luckily all were not inside, when the beam gave way दैव सयोग सब भीतर न थे जिस समय कि कड़ी (धरन) गिर पड़ी।

Only शब्द का अर्थ इसके स्थानीय प्रयोग पर निर्भर है। जैसे—only he promised to go to calcutta—केवल उसी ने कलकत्ते जाने की प्रतिज्ञा की। यहां only adverb नहीं, किन्तु adjective है क्योंकि यह सर्वनाम 'he' का गुण प्रगट करता है। He only promised to go to calcutta उसने कलकत्ते जाने की केवल प्रतिज्ञा की, यहां "only" adverb है और "promised का गुण प्रगट करता है। जिस का अर्थ होता है कि केवल प्रतिज्ञा ही की पर गया नहीं। He promised only to go to calcutta उसने कलकत्ते केवल जाने की प्रतिज्ञा की (पर कब और कबतक वहां ठहरने की नहीं)। यहां 'only' verb "to go" को qualify करता है और 'only' यहां इसलिये adverb है। He promised to go only to calcutta city उसने केवल कलकत्ते ही (और कहीं नहीं) जानेकी प्रतिज्ञा की यहां 'only' adverb है क्यों कि proper adjective calcutta का गुण वर्णन करता है। He promised to go to calcutta only केवल उसने कलकत्ते जानेकी प्रतिज्ञा की अर्थात् केवल उसके मुंह से इतना वाक्य निकला कि मैं कलकत्ते जानेकी प्रतिज्ञा करता हूं।

DIRECT AND INDIRECT NARRATION

जब कि एक sentence का verb बोलने वालेके उस तात्पर्य को प्रगट करता है कि जो कुछ कि उसने दूसरे वाक्य में वर्णन किया है तो पहले sentence के verb को Reporting verb (सम्पादक क्रिया) कहते हैं और दूसरे वाक्य के verb को Reported speach (सम्पादित वचन) कहते हैं। जैसे —

Reporting verb	Reported speech
He said उसने कहा	"He will go" कि वह जाएगा

Reported speech बोलने वालेके सटीक शब्दोंमें वा उसके भावार्थ से प्रगट किया जाता है। इसी प्रकार जब कि बोलनेवाले के सटीक शब्दों में जिस Reported speech को प्रगट करते हैं तो उस speech को Direct narration कहते हैं।

Reported speech को ऐसे समय Inverted commas (इनवर्टेड कॉमाज) अर्थात अवतरण चिह्न " " के मध्य में लिखना चाहिये। जैसे — कि ऊपर दृष्टान्त में दिखाया गया है।

याद रखना चाहिये कि Direct narration होता English भाषा में 'that नहीं जोड़ा जाता।

यदि बोलने वाले शब्दों के भावार्थ को Reported speech प्रगट करता है तो उसको Indirect narration कहते हैं जैसे = He said that he would go उसने कहा कि मैं जाऊंगा ऐसे समय Indirect narration में 'that" प्रयुक्त हुआ करता है, Reporting verb का tense कभी नहीं बदला जाता पर Reported speech का tense direct narration से Indirect narration के बनाने में बदलता रहता है।

यदि Reporting verb का tense 'present' या 'Future' हो तो Reported speech का tense नहीं बदलता।

	Reporting verb	Reported speech
Direct	He tells you	" I am coming "
Indirect	He tells you	that he is coming
Direct	He will say	" Thou art wrong
Indirect	He will tell	that thou art wrong

ऐसे समय में 'he' से तात्पर्य का बोध भली प्रकार से न होने के कारण 'he' के पश्चात नाम लिख देना चाहिये

यदि 'Reporting verb' past tens में हो तो 'Reported speech' भी past tense में होना चाहिये यदि 'Reporting verb' past indifinite में हो तो Reported speech past perfect में होना चाहिये, और यदि Past continuous 'Reporting verb' में हो तो 'Reported speech' में Past perfect continuous होना चाहिये

Reporting verb से	Reported speech में
Shall	should
Will	would
May	might

Can	could
Come	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming

Direct He said "the man shall come" Present
Indirect He said that the man should come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा

Direct He said "the man will come" Present
Indirect He said that the man would come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आए गा

Direct He said " the man may come' Present
udirect He said that the man might come Past
उसने कहा कि वह आदमी आ सक्ता है

Direct He said "the man can come" Present
Indirect He said that the man could come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आ सक्ता है

Direct He said " the man comes " Present Indefinite
Indirect, He said that the man came Past Indefinite
उसने कहा कि वह मनुष्य आता है

Direct He said " the man is coming' Present Continuous
Indirect He said that the man was coming Past continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said "the man has come Present perfect
Indirect He said that the man had come " Past perfect
उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है

Reporting verb Reported speech

Direct He said the man has been coming Perfect continuous
Indir ect He said that the man had been coming P P continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said 'the man came' = Past Indefinite

Indirect He said that the man had came Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ गया।

Direct He said "the man was coming Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था।

यदि Reported speech का verb सार्वलौकिक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तैसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb Reported speech

Direct He said 'the earth moves round the sun

Indirect He said that the earth moves round the sun

उसने कहा कि पृथ्वी सूर्य्य के चहु ओर घूमती है।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मुझ को चैतन्य किया जब बिल्ली दूर रहती है तब चूहे खेलते हैं।

जब कि Reported speech में Present को Past से बदलते है तो adjective verb या adverb जो कि निकटता प्रकाश करते है तो उन को उनरूप में बदलदेते है जोकि दूरी प्रकाश करते है। इसी तरह से

Now	को then मे	Come	को go में
This or these	को that वा those में	Today	को that day में
Hither	को thither में (उधर)	Tomorrow	को previous day में
Here	को there में	Yesterday	को previous day में
Hence	को thence मे	Last night	को previous night मे
Thus	को so में	Ago	को before मे

किन्तु जब कि बोलनेवाले मह से वाक्य के निकलते समय उक्त तालिका में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्त्तन नहीं होता। जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat"

Indirect Gobind said that this was his coat

गोविन्दने कहा कि यह कोट मेरा है।

Can	could
Come	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming

Direct He said "the man shall come" Present
Indirect He said that the man should come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा

Direct He said "the man will come" Present
Indirect He said that the man would come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आए गा

Direct He said "the man may come" Present
udirect He said that the man might come Past

उसने कहा कि वह आदमी आ सक्ता है

Direct He said "the man can come" Present
Indirect He said that the man could come Past

उसने कहा कि वह मनुष्य आ सक्ता है

Direct He said "the man comes" . Present Indefinite
Indirect, . He said that the man came Past Indefinite

उसने कहा कि वह मनुष्य आता है

Direct He said "the man is coming' Present Continuous
Indirect He said that the man was coming Past continuous

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said "the man has come Present perfect
Indirect He said that the man had come" Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है

Reporting verb Reported speech

Direct He said the man has been coming Perfect continuous
Indirect He said that the man had been coming P P continuous

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said 'the man came' = Past Indefinite

Indirect He said that the man had came Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ गया।

Direct He said "the man was coming" Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था।

यदि Reported speech का verb मायनौकिक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तैसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb Reported speech

Direct He said "the earth moves round the sun"

Indirect He said that the earth moves round the sun

उसने कहा कि पृथ्वी सूर्य के चहु ओर घूमती है।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मुझ को चैतन्य किया जब बिल्ली टर रहती है तब चूहे खेलते हैं।

जब कि Reported speech में Present को Past से बदलते हैं तो adjective verb या adverb जो कि निकटता प्रकाश करते हैं तो उन को उनरूप में बदलदेते हैं जोकि दूरी प्रकाश करते हैं। इसी तरह से

Now	को then में	Come	को go में
This or these	को that या those में	Today	को that day में
Hither	को thither में (उधर)	Tomorrow	को previous day में
Here	को there में	Yesterday	को previous day में
Hence	को thence में	Last night	को previous night में
Thus	को so में	Ago	को before में

किन्तु जब कि बोलनेवाले मह से वाक्य के निकलते समय उक्त तालिका में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्त्तन नहीं होता। जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat"

Indirect Gobind said that this was his coat

गोविन्दने कहा कि यह कोट मेरा है।

Can	could
Come	came
Is coming	was coming
Has been coming	had been coming

Direct He said "the man shall come" Present
Indirect He said that the man should come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आवेगा

Direct He said "the man will come" Pre ent
Indirect He said that the man would come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आए गा

Direct He said " the man may come" Present
udirect He said that the man might come Past
उसने कहा कि वह आदमी आ सक्ता है

Direct He said "the man can come" Present
Indirect He said that the man could come Past
उसने कहा कि वह मनुष्य आ सक्ता है

Direct He said " the man comes " Present Indefinite
Indirect, He said that the man came Past Indefinite
उसने कहा कि वह मनुष्य आता है

Direct He said " the man is coming' Present Continuous
Indirect He said that the man was coming Past continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said "the man has come Present perfect
Indirect He said that the man had come " Past perfect
उसने कहा कि वह मनुष्य आ चुका है

Reporting verb Reported speech

Direct He said the man has been coming Perfect continuous
Indir ect He said that the man had been coming P P continuous
उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा है

Direct He said 'the man came'=Past Indefinite

Indirect He said that the man had came Past perfect

उसने कहा कि वह मनुष्य आ गया।

Direct He said "the man was coming' Past contin

Indirect He said that the man had been coming Past per-contin

उसने कहा कि वह मनुष्य आ रहा था।

यदि Reported speech का verb सार्वलौकिक अथवा स्वाभाविक वृत्तान्त का बोधक होतो Present Indefinite जैसे का तैसा ही बना रहता है जैसे —

Reported verb Reported speech

Direct He said "the earth moves round the sun

Indirect He said that the earth moves round the sun

उसने कहा कि पृथ्वी सूर्य्य के चहु ओर घूमती है।

Direct He warned me when the cat is away the mice play

Indirect He warned me that when the cat is away the mice play

उसने मुझ को चैतन्य किया जब बिल्ली दूर रहती है तब चूहे खेलते हैं।

जब कि Reported speech में Present को Past में बदलते हैं तो adjective verb या adverb जो कि निकटता प्रकाश करते है तो उन को उनरूप में बदलदेते हैं जोकि दूरी प्रकाश करते हैं। इसी तरह से

Now	को then में	Come	को go में
This or these	को that या those में	Today	को that day में
Hither	को thither में (उधर)	Tomorrow	को previous day में
Here	को there में	Yesterday	को previous day में
Hence	को thence में	Last night	को previous night में
Thus	को so में	Ago	को before में

किन्तु जब कि बोलनेवाले मह से वाक्य के निकलते समय उक्त तालिका में से कोई भी उसके सामने उपस्थित हो तो Reported speech में उस में से किसी का भी परिवर्त्तन नहीं होता। जैसे—

Direct Gobind said "this is my coat'

Indirect Gobind said that this was his coat

गोविन्दने कहा कि यह कोट मेरा है।

जब कि Reported speech Interrogative sentence होता है तो उसके 'say' या 'tell' को 'ask' या 'inquire' से बदल देते हैं जैसे —

Direct He said to me "where are you going"

Indirect He asked me where I was going.

उसने मुझ से कहा कि तुम कहां जारहे हो

Direct He said to us "are you going away this day'?

Indirect He inquired of us whether we were going away that day?

उसने हम से पूछा कि तुम किधर जारहे हो?

जानना चाहिये कि यदि कोई Interrogative pronoun Reported speech में न हो तो उसके Indirect करने के समय 'of' या 'wether' को उस के स्थान पर लाते हैं। इसी प्रकार यदि Reported speech में Imperative sentence हो तो Reporting verb के say या tell को किसी ऐसे शब्द में बदल देना चाहिये कि जिस से Command आज्ञा विन्ति या उपदेश या शिक्षा प्रगट हो और Imperative mood के स्थान में Infinitive mood रखना चाहिये। जैसे —

Direct he said to his sarvents, " go away at once"

Indirect he ordered his servents to go away at once

उसने अपने सेवकों से कहा कि तत्काल चले जाओ

Direct He said to his friends " work steadialy"

Indirect He advised his friends to work steadily

उसने अपने मित्रों को धैर्यता से काम करने की सुमति दी

Direct He said to the student, "do not sit there '

Indirect He forbade the student to sit there उसने उस विद्यार्थी को बाहर बैठने के लिये मना किया

Direct He said to his master "pardon" me sir

Indirect He begged his master to pardon him

उसने अपने स्वामि से क्षमा मांगी।

Direct He said to his friend, "please lend me you your book"

Indirect He asked his friend to be kind enough to lend him his book

उसने अपने मित्र से कहा कृपा कर आप अपनी पुस्तक मुझे दे दो।

जब कि Reported speech में Exclamatory sentence हो तो Reporting verb के say या tell को exclaim, cry out (चिल्लाना) pray इत्यादि में बदल देना चाहिये।

Direct He said "hurrah ! my friend has come"

Indirect He exclaimed with delight that his friend had come

वह खुश हुआ कि उसका मित्र आगया।

Direct He said to them all 'good bye my friends'

Indirect He bade good bye to all his friends

उसने अपने सब इष्ट मित्रों को प्रणाम किया।

Direct He said " may God pardon this sinner

Indirect —He prayed that God would pardon that sinner

उसने कहा कि परमेश्वर इस पापीको क्षमा करे।

SEQUENCE OF TENSES

जब कि दो वाक्य Subordinative conjunction या Relative Interrogative pronoun या adverb से मिले हों तो उन में से पहले को principle sentence (मुख्य वाक्य) और दूसरे को Dependent sentence आधीन वाक्य कहते हैं। जैसे —

Principal	Dependent
I shall let you know,	when I shall start
मैं तुमको जता दूंगा	कि मैं कब चलूंगा

यदि principal sentence का verb past tense में हो तो Dependent sentence का verb भी Past tense में होना चाहिये। यदि Principal sentence present या Future का verb में हो तो dependent sentence में जो चाहे सो tense रह सक्ता है और यदि dependent sentence स्वभाविक या सर्वलौकिक इत्तान्त प्रगट करे तो principal sentence में past tense होनेपर भी Dependent में present Indefinite रहेगा, जैसे कि ऊपर कह आये हैं।

यदि dependent sentence के पहले than या as well as हो तो जो चाहे सो tense उसका हो सक्ता है और principal sentence के सामान्यता की कोई अटक नहीं रहती। जैसे —He likes you better than he liked me वह तुमको

मुझसे अधिक चाहता है। यदि dependent sentence में गुप्त हो तो उसका tense principal sentence के verb के समान होगा। जैसे—He; liked you better than me

ANALYSIS पृथक्करण

Grammar के वाक्य में Subject क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण के विभाग को जुदा २ करके दिखाने को व्याकरण में analysis पृथक्करण या तफ्रीक कहते हैं।

Simple Sentence के analysis में पृथ क्करण के करने में ४ विभाग होते है—

(1) Subject (2) adjuncts to the subject कर्त्ता विशेषण (3) Predicate विधेय (4) adjuncts to the Predicate verb विधेय क्रिया का क्रिया विशेषण।

Subject कर्त्ता सदा Noun होता है या वह शब्द जिसमें Noun की शक्ति हो।

		Subject	Predicate
(A)	A Noun	Rain	is falling
	A Noun understood	The poor (men)	are begging
(B)	Pronoun or adj used as noun	We	go
(C)	A Noun Infinitive	To work	is healthy
(D)	A Gerund	Working	is healthy
(E)	Phrase,	Whither to go	can be known

जब कि Noun Infinitive Subject होता है तो कभी २ Predicate के पश्चात् रखा जाता है और वह Pronoun "it" का Apposition होता है जैसे—It is sad to see this इसका देखना खेद है। कर्त्ता का विशेषण- जिसको कि attributive या adjuncts to the subject या Complement to the subject कहते है। वह adjective होता है या वह शब्द जिसमें कि adjective की शक्ति हो।

Analysis में Definite और Indefinite articles की गणना adjuncts में गिनी जाती है।

मुख्य Attributive adjuncts यह है।—Adjective, A heavy rain अधिक वृष्टि। (2) A participle or verbal adjective A falling rain बरसता मेह (3) Gerundial, Infinitive Water to drink can be taken पानी पीनेके लिये लिया जा सक्ता है। (4) A Noun or pronoun in the possessive case My son's teacher calls me मेरे पुत्र का गुरु मुझे बुलाता है। (5) A noun

या Gerund जिस का प्रयोग adjective के समान हो। जैसे—Village watch man—देहाती चौकीदार। Drinking water पीनेवाला पानी (9) A noun in apposition समानाधिकरण संज्ञा जैसे—Ram the son of Gopal is here गोपाल का पुत्र राम यहाँ है। (7) A preposition with its objects A man of virtue (a virtuous man) धार्मिक (8) An adverb जिस का कोई Participle न हो। the then king—the then (Reigning) king—तब का (राज्य कर्त्ता) महाराजा।

PREDICATE

Predicate या तो finite verb ही होना चाहिये और नहीं तो एक *FINITE VERB* (मुख्य क्रिया) अवश्य होना चाहिये। यदि जिस किसी verb से पूर्ण रूप से अर्थ निकलता हो और किसी शब्द वा वाक्य की आवश्यकता हो तो उसको भी Predicate का विभाग समझना चाहिये। Predicate के मुख्य रूप दिखाए जाते हैं।

Subject	Predicate		
	Finite verb	Object with qualifying words	Complement with qualifying words
(1) A dog एक कुत्ता	barked भौंका		
(1) An Owl एक उल्लू	had flown उड़ गया था		
(2) My brother मेरा भाई	Became होगया		एक अच्छा गुरु a good teacher
(2) The thief उस चोर को	was ordered आज्ञा हुई		to be sent to jail जेल भेजे जाने की
(3) The master वह गुरु	can teach सिखा सक्ता है	my brother Geography मेरे भाई को भूगोल	
(3) The snake उस सांप ने	killed मारडाला	that large mouse उस बड़े चूहे को	
(4) They उन्होंने	found पाया	the weary man उस थके हुए मनुष्य को	sound asleep घोर निद्रा में सोया हुआ

ANALYSIS OF COMPOUND SENTENCES

Compound sentence दो co-ordinate बराबर बराबर स्वाधीन वाक्यों का होता है।

Compound sentence के analysis की रीति यह है.—

(१) कि प्रत्येक वाक्य के ' Finite verb ' को निकाल रखो।

(२) यदि ' Finite verb ' प्रकाश नहीं हो और गुप्त हो तो उसे प्रकाश करना चाहिये।

(३) प्रत्येक 'Finite verb' को क्रमश ढूंढ कर बताना चाहिये

(४) यदि किसी 'Finite verb' का subject understood (गुप्त) हो तो उसको प्रकाश करना चाहिये।

(५) तब प्रत्येक clause को उसके subject, predicate और adjuncts समेत लिखो।

(६) जोड़ने वाले शब्द को अलग रखो जो एक clause को दूसरे clause से मिलाता है। जैसे—

Ram and I went there—राम और मैं वहां गया।

(a) Ram went there—राम वहा गया

(b) I went there—मैं वहा गया

CONNECTIVE जोड़ने वाला शब्द "and"

1 Sukhdeoji was habituated to bathe himself in the holy waters of the Ganges, who *took* his bath on the ghat and after praying God began to read the Vishnu Sahasranam, a holy book—सुखदेव जीका नियम नित गंगा स्नान करने का था जिन्होंने घाट पर स्नान किया और परमेश्वर की वंदना के पश्चात् उन्होंने पवित्र पुस्तक विष्णु-सहस्र नामिका पाठ करना प्रारंभ किया।

ANALYSIS OF COMPOUND SENTENCES WORKED OUT

The clauses	Connective	Subject	Attributive adjuncts (to subject)	Predicate			Adverbial Adjunct (to verb of Predicate)
				Finite Verb	object with qualifying words	complement with qualifying words	
(a) Sukhdeo ji was habituated to bathe himself in the holy waters of the Ganges		Sukhdeo ji		was habituated	himself	to bathe	in the holy waters of the Ganges
(b) who took his bath on the ghat	who	who		took	his bath		on the ghat
(c) and after praying God began to read the Vishnu Sahasranam, a holy book	and	he (understood)		began	the Vishnu Sahasra—nam, a holy book	to read	after praying God

ANALYSIS OF COMPLEX SENTENCE

Complex sentence में Principal clause के साथ में एक या दो Subordinate clauses होते हैं। जैसे —

who comes here, comes to go

Subordinate clauses तीन प्रकार के होते हैं:—The noun clause, the adjective clause and the adverbial clause

(I) Noun clause वह है जो कि किसी दूसरे clause के सम्बन्ध में noun का काम देता है। इस के connective तीन प्रकार के होते हैं जिन से कि noun clause पहचाना जाता है।

(1) एकतो वह कि जब conjunction 'that' apposition (समानाधिकरण) के अभिप्राय से प्रयुक्त होता है। जैसे —we know that he would go to Calcutta

(2) दूसरे Relative या Interrogative adverb में यदि कोई antecedent न आया होवे तो। जैसे—where he will go is not known to any one (यह) किसी को भी विदित न था कि वह कहां जायगा। जैसे —Let us know if (or whether) he comes to day यदि वह आज आवे तो हमको ज्ञात करने दो।

(3) तीसरे Interrogative pronoun में यदि कोई antecedent न प्रगट किया गया हो। जैसे —I went to inquire who came there to day मैं वहा तलाश करने गया कि यहां कौन आया हुआ है।

क्योंकि Noun clause noun का काम देता है इस लिये यह 'verb' का Subject, object, Complement और preposition का object और In apposition to a noun (किसी संज्ञा का समानाधिकरण) होता है। जैसे — to whom he was going is known to all—वह किसके पास जाता था (यह) सब को विदित है। That he shall never come is certain (यह) निश्चय है कि वह कदापि न आवेगा। whom the gods love die young—जिनको भगवान चाहते हैं वे जल्दी मरते हैं।

यह सब verbs के Subjects हैं। He promised that he will soon come उसने प्रतिज्ञा की कि वह शीघ्र आवेगा। I shall be glad to know when

he will come—मैं यह जान कर आनन्दित होऊँगा कि वह कल आवेगा। यह सब verbs के object हैं। His success in future depends upon who is to come— इसकी भावि उन्नति (उस) पर विदित है जो कि आनेवाला है। except that he speaks fast he is an excellant teacher वह अपने तेज बोलने के सिवाय अच्छा गुरु है। यह सब 'preposition' के object हैं। This is exactly what I expected—जो कुछ कि मैं आशा करता था यह सटीक वही है This is what all can understand यह (वह) है जो कि सब समझ सकते हैं। यह सब verbs के complements हैं। The news that he is desired to come soon gives pleasure to all यह समाचार कि उसकी शीघ्र आनेकी इच्छा है इसने सबके लिये आनन्द है। यह सब In apposition to the nouns— समानाधिकरण संज्ञा के हैं।

Conjunction "that" apposition के हितार्थ verb के पश्चात् प्रयुक्त नहीं होता जबकी वह noun प्रगट नहीं किया जाता जिसके लिये कि apposition प्रयुक्त होता है किन्तु जब noun प्रयुक्त हो तो "that" का प्रयोग करना आवश्यकीय है। जैसे —It seems that he is not good—मालूम होता है कि वह अच्छा नहीं है। इस बात को अवश्य मनमें रखना चाहिये कि जिस वाक्य या सटीक वही शब्द हो जोकि बोलने वाले के मुंहसे निकले तो वह भी noun clause के स्थान के वास्ते प्रयुक्त समझा जाता है। जैसे —"He saw the man" was the only reply he made—उसने केवल इतना ही उत्तर दिया कि उसने उस मनुष्य को देखा था।

ADJECTIVE CLAUSE

सब से पहले यह जानना चाहिये कि वह connective word जिस से कि adjective clause प्रारम्भ किया जाता है वह Relative pronoun है या Relative adverb अर्थात् 'who' और 'which' दोनों होते हैं। अब इनके दो प्रकारक प्रयोग होते हैं एक तो Restrictive अर्थात् बंधक और दूसरे continuative वृद्धिकारक। जैसे —The man who lived there died today वह आदमी जोकी वहां रहा आज मर गया। यहांRelative clause 'adjective' के समान प्रयुक्त है क्योंकि वह noun 'man' के अर्थ को बांधता है जोकि वहां रहा। अब देखो कि I have

known that man who recognised me at once मैंने उस आदमी को जान लिया है जिसने कि मुझको तत्काल पहचान लिया। यहां who recognised me at once यह 'man' के अर्थको बधन नहीं करता यह केवल उसीकी बात को विस्तार पूर्वक वर्णन करता है जोकि पहले clause में कहा गया है। यदि Relative pronoun या adverb का प्रयोग Restrictive है तो वह sentence 'complex' है और यदि Continuative है तो वह 'Compound sentence' होगा। यदि Relative pronoun objective case में हो और continuative प्रयोग में न हो कर Restrictive प्रयाग में हो तो Relative pronoun कभी गुप्त रहता है। जैसे—The food he needed (which or that he needed) was scarcely to be had जिस भोजन को उस को आवश्यकता होती थी वह कठिनता से उसको प्राप्त होता था।

ADVERBIAL CLAUSE

Adverbial clause किसी verb के adverb, adjective या किसी दूसरे clause के adverb का काम करता है।

Adverbial clause सब subordinative conjunction के साथ में प्रारंभ होता है सिवाय एक Subordinative conjunction 'that' के जब कि यह noun in apposition के साथ में प्रयुक्त होता है। जानना चाहिये कि Subordinative किस रीति से जाने जाते हैं।

Principal clause	Adverbial clause	Subordinative conj
He will go	because he is ready	cause कारण
वह जायगा	क्योंकि वह तयार है।	
He went so fast	that he was tired	effect परिणाम
वह इतनी जल्दी गया	कि वह थक गया।	
He went fast	that he might reach there	Purpose मनोरथ
वह जल्दी गया	कि जिससे वह वहां पहुच जाए।	
I will go	if you allow me	Condition शर्त
मैं जाउंगा	यदि आप मुझे परवानगी दें।	
He is good	although he is poor	Contrast प्रतिपक्षता
वह अच्छा है	यद्यपि वह गरीब है	

He lik s you more than (he likes) me Comparison तुलना
वह तुम को अधिक चाहता है मेरी अपेक्षा

Men will reap as they sow Extent or manner
जैसा लोग बोए गे वैसा फल पाए गे विस्तार या रीति

The sun will rise as long as the world lasts Time समय
जब तक संसार है तब तक सूर्य्य उदय होगा

Though if, till when unless, whether or, और while conjunctions के पश्चात कभी २ verb 'to be' के रूपान्तर गुप्त रहते हैं । जैसे —

{ Though much alarmed to the news } यद्यपि वह समाचारसे
{ Though he was much alarmed at the news } भय भीत हो गया था

जब कि Adverbial clause 'than' से प्रारम किया जाता ह तो उसका Predicate सदा प्रगट नहीं रहता और वह किसी दूसरे clause से लेकर प्रगट किया जाता हैजिस पर कि वह निरभर रहता है। जैसे—He likes me more than (he likes) you वह तुम्हारी अपेक्षा मुझ को अधिक चाहता है।

जब कि 'who' और 'which से कारण या मनोरथ का अर्थ निकलता है और subordinate conjunction होते हैं तो उन से भी adverbial clause बनता है। जैसे—He should pardon him who never come before=उस को उस पर क्षमा करना चाहिये जो कि पहले वहां कदापि नहीं आया।

The post man was sent who should deliver the letters=डाकिया भेजा गया था कि वह चिट्ठी बांटे।

EXAMPLE OF THE COMPLEX SENTENCE ANALYSED

The judge of the court cried out who saw the thief and ordered him to explain how he was against the rules and regulation of the High court that he was given to stealing and robbing which preferred rather to punish than release him न्यायालय का न्यायाधीश चिल्ला उठा जिसने कि उस चोर को देखा और उसको वर्णन करने की आज्ञा दी कि वह हाई कोर्ट (विशालन्यायालय) के नियम और नियमावली विरुद्ध कैसे हो गया कि जिस से वह चोरी और डकैती का काम करने लगा जिस ने कि उसको छोड़ देने की अपेक्षा दण्ड देना उत्तम समझा।

No	The clauses	kind of clause	Connective	Subject	2 attributive adjuncts (to subject)	pridicate			Adverbial adjuncts (to verb of pridicate)
						finite verb	object with qualifying words	complement with qualifying words	
A	the judge of the court cried out	principal clause		the judge	of the court	cried out			
B	who saw the thief	coordinate clause to (a)	who	who		saw	tee thief		
C	and ordered him to explain	coordinate to (a)	and	the judge understood		ordered	him	to explain	
D	how he was against the rules and regulations of the high court	Noun clause object to explain in (C)	how	he		was		against the rules and regulation of the high court	
E	that he was given to stealing and robbing	adjectival clause to he in (D)	that	he		was given	to stealing and robbing		
F	which prefered rather to punish	adjectival clause to stealing&robbing	which	which		prefered	to	rather to punish	
G	than release him	adverbial clause in continuation of [illegible]	than	(it)		(prefered)			

PARSING अन्वय या तरकीब

(1) Noun

Kind of noun	Gender	Number	Case
Proper Common Collective Material Abstract	Masculine Feminine Common Neuter	Singular Plural	Nominative Possessive Objective

(2) Pronoun

Kind of pronoun	Gender	Number	Case
Pers { simple, reflexive Demons { definite, Indefinite	Masculine Feminine Common Neuter	Singular Plural	Nominative Possessive Objective
Relative Interrogative	Agreeing in Gender, Number and Person with its antecedent		

The classes of nouns or pronouns

Nom to verb " as compl to verb " in Apposition " of Address " Absolute Possessive	Obj to verb direct " " Indirect " " Retained " " Cognate " as Compl to verb	Obj in apposition " to preposition " adverbial " after certain adjectives " Interjectional

Adjectives

The kind of adjectives	Degree	Use
Proper Of quality, number { Definite, Indefinite Of quantity Distributive Demons { Definite, Indefinite	Positive Comparative Superlative	Attributive Predicative

Adverb

Kind of adverb	Degree	Use	Attributive uses
Simple Relative Interrogative	Positive Comparative Superlative	Attributive Predicative	To qualify verb " " Adjective " " Adverb " " Preposition " " Conjunction " " Sentence

Finite verb

Kind of verb	Person	Number	Tense	From
Transitive Intransitive Auxiliary Defective	First Second Third	Singulare Plural	Present Past Future	Indefinite Continuous Perfect continuous

Mood	Voice	
Indicative Imperative Subjunctive	Active Passive	Agreeing with its subject or subject expressed or understood governing its object or objects expressed or understood

Infinitive

Form	(a) Use as noun Inf	(b) Use as gerundial Inf
Indefinite Continuous Prefect Per continuous	Subject to verb Object to verb Complement to verb Object to preposition Exclamatory	To qualify a verb " " a noun { attributive predicative " " an adjective

Participle or verbal adjective

Form	Voice	Kind of Verb	Usage
Present Past Perfect	Active Passive	Transitive Intransitive	Attributive Predicative { complement / absolute Gerundive

Gerund

Form	Voice	Kind of verb
Present Perfect	Adjective Passive	Transitive Intransitive

CONJUNCTION

Coordinative	Subordinative

PARSED SENTENCE

The Vaishyopakaral, a monthly paper in Hindi language is at its greatest circulation in India for the progress of the Vaishya the trading caste.

The—Demonstrative adjective definite article pointing out the Vaishyopakarak.

Vaishyopakarak—proper noun singular number, neuter gender nominative case subject to the verb "is"

A—demonstrative adjective Indefinite article pointing out the noun paper.

Monthly—adjective formed from the noun month, qualifying the noun 'paper'.

Paper—common noun neuter gender, singular number, nominative case Subject to the verb 'is'

In—preposition having language for its object

Hindi—proper adjective qualifying 'language'

Language—common noun, neuter gender, singular number objective case after the preposition 'In'

Is—auxiliary, verb of incomplete predication, Indicative mo present tense, having 'at its greatest circulation' for its complem agreeing with its subject 'Vaishyopakarak' and 'paper' in gend number and person

At—preposition having "circulation" for its object

Its—personal pronoun, third person, neuter gender, singul number, possessive case, qualifying the noun 'circulaction'

Greatest—Adjective of quality with superlative degree, qual fying the noun 'circulation'

Circulation—common noun neuter gender, singular number, obje tive case after the preposition 'at'

In—preposition, having 'India' for its object

India—proper noun, neuter gender, singular number, objectiv case, after the preposition 'in'

For—preposition having the noun 'progress' for its object

The—*demonstrative objective, definite article, qualifying th* noun 'progress'

Progress—Abstract noun, neuter gender, singular number, objective case, after the preposition 'for'

Of—preposition, having Vaishyas for its object

Vaishyas—common noun, common gender, plural number, objective case, after the preposition "of"

The—demonstrative adjective, definite article, qualifying the noun 'caste'

Trading—present participle verbal adjective, regular transitive verb of active voice, used attributively to qualify the noun 'caste'

Caste—common noun, common gender, singular number, objective case, in apposition to Vaishyas'

THE SYNTHESIS OF SENTENCES

Synthesis तरकीब आमिज़िश या मिश्रण वह है जिस से Sentence के अनेक विभाग को एक करने का बोध होता है। इस लिये यह Analysis का उलटा है।

Simple Sentences को केवल एक Simple Sentence बनाने के लिये Participles, absolute phrases, Gerunds के साथ Prepositions लाकर, Infinitives, Nouns या phrases समानाधिकरण में लाकर Adverbs या adverbial phrases को प्रयोग में लाते है। जैसे —He had come वह आया था। He had seen his enemy उसने अपना शत्रु देखा था। Seeing his enemy He had fled वह अपने शत्रु को देखकर भाग गया। They come वे आए। He got away वह चला गया। They having come, he got away उनके आने पर, वह चला गया। He advised him उसने उसको सुमति दी। He helped him उसने उसकी सहायता की। Besides advising, he helped him सुमति देनेके सिवाय उसने उसकी सहायता की। He has three sons उसके तीन पुत्र हैं। He must get them married, उस को उनका विवाह कर लेना चाहिये। He has three sons to get them married उस को अपने तीन पुत्र का विवाह करना है। He died of cholera वह हैजे से मर गया। Cholera is mortal disease हैजा प्राय घातक रोग है। He died of cholera—a mortal disease वह प्राय घातक रोग, हैजे से मर गया। He was fool वह मूर्ख था। His foolishness was very much उसकी मूर्खता बहुत अधिक थी। He was fool very much वह बड़ा भारी मूर्ख था।

(1) Copulative (2) alternative (3) adversative (4) और Illative Conjunction (5) और Relative pronoun या Relative adverb के विस्तार पूर्वक प्रयोग में लानेसे (6) और Illative Conjunction के जोड़ने से भी Simple Sentences से compound Sentences बनते हैं। जैसे—

(1) He was declared to be thief by the judge even his Companions believed the fact to be true न्यायाधीशने उसको चोर ठहराया। उसके साथी भी इस मामले को सच समझे। Not only he was declared to be thief by the judge, but even his friends declared the fact to be true

केवल न्यायाधीश होने, उसको चोर नहीं ठहराया परन्तु उसके साथियोंने भी इस बात को सच समझ कर मान लिया।

(2) That animal may be a fox It may be a cat It must be one of them वह जानवर लोमडी होवे। वह बिल्ली होवे। वह उनमें से एक हो।

That animal may be either a fox or a serpent वह जानवर लोमडी हो या साप हो।

(3) He is poor He is honest वह गरीब है। वह ईमानदार है। He is poor but honest वह गरीब है लेकिन है भला आदमी।

(4) At the sight of a dog the cat gets into a house कुत्ते को देख कर बिल्ली घरमे घुस जाती है। The cat fears the dog बिल्ली कुत्तेसे डरती है। At the sight of a dog the cat gets into a house, for it fears the dog कुत्ते को देखकर बिल्ली घरमें घुसजाती है, क्योंकि बिल्ली कुत्ते से डरती है।

(5) I started for Howrah yesterday I shall stop there four days कल मै हवडके लिये रवाना हुआ वहां मै चार दिन ठहरूंगा। I started for Howrah yesterday where I shall stop four days कल मै हवडेके लिये रवाना हुआ जहां कि मै चार दिन ठहरूंगा।

(6) The dog is faithful The dog is barking The dog is cunning The dog is cruel The cat runs away into the house कुत्ता भोंकता है। कुत्ता चलाक होता है। कुत्ता निर्दई होता है। बिल्ली घरमें घुस जाती है। The dog is faithful and barking, but cunning and cruel and hence the cat runs away into the house कुत्ता निमक हलाल और भोंकनेवाला है, परन्तु चलाक और निर्दयी होता है और इसलिये बिल्ली घरमें घुसजाती है।

Simple sentence व complex sentence तीन प्रकारसे बताए जाते हैं

(1) Noun clause (2) adjectival clause (3) adverbial clause

(1) Conjunction 'that' के द्वारा Noun clause आरम्भ किया जाता है जिसका कि प्रयोग समानाधिकरण के अभिप्राय से किया गया हो या किसी Relative pronoun या Relative adverb के द्वारा आरम्भ किया जाता है जिसका कि Antecedent न हो या किसी शब्दके द्वारा प्रकाश किया जाता है.

जो कि Direct Narration में प्रकाश किया गया हो। जैसे—The rose is the sweetest of flowers. It is certain गुलाब फूलों में बहुत अच्छा होता है। इस में सन्देह नहीं है। It is certain that the rose is the sweetest of the flowers इस में सन्देह नहीं है कि गुलाब फूलों में अच्छा होता है।

He is going to some place, No one knows it वह किसी जगह जानेवाला है। यह कोई नहीं जानता। No one knows where he is going कोई नहीं जानता कि वह कहां जानेवाला है।

(२) Adjective clause Relative pronoun या Relative adverb के द्वारा प्रारम्भ किया जाता है, जिस के प्रयोग से उसका गुण बोध होता है। जैसे—A man once had a goose. The goose laid every day a golden egg. एक समय एक आदमी के पास हंसनी थी। वह हंसनी प्रतिदिन सोनेका अण्डा देती थी। A man once had a goose that every day laid a golden egg एक समय एक मनुष्य के पास एक हंसनी थी जोकि प्रतिदिन सोने का अण्डा देती थी।

(३) Adverb clause किसी Subordinate Conjunction या Relative pronoun या Relative adverb के द्वारा प्रारम्भ किया जाता है, जिस का क्रिया adverb के समान हो। जैसे He retired from his services. He could not work so hard वह अपनी नौकरी से अलग होगया। वह इतना परिश्रम नहीं कर सका था। He retired from his services as he could not work so hard वह अपनी नौकरी से अलग होगया, क्योंकि वह इतनी मेहनत नहीं कर सका था। My son had no sleep last night. He must be tired to day कल रात्रि में मेरे लड़केको निद्रा नहीं हुई। आज वह अवश्य थक जाएगा। My son, who had no sleep last night must be tired to day कल रात्रि में मेरे पुत्र को निद्रा नहीं हुई जो कि आज अवश्य थक जायगा।

PUNCTUATION

Punctuation (प्रकृपुप्रन) यह चिन्ह, जिनके द्वारा किसी Sentence या उसके विभाग को अलग करनेका बोध होता है। वह चिन्ह यह हैं (,) comma अल्पविराम (;) Semicolon, अर्धविराम (:) Colon अपूर्ण-

विराम ( ) Fullstopविराम Note of Interrogation प्रश्न चिन्ह, ? Note of Exclamation ! आश्चर्य चिन्ह Brackets ( ) (), [ ] ब्रैकेट Apostrophe (') अपाइफो, Dash डैश—Hyphen हाइफन Inverted Commas " " अवतरण चिन्ह।

THE COMMA

जरासी दूरी के लिये Comma लाते हैं। Simple Sentence में Noun या Pronoun के मध्यमें, जब कि वे समानाधिकरण में हों। जैसे—Ram, a brother of Gopal, inhabitant of Jhansi गोपाल का भाई राम झांसी का रहनेवाला।

एक ही Parts of speech के अनेकशब्द जिनमें कोकि शेष के दो शब्द and से मिले रहते हैं। जैसे—India, Burma, Arabia, and Kathiawar are the Peninsulas of southern Asia

After the Nominative of address सबोधित कर्त्ता के पश्चात्। जैसे—Ladies, Lords and Gentlemen, listen to me श्रीमान, श्रीमती और भद्र गणो, मेरी बात सुनो।

Absolute construction के पश्चात् जैसे—The sun having risen, we all returnedसूर्य के उदय हो जाने पर हम सब लौट आए। एक ही जाति के शब्दों के जोड़ जो पदों में आते हैं उन सब के पश्चात् comma लगाया जाता है। By night or by day, at home or abroad, asleep or awake, he prays God दिन हो या रात, घर हो या जङ्गल, सोता हो या जागता वह भगवान की वंदना किया करताहै।

किसी वाक्य के प्रारम्भ में adverbial phrase के पश्चात् जैसे—At last, he won the prize शेष में उसने इनाम जीत लिया।

Participal phrase के पहले और पश्चात् जब कि वह विस्तार पूर्वक प्रगट किया गया हो और केवल उस का प्रयोग गुण बोध करने के लिये न किया गया हो, जैसे—The man, having retired from his services, went to his homeवह आदमी अपनी नौकरी से अलग हो जाने के कारण अपने घर चला गया। लेकिन जब कि Participal adjective के समान nounका गुण प्रकाश करता है तो comma को प्रयोग में नहीं लाते। जैसे The man being sick is likely to die—वह बीमार आदमी बहुत करके मर जाएगा।

किसी Co-ordinative conjunction के पहले comma लाना चाहिये He is not an honest, but a knave वह निस्सन्देह इमान नहीं है, कि मान है।

समझाने वाले वाक्य खण्ड comma से पलग किये जाते हैं। जैसे filed was square, 20 yards in length, 20 yards in breadth खेत था, पर्थात् २० गज लंबा था, २० ही गज चौड़ा था।

Gerundial Infinitive जब कि समझाने वाले पद के समान प्रयोग है तो उसके पहले और पश्चात् में comma लगाया जाता है। जैसे— I tell you the truth, very sick मैं तुम से सच कहता हूं, कि मैं बहुत हूं। Direct narration में वाक्य के प्रारंभ करने के लिये comma लगाते हैं। इस अवसर पर ऐसे sentence को सदा capital letter से प्रारंभ चाहिये। Bravo! Bravo! the king cried out, look here, इधर बादशाह बोल उठा शाबस! शाबस! कभी २ comma इस अभिप्राय से किया जाता है कि उस से यह प्रगट होता है कि कोई बात रह गई है क्रिया को बार बार दोहराना नहीं पड़ता, जैसे—My train left for Cal yours, for Patna तुम्हारी गाड़ी पटने के लिये और मेरी (गाड़ी) के लिये छूट गई।

Compound sentence के Co-ordinate clause जब विस्तार पूर्व आवे है तो Comma लगाया जाता है। जैसे—His wisdom is g than knowledge, and he deserves promotion उस की बुद्धि अपनी अधिक है, और वह उन्नति के योग्य है। पर जब कि वाक्य विस्तार लिये हुये हों और बहुत पास २ लिखे गए हों तो comma नहीं जैसे—I ran and caught him मैं दौड़ा और उस को पकड़ लिया।

जब कि Coordinate clauses में Conjunction नहीं होता तो semi-colon लगाया जाता है। जब कि वे छोटे होते हैं तो comm जैसे—He sleeps, works, reads walks, wakes, in short, thing वह सोता है, काम करता है, पढ़ता है, चलता है, सब काम करता है। पर जब कि वे बड़े होते हैं तब।

Between Ram and Gopal there is great

विराम (.) Fullstop विराम Note of Interrogation प्रश्न चिन्ह, ? Note of Exclamation ! आश्चर्य चिन्ह Brackets ( ) (), [ ] ब्रैकेट Apostrophe (') अपाष्ट्रफो, Dash डैश—Hyphen -हाइफन Inverted Commas " " अवतरण चिन्ह।

THE COMMA

जरासी देरी के लिये Comma लाते हैं। Simple Sentence में Noun या Pronoun के मध्यमें, जब कि वे समानाधिकरण में हों। जैसे—Ram, a brother of Gopal, inhabitant of Jhansi गोपाल का भाई राम झांसी का रहनेवाला।

एक ही Parts of speech के अनेकशब्द जिनमें जोकि शेष के दो शब्द and से मिले रहते हैं। जैसे—India, Burma, Arabia, and Kathiawar are the Peninsulas of southern Asia

After the Nominative of address सबोधित् कर्त्ता के पश्चात्। जैसे—Ladies, Lords and Gentlemen, listen to me श्रीमान, श्रीमती और भद्र जनो, मेरी बात सुनो।

Absolute construction के पश्चात् जैसे—The sun having risen, we all returned सूर्य के उदय हो जाने पर हम सब लौट आए। एक ही जाति के शब्दों के जोड़ जो पदों में आते हैं उन सब के पश्चात्, comma लगाया जाता है। By night or by day, at home or abroad, asleep or awake, he prays God दिन हो या रात, घर हो या जङ्गल, सोता हो या जागता वह भगवान की वंदना किया करताहै।

किसी वाक्य के प्रारम्भ में adverbial phrase के पश्चात् जैसे—At last, he won the prize शेष में उसने इनाम जीत लिया।

Participal phrase के पहले और पश्चात् जब कि वह विस्तार पूर्वक प्रगट किया गया हो और केवल उस का प्रयोग गुण बोध करने के लिये न किया गया हो, जैसे—The man, having retired from his services, went to his home वह आदमी अपनी नौकरी से अलग हो जाने के कारण अपने घर चला गया। लेकिन जब कि Participal adjective के समान noun का गुण प्रकाश करता है तो comma को प्रयोग में नहीं लाते। जैसे The man being sick is likely to die— वह बीमार आदमी बहुत करके मर जाएगा।

किसी Co ordinative conjunction के पहले comma आना चाहिये, जैसे— He is not an honest, but a knave वह निरक्त इमान नहीं है, किन्तु बदमाश है ।

समझाने वाले वाक्य खण्ड comma से अलग किये जाते हैं। जैसे—The filed was square, 20 yards in length, 20 yards in breadth खेत चौखुटा था, अर्थात् २० गज लंबा था, २० ही गज चौड़ा था ।

Gerundial Infinitive जब कि समझाने वाले पद के समान प्रयोग में आता है तो उसके पहले और पश्चात् में comma लगाया जाता है। जैसे— I am, to tell you the truth, very sick मैं तुम से सच कहता हूं, कि मैं बहुत बीमार हूं । Direct narration में वाक्य के प्रारंभ करने के लिये comma लगाया जाता है। इस अवसर पर ऐसे sentence को सदा capital letter से प्रारंभ करना चाहिये। Bravo! Bravo! the King cried out, look here इधर देखो, बादशाह बोल उठा शाबस! शाबस! कभी २ comma इस अभिप्राय से प्रयोग किया जाता है कि उस से यह प्रगट होता है कि कोई बात रह-गई है जिस से क्रिया को बार बार दोहराना नहीं पड़ता, जैसे—My train left for Calcutta, yours, for Patna तुम्हारी गाड़ी पटने के लिये और मेरी (गाड़ी) कलकत्ते के लिये छूट गई।

Compound sentence के Co-ordinate clause जब विस्तार पूर्वक लिखे जावे है तो Comma लगाया जाता है। जैसे—His wisdom is greater than knowledge, and he deserves promotion उस की बुद्धि अपनी विद्या से अधिक है, और वह उन्नति के योग्य है। पर जब कि वाक्य विस्तार पूर्वक न लिखे हुवे हों और बहुत पास २ लिखे गए हों तो comma नहीं लगाया जाता। जैसे—I ran and caught him मैं दौड़ा और उस को पकड़ लिया।

जब कि Coordinate clauses में Conjunction नहीं होता तो comma या semi-colon लगाया जाता है। जब कि वे छोटे होते हैं तो comma लगाते हैं। जैसे—He sleeps, works, reads, walks, wakes, in short, he does every thing वह सोता है, काम करता है, पढ़ता है, चलता है, जागता है, निदान वह सब काम करता है। पर जब कि वे बड़े होते हैं तब semi-colon लगाते हैं। जैसे Between Ram and Gopal there is great diference, the former

is clever and cunning, the latter is fool and wicked राम और गोपाल में बहुत अन्तर है, राम चतुर और चालाक है, गोपाल मूर्ख और दुष्ट है।

Complex sentence में जब कि Noun clause "subjects" या "objects" एक ही verb के हों तो comma लगाना चाहिये। जैसे—Who he is, or why he came, or what he desires, will be found out in a minute वह कौन है, या वह क्यों आया, या वह क्या चाहता है, सो सब एक दम में मालूम पड़ जायगा। जब तक कि adjective clause विस्तार पूर्वक नहीं लिखा जाता तब तक उसको comma के द्वारा Principal clause से अलग नहीं करते। जैसे—Fortune selects him for her lord who reflects before acting लक्ष्मी अपना स्वामि उसी को बनाती है कि जो करने के पहले विचार करता है। The Dog barking yesterday is seen again today, जो कुत्ता कि कल भोंकता था आज फिर दिखाई दिया। Adverb clause के पहले उसको Principal clause से अलग करने के लिये comma लगाया जाता है, लेकिन जब कि Adverbial clause बहुत छोटा हो या वह Principal clause से सटा हुआ हो तो comma नहीं लगाया जाता। जैसे—I can do this, if you allow यदि तुम कहो तो मैं इसे कर सक्ता हूं। Send me word before you start आप जाने के पहले मुझे खबर दें।

THE SEMI-COLON.

Semi colon का प्रयोग comma से अधिक दूरी के प्रगट करने के लिये किया जाता है। बड़े २ clauses को एक दूसरे clause से अलग करने के लिये semi-colon का प्रयोग होता है। जैसे—Cow is of great service to man, she yields milk; she yields firewood; she yields food; and she yields strength to the body, गाय आदमी के लिये बड़े मतलब की है, वह दूध देती है, ईंधन देती है, भोजन देती है, और शरीर में ताकत देती है। हर एक clause पर अधिक भार देने के लिये कि जिस से हर एक clause पर मन अधिक देर तक लगा रहे। जैसे—As he loved me, I weep for him; क्योंकि वह मुझे चाहता था मैं उस के लिये रोता हूं। As he was fortunate, I rejoice at it, क्योंकि वह भाग्यवान था मैं उससे खुश हूं। As he was valiant I honour him; क्योंकि

यह बहादुर था; मैं उसका सम्मान करता हूं, and as he was ambitious, I slew him और क्योंकि वह लालची था, मैंने उसको मार डाला।

जो clauses कि Alternative या Illative conjunctions से जोड़े जाते हैं, उनके अलग करने के लिये semi colon लगाया जाता है। जैसे I met him as he was leaving his house, other-wise I were unble to see him again क्योंकि वह अपना मकान छोड़ता था सो मैं उस से मिला, नहीं तो मैं उस से फिर न मिल सका। I refused him to work at that time, for I was tired मैंने उससे काम करने के लिये इनकार किया क्योंकि मैं थक गया था।

COLON

कही हुई बात को दिखा समझा के या इकरार करने के लिये शुरू करने में colon प्रयोग किया जाता है। जैसे—Keep from all things advisable at all times to preserve your health there is no happiness without it सदा परहेज की चीजों से बचो अपनी तन दुरस्ती के लिये इसके न होने से कोई खुशी नहीं है।

किसी वाक्य के प्रारंभ करनेके लिये colon के आगे (—) dash लगा कर प्रयोग करते हैं। जैसे—He stood and said —"I always see that God in me" उसने खड़े होकर कहा कि मैं सदा भगवान को अपने में देखता हूं।

वर्णन किये हुये clauses को फिर शुरू करनेके लिये colon के आगे dash लगा कर प्रयोग करते हैं और इसी प्रकार बहुत से clauses को शुरू करने के लिये भी colon के आगे dash देकर प्रयोग करते हैं। जैसे—The rain had passed, the sun was set in the west and the night was approaching —such were the pleasant views when the dancing began पानी बरस चुका था सूर्य पश्चिम में अस्त होगया था, और रात्रीका समय होता जाता था —ऐसा सुन्दर दृश्य था, तब कि नाच शुरू हुआ। There are many uses of wood we sleep on wood, we live in wood, we float on wood in fact, the wood is very serviceable लकड़ी बहुत से कामों में लाई जाती है, हम लकड़ी पर सोते हैं, हम लकड़ी में रहते हैं, हम लकड़ी पर तैरते हैं —वास्तव में लकड़ी बड़े काम की वस्तु है।

किसी नियम के दृष्टान्त के प्रारम्भ करने के लिये colon के आगे dash लगा कर प्रयोग करते हैं। जैसे—A pronoun is a word used instead of a noun, as—Ram went to Gopal and he saw him. सर्वनाम वह शब्द है जो कि संज्ञा के बदले प्रयोग किया जाता है, जैसे—राम गोपाल के पास गया और उसने उसको देखा।

FULL STOP OR PERIOD

The full stop या period विराम से किसी वाक्य की समाप्ति का बोध होता है। इसके उपरान्त दूसरे sentence को Capital letters से लिखना चाहिये इसका प्रयोग संक्षेप वर्णों के पश्चात् भी हुआ करता है। जैसे— A D (for anno domini) Bart (for baronet)

NOTE OF INTERROGATION

Note of Interrogation प्रश्न बोधक चिन्ह प्रश्न सूचक वाक्य के पश्चात लगाया जाता है। इसके पश्चात् जो वाक्य लिखना हो उसे Capital letters से प्रारंभ करना चाहिये। जैसे—who is he? Whence did he come? वह कौन है? वह कहाँ से आया?

NOTE OF EXCLAMATION

Note of exclamation आश्चर्य सूचक वाक्य के पश्चात लगाया जाता है, जैसे—How pretty she is! वह कैसी सुन्दर है!

BRACKETS

बड़े वाक्य के मध्य में उपन्यस्त वाक्य को Bracket में बंद कर देते हैं, जैसे— दस वर्ष की अवस्था में (उसकी बुद्धि इतनी तीव्र है कि) वह संस्कृत पढ़ सकी है।

APOSTROPHE

Apostrophe के प्रयोग से यह बोध होता है कि कोई वर्ण निकाल दिया गया है, जैसे—Hon'ble या Honourable, e'en या even, don't या do not

DASH

जब एक बात छोड कर यकायक दूसरी बात प्रारंभ करते हैं तब dash का प्रयोग करते हैं। सामानाधिकरण या समझाने में जो शब्द आते हैं उनका बोध करने के लिये भी dash का प्रयोग होता है। जैसे —

Here lies the great—false marble where ?

Nothing but sordid dust lies here यहाँ पर मलीनताके मलीन पदार्थ के सिवाय और कुछ नहीं ? (जहां) कि बडी बडी चोंटें—ऊपर में संग मर मर के समान सुन्दर मालूम होती हैं पर भीतर में उसके मलीनता का निवास रहता है।

They plucked the seated hills with all their loads
Rocks, waters, woods, and by the shaggy tops
Uplifting bore them in their hands

वे जमी जमाई पहाडियों को झडूली चोटियों और बोझ समेत जङ्गल समुद्र और चट्टानों को उठा कर अपने हाथों में लेगए। किसी वाक्य के शुरू करने के लिये dash के पहले colon प्रयोग करना चाहिये, जैसे—He stood and said — "God is the creator of all" उसने खडे हो कर कहा—ईश्वर सब का जन्म दाता है। उपन्यस्त वाक्य के आगे पीछे दोनो ओर मिला कर दो dashes लगाए जाते हैं, जोकि बडे वाक्य के मध्य में प्रयोग किया जाता है। जैसे—At the age of ten—such is the power of understanding—he can read and write sanscrit well दस वर्ष की उम्रमें —उसकी बुद्धि इतनी तीव्र है—(कि) वह संस्कृत लिख पढ सका है।

HYPHEN

मिश्रित शब्दों के भाग को मिलाने के लिये Hyphen को प्रयोग में लाते हैं। जैसे—bathing place नहाने की जगह।

INVERTED COMMAS

किसी वाक्य या बोलने वाले की सटीक बातके प्रगट करने के लिये उसके आदि में (") दो comma उलटे और उसके अन्त में दो comma सीधे (") प्रयोग में लाते हैं जोकि Inverted commas कहलाते हैं। जैसे—"Ram said, he is mad" राम ने कहा कि वह पागल है।

इनके अतिरिक्त * star ' † dagger ' ‡ double dagger, ¶ perllal भी होते हैं जिन से कि यह प्रगट होता है कि किनारे पर कुछ लिखा है जोकि उन शब्दों से सम्बन्ध रखते हैं जिन पर कि वह चिन्ह लगाए गए हैं। यह चिन्ह प्राय note (टीका) के वास्ते प्रयोग में आते हैं। किसी बात के छोड़ देने के लिये यह * * * चिन्ह प्रयोग में लाते हैं।

(') यह accent का चिन्ह कहलाता है और जिस Syllable पर accent (भार) हो उसके शेष के अक्षर के सिरे पर इसको प्रयोग में लाते हैं। जैसे—victor विजयी।

(∧) इस चिन्ह को सतर के नीचे लाते हैं इस से यह बोध होता है कि सतर के ऊपर जो लिखा है वह भूल से छूट गया था।

WORD BUILDING

शब्द रचना

जिस शब्द का कोई साधारण रूप नहीं किया जा सका उसको साधारण या मूल शब्द कहते हैं। जैसे—Man, pen इन्हीं को Roots (मूल) भी कहते हैं। जब कि दो roots से मिल कर एक शब्द बनता है तो उसको compound word (मिश्रित शब्द) कहते हैं। इसके दो भेद (१) Unrelated (असम्बन्धि) या वह जिन में कि roots या simple words किसी व्याकरण के संबन्ध द्वारा नहीं जोड़े जाते, और वे juxta Positional भी कहलाते हैं (२) Related (सम्बन्धि) या वे जिन के कि साधारण शब्दों के मेल मिलापों में व्याकरण का सम्बन्ध रहता है जोकि Syntactical कहलाते हैं।

UNRELATED OR JUXTA POSITIONAL COMPOUND

Noun के आगे noun लगाने से noun बनता है। जैसे— oil-lamp, lamp-oil, ear-ring (बाली) Ring finger अगूंठी noun के पहले gerund लाने से noun बनता है, जैसे— Looking-glass (दर्पण) Blotting-paper स्याही चट। कभी २ रूपघटाने के लिये ing उडा देते हैं। जैसे—grind-stone for grinding

stone (सिल) noun के पहले adverb लगाने से noun बनते हैं। जैसे—over-coat, In-side (भीतर) In-mate भीतर के लोग Adjective या participle के पहले उस noun के लगाने से Adjective बनता है, जिस से कि तुलना, सम्बन्ध, मूल कारण और विस्तार या माप उस गुण से प्रकाश हो जोकि विशेषण से प्रगट किया जाता है। जैसे—Snow white बरफ सा सफेद air tight (जिस में हवा न जाए) Heart broken दिल टूटा purse proud पैसे से दिवाना, home sick (घरमें घुसे रहने के कारण बीमार), world-wide अपार संसार breast high छाती इतना ऊंचा।

Noun को noun से मिलाने से adjective बनता है पर शेष के noun में d या ed रहती है। जैसे—one eyed काणा chicken-hearted मुर्ग़दिल।

Adjective या Participle के पहले Adjective लगाने से adjective बनता है जिस में एक adjective दूसरे adjective का गुण प्रकाश करता है। जैसे—Blue black, red hot, dark blue, आदि, verb के पहले noun के लाने से verb बनता है। जैसे— To brow-beat नीली पीली आंखों से डराना। To back-bite चुगली खाना To hew-peck, (सताना) जोरू जब खसम को सताती है तब उसके सताने को कहते है।

Verb के पहले adjective के लगाने से भी verb हो जाता है। जैसे—To white wash सफेदी करना।

RELATED OR SYNTACTICAL COMPOUNDS

(१) Transitive verb अपने noun के साथ objective case में जब आता है तब उस verb से noun बनता है। जैसे—A tell tale (कहानी कहनेवाला) a past time व्यतीत समय।

(२) Transitive verb के पहले noun जब कि objective case में होता है, तो इस अवसर में उस verb के आगे er बढा देते हैं जिस से कि common noun का मतलब कर्ता से निकलता है और verbal noun या abstract noun के शेष में जब कि ing होता है। जैसे—shoe maker मोची watch-maker घडी साज snake-charmer सपेरा shoe-making जूता बनवाई, watch making घडी बनवाई। पर इसमे कभी २ er या ing उडा दिया जाता है।

जैसे—Blood shed खून गिरना for blood shedding tooth pick for tooth picker दंत खुदनी।

(३) जब कि adverb किसी verb के पहले या पीछे आकर उसका गुण प्रकाश करता है तब भी उस से noun बनता है जैसे an in-come आमदनी, off-spring औलाद A run away भगेड़, a caste-away फुटा।

(४) जब कि किसी noun का गुण किसी adjective से या present या Past participle से प्रकाश किया जाता है पर इस अवसर में कभी उसका ing या ed उड़ा दिया जाता है। जैसे— a noble man भद्र पुरुष screech owl, चिड़ की चीख glow worm चमकीला कीड़ा skim milk मलाई उतरा दूध। Charcoal कीएला (लकड़ीका)

(५) जब कि Possessive noun किसी noun का गुण प्रकाश करता है या जब कोई noun दूसरे noun या Pronoun के साथ समानाधिकरण में होता है या जब कि noun के पहले कोई Preposition आता है और वह उससे संबंध रखता है। जैसे—Salesman (sale's man) बेचनेवाला, Oarsman (oar's-man) मल्लाह King's bench राज्यासन; (land's-end पृथ्वी का अंत,) washer man धोबी Oak-tree साखू का पेड़, he goat बकरा; she goat बकरी, after-noon, तीसरे पहर, fore-noon दुपहर के पहले।

(६) जब कि किसी noun के पहले adjective आकर उसका गुण प्रकाश करता है। इस अवसर में noun के पश्चात् ed लगा देते हैं। और जब कि किसी noun के पश्चात किसी Transitive verb का present participle आकर उसको govern करता है या जब किसी noun के पहले preposition आ कर उस को govern करता है। जैसे—Evil-hearted, बुरमनवाला narrow minded कञ्जूस, a man eating tiger मर्दुम खोर चीता a self sacrificing act निज को बलिदान देने का काम, over-land खुश्की Over-time work नियुक्त समय के ऊपर काम।

Adverb को verb के आगे या पीछे रखने से verb का मिश्रित शब्द बनता है। जैसे—Over-hear किसी की आड़ में से सुनलेना cross-question दुबारा प्रश्न करना, turn out निकाल बाहर करना, come on चले आना।

Derivative word साधित शब्द या औपाधिक शब्द और Primary

आदिम शब्द नहीं समूहरी कहते हैं। जोकि आदि शब्द के रूप बदलने से बनता है। जैसे—Write, wrote और प्रत्यय या उपसर्ग या दोनों लगा देनेसे Secondary प्रथमानुगामी या दर्शागामी कहलाते हैं।

Verbs और adjectives के मध्यस्वर या उनके अंतिमस्वर के बदलने से Noun बनता है।

Verb	Noun
advise उपदेश करना	Advice उपदेश
Bake सेकना	Batch थान
Bear लेजाना	Bier ठठरी
Bind बाधना	Bond दस्तावेज
Bite काटना	Bit ग्रास
Bulge उभरना	Boil फोड़ा
Chap काटना	Chip टुकड़ा
Fly उड़ना	Flea पिस्सू
Float बहना	Fleet बेड़ा
Shear कतरना	Share भाग
Sneak चुप चाप आना	Snake सांप
Speak बोलना	Speech बोली
Stick टांकना	Stitch सीवन

Adjective	Noun
Black काला	Blotch ददोड़ा
Crisp किरकिरा	Crape कपड़ भून
Grave गंभीर	Grief दुःख
Heat गर्म	Heat गर्मी
Proud घमण्डी	Pride घमण्ड

Strong मज़बूत	String डोरी
White सफ़ेद	Wheat गेहूं

Verbs या Nouns के मध्यस्थ या अन्तिमस्वर के बदलनेसे adjective बनते हैं:—

Verb	Adjective
Blink बहाना करना	Blank सादा
Float तैरना	Fleet बेड़ा
Lie लेटना	Low नीचा
Milk दोहना	Milch दुधारी
Wit जानना	Wire जानकार
Wring मड़ोड़	Wrong अशुद्ध

Nouns के मध्यस्थस्वर के बदलने या उसके अन्तिम Consonant की आवाज़ कमकर देनेसे अथवा दोनों प्रकार से verbs बनाए जाते हैं ।—

Nouns	Verb
Bath स्नान	Bathe स्नान करना
Belief विश्वास	Believe विश्वास करना
Blood रक्त, खून	Bleed खून बहाना
Breach दरार	Break तोड़ना
Brooch छाति का गहना	Broach छेदना
Brood बच्चे	Breed जनना
Calf बछेड़ा	Calve बियाना
Cloth कपड़ा	Clothe कपड़ा पहना
Dike खाई	Dig खोदना
Food भोजन	Feed खिलाना

Nouns	Verbs
Glass काच	Glaze शीशा जड़ना
Grass घास	Graze चरना
Grease चिकनाई	Grease चिकना करना
Gold सोना	Gild सुनहला करना
Half आधा	Halve आधा करना
House मकान	House घरमें रखना
Knot गाठ	Knit गांठ लगाना
ale बिक्री	Sell बेचना
cam फेन	Skim फेन उतारना
oth तसल्ली	Soothe तसल्ली देना
ale कहानी	Tell कहना
oth दांत	Teeth दांत निकलना
se काम	Use व्यवहार करना
reath हार	Wreathe लपेटना

Adjective के मध्यस्थ Vowel के बदलनेसे भी verbs बनते हैं —

Adjectives	Verbs
ol ठण्डा	Chill ठण्डा करना
n खुशामद	Fawn खुशामद करना
ul गन्दा	Defile गन्दा करना
sh ताज़ा	Frisk चुस्त बनाना
ll पूरा	Fill भरना
le भला चङ्गा	Heal चंगा करना

और Verbs से भी verbs बनते हैं जिनके कि Roots एक ही समान होते हैं उनके अर्थ में प्रभेद रहा करता है, जैसे :—

Verbs	Verbs
l बांधना	Bend झुकना

Blur दाग लगाना	Blear कीचड़ाना
Can सकना	Con याद करना
Chop काट डालना	Cope मुकाबला करना
Lurk घातमें रहना	Lurch धोका देना
Slit चीरना	Slash फाड़ना
Smack मजालेना	Smash चूर चूर करना

Intransitive verbs के vowel को बदल देनेसे Transitive verb बन जाता है जैसे —

Intransitive	Transitive
Bite काटना	Bait कटाना
Can सकना	Ken सोचना
Dive डूबना	Dip डुबाना
Drink पीना	Drench पिलाना
Fall गिरना	Fell गिराना
Fare पार उतरना	Ferry पार उतराना
Lie लेटना	Lay लिटाना
Rise उठना	Raise उठाना
Sit बैठना	Set बिठाना

जब कि किसी मूल शब्द के आगे या पीछे कोई वर्ण बढ़ा दिया जाए तो उस शब्द को Secondary Derivative साधित शब्द या लफ़ज मुश्तक़ कहते हैं। जैसे—un-man-ly नामर्दीसे जो वर्ण कि किसी शब्दके पहले लगाए जाते हैं उनको Prefixes उपसर्ग या हर्फ़ अव्वल कहते हैं। जैसे—Mis-deed बुरा काम। जो वर्ण कि किसी शब्द के पीछे लगाते हैं उनको, Suffixes प्रत्यय या हर्फ़ आखिर कहते हैं। जैसे,—Wise-ly बुद्धिमानीसे।

इन Prefixes और Suffixes की आदि उत्पत्ति (१) English या Teutonic (२) Latin या French और (३) Greek शब्दों से पाई जाता है।

AUGURCHAND BHAIRODAN
JAIN LIBRARY.

I—PREFIXES

(I) ENGLISH OR TEUTONIC

A, (में पर) a bed बिस्तर पर a-sleep नींद में

A-, (दूर ऊपर, से) a-rise उठना, a light उतरना, a-wake जागना

Al-, (सब) al-one अकेला, al most प्राय ।

At, (को) at one बदला देना ।

Be (से) be-calm तसल्ली देना be friend सहायता करना, be-stir चलाया होना, be guest वसीयत करना, but सिवाय केवल,

By, (उस बाजू पर) by path पगडण्डी, by word कहावत by stander गवाह

For, (मेंसे, बिलकुल) for get भूलना for bid मना करना

Fore, (आगे) fore head माथा, fore leg अगले पांव, fore- tell भविष्यवाणी कहना ।

Forth, (आगे होके) forth-coming हाजिर होना, forth with अभी से

Gain, (विरुद्ध) gain say विरुद्ध कहना

In, (भीतर) in-to भीतर, in land स्थल में in let खाड़ी

Mis, (अशुद्धता से) mis-deed कुकर्म, mis take भूल

N, (अस्वीकारण) n one कोई नहीं, n either नहीं तो, n evre कभी नहीं nor न ।

On-, on set दूर, on slaught आक्रमण, धावा ।

Out, (बाहर) out cast देश निकाला out post जमात से बाहर, out look निगहबानी करना out run सामने दौड़ना ।

Over (ऊपर परे) over-coat लबादा, over flow अधिकता, over leap कूद पड़ना ।

To (को, वास्ते) to-day आज, to morrow कल, to gether साथ, to ward की तरफ ।

Un (नहीं) un truth झूठा, un real, नकली, un ripe कच्चा,

Un, (पीछा) un tie खोलना, un-do अन किया करना

Under, under go सहन करना, under stand समझना, under take हाथ

में लेना, under neath तले, नीचे, under mine सेंद खोदना, under hing कमीना, under sell दूसरे से कममें बेचना

Up-, up right ईमानदार, up on ऊपर, पर up-lift उठाना

Well, (अच्छी दशामें) well fare कुशलता, wel-come शुभागमन

With, (विरुद्ध, पीछे) with draw फेरना, with stand रोकना with hold रोकाना।

---

(2) LATIN OR FRENCH

A, ab, abs, (दूसरे) a void अलग रहना, ab use गालीदेना, abs ent गैर हाजिर,

Ad, ad, passing into a, ac af, ag, al, an-, ap, ar, as, at, जिस से किसी वस्तुके "पास", "तरफ", "को" "की तरफ" का बोधहोता है। जैसे –ad vice उपदेश

A ,loof दूर, ac cept स्वीकार करना, af fection स्नेह, ag-grieve दु,ख देना al low परवानगी देना, an noy दु ख देना, ap-point नियत करना ar-rive पहुचना, as-sume अधिकार करना, at tend ध्यान देजा, at tempt चेष्टा करना, as pire ललचाना।

Ambi,, amb, am, (चारों तरफ) ambi-dexter दो तर्फा am bition लालच am bush घातकी जगह।

Ante, anti, (पहले) ante-cedent पूर्वोक्त, anti cipation भविष्यवाणी।

Bene, (अच्छा) bene fit नेकी।

Bi, bis, bin, bi sect दो भागबराबर करना, bis-cuit मीठी टिकिया, bin ocular दो चश्मा

Circum, circu-circum ference गोलाकार, circu it परिक्रमा।

Co, con, com, जिस के col, cor coj आदिरूप हैं और जिनसे मतलब "समूह" का निकलता है। जैसे —com bat लड़ाई, conflict झगड़ा co-heir हम वारिस, col lect इकट्ठा करना, cor rect शुद्धकरना Cog nate एक ही सन्तान का, Coun-cil पंचायत।

Contra-, contro-, cunter-, (विरुद्ध) Contra-band अनुचित। व्यापार Contro-versial झगड़ा सम्बन्धि।

De-, (नीचे फेरफार) de-scend उतरना, de-camp तंबू उतारना।

Dis, di, dif, (अलग नहीं फेरफार) dis please नाखुश करना, di gest पचाना, dif ficult कठिन, dis-close बन्द करना, dis mount उतरना

Ex, e, ef-(में से, से) ex amine परिक्षा करना, e-ducate विद्यालाभ करना, effort कोशिश, चेष्टा।

Extra, (परे) Extra ordinary अद्भुत, Extra work अधिक काम।

In, en—Im (में, भीतर, पर) in vade धावा करना, En-close or in-close बन्द करना, em brace लिपटाना In-bitter or em-bettir कड़ुवा करना। En rich अमीर करना En large बढ़ाना।

In—(नहीं) In fant बच्चा, Il-legal अनियम, Ir regular अनियम, Il liter ate चिड़चिड़ा। Latin 'in' और English 'un' का spelling एक हीसा होता है, जैसे—In-cautious or un-cautious नाक्षामकार

Inter, intro-, enter, (भीतर) inter rupt मना करना, Intro-duce प्रारंभ करना, Enter tain दावत करना

Juxta- (पास) Juxta-position पास पास।

Male-, mal, (बुरा) male factor कुकर्मी, mal practice कुकर्म

Mis, (मध्यम) Mis chief बदमाश, mis-conduct कुचाला।

Ne-, neg, ne farious पापी, neg lect गफ़लत करना

Non, (नहीं) non sense बे समझ।

Ob, (विरुद्ध, सामने) ob-ject मन्तव्य, oc-cupation पेशा। op-press सताना।

Per pel (में से) per form करना, pel lucid निर्मल।

Pene-(प्राय) pen insula प्राय द्वीप, pen ultimate उपान्त्य (last but one) शेषका एक छोड कर बाकी।

Post- (पीछे और डाक) post-age डाक खर्च post-date पिछली तारीख।

Pre-(पहले) pre-pare तयार करना, pre-face प्रस्तावना

Preter (परे) preter it पूर्ण भूतकाल, pretor mit छोड़ना

Pro, por, pol, pur- (आगे) project निकलना, portend चिताना, pollute घटना, बिगाड़ना purchase खरीदना।

Re-, red- (फिर, पीछे) re-join फिर मिलाना, redundant व्यर्थ

Retro (पिछली तरफ़) retro vert वापिस लौटना।

Semi, demi- (आधा) semi-circle गोलार्ध demi god आधा देव आधा आदमी।

Se-, sed- (अलग) se parate अलग, sed-ition राजद्रोह

Sine, (बिना) sine-cure बिनाकाम का रोजगार

Sub- (मध्यम) sub-ject प्रजा, suc cess सफलता, suf fer भोगना, sus tain सहना sup port सहना, sur-render शरणागत होना

Super-, sur (ऊपर, पर परे) super natural अद्भुत, super-ior उच्च श्रेणी का surface ऊपरीभाग

Subter-, (नीचे) subter fuge प्रपञ्च

Trans, tra- (आरपार) trans-late अनुवाद करना, tra verse देखि बाधा।

Tri- (तीन) triangle त्रिकोण

Ultra (परे) ultra montane पहाड़ के परली तरफ़

Vice, vis (बदले में) vice roy राज्य प्रतिनिधि, vi count विलायत के अगली श्रेणी का सर्दार।

Quasi (बहाना) a quasi judge झूठान्यायी

Quondam- (पूर्वोक्त) a quondam judge पूर्वोक्तन्यायी।

(3) GREEK

A, am, an- (नहीं, बिना English 'un' के समान) a pathy बे परवाही am brosial मधुर, an archy अन्धेर राज्य।

Amphi (प्राय दोनो तरफ़) amphi-bious स्थल जलचर।

An-, ana- (तक, फिर) an-eurism एक नस बढ़ना को ana-lysis पृथक्करण

Ant-, anti विरुद्ध ant-agonist विरोधी, anti-pathy द्वेष।

Aph-, apo- (से) aph-orism सूत्र, वचन, apo-logy क्षमा

Arch-, archi- (सर्दार) arch-bishop मुख्य धर्माध्यक्ष, archi-pelago टापुओं का समूह।

Auth, auto (स्वयं) auth entic असली, auto cracy स्वतन्त्र अधिकार।

Cat-, cata, cath-(नीचे) cat-echism प्रश्नोत्तरी द्वारा सिखावन cata-rrh कफ cath-edral बड़ा गिर्जा

Dia-(में से) dia logue संवाद dia meter व्यास।

Di (दो में) di-syllable दो खण्ड का शब्द

Dys-(बुरा) dys peptic अजीर्ण रोगी dys-entery सग्रहणी, अतिसार।

Ec- ex (बाहर, से) ec-lipse ग्रहण, ex-lost जबर दस्ती से लेना

En-(में, अन्दर) en thusiasm उत्साह, em phasis भार el lipsis पद न्यूनता

Endo (सहित) endo genous भीतर २ फैलने वाला

Ep-, eph-, epi (पर) ep-och सन, तारीख, eph-meral थोड़े दिन जीने वाला, ep-gram गजल

Ev-, eu (अच्छी तरह से) ev angelize ईसा के धर्म को प्रकाश करना eu-logy तारीफ।

Exo-(बना) exo-teric प्रगट।

Hemi (आधा) hemi sphere गोलार्ध।

Hept, hepta-(सात) hept-archy एक देश में सात नरेशों का राज्य, hepta-gon सतकोण।

Hetero (जुदे २) Hetero-doxy कुपन्थ।

Hexa-(छ) hexa gon छ कोण।

Hom, homo-(समान) hom-iletic उपदेशक homo geneous अनुसार।

Hyper-(ऊपर) hyper bole अधिकता।

Hyph-, hypo-(नीचे) hyph-en हाइफन (-) hypo crite बगुला भक्त।

Met meta, meth (पीछे, बदला) met physician वैद ज्ञानवान meta phrase यथा शब्द अनुवाद meth od रीति।

Mon- mono-(अकेला) mon-arch नरेश राजा mono-tone एक राग mono syllable एकाक्षरी शब्द।

Pan, panto-(सब) pan-orama दृश्य, panto-graph नक्शा घटाने बढाने वाला।

Par-, para (बाजू) par allel दो बराबर सीधी रेखा para lysis लकवा, झोला।

Penta (पाच) penta-gon पाच कोन।
Peri-(चारों ओर) · peri od शर्दिश, समय।
Poly-(बहुत) poly syllable अधिकाक्षरी शब्द।
Pro-(पहले) · pro-gramme मनसूबा, विचार, pro phet भविष्यद्वक्ता।
Pseud ,pseudo-(झूठ) , pseud-onyx झूठा सुलैमानी पत्थर pseudo-critic झूठा बारीक बीन वाला।
Syn-(साथ) : syn-tax वाक्य-पद्धति, syl-lable शब्द खण्ड, sym-pathy स्वभाव, समता sys tem रीति, व्यवहार।
Tele-(पोछे) tele graph तार समाचार
Tri-(तान) tri-cycle तीन पहिये गाडो

II SUFFIXES

(1) ENGLISH OR TUTONIC

Ar,-er ,or (कर्त्ता बोधक) begg ar भिखारी, bak-er भटियारा, tail-or दर्जी।
-Ster (स्त्रीलिङ्ग बाधक) Spin ster कातनेवाली।
-En (स्त्रीलिङ्ग बोधक) Vix-en लोमडी या चलाक औरत।
-Ard,-art cow-ard डरपोक, drink-ard शराबी bragg-art अभिमानी।
Nd frie-nd मित्र, wi-nd वायु,-हवा।
-Der-,ter ther · spi-der मकडी, daugh-ter लडकी mo-ther माता, fa-ther पिता।

ABSTRACT NOUNS,

Dom · wis-dom बुद्धि, king-dom राज्य
-Head,-hood : child-hood बचपन, god-head, ब्रह्मत्व।
-Ing learn ing, सिखाइ, writ-ing लिखाई।
-Ledge-,look · know ledge- विद्या wed-lock गठ जोड़ा।
-Ness good-ness नेकी, holi ness पवित्रता।
Red : hat-red नफ़रत, kin d-red सगोत्रता।

-Rice , bishop-ric विषय (पादरी) के नीचे की जगह ।

Ship,-Scape Friend ship मित्रता Wor-ship पूजा, land scape दृष्टि गोचर देश ।

-T or d · heigh-t ऊंचाई, dee-d काम ।

-Ter slaugh-ter हिंसा, क़तल ।

-Th Steal th चोरी, bread th चोड़ाई, leng-th लंबाई ।

DIMINUITIVES लघु प्रचारक शब्द या इस्मे तसग़ीर ।

En, gon Chick-en मुर्गीका बच्चा, Kitt en बिल्ली का बच्चा, Wag-gon गाड़ी

-El,-le Corn दाने से kern el गुद्दा, मिंगी, चिनगारी से Spark le छोटी चिनगारी Bund le गट्ठा hand le दस्ता ।

-Ie or y brid ie चिड़िया का बच्चा, lass-ie छोटी सुखी या बच्ची, bab y छोटी बच्ची ।

Ing · Farth ing एक सिक्का, wild ing छोटा जङ्गल Whit ing छोटा ज़ारी ।

-Kin lamb-kin छोटा मेमना, nap-kin रुमाल, गमछा ।

-Lin duck ling बत्तक का बच्चा, g o s ling हंसका बच्चा hire ling छोटी सी मज़दूरन, under-ling कमीना ।

-Ock hill ock छोटीसी पहाड़ी, bull ock छोटा सा सांड़ ।

ADJECTIVES

Ed (समान) Wretch-ed कम्बख़्त, Letter-ed चिट्ठीदार land-ed ज़मीनदार ragg-ed चिथड़ेदार ।

-En (काटना) wood-en लकड़ी का, Earth-en मिट्टी का, Wax-en मोमका Silk en रेशम का ।

-Ern (दिशाबोधक) South-ern दक्षणी, west-ern पश्चिमी ।

-Fold (गुण)two-fold दो गुणा, mani fold कई गुणा भी hundred fold सौ गुणा, thousand-fold हज़ार गुणा ।

-Ful (पूरा) Fear-ful भयङ्कर play-ful खिलाड़ी wil-ful हठीला ।

-Ish (कुछ २ समान) girl ish छुकड़िया सा, whit-ish सफेद सा, (जाति बोधक) Engl-ish Turk-ish Spain ish

Less (बिना) shame less बे शर्म, fear-less निडर ।

Like God like पवित्र, ईश्वर सा, war-like युद्ध सबंध lady-like गम्भीर सभ्य ।

-Ly (समान) friend ly दोस्ताना, मित्रवत्, king-ly राजवत् ।

Some (भरपूर, झुकावट) burden -ome बोझिल, weari-some थकावट, hand some सुन्दर ।

-Teen, ty (दस) nine-teen उन्नीस, twen-ty बीस ।

-Ward (की तरफ) south-ward दक्षिणकी ओर North-word उत्तरकी तरफ, down-ward नीचे की तरफ ।

-Y (का, के) hill-y पहाड़ी, storm-y तूफ़ानी ।

ADVERB

Ly (समान) god-ly ईश्वर सा, पवित्र , on-ly केवल ।

-Ing, long (ढंग) dark-ling दुलारा, head-long सिरकेबल ।

-Meal (विभाग) pieceme-al टुक टूक खण्ड ।

-N whe-n कब, the n तब ।

-Om seld-om कभी कभी ।

-Re where कहां, the re वहां ।

-S,-ce beside-s सिवाय, on ce एक बार, twi-ce दोबार ।

-Ther whe-ther किधर, thi ther उधर, hi-ther इधर ।

-Ward,-wards (की तरफ) for-ward आगे की तरफ down-words नीचे की तरफ ।

-Way, ways any way किसी तरफ straight-way सीधी तरफ al-ways सदा ।

Wise (रीति) other-wise नहीं तो, like-wise उसी तरह ।

VERB

-Er, ling er (long से) देरी करना, flutt-er फड़फड़ाना, घर बदलना, (flit से) Climb से हुआ Clamb-er दु खसे चढना, glitt-er चमकना (glint से)

En flatt-en चपटा करना, length en लंबा करना, black en काला करना।

-K Walk चलना, har-k सुनो।

-Le,-l spark-le चमकना, dazz-le चौंधियाना knee-l घुटनों बैठना,

-M,-om, on gloa m चमकना, bloss om फूलना reck on गिनना।

(2) LATIN AND FRENCH

Nouns denoting Agent

-An,-ain,-en Guardi-an प्रतिपालक, capt ain कप्तान,

Ant,-ent merch-ant सौदागर, stud-ent विद्यार्थी।

-Aire,-ar, ary million-aire लखपती, schol-ar विद्यार्थी secret-ary मंत्री

-Ate,-ite,-it candid ate पदाभिलाषी, Israel ite यहूदी, jesu-it ईसाईयों के पंथ का जन।

-Ee, y trustee धरोहरी (जिसके पास धरोहर रखी जाए) deput-y प्रतिनिधि डिप्टी।

Eer,-ier engin eer यन्त्रकारी, इञ्जिनियर, sold-ier सिपाही।

Ess (स्त्रिलिङ्ग बोधक) tigr ess चीता (मादा) lion-ess सिंहनी।

-Iff,-ive plaint-iff विवादी, मुद्दई, capt ive बंधुआ, कैदी।

-Er, eur,-ror,-our, robb er डाकू, लुटेरा, amat eur किसी विद्या का अनुरागी, empe ror सम्राट, savi our मुक्तिदाता।

-Trix (स्त्रीलिङ्गबोधक) execu trix कार्य निर्वाहिणी।

ABSTRACT NOUNS

Acy priv-acy एकान्त रहस्य intim acy घनिष्ठता।

-Age bond-age दासत्व, दास भाव, marri-age विवाह, cour-age साहस hom-age सेवकाई।

-Al,-als ; refus al निषेध, नकार, propos-al मनोरथ nupti als विवाह ।
-Ance,-ence , disturb ance हुल्लड़ व्याकुलता, obedi ence आज्ञा पालन ।
-Ancy,-ency ; brilli-ancy चम चमाहट, reg-ency राजप्रतिनिध ।
-Ess,-ice,-ise ; prow ess शूरता, वीरता, ser v-ice चाकरी Merchand-ise व्यापार ।
-Eur Grand-eur प्रताप ।
-Ity, , by real-ity असलियत, cruel-ty निर्दयता ।
-Lence · turbu-lence खलबली, Vio-lence प्रबलता ।
-Ment · Conceal-ment छिपाओ, enchant-ment जादूगरी ।
-Mony- · Cere-mony रीति रसम, testi-mony प्रमाण ।
-Or,-our err-or भूल ;-चूक fav-our कृपा ।
-ry,-ery poetry कविता, slav-ery दासत्व ।
-Sion ; Conver-sion विकार, confu-sion गड़बड़ ।
Som,-son,-tion ran-som, redemp-tion छुड़वाई poi-son, विष por-tion भाग ।
-Tude · longi-tude लम्बाई, magni tude बड़ाई ।
-Ure Creat-ure प्राणी,meas ure मांप माप ।
-Y industr-y परिश्रम, victor-y विजय ।

NOUNS DENOTING COLLECTION AND PLACE

-Ade · brig-ade सैन्य, दल, crus-ade ईसाई धर्मका युद्ध ।
-Age foli-age पत्तों का झुण्ड, vill-age ग्राम, cott-age झोंपड़ी । 1
-Arium,-ary sanita-rium तन् दुरुस्ती की जगह, libr ary पुस्तकालय, gran-ary भण्डार ।
Ery,-ory,-ry · Machin-ery कल, यन्त्र समूह , fact-ory कोठी, cava-lry घुड़सवार पल्टन ।

DIMINUTIVES

-El le · cast-le महल, किला, mod el नमूना, morsel ग्रास।

-Et, let locket छोटा ताला, thick-et छोटी झाड़ी root let जड़की छोटी २ जटा, ring-let छोटा छल्ला, book-let छोटीसी पुस्तक।

-Ette Cigar ette पीनेकी बीड़ी, सिगरेट, waggon-ette छोटी गाड़ी, ediqu ette मर्यादा।

-Icle,-cule · Art icle चीज़, animal cule छोटे कीड़े जो बिना दुर्बीनके दिखाई नहीं देते। इसी प्रकार curri culum पाठशाले की पुस्तक या कोर्स Codi-cil दान पत्र का अनुबन्ध।

-Ule : गोली, रवा, Caps-ule बीज पात्र, बीज कोष।

ADJECTIVES

-Al Loy-al राज भक्त।

-Ain, an ane cert-ain कोई Rom-an रोमका निवासी hum an मनुष्य जातीय hum-ane दयालु।

-Aneous Simult-aneous एकसमयका। instant aneous तैयी, इत्तिफ़ाकिया।

Ant,-ent, vac-ant खाली, indign ant बड़ा क्रोधी pati-ent बीमार, innoc ent निर्दोषी)

-Ar · sol ar सूर्य संबंधी, Lun-ar चन्द्र संबंधी regul ar नियम शील, singul -ar एक वचन।

-Arian,-arious, ary a-r-arian भूमि सम्बन्धि greg-arious साथ रहने वाला, contr-ary विरुद्ध।

-Ate separ-ate अलग, fortun ate भाग्यवान।

-Ble, ple,-able sta ble दृढ़वान, अस्तबल; drink-able पीनेयोग्य, dou ble दूना, tre ble तिगुन, sim ple सादा, सरल, tri ple तिगुना।

-Eel,-il,-le-el gent eel सुकुमार, gentle कोमल cruel निर्दयी frail निर्बल।

-Escent conval-escent चंगा होना, meal-cent बहुत गरम।

-Ese . Chin-ese चीनका निवासी,Burm-ese बर्मा का निवासी, Siam ese -श्याम का नीवासी।

-Erious delit-erious हानि कारक।

-Ete,-et, : Compl-ete परिपूर्ण, discr eet सावधान।

-Fic, terri-fic भयकर, horri fic भयानक।

-Ic,-ique publ-ic, सर्व साधारण un-ique अनूठा, अनोखा।

-Id ac id खट्टा, plac-id कोमल, rig-id कड़ा।

-Ian Austral-ian औस्ट्रेलिया का निवासी, Ind-ian भारतवासी।

-Ile serv-ile आधीन, Juven ile तरुण, जवान।

-Ine div-ine ईश्वरीय, infant-ine बालक सबधी।

-Ite appos-ite विरुद्ध, सामने, Vishnu-ite विष्णु, भगवान का, Shiv-ite शिवजी का।

-Ive act-ive उद्योग, फुर्तीला, capt-ive बधुवा, कैदी, relat ive सबधी, नातेदार।

-Lent pesti-lent मरी, vio-lent प्रबल।

-Orious,-ory lab orious परिश्रमी, compuls ory दबाओ।

-Ose,-ous verb ose बहु वाक्य, danger-ous भयानक।

VERBS

-Ate agit ate हिलाना, घबराना captiv-ate कैद करना।

-Esce efferv esce उबालना।

Fy terri-fy डराना, simpli fy सरल करना।

-Ish fin-ish समाप्त करना पुराकरना, खतम करना pun-ish दण्ड देना, publ ish प्रकाश करना।

-It,-ite credit उधारदेना inhab it रहना, exped ite शीघ्र भेजना।

---

(3) GREEK SUFFIXES

NOUNS

AGENT

Ast enthusi ast बड़ा सोचनेवाला।

Ic heret-ic नास्तिक, crit-ic ज्ञाता।
Ist dent ist दांत बनानेवाला, optim ist संसार को इश्वरीत का जानकर।
Ot patri ot देश हितकारी, idi ot मूढ़।

ABSTRACT NOUNS

Asm enthusi-asm जोश, चपलता, Sarc-asm बोलीठोली।
-Ic,-ics log ic तर्कशास्त्र, मन्तिक music गानविद्या eth ics नीतिशास्त्र, नसीहत नाम।
-Ism patriot-ism स्वदेश प्रीति। critic isms ज्ञात।
Se,s-is sy eclip se ग्रहण, ba sis मूल, जड़, drop-sy जलन्धर।
-y monarch y राज्य, philosoph y तत्वविचार।

DIMINUTIVE

Esque, isk statu esque पुतली की तरह, obel-isk लाट मीनार।

ADJECTIVE

Esque pictur esque चित्र के समान।
-Ic dramat-ic नाटक संबंधी, trag ic दु खजनक नाटक।

VERBS

ise,-ize civil ise सिखलाना real-ize सिद्ध करना, पाना।

IV PROSODY

Prosody इसमें उरूज या छन्द शास्त्र है मे जो भाषा के व्याकरण का वह भाग है, जिससे कि छन्द रचना का ज्ञान होता है। इसके दो खण्ड हैं —Orthoepy जिससे उच्चारण का बोध हो और Versification जिससे छन्दों का ज्ञान हो।
एक Syllable के शब्द में accent नहीं होता, पर वाक्य में होता है। दो syllables के शब्द पर पहिले Syllable पर accent अक्सर हुवा करता है। पर

जब कि वही शब्द noun, adjective और verb हो तो noun और adjective में पहले syllable पर और verb में दूसरे syllable पर accent हुआ करता है जैसे Curr'ency, Curr'ents, और Current'

जब एक शब्द से दूसरा शब्द बनाते हैं तो दूसरे शब्द के उच्चारण में भेद हो जाता है। जैसे—Know में O long और Knowledge में o short है तीन syllable के शब्द पर अक्सर पहले या दूसरे Syllable पर accent हुआ करता है।

Ga'ity खुशी। इसी प्रकार चार Syllable के शब्द में दूसरे तीसरे Syllable पर accent हुआ करता है। जिससे पूरा भार प्रगट हो उसे Primary accent और जिससे कुछ कम भार प्रगट हो उसको secondary cccent कहते हैं। Primary accent का चिन्ह यह है (') और secondary का (") यह है। दु खजनक वृत्तान्त को धीरे और सुखदायक वृत्तान्त को मधुर आवाज़ में पढना चाहिये।

VERSIFICATION

साधारण बोल चाल को Prose गद्य या नस्र कहते हैं। मन भावन भाषाको poetry पद्य या नज़्म कहते हैं Poetry में सब सतरें syllable के अनुसार बराबर होती हैं। Prose में सब सतरें बराबर नहीं होतीं। Poetry में पहली या तीसरी सतर बराबर होती है या सभी सतरें बराबर होती हैं या दूसरी और चौथी बराबर हों या नौ नौ सतर का एक एक Paragraph हो और हर Paragraph आठ सतरें बराबर हों और नवीं सतर नवीं सतर के बराबर हो यह अच्छी तरह से समझना चाहिये कि इ स जी के छन्द रचना में सतर Syllable के हिसाब से बराबर रखे जाते हैं न कि वर्ण के विचार से।

Rhymed verse मित्राक्षर या क़ाफ़िया बन्दी वह काव्य या नज़म है जिसके सतरों के अ त में मेल हो इस मेल को Rhyme मित्राक्षर या क़ाफ़िया बन्दी कहते हैं, जैसे—

O, Virtuous Queen ; Victorious Queen !
Thou art not any longer seen,

हे धर्मावलम्बिनी रानी! हे जय कारिणी महारानी! अब तेरा दिखाई देना दुर्लभ हो गया। इस मेल के लिये तीन बातों पर ध्यान देना चाहिये (१) अन्त का vowel और उसका उच्चारण और उसके पश्चात का अक्षर हों वह सब एक से हों।

(१) कि अन्तिम vowel के पहले जो अक्षर हों वह एक न हों (३) जिन Syllable का मेल हो उन में से यदि एक पर accent हो तो सब पर accent होना चाहिये जिसका दृष्टान्त ऊपर दिया चुके हैं उन को perfect rhyme कहते हैं। यदि मिलाक्षर इस नियमके विरुद्ध हो तो उसको approximate rhyme कहते हैं Perfect rhyme का प्रयोग अङ्गरेजीमें बहुत कम होता है। जब कि पदक अन्त और मध्य दोनों जगह rhyme होता है तो ये middle और final rhyme कह लाते हैं।

Chorus (ध्रुव) काव्य के दो एक सतर को कहते है जो कि कई सतर के पश्चात् दोहराई जाती है। जैसे—

Oh Virtuous Queen! Victorious Queen!
Thou art not any longer seen,
High thy manner and high thy mien,
But thou thyself no longer seen

Blank verse अमिलाक्षर वह काव्य है जिस मे rhyme (मेल) नहो।

Now stir the fire and close the shutters fast
Let fall the curtains wheel the sofa round,
And while the bubbling and loud hissing urn
Throws up a steamy column and the cups
That cheer but not inebriate wait on each
So let us welcome peaceful evening in
—*Cowper*

इस छन्द में विशाल और सुप्रसिद्ध वृत्तान्त का सग्रह होता है जिस को कि epics (महा काव्य) कहते हैं। इस मे ऐसी बातें भी होती हैं जो उस से ऐसा सम्बन्ध रखते हैं कि जिस का लिखना न लिखना बराबर हो तो इस लिखावटी सबधको episode कहते हैं जिसके लिखनेका तात्पर्य यह है कि असल किस्से में जोम घबराए इस episode का वृत्तान्त थोड़ा और उमदा होना चाहिये। असल वृत्तान्त में कोई मनुष्य मुखिया समझा जाता है जिसको कि hero (वीर) कहते हैं जिस से काव्य मे एक ही वृत्तान्त समझा जाता है। इस से कवि अपनी लिखावट पर जोर दे सक्ता है और यह वृत्तान्त मनुष्य और पुरातन भाग का होना चाहिये।

Ramayan का hero (वीर) Ram है epic के अन्त में दुख का वर्णन न होना चाहिये मगर Milton साहबने paradise lost के शेष में Adam का दुःख प्रकाश किया है।

जिस Syllable पर accent हो उसे long syllable कहते हैं और जिस Syllable पर accent न हो वह short syllable कहलाता है। काव्य में प्रत्येक पद long और short syllable से मिल कर बनता है और दोनों का परिमाण एक सा होता है—

When the British warrior Queen
Bleeding from the Roman rods,
Sought with an indignant mien
Counsel of her country's gods

अब देखो कि पहली सतर में छ Syllable है और इसी प्रकार हर सतर में छ २ Syllable है, और फिर हर जोड़ वाला Syllable (long) है और बे जोड़ वाला Syllable (short) इसी प्रकार हर line में long और short हैं। इसी प्रकार हर line में ऐसा ही हिसाब long short और accent का रखना चाहिये ऐसा होना भी सम्भव है कि पहली तीसरी line भी उसी तरह पर बराबर रहे। जैसे ऊपर के दृष्टांत से पाया जाता है। ऐसी २ नियमावली का हिसाब काव्य में ठीक २ बराबर रीति के अनुसार रखना चाहिये, कहीं पर भी और का और न होना चाहिये।

काव्य की प्रत्येक line (पंक्ति या सतर) को पद मिसरा या verse कहते है। काव्यमें दो या तीन Syllable मिलकर एक foot चरण या रुकुन कहलाता है कोई २ छन्द या नज़्म दो दो Syllable के foot का और कोई २ तीन २ syllable के foot का होता है।

प्रत्येक foot में दो long syllable (गुरु) और short syllable (लघु) होते हैं जोकि verse के बीच में कहीं २ प्रयोग में लाए जाते है कि जिसमें एक ही चाल के foot के लगातार प्रयोग से मन न उखताने पाय।

Verse के सब feet मिलकर metre या measure अथवा पद्य वृत्ति या वज़न कहलाते हैं।

Foot के आठ भेद होते हैं।—

(1) Iambus दो Syllable का foot होता है' जिसमें पहिला syllable short और दूसरा long जैसे—depend

(2) Trochee दो syllable का foot होता है कि जिसमें पहिला syllable long और दूसरा short हो। जैसे—Noble

(3) दो Long syllable के foot को spondee कहते हैं। जैसे —Lame man (लगड़ा आदमी)।

(4) दो Short syllable के foot को Pyrrhic कहते हैं। जैसे.—for a bill

(5) तीन syllable के foot को Dactyl कहते हैं। जिसमें पहिला syllable long होता है और दूसरा और तीसरा syllable short होता है। जैसे—gradual

(6) जिस foot में पहिला और तीसरा syllable short हो और दूसरा syllable long होतो उस foot को amphebrach कहते हैं। जैसे—,Abatement

(7) Anapaest वह foot है जिस में कि पहिला और दूसरा syllable long और तीसरा, syllable short होता है। जैसे —Interprete उलथा करना।

(8) जिस foot में तीनों syllable short होते हैं उस को tribrach कहते हैं। जैसे —Bearable

जानना चाहिये कि एक foot की line को Monometre, दो feet की line को dimetre, तीन feet की line को trimetre चार feet की line को tetrametre, पांच feet की line को pentametre, छ feet की line को hexametre, सात feet की line को septametre, और आठ feet की line को octometre कहते हैं। Monometre और dimetre से पूरा काव्यबनता है। मन लगे रहनेके लिये इसके साथ tetrametre आदि का भी प्रयोग होता है। इसी प्रकार केवल Spondee, pyrrhic और tribrach से verse नहीं बनता, किन्तु केवल मनके लगे रहने के लिये यह कहीं २ दूसरी verse में लाए जाते हैं।

Iambus से जो verse बनता है उसे iambic verse कहते हैं। इसी प्रकार Trochee से Trochaic, anapaest से anapaestic और dactyl से बने हुए verse को dactylic कहते हैं। Iambic verse प्रायः trimetar tetrametre और Pentametre होता है जोकि किसी भारी विषयके वर्णन करनेके लिये

प्रयोग में आता है। इसी प्रकार Trochaich verse भी metre में Iambic verse के समान होता है। जिसमें आनन्द की बातें और भजन लिखे जाते हैं और Anapaestic verse भी metre में Iambic verse के समान होता है जिसमें भारी २ विषय और आनन्द की बातें सब प्रकार की लिखी जाती हैं। दिल लगाने के लिये Iambic में कभी एक आधा trochee भी लाते हैं और Anapaestic आदि तीन syllable वाले feet के verse के साथ प्राय Iambic इत्यादि दो syllable वाले feet लाते हैं। किसी verse को syllable और accent के हिसाब से गिनकर जांच करनेका नाम Scanning है। परखने के समय short syllable (') इस चिन्ह से प्रकाश किया जाता है और long syllable को इस (|) चिन्ह से और हरएक foot (–) इस चिन्हसे प्रकाश करते हैं। Verse के बीचमें ठहरनेको Caesura (सिजोरा) यति या वकफए मिसरा कहते हैं। इसके साथ पढनेमें मधुरता प्रगट की जाती है और इसीलिये इसका प्रयोग किया जाता है। इस को Scanning में इस चिन्ह (‖) से प्रकाश करते हैं और यदि कोई दो syllable झपाटे से बोलने के कारण एक syllable के समान सुनाई दे तो उसको एक ही syllable में समझना चाहिये।

Couplet or distich दोहा और दो और triplet तीनसतर का होता है जोकि त्रिपदी या सेमिसरी कहलाती है। एक चरण या तुक अर्थात आधी सतर को hemistich कहते हैं। यदिकिसी verse में प्रत्येक शब्द के आदि या मध्य में एक ही अक्षर प्रयोग में आवे तो उसे alliteration कहते हैं जैसे —

Soul is not sold for thy sake,
Body and heart I ever can stake,

कई verse के समूह को एक stanza या stave कहते हैं।

Iambic Pentameter को Heroic Measure या Epic measure कहते हैं जिसमें कि महाकाव्य लिखते हैं और जिसके अंत में कभी २ कोई verse छ iambic feet का भी होता है जोकि alexandrine verse कहलाता है। आठ Heroic जो प्रत्येक verse के अंत में और उसके पश्चात् एक alexandrine जो आठवीं सतर से मेल रखे जिसमें नौ सतर मिलकर एक spenserian stanza कहलाता है।

Figures of speech (अलङ्कार खुश बयानी) शब्दों के spelling सजावट र अर्थ में प्रभेद का होना figure कहलाता है। यह तीन प्रकारका होता है। rthography (spelling मे हेरफेर) जैसे—beneath से' neath, vally से vale स प्रकार से syllable के काट छाट को Elision कहते हैं। शब्द के बढाने Prothesis कहते हैं। जैसे—chain से Enchain बनता है। compound word अर्थात दो शब्द से जो शब्द बना है उसकी दोनों अंश के मध्य में एक ब्द बिठाकर अलग करनेको Tmesis (मिश्रित) कहते हैं। जैसे—toward am के बदले *to Ram ward*

दूसरे figure of syntax जिसमें शब्दों की लिखावट का हेर फेर रहता है। से—He reads and writes well इस में 'and' के पश्चात् जो he गुप्त है इस ट को Ellipsis कहते हैं। और बिना प्रयोजन के किसी शब्द को बिठा कर खना pleonasm कहलाता है। और आगे के शब्द को पीछे और पीछे के शब्द आगे लाना Hyperbation कहलाता है जिससे काव्य में इबारत पर जोर पडता । जैसे—

God moves in a mysterious way
His wonders to perform

दूसरी पंक्ति असल में है to perform his wonders तीसरा Figures of Rhetoric कहलाता है। इसके द्वारा शब्दों का अर्थ बदला जाता है और उन ो भली प्रकार से सजाया जाता है जिसमें बदलने को Figures of words कहते और सजाने को figures of thought कहते हैं।

दो भिन्न जाति की चीजों में किसी गुण के मेल को simile या comparison कहते है। जैसे—He is like a lion वह सिंह के मानिन्द है। like और as यह दोनों simile के चिन्ह हैं। यदि यह चिन्ह नहो तो उसे metaphor कहते हैं। जैसे—He is lion वह सिंह है अर्थात् उस में सिंह के गुण है। जिस शब्दों में किसी प्रकार का सम्बन्ध है उन में से एक शब्द के बदले दूसरे शब्द के लाने को metonymy कहते है। जैसे—I am reading milton मैं मिल्टन की बनाई किताब पढता हू। पशु और बे जान चीज को आदमी के समान प्रगट करने को Personification कहते हैं। जैसे—O Ganges!

असली वृत्तान्त को छोड कर किसी मनुष्य या वस्तु से इस प्रकार बात करें कि मानो वह सामने उपस्थित हो तो इस अलङ्कार को apostrophe कहते हैं। जैसे—

O luxury ! thou curst by heavens decree
How ill exchanged are joys like these to thee
—*Goldsmith*

बहुत metaphor मिल कर किसी कहानी में आते हैं तो allegory कहलाते हैं।

जिस अलङ्कार में एक चीज दूसरी चीज के विपरीत हो तो उसको antithesis कहते हैं। जैसे—he can sell but cannot 'gain' यहां gain antithesis है।

सुप्रसिद्ध कहानी संक्षेप में लिखी हुई जल्दी से जो समझ में आजाए उसे allusion कहते हैं। साधारण वस्तु को बढा कर दिखाना Hyperbole कहलाता है। जैसे—*He was stronger than lion* वह सिंह से अधिक बलवान था।

जो विषय कहा जाए और उल्टा समझा जाए वह irony कहलाता है। He is clever indeed अर्थात् वह मूर्ख है।

Interrogation वह सवाल काव्य में समझी जाती है जिस में जवाब की जरूरत नहीं। जैसे —Is there any who loves his pain ? कोई ऐसा है जो दुःख भोगना चाहता है।

Exclamation से क्रोध आनन्द और जोश प्रगट होता है। जैसे—

O what a fall was there my countrymen हे मेरे स्वदेशीयो गिरान् कैसी थी।

जिस Present tense से past या future का अर्थ निकले और उससे दिल पर असर हो उसे vision कहते हैं। जैसे—Alexander comes (came) to India

climax वह अलङ्कार है जिसमें कोई विषय क्रम के साथ चढाव या उतार से प्रगट किया जाता है। जैसे—

It is Practice that makes every thing easy, when found easy, it gives pleasure, when gives pleasure, we do it अभ्याससे सब काम सहज होजाते हैं, जब सहज होजाते हैं तो आनद होता है, और जब आनद होता है तो हम उस काम को करते हैं।

काव्य में कभी २ Noun के साथ ऐसे adjective आते हैं जोकि उस noun का गुण प्रगट नहीं करते जैसे—The birds are the tenants of the warbling shade वह पक्षि गुन गुनाती हुई छाया के रहनेवाले हैं। यहां पक्षि का गुण छाया को सौंपा गया है। इसी प्रकार और भी जानो।

काव्य का लेख जहां तक हो थोडा, मतलब बहुत, व्याकरण और पुराने कवियों के अनुसार होनी चाहिये।

ENGLISH AND HINDI DICTIONNARY.

अंग्रेजी और हिन्दी डिक्सनेरी।

A

Abandon (ऐबैनडन) कमकरना, छोडना
Abate (ऐबेट्) हलका करना, घटाना
Abbreviation (ऐब्रिविऐशन्) सुखतसर, सक्षेप
Able (ऐबिल्) होशियार, लायक
About (ऐबौट) नजदीक, आसपास
Above (ऐबव्) सबके ऊपर सर्वोपरि
Abroad (ऐब्रौड्) परदेस बिदेस
Abruptly (ऐब्रपटली) अकस्मात, बेधडक
Abscond (ऐब्सकौण्ड) भागना, निकल जाना
Absent (ऐब्सेन्ट्) गैरहाजिर
Absolutely (ऐब्सोल्यूटलि) बिलकुल
Abundant (ऐबन्डेण्ट) बहुत
Abuse (ऐब्यूज) गालीदेना, विपरीत
Accent (ऐक्सेण्ट) आवाज
Accept (अक्सेप्ट) कबूलकरना
Access (ऐकसेस्) पहुच
Accident (ऐकसिडेण्ड) अचानक, आफ़त्
Accompany (ऐकम्पनी) साथ जाना
Accordance (ऐकोर्डेन्स) मुताबिक्
According (ऐकोर्डिङ्ग) मूजब, प्रमाण
Account (ऐकौण्ट) हिसाब
Accumulate (ऐक्यूमुलेट) जमाकरना
Accurate (ऐक्युरेट्) ठीक्
Ache (ऐक्) वेदना, पीडा, दर्द
Acid (ऐसिड्) खट्टा
Acknowledge (ऐक्नौलेज्) कबूल करना
Acquiesce (ऐकक्वीएस्) प्रसन्न होना, मानना, सन्तोष करना
Acquaint (ऐकक्वेण्ट) समाचार कहना, जनावना
Acquire (ऐक्कायर्) प्राप्ती कमाना
Acquit (ऐक्विट्) छोडना
Across (ऐक्रौस) पार, सार, आरपार
Act (ऐक्ट) करना, आईन।
Action (ऐक्शन्) युध, मुकदमा, कर्म
Active (ऐक्टिव) उद्योगी, चालाक, मेहनती

Actual (ऐक्चुएल्) यथार्थ, हकीकत, ठीक
Acute (ऐक्यूट्) चतुर, बुद्धिमान, तेज
Adapt (ऐडैपट्) योग्यकरना, ठीककरना
Add (ऐड्) अधिककरना, जोड़ना, बढ़ावना
Addict (ऐडिक्ट) वाध डालना, चढाना रना
Address (ऐड्रेस) पता, ठ काना
Adequate (ऐडिक्वेट) काफी
Adjoining (ऐडजोयनिङ्ग) लगाव
Adjudge (ऐडजज्) विचार करना, निर्णय करना
Adjust (ऐडजस्ट) निश्चय करना
Administer (ऐड्मिनि ्टर)बन्दोबस्त करना
Admire (ऐड्मायर) प्रशंसा करना
Adopt (ऐडोप्ट) गोदबैठालना, लेलेना
Adoration (ऐडोरेशन्) पूजा, भजन
Adore (ऐडोर) पूजना, अर्चना, भजन करना
Adorn (ऐडोर्न) शोभितकरना
Adultery (ऐडल्टेरी) व्यभिचार
Adulation (ऐडुलेशन) खुशामद
Advance (ऐडवान्स) आगेचलाना बढ़ाना
Advantage (ऐडवाण्टेज) लाभ, प्राप्त
Adversary (ऐड्वरसेरी) वैरी, शत्रु, अरि
Advertise (ऐड्वरटाइज़)समाचार देना
Advice (ऐड्वाइस) सलाह
Advise (ऐड्वाइज) सलाह देना
Affection (ऐफेक्शन्) प्रीति, स्नेह, प्रेम
Affix (ऐफिक्स) योग्य करना, लगाना
Aflict (ऐफ्लिक्ट) दुःखदेना, ताड़मादेना
Afraid (ऐफ्रेड) भयभीत
Alliance (ऐलाएन्स) सम्बन्धी, नाना
Allot (ऐलौट्) हिस्सादेना
Aid (एड्) मदद, उपकार
Aim (एम् इरादा करना
Air (ऐयर्) हवा, वायु आकाश
Airing (ऐयरींग) हवाखाना
Alarm (ऐलार्म) डराना, भड़काना
Alight (ऐलाइट्) उतरना, निचेआना
Alike (ऐलाइक्) समान, सादृश्य
Alive (ऐलाइव) जीवता, जीवताहुवा
All (औल्) समस्त, सर्व, तमाम
Alley (ऐली) गलियारा
Among (ऐमङ्ग) बीच
Amount (ऐमाउण्ट) सब बढ़ना
Aged (ऐजेड्) बूड़ा, प्राचीन,वृद्ध
Agency (ऐजेन्सी) आढ़त
Agent (ऐजेण्ट) गुमास्ता, आढतिया
Ago (ऐगो) आगे, पहिले, बीते
Agree (ऐग्री) कबूलकरना, एक मन होना
Agreed (ऐग्रीड्) कबूल किया

Aguo (ऐगू) शीतज्वर, ऋफज्वर
Ah (आह) आहा, हाय
Afternoon (आफटरनुन्) तीसरा पहर
Aftorwards (आफटरवर्डस) इसके पीछे
Again (ऐगेन्) बारबार, फिर
Against (ऐगेन्स्ट) विपरीत
Age (ऐज्) उमर, आवर्दा, आयुस
Allow (ऐलाउ) परवानगी देना, इजाजत देना
Almanac (ऐल्मैनक्) पञ्चाङ्ग
Almighty (औलमाइटी) परमेश्वर, सर्वशक्तिमान
Almond (औलमण्ड) बादाम
Almost (औलमोस्ट) निकट, लगभग
Alms (आमस) दान, भिक्षा
Aloft (ऐलोफ्ट) ऊंचा ऊपर
Alone (ऐलोन्) फकत्, अकेला
Aloof (ऐलूफ) न्यारा, दूर, अलग
Along (ऐलौंग) सङ्ग, साथ, सहित
Aloud (ऐलाउड्) ऊंचे स्वरसे चिल्लाके
Also (औलसो) फिरभी
Already (औलरेडी) अभी, इसीक्षण में, चुका
Altor (आल्टर्) बदलना
Although (औलदो) यद्यपि, अगरचे
Altogether (औलटुगेदर्) बिलकुल, तमाम
Alum (ऐलम्) फिटकडी
Always (औल्वेज) हमेशा, सबदा नित्य
Ambush (ऐमबुश्) घातकी जगह
Amend (ऐमेण्ड) सुधारना
Amends (ऐमेण्ड्स्) एवज्
Amiable (ऐमीएबिल्) सुन्दर
Amid (ऐमिण्ड्) बीच
Appearance (ऐपीयरेन्स) चेहरा, सूरत
Appease (ऐपीज्) धीरज देना, समझाना
Ample (ऐम्पिल्) बडा, बहुत
Amuse (ऐम्यूज) मन फेरना, मन रञ्जन करना
An (ऐन्) एक
Analyze (ऐनेलाइज्) न्यारा करना
Ancient (ऐन्शेण्ट) पुराना, प्राचिन
And (ऐण्ड) और
Anger (ऐङ्गर) क्रोध, गुस्सा
Angry (ऐङ्ग्रि) गुस्से, खफ़ा
Anguish (ऐङ्ग्विश्) दरद, क्लेश
Animal (ऐनिमल्) जानवर।
Annex (ऐनेक्स) मिलाना जोडना
Announce (ऐनाउन्स) खबरदेना जानना
Annoy (ऐनौय्) दिककरना सताना
Another (ऐनादर) दूजा, दूसरा
Answer (ऐनसर्) जवाब, उत्तर
Antimony (ऐन्टीमनि) सुरमा, अञ्जन
Anxiety (ऐंगजाइटी) फिकर
Any (ऐनी) कोई कोइ भी
Apartment (ऐपार्टमेण्ट) कोठरी, कमरा
Apparel (ऐपैरेल्) कापडा, वस्त्र

Apparent (ऐपैरेन्ट) जाहिर
Appeal (ऐपील) रुजु करना, अपील
Appear (ऐपीयर) मालुम करना, हाजीर होना
Arrived (ऐराइवड्) पहुंचा
Art (आर्ट) विद्या, गुण
Article (आर्टिकिल) चीज
Appetite (ऐपिटाइट) क्षुधा, भूख
Apply (ऐप्लाइ) लगाना, जोड़ना
Applicable (ऐप्लिकेबिल) लायक
Appoint (ऐपोइण्ट) नियुक्त करना, ठहराना
Appraise (ऐप्रेज) भाव ठहराना, जांचना
Apprehend (ऐप्रिहैण्ड) समझना
Approach (ऐप्रोच) पहुंचना
Approve (ऐप्रूव) मञ्जूर करना, पसन्द करना
April (ऐप्रिल) इंग्रेजी महीना
Arbiter (आबिटर) पञ्च
Arbitration (आबिट्रेशन) पञ्चायत
Are (आर्) हैं हो
Argue (आर्ग्यु) तकरार करना
Aright (ऐराइट्) ठीक, दुरुस्त
Arise (ऐराइज्) उठना
Arm (आर्म) बांह, डाली, हथियार
Armory (आरमोरी) सिलहखाना
Army (आर्मि) फौज, लश्कर, कटक, दल
Around (ऐराउण्ड) आसपास, चौतरफ
Arouse (ऐराउज) जगाना, उठाना
Arrange (ऐरेंज्) बन्दोबस्त करना
Arrear (ऐरियर) बाकी
Arrest (ऐरेस्ट) रोकना, अटकाना
Arrive (ऐराइव) पहुंचना, आजाना, दाखल होना।
Artifice (आर्टिफिस) कपट, व्यापार, हिकमत
Artisan (आर्टिजेन्) कारीगर
Artist (आर्टिस्ट) गुणी, निपुण
Artless (आर्टलेस्) भोला, अनाडी
As (ऐज) जब, क्यों, जैसा
Ascend (ऐसेण्ड) चढ़ाना, ऊपरजाना
Ascertain (ऐसर्टेन्) निश्चय करना, दरियाफ्त करना
Aside (ऐसाइड्) एक तरफ
Ask (आस्क) पूछना, मांगना, चाहना
Aspect (ऐसपेक्ट) रूप, डौल
Ass (ऐस) गधा, खर
Assemble (ऐसेम्बिल्) जमा होना
Assembly (ऐसेम्ब्ली) मजलिस, सभा
Assign (ऐसाइन्) देना
Assist (ऐसिस्ट) मदद करना
Assistant (ऐसिस्टेण्ट) मददगार
Assurance (ऐश्योरेंस) बीमा
Asunder (ऐसण्डर्) अलग, न्यारा
At (ऐट) नजदीक, तरफ पास, को
Ate (ऐट्) खाया
Atheist (ऐथीस्ट) नास्तिक।
Atone (ऐटन्(मिट

Attach (ऐटैच) चिमगना, लगाना
Attain (ऐटेन्) हासिल करना
Attempt (ऐटेम्पट्) हाजरी, तावीज, विचार
Attend (ऐटेण्ड) हाज़िर
Attendance (ऐटेन्डेन्स) हाजरी
Attendant (ऐटेन्डेण्ट)नौकर, खिदमत
Attentive(ऐटेण्टीभ) खबरदार, होशियार
Attention (ऐटेन्शन्) ध्यान, इरादा
Attest (ऐटेस्ट) गवाही
Attorney (ऐटोर्नी) वकील, मुखत्यार
Attorney general (ऐटार्नि जेनेरल) सरकारी वकील
Attract (ऐट्रैक्ट) खींचना, घींचना
Attribute (एट्रिब्यूट) रिशवत, घूस
Attune (एट्यून्) मिलाना
Auction (औकशन्) नीलाम,नीलामी वस्तु
Aught (औट्) कोइ चीज
Augment (औगमेण्ट) अधिककरना, बढाना
August (औगस्ट) इंग्रेजी महीनेका नाम
Aunt (औण्ट) चाची मासी, मामी
Austere (औस्टे यर) कठिन, कठोर
Authentic (औथेण्टिक्) सच्चा
Authority (अथौरिटी) अखतियार
Authorize(अथोराइज)मुखतीयार करना
Avail (ऐवेल्) फायदा, लाभहोना
Avarice (ऐवारिस) लालच
Avenge (ऐवेञ्ज) बदलालेना
Avow (ऐवाउ) कबूल करना
Average (आवरेज्) दहा, फाला
Averse (ऐवर्स) नापसन्द
Avert (ऐवर्ट) दूर करना
Await (ऐवेट) राह देखना
Away (अवे) गायब
Awe (आँ) डर
Aye (ऐ) नित्य, हमेशा

B

Baboon (बेबून्) लंगुर
Bachanal (बेचेनल) मतवाला
Back (बेक) पीछा, पीठ
Backbite (बैकबाइट) चुगलीखाना
Bad (बैड) खराब, बुरा
Badge (बैज्) निशानी
Badness (बैडनेस) बुराई
Bag (बैग्) बोरा थैला
Bagatelle (बैगटेल) बेफायदा
Baggage (बैगेज) असबाब सामान
Bail (बेल्) हाजिरजामिनी
Bake (बेक्) सेकना, पकाना
Balance (बैलेन्स्) तराजू काटा, बाकी
Balcony (बैलकोनी) दलान, बरामदा
Bale (बेल्) बस्ता, गांठ
Bamboo (बैम्बू) बांस
Ban (बैन) इस्तिहार
Banana (बेनाना) केला

Bank (बैंक) सर्राफा, कोठी, किनारा
Banker (बैंकार्) कोठीवाल, महाजन, हुण्डीवाला
Bankrupt (बैंकरप्ट) दिवालिया
Bar (बार्) रोकना, अटकाना
Barber (बारबर्) नाई, हज्जाम
Bare (बेयर) दीन, कङ्गाल, खाली
Bargain (बारगीन्) सौदा
Barge (बार्ज) बाजरा
Barrister (बैरिष्टर्) वकील, कौंसली
Base (बेस) अधम, नीच
Bashful (बैशफुल्) शरमिन्दा, लजालू
Basin (बेसिन्) वर्तन, कुण्डा
Bask (बास्क) धूप खाना तापना
Basket (बासकेट्) डाली, टोकरा
Bathe (बेद) स्नानकरना, नाहाना
Battle (बैटिल्) लड़ाई, युद्ध
Bay (बे) खाड़ी
Bayonet (बायोनेट्) सङ्गीन
Be (बी) होना
Bear (बेयर्) रीछ, भालु , लेजाना
Beard (बियर्ड) दाढ़ी
Bearer (बेयरर्) मोटिया, कहार
Beast (बीस्ट) जानवर,हैवान
Beat (बीट्) मारना, पीटना, मलना
Beautiful (ब्यूटीफुल्) खूबसूरत
Because (बिकोज़) इस लिये, क्योंकर, क्योंकी
Beckon (बकिन्) इशाराकरना

Bed (बेड्) बिछौना, सेज
Bee (बी) मधुमक्खी
Before (बिफ़ोर) अगाड़ी, आगे
Beg (बेग्) मागना, अर्ज करना, जापना
Began (बिगेन्)चालुकिया, आरम्भकिया
Beget (बिगेट) पैदाकरना
Begin(बिगिन्) चालुकरना, आरम्भकरना
Beginning (बिगिनींग्) चालुकरना, शुरूकरना
Behalf (बिहाफ्) चलना, निबाहना, तरफ
Behind (बिहाइण्ड) पीछे
Behold (बिहोल्ड) देखना, निहारना
Belief (बिलीफ्) प्रतीति, विश्वास, धर्म
Bell (बेल) घण्टा, घड़ी
Belly (बेल्ली) पेट, उदर
Belong (बिलौंग) होना
Below (बिलो) नीचे, तले
Bend (बेंड्) टेढ़ाकरना नवाना, झुकाना
Benefit (बेनिफिट्) फायदा, लपा, उपकार, हित
Berry (बेरि) फल, झाड़बेरी
Beside (बिसाइड्) नज़दीक
Besides (बिसाइड्स्) सिवाय
Beseiege (बिसीज्) घेरना
Best (बेस्ट) उत्तम, सबसेभला
Bestow (बेस्टो) देना
Bet (बेट्) शर्त, हट
Betel (बिटिल्)पान

Betelnut (बिटिल्नट) सुपारी
Better (बेटर्) बेहतर, उत्तम, भला
Between (बिट्वीन्) बीच में
Beware (बिवेयर्) सावधानहोना, सचेत
Beyond (बियोण्ड) पार, उसतरफ़, परे
Bid (बिड्) हुकुमदेना
Big (बिग्) बड़ा
Bile (बाइल्) पित्त
Bill (बिल्) चोंच, ठोर, लेखा, नेम
Billow (बिलो) तरङ्ग, लहर
Bind (बाइण्ड्) बांधना, कसना, जकड़ना
Bird (बर्ड) पक्षि, पखेरू, चिड़िया
Birth (बर्थ) जन्म
Bit (बिट्) टुकड़ा
Bitch (बिच्) कुतिया, कुत्ती
Bite (बाइट्) ठग, काटना
Bitter (बिटर्) कड़वा
Black (ब्लैक्) काला, श्याम
Blacksmith (ब्लैकस्मिथ्) लोहार
Blame (ब्लेम्) बदनामी, निन्दा, अपराध
Blank (ब्लैङ्क) कोरा, सादा
Blend (ब्लेण्ड्) मिलाना
Blind (ब्लाइंड) अन्धा
Blockade (ब्लौकेड्) घेरना
Blood (ब्लड्) खून
Blow (ब्लो) चोट, मुक्का, धक्का
Blue (ब्लू) नीला
Blunder (ब्लण्डर) भूल, भ्रम
Blush (ब्लश) शर्मिन्दाहोना

Board (बोर्ड) तख्ता
Boast (बोस्ट) गर्भकरना, बड़ाईकरना
Boat (बोट्) नाव, डोंगी, नौका
Body (बौडी) शरीर, देह
Bold (बोल्ड) सूरवीर निभय, ढिठ
Bond (बौंड) माला, सनद, पट्टी
Bone (बोन्) हड्डी, हाड़
Bonnet (बौनेट) टोपी
Book (बुक) पुस्तक, पोथी, किताब
Booty (बूटी) लूट
Bore (बोर्) छेदना, नापना
Borrow (बौरो) उधारलेना, मगनीलेना
Bosom (बुज़म्) छाती
Both (बोथ्) दोनो, उभय
Bottle (बौटल्) बोतल, शीशी
Bought (बौट) खरीद किया
Bound (बाउण्ड्) कूदना, मारना
Bow (बो) कमान
Bowl (बाउल्) पियाला, कटोरा, तूम्बा
Box (बौक्स) सन्दूक, पेटी
Boy (बौय्) लड़का, छोकरा
Brace (ब्रेस्) कसना, बांधना
Brasier (ब्रेसियर्) कसेरा, ठठेरा
Brass (ब्रास) पीतल, निर्लज्जता
Brave (ब्रेव) बहादुर
Bread (ब्रेड्) रोटी
Breakfast (ब्रेकफ़ास्ट) कलेवा,अल्पपान
Breast (ब्रेस्ट) छाती, स्तन
Breath (ब्रेथ) दम,श्वास

Brick (ब्रिक्) ईंट
Bride (ब्राइड्) दुलहिन, बोदनो
Bridge (ब्रिज्) पुल
Bright (ब्राइट्) उजला, चमकदार
Bring (ब्रिग्) लाना
Brisk (ब्रिस्क) चालाक, चञ्चल
British (ब्रिटिश्) इंग्रेज
Broad (ब्रौड्) चौड़ा
Broil (ब्रौइल्) झगड़ा
Broker (ब्रोकर) दलाल
Brokerage (ब्रोकरेज्) दलाली
Bronze (ब्रौंज्) पीतल, कसा
Brook (ब्रूक्) नाला, छोटी नदी
Brother (ब्रदर) भाई
Brother-in-law (ब्रदरइनलौ) साला, बहनोई।
Brown (ब्राउन्) भूरारग
Brush (ब्रुश्) कूँचि
Brute (ब्रुट) जानवर
Buck (बक्) हिरण
Bud (बड्) कली
Bug (बग) खटमल
Build (बिल्ड) उठाना, बनाना
Bull (बुल्) सांड बैल
Bundle (बण्डल्) गठडी, पुलन्दा
Burden (बर्डन्) बोझा,भार
Burn (बर्न्) जलाना, बालना
Business (बिजिनेस्) काम, धंदा
Busy (बिजी) काजी, उद्योगी
But (बट्) परन्तु, लेकिन
Butter (बटर्) मक्खन
Button (बटन्) बोताम
Buy (बाइ) खरीदकरना
Buyer (बायर्) खरीदनेवाला
Buying (बाइङ्ग्) खरीद करताहू
By (बाइ) पास, से

C

Cage (केज्) पिंजरा
Cake (केक्) रोटी, पापडी
Calamity (कैलेमिटी) विपत्ति, कलेश
Calculate (कैलक्यूलेट्) लेखाकरना
Calendar (कैलेण्डर्) पञ्चाग, पत्रा
Calico (कैलिको) छीट, कापडा
Call (कोल्) पुकारना,बुलाना
Calling (कौलिग्)धधा, व्यवहार
Calm (काम्) थामना, दिलासादेना
Camel (कैमेल्) ऊट
Camphor (कैमफर) कपूर
Can (कैन्) सकना, प्याला
Cancel (कैनसिल्) मिटाना, रद्दकरना
Candid (कैनडिड्) सीधा, सच्चा, खरा
Candle (कैण्डिल्) मोमबत्ती
Cane (केन्) बेंत, छडी
Cap (कैप) टोपी
Capable (कैपिबिल्) लायक
Caprice (कैपरिस्) वहम

Car (कार) गाडी
Card (कार्ड) तास, गजफ़ा
Care (केयर्) चिन्ताकरना होशयारी
Care of (केयर्आव) ठिकाना, पता
Careful (केयर्फुल) होशियारी, सावधान
Careless (केयर्लेस्) अचेत होना
Cargo (कारगो) भरती, नावकी बोझाई
Carpet (कार्पेट्) गलीचा, जाजिम, शतरञ्जी
Carriage (केरिज्) गाडी
Carry (कैरी) लेजाना
Cart (कार्ट्) छकडा
Case (केस्) मुकद्दमा
Cashier (कैशियर्) खजानची,रोकडीया
Cash (कैश) रोकडा, नगद
Cask (कास्क) पीपा
Cast (कास्ट) डालना, सांचा
Cat (कैट्) बिल्ली
Catch (कैच) पकडना
Cause (कौज) सबब, कारण
Caution (कौशन्) सावधान, चौकस
Cede (सीड्) सौंपना, देडालना
Cent (सेन्ट) सौ, सैकडा
Centre (सेन्टर्) मध्य, बीच
Century (सेंचुरी) शतक, सौबरस
Certain (सर्टन्) निश्चय
Certainly (सर्टनली) बेशक, बेधडक
Certificate (सर्टीफिकेट्) सनद

Chair (चेअर्) कुरसी, चौकी
Chalk (चौक्) खडिया
Chamber (चैम्बर्) कोठरी, कचेडी
Chance (चान्स) दैवगती भाग्यसंयोग
Change (चेञ्ज) बदलना, हेराफेरीकरना
Chant (चैण्ट) गाना, गीत
Charge (चार्ज) बदनामी
Charm (चार्म) मन्त्र टोना
Cheap (चीप्) सस्ता
Cheat (चीट्) धोखादेना, ठगाना
Check (चेक) अटकाना रोकना
Cheek (चिक्) गाल, कपोल
Chess (चेस) शतरञ्ज
Chest (चेस्ट) सन्दूक, पेटी
Chief (चीफ्) सर्दार, श्रेष्ठ, प्रधान
Child (चाइल्ड) बालक, बच्चा
Chill चिल्) शीतल, ठण्ड
Chit (चिट्) पुरजा
Chitchat (चिट्चैट्) बोलचाल, बातचित
Choose (चूज्) छाटना, चुनना
Church (चर्च) गिरजा, पादरीयोंका समुदाय
Cinnamon (सिनेमन्) दालचीनी
Cipher (साइफर्) बिंदी, शून्य
City (सिटी) नगर, पुरी, शहर
Clan (क्लैन्) जाति, कुल, वंश
Clasp (क्लैस्प) गोदमेंबैठाना गलेलगाना
Class (क्लास) दरजा
Clay (क्ले) कीच, चिकनीमट्टी

Clean (क्लीन्) निर्मल, विमल
Clear (क्लीयर्) साफ, निर्मलकरना
Clerk (क्लर्क) लेखक, धर्मोपदेशक
Clever (क्लेवर्) चालाक, निपुण
Climb (क्लाइम्ब) चढ़ना, उठना
Clock (क्लोक्) घड़ी, घण्टा
Close (क्लोज्) मून्दना, बन्दकरना
Cloth (क्लोथ्) कपड़ा
Cloud (क्लाउड्) बादल, मेघ
Coach (कोच्) चारपहियेकी गाड़ी
Coat (कोट्) अङ्गरखा, कुरती
Cock (कोक्) मुर्गा, कुकड़ा
Coconnut (कोकोनट्) नारियल
Coffee (कोफी) कहवा
Coffer (कोफर) पेटी, रोकड़की पेटी
Coin (कोइन्) सिक्का, मुद्रा
Coldly (कोल्ड्ली) ठण्डसे
Colleague (कलीग्) सङ्गी, साथी
Collect (कलेक्ट) इकट्ठाकरना
College (कालेज्) पाठशाला
Colour (कलर्) रंग
Comb (कोम्) कांगसी, कंघी
Come (कम्) आना
Comedy (कमेडी) नाटक, प्रहसन
Comely (कौमली) सुन्दर, रूपवान
Comfort (कम्फर्ट) सुख, चैन, धीरज
Commence (कमेन्स्) आरम्भकरना
Commerce (कौमर्स्) व्यापार, वाणिज्य
Commission (कमिशन्) आढ़त्
Committee (कमिटी) सभा
Commodity (कमोडिटि) लाभ, धामी
Company (कम्पनी) भागीदार, सभा
Compare (कम्पेयर्) मुकाबलाकरना
Compartment (कम्पार्टमेण्ट) हिस्सा
Compassion (कम्पेशन्) करुणा, दया
Complain (कम्प्लेन) विलापकरना, फरियादकरना
Complete (कम्पलेट्) पूरा, समाप्तकरना
Compose (कम्पोज) मिलावना, जमाना
Compound (कम्पाउण्ड्) जोड़ना, मिलाना
Comprehend (कोम्प्रिहेण्ड्) बुझाना, समझाना
Compromise (कम्प्रोमाइज्) आपस में मिलकरना
Comrade (कौमरेड्) साथी, बन्धु, मित्र
Conceal (कन्सील) छिपाना, लुकाना
Conceit (कन्सीट्) तरङ्ग, ध्यान
Conceive (कन्सीव्) समझना, सोचना
Concern (कन्सर्न) व्यापार, प्रयोजन
Concert (कौन्सर्ट) ठहराना, उपाय करना
Concourse (कौन्कोर्स) भीड़, मेला, सभालोगोंका समूह
Conduct (कौण्डक्ट) लेजाना, पहुंचाना, चलना
Confection (कन्फेक्शन्) मिठाई

Confer (कनफ़र) बातचीत करना, मिलाना
Confidence (कौनफिडेन्स) भरोसा, विश्वास
Confirm (कनफर्म) स्थीरकरना, प्रमाण करना
Conflict (कनफ्लिक्ट) युद्ध, लड़ाई
Congress (कौंग्रेस) सभा
Conjure (कनज्योर्) जादुकरना
Connect (कनेक्ट) जोड़ना, लगाना
Conscience (कौन्शेन्स) विवेक, हित
Considering (कन्सिडरिंग्) धारताहु
Consign (कनसाइन) देना
Consist (कनसिस्ट) रहना, ठहराना
Consistent (कनसिस्टेण्ट) स्थिर, दृढ
Console (कनसोल) दिलासादेना
Consort (कौनसोर्ट) साथकरना,मिलना
Constantly(कौनस्टेण्टली)हरदम हमेशा
Construe (कौनस्ट्रू) समझाना, अर्थ करना
Consult (कनसल्ट) उपाय करना, विचारकरना
Consummate (कनसुमेट) संपूर्णकरना
Contagion (कनटेजिअन्) मरी, रोग
Contaminate (कनटेमिनेट्) बिगाड़ना
Contemplate(कण्टेम्प्लेट्) ध्यानकरना
Content (कण्टेण्ट) सन्तुष्ट, तृप्त
Contest (कण्टेष्ट) युद्ध, लड़ाई
Contingent (कण्टिन्जेण्ट) पराधीन
Contract (कन्ट्रैक्ट) छोड, नेम, व्यवहार
Contrast (कन्ट्रैष्ट) विरोध
Control (कनट्रोल्) अधीनकरना, रोकना
Controversy (कण्ट्रोवर्सी) झगडा
Convence (कनवेन्स) बटोरना, एकट्ठा करना
Converse (कनवर्स) बातचीत करना
Convey (कनवे) लेजाना, पहुचाना
Cook (कुक्) पकाना, रसोईदार [खाना
Cookroom (कुकरूम) रसोईघर, पाक
Cool (कूल्) ठण्डा, शीतल
Coolie (कुली) मोटिया
Cope (कोप्) झगड़ना, विचारकरना
Copper (कौपर्) तावा
Copy (कौपि) नकल, छापका लिखा
Coral (कारल्) मूंगा
Coriander (कौरिएण्डर) धनिया
Corn (कौर्न) अनाज, दाना
Corporeal (कोर्पोरियल्) देही
Correct (करैक्ट) निर्दोष शुध
Correspond (कौरेस्पौण्ड) मिलना, लिखना
Cost (कौष्ट्) मोल, लागत, खरचा
Cotton (कौटन) रुई कपास, सेमल
Couch (काउच्) बैठना, लेटना
Cover (कवर्) ढांपना, छिपाना
Covetous (कवेचस्) लालची

Cough (कफ्) खासी
Counsel (काउन्जिल्) मताकरना, विचारकरना
Count (काउण्ट) गिनना, जोडना
Countenance (काउण्टिनेन्स्) मुह, चेहरा, रूप
Counterfeit (काउण्टर्फीट्) झुठा
Countinghouse (काउण्टिङ्हाउस्) दफ्तरखाना
Country (कण्ट्री) मुलक, देश
Countrymen (कण्ट्रिमेन्) स्वदेशी
Couplet (कप्लेट्) दोहा, सोरठा
Court (कोर्ट) अदालत्, कचहरी
Cousin (कज़िन्)चचेराभाई, ममेराभाई
Cow (काउ) गाय
Coward (कवार्ड) कायर, डरपोक
Crack (क्रैक्) फाडना, तोडना
Craft (क्रैफ्ट) ठगाई, छल, कपट
Creator (क्रिपेटर) विधाता, सृष्टिकारक
Credit (क्रेडिट) आबरू, जमा
Creditor (क्रेडिटर्) महाजन, धनी
Crime (क्राइम्) पाप, अपराध
Crop (क्रोप्) खेती, फसल
Crowd (क्राउड) भीड
Cruel (क्रूएल्) निर्दय, कठोर
Cry (क्राइ) रोना, चिल्लाना
Crystal (क्रिस्टेन्) बिल्लोर, स्फटिक
Cucumber (कुकम्बर्) ककडी, खीरा
Culprit (कल्प्रिट्) अपराधी
Cup (कप्) प्याला
Curb (कर्ब) थामना, रोकना
Curd (कर्ड) दही, दधि
Cure (क्योर्) चङ्गाकरना, इलाजकरना
Curious (क्यूरिअस) अद्भुत
Curve (कर्व) टेढाकरना
Custardapple (कस्टर्डएपिल्)सीताफल
Custom (कस्टम) चाल, रीति
Cut (कट्) काटना

D

Dagger (डैगर्) खञ्जर, कटार
Daily (डेली) प्रतिदिन, हररोज
Damage (डैमेज्) नुकसान, हानि
Damp (डैम्प्) गीला
Dance (डैन्स्) नाच, नृत्य
Danger (डेञ्जर) जोखम,भय, आफत
Dark (डार्क) अन्धेरा, अन्धकार
Darling (डार्लिङ्ग) दुलारा, प्यारा
Dirt (डार्ट) बरछी, भाला
Dash (डैश्) पटकना,टक्करमारना, झपटना
Date (डेट्) तारीख, मिती, ठहराव, खजूर
Daughter (डौटर्) लड़की, बेटी, कन्या
Dawn (डॉन्) फ़जर, भोर, प्रातःकाल
Day (डे) दिन, प्रभा
Day-break (डेब्रेक्) सुबह भोर, प्रभातका उजाला

Declino (डिक्लाइन्) मन्दा, नाशहोना
Decrepit (डिक्रीपिट) कमज़ोर, कमताकत
Decrease (डिक्रीश) घटाना
Dedicate (डेडिकेट्) मख़्सूसकरना
Deduct (डिडकट) निकालडालना, काटना
Deduction(डिडकशन्) नतीजा,निकालना
Deed (डीड्) काम, प्रमाण, कर्म, लेख
Deem (डीम्) विचारना, सोचना
Deep (डीप्) गहिरा, समुद्र, गम्भीर
Deer (डीयर) हिरण, मृग
Deface (डिफेस्) बिगाड़ना, मिटाना
Defacement (डिफेसमेण्ट) बरबादी
Defamation (डिफेमेशन) झूठ, इलज़ाम, बदनामी
Default (डिफौल्ट) चूक, भूल
Defect (डिफेक्ट्) कमति दोष
Defective (डिफेकटिव) खंटा दागी
Defeat (डिफीट्) हारना
Defence (डिफेन्स) बचाव, हिफाज़त, हिमायत
Defend (डिफेण्ड) बचाना
Deference (डिफरेंस) आदर, सम्मान, रज़ामन्दी
Defile (डिफाइल्) गली, नाका
Defraud (डिफ्राड्) फसाना
Defy (डिफाइ) ललकारना, धमकाना
Deject (डिजेक्ट) नीचे फेंकना, उदास-होना
Deity (डिटी) ईश्वर, परमेश्वर, देवता
Deliberate (डेलिबरेट) विचारना
Delicate (डिलिकेट्) खोद, उत्तम, कोमल
Delay (डिले) ढील
Delight (डिलाइट्) हुलास, आनन्द, हर्षदायक
Delightful (डिलाइट्फुल) मनोहर
Delirious (डेलीरियस्) अचेत
Deliver (डिलिवर्) सौंपना, देडालना
Delude (डिल्यूड्) भुलाना, धोकादेना
Deluge (डेलुजन्) जलमयी, जलप्रलय
Demand (डिमाण्ड) पूछ,,चाह
Demolish (डिमौलिश्) गिराना
Demon (डीमन) पिसाच, भूत प्रेत्
Demonstrate(डिमौन्सट्रेट्) दिखलाना
Den (डेन्) बिल, गुफा
Deny (डिनाइ) नकारना
Depart (डिपार्ट) चलाजाना
Department (डिपार्टमेण्ट) हिस्सा
Dependent (डिपण्डेण्ट) पराधीन
Deplore (डिप्लोर) विलापकरना, रोन
Deposit (डिपोजिट्) अमानत
Depress (डिप्रेस्) दबाना, झुकाना
Deprive (डिप्राइव) हरलेना, छीनलेना
Depth (डेपथ) गहरा
Deputy (डेपुटी)नायब,गुमाश्ता, वकील

Descend (डिसेण्ड) उतरना, गिरना
Descendant (डिसेण्डेण्ट) वंस, सन्तान
Describe (डिस्क्राइब्) बयानकरना
Desert (डेज़र्ट) लजाना, जङ्गल, आरण्य
Desire (डिज़ायर्) चाहना
Desk (डेस्क्) मेज़ लिखनेको
Despair (डिस्पेअर) निराश
Despatch (डिस्पैच) उतावल
Despise (डिस्पाइज़्) घिनकरना
Destine (डेस्टिन) मुकर्ररकरना
Destiny (डेस्टिनी) भाग्य, कर्म, होनी
Destitute (डेस्टिट्यूट) कङ्गाल, दरिद्र
Detach (डिटैच) अलगकरना
Detail (डिटेल्) ब्यौरा, अहवाल
Detect (डिटेक्ट्) पकड़ना
Determine (डिटर्मिन्) ठहरना
Develope (डवेलप्) खोलना, प्रकाश करना
Devil (डेविल) भूत, प्रेत
Devote (डिवोट्) चढाना, सङ्कल्पकरना
Dew (डिउ) ओस, शीत
Dialogue (डायलौग्) सवाद, बातचीत
Diamond (डायमण्ड) हीरा
Diary (डायरी) रोजनामा, बहीरोज मेलकी
Diction (डिक्शन्) भाषा, बोली
Die (डाइ) मरना
Diet (डाइट्) आहार, भोजन
Differ (डिफर्) अलग, न्यारा
Different (डिफरेन्ट) अलग, न्यारा
Diffidence (डिफिडेन्स्) अविश्वासी
Difficult (डिफिकल्ट) कठिन
Dig (डिग्) खोदा, खोदना
Dim (डिम्) धुँधला
Dimension (डाइमेनशन्) परिमाण
Diminish (डिमिनिश्)) घटाना
Dine (डाइन) भोजनकरना, खिलाना
Dinner (डिनर) भोजन, दिनकाखाना
Direct (डाइरेक्ट) सीधा, खुला
Dirt (डर्ट) कचरा, धूल
Disaster (डिज़ास्टर्), बिपत, उपद्रव
Discern (डिस्सर्ण) देखना, बिचारना
Discharge (डिस्चार्ज) देदेना, चुकाना
Disclose (डिसक्लोज़) खोलदेना, कहना
Discretion (डिस्क्रेशन) विवेक, बिचार
Disdain (डिस्डेन) तुच्छ, जानना
Disease (डिज़ीज़) रोग, व्याधि
Dish (डिश्) थाली, भोजनपात्र
Disjoin (डिस्जोइन) न्यारा करना
Disorder (डिस्ऑरडर) गड़बड़
Display (डिसप्ले) खोलदेना, पसारना
Dispose (डिस्पोज़्) धरना, चाहना
Disposition (डिस्पोज़ीशन) मिज़ाज, स्वभाव
Dispute (डिसप्यूट) झगड़ाकरना
Dissolve (डिज़ौल्व) गलाना
Distant (डिस्टैण्ट) दूर, न्यारा, अलग
Distinct (डिस्टिंक्ट) भिन्न, न्यारा,

Distress (डिस्ट्रेस्) दु ख, विपत्ती
Distribute (डिस्ट्रिब्युट्) बाटना, भाग करना
District (डिसृटिक्ट) ज़िला
Ditto (डिटो) वही, तथा
Divert (डाइवर्ट) बहलाना, खेलना
Divide (डिवाइड्) भागकरना
Divine (डिवाइन्) होनहार,भविष्यत-कहना
Divorce (डाइवोर्स) त्यागकरना, छोडना
Do (डू) करना
Doctor (डोक्टर) हकीम वैद
Doctrine (डोक्टिन) शिक्षा, उपदेश
Dog (डोग) कुत्ता
Dome (डोम्) गुम्मज़
Door (डोर) दर्वाज़ा
Done (डन) किया
Dot (डोट्) शून्य
Double (डबिल्) दूना
Doubt (डाउट्) शङ्का
Dove (डव्) कबूतर, कपोत
Down (डाउन्) नीचे, तले
Downfall (डाउनफ़ोल) हीनदशा
Downright (डाउनराइट) सीधा, स्पष्ट
Doze (डोज़) मारना, उघना
Dozen (डज़न्) दरजन, बारह
Draft (ड्राफट) हुण्डी
Drag (ड्रैग्) घसीटना, खैंचना
Drain (ड्रेन्) पाना, नीचपाना,छोडना
Drama (ड्रामा) नाटक
Dread (ड्रेड्) धास्ती, डर
Dreary (ड्रेयरी) भयङ्कर, उदास
Dress (ड्रेस्) पोशाक
Drift (ड्रिफट) चलाना, हाकना
Drink (ड्रिङ्क) पीना, पानकरना
Drive (ड्राइव) गाडीहाकना, दौडाना
Drop (ड्रोप्) बन्दी, झुमका, कुण्डल
Drowsy (ड्रोउज़ी) आलसी, सुस्तो
Druggist (ड्रगिस्ट्) पसारी, औषधि-बेचनेवाला
Drum (ड्रम) ढोल, मृदङ्ग
Dry (ड्राइ) सुखाना
Duck (डक्) बत्तक, हस
Due (ड्यु) उचित, योग्य
Dull (डल) मन्दा
Dumb (डम्ब) गूगा, मौन, चुप
Dunce (डन्स) मूर्ख, मूढ
Dust (डस्ट्) धूल
Duty (डिउटी) कर्त्तव्य, कर्म
Dwell (ड्वेल्) रहना
Dysentery (डिसेण्ट्री) अतिसार

E

Each (ईच्) हरएक, प्रत्येक
Eager (ईगर्) चाहनेवाला, कुतुहली
Ear (ईयर) कान, कर्ण

Earless (इयरलेस्) कनकटा, बूचा
Earl (अर्ल) शीघ्र
Early (अर्ली) शीघ्र, उचितकालमें
Earn (अर्न) कामकरना, योग्यहोना
Earnest (अर्नेस्ट) धीरता, बन्धक, बयान
Earth (अर्थ) जमीन
Ease (ईज) सुख, चैन, विश्राम
East (ईष्ट) पूरब पूर्व
Easy (इजी) सहज, सुगम
Eat (ईट्) खाना
Eclipse (ईक्लिप्स) ग्रहण
Edifice (एडिफिस्) घर, धाम, हवेली
Edition (एडिशन्) छापा
Efface (इफेस्) मिटाना
Effect (एफेक्ट्) करना, सिद्धकरना
Effects (एफेक्टस्) माल, सम्पत्ति
Efficacy (एफिकेसी) शक्ति, गुण
Efficient (एफिशण्ट्) फलकारी, गुणकारी
Effort (एफर्ट) चेष्टा
Egg (एग्) अण्डा
Either (ईदर) कोई दोमेंसे एक
Elder (एल्डर) बड़ा, प्राचीन, जेठ
Elect (इलेक्ट) छाँटलेना, चुनलेना
Elegant (एलिगेण्ट) सुन्दर, मनोहर
Elephent (एलिफेण्ट) हाथी
Else (एल्स) दूसरा, नहींतो, अथवा
Embassador(एम्बेसेडर) एलची, राजदूत
Emerald (एमेरेल्ड) पन्ना, मरकत
Emerge (एमर्ज) उठना, निकालना
Emit (एमिट) निकालना
Empty (एम्पटी) खाली, रीत
Enclose (एनक्लोज) बन्दकरना
Encourage (एनकरेज्) साहसदेना, भरोसादेना
End (एण्ड) अंत, समाप्ति
Endeavour (एण्डेवर) चेष्टा, उद्योग
Endorse (इण्डोर्स) सकारना, हुण्डी की पीठ पर लिखकर देना
Enemy (एनिमी) शत्रु, विरोधी
Energy (एनर्जी) बल, शक्ति, पराक्रम
Enforce (एनफोर्स) अमलमें लाना, लाचार
Engine (इञ्जिन) कल
English (इङ्गलिश्) इङ्गरेजी
Engrave (एनग्रेव्) खोदना
Enhance (एन्हेन्स) अधिककरना
Enjoin (एन्जोइन्) आज्ञाकरना
Enjoy (एनजोय्) भोगकरना, विलासकरना
Enlarge (एनलार्ज) बढाना
Enmity (एनिमटी) विरोधी, वैर
Enough (एनफ) बहुत, बस
Enquire (एनक्वायर) पूछना
Enter (एण्टर) प्रवेशकरना
Entice (एण्टाइस्) फुसलाना, लुभाना
Entire (एंटायर) सारा, समूचा
Entitle (एंटाइटिल्) अधिकारदेना

Envelope (एनवल्प्) लिफाफ़ा
Equal (ईक्वल्) बराबरकरना
Equity (ईक्विटी) न्याय, विचार
Eradicate (इरेडिकेट) मीटादेना, उखाडना
Ere (इयर) पूर्व, आगे
Errand (एरेण्ड) समाचार, सन्देश
Erroneous (एरोनिअस्) अशुद्ध मिथ्या
Escape (एस्केप्) भागना, बचनिकलना
Especial (एस्पेशेल्) प्रधान, श्रेष्ट
Espouse (एस्पाउज्) विवाहकरना
Essence (एसेन्स) सार, तत्व
Esteem (एस्टीम्) आदरकरना, विचारना
Estimate (एस्टीमेट) आंकना, कूतना
Eternal (एटरनैल्) नित्य, अनन्त
Even (ईवेन्) समान, चौरस
Evening (ईवनिग्) साज शाम
Event (इवेण्ट) शेष, फल, वृत्तान्त
Every (एवरि) प्रत्येक हरएक
Evidence (एविडेन्स) (साक्षी) गवाह।
Evident (एविडेण्ट) स्पष्ट, प्रत्यक्ष
Evil (ईविल्) बूरा, दुष्ट
Ewe (यू) भेड़ी, मेढी
Exact (एगजैक्ट) यथार्थ, ठीक, पूरा
Examine (एगजैमिन) परिक्षाकरना
Examiner (एगजैमिनर्) परिक्षक
Exceed (एक्सीड्) आगेबढ़ना, अधिक-होना
Excellent (एक्सेलेन्ट) उत्तम, भला
Except (एकसेप्ट) सिवाय
Exchange (एक्सचेंज) बदलना
Exclusive (एक्सक्लूसिव) छोड़कर
Excuse (एक्सक्यूज) क्षमाकरना, माफ़करना
Exempt (एगजेम्पट) छोड़देना
Exert (एगजर्ट) उद्योगकरना
Existence (एगजिस्टेन्स)जीवन, स्थिती
Exit (एगजिट्) गमन, प्रस्थान
Expand (एक्सपेन्ड) फैलना, पसारना
Expedient (एक्सपीडिएन्ट) योग्य
Expense (एक्सपेंस्) खर्च, लागत
Experiment (एक्सपेरिमेण्ट) परिक्षा
Expert (एक्सपर्ट) चतुर, चालाक
Expire (एक्सपायर) स्वासछोडना, मरना
Explain (एक्सप्लेन्) समझाना, बुझाना
Express (एक्सप्रेस्) कहना, बोलना
Extend (एक्सटेण्ड) पसारना फैलाना
Extent (एक्सटेन्ट) विस्तार, पसार
Extol (एक्सटोल्) सराहना,बड़ाईकरना
Exult (एगजल्ट) खुशहोना
Eye (आई) आंख, नेत्र, चक्षु
Eye brow (आईब्राउ) भ्रकुटी भौं
Eyelash (आईलैश्) बरुनी, पलक

F

Fabric (फेबरिक्) घर, भुवन

Fabulous (फेबूलस्) कल्पितबनाया हुवा, झुठा
Face (फेस्) मुह चेहरा
Fact (फेक्ट्) काम, सत्यता
Factory (फैक्टरि) कोठी, वाणिज्यस्थान
Fail (फेल) चुकना, न्यूनहोना
Faint (फेण्ट) कमजोर
Fair (फेर्) मेला, स्वरूप, सुन्दर
Faith (फ़ेथ) विश्वास, भरोसा
Faithful (फ़ेथफूल्) खरा, सच्चा
Faithless (फ़ेथलेस्) निमकहराम
Fall (फाल) गिरना, पडना
False (फॉलस्) झूठा, खोटा
Fame (फम) यश, कीर्त्ति
Family (फेमिलि) कुटम्ब, कुल, वंश
Famine (फेमिन्) अकाल, दुर्भिक्ष
Famous (फेमस्) प्रसिद्ध, नामी, विख्यात
Fan (फैन्) पखाकरना, पखा
Far (फ़ार्) दूर, लम्बा
Fare (फेयर्) खोराक, भाडा
Fast (फाष्ट) उपवास, मजबूत
Fasten (फास्टिन्) बाधना
Fat (फेट्) मोटा
Fate (फेट्) भाग्य
Father (फादर्) पिता, बाप
Fault (फौल्ट) अपराध, दोष
Favour (फेवर्) मेहरबानी, कृपा
Fear (फीअर्) डर, भय
Fearful (फ़ीएरफुल्) भयङ्कर, डरावना
Fearless (फ़ीयर्लेस्) निर्भय, निडर
Feast (फ़ीष्ट) पर्व, जीमणवार
Feat (फ़ीट्) कर्म, चरित्र
Feather (फ़ेदर्) पंख
Fee (फी) परितोषित, वेतन, रसूमखर्ची
Feel (फ़ील) खिलाना
Fellow (फ़ेलो) साथी, सङ्गी
Female (फ़ीमेल्) नारी, स्त्रीलिङ्ग
Festival (फ़ेस्टीवेल्) त्योहार
Fetch (फेच्) जाकरलेना, पहुचना
Fever (फ़ीवर्) तप, बूखार
Few (फिउ) थोडा, जरा
Fiction (फिकशन्) बनावट, कल्पना
Fiddle (फ़िडिल्) सारङ्गी
Fie (फ़ाइ) छी छी
Fife (फ़ाइफ्) मूरली, बासुरी
Fig (फ़िग्) अञ्जीर
Fight (फाइट्) लडाई, झगडा
Figure (फ़िगर्) अक्षर, अङ्क
File (फ़ाइल) कागद टाकनेका तार
Fill (फ़िल्) भरना, पूराकरना
Filter (फ़िल्टर्) छानना, नीतारयकरना
Find (फ़ाइण्ड) मिलना, पाना
Fine (फाइन्) दण्ड, सुन्दर, अच्छा
Finger (फ़िङ्गर्) उगली
Finish (फिनिश्) निवेडना, पूराकरना
Fire (फायर्) आग, अग्नि
Firm (फर्म) दुकान, कोठी

First (फ़र्ष्ट) पहिला
Fish (फ़िश्) मछली
Fit (फ़िट्) योग्य, उचित
Flannel (फ्लैनेल्) ऊनीवस्त्र, फलालैन
Flat (फ्लैट्) चपटा, समान, फीका
Flint (फ्लिण्ट) चकमकपथरी
Float (फ्लोट्) उतारना, तैरना
Flood (फ्लड) जलमयी, तूफ़ान
Flour (फ्लौवर्) आटा, पिसान
Flower (फ्लौवर्) फूल, पुष्प
Flute (फ्लूट्) बांसुरी
Flutter (फ्लटर) तड़फड़ाना, व्याकुल करना
Fly (फ्लाइ) मक्खी, उड़ना
Foe (फ़ो) दुश्मन, बैरी
Folly (फ़ौलि) मूर्खता, बेवकूफी
Foment (फ़ोमेण्ट) सेंकना तप्तकरना
Food (फ़ूड्) खोराक, भोजन, आहार
Fool (फ़ूल्) मूढ़, बेवकूफ़
Footpath (फ़ुट्पाथ्) पगडण्डी
For (फ़ौर) वास्ते, कारण
Forbearance (फ़ौर्बेयरेन्स) बचाव, त्याग, क्षमा
Forbid (फ़ौरबिड्) निषेधकरना, रोकना
Force (फ़ोर्स) बल, ज़ोर, शक्ति
Forebode (फ़ोर्बोड्) पहिलेसेजानजाना
Forego (फ़ोर्गो) त्यागना छोड़ना
Forehead (फ़ोरहेड्) ललाट माथा
Foreign (फ़ौरेन्) विदेशी, परदेशी
Forest (फ़ौरेष्ट) वन, जङ्गल
Forever (फ़ौरएवर) नित्य, हमेशा
Forgery (फ़ौरजरी) जाल, जालसाजी
Forgive (फ़ौरगीव) क्षमाकरना
Former (फ़ौरमर) आगे, पहले
Forsake (फ़ौर्सेक्) छोड़ना, त्यागना
Fort (फ़ोर्ट) किला कोट
Forth (फ़ोर्थ) आगे, सामने
Forth with (फ़ोर्थविथ्) तत्काल
Fortnight (फ़ोर्टनाईट्) पखवाड़ा
Fortune (फ़ोर्च्यून्) भाग्य, धन
Forty (फ़र्टी) चालिस
Forward(फ़ौवर्ड)निर्लज्ज, चालाक,आगे
Foster (फ़ोष्टर्) पालना, प्रतिपालन
Found (फ़ाउण्ड) बनाना, पाना, उठना
Fourfold (फ़ौरफ़ोल्ड) चौगना
Fragment (फ्रेगमेण्ट) टुकड़ा, टूक
Frail (फ्रेल) निरबल अशक्ति
Frank (फ्रैङ्क) निष्कपट, उदार
Freight (फ्रेट) किराया
Frequently (फ्रिक्वेन्ट्ली) बहुवार बारबार
Fresh (फ्रेश) ताजा
Friend (फ्रेण्ड) दोस्त, मित्र
Friendship (फ्रेण्डशिप्) दोस्ती
Frigid (फ्रिजिड्) ठण्ढा, शीतल
Frog (फ्रौग्) मेडक दादर
From (फ्रौम्) से
Frost (फ्रौस्ट्) पाला जाड़ा

Fruit (फ्रूट्) फल, मेवा
Fruitful (फ्रूट्फुल्) फायदेमन्द
Full (फुल्) पुरा, भरा
Fume (फ्यम्) धुंवा, वाफ
Fun (फन्) खेल, तमाशा
Fund (फण्ड्) पूजी, मूलधन
Fur (फर) कोमल, लोम, नरमरोंआ
Furious (फ्युरियस्) पागल, क्रोधी
Furlough (फर्लो) छुट्टी, रजा
Furnish (फर्निश्) सजाना, पूरापड़ना
Furniture (फर्निचर्) सामग्री, असबाब
Further (फर्दर्) अगाड़ी, बहुतदूर
Fury (फ्युरि) राग, क्रोध
Future (फ्यूचर्) भविष्यत, आगामी
Far (फार्) दूर

G

Gain (गेन्) फायदा होना, लाभ
Gait (गेट्) गति, मार्ग, चाल
Gallant (गैलेण्ट) वीर, साहसी
Gallery (गैलेरी) छजा, बारदा
Gallows (गैलोज्) फांसीकाखम्भा
Gambler (गैम्बलर्) जुआरी
Gander (गैण्डर्) हंस
Gap (गैप) छेद, बिल
Gape (गेप) जमुहाना, जमुहाई
Garb (गार्ब) पोशाक, कपड़ा
Garden (गार्डेन्) फुलवाड़ी बगीचा
Garland (गारलेण्ड्) फूलका माला
Garlic (गार्लिक्) लहसन
Gate (गेट्) फाटक, द्वार, मार्ग
Gather (गेदर्) एकट्ठाकरना, बटोरना
Gaudy (गौडी) चटकीला, रङ्गीला
Gave (गेव्) देदिया
Gazette (गेजेट्) समाचारपत्र
Gem (जेम) मणि, रत्न
Gender (जेण्डर्) जात, लिङ्ग
General (जेनेरेल) सेनापती, सामान्य
Generally (जेनेरेली) अक्सर, बहुतकरके
Generation (जेनरेशन्) पीढी वंश,कुल
Genuine (जेनुइन्) सच्चा, खरा, सत्य
Genus (जीनस्) जाति
Geography (जिओग्राफी) भुगोलविद्या।
Gesture (जेसचर्) चेष्टा, अङ्ग
Get (गेट्) पाना, कमाना
Getup (गेट्अप्) उठाना
Ginger (जिञ्जर्) सोंठ
Girl (गर्ल) लड़की, छोकरी
Give (गिव्) देना, देडालना
Given (गिवन्) देदिया
Glad (ग्लैड्) प्रसन्न, खुशी
Glance (ग्लेन्स्) चमक, अवलोक
Glass (ग्लास्) काच, सीसा, दर्पण
Gnat (नैट्) मच्छड़
Go (गो) जाना
Goat (गोट्) बकरा
God (गोड्) ईश्वर, परमेश्वर, परमात्मा

Goblet (गोब्लेट) प्याला
Godown (गोडाउन्) गोदाम
Goddess (गोडेस) देवी
Gold (गोल्ड) सोना, सुवर्ण
Goldsmith (गोल्डस्मिथ) सुनार
Gone (गवन्) गया
Good (गुड्) अच्छा
Goods (गुड्स) माल, असबाब
Goose (गुस्) हंस
Got (गौट) पाया
Government (गवर्नमेण्ट) राज्यशासक
Grace (ग्रेस) मेहरबानी
Grain (ग्रेन) अन्न, अनाज
Grammar (ग्रामर) व्याकरण
Gram (ग्रैम) चना
Grand (ग्रैण्ड) बड़ा श्रेष्ठ
Grand child (ग्रेण्डचाइल्ड) पोता, दोहीतरा
Grand daughter (ग्रैण्डडौटर) पोती
Grand father (ग्रेण्डफादर) दादा,नाना
Grand mother (ग्रैण्डमदर)दादी,नानी
Grand son (ग्रैण्डसन)पोता, बेटेकाबेटा
Grant (ग्रैण्ट) इनामदेना, देडालना
Grape (ग्रेप्) अंगूर दाख
Grass (ग्रास) घास
Grate (ग्रेट्) घिसना, रगड़ना
Grateful (ग्रेटफुल) मनोहर, रमणीय
Gratification (ग्राटिफिकेशन)सन्तोष
Gratis (ग्रेटिस्) फोकट, मुफ्त
Grave (ग्रेव) समाधि, कबर, गम्भीर
Gravel (ग्रेवल्) कङ्कर, पथरी
Great (ग्रेट) बड़ा, विशाल, महात्मा
Green (ग्रीन) हरा, हरियाला, हरारंग
Grief (ग्रीफ्) शोक, खेद, पीड़ा
Grievance (ग्रीवेन्स) अपकार, अपराध, अन्याय
Grievous (ग्रीवस) क्लेश, पीड़ा
Grind (ग्राइण्ड) पीसना दलना, दबाना
Ground (ग्राउण्ड) जमीन, भूमी, पृथ्वी
Grow (ग्रो) उगना, उपजना, बढ़ाना
Guarantee (गारान्टी) जामिनगीरी
Guard (गार्ड) पहरा, रखवाल, चौकी
Guava (गावा) अमरूदफल
Guess (गेस्) अटकना, ताड़ना
Guest (गेस्ट) मेहमान
Guilt (गिल्ट) अपराध दोष
Guilt less (गिल्टलेस्) निरपराधी
Guilty (गिल्टी) अपराधी, दोषी, पापी
Guinea (गिनी) सोनेका सिक्का
Gum (गम) मसूड़ा, गोंद
Gun (गन) तोप, बन्दूक
Gunpowder (गनपाउडर्) बारुद दारु
Gust (गस्ट) स्वाद, रुचि, भोग
Gut (गट्) आंतड़ी, मार्ग, पथ
Gutter (गटर) मोरी, परनाला

H

Habit (हैबिट्) दस्त, अवस्था, अभ्यास
Had (हैड्) पासथा
Hail (हेल्) ओला पत्थर
Hair (हेयर्) केश, बाल
Half (हाफ्) आधा
Hall (हाल्) कचहरी, दलान
Halt (हालट) मुकाम
Hammer (हैमर्) हथौड़ा घन
Hand (हैण्ड) हाथ, कर
Handkerchief (हैण्डकरचीफ) रुमाल
Handle (हैण्डल्) हाथ लगाना, छूना
Handy (हैण्डी) तैयार
Hang (हैङ्ग) फांसीदेना
Haply (हैपली) शायद
Happen (हैपन्) आजाना, आपड़ना
Happy (हैपी) खुशी
Harangue (हैरैङ्ग)वर्णन, कथा, अलङ्कार
Harass (हैरैस) सताना, कष्टदेना
Hard (हार्ड) कड़ा कठिन, निष्ठुर
Hardy (हार्डी) सुरबीर मोटा
Hark (हार्क) सुनना
Harm (हार्म) पाप, अपराध, दोष, हर्ज
Harp (हार्प) विणानाद, वीणा
Harsh (हार्श) क्रूर, कड़वा
Hart (हार्ट) हिरण, मृग
Haste (हेस्ट) शीघ्रता, उतावली
Hat (हैट्) टोपी
Hatred (हेटरेड्) बैर, कपट
Haughty (हौटि) अहङ्कारी, घमण्डी
Haunt (हौण्ट) आयाजायाकरना
Have (हैव) रखना, धरना
He (ही) वह
Head (हेड) माथा, सिर, प्रधान
Health (हेल्थ) तनदुरुस्ती
Hear (हियर्) सुनना
Hearing (हियरींग्) सुनरहा
Heart (हार्ट) दिल, चित्त
Heat (हीट) गरमी, उष्ण, ग्रीष्म
Heaven (हेवन्) स्वर्ग, आकाश
Heavy (हेवी) भारी
Hell (हेल) नरक
Help (हेल्प) सहायता, उपकार
Hen (हेन्) मुर्गी
Hence (हेन्स)यहासे, इस जगहसे
Her (हर) उसस्त्रीका, इस्का
Herb (हर्ब) औषधि, जड़ी, बूटी
Her (हर) उसस्त्रीको
Here (हियर) यहां
Hereafter (हियरआफ़टर) इसकेबाद
Hereby (हियरबाइ) इससे
Herein (हीयरइन) इसमें
Herewith (हीयरविथ) इसके साथ
Hero (हीरो) सूरबीर, योधा, नायक
Herself (हर्सेल्फ) वह, खुद
Hesitate (हेज़िटेट्) सन्देहकरना, शङ्का करना

Hide (हाइड्) छिपाना, लुकाना
Hideous (हिडिअस्) भयानक, दारुण
High (हाइ) ऊंचा, तेज
Highness (हाइनेस्) महाराज वचन
Hill (हिल्) पहाड़ी
Him (हिम) उसको
Hinder (हिण्डर्) रोकना, अटकाना
Hinderance (हिण्डरेन्स्) रोकटोक
Hire (हायर) भाड़ा, वेतन
His (हिज्) उसका
History (हिस्टरी) इतिहास
Hither (हिदर) इधर, यहां
Hither to (हिदरटू) अबलग अबतक
Hive (हाइव) छाता, मधुमक्खीका छाता
Hoard (होर्ड) पूंजीसंग्रह
Hog (होग) शूअर
Hoist (होइस्ट) उठाना चढाना
Hold (होल्ड) पकडना थामना, रखना
Homage (होमेज्) सेवा, ताबेदारी
Home (होम) घर
Honest (ऑनेष्ट) खरा, सच्चा
Honey (हनी) मधु, मिठाई
Honour (ऑनर्) प्रधानता, मान
Hoof (हूफ) खुर, सुम
Hope (होप्) आशा भरोसा
Hopeful (होपफुल्) आशावान
Hopeless (होपलेस्) निराशा
Horn (हॉर्न) सिंग
Horrible (हॉरिबल) भयानक, भयङ्कर
Horse (हॉर्स) घोड़ा, तुरङ्ग
Horse-race (हॉर्सरेस) घुड़दौड़
Hose (होज्) मोजा, जराबा
Hospital (हॉस्पिटल) धर्मशाला, रोगशाला
Host (होष्ट) भटियारा, अतिथि, सेवक
Hot (हॉट) तप्त, गरम, बड़ा
Hour (आवर्) घण्टा, घडी
Hour-glass (आवरग्लास्) बालूकीघडी
House (हाउस) घर, भवन
House hold (हाउसहोल्ड) परिवार
How (हाउ) कैसा
House keeping (हाउसकीपींग) गृहस्थी, व्यापार
House-rent (हाउसरेण्ट) घरका भाड़ा
Hover (हॉवर) घूमना, फिरना
However (हाउएवर्) कितनाही सब रीतिसे
Howl (हाउल) रोना, कूकना
Hue (हिउ) वर्ण, रंग
Huge (हिउज) बहुतबड़ा, अतिविशाल
Human (हिउमैन) मानवी मनुष्यजाती
Humble (अम्बल्) नम्रशील, गरीब
Humour (हिउमर) सन्तुष्टकरना
Humpbacked (हम्पब्याकड्) कुबड़ा
Hundred (हण्ड्रेड) एकसौ
Hunger (हङ्गर) भूख, क्षुधा
Hunt (हण्ट) ढूंढना, शिकारकरना-
Hurt (हर्ट) चोट, मनदोखलना, वैर से गिरादेना

Hurra (हुर्रा) जय, जय
Hurry (हरी) जल्दी
Hurt (हर्ट) हानी, घाव
Husk (हस्क) छिलका, छाल
Hut (हट्) झोपडी

I

I (आइ) मैं
Ice (आइस्) बरफ़
Idea (आइडिया) भावना, ध्यान, चिन्ता
Idle (आइड्ल) आलसी, निरुद्योगी
Idol (आइडल्) मूर्त्ति, प्रतिमा, प्रिय
Idolatory (आइडोलेट्री) मूर्त्तिपूजक
If (इफ्) जो, यदि, अगर
Ignoble (इग्नोबल्) अकुलीन, नीच
Ignorant (इग्नोरेन्ट) मूर्ख, अज्ञान
Ignorance (इग्नोरेन्स) अज्ञानता, अविद्या, निर्बुद्धिता
Ill (इल्) रोगि, मांदा
Immediately (इम्मिजिएटली) तुरन्त
Imagine (इमाजिन्) कल्पनाकरना
Imbecility (इम्बेसिलिटी) दुर्बलता, क्षीणता
Imbolden (इम्बोल्डेन्) भरोसादेना
Immaterial (इम्मेटिरिएल्) निराकार
Immature (इम्मेचर्) कच्चा, अपक्क, असम्पूर्ण
Immemorial (इम्मेमोरिएल्) बहुत पुराना
Immense (इम्मेन्स) बहुत, अनन्त
Immodest (इम्मोडेष्ट) निर्लज्ज
Immortal (इम्मोर्टाल) अमर, अविनाशी
Immovable (इम्मूवेबल्) अचल, अखण्ड
Immutable (इम्मिउटेबल्) निर्विकार
Impart (इम्पार्ट) जानना, समझाना
Impatient (इम्पेशण्ट) उतावला
Imperial (इम्पीरिएल्) बादशाही
Import (इम्पोर्ट) आमदनी, अर्थ
Important (इम्पोर्टेण्ट) जरूरका
Imposter (इम्पोस्टर्) ठग, छली
Impossible (इम्पोसिबल) असाध्य, असम्भव
Improper (इम्प्रोपर) गैरवाजिब, अनुचित
Improve (इम्प्रूव) सुधारना
Impure (इम्पिउर्) मलीन, अपवित्र
In (इन्) मे, भीतर, अन्दर
Inadequate (इनेडिक्वेट) कम, थोड़ा
Inattentive (इनएटेन्टिव्) गाफ़ल असावधान
Incessant (इनसेसेण्ट) हमेशा, सर्वदा
Incident (इनसिडेंट) आफ़त्
Incline (इन्क्लाइन) चाहना, इरादा करना
Inclose (इन्क्लोज्) बन्दकरना
Include (इन्क्लूड्) शामिलकरना
Income (इनकम्) आमदनी, लाभ

Incompetent (इनकोमपिटेंट) असमर्थ, नालायिक
Incorrect (इनकरेक) अशुद्ध, नादुरस्त
Increase (इनक्रीज) बढ़ाना
Incumbent (इनकमबेंट) अवश्य, जरूर
Indebted (इडेटेड्) करजदार ऋणी
Independent (इंडिपेन्डन्ट) खुद, मुखत्यार, स्वतन्त्र
Index (इंडेक्स) सूचिपत्र
Indicate (इन्डीकेट) दिखलाना, बताना
Indigence (इन्डीजेन्स) निर्धनता
Indignation (इंडिगनेशन्) क्रोध
Indigo (इन्डिगो) नील
Indisposition (इन्डिसपोजिशन्) बीमारी
Indolent (इन्डोलेण्ट) ढीला सुस्त
Indulge (इन्डलज) मेहरबानीकरना
Industrious (इणड्स्ट्रियस्) उद्योगी, मेहनती
Inexperienced (इनेक्सपिरियन्सड) अनाड़ी
Infancy (इनफैन्सी) लड़कपन, बचपन
Infant (इन्फेण्ट) बच्चा, लड़का
Infidel (इन्फिडेल्) नास्तिक
Infirm (इन्फर्म) कमजोर, निबल
Inflexible (इनफ्लेक्सिबल्) सख्त, कठोर
Inflict (इनफ्लिक्ट) सजादेना
Inform (इनफौर्म) खबरदेना
Ingenious (इन्जीनियस) अक्लमन्द, गुणवान
Inhabit (इन्हैबिट्) रहना, बसना
Inherent (इन्हियरेण्ट) सहज, असली
Injury (इन्जूरी) अन्याय, नुकसानी
Injustice (इन्जस्टीस) अनीति
Ink (इंक) सियाही
Inn (इन्) धर्मशाला, सराय
Inkstand (इंकस्टेंड) दवात
Inland (इनलैण्ड) देशी
Innocent (इनोसेन्ट) निर्दोष
Inquire (इनक्वायर) पूछना, खोजना
Insane (इनसेन्) पागल, बावला
Insensible (इनसेनसिबिल्) बेहोश
Insert (इनसर्ट) दाखिलकरना
Inside (इनसाइड्) भीतर
Insist (इन्सिष्ट) जिद्दकरना,आग्रहकरना
Insolvent (इन्सोल्वेण्ट) दिवालिया
Inspect (इन् पेक्ट) देखना, परखना
Instant (इन्स्टैण्ट) मालूमहोना
Instructions (इन्स्टक्शन्स)-आज्ञा
Insurance (इन्श्योरेन्स) बीमा
Intellect (इण्टेलेक्ट) बुद्धि, अक्ल
Intelligence (इण्टेलिजेन्स) समाचार
Intelligent (इण्टेलिजेण्ट) चतुर
Intend (इण्टेण्ड) इच्छाकरना
Intention (इण्टेन्शन्) मनसूबा, इरादा
Interest (इण्टरेष्ट) व्याज, नफ़ा
Interrupt (इटरप्ट) रोकना, बुझाना
Intervene (इण्टरवेन्स) बीचमें आना
Interview (इण्टरव्यू) भेंट, मुलाकात

Intimation (इण्टिमेशन्) समाचार
Into (इंट) में, अन्दर
Invalid (इन्वेलिड्) बीमार, कमजोर
Invent (इन्वेंट) बनाना
Invert (इन्वर्ट) उल्टना
Investigate (इन्वेस्टिगेट्) ढूढना
Invite (इन्वाइट्) बुलाना
Invoice (इन्वोईस्) चलानचिट्ठी,बीजक
Invoke (इन्वोक्) प्रार्थनाकरना
Ire (आयर्) क्रोध कोप
Irregular (इर्रेग्यूलर्) गैरवाजिब
Iron (आयरन) लोहा
Irony (आयरनी) ठट्ठा
Issue (इस्यू) प्रगटकरना, निकालना
It (इट्) वह, यह
Its (इटस) उसका
Itself (इट्सेल्फ) खुद
Ivory (आइवरि) हाथीदांत

J

Jackal (जैकाल्) गीदड
Jackfruit (जेकफ्रूट्) कटहल
Jacket (जैकेट) कुर्त्ता
Jail (जेल) कारागार, बन्दीशाला
Jar (जार) घडा, गगरी
Jew (जू) यहुदी
Jewel (जुएल्) गहना, जवाहर
Jeweller (जुएलर्) जौहरी
Job (जोब) छोटाकाम
Join (जोइन्) मिलाना, लगाना
Joint (जोइंट) जोड, मिलायकर
Joke (जोक)ठट्ठा, हसी
Journal (जर्नेल) अखबार, समाचारपत्र
Journey (जर्नी) यात्रा, पर्यटन
Joy (जौय) आनन्द, हर्ष, हुलास
Judge (जज) न्यायाधीश, विवेकी
Juice (जुइस) रस, सार
July (जुलाई) अंग्रेजी महिना
Jump (जम्प) कूदना
Junction (जङ्कशन्) योग, मेल
Jury (जुरि) जुरि, पंच
Just (जस्ट) ठीक, यथार्थ
Justly (जस्टली) यथायोग्य, न्यायसे
Juvenile (जुवेनाइल्) तरुण, युवा

K

Keen (कीन्) करड़ा, तेज
Keep (कीप्) रखना, धरना
Keeper (कीपर्) रखनेवाला
Key (की) कुंजी, चाबी
Kick (किक) लात, ठोकर
Kid (किड्) बकरीका बच्चा
Kill (किल्) वधकरना, मारडालना
Kin (किन्) जाति, कुटम्ब
Kind (काइण्ड) दाता,दयाशील,उपकारी
Kinddly (काइण्डली) मेहरबानी, दया

Kindness (काइण्ड्नेस) कृपा, दया
Kindle (किण्डल्) जलाना
Kindred (किण्डरेड्) जाति, सगोत्रता
King (किंग्) राजा, नरपति, भूपाल
Kiss (किस) चूमा, चूमालेना
Kite (काइट्) पतङ्ग, गुड्डी
Knave (नेव) ठग, कपटी
Knee (नी) घुटना
Knife (नाइफ्) चाकू छुरी
Know (नो) जानना, बूझना
Knowledge (नौलेज) ज्ञान, विद्या
Known (नोन्) जाना हुवा

L

Labour (लेबर्) मेहनत, प्रयत्न
Lac (लैक) लाख, लक्ष
Lace (लैस्) गोटा, किनारी
Lad (लेड) लड़का, छोकरा
Lady (लेडी) स्वामिनि, सेठानी, बीबी
Lake (लेक्) सरोवर, तालाब
Lamb (लैम) भेड़का बच्चा
Lame (लेम्) लगड़ा, लुला
Lament (लैमेण्ट) रोना विलापकरना
Lamp (लैम्प) चेराग, दीवा, दीपक
Lance (लैन्स) भाला, बर्छी
Land (लैण्ड) भूमि, जमीन
Lane (लेन्) गली, कुची
Language (लैंग्वेज्) बोली, भाषा
Lantern (लैन्टर्न) लालटेन
Large (लार्ज) बड़ा, लम्बा
Lass (लैस) लड़की कन्या
Last (लास्ट्) पीछेका, शेष
Lastly (लास्टली) अन्तमें, आखिरको
Late (लेट्) देरी
Lately (लेटली) थोड़े दिन बीते
Laugh (लाफ्) हंसी, हंसना
Laughter (लाफटर्) हंसनेलायक
Lavish (लेविश्) बहुत बेफायदे खरच करना
Law (लॉ) कानून, नियम, आईन
Lawful (लौफुल्) दस्तूरमूजब, हक्कदार
Lawyer (लौयर्) वकील
Lay (ले) रखना
Lazy (लेज़ी) सुस्त, ढीला
Lead (लेड) पथबताना, राहदीखलाना
Lead (लेड्) सीसा
Leaf (लीफ्) पत्ता, पन्ना
Lean (लीन) दुर्बल
Learn (लर्न) सीखना, पढ़ना
Learned (लर्नेड्) विद्वान, पण्डित
Least (लीस्ट्) सबसे छोटा
Leave (लीव) तजना, छोड़ना
Left (लेफ्ट) छोड़ा, त्याग
Leg (लेग्) गोड़ टांग
Legal (लीगल्) कायदेसे प्रमाण
Legible (लेजिबिल्) पढ़नेके योग्य
Legitimate (लिजिटिमेट्) असल

Leisure (लिज़र्) अवकाश, फ़ुरसत
Lemon (लिमन्) नींबु
Lend (लेण्ड) उधारदेना
Length (लेंगथ्) लम्बाई
Less (लेस्) कमती, थोड़ा
Lesson (लेसन्) पाठ
Lest (लेस्ट्) कदाचित, नहीं तो, शायद
Let (लेट्) परवानगीदेना
Letter (लेटर्) चिट्ठी, काग़ज़
Level (लेविल्) समान, बराबर
Liable (लाएबिल्) जवाबदार, ज़िम्मेदार
Liar (लायर्) झूठा
Library (लाईब्ररि) पुस्तकालय
Licence (लाइसेन्स) आज्ञा, हुकुम
Lick (लिक्) चाटना
Lid (लिड) ढक्कन
Lie (लाइ) झूठबोलना
Life (लाइफ्) जीव, ज़िंदगी
Light (लाइट) रोशनी, हलका
Lightning (लाइट्निङ्ग) बिजली
Like (लाइक) मुआफ़िक़
Lime (लाइम्) चूना
Limit (लिमिट) हद, सीमा
Line (लाइन्) लकीर, क़तार
Linen (लिनेन) लेनुकपड़ा
Linger (लिङ्गर) बहुतकाल बिताना, ठैहरना
Lining (लाइनिङ्ग) अस्तर
Link (लिङ्क) सांकल, कड़ी, ज़ञ्जीर
Linseed (लिनसिड्) तीसी, अलसी
Lion (लायन्) सिंह, मृगराज
Lip (लिप्) होंठ, अधर
Liquidate (लिकिडेट्) चुकाना पटाना
List (लिस्ट) टीप
Listen (लिसन) सुनना, ध्यानदेना
Lithography (लिथोग्रैफ़ी) पत्थर का छापा
Litigate (लिटिगेट) लड़ना, मुकद्दमा करना
Little (लिटिल्) छोटा, अल्प, थोड़ा
Live (लिव्) जीवता
Lively (लाइवली) हुशियार
Liver (लिवर) कलेजा
Lizard (लिज़ार्ड) छिपकली
Lo (लो) देखो
Load (लोड) बोझ, मोट, भार
Loaf (लोफ्) रोटी
Loan (लोन्) क़र्ज़ा, उधार
Local (लोकल) जगह
Lock (लोक) ताला, चांप
Lodge (लोज) रहना
Lodging (लोजिंग) थोड़े दिनके लिये वासस्थान, मकान
Lofty (लोफ़्टि) ऊंचा
Loin (लोयिन्) कटि, कमर
Loiter (लोयटर्) विलम्बकरना
Long (लौंग्) लम्बा
Look (लुक्) देखना

Looking glass (लुकिंग्लास्) दर्पण
Loom (लुम) तांत, सामग्री
Loose (लूज़) नीराला, अलग
Lord (लौर्ड) प्रभु, ईश्वर
Lose (लूज़्) खोना
Loss (लौस्) हानि, नुक़सान
Lost (लौस्ट) नुक़सानी
Lot (लौट्) भाग्य, नसीब
Loud (लाउड) ज़ोरसे, चिल्लाके
Love (लव्) प्रेम
Lovely (लवलि) मनोहर, सुन्दर
Low (लो) हलका, नीच
Lower (लावर) नीचाकरना दबाना
Lowly (लौली) कोमल, अधम, गरीब
Luck (लक्) भाग्य, दैवयोग
Lucky (लकि) श्रीमान्, भाग्यमान्
Luggage (लगेज) गट्ठर, सामग्री
Luke warm (लिउक्वार्म) उदासीन्
Lull (लल्) सोलाना, निद्राकरना
Lump (लम्प) टीला, ढेर
Lunatic (लिउनेटिक्) पागल

M

Mace (मेस्) आसवो गदा
Machine (मेशीन्) कल
Mad (मैड्) पागल, दीवाना
Made (मेड्) बनाया, किया
Magic (मेजिक्) जादू
Magistrate (म्याजिष्ट्रेट्) मजिस्टर
Maid (मेड्) कुंवारी, दासी
Mail (मेल्) डाक
Maintain (मेण्टेन्) पालना
Make (मेक्) करना, बनाना
Maker (मेकर) बनानेवाला
Male (मेल्) पुरुष
Mamma (मामा) माता
Man (मैन्) आदमी, मनुष्य
Management (मैनेजमेण्ट) बन्दोबस्त
Manager (मैनेजर्) गुमास्ता
Mango (मैङ्गो) आम
Mankind (मैनकाइण्ड) मनुष्यजाति
Manner (मैनर्) तरह
Manufactory (म्यानुफेक्चरी)कारखाना
Many (मेनी) बहुत
Marble (मार्बल्) सङ्गमरमर्
March (मार्च) इङ्गेजी तीसरामहीना
Mare (मेयर्) घोड़ी
Mark (मार्क) निशान, चिह्न
Market (मार्केट्) बाजार
Marriage (मेरिज्) व्याह
Mask (मास्क) बहाना
Master (माष्टार्) उस्ताद
Mat (मैट्) चटाई
Match (मैच्) दीयासलाई
Mate (मेट) जोड़ा यहा
Material (मैटिरियल) मुख्य
Matter (मैटर) द्रव्य

Mound (मौण्ड) मण
Maxim (मेक्सिम) कायदा
May (मे) सकना
Maze (मेज़) घबराहट
Me (मी) मुझे
Meadow (मेडो) मैदान
Meal (मील्) खोराक, भोजन
Mean (मीन्) नीच अधम
Meaning (मीनिङ्ग) अर्थ
Means (मीन्स) उपाय
Measure (मेज़र्) नाप
Meanwhile (मीनह्वाइल्) इतनेमे
Medicine (मेडिसिन्) दवा
Meet (मीट्) मिलना
Meeting (मीटिङ्ग) सभा
Melt (मेल्ट) गलना
Member (मेम्बर) पक्ष, मुखतियार
Memory (मेमारि) याददाश्त
Men (मेन्) आदमी, लोग
Mend (मेण्ड) सुधारना
Merchant (मर्चेण्ट) व्यापारी
Mercury (मर्क्युरी) पारा
Mercy (मर्सि) दया
Mere (मीयर्) केवल, फकत
Merely (मियर्लि) निपट, सिर्फ
Mess (मेस्) आहार
Message (मेसेज) समाचार, खबर
Metal (मेटाल्) धातु
Method (मेथड्) क्रम, प्रकार
Metropolis (मिट्रोपोलिस्) राजधानी, राजस्थान
Midday (मिडडे) दोपहर, मध्याह्न
Middle (मिड्ल) बिचला
Midnight (मिडनाइट) आधीरात
Might (माइट्) पराक्रम, ज़ोर
Milk (मिल्क) दूध
Mill (मिल्) चाकी, कल
Million (मिलियन्) दशलाख
Mind (माइण्ड) ध्यानदेना
Mine (माइन्) मेरा
Mirror (मिरर्) दर्पण
Miser (माइजर्) कञ्जुस, सूम
Misfortune (मिस्फोर्चुन्) दुर्भाग्य, कम बख्त
Miss (मिस्) कुमारीकन्या
Mistake (मिस्टेक्) भूल
Mistress (मिस्ट्रेस) मालकीन, सेठाणी
Mix (मिक्स) मिलाना
Mixture (मिक्सचर) मिलाव
Moist (मौएष्ट) भींजा, गीला
Monday (मण्डे) सोमवार
Money (मनि) रुपया, दौलत
Monkey (मङ्की) बन्दर, वानर
Month (मन्थ) महिना
Moon (मून्) चांद
Moonlight (मूनलाइट) चांदनीरात
More (मोर्) जियादा
Morning (मौर्निङ्ग) प्रभात, सवेरे

Most (मोस्ट) सबसे बहुत
Mother (मदर्) माता, जननी
Motion (मोशन्) चालचलन
Mould (मोल्ड्) साचा
Mountain (माउण्टेन्) पहाड़
Mouse (माउस्) चूहा
Mouth (माउथ्) मूंह
Mow (मो) काटना
Move (मूव) हिलाना, चलाना
Much (मच्) बहुत
Mud (मड्) कादा, कीच
Mule (मिउल्) खच्चर
Multiply (मल्टिप्लाइ) बढ़ाना
Murder (मर्डर्) जीवहत्या
Mungoos (मगुस्) नोलिया
Musk (मस्क) कस्तुरी
Musket (मस्केट) बन्दूक
Muslin (मसलिन) मलमल
Mustard (मस्टड) राई, सरसों
Must (मस्ट) चाहिये
Muster (मस्टर्) एकट्ठाकरना
Mutiny (मिउटिनि) दङ्गा
Mutual (मिउचुएल्) आपसमें
My (माइ) मेरा
Myself (माइसेल्फ्) मैं, खुद
Mystery (मिस्टिरि) भेद

N

Nail (नेल्) नाखुन
Naked (नेकेड्) नङ्गा
Name (नेम्) नाम
Namely (नेमली) जैसे, अर्थात्
Napkin (नेप्किन्) अङ्गोछा
Narrate (नरेट्) बयानकरना
Narrow (नेरो) तंग
Nasty (नेस्टि) खराब, मैला
Nation (नेशन) जाति
Native (नेटिव) देशी
Natural (नेचुरल्) कोमल, स्वभाविक
Naughty (नौटी) बुरा, दुष्ट
Near (नीयर्) पास, निकट
Nearly (नियर्ली) पाससें
Neat (नीट्) निर्मल, साफ़, करीब
Necessary (नेसेसरी) आवश्यक, जरूर
Neck (नेक्) कण्ठ, गला
Necklace (नेक्लेस्) मोहनमाला, हार
Need (नीड्) चाहना
Needly (निड्ल) सूई, कांटा
Neglect (नेग्लेक्ट) भूलना
Neighbour (नेबोर्) पड़ोसी
Neither (नाइदर)दोनोंमेंसे कोई नहीं
Nephew (नेफ़ु) भतीजा, भानजा
Nest (नेस्ट) घोंसला
Net (नेट्) जञ्जाल
Never (नेवर्) कभी नहीं
New (निउ) नया, ताजा
News (निउज्) खबर
Next (नेक्स्ट) दूसरा, इसके बाद

Nib (निब) कलमकी चोंच
Nice (नाइस्) सुन्दर, ठीक
Night (नाइट्) रात
Nine (नाइन्) नव
Ninety (नाइनटी) नब्बे
Ninth (नाइन्थ) नवां
No (नो) नहीं
Noble (नोबिल्) कुलीन, श्रीमान
Noise (नौएज्) रोला, कोलाहल
None (नोन्) कोई नहीं
Noon (नुन्) दोपहर
Nor (नोर्) यह न वह
North (नोर्थ) उत्तर
Nose (नोज्) नाक
Not (नोट्) नहीं
Note (नोट्) जांचलेना
Nothing (नथिङ्ग) कुछ नहीं
Notice (नोटिस्) खबर
Notwithstanding (नोटविथ्स्टेण्डिङ्ग्)
तथापि परन्तु
Nourish (नरिश्) पालना
Novel (नोविल) कहानी
November (नोवेम्बर्) इंग्रेजी
महीने का नाम
Now (नाउ) अभी
Number (नम्बर्) गिन्ती, संख्या
Nurse (नर्स) दाइ
Nut (नट्) सुपारी
Nutmeg (नट्मेग्) जायफल
Nuxvomica (नक्सवोमी का) कुचलीना



Oar (ओर्) डांड
Oath (ओथ्) शपथ, कसम
Obedient (ओबीडिएण्ट) ताबेदार
Obey (ओबे) मानना, वशहोना
Object (ओब्जेक्ट) मतलब, अभिप्राय
Oblige (ओब्लाइज्) उपकार करना
Obscure (ओब्सक्यूर) कठिन, गूढ
Observe (ओब्जर्व) देखना
Obstacle (ओब्स्टकल्) अटकाव
Obstinate (ओब्स्टीनेट) आग्रह, जिद्दी
Obtain (ओबटेन्) हासिलकरना, पाना
Occasion (ओकेजन्) प्रसङ्ग, उपाधि
Occupation(अकिउपेशन)काम,अधिकार
Occupy (अक्यूपाई) दखलकरना
Occurrence (अक्यूरेन्स्) घटना
Ocean (ओशन्) समुद्र
October (अक्टोबर्) इंग्रेजीमहीना
Of (ओफ) का, के, से
Off (ओफ्) दूर
Offence (ओफेन्स्) अपराध दोष
Office (ओफिस्) कचहरी, दूकान
Officer (ओफिसर्) अमलदार,अधिकारी
Offspring (ओफ्स्प्रिङ्ग) फल, सन्तान
Often (ओफिन्) बराबर, अक्सर
Oil (आयेल्) तेल, रोगन

Old (ओल्ड) पुराना, बूढ़ा
Omit (आमिट्) चुकाना, छोड़ना
On (ओन्) पर, ऊपर पास
Once (वन्स) एकसमय एकबार
One (वन्) एक, कोई
Onion (औनियन्) प्याज लहसन
Only (ओन्ली) एकदफे, फकत
Open (ओपिन्) खोलना
Opinion (ओपीनियन्) राय
Opium (ओपियम्) अफीम
Opportunity (ओपटयूनिटी) अवसर, मौका
Opposite (अपोजिट्) सम्मुख, विरोधी
Option (ओपशन्) इच्छा रुचि
Opulence (अप्यूलेन्स) धनवान
Or (ओर्) अथवा, या, वा
Orange (औरेञ्ज) नारङ्गी
Order (औडर्) हुकुम
Ordinary (ओडिनरी) साधारण
Original (ओरिजिनल्) असल
Ornament (और्नामेण्ट) गहना, दागीना
Orphan (और्फान्) अनाथ
Other (अदर्) दूसरा
Otherwise (अदरवाइज्) नहींतो
Ought (ओट्) चाहीये
Ounce (आउन्स्) आधीछटाक
Our (औवर्) अपना, हमारा
Out (आउट्) बहार
Outline (आउट्लाइन्) नकशा
Outrage (आउटरेज्) अन्याय
Over (ओवर्) ऊपर, पर
Overcome (ओवरकाम्) जीतना
Overlook (ओवरलुक) देखना, भूलना
Overseer (ओवरसीयर्) अधिकारी
Oversight (ओवरसाइट्) भूल, भ्रान्ती
Overtake (ओवरटेक्) धरना, पकड़ना
Owe (ओ) करजदारहोना, चाहना
Owl (आउल्) उल्लु
Own (ओन्) अपना, निजका
Owner (ओनर) मालिक
Ox (औक्स) बैल

P

Pack (पेक) गांठड़ी पुलिन्दा
Packet (पैकेट्) गठरी, मोटरीडाकको
Padlock (पैडलोक्) ताला कुलुफ
Paddy (पैडि) धान, धान्य
Page (पेज) पृष्ठ, सफा
Paid (पेड) भरपाया, दिया
Pain (पेन्) पीड़ा, दुःख
Paint (पेण्ट्) रंगना
Pair (पेअर्) जोड़ा
Pale (पेल्) फीका, पीला
Palanquin (प्यालाङ्किन्) पालकी
Pan (पैन्) कड़ाही, थाली
Paper (पेपर्) कागज्
Parcel (पार्सल) गौठड़ी, पुलिन्दा

Parchment (पार्चमेण्ट) चमडेका कागज
Paidon (पारडन्) माफकरना
Parent (पेरेण्ट) मातापिता
Parlour (पार्लर) बैठक, दिवानखाना
Parrot (पैरट्) सुवा, तोता
Part (पार्ट) हिस्सा, भाग
Partake (पार्टेक्) हिस्सालेना
Partioulars (पार्टिक्यूलर्स) अहवाल, चौकस
Partition (पारटिशन्) भाग, हिस्सा
Partner (पार्टनर्) भागीदार
Pass (पास्) जाना, चलना
Passage (पासेज्) मार्ग, रास्ता
Passenger (पासेञ्जर्) मुसाफिर
Path (पाथ्) मार्ग, रस्ता
Patient (पोटेण्ट) धैर्य्यवान
Pattern (पैटर्न) बानगी, नमुना
Pay (पे) देना
Payment (पमेण्ट) भुगतान
Pea (पी) मटर
Peacock (पिकक्) मोर
Pearl (पर्ल) मोती
Pebble (पेबल्) पत्थर
Pen (पेन्) कलम, लिखना
Penalty (पेनेल्टि) सजा, दण्ड
Pencil (पेन्सिल्) कलम, पेन्सल
Pension (पेन्शन्) जो नौकरी घरबैठे मिलती है
People (पीपल्) लोग आदमी, प्रजा
Pepper (पेपर्) कालीमिर्च
Perfect (पर्फेक्ट) समाप्तकरना, पुरा करना
Perform (परफौरम्) करना
Perhaps (पर्हैप्स्) कदाचित, शायद
Permission (परमिशन्) हुकुम, आज्ञा
Permit (परमिट्) परवानगी देना
Person (पर्सन्) रूप, शरीर
Pert (पर्ट) चञ्चल, चालाक
Pet (पेट्) पियारा
Petition (पिटिशन्) अर्जी
Phial (फायेल्) शीशी
Pice (पाइस्) पैसा
Pick (पिक्) उठाना, पसन्दकरना
Picture (पिक्चर्) तसबीर
Pig (पिग्) सूअरका बच्चा
Pigeon (पिजन्) कबूतर
Pillar (पिलर्) खम्भा
Pillow (पिलो) तकीया
Pin (पिन्) आलपीन
Pinch (पिञ्च) नौचना
Place (प्लेस) जगह, स्थान
Play (प्ले) खेलना
Pleader (प्लीडर्) वकील
Please (प्लीज्) मेहरबानगी
Pleasure (प्लेजर्) खुशी
Plenty (प्लेण्टी) बहुत
Plum (प्लम्) बेर
Pocket (पॉकेट्) खीसा, जेब

Poison (पौइज़न्) ज़हर
Police (पोलिस) थाना
Policy (पौलिसि) राजनीति जोखिम-नामा
Pomegranate (पोमिग्रेनेट्) अनार
Pond (पौण्ड) तलाव, बावड़ी
Pony (पोनि) टट्टू
Poor (पूअर्) ग़रीब
Popular (पोपुलर्) सर्वप्रिय, सबकाप्यारा
Port (पोर्ट) बन्दर
Portion (पोर्शन्) हिस्सा, भाग
Possession (पोज़ेशन्) अधिकार
Possible (पौसिबिल्) होनेयोग्य, बननेयोग्य
Post (पोस्ट) डाक
Postage (पोस्टेज्) डाकका किराया
Postpone (पोस्टपोन) टालरखना, फेंकरखना
Potatoe (पोटेटो) आलू
Pot (पौट्) बर्तन
Potter (पौटर्) कुम्हार
Pound (पाउण्ड) आधासेर
Powder (पाउडर्) बुकनी
Power (पावर्) पराक्रम, ज़ोर
Practice (प्राक्टिस्) अभ्यास
Pray (प्रे) बिनती, प्रार्थना
Prefix (प्रिफिक्स) आगेधरना
Pregnant (प्रिग्नेण्ट) पेटसे, गर्भवती।
Premium (प्रिमियम्) नफा
Prepare (प्रिपेयर्) बनाना, तैयारकरना
Present (प्रेज़ेण्ट) हाज़िर
Press (प्रेस्) छापाखाना
Prevent (प्रिवेण्ट) रोकना, अटकाना
Previous (प्रीविअस्) पहिला, आगला
Price (प्राइस्) दर, भाव, क़ीमत
Pride (प्राइड्) अभिमान, घमण्ड
Priest (प्रीस्ट) पुरोहित
Prince (प्रिन्स) साहजादा, राजकुमार
Princess (प्रिन्सेस्) राजकुमारी
Principal (प्रिन्सिपल्) मुख्य, बड़ा
Print (प्रिण्ट) छापना
Prison (प्रिज़न्) कारागर, क़ैदखाना
Prisoner (प्रिज़नर्) क़ैदी, बन्दी
Private (प्राइवेट) गुप्त
Privilege (प्रिविलेज्) हक़
Prize (प्राइज़्) इनाम
Procession (प्रोसेशन्) दल
Procure (प्रोक्यूअर) लेआना, पाना
Profession (प्रोफ़ेशन्) व्यापार, व्यवहार
Profit (प्रोफ़िट्) लाभ, नफा
Profitable (प्रोफ़िटेबल्) फ़ायदेसे, नफ़ेसे
Promise (प्रोमिज़) क़ौलकरना, इक़रारकरना
Proper (प्रोपर्) वाजब, यथोचित
Property (प्रोपर्टि) दौलत, माल

Prove (प्रुव) साबितकरना
Public (पब्लिक्) जाहिर
Publish (पब्लिश्) जाहिर करना, प्रगटकरना
Pull (पुल्) खैंचना, तोडना
Pulse (पल्स्) नाडी
Punish (पनिश्) सजादेना
Purchase (परचेज) खरीदना
Purchased (परचेज्ड) खरीदकिया
Purport (परपर्ट) मतलब, अभिप्राय
Purposely (परपस्ली) जानबूझकर
Push (पुश्) धक्कामारना
Put (पुट्) रखना

Q

Quaff (क्वाफ) पीना
Quality (क्वालिटी) जात
Quantity (क्वाण्टिटी) परिमाण
Quarter (क्वारटर्) चौथाभाग
Queen (क्वईन्) राणी
Question (क्वेश्चेन्) सवाल
Quick (क्वईक्) जल्दी
Quickly (क्विक्ली) जल्दीसे
Quick-silver (क्विक्सिल्वर्) पारा
Quiet (क्वाइट्) चुप, स्थिर
Quill (क्विल्ल्) परकीकलम
Quire (क्वायर्) कागजका दस्ता
Quite (क्वाइट्) बिलकुल

R

Race (रेस्) घोडदौड, वंश
Radish (रेडिश्) मूली
Rag (रेग्) चीथरा, गुदडा
Rail (रेल्) लकडी, वा लोहेकीपट्टी
Rain (रेन्) मेह, पानी
Raise (रेज्) उठाना, चढना
Raisin (रेजिन्) किसमिस, दाख
Ram (रैम्) मेंढा
Rare (रेयर्) दुर्लभ
Rat (रैट्) चुहा
Rate (रेट्) भाव, दर
Rather (रादर्) बेहतर
Raw (रौ) कच्चा
Ray (रे) किरण
Razor (रेज़र्) उसतरा, छुरा
Reach (रीच्) पहूचना
Read (रीड्) पढना, बांचना
Ready (रेडी) तैयार, निकट
Real (रीएल्) सत्य, असल, खरा
Ream (रीम्) कागजकी गड्डी
Reason (रीजन्) कारण, सबब
Recall (रिकौल्) पीछा बुलाना
Receipt (रिसिट्) रसीद
Receive (रिसीव) लेना, पाना
Received (रिसीव्ड्) पहुँचा
Recollect (रिकलेक्ट) यादकरना
Recover (रिकवर्) आरामहोना
Red (रेड्) लाल

Reduce (रिडिउज) घटाना, उतारदेना
Reel (रील्) चरखा
Reed (रीड्) मुरली, बसी
Refine (रिफाइन्) निर्मलकरना, साफ-करना
Reform (रिफार्म) सुधारना
Refresh (रीफ्रेश) विश्राम
Refreshment (रीफ्रेश्मेण्ट) आराम
Refuse (रिफ्रिउज) नटना, इकारकरना
Regain (रिगेन्) फिरपाना
Regiment (रेजिमेण्ट) सेना, पलटन
Register (रेजिस्टर्) नोधना, बही
Regret (रोग्रेट्) शोक, दु ख
Regular (रेग्यूलर्) नियम
Reign (रेन्) राज्य, बल, शक्ति
Rein(रेन्) लगाम, बाग
Reject (रिजेक्ट) फेंकना, निकालदेना
Relation (रिलेशन्) नाता, कुटुम्बी
Release (रिलीज) जानदेना,छोडना
Religion (रिलीजन्) धर्म, पथ
Rely (रिलाई) भरोसाकरना
Remain (रिमेन्) ठहरना, रहना
Remedy (रिमेडी) इलाज, चिकित्सा
Remember(रिमेम्बर) याद,स्मरणकरना
Remind (रिमाइण्ड) चेतना, जताना
Remittance (रिमीटेन्स) भेजना
Remit (रिमिट्) घटाना, कमकरना
Remove (रिमुव्) सरकाना, हटाना
Rent (रेण्ट) भाडा

Reopen (रिओपन) फिरखोलना
Repair (रिपेयर) सुधारना, मरम्मत-करना
Repeat (रिपीट) दुबाराकहना
Repay (रिपे) फेरदेना पीछादेना
Reply (रिप्लाई) जबाबदेना
Repository (रिपोजिटरी) गोदाम
Report (रिपोर्ट) खबर
Request (रिक्वेस्ट) प्रार्थना करना
Require (रिक्वायर्) चाहिए
Reserve (रीजर्व) रखना, संचितवस्तु
Residence (रेजिडेन्स) घर, मकान
Resign (रिजाइन्) छोडना, सौपना
Resist (रिजिस्ट) रोकना
Resolve (रिसौल्व) इरादाकरना
Resolution (रिजोल्यूशन्) इरादा
Respectively (रिस्पेक्टिव्लि) क्रमसे
Rest (रेस्ट) आराम, निद्रा
Restless (रेस्टलेस्) बेचेन
Restore (रेस्टोर्) फिरदेना
Result (रिजल्ट) नतीजा, फल
Restrain (रेस्ट्रेन्) रोकना, घटाना
Resume (रिज्यूम्) फिरलेना
Retire (रिटायर्) चलेजाना
Retribution (रिट्रीब्यूशन) बदला,एवज
Return (रिटर्न) पीछाफेरना,लौटाना
Reveal (रिवील) खोलना
Revenue (रेवेन्यू) आमदनी कर, जमा

Reverse (रिवर्स) उलटा
Review (रिव्यू) फिरदेखना
Reward (रिवार्ड) इनाम
Rhinoceros (राइनोसरस) गैंडा
Ribbon (रिबन) फीता, रेशमी
Rice (राइस्) चावल
Rid (रिड्) छोडना, झांकना
Rich (रिच्) पैसेवाला, अमीर
Right (राइट्) ठीक, अधिकार
Righteous (राईचस्) सच्चा, नेक
Ripe (राइप्) पक्का
Rise (राइज्) उठना, उमगना
Risk (रिस्क) जोखिम, खतरा
Rite (राइट्) दस्तुर, विधि
River (रिवर्) नदी
Road (रोड्) रास्ता, सडक
Roar (रोर) डकारना, गर्जना
Rob (रोब्) चोरना, लूटना
Robber (रोबर) चोर, डाकू
Roof (रूफ) छत्त, गुम्बज
Room (रूम्) कमरा, कोठरी
Root (रूट) मूल, कारण, जड
Rose (रोज्) गुलाबफूल
Rot (रोट्) गलना, सडना
Round (राउण्ड) गोल
Rub (रब) रगडना, मलना
Rude (रूड) गवार, अनाडी
Rule (रूल्) कायदा
Rupee (रूपी) रुपया
Run (रन्) दौडना

S

Sack (सैक) लूटना, बोरा
Sacred (सेकरेड) पवित्र
Sad (सैड्) उदास
Saddle (सैडल्) जीन
Safe (सेफ्) निर्भय
Safety (सेफ्टी) बचाव
Safely (सेफली) कुशलसे
Sagacity (सेगेसिटी) बुद्धि
Sage (सेज्) बुद्धिमान
Sago (सेगो) साबूदाना
Sake (सेक्) वास्ते, खातिर
Salary (सैलरि) पगार,
Sale (सेल) बिक्री, नीलाम
Saliva (सलीवा) थूक
Salt (सौल्ट)
Saltpetre (
Salutation (से
Salute (सेल्यूट)
Same (सेम्)
Sample (
Sanctity (
S
Sand (
Sanda
Sa

Satisfy (सैटिस्फाई) खुशी करना
Saturday (सटरडे) शनिवार
Say (से) कहना, बोलना
Scale (स्केल्) तराजू, काटा
School (स्कूल्) पाठशाला
Scissors (सिज़र्स) कैंची, कतरनी
Sea (सी) सागर, समुद्र
Seal (सील्) मोहर, छाप
Search (सर्च)तलाशकरना, पतालगाना
Season (सीजन्) मौसिम, ऋतु
Seat (सीट्) बैठक, चौकी
Second (सेकण्ड) दूसरा
Secret (सीक्रेट्) गुप्त
See (सी) देखना
Seed (सीड्) बीज
Seize (सीज़्) पकड़ना
Select (सेलेक्ट) चुनना
Self (सेल्फ) खुद, आप
Sell (सेल्) बेचना
Selling (सेलिङ्ग्) बिक्री, बेचताहूं
Seller (सेलर्) बेचनेवाला
Send (सेण्ड) भेजना
Send'for (सेण्डफोर्) मंगवाना
Sense (सेन्स) बुद्धी, अकल
Sensible (सेन्सिबल्) होशियार
Sentence (सेण्टेन्स) पद, वाक्य
September (सेप्टेम्बर्) सप्तमीमहीना
Serious (सीरियस्) गम्भीर, भारी
Serpent (सर्पेण्ट) सर्प, सांप
Servant (सर्वेण्ट) नौकर
Service (सर्विस्) नौकरी
Set (सेट्) रखना, ठीककरना
Settle (सेटल्) निबेडाकरना
Settlement (सेटल्मेण्ट) बन्दोबस्त-करना
Seven (सेविन्) सात
Seventh (सेविन्थ) सातवां
Several (सेवरल्) न्यारा, अलग
Shall (शैल्) गा, गो
Sew (सिउ) सीमना
Shame (शेम्) लाज, शरम
Share (शेयर्) भाग, हिस्सा
Sharp (शार्प) तेज
She (शी) वह
Sheep (शीप्) भेड
Sheet (शीट्) चद्दर
Shield (शील्ड) ढाल
Ship (शिप्) जहाज
Shipped (शिप्ड) चढाया
Shirt (शर्ट) अङ्गरखा, कुर्त्ता
Shocking (शौकिङ्ग) भयानक
Shoe (शू) पगरखी, जूता
Shop (शौप्) दूकान
Shopkeeper (शौप्कीपर) दूकानदार
Short (शौर्ट) थोड़ा, कम
Show (शो) दिखलाना, बतलाना
Shut (शट) बन्दकरना
Sick (सिक्) बीमार, मांदा

Side (साइड्) बगल्, तरफ
Sight (साइट्) दृष्टि, नजर
Sign (साइन्) सही करना
Signature (सिग्नेचर्) सही, छाप
Silent (साइलेण्ट) चुपचाप
Silk (सिल्क) रेसम
Silver (सिलवर्) चांदी
Similar (सिमीलर्) सरखा, समान
Simple (सिम्पिल्) निराला, सीधा
Simply (सिम्प्लि) फकत
Sin (सिन्) पाप
Sing सिङ्ग) गाना
Since (सिन्स) इसलिये
Sincerely (सिन्सयलि) दिलजानसे
Single (सिङ्गिल) अकेला
Sir (सर्) साहिब
Sing (सिङ्क) डूबना
Sister (सिस्टर्) बहन
Sit (सिट्) बैठना
Situation (सिचुएशन्) जगह
Sixth (सिक्सथ) छठवां
Size (साइज्) डौल, आकार
Skin (स्किन्) चमड़ा
Sky (स्काइ) आसमान
Skill (स्किल्) हिकमत, गुण
Slack (स्लैक्) ढीला
Slap (स्लैप्) थप्पड़
Sleep (स्लीप्) सोना
Sleeve (स्लीव) आस्तीन
Slight (स्लाइट्) हलका, छोटा
Slipper (स्लिपर्) जूता
Slowly (स्लोली) धीरे धीरे
Sly (स्लाई) सयाना, चतुर
Small (स्माल्) छोटा
Smile (स्माईल्) प्रसन्नहोना
Smith (स्मिथ्) सोनार
Smoke (स्मोक्) धुवानिकालना
Snake (स्नेक) नाग, सर्प
Sneeze (स्नीज) छींकना
Snow (स्नो) पाला, बरफ़
Snuff (स्नफ्) सुंघनी
So (सो) ऐसा, इसरीतिसे
Soap (सोप्) साबुन
Society (सोसाइटी) सभा, मण्डली
Soft (सोफ्ट) नरम, कोमल
Solicit (सोलिसिट्) अर्जकरना
Solid (सोलिड्) कठोर, सखत
Some (सम्) कुछ, जरा
Something (समथिङ्ग) कुछ
Sometimes (समटाइमस) कभी कभी
Son (सन्) लड़का, पुत्र
Song (सौङ्ग) गीत
Soon (सून्) जलदी
Sorry (सौरि) उदास
Sort (सौर्ट) चुनना, छाटना
Sound (साउण्ड) शब्द, आवाज
Sour (सौवर्) खट्टा
South (साउथ्) दक्षिण

Sovereign (सौवरिन्) राजा, बादशाह
Speak (स्पीक्) बोलना
Special (स्पेशल्) विशेष
Specimen (स्पेसिमेन्) नमूना, बानगी
Spectacles (स्पेक्टिकिल्स्) चशमा
Spell (स्पेल्) शब्दजोडना
Spend (स्पेण्ड) लुटाना, खरचकरना
Spoil (स्पौयल्) खराबकरना, बिगाडना
Spoon (स्पून्) चमचा
Stable (स्टेबल्) अस्तबल
Stamp (स्टैम्प) मोहर, छाप
Stand (स्टैण्ड) खड़ारहना
Star (स्टार्) तारा
Start (स्टार्ट) रवानेहोना
State (स्टेट्) अवस्था
Statement (स्टेटमेण्ट) हकीकत, वृत्तान्त
Station (स्टेशन्) जगह, थाना
Stay (स्टे) रहना, टिकना
Steady (स्टेडी) दृढ, मजबुत
Steal (स्टिल्) चोरीकरना
Steel (स्टील्) पौलाद
Stick (स्टिक्) लकड़ी, लाठी
Still (स्टिल्) अभीतक
Stock (स्टौक्) बाकीपूंजी, भण्डार
Stocking (स्टौकिङ्ग) मोजा
Stone (स्टोन्) पत्थर
Stop (स्टौप्) ठैरना
Stopped (स्टौपड्) बन्दकिया
Store (स्टोर्) संग्रह
Storm (स्टौर्म) तूफान, आंधी
Story (स्टोरि) कहानी, इतिहास
Straight (स्ट्रेट्) सीधा, सरल
Stranger (स्ट्रेञ्जर्) परदेशी
Straw (स्ट्रौ) बिचाली
Street (स्ट्रीट्) सडक, गली
Strike (स्ट्राईक्) पीटना, मारना
Strong (स्ट्रौङ्ग) मजबुत
Student (स्टूडेण्ट) विद्यार्थी
Study (स्टूडि) अभ्यास, पढना
Stupid (स्टूपिड्) मूर्ख बेवकूफ
Subject (सब्जेक्ट) प्रजा
Submit (सब्मिट्) आधीनहोना
Subordinate (सबर्डिनेट्) तावेदार, आधीन
Succeed (सक्सीड्) फतेहहोना, सिद्धहोना
Such (सच्) ऐसा, तैसा
Suffer (सफर्) सहना भुगतना
Sufficient (सफिशेण्ट) काफ़ी, बस
Sugar (शुगर्) चीनी, खांड़
Sugarcane (शुगरकेन) ईख, इक्षु
Suicide (सुइसाइड्) अपघात, आत्महत्या
Suit (सूट्) प्रार्थना, मुकद्दमा
Sulpher (सल्फ़र्) गन्धक
Sum (सम्) तमाम
Summons (समन्स्) तलब, बुलावा
Sun (सन्) सूर्य
Sunday (सण्डे) दीतवार, रविवार

Superior (सूपीरियर्) अच्छीजातका, बढिया
Supply (सप्लाइ) भर्त्तीकरना
Suppose (सपोज़्) कल्पनाकरना
Sure (श्योर्) निश्चय, यकीन
Surplus (सरप्लस्) बढती, बचती
Surprise (सरप्राईज़्) आश्चर्य,चमत्कार
Survey (सर्वे) परखना, देखना
Suspect (सस्पेक्ट) शङ्काकरना
Suspend (सस्पेण्ड) टाङ्गना, लटकाना
Suspence (सस्पेन्स) सन्देह
Swear (स्वीयर्)शपथखाना,कसमखाना
Sweat (स्वेट्) पसीना
Sweet (स्वीट्) मीठा
Sweetmeat (स्वीट्मीट्) मिठाई
Sweeper (स्वीपर्) मेहतर, भङ्गी
Swift (स्विफ्ट्) तेज़
Swim (स्विम्) तिरना, पैरना
Sword (सोर्ड) तलवार
Syringe (सिरिञ्ज) पिचकारी,दमकल
System (सिस्टम्) बन्दोबस्त, रीति

T

Table (टेबिल्) मेज़
Tailor (टेलर्) दरजी
Take (टेक्) लेना
Taken (टेकिन्) लेलिया
Tale (टेल्) कहानी, कथा
Talk (टौक्) बातकरना
Tall (टाल्) लम्बा, ऊंचा
Tallow (टेलो) चर्ब्बी
Tamarind (टैमेरिण्ड) इमली
Tame (टेम) पालाहुवा, तावेदार
Tank (टैङ्क) तलाव
Tape (टेप्) निवार, फीता
Taste (टेस्ट) स्वादलेना
Tax (टेक्स) जकात, कर
Tea (टी) चाह
Teach (टीच्) पढना, सिखाना
Teacher (टीचर्) गुरु, माष्टर
Tear (टेयर्) फाडना
Telegraph (टेलिग्राफ्) तार
Telescope (टेलिस्कोप्) दुर्बीन
Tell) टेल्) बोलना कहना
Temper (टेम्पर) मिजाज, स्वभाव
Tempest (टेम्पेष्ट) तुफान
Temple (टेम्पल्) मन्दिर, देवस्थान
Ten (टेन्) दश
Tenant (टनैण्ट) प्रजा, आसामी
Tender (टेण्डर्) कोमल, नरम
Tent (टेण्ट) तम्बू
Tenth (टेन्थ) दसवां
Term (टर्म) सीमा, मर्य्यादा
Testimonial (टेष्टिमोनियल्) सनद
Testimony (टेष्टिमोनी) साक्षी,गवाही
Texture (टेक्सचर्) बुनावट
Than (दैन) से

Thank (थैङ्क) उपकार
That (दैट्) वह, जो
Theatre (थियेटर्) नाटक, तमाशेकी-
जगह
The (दि) वह
Thee (दी) तुझे, तू
Theft (थेफ्ट्) चोरी
Their (देयर्) उन्होंका, उनका
Them (देम्) उनको
Then (देन्) जब, तब
Thence (देन्स) वहांसे
There (देयर्) वहां
Therefore (देयर्फ़ोर) इसवास्ते
Thereafter (देयर्आफ्टर) उसकेबाद
Thereon (देयर्ओन्) उसपर
Thick (थिक्) मोटा
Thief (थीफ्) चोर
Thin (थिन्) पतला, माडा
Thine (दाइन्) तेरा
Thing (थिङ्ग) चीज
Think (थिङ्क) सोचना
Thinking (थिङ्ककिङ्ग) धारताइ
Third (थार्ड) तीसरा
Thirsty (थर्स्टी) प्यासा तिसाया
Thirty (थर्टी) तीस
This (दिस्) यह
Thither (दिदर) उस जगह
Thorough (थौरो) बिलकुल
Those (दोज़) उन्होंका, वह

Thou (दाउ) तू
Though (दो) अगरचे, यद्यपि
Thought (थोट्) विचार, खयाल
Thousand (थाउजैण्ड) हजार, सहस्र
Thread (थ्रेड) डोरा, सूत
Three (थ्री) तीन
Throat (थ्रोट्) कण्ठ, गला
Throne (थ्रोन्) तख्त
Through (थ्रू) मारफ़त
Throw (थ्रो) फेंकना, झोंकना
Thunder (थण्डर्) गर्जना, गडगडाना
Thursday (थर्सडे) बृहस्पतिवार
Thus (दस्) इस मूजब
Thy (दाइ) तेरा
Tie (टाइ) बांधना, जोड़ना
Tiger (टाइगर्) बाघ, शेर
Tight (टाइट्) तङ्ग
Till (टिल्) तक
Timber (टिम्बर्) लकड़ी, काठ
Time (टाईम) वक्त, समय
To (टू) को, पास
Tobacco (टूबैको) तंबाकू
To day (टुडे) आज
Together (टुगेदर्) सबमिलाके
Toil (टोइल्) परिश्रमकरना, मेहनत
To-morrow (टुमौरो) कल
To-night (टनाइट्) आजरात
Tongue (टङ्ग) जुबान
Too (टू) बहुत

Tooth (टूथ्) दात
Total (टाटेल्) सब
Toward (टूवर्ड) तरफ
Town (टाउन्) शहर
Trace (ट्रेस्) पतालगाना, ढूढ़ना
Trade (ट्रेड्) व्यापार, व्यवहार
Train (ट्रेन्) सिखलाना, सानना
Traitor (ट्रेटर्) ठग, दगाबाज
Tranquility (ट्रेनक्विलिटी) आराम
Trans action (ट्रेन्जेक्सन्) कामकाज
Translate (ट्रेन्सलेट्) तर्जुमाकरना, उलथाकरना
Transmit (ट्रान्समिट्) पहुचना, भेजना
Traveller (ट्रेवलर्) मुसाफिर, पथिक
Treasure (ट्रेजर्) खजाना, कोष
Tree (ट्री) वृक्ष
Trial (ट्राएल्) परीक्षा, तपास
Trouble (ट्रबल्) तकलीफ, पीडा
True (ट्रु) सच, सत्य
Truly (ट्रुली) ठीक, यथार्थ
Trust (ट्रस्ट) विश्वास, एतबार
Truth (ट्रुथ्) सत्य, खरा
Try (ट्राइ) जांचना, परिक्षालेना
Tube (ट्यूब्) नल
Tues-day (ट्यूज्डे) मङ्गलवार
Turban (टरबन्) पगडी
Turn (टर्न) फेरना
Tutor (ट्यूटर्) गुरु, उस्ताद
Twice (ट्वाइस्) दोबेर, दोदफे
Twine (ट्वाइन्) डोरा, सुतली
Two (टू) दो
Type (टाइप्) छापेका अक्षर
Tyranny (टिरेनी) उपद्रव

U

Umbrella (अम्ब्रेला) छतरी, छाता
Unable (अनएबिल्) असमर्थ
Uncertain (अनसर्टेन्) निश्चयनहीं, पक्कानहीं
Uncle (अङ्किल्) चाचा, मामा
Under (अण्डर्) नीचे, तले
Understand (अण्डरस्टेण्ड) समझना, ध्यानमें लाना
Undone (अनडोन्) नहीं बना
Undo (अनडू) मतकरो
Uneasy (अनइज़ी) कठिन, बेचैन
Unfair (अनफेयर्) अनुचित
Unfortunate (अनफोर्चूनेट्) अभागा, कमबखत
Unhappy (अनहेपी) दु खी, दुर्भाग्य
Uniform (यूनिफोर्म) एकतरह, एकरंग
Unity (यूनिटी) सम्मति, मेल
Universe (युनिवर्स) संसार, सृष्टि
Unless (अनलेस्) नहींतो, जोनहीं
Unlimited (अनलिमिटेड्) अपार
Until (अण्टिल्) जबतक
Untransacted (अण्टेन्जेक्टेड्) सवदा नही बना

Up (अप्) ऊपर
Upon (अपोन्) ऊपर
Upper (अपर्) ऊपरका
Upset (अपसेट्) उलटदेना
Urge (अर्ज) दबाना, ताकीदकरना
Urgent (अर्जेण्ट) जरूरी, फुर्ती
Urine (यूरिन्) पेशाब, मूत्र
Us (अस्) हमको, हमने
Use (यूज्) व्यापार, व्यवहार
Useful (यूसफुल्) फायदेसे
Useless (यूजलेस्) निकम्मा
Usual (यूज़वेल्) साधारण, मामूली
Utter (अटर्) अतिशय
Utterly (अटर्ली) सर्वथा

V

Vacant (व्हेकेण्ट) खाली
Vain (वेन्) व्यर्थ, बेफ़ायदा
Valid (वैलिड्) बलवान मजबूत
Value (वैल्यू) कीमत, दाम
Various (वैरियस) न्यारा न्यारा
Vegetable (वेजिटेबिल्) साग, तरकारी
Veil (वेल्) छिपाना, ढकना
Velocity (वेलोसिटी) शीघ्रता
Velvet (वल्वेट्) मखमल
Vender (वेन्डर्) बेचनेवाला
Venomous (वेनोमस्) जहरीला
Verb (वर्ब) क्रियापद
Vermilion (वर्मिलियन्) सेन्दूर
Vernacular (वर्नेक्यूलर्) स्वदेशी
Verse (वर्स) कविता
Very (वेरि) बहुत, बड़ी
Vessel (वेसिल्) जहाज, नाव
Vex (व्हेक्स) सताना, दिक्करना
Viceroy (वाईसराय) प्रधान
Victory (विक्टोरीया) फतेह, जीत
Vie (वाइ) मुक़ाबलाकरना
View (व्यू) नजर, दृष्टि
Village (विलेज्) गांव
Vinegar (विनिगर्) सिरका
Violate (वायोलेट्) बिगाड़ना
Virgin (वर्जिन्) कुमारीकन्या
Virtue (वर्चु) धर्म, नेकी
Virtuous (वर्चूस्) धार्मिक
Visit (विजिट्) मिलना, देखना
Voice (वोइस्) आवाज़
Void (वोइड्) निकालना, खालीकरना
Volume (वौल्यूम) फैलाव, दफ़्तर
Vomit (वौमिट्) रद्दकरना
Vowel (वोविल्) स्वरवर्ण
Voyage (वौएज्) जलयात्रा
Vulgar (वल्गर्) मूर्ख

W

Waft (वैफ़्ट) उड़ालेजाना
Wag (वैग्) चलना हिलना

40 Forty फ़ोरटी ... ४०
41 Forty-one फ़ोरटीवन् ४१
42 Forty-two फ़ोरटीटू ४२
43 Forty-three फोरटीथ्री ४३
44 Forty-four फ़ोरटीफ़ोर ४४
45 Forty five फोरटीफाइव् ४५
46 Forty-six फोरटीसिक्स ४६
47 Forty-seven फोरटी सेवन् ४७
48 Forty-eight फोरटीएट् ४८
49 Forty-nine फोरटीनाइन् ४९
50 Fifty फ़िफ्टी ५०
60 Sixty सिक्सटी ६०
70 Seventy सेवन्टी ७०
80 Eighty ऐटी ८०
90 Ninety नैन्टी ९०
100 Hundred हण्ड्रेड् १००
1000 Thousand थाउजेण्ड १०००
10000 Ten-thousand टेनथाउजेन्ड १००००
Lac लाख १०००००
Million (मिलिअन्) दसलाख १००००००
One-crore एककरोड १०००००००
Hundred-crores सौकरोड १००००००००००

गनना ।

First (फ़र्स्ट) पहिला
Second (सेकिण्ड) दूसरा
Third (थर्ड) तीसरा
Fourth (फ़ोर्थ) चौथा
Fifth (फिफ्थ) पांचवा
Sixth (सिक्सथ) छठा
Seventh (सेवनथ) सातवा
Eighth (ऐटथ्) आठवा
Ninth (नाइन्थ) नवा
Tenth (टेन्थ) दसवा
Eleventh (इलेवन्थ) ग्यारवा
Twelfth (ट्वेल्फ़थ) बारवा

अंग्रेजी महिनों के नाम

January (जनवरी)	३१
February (फेब्रुवरी *	२८
March (मार्च)	३१
April (ऐप्रिल)	३०
May (मे)	३१
June (जून)	३०
July (जुलाई)	३१
August (अगस्ट)	३१
September (सेपटेम्बर)	३०
October (औकटूबर)	३१
November (नौविम्बर)	३०
December (डिसेम्बर)	३१

* चौथे वर्षमें फिबरुवारी २९ दिनका होता है। उस वर्षको लीपईयर कहते हैं।

श्रीगणेशायनमः

मतलबसंग्रह

مطلب سنگرہ

भाग तीसरा

باب تیسرا

उर्दू

اردو

			ث	ٹ	ت	پ	ب	ا
			से	टे	ते	पे	बे	अलिफ़
ژ	ر	ذ	ڈ	د	خ	ح	چ	ج
झे	रे	ज़ाल	डाल	दाल	खे	हे	चे	जीम
	ظ	ط	ض	ص	ش	س	ز	ڑ
	ज़ोय	तोय	ज़्वाद	स्वाद	शीन	सीन	ज़े	ड़े
	م	ل	گ	ک	ق	ف	غ	ع
	मीम	लाम	गाफ़	काफ	क़ाफ	फ़े	ग़ैन	ऐन
	ے	ی	ء	لا	ہ	ھ	و	ن
	बड़ीये	ये	हमज़ा	लामअलिफ़	दोचश्मीहे	हे	वावो	नून

۱ ۲ ۳ ۴ ۵ ۶ ۷ ۸ ۹ ۱۰

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

تَ	پَ	بَ	آ
(ते ज़बर ता)	(पे ज़बर पा)	(बे ज़बर बा)	(अलिफ़ ज़बर आ)
چَ	جَ	ثَ	ٹَ
(चे ज़बर चा)	(जीम ज़बर जा)	(से ज़बर सा)	(टे ज़बर टा)

ڈَ	دَ	خَ	حَ
(डाल ज़बर डा)	(दाल ज़बर दा)	(खे ज़बर खा)	(हे ज़बर हा
ژَ	ڑَ	رَ	ذَ
(झे ज़बर झा)	(ड़े ज़बर ड़ा)	(रे ज़बर रा)	(ज़ाल ज़बर ज़ा
صَ	شَ	سَ	زَ
(स्वाद ज़बर सा)	(शीन ज़बर शा)	(सीन ज़बर सा)	(ये ज़बर या
عَ	ظَ	طَ	ضَ
(ऐन ज़बर आ)	(ज़ोय ज़बर ज़ा)	(तोय ज़बर ता)	(ज़्वाद ज़बर ज़ा
كَ	قَ	فَ	غَ
(काफ़ ज़बर का)	(क़ाफ़ ज़बर क़ा)	(फे ज़बर फा)	(ग़ैन ज़बर ग़ा
نَ	مَ	لَ	گَ
(नून ज़बर ना)	(मीम ज़बर मा)	(लाम ज़बर ला)	(गाफ़ ज़बर गा)
لاَ	ھَ	ہَ	وَ
(लाम अलिफ़ ज़बर ला)	(दो चश्मी हे ज़बर हा)	(हे ज़बर हा)	(वाओ ज़बर वा)

	ےَ	یَ	ءَ
	(बड़ी ये ज़बर या)	(ये ज़बर या)	(हमज़ा ज़बर आ)

ٹِ	تِ	پِ	بِ	اِ
(टे ज़ेर टे)	(ते ज़ेर ते)	(पे ज़ेर पे)	(बे ज़ेर बे)	(अलिफ़ ज़ेर ए)
خِ	حِ	چِ	جِ	ثِ
(खे ज़ेर खे)	(हे ज़ेर हे)	(चे ज़ेर चे)	(जीम ज़ेर जे)	(से ज़ेर से)
ڑِ	رِ	ذِ	ڈِ	دِ
(ड़े ज़ेर ड़े)	(रे ज़ेर रे)	(ज़ाल ज़ेर ज़े)	(डाल ज़ेर डे)	(दाल ज़ेर दे)
شِ	سِ	ژِ	زِ	
(शीन ज़ेर शे)	(सीन ज़ेर से)	(ये ज़ेर ये)	(ज़े ज़ेर ज़े)	

عِ ظِ طِ ضِ صِ

(ऐन ज़ेर ए) (ज़ोय ज़ेर ज़े) (तोय ज़ेर ते) (ज़्वाद ज़ेर ज़े) (स्वाद ज़ेर से)

کِ قِ فِ غِ

(काफ़ ज़ेर के) (क़ाफ़ ज़ेर क़े) (फ़े ज़ेर फ़े) (ग़ैन ज़ेर ग़े)

نِ مِ لِ گِ

(नून ज़ेर ने) (मीम ज़ेर मे) (लाम ज़ेर ले) (गाफ़ ज़ेर गे)

لاِ ھِ ہِ وِ

(लाम अलिफ़ ज़ेर ले) (दो चश्मी हे ज़ेर हे) (हे ज़ेर हे) (वाओ ज़ेर वे)

ےِ یِ ءِ

(बड़ी ये ज़ेर ये) (ये ज़ेर ये) (हमज़ा ज़ेर ए)

ٹُ تُ پُ بُ اُ

(टे पेश टो) (ते पेश तो) (पे पेश पो) (बे पेश बो) (अलिफ़ पेश ओ)

خُ حُ چُ جُ ثُ

(ख़े पेश ख़ो) (हे पेश हो) (चे पेश चो) (जीम पेश जो) (से पेश सो)

ڑُ رُ ذُ ڈُ دُ

(ड़े पेश ड़ो) (रे पेश रो) (ज़ाल पेश ज़ो) (डाल पेश डो) (दाल पेश दो)

صُ شُ سُ ژُ زُ

(स्वाद पेश सो) (शीन पेश शो) (सीन पेश सो) (झे पेश झो) (ज़े पेश ज़ो)

غُ عُ ظُ طُ ضُ

(ग़ैन पेश ग़ो) (ऐन पेश ओ) (ज़ोय पेश ज़ो) (तोय पेश तो) (ज़्वाद पेश ज़ो)

گُ کُ قُ فُ

(गाफ़ पेश गो) (काफ़ पेश को) (क़ाफ़ पेश क़ो) (फ़े पेश फ़ो)

وُ نُو مُ لُ

(वाओ पेश वो) ([illegible] नो) (मीम पेश मो) (लाम पेश लो)

لاُ	ھُ	ہُ

(लाम अलिफ़ पेश लो)	(दोचश्मी हे पेश हो)	(हे पेश हो)

ےُ	یُ	ءُ

(बड़ी ये पेश यो)	(ये पेश यो)	(हमज़ा पेश ओ)

उर्दू अक्षरों का लिखने के समय का मेल जोल और उन के वर्ण माला के पढ़ने का चाल इस व्यवस्था में समझो और जानो—

(बे बे ज़बर बब ज़ेर बिब पेश बुब) بب	(बे अलिफ़ ज़बर बा ज़ेर बे पेश बो) با
(बे ते ज़बर बत ज़ेर बित पेश बुत) بت	(बे पे ज़बर बप ज़ेर बिप पेश बुप) بپ
(बे से ज़बर बस ज़ेर बिस पेश बुस) بث	(बे टे ज़बर बट ज़ेर बिट पेश बुट) بٹ
(बे चे ज़बर बच ज़ेर बिच पेश बुच) بچ	(बे जीम ज़बर बज ज़ेर बिज पेश बुज) بج
(बे खे ज़बर बख ज़ेर बिख पेश बुख) بخ	(बे हे ज़बर बह ज़ेर बिह पेश बुह) بح
(बे डाल ज़बर बड ज़ेर बिड पेश बुड) بڈ	(बे दाल ज़बर बद ज़ेर बिद पेश बुद) بد
(बे रे ज़बर बर ज़ेर बिर पेश बुर) بر	(बे ज़ाल ज़बर बज़ ज़ेर बिज़ पेश बुज़) بذ
(बे ज़े ज़बर बज़ ज़ेर बिज़ पेश बुज़) بز	(बे ड़े ज़बर बड़ ज़ेर बिड़ पेश बुड़) بڑ
(बे सीन ज़बर बस ज़ेर बिस पेश बुस) بس	(बे ये ज़बर बय़ ज़ेर बिय़ पेश बुय़) بژ
(बे स्वाद ज़बर बस ज़ेर बिस पेश बुस) بص	(बे शीन ज़बर बश ज़ेर बिश पेश बुश) بش
(बे तोय ज़बर बत ज़ेर बित पेश बुत) بط	(बे ज़्वाद ज़बर बज़ ज़ेर बिज़ पेश बुज़) بض
(बे ऐन ज़बर बअ ज़ेर बिअ पेश बुअ) بع	(बे ज़ोय ज़बर बज़ ज़ेर बिज़ पेश बुज़) بظ
(बे फ़े ज़बर बफ़ ज़ेर बिफ़ पेश बुफ़) بف	(बे ग़ैन ज़बर बग़ ज़ेर बिग़ पेश बुग़) بغ
(बे काफ़ ज़बर बक ज़ेर बिक पेश बुक) بک	(बे क़ाफ़ ज़बर बक़ ज़ेर बिक़ पेश बुक़) بق
(बे लाम ज़बर बल ज़ेर बिल पेश बुल) بل	(बे गाफ ज़बर बग ज़ेर बिग पेश बुग) بگ
(बे नून ज़बर बन ज़ेर बिन पेश बुन) بن	(बे मीम ज़बर बम ज़ेर बिम पेश बुम) بم
(बे हे ज़बर बह ज़ेर बिह पेश बुह) بہ	(बे वाओ ज़बर बव ज़ेर बिव पेश बुव) بو

(बे दो चश्मी हे ज़बर बह ज़ेर बिह पेश बुह) بھ

(बे लाम अलिफ़ ज़बर बल ज़ेर बिल पेश बुल) بلا

(बड़ी ये ज़बर बय ज़ेर बिय पेश बुय) بے (बे ये ज़बर [illegible] ज़ेर बिय पेश बुय) بی

पाठकों और विद्यार्थियों को जानना चाहिये कि (ب) से ले (ث) की तलक वर्णों का यही रूप उर्दू वर्णमाला में रहता है परंतु शून्य और चिन्ह का ही भेद रहता है।

अब जीम की (ج) तख़्ती को देखो और जानो।

حا حب حپ حت حٹ حث حج حچ حح حخ حد حڈ حذ حر حڑ حز
حس حش حص حض حط حظ حع حغ حف حق حک حگ حل حم حن حو حہ
حھ حلا حی حے

जीम से खे तक यही रूप उर्दू अक्षरों का होता है केवल शून्य और चिन्ह का फ़र्क़ रहता है सो इसी में समझ लो।

अब س की तख़्ती देखो जानो और समझो।

سا سب سپ ست سٹ سث سج سچ سح سخ سد سڈ سذ سر سڑ سز سس
سش سص سض سط سظ سع سغ سف سق سک سگ سل سم سن سو سہ سھ سلا
سی سے

ش

شا شب شپ شت شٹ شث شج شچ شح شخ شد شڈ شذ شر شڑ شز شس
شش شص شض شط شظ شع شغ شف شق شک شگ شل شم شن شو شہ شھ شلا
شی شے

ص

صا صب صپ صت صٹ صث صج صچ صح صخ صد صڈ صذ صر صڑ صز صس
صش صص صض صط صظ صع صغ صف صق صک صگ صل صم صن صو صہ صھ صلا
صی صے

ض भी उसी तरह पर ص के ऊपर शून्य [illegible]

ط

طا طب طپ طت طٹ طث طج طچ طح طخ طد طڈ طذ طر طڑ طز طس
طش طص طض طط طظ طع طغ طف طق طک طگ طل طم طن طو طہ طھ طلا
طی طے

* हिन्दी में बारह खड़ी [illegible] है उसी के लिये उर्दू में तख़्ती शब्द का प्रयोग होता है।

ط भी तोय की तरह शून्य देकर लिखाजाता है।

ع

عا عب عپ عت عٹ عث عج عچ عح عخ عد عڈ عذ عر عڑ عز عژ عس عش
عص عض عط عظ عع عغ عف عق عک عگ عل عم عن عو عہ عھہ علا عی ع

غ भी इसी तरह पर ع के ऊपर नुकता देकर।

ف

فا فب فپ فت فٹ فث فج فچ فح فخ فد فڈ فذ فر فڑ فز فژ فس فش فص
فض فط فظ فع فغ فف فق فک فگ فل فم فن فو فہ فھہ فلا فی ف

सिवाए दो शून्य के ق की भी शकल ऐसी ही है।

ک

کا کب کپ کت کٹ کث کج کچ کح کخ کد کڈ کذ کر کڑ کز کژ کس کش کص
کض کط کظ کع کغ کف کق کک کگ کل کم کن کو کہ کھ کلا کی ک

گ भी काफ़ की तरह है पर एक मर्कज़ (माता) उसके मस्तक पर अधिक होता है।

ل

لا لب لپ لت لٹ لث لج لچ لح لخ لد لڈ لذ لر لڑ لز لژ لس لش لص لض
لط لظ لع لغ لف لق لک لگ لل لم لن لو لہ لھ للا لی ل

م

ما مب مپ مت مٹ مث مج مچ مح مخ مد مڈ مذ مر مڑ مز مژ مس
مش مص مض مط مظ مع مغ مف مق مک مگ مل مم من مو مہ مھ ملا
می م

ن

ن की तख़्ती बे की तरह है केवल शून्य नीचे न होकर ऊपर रहता है —

जानना चाहिये कि दो चश्मी हे में दो सयुक्त हैं छोटी और दो चश्मी। इस तरह पर उर्दू में चार हे हैं ح ہ ھ (१) बड़ी हे (२) हाय हव्वज़ (३) हाय हुत्ती (४) दो चश्मी हे है

ہ — ہ

ہا ہب ہپ ہت ہٹ ہث ہج ہچ ہح ہخ ہد ہڈ ہذ ہر ہڑ ہز ہژ ہس ہش ہص
ہض ہط ہظ ہع ہغ ہف ہق ہک ہگ ہل ہم ہن ہو ہہ ہھ ہلا ہی ہ

ھا ھب ھپ ھت ھٹ ھث ھج ھچ ھح ھخ

इसी तरह और भी पूरी तख़्ती इसकी है ।

ی ے

ये की तख़्ती बे की तरह है पर बेके नीचे एक शून्य अधिक लगाया जाता है—
। और د से ز तक और, किसी से नहीं मिलते पर इन से सब मिल सके हैं ।

गिन्ती की संख्या देखो

١ ٢ ٣ ٤ ٥ ٦ ٧ ٨ ٩ ١٠

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

जानना चाहिये कि उर्दू में गणित की संख्या दहिनी ओर से बाईं ओर लिखनी में लिखी जाती है पर इन का गुणन हिन्दी ही की तरह पर होता है, जैसे—

٣٤١٥٢ (३४१५२)

उर्दू वर्णमाला के प्रयोग करने का नियम ।

जब कि अलिफ़ के ऊपर ' ऐसा निशान (ज़बर) का लगाते हैं तब उसका उच्चारण "अ" का होता है जैसे اَ (अ) और उसी प्रकार से जब कि ٓ ऐसा निशान अलिफ़ के ऊपर लगाते हैं तो उसका उच्चारण 'आ' का सा होता है, जैसे آ "आ" (यानी दीर्घ आ)

जब कि अलिफ़ के नीचे ، ऐसा निशान लगाते हैं तो उसका उच्चारण ह्रस्व "इ" का सा होता है, जैसे اِ (इ) यदि दीर्घ ई बनाना हो तो अलिफ़ के साथ छोटी ی बढ़ा देना चाहिये, जैसे اِی (ई)

जब कि ا (अलिफ) के ऊपर ' ऐसा निशान (पेश) लगाया जाता है तो उसका उच्चारण ह्रस्व उकार का होता है जैसे अलिफ़ पेश उ اُ यदि इसी को दीर्घ करना हो तो इस के बाद و (वाओ) को बढ़ा देना चाहिये तो ऐसा करने से दीर्घ ऊकार होजाता है जैसे, اُو ऊ और इसी का उच्चारण ओकार का भी होता है, जैसे اوس (ओस) اون (ऊन)

यदि औकार बनाना होतो अलिफ़ और वाओ लिखकर ; वाओ के सिर पर (हमज़ा) के बढ़ाने से औकार होजाता है जैसे اولیا औलिया ।

यदि एकार बनाना होतो । (अलिफ़) के आगे ے (बड़ीये) के बढ़ाने से एकार हो जाता है जैसे ایک (एक) यदि ऐकार बनाना हो तो अलिफ़ और बड़ीये ے लिखकर (बड़ी ये) ے के ऊपर हमज़ा ء के लगाने से ऐकार होजाता है,जसे ایسا ऐसा ।

उर्दू वर्णमाला में यदि व्यंजन का ह्रस्व अकार ह्रस्व एकार बनाना हो तो केवल व्यंजन के ऊपर (ज़बर का), ऐसा निशान ह्रस्व इकार के वास्ते और ज़ेर का , ऐसा निशान व्यंजन के नीचे, और पेशका ' ऐसा निशान ह्रस्व उकार के वास्ते व्यंजनके ऊपर लगाया जाता है जैसा اب کب عطر کش अब, कब, इतर, कुश इत्यादि ।

व्यंजन का दीर्घ अकार बनाने के वास्ते व्यंजन में अलिफ़ ज़बर आ मिला दिया जाता है जैसे काफ़ अलिफ़ ज़बर کا लाम अलिफ़ ज़बर لا परन्तु इस अवकाश में ज़बर का निशान नहीं लगाया जाता है व्यंजन का दीर्घ ईकार के बनाने के वास्ते व्यंजन मे छोटी ये ی मिला होजाती है जैसे رام کی کترنی (राम की कतरनी) और व्यंजन दीर्घ ऊकार के बनाने के लिये व्यंजन में वाओ मिला दिया जाता है जैसे گوپی لال गोपीलाल رام گوپال (राम गोपाल)

यदि व्यंजन का ओकार बनाना हो तो वाओ के ऊपर हमज़ा बढ़ा देना चाहिये जैसे گوری شنکر गौरीशंकर यदि एकार बनाना हो तो व्यंजन में बड़ी ے और ऐकार के वास्ते उस व्यंजन और बड़ी ये के बीच में हमज़ा ء को अधिक कर देना चाहिये دیبی پرشاد تم کے بیچے جاؤگے देवी प्रसाद तुम के बचे जाओगे ।

यह बात याद रखना चाहिये कि उर्दू भाषा में जब कि आओ, जाओ, लाओ, इत्यादि जब लिखा जाता है तो इस में अर्धस्वर का उच्चारण होता है इस लिये उर्दू में अर्धस्वर के उच्चारण के वास्ते वाओ के पहले अलिफ़ न लगा कर उस के ऊपर हमज़ा लगा देते हैं तो अर्ध ओकारका उच्चारण होता है, जैसे آؤ جاؤ لاؤ इत्यादि ।

और यह भी जानना चाहिये कि यदि अलिफ़ के बाद दीर्घ ईकार हो तो फिर उस समय में और अलिफ़ के बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है जैसे چڑائی رنگائی صفائی चढ़ाई, रंगाई, सफाई इत्यादि औरभी जानो ।

उर्दू भाषा में ख घ छ झ ठ ढ थ ध फ भ वर्ण नहीं है परन्तु जब कि इन को

आवश्यकता होती है तब काफ़ (ک) गाफ़ (گ) चे (چ) टे (ٹ) डाल (ڈ) दाल (د) पे (پ) और बे (ب) के आगे दोचश्मी हे के मिलाने से ऐसे वर्णों का काम उर्दू भाषा में लिया जाता है, जैसे کھانا (खाना) گھبرانا (घबराना) چھ (छ) جھٹپٹ (झटपट) ٹھاکر (ठाकुर) या ڈھاکاپاٹن (ढाकापाटन) تھیلی (थैली) دھانی رنگ (धानी रंग) سرپھٹا (सिरफटा) بھٹیارا (भठियारा) इत्यादि।

यह बात जानना चाहिये कि उर्दू भाषामें द्वित्व अक्षर नहीं होता है परन्तु उन के लिये निशान अलग २ बने हुए हैं यदि एक ही अक्षर को डबल करना होतो ऐसा चिन्ह तशदीद उस अक्षरके ऊपर कर दिया जाता है जैसे سچّا (सच्चा) और यदि एक अक्षरसे दूसरा अक्षर मिलाना होतो ऐसी निशान साकिन करना चाहिये, जैसे ابراہیم (इब्राहीम) यह चिन्ह उस अक्षर के ऊपर करना चाहिये जिसको किसी दूसरे अक्षर से मिलाना हो जैसा कि ऊपर उदाहरण में दे चुके हैं।

इन छोटे छोटे जुमलों (पदों) को देखो पढ़ो और समझो—

اب آ - جا - مت ڈر - خدا مالک ہے - وہ کیا کام ہے - وہ کل کلکتہ کو جائیگا -
تم نے کل آنے کا وعدہ کیا تھا - سب کو دن دو - بادشاہ اُستاد کا ادب کرنا چاہئے -
موتی لعل کا باپ بیمار ہے - عبداللہ کا مکان گرگیا رسول رنگ اور دمڑی جی
دونوں دب کر مرگئے

ہندوؤں کے نام

گنگارام - بال مکند - گوپی ناتھ - ودیا ناتھ - شری کرشن - بلدیو سنگھ - دیبی پرشاد
آشوتوش بھٹاچارجی - لچھمی داس - نرسنگھ راے - سودرشن نندکشور - وغیرہ

مسلمانوں کے نام

عبدالرحمٰن - امداد خان - مرزا علی - عابد حسین - رفعت اللہ خان - حامد علی -
حق دار حسین - وغیرہ -

ایک ہفتہ کے سات روز ہوتے ہیں اُنکے نام مندرجہ ذیل ہیں -
یکشنبہ - دوشنبہ - سہ شنبہ - چہارشنبہ - پنجشنبہ - جمعہ و جمعرات - ہفتہ -

---

دردشرکی

دردشرکی — دنا رحمدلی — گرینٹ برٹن — ایک براٹاپو جسمیں شہر لنڈن بسا ہوا ہے

سمالی مغربی — اُتری پچّم	جزیرہ — ٹاپو	تاریکی — اندھیرا
سراغ رسی کرنا — ڈھونڈھنا	کوشش — اُپائے	درخت — بوڑ
زیر — نیچے	اتفاقا — اکسمات	مقام — جگہ
سینہ — چھاتی	سلوک کرنا — برتاؤ کرنا	جانب — طرف

گریٹ برٹن جزیرہ کے شمالی مغرب میں ایک جزیرہ آئرلینڈ کے نام سے مشہور ہے وہاں پر گلسٹن نام کا ایک زمیندار تھا اوسکے دو لڑکے تھے بڑے لڑکے کا نام جان تھا اور چھوٹے کا نام جیکس - ایک روز یہ بیچارے دونوں لڑکے کھیلتے ہوئے جنگل اور برف سے ڈھکے ہوئے پہاڑوں میں نکلگئے شام کا وقت تھاہی اور تاریکی چھاگئی یہ دونوں روتے روتے راستہ کی سراغ رسی کرتے رہے بہت کوشش کی مگر راستہ نہ پایا - آخرکار بڑے لڑکے نے لاچار ہوکر ایک درخت کے زیر سایہ جہاں پر کہ گڑھا تھا وہاں اوس درخت کی پتیاں توڑ کر اوس گڑھے بچھاکر دونوں سو رہے مگر چھوٹا لڑکا سردی کی وجہ سے بہت رونا چلاتا تھا اسلئے بڑے لڑکے نے اپنے کپڑے اُتارکر اپنے چھوٹے بھائی کو اُڑھادئے مگر جب اُسکا اس پر بھی جاڑا نہ گیا تو بڑے لڑکے نے اپنے چھوٹے بھائی کو اپنی چھاتی سے لگاکر اور خوب چمٹاکر سورہا - اتفاقاً اونکے باپ ڈھونڈھتے ہوئے اوسی مقام پر آنکلے اور دونوں کو دیکھکر اپنے سینہ سے لگایا مگر بڑے لڑکے کی درد شرکی اپنے چھوٹے بھائی کی طرف اس ہوشیاری سے دیکھکر اوسکو بہت پیار کیا - اے چھوٹے چھوٹے لڑکو! کیا تم بھی اپنے چھوٹے چھوٹے بھائی بہنوں سے اسطرحپر دردشرکی کے ساتھ پیش آؤگے —

ENGLISH—UDRU

The letters of the Hindustani language called the حروف تہجی huruf i tahajji, 'letters used in spelling words' with their Roman equivalents are thus arranged

ا, Alif (a) at the beginning of a syllable is pronounced variously like u in *bundle*, i in bit and u in full, according to the succeeding vowel sound with which its original sound is associated, when preceded and not followed by a vowel sound in any other situation of a syllable it is uttered with the said vowel sound like *a* in *far*

ب *Be* (*b*) as in branch

پ *Pe* (*p*)

ت *Te* (*t*) pronounced by pressing the tongue on the upper teeth

ٹ *ṭe* (*t*) as in hat

ث *se* (*s*) uttered by Persians and Indians like s in soft

ج *Jim* (*j*)

چ *Che* (*ch*) as in charm

ح *he* (*h*) as in hundred

خ *khe* (*kh*) guttural, sounded like ch in the word loch as pronounced by Scothmen

د *Dal* (*d*) pronounced by pressing the tongue on the upper teeth

ڈ *ḍal* (*ḍ*) as in *food*

ذ *zal* (*z*)

ر *Re* (*r*) as in register

ڑ *re* (*r*) pronounced by turning the tip of the tongue towards the roof the *mouth*

ز *Ze* (*z*)

ژ *Zhe* (*zh*) pronounced like z in azure.

س or ص *Sin* (*s*)

ش or ش *Shin* (*sh*) as in shame

ص *sád* (*s*) pronounced like c in place

ض *zád* (*z*) like z in topaz

ط *toe* (*t*) pronounced likewise (t) the fourth letter of the Alphabet

ظ *zoe* (*z*) pronounced like z in zephyr

ع *Ain* (') pronounced by the Arabs just as if the letter *a* were to be uttered by the lower muscles of the throat In Roman characters it is represented by an apostrophe Thus the word should be written' *ilm* 'knowledge'

غ *ghain* (*gh*) pronounced as if *g hard* were uttered by compressing the top of the throat

ف *Fe* (*f*) as in fire

ق *kaf* (*k*) sounded by the lower muscles of the throat It is guttural, and is rather stronger in pronounciation than the English k,

ک *Káf* (*k*) as in kins-man

گ Gaf (*g* hard) as in garb

ل *Lám* (*l*)

م *Mim* (*m*)

ن *Nún* (*n*) This letter is generally pronounced like English *n* In many instances it is also uttered like nasal *n* as in the French word *ton* In Roman character this nasal sound is indicated by *n* with a dot over it thus (*n*)

و *Wao* (*w*) This letter preceded by a vowel sound is uttered with its preceding vowel sound like *a* in *fall*, *oo* in *food* or *o* in *note* according as the said vowel sound is the one or the other as will be fully illustrated hereafter In every other situation it is sounded like *w*

ه or ھ He (*h*) as in *history*

لا *Lámalif* (*la*) This is but another form of the first letter *alif* (*a*) when it is not followed by any vowel sound. It is here accompanied with ل *lam* (*l*) i e *l* followed by the vowel sound *a* for the sake of convenience

ء *Hamza* This is also a form of the first letter *alif* (*a*) when it is followed by any vowel sound In this from it always stands at the top of a letter This standing at the top depends upon custom.

ي or ے *Ye* (*y*) This letter at the beginning of a syllable is represented by *y*, when it follows a vowel sound it stands for *ai*, *i* or *e* according to the vowel sound with which it is associated

---

COMPOUND LETTERS

بھ Bhe (*bh*) compounded with ب be and ه he (*h*) The two letters in this and in the following compound letters very a little in their original sounds which are not distinct in such a case, but are together uttered with one impulse of the voice before associating with a preceding or succeeding vowel sound When they do not body in their original sounds they are not considered compound letters as بہا baha value

پھ Phe (*ph*) تھ the (*th*) ٹھ the (*th*) جھ jhe (*jh*) چھ chhe (*chh*) as ch in bench دھ dhe (*dh*) ڈھ dhe like dhe in adhere ڑھ *rhe* (*rh*) کھ khe (*kh*) گھ ghe (*gh*)

In forming words the letters are not written in full The heads of the letters are Joined as far as possible while the letters which can not be joined are written in separate and full In the last letter of every word is not Joined to the succeeding but is written in full

as كتابت kitabat writing Custom however in compound words and in some other instances allow the last letter of a word to be joined to the first letter of another, as خوابگاه khábgáh bed room from kháb sleep and gah place The letters ا alif (a) ر re (r) ڑ re (ṛ) ز ze (z) ژ zhe (zh) ط toe (t) ظ zoe (z) and و wáo (u) are always written in full These letters with the exception of ط toe and ظ zoe never join a letter following them

The letters ب be (b) پ pe (p) ت te *te* (t) ٹ (ṭ) ث se (s) ن nun (n) and ي ye (y) when join to some other letter are alike in such cases and only the dots distinguish the one from the other Thus ب has one dot under it, ن nun (n) one dot over it, ت te (t) two dots over it and ے ye (y) two dots below it

The peculiar form which these letters assume on joining one letter to some others should be carefully noted in the table given here See p p 103–109

There are no vowels to represent the vowel sound but we only make the use of certain marks to indicate the vowel sounds The *vowel sounds* are three called زبر zabar زیر zer and پیش pesh that stand for the sounds of *a* in vulgar *i* in bit *u* in put The mark (ˉ) inserted over a letter indicates the vowel sound like u in but and in Roman letters it is represented by 'a' Thus ب ba The mark (ˏ) standing under a letter shows the vowel sound of 'i' in bit *The mark* (ʼ) *coming* over a letter represents the vowel sound of *u* in put In Roman letters it is represented by 'i' as ب hand 'n'

as پ *pu* Any letter preceded by a vowel sound is called حرف ساکن Harfi sakin The mark ( ) is set over letter to show that it is sakin as دوست dost a friend فرق fark difference of he mark (ˆ) is set over a letter to shows that the letter underneath

is written once and is pronounced as if it were two, of which the first one is a *sakin* and the second followed by a vowel sound This 'doubling' is called *tashdid* تشديد as ب be in the word محبت muhabbat affection *Tanwin* are the double vowel points, which are the two *zabar*s, two *zer*s and two *peshes* They are sounded as *an in* and *un* when three such *sakins* occur, the first none must be any of the three letters ا *alif* (a) ه *he* (h) و *wáo* (w) or ی *ye* (y or e) as چاشت *chasht* 'breakfast نیست *nest* non existence and پوست *post* 'skin

Tanwin always follows the final letter of a word If the final letters are not to ت (t) a silent ا *alif* (a) is always added , as اتفاقاً *ittifáqan* by chance The mark ʺ is the sign of tanwin

The mark (˜) is placed over ا *alif* (a) to be sounded as *á* in vast The mark is called Madd an extension for the *alif* (a) is equal to two *alif* as *ab* آب water , when ا *alif* (a) is followed by ی it sounds like vowel *ei* and *i* and *e* in some Arabic words, و *wao* (*w*) with a curve line over it or ی *ye* (*y*) with an *alif* over it is represented for a vowel sound of 'a as مؤدب *muaddab* well trained عیسیٰ *Isa* Jesus In some Arabic word ت is written thus (ة) as صلوٰة *salwat* prayar some words written with *b* or *p* while others with *p* or *f* as بادشاہ *bádshah* or پادشاہ *padsháh* a king پیل *pil* or فیل *fil* 'elephant ن Nun (*n*) is not followed by a vowel sound and succeeded by ب with vowel sound after it is pronounced as *m* as انبار *anbár* pronounced *ambar* stock

The ا *alif* (*a*) of the syllable ال *al* coming between two *Arabic* words is never pronounced, while its ل *lam* (*l*) s sometimes pronounced and sometimes not when ال is preceded by the words beginning with *t*, *s* *g*, *d*, *r*, *sh* *l* or *n* it remains always silent and instead of it,

the two first letter of the word following it, is double in pronounciation, as ملک‌الشعرا malikushshuará the prince of poets from malik prince شعرا shuqrá poets When alif of the syllable ال is not between two words, but it only commences a word then 'a' being the initial letter is also pronounced as النّاس annas people, ل is sounded before words commencing with any letter except those just mentioned above, as بالفعل bilfiql at present from ba, al, f'l

The conjunction, wa with, its preceding letter is sounded like o as شب‌وروز shab o roz, day and night

The letters ث ح د ص ض ط ظ ع and ق kaf are founded only in pure Arabic words, ژ only pure in Persian words, ز د خ and غ in Arabic and Persian words, پ چ گ in pure Persian and Hindi words and ٹ ڈ ڑ in pure Hindi words The rest are common to the three languages The compound letters are traceable only in the pure Hindi words By this rule the learner can find out Arabic Persian and Hindi words in a sentence

---

MEANINGS OF CERTAIN LETTERS

Certain letters are placed at the beginning or end of a word to assign certain meanings to it or to give no meanings at all

---

DIFFERENT MEANINGS OF *ALIF* (*a*

(1) Continuity as سراسر *sarasar* 'from one end to the other', entirely from سر *sar* and *gunagun* گوناگون various from گون *gun* colour

(2) And as *shabaroz* شباروز night and day

(3) Denoting exclamation, as ساقیا *saqiyá* O cupbearer ! from *sáqi* ساقی a cup bearer

(4) Inserted to lengthen the sound a as دریغا *darighá* 'alas' ! from *daregh*

(5) Denoting agency, as دانا *dana* "a knowing man" from دان *dan* 'know thou

(6) Used as an expletive, as, اسکندر *Iskandar* or سکندر *Sikaner* Alexander گفتا *guftá* for گفت *guft*, 'said'

DIFFERENT MEANINGS OF ب be (b)

(1) Denoting an oath, as بخدا *bakhudá* by God

(2) Denoting position, as, بخانه *'bakhâná* in a house'

(3) Used as an expletive, as, بجز *bajuz* which mean 'the same as *juz* besides

---

MEANINGS OF ک *KAF* (k)

This letter followed by ه he (h) means 'because' 'that' used as conjunction It is also used as diminutive form as مردک *mardak*, a man

---

MEANINGS OF ی ye (y)

(1) Appertaining to, as بنگالی *Bengali*, of *Bengal*

(2) In Persian this letter added to a past tense means thou as, امدی *amdi* thou comest and affixed to nouns when it stands for article "a" as, مردے *marde* a man

There are some Arabic words in which by custom the الف *alif* (*a*) is dropped in writing though not in pronunciation this الف *alif* is some times placed over the letter next to that uttered after it in

pronouncing such words, as, الله *alláh* God رحمٰن *Rahmán* Merciful

Some words are variously pronounced, such as زبان *zabán* or *zubán* tongue سخن *sukhun* or *Sakhun* Speech لیلیٰ *Laili* or *Lailá* the mistress of *Majnu* آتش *átish* or *átash* 'fire'

Some words are variously spelt, thus مصرع or مصرعہ *misrá* a single line in a poetry

وزن 'WAZN' FORM

Two or more words are said to be of the same *wazn* or form when the number of letters in each are equal and the vowel sounds after the first, second etc

Thus the words تدبیر *tadbir* plain تقریر *taqrir* speech and تحریر *tahrir* writing are of the same form because each word has five letters after it of which the first letter has the vowel sound *zaber* زبر and the third letter in each has the vowel sound زیر *zer* after it and the remaining letters in each are not followed by a vowel sound These forms are called etymological forms

NUMERICAL VALUES OF LETTERS

As in english the letters I V X stand for one five and ten, so in Persian, Arabic and Urdu or Hindustani the numerical values of letters are given in the fallowing .—

alif ا (*a*)=1 , ب (*b*), پ (*p*)=2, ج (*j*) چ (*ch*)=3· ڈ د (*d*)=4 (*h*)=5 , و (*u*)=6 , ژ ز (*z*)=7 , ح (*h*)=8 , ط (*t*)=9 , ك گ ک (*k*)=20, ی (*y*)=10, ل (*l*)=30, م (*m*)=40, ن (*n*)= 50, س (*s*)=60, ع (')=70, ف (*f*)=80, ص (*s*)=90, ق (*k*)= 100, ڑ (*r*)= ڑ or (*r*)=200, ش (*sh*)=300, ت (*t*) ٹ or (*t*)= 400, ث (*s*)=500, خ (*kh*)=600, ذ (*z*)=700, ض (*z*)=800, ظ (*z*)=900, غ (*gh*)=1000,

In compound letter, the value of each of the letters composing it are taken into account The letters written are calculated while those not written but pronounced are not calculated The value of Hamza, generally one, but sometimes its value is not calculated The mahomedan era is called *Hijri* هجری from *Hijr* هجر separation, so named as it commences from the year in which the prophet Mahomed departed from Mecca to Medina Any Hijri may be turned into an approximate Christian era by adding 583 to it The Hijri year contains 356 days while the Christian 365

URDU GRAMMAR

قواعد اردو

صرف *sarf* Etymology शब्द विचार وہ علم ہے جس سے بتانا ایک لفظ کا دوسرے لفظ سے اوسکی گردان اور طریقہ تبدیل کرنے صورت الفاظ کا معلوم ہوجاوے

بیان کلمہ - جو آواز آدمی کے منہہ سے نکلتی ہے اوسکو لفظ کہتے ہیں - لفظ معنی دار کو موضوع *mauzu'* मौज़ू (Articulate सार्थक) کہتے ہیں - اور بے معنی کو مہمل *mohmil* माहमिल (Inarticulete निरर्थक) کہتے ہیں - جیسے ربد نام آدمی کا ہے اور اوسی کا الٹا دبر لفظ بے معنی ہے - اور موضوع کی دو قسمیں ہیں مفرد *mufrid* मुफरिद (Simpleword एकार्थक) جس سے ایک معنی سمجھے جاویں اور اوسکے ٹکڑوں سے سابق *sabiq* साबिक (previous-पूर्व) معنی نہ سمجھے جاویں جیسے کردم اور گردم - مفرد ہی کو کلمہ *Kalma* कलमा (Parts of speech शब्दभेद) کہتے ہیں - کلمہ کی تین قسمیں ہیں اسم *Ism* इस्म (Noun - संज्ञा) فعل *fel* फ़ेल (verb-क्रिया) اور حرف *Harf* - हर्फ़ (Preposition सम्बन्ध वाचक)

اسم وہ ہے جو بلا مدد کسی دوسرے لفظ کے اپنے معنی بتاوے اور کوئی زمانہ اوسکے معنی سے نہ سمجھا جاوے جیسے گدہ اور کتاب اسم کی تین قسمیں ہیں -

جامد - Jámid-जामिद (Concrete noun अधिष्ठित संज्ञा) وہ اسم ہے کہ نام ہو
کسی شخص یا چیز کا جوکہ کسی لفظ سے بنا ہو اور نہ اوس سے کوئی لفظ بنایا جاوے
جیسے لڑکا - آگرہ - جامد کی دوقسمیں ہیں نکرہ - Nakráh नकरा (सामान्य संज्ञा)
(Common noun اسم غیرمعین gair muaiyyan ग़ैर मुऐय्यन (proper जातिवाचक
کو کہتے ہیں جو ایک جنس کی تمام چیزوں پر برابر بولا جائے جیسے انسان سے تمام
آدمی سمجھے جاتے ہیں جسکو اسم عام اور اسم کلی بھی کہتے ہیں -
معرفہ - Márfá मआर्फ़ा (Proper noun - व्यक्ति वाचक संज्ञा) شخص معین
اور خاص چیز کو کہتے ہیں -

اوسکی چھہ قسمیں ہیں - علم - अलम - alum (Proper noun - विशेष नाम)
ضمیر - ज़मीर - Zamir (Pronoun- सर्वनाम) اسم اشارہ - इस्मेइशारा (सर्वनाम
اسم موصول - इस्मे मौसूल mausul (Demonstrative-pronoun संकेत वाचक
مضاف muzáf मुज़ाफ़ Relative pronoun - संबंध वाचक सर्व नाम) Ism - i -
اور منادی - मुनादा mundádá (Governing noun संबंधकारक संज्ञा) संबोधन)
Vocative

علم وہ ہے کہ نام ہو کسی خاص شخص یا چیز کا جیسے گنگا - جمنا - موہن‌لعل
علم کو اسم خاص اور اسم حقیقی بھی کہتے ہیں - ضمیر وہ ہے جو بجائے اسم کے
لائی جاوے جیسے موہن لعل آیا اوسنے سبق پڑھا - پس لفظ اوسنے ضمیر ہے جسکے
چھہ صیغہ sigha सीग़े (Person - पुरुष) ہوتے ہیں ---

صیغہ	واحد	جمع
متکلم	میں	ہم
مخاطب یا حاضر	تو	تم
غائب	وہ	وے

متکلم بات کرنیوالے کو کہتے ہیں - غائب یا حاضر جس سے بات کی جاوے اور
سامنے موجود ہو اور غائب وہ ہے جسکا ذکر کیا جاوے ---
اسم اشارہ وہ لفظ ہے جس سے کسی کی طرف اشارہ کریں اور جسکی طرف
اشارہ کیا جاتا ہے اوسکو اشارہ الیہ - Ishárá-alah-इशारा अलह (संकेत सूचित -
(Pointed out) کہتے ہیں

اسم اشارہ کے چار لفظ ہیں

Jamá-जमां جمع	wáhed वाहद واحد	اسم اشارہ کے نام
Plural बहुवचन	(Singular-एकवचन)	
ــے	یہ	(Near-पास)-Qaríb क़रीब اشارہ قریب
وــے	وہ	(Far दूर) Baíd बइद اشارہ بعید

اسم موصول - इस्मे मौसूल Ism i mausul (Relative--सम्बन्धवाचक सर्वनाम pronoun) وہ ہے جو بغیر ملا کے ملے کے پورا جزو جملہ کا نہوسکے یعنی نہ مبتدا ہوسکے نہ خبر کہ فاعل نہ مفعول - اسم موصول کے دو لفظ ہیں جو اور جون جیسے جو لڑکا کل غیر حاضر تھا آیا (کل غیر حاضر تھا) یہ جملہ اوسکا صلہ ہے اسم موصول صلہ سے ملکر لفظ آیا کا فاعل ہوا صلہ silá सिला کے معنی رشتہ کے ہیں یعنی (Relation ship) सम्बन्ध —

جو اسم کہ طرف علم یا ضمیر یا اسم موصول کی نسبت کیا جاتا ہے جس سے ایک طرحکی خصوصیت آجاتی ہے جیسے گوپی کا باپ تیرا بھائی اوسکا بیٹا جسکا چچا نوکر تھا وہ برخاست کردیا گیا لفظ باپ اور بیٹا اور چچا یہں اسنسبت مضاف ہوینکی ایک طور پر خصوصیت آگئی مضاف Muzáf मुज़ाफ़ سबध कारक) کو (Governing noun کہتے ہیں -

منادی- मुनादा munádá سबोधन Calling case) وہ ہے جو پکارا جاوے او رام -

مصدر - मस्दर Masdar (verbal noun धातु) وہ ہے جس سے فعل फ़ैल fel (Verb - क्रिया) اور اسم مشتق - इस्मे मुश्तक़ Ism-i-mushtuq (साधितसंज्ञा Derivation nouns) بنائے جاتے ہیں - اردو میں اوسکے آخر مصدر کی علامت نا ہوتا ہے جیسے کہانا خریدنا اسم مشتق وہ ہے جسمیں اور مصدر کے حروف مادہ * اور اوسکے معنی قائم رہیں —

تذکیر اور تانیث (مرد اور عورت) کے لحاظ سے اسم کی دو قسمیں ہیں مذکر Muzaklar मुज़क्कर (Masculine gender-पुल्लिंग) اور مؤنث muannas मुवन्नस Faminine स्त्रीलिङ्ग جس مذکر جاندار کے مقابل میں جاندار مادہ ہو وہ مذکر حقیقی

* مادہ maddah माद्दा (Root-मूल)

کہلاتا ہے جیسے مرد - بکرا - اور جس مؤنث جاندار کے مقابل مذکر ہو اوسے وہ مؤنث حقیقی کہلاتی ہے جیسے شہزادی بکری اور مذکر اور مؤنث جنکو غیرحقیقی کہتے ہیں جنکی پہچان مشکل ہے کیونکہ جس ملک میں ایک چیز کو مذکر بولتے ہیں اوسی کو دیگر ملک میں مؤنث کہتے ہیں اور اوسکا کوئی قاعدہ پورے طور پر نہیں ہے اسکی دوقسمیں ہیں سماعی اور قیاسی سماعی (Irregular अनियमित) جسکے واسطے قاعدہ مقرر نہو اور قیاسی Rugular नियमित وہ کہ جسکے واسطے قاعدہ مقرر ہو

جس اسم کے آخر الف یا ہے اصلی ہو اکثر مذکر ہوتا ہے جیسے بندہ صحرا لڑکا - جو اسم فعل کے وزن پر اوسے وہ مؤنث ہوتا ہے جیسے عزیز بوزیر - تفعیل کے معنی کام کرنا ہے حاصل مصدر (Verbal Noun धातु साधित संज्ञा) فارسی کے آخر جو شین مکسور ہوتا ہے تو وہ مؤنث ہوتا ہے جیسے آزمایش - جس اسم کے آخر تاے مصدر عربی یا یاے حاصل مصدر ہندیکی ہو تو وہ بھی مؤنث ہوتے ہیں جیسے روئی ٹوپی مگر جولاہی کرسی وغیرہ مستثنی (Mustusnā) (exceptional) ہیں -

واحد (Singular nunber एकवचन) ایک کو کہتے ہیں اور ایک سے زیادہ کو جمع (Plural number बहुवचन) کہتے ہیں جیسے عورت عورتیں —

جس اسم مذکر کے آخر الف یا ہے - ساکن نہ ہو اور اسکے آخر علامت فاعل یا مفعول یا اضافت یا ظروف وغیرہ اسم ظرف نہ اوسے تو لفظاً اوسکی جمع کی کچھ حاجت نہیں ہے جیسے بھالو آئے بزن خریدے - تم اپنے اپنے گھر جاؤ - فقط اسکے فعل کی وحدت اور جمعیت سے اسکے بھی واحد اور جمع ظہور میں آتے ہیں - اور جن اسموںکے آخر الف یا ہے آوے اونکے جمع یاے مجہول سے بناتے ہیں - جیسے گھوڑے خریدے - جن مؤنث اسم کے آخر یائے معروف نہ ہوے اونکی جمع کے واسطے آخر میں لفظ یں زیادہ کرتے ہیں جیسے عورتیں - جس مؤنث کے آخر یائے معروف ہو اونکی جمع لفظ اں کے بڑھانے سے بنتی ہے جیسے لڑکیاں بکریاں - حالت ندا میں اسم کے آخر واؤ مجہول کے زیادہ کرنے سے جمع بن جاتی ہے - جیسے اے لڑکو - اے لڑکیو - اے عورتو مگر جب کسی اسم کے آخر علامت فاعل یا مفعول یا اضافت یا ظروف وغیرہ یا حروف اسم ظرف آوے تو ایسے الفاظ کی جمع وں سے بنتی ہے جیسے مردوں نے لڑکوں میں کتابیں بٹوائیں -

فعل بلا کسی لفظ کی مدد کے اپنی معنی بتلاتا ہے اور تینوں زمانوں ماضی حال مستقبل میں سے کوئی زمانہ پایا جاتا ہے اسکو ہندی میں क्रिया کریا اور انگریزی میں

Verbدرس کہی ھیں — ۔

Hál हाल حال (Past भूत *Mázi* माज़ी ماضی فعل کی چھ قسمیں ھیں
مستقبل (Aorist अनिश्चित) *Muzár'a* मुज़ारअ مضارع (Present वर्त्तमान
(Affirmative स्वीकरण) *Amar* अमर امر Future भविष्य *Mustaqbil* मुस्तक़बिल
(Negative अस्वीकरण) *Nehi* नेही نہی

اول جاننا چاہئے کہ مصدر کی علامت نا دور کرنے سے صیغہ واحد امر حاضر بنتا ہے جیسا لکھنا سے ہوا لکھ اور امر کے اول لفظ مت زیادہ کرنے سے نہی کا صیغہ بنتا ہے جیسے مت لکھ فعل ماضی کی چھ قسمیں ھیں -

(Past Indefinite सामान्य भूत) *Mázi Mutlaq* माज़ी मुतलक़ ماضی مطلق
ماضی (Present perfect पूर्ण वर्त्तमान) *Mázi qarib* माज़ी क़रीब ماضی قریب
بعید माज़ीशर्ती ماضی شرطی (Past perfect पूर्णभूत) *Mazi Baid* माज़ीबईद
(Conditional Past हेतुहेतुमद्भूत) *Mazi sharti* ماضی نا تمام یا استمراری
अपूर्णभूत) *Mazi natámam* or *Istamurari* (माज़ी नातमाम या इस्तमुरारी
Pot-सन्दिग्धभूत) *Mazi shakki* माज़ीशक्की اور ماضی شکی (Past Imperfect
- (ential Past

امر کے آخر الف زیادہ کرنے سے فعل ماضی مطلق بنتا ہے - جیسے لکھ سے لکھا ماضی مطلق ہوا - مگر جس امر کے آخر و - ے ا میں سے کوئی حرف ہو تو اسکے آخر لفظ یا زیادہ کردیا جاتا ہے جیسے سونا - کھانا - پینا سے سو - کھا پی صیغہ امر کے ہیں اور لفظ یا اسکے آخر زیادہ کرنے سے سویا کھایا بنا صیغہ ماضی مطلق کے ہیں اور امر کے آخر تا بڑھانے سے فعل ماضی شرطی بنتا ہے جیسے لکھ سے لکھتا اور یاے مجہول امر پر زیادہ کرنے سے فعل مضارع بنتا ہے جیسے لکھے - اور مضارع کے آخر لفظ گا زیادہ کرنے سے فعل مستقبل بنتا ہے جیسے لکھیگا - ماضی مطلق کے آخر لفظ ہے زیادہ کرنے سے فعل ماضی قریب بنتا ہے جیسے لکھا ہے اور ماضی مطلق کے آخر لفظ تھا زیادہ کرنے سے فعل ماضی بعید بنتا ہے جیسے لکھا تھا اور اسکے آخر لفظ ہوگا زیادہ کرنے سے فعل ماضی شکی بنتا ہے - جیسے لکھا ہوگا - ماضی شرطی کے آخر لفظ ہے زیادہ کرنے سے فعل حال ہوتا ہے جیسے لکھتا ہے اور لفظ تھا بڑھانے سے فعل ماضی ناتمام یا استمراری بنتا ہے جیسے لکھتا تھا - علاوہ امر و نہی کے تمام معلومے چھ چھ صیغے ہوتے ھیں اور جتنے فعل مصدر لکھنا سے بنائے جاتے ھیں اونکی گردان بترتیب ذیل مندرج ہے

पुरुष Persons صيغه	बहुवचन Plural Number جمع	एकवचन Singular Numb واحد	क्रियाकाल Tenses of verbs زمانه افعال
2nd मध्यम	لکھو	لکھ	स्वीकारक क्रिया Affirmative or Imperative امر
حاضر	مت لکھو	مت لکھ	अस्वीकारक क्रिया Negative نہی
1st उत्तम متکلم	همنے لکھا	میں نے لکھا	सामान्य भूत
2nd मध्यम حاضر	تمنے لکھا	تونے لکھا	Indefinite
3rd अन्यम غائب	انہوں نے لکھا	اوسنے لکھا	ماضی مطلق
1st उत्तम متکلم	همنے لکھا ہے	میں نے لکھا ہے	पूर्णवर्त्तमान
2nd मध्यम حاضر	تمنے لکھا ہے	تونے لکھا ہے	Present Perfect
3rd अन्यम غائب	اونہوں نے لکھا ہے	اوسنے لکھا ہے	ماضی قریب
1st उत्तम متکلم	همنے لکھا تھا	میں نے لکھا تھا	पूर्णभूत
2nd मध्यम حاضر	تمنے لکھا تھا	تونے لکھا تھا	Past Perfect
3rd अन्यम غائب	انہوں نے لکھا تھا	اوسنے لکھا تھا	ماضی بعید

पुरुष Persons صيغه	बहुवचन Plural Number جمع	एकवचन Singular Num واحد	क्रिया काल Tenses of Verbs زمانهٔ افعال
1st उत्तम متکلم	ہم لکھتے	میں لکھتا	संकेतसूचक भूत
2nd मध्यम حاضر	تم لکھتے	تو لکھتا	Conditional Past
3rd अन्यम غائب	وے لکھتے	وہ لکھتا	ماضی شرطی
1st उत्तम متکلم	ہم لکھتے تھے	میں لکھتا تھا	अपूर्ण भूत
2nd मध्यम حاضر	تم لکھتے تھے	تو لکھتا تھا	Imperfect Past
3rd अन्यम غائب	وے لکھتے تھے	وہ لکھتا تھا	ماضی استمراری
1st उत्तम متکلم	ہم نے لکھا ہوگا	میں نے لکھا ہوگا	सकासूचक भूत
2nd मध्यम حاضر	تمنے لکھا ہوگا	تونے لکھا ہوگا	Potential Past
3rd अन्यम غائب	اونہوں نے لکھا ہوگا	اوسنے لکھا ہوگا	ماضی شکی
1st उत्तम متکلم	ہم لکھتے ہیں	میں لکھتا ہوں	वर्त्तमान
2nd मध्यम حاضر	تم لکھتے ہو	تو لکھتا ہی	Present tense
3rd अन्यम غائب	وے لکھتے ہیں	وہ لکھتا ہی	حال

पुरुष Persons صيغه	बहुवचन Plural Number واحد	एकवचन Singular Numo جمع	क्रियाकाल Tenses of Verbs زمانه افعال
1st उत्तम متكلم	هم لكهيں	ميں لكهوں	अनियमित काल
2nd मध्यम حاضر	تم لكهو	تو لكهے	Aorist tense
3rd अन्यम غائب	وے لكهيں	وہ لكهے	مضارع
1st उत्तम متكلم	هم لكهيں گے	ميں لكهونگا	भविष्य काल
2nd मध्यम حاضر	تم لكهو گے	تو لكهے گا	Future tense
3rd अन्यम غائب	وے لكهيں گے	وہ لكهے گا	مستقبل

بيان اثبات Affirmative كا حكم هوا اگر فعل نفى بنانا هو تو امر اور
اور نهى كے سواے هر فعل كے اول لفظ نه يا نهيں زيادہ كردينا چاهئے -
فعل كى دو قسميں هيں فعل لازمى اور متعدي - فعل لازمى फेललाज़मी (Intransitive verb अकर्मक क्रिया) Fel lazmi وہ هى جو صرف فاعل پر
حكم هوجاوے اور فعل متعدى - F'el mutaddi फेल मुतअद्दी सकर्मक क्रिया) (transitive verb وہ هى جو فاعل اور مفعول دونكي خواهش كرے جيسے
گوپال آيا هى - زيد نے گهوڑا خريدا - فعل متعدى كى دو قسمں هيں فعل معروف
اور فعل مجهول فعل معروف फेलमारूफ़ F'el maruf (Active voice- कर्तृक)
وہ هى جسكا فاعل معلوم هو جيسے رام نے خط لكها - فعل مجهول फेल मजहूल - F'el majhul (Passive voice अकर्तृक) وہ هى كه جسكا فاعل معلوم نهو جيسے
زيد مارا گيا - ماضى مطلق كے آخر مصدر جانا كا كوئى صيغه زيادہ كرنے سے فعل
مجهول بنتا هى جيسے خط لكها گيا -
حرف हर्फ़ Harf (Preposition- उपसर्ग) جو بغير مدد دوسرے لفظ كے اپنى
معنى نهيں بتلاتا اور نه اوس سے كوئى زمانه پايا جاتا هى جيسے كلكته سے كانپور تك
ريلوے جارى هى اسمں سے اور تك حرف هيں جو كه بغير مدد دوسرے لفظ
كلكته اور كانپور كے اپنى معنى نهيں بتلا سكتے -

...CHURCH ... BHAIRODAN
JAIN LIBRARY.

حروف عطف Conjuntion-समन्वय *Harúf-i-atif* हरूफ़े अत्तिफ़ ۷ۂ هی
جو که لفظوں اور جملونکو ملاتا هی جیسے زید سے کہو که گلسداں اور بوسدان پڑھے -
اسمیں که جو که ب سادنه بهی کہلاتا هی دو جملونکو یعنی زید سے کہو ا ر گلسداں اور
بوسدان اور لفظ اور دو لفظونکو گلسدان اور بوسدان کو ملاتا هی - ا حروف یا جواۃ جاشو
Alternative Conjunction(इख्तिलाफ़ समन्वय(*Tardid* तरदीद نہیں بو واسطے تردید
کے هیں جیسے موهن آوے یا زید یعنی دونوں میں سے کوئی ایک شخص آوے -
حروف کے علامت (Sign चिन्ह) *Alámat* अलामत فاعل فعل متعدی کی
هی اور صرف ضمیر اور اسم اشارہ اور اسم موصول اور اسم استفہام میں یائے مجہول
علامت مفعول ہوتی هی - جیسا زید کو بلاکه اسے پڑھے اور علاوہ اوسکے لفظ کو اور بہیں
علامت مفعول کی هی حروف کا - کی - کے اور ضمائر هیں را - ری - رے اور
نی - ے علامتیں اضافت کی هیں - حروف اے - ا - اے - جي واسطے ندا -
(Vocative सबोधन) *Nidá* निदा اور ارے اور اے محبت اور حقارت سے پکارنے
کیواسطے اور اگر اور جو شرط *Shart* शर्त (Condition बचन बधन) کے هیں اور تو اور
پس حروف جزا (Consequence फ़लादेश) *Haruf-i jazá* हरूफ़े जज़ा کے هیں
جیسے اگر تم جاوگے تو میں آونگا - سوائے - بر - الا - مگر حروف استثنا हरूफ़े इस्तसना
Haruf-i Istasaná (Exceptional अनियमित) کے هیں جیسے سب آئے مگر موهن
نه آیا - اور ایجاب Acceptance स्वीकारक *Ijáb* इजाब کے هیں - البته واسطے تاکید
(Stress भार) اثبات (Affirmative स्वीकारक) کے هے اور هرگز اور
کبھی واسطے تاکید نفی - नफ़ी Nafi (Negative स्वीकारक) کے هیں جیسے زید
نے کبھي آم نه خریدا مگر رام البته خریدتا هی

حروف تہجي *Haruf-i tahajji* हरूफ़े तहज्जी वर्णमाला (Letters of an
(Alphabet) جنکے واسطے ترکیب کلمات کے موضوع هوئے هیں مثلا (as) ا ب ت ث
حروف تہجی کے و ا - ی کو حروف علت *Haruf-i Illat* हरूफ़े इल्लत स्वरवर्ण
Haruf-i हरूफ़ेसहीह vowel letters وغیر حروف کہتے هیں-اور سب حروف صحیح
Sahih (Consonant व्यंजन) کہلاتے هیں - اونکے موافق حرکت ضمه هی اور الف
کے موافق فتحه اور ی کے موافق کسرہ هی یعنی و کے پہلے اکثر پیش ہوتا هی
جیسا که اور الف کے مانند همیشه زبر جیسا کا اور ی کے مانند اکثر زیر ہوتا هی
جیسے کے جس حروف پر حرکت ضمه کی هو اوسکو مضموم کہتے هیں اور جسپر
فتحه هو اوسکو مفتوح کہتے هیں اور جسپر کسرہ هو اوسکو مکسور کہتے هیں

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax वाक्य विचार) وہ علم ہے کہ جس سے مفردونکو ملاکر کلام بنانا جاوے اور معلوم ہوجاوے کہ وہ آپس میں کیا علاقہ رکھتے ہیں - مرکب (मिश्र (Compound) وہ ہے جو دو جملوں یا زیادہ سے ملکر بنے اور ٹکڑے کرنے سے اوسکا ہر ایک جز اپنے معنی مفردہ بتلاوے اوسکی دو قسمیں ہیں - مرکب مفید اور مرکب غیر مفید - مرکب مفید (Complete पूर्णवाक्य) *Murakkab mufid* मुरक्किब मुफ़ीद Sentence وہ ہے کہ اوسکا کہنے والا کوئی بات کہہ چکے اور سامع (سننے والا) کو دوسری بات کے سننے کا انتظار نہ رہے مرکب غیر مفید ہی کو جملہ اور کلام کہتے ہیں - مثلاً بڑھئی تخت پر چڑھکر دوزانو بیٹھا - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا بڑھئی کی خبر دیتا ہے اور وہ بیان کرنے کو یوں آمادہ ہوا مرکب غیر مفید *Murakkab* मुरक्किब गैर मुफ़ीद (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) *ghair mufid* وہ ہے کہ سامع کو کوئی خبر معلوم نہ ہو اور کسی دیگر جز یا مطلب کے سننے کا خواستگار رہے - یہ جملہ پورا نہیں ہوتا مگر اس جملہ کا جز ہوتا ہے - اسکی دو قسمیں ہیں تقییدی اور غیر تقییدی مرکب تقییدی کے معنی ہیں کہ جز و اول جز و دوم پر قید ہو خواہ وہ قید اضافی ہو یا قید توصیفی ہو مثلاً زید کا گھوڑا - اچھا لڑکا - اور مرکب غیر تقییدی وہ ہے کہ جز اول جز و دوم کے واسطے قید نہووے - اوسکی دو قسمیں ہیں مرکب امتزاجی - اور غیر امتزاجی مرکب امتزاجی وہ ہے کہ دونوں جزو ملکر ایک نام ہوجاوے اور مرکب غیر امتزاجی وہ ہے کہ جزو دوم میں کوئی حرف عطف مقرر ہو مثلاً ۲۵ کہ ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہے - اسیطرحپر مرکب مفید کی چار قسمیں ہیں مرکب اضافی - مرکب توصیفی - مرکب امتزاجی اور غیر امتزاجی - مرکب اضافی مضاف اور مضاف الیہ سے ملکر بنتا ہے اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت کرنیکو اضافت کہتے ہیں اور جسکی طرف نسبت کی جاوے اسکو مضاف الیہ کہتے ہیں اور مضاف وہ ہے جو نسبت کیا جاوے اوردو میں مضاف الیہ اکثر مضاف کے پہلے آتا ہے اور کا و کی و کے اور را و ری و رے اور نا و نی و نے علامتیں اضافت کی ہمیشہ مضاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جیسے زید کا گھوڑا - میرا بکرا - اوسکی گھوڑی اپنی بھینس وغیرہ اس ترکیب میں زید مضاف الیہ ہے اور کا علامت اضافت ہے اسیطرحپر را اور نی وغیرہ بھی علامت اضافت کی ہے - اور گھوڑا گھوڑی بکرا اور بھینس مضاف ہیں اور مضاف اور مضاف الیہ ملکر ایک جز و جملے کا یعنی معمول

رابع ہوا علامتیں اضافت کی تذکیر و تانیث و وحدت اور جمعیت ہمیشہ مضاف کے موافق ہوتی ہیں - مرکب توصیفی وہ ہے جو صفت اور موصوف سے ملکر بنے - صفت وہ لفظ ہے جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یاکسی قسم کی خاصیت پائی جائے اور موصوف وہ ہے جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت بیان کی جاوے اردو میں صفت موصوف کے پہلے آتی ہے - جیسے وہ دشمن لڑکا ہے - دشمن صفت اور لڑکا موصوف ہے

جن صفتوںکے آخر الف ہو اور اون میں علامت فاعل مفعول اور اضافت اور ظرفیت کے آنیکی وجہ سے تبدیل ہوتی ہو تو اون صفات کی تذکیر و تانیث وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہونی چاہئے جیسے اچھا گھوڑا بدصورت لڑکی - اور کچھہ صفات عددیہ ہیں جیسے پہلا دوسرا - ساتواں مثلا پہلی لڑکی - ساتوں عورت وغیرہ - مرکب امتزاجی وہ ہے جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہوجاوے جیسے سکندرنامہ - اسطرحجر اکبرآباد شاہگنج وغیرہ مرکب امتزاجی ہیں مرکب غیر امتزاجی دو حرفوں سے ملکر بنتا ہے اور جزو دوم میں کوئی حرف عطف مقید ہوتا ہے جیسے ۲۱ مقید ہوا ہے ایک اور دس سے - مرکب غیر امتزاجی کو مرکب تعدادی بھی کہتے ہیں - ایک سے ۹ تک مفردات یا اکائیاں کہلاتی ہیں اور دس بیس وغیرہ کو دھائیاں کہتے ہیں اور سیکڑے اور ہزار غیرہ داخل مفردات ہیں - عدد گنتی کو کہتے ہیں - اور جو چیز گنی جاتی ہے اوسکو معدود کہتے ہیں - مثلاً دس روپئے اس ترکیب میں دس عدد مرکب اور روپئے معدود ہیں

تقسیم جملہ - جملہ کی دوقسمیں ہیں - جملہ خبریہ اور جملہ انشائیہ - جملہ خبریہ وہ ہے کہ جس سے کسیکی خبر معلوم ہوتی ہے اور اوسمیں راستی و دروغ کا اعتقاد رہتا ہے - اوسکی دوقسمیں ہیں - جملہ اسمیہ اور جملہ فعلیہ - جملہ اسمیہ وہ ہے جو ایسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اوسکے سامع کو کچھہ خبر معلوم ہوجاوے - اون میں سے ایک کو مبتدا کہتے ہیں اور دوسرے کو خبر - مبتدا وہ اسم ہے جسکے ماجرے کی خبر دی جاوے اور جس ماجرے کا بیان ہو وے خبر کہتے ہیں جیسے زید امیر ہے - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا زید کے امیر ہونے کی خبر دیتا ہے پس زید مبتدا ہے اور امیر خبر ہے اور ہے ربط و حدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ مبتدا کے ہوتا ہے - جملہ فعلیہ وہ ہے جو اسم اور فعل سے مرکب ہو - فعل لازمی بھی جملہ فعلیہ اور فاعل سے بنتا ہے اور فعل متعدی میں فعل فاعل اور مفعول بہ کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ بنتا ہے -

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax वाक्य विचार) وہ علم ہے کہ جس سے مفردوںکو ملاکر کلام بنانا آوے اور معلوم ہوجاوے کہ وہ آپس میں کیا علاقہ رکھتے ہیں - مرکب (मिश्र Compound) وہ ہے جو دو جملوں یا زیادہ سے ملکر بنے اور ٹکڑے کرنے سے اوسکا ہر ایک جز اپنی معنی مفردہ بتلاوے اوسکی دو قسمیں ہیں - مرکب مفید اور مرکب غیر مفید - مرکب مفید (Complete पूर्णवाक्य) *Murakkib mufid* मुरक्किब मुफीद Sentence وہ ہے کہ اوسکا کہنے والا کوئی بات کہہ چکے اور سامع (سننے والا) کو دوسری بات کے سننے کا انتظار نہ رہے مرکب غیر مفید ہی کو جملہ اور کلام کہتے ہیں-مثلاً بڑھئی نے چڑھاکر دروازہ بنایا - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا بڑھئی کی خبر دیتا ہے وہ بیان کرنے کو یوں آمادہ ہوا مرکب غیر مفید *Murakkib* मुरक्किब गैर मुफीद (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) *ghair mufid* وہ ہے کہ سامع کو کوئی خبر معلوم نہ ہو-اور کسی دیگر خبر یا مطلب کے سننے کا خواستگار رہے یہ جملہ پورا نہیں ہوتا مگر اس جملہ کا جز ہوتا ہے - اسکی دو قسمیں ہیں تقییدی اور غیر تقییدی مرکب تقییدی کے معنی ہیں کہ جز و اول جز و دوم پر قید ہو خواہ وہ قید اضافی ہو یا قید توصیفی ہو مثلاً زید کا گھوڑا - اچھا لڑکا - اور مرکب غیر تقییدی وہ ہے کہ جز اول جز و دوم کے واسطے قید نہووے - اوسکی دو قسمیں ہیں مرکب امتزاجی - اور غیر امتزاجی مرکب امتزاجی وہ ہے کہ دونوں جزو ملکر ایک نام ہوجاوے اور مرکب غیرامتزاجی وہ ہے کہ جزو دوم میں کوئی حرف عطف مقدر ہو مثلاً ۲۵ کہ ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہے - اسطرحپر مرکب مفید کی چار قسمیں ہیں مرکب اضافی - مرکب توصیفی - مرکب امتزاجی اور غیر امتزاجی - مرکب اضافی مضاف اور مضاف الیہ سے ملکر بنتا ہے اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت دینیکو اضافت کہتے ہیں اور جسکی طرف نسبت کی جاوے اسکو مضاف الیہ کہتے ہیں اور مضاف وہ ہے جو نسبت کیا جاوے اردو میں مضاف الیہ اکثر مضاف کے پہلے آیا ہے اور کا و کی و کے اور را و ری و رے اور نا و نی و نے علامتیں اضافت کی ہمیشہ مضاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جیسے زید کا گھوڑا - میرا بکرا اوسکی گھوڑی اپنی بھینس وغیرہ اس ترکیب میں زید مضاف الیہ ہے اور کا علامت اضافت ہے اسیطرحپر را اور نی وغیرہ بھی علامت اضافت کی ہے - اور گھوڑا گھوڑی بکرا اور بھینس مضاف ہیں اور مضاف اور مضاف الیہ ملکر ایک جز و جملے کا یعنی معمول

واقع ہوا علامتیں اضافت کی تذکیر و تانیث و وحدت اور جمعیت ہمیشہ مضاف کے موافق ہوتی ہیں - مرکب توصیفی وہ ہی جو صفت اور موصوف سے ملکر بنے - صفت وہ لفظ ہی جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یا کسی قسم کی خاصیت پائی جائے اور موصوف وہ ہی جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت بیان کی جاوے اردو میں صفت موصوف کے پہلے آتی ہی - جیسے وہ دبلا لڑکا ہی - دبلا صفت اور لڑکا موصوف ہی

جن صفتوںکے آخر الف ہو اور اون میں علامت فاعل مفعول اور اضافت اور ظرفیت کے آنیکی وجہ سے تبدیل ہوتی ہو تو اون صفات کی تذکیر و تانیث وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہوتی جاتی جیسے اچھا گھوڑا بدصورت لڑکی - اور کچھ صفات عددیہ ہیں جیسے پہلا دوسرا - ساتواں مثلاً پہلی لڑکی - ساتویں عورت وغیرہ - مرکب امتزاجی وہ ہی جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہوجاوے جیسے سکندرنامہ - اسیطرحپر اکبرآباد شاہگنج وغیر مرکب امتزاجی ہیں مرکب غیر امتزاجی دو حروف سے ملکر بنتا ہی اور جزو دوم میں کوئی حرف عطف مفید ہوتا ہی جیسے ۲۱ مفید ہوا ہی ایک اور دس سے - مرکب غیر امتزاجی کو مرکب تعدادی بھی کہتے ہیں - ایک سے ۹ تک مفردات یا اکائیاں کہلاتی ہیں اور دس بیس وغیرہ کو دہائیاں کہتے ہیں اور سیکڑے او ہزار وغیرہ داخل مفردات ہیں - عدد گنتی کو کہتے ہیں - اور جو چیز گنی جاتی ہی اوسکو معدود کہتے ہیں - مثلاً دس روپیہ اس ترکیب میں دس عدد مرکب اور روپیہ معدود ہیں ؂

تقسیم جملہ - جملہ کی دو قسمیں ہیں - جملہ خبریہ اور جملہ انشائیہ - جملہ خبریہ وہ ہی کہ جس سے کسیکی خبر معلوم ہوتی ہی اور اوسمیں راست و دروغ کا اعتماد رہتا ہی - اوسکی دوقسمیں ہیں - جملہ اسمیہ اور جملہ فعلیہ - جملہ اسمیہ وہ ہی جو ایسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اوسکے سامع کو کچھہ خبر معلوم ہوجاوے - اون میں سے ایک کو مبتدا کہتے ہیں اور دوسرے کو خبر - مبتدا وہ اسم ہی جسکے ماجرے کی خبر دی جاے اور جس ماجرے کا بیان ہو اوسے خبر کہتے ہیں جیسے زید امیر ہی - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا زید کے امیر ہونے کی خبر دیتا ہی بس زید مبتدا ہی اور امیر خبر ہی اور ہی ربط وحدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ مبتدا کے ہوتا ہی - جملہ فعلیہ وہ ہی جو اسم اور فعل سے مرکب ہو - فعل لازمی بھی جملہ فعلیہ اور فاعل سے بنتا ہی اور فعل متعدی میں فعل فاعل اور مفعول بہ کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ بنتا ہی -

باب دوم علم نحو میں

نحو (Syntax वाक्य विचार) وہ علم ہی کہ جس سے مفردونکو ملاکر کلام بنانا آجاوے اور معلوم ہوجاوے کہ وہ آپس میں کیا علاقہ رکھتے ہیں - مرکب (मिश्र) (Compound) وہ ہی جو دو جملوں یا زیادہ سے ملکر بنے اور ٹکڑے کرنے سے اوسکا ہر ایک جز اپنی معنی معروف بتلاوے اوسکی دو قسمیں ہیں - مرکب مفید اور مرکب غیر مفید - مرکب مفید (Complete पूर्णवाक्य) *Murakkib mufid* मुरक्किब मुफ़ीद Sentence وہ ہی کہ اوسکا کہنے والا کوئی بات کہہ چکے اور سامع (سننے والا) کو دوسری بات کے سننے کا انتظار نہ رہے مرکب غیر مفید ہی کو جملہ اور کلام کہتے ہیں - مثلاً ترشئی اسپس چڑھاکر دوڑاتو بیٹھا - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا ترشئی کی خبر دیتا ہی کہ وہ بیان کرنے کو دوں آمادہ ہوا مرکب غیر مفید *Murakkib* मुरक्किब गैर मुफ़ीद *ghair mufid* (Incomplete sentence अपूर्ण वाक्य) وہ ہی کہ سامع کو کوئی خبر معلوم نہ ہو اور کسی دیگر خبر یا مطلب کے سننے کا خواستگار رہے نہ جملہ پورا نہیں ہوتا مگر اس جملہ کا جز ہوتا ہی - اسکی دو قسمیں ہیں تقیدی اور غیر تقیدی مرکب تقیدی کے معنی ہیں کہ جز و اول جز و دوم پر قید نہو خواہ وہ قید اضافی ہو یا قید توصیفی ہو مثلاً زید کا گھوڑا - اچھا لڑکا - اور مرکب غیر تقیدی وہ ہی کہ جز اول جز و دوم کے واسطے قید نہووے - اوسکی دو قسمیں ہیں مرکب امتزاجی - اور غیر امتزاجی مرکب امتزاجی وہ ہی کہ دونوں جزو ملکر ایک نام ہوجاوے اور مرکب غیرامتزاجی وہ ہی کہ جزو دوم میں کوئی حرف عطف مقدر ہو مثلاً ۲۵ کہ ۵ اور ۲۰ مرکب ہوا ہی - اسیطرح مرکب مفید کی چار قسمیں ہیں مرکب اضافی - مرکب توصیفی - مرکب امتزاجی اور غیر امتزاجی - مرکب اضافی مضاف اور مضاف الیہ سے ملکر بنتا ہی اور ایک اسم کو دوسرے اسم کی طرف نسبت کرنیکو اضافت کہتے ہیں اور جسکی طرف نسبت کی جاوے اسکو مضاف الیہ کہتے ہیں اور مضاف وہ ہی جو نسبت کیا جاوے اوردو میں مضاف الیہ اکثر مضاف کے پہلے آتا ہی اور کا و کی و کے اور را و ری و رے اور نا و نی و نے علامتیں اضافت کی ہمیشہ مضاف الیہ کے آخر ہوتی ہیں جیسے زید کا گھوڑا - میرا بکرا اوسکی گھوڑی اپنی بھینس وغیرہ اس ترکیب میں زید مضاف الیہ ہی اور کا علامت اضافت ہی اسیطرح را اور نی وغیرہ بھی علامت اضافت کی ہی - اور گھوڑا گھوڑی بکرا اور بھینس مضاف ہیں اور مضاف اور مضاف الیہ ملکر ایک جز و جملے کا یعنی مفعول

واقع ہوا علامتیں اضافت کی تذکیر و تانیث و وحدت اور جمعیت ہمیشہ مضاف کے موافق ہوتی ہیں - مرکب توصیفی وہ ہی جو صفت اور موصوف سے ملکر بنے - صفت وہ لفظ ہی جس سے کسی کی برائی یا بھلائی یا کسی قسم کی خاصیت پائی جائے اور موصوف وہ ہی جسکی کہ بھلائی برائی یا اور کوئی خاصیت بیان کی جاوے اردو میں صفت موصوف کے پہلے آتی ہی - جیسے وہ نیک لڑکا ہی - نیک صفت اور لڑکا موصوف ہی

جن صفتوںکے آخر الف ہو اور ان میں علامت فاعل مفعول اور اضافت اور ظرفیت کے آنیکی وجہ سے تبدیل ہوتی ہو تو ان صفات کی تذکیر و تانیث وحدت جمعیت کے موافق موصوف کے ہونی چاہئیں جیسے اچھا گھوڑا بدصورت لڑکی - اور کچھہ صفات عددیہ ہیں جیسے پہلا - دوسرا - ساتواں مثلاً پہلی لڑکی - ساتویں عورت وغیرہ - مرکب امتزاجی وہ ہی جو دو لفظوں سے ملکر ایک نام ہوجاوے جیسے سکندرنامہ - اسطرحپر اکبرآباد شاہگنج وغیر مرکب امتزاجی ہیں مرکب غیر امتزاجی دو جزوں سے ملکر بنتا ہی اور جزو دوم میں کوئی حرف عطف مقید ہوتا ہی جیسے ۲۱ مقید ہوا ہی ایک اور بیس سے - مرکب غیر امتزاجی کو مرکب تعدادی بھی کہتے ہیں - ایک سے ۹ تک مفردات یا اکائیاں کہلاتی ہیں اور دس بیس وغیرہ کو دہائیاں کہتے ہیں اور سیکڑے اور ہزار وغیرہ داخل مفردات ہیں - عدد گنتی کو کہتے ہیں - اور جو چیز گنی جاتی ہی اوسکو معدود کہتے ہیں - مثلاً دس روپیہ اس ترکیب میں دس عدد مرکب اور روپیہ معدود ہیں '

تقسیم جملہ - جملہ کی دو قسمیں ہیں - جملہ خبریہ اور جملہ انشائیہ - جملہ خبریہ وہ ہی کہ جس سے کسیکی خبر معلوم ہوتی ہی اور اوسمیں راست و دروغ کا احتمال رہتا ہی - اوسکی دو قسمیں ہیں - جملہ اسمیہ اور جملہ فعلیہ - جملہ اسمیہ وہ ہی جو ایسے دو اسموں سے مرکب ہووے کہ اوسکے سامع کو کچھہ خبر معلوم ہوجاوے - ان میں سے ایک کو مبتدا کہتے ہیں اور دوسرے کو خبر - مبتدا وہ اسم ہی جسکے بابت کچھ خبر دی جاوے اور جس بابت کا بیان ہو اوسے خبر کہتے ہیں جیسے زید امیر ہی - جس سے معلوم ہوا کہ کہنے والا زید کے امیر ہونے کی خبر دیتا ہی پس زید مبتدا ہی اور امیر خبر ہی اور ہی ربط وحدت اور جمعیت میں لفظ ربط ہمیشہ مبتدا کے ہوتا ہی - جملہ فعلیہ وہ ہی جو اسم اور فعل سے مرکب ہو - فعل لازمی بھی جملہ فعلیہ اور فاعل سے بنتا ہی اور فعل متعدی میں فعل فاعل اور مفعول بہ کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ بنتا ہی -

فاعل وہ شی جسکی طرف فعل کو نسبت کریں کہ یہ فعل اوسکی ذات سے قائم ہوا ہی یا اوس سے صادر ہوکر دوسرے پر واقع ہو مثلاً زید آیا - زید فاعل ہی کیونکہ آنے کا کام اوسکی ذات سے قائم ہوا ہی اور آیا فعل لازمی ہی لہذا فعل فاعل کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوا

- مفعول وہ شی ہی جسپر فاعل کا فعل واقع ہوئے اور کو اور کے اور تئیں اور یاسے مفعول علامتیں مفعول کی ہیں جیسا زید نے بکری ماری - ترکیب ماری متعدی اور زید فاعل کیونکہ مارنے کا فعل اوسکی ذات سے نکلکر بکری پر واقع ہوئی اور لفظ نے علامت فاعل اور بکری مفعول ہی کیونکہ مارنے کا کام زید کا اوسپر واقع ہوا اور کو علامت مفعول کا فعل اپنی فاعل اور مفعول کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوا -

پوشیدہ نہ رہی کہ فعل متعدی معروف کی ماضی مطلق اور ماضی قریب اور ماضی بعید اور ماضی شکی کے فاعل کے آخر لفظ نے علامت فاعل ہوا کرتا ہی خواہ فاعل اسم ظاہر ہو یا ضمیر مثلاً زید نے کتاب پڑھی - اوسنے خط روانہ کیا - عبداللہ نے مجھکو ایک خط لکھا ہی اور میں نے اوسکے واسطے ایک قلمدان روانہ کیا تھا - یہ خط اوسنے لکھا ہوگا - جب متعدی لازمی اور فعل لازمی اوس میں مرکب ہوئے ہیں تب باعتبار فعل آخر کے فاعل کی علامت ہوتی ہی - جیسے گوپال نے کریم کو ... جاکر مارا -

فائدہ فعلونکی تذکیر و تانیث اور وحدت و جمعیت

جن فعلوں کے فاعل کے ساتھہ لفظ نے علامت فاعل نہ آوے اور مفعول نہ کی علامت خواہ آوے یا نہ آوے تو وے فعل خواہ لازمی ہوں یا متعدی ہر حالت میں تذکیر و تانیث اور وحدت جمعیت میں فاعل کے موافق بولے جاوینگے جیسے لڑکی آئی - لڑکا آیا - لڑکیاں آئیں - لڑکے آئے - ظہورن نان کہا رہی ہی - عبداللہ کھانا کھاتا ہی - لڑکے پڑھتے ہیں - لڑکیاں پڑھتی ہیں جن فعلونکے ساتھہ لفظ نے علامت فاعل ہو مگر علامت مفعول نہ ہو تو فعل مفعول نہ کے موافق بولے جاوینگے خواہ وہ فاعل مذکر ہو یا مونث واحد ہو یا جمع مثلاً زید نے کتاب پڑھی بلونے دودھ پیا - عورتوں نے شربت انار کے پیالے پئیے

جب فاعل اور مفعول نہ کے ساتھہ دونونکی علامتیں ہوں تو ہر حالت میں واحد مذکر بولا جاویگا مثلاً زید نے تجلی کو لکھا بلو نے بدودہ کے پیالونکو پیا - جملہ فعلیہ میں فاعل اور مفعول کے آخر فعل کا استعمال زیادہ ترفصیح ہوتا ہی مثلاً تلو کو زید نے مارا فعل متعدی کی بہ لحاظ مفعول دو قسمیں ہیں - متعدی بیک مفعول و متعدی

ﻳﻠﻤﻪ ﻣﻌﻌﻮﻝ ﻭﮦ ﻫﻰ ﺣﺴﻤﺲ ﺍﻳﮏ ﻣﻌﻌﻮﻝ ﻛﻲ ﺿﺮﻭﺭﺕ ﻫﻮ ﺍﻭﺭ ﻣﺘﻌﺪﻯ ﺑﻤﻮ ﻣﻌﻌﻮﻝ ﻭﮦ ﻫﻰ ﺣﺴﻤﺲ ﺩﻭ ﻣﻌﻌﻮﻝ ﻛﻲ ﺿﺮﻭﺭﺕ ﻫﻮ ﻣﺜﻼ ﺭﺍﻡ ﻧﮯ ﮔﻮﭘﺎﻝ ﻛﻮ ﻣﺎﺭﺍ ﺭﺍﻡ ﻧﮯ ﮔﻮﭘﺎﻝ ﻛﻮ ﻟﻜﺮﻯ ﺳﮯ ﭘﻴﭩﺎ —

بیان جملہ انشائیہ کا

جملہ انشائیۃ وہ ھی حسکے سننے سے سامع کو معلوم ھو کہ کہنے والا خواھش رکھتا ھی اور اوسکی بات میں احتمال راست و دروغ کا نہیں ھوتا - اوسکی نو قسمیں ھیں - امر amar अमर (Imperative sentence आज्ञा सूचक पद) نهي नेही
प्रश्न बोधक पद Istafham इस्तफहाम استفہام (Negative अस्वीकरण पद) nehi
Sentence अभिप्राय सूचक पद tamanna तमन्ना تمنا Interrogative sentence
sentence denoting oath सौगंध बोधक qasam कसम قسم showing Intention
सम्बोधक पद nida निदा ندا Interjection विस्मयबोधक पद t'ajjub तअज्जुब تعجب
عقود sentence showing entreaty विनय सूचक पद arz अर्ज़ عرض Vocative
sentence showing agreement प्रतीज्ञा बोधक पद aqud अकूद

جیسے جا - مت جا کہاں جاتا ھی کاش آج زید آجاتا - خدا کی قسم میں کل جاونگا - تو میرے کہنے سے کل کیوں نہ گیا خوج رہا ھی - نہ پھول بہارے خوبصورت ھی - دوان عقود ھی - جیسے نے تیرے ھاتھ گھوڑا بیچا -

اقسام مععول

پوشیدہ نہ رھی کہ مععول کی چار قسمیں ھیں - مععول بہ maf'ul bah मफ़ऊल बह (direct and indirect object प्रधान और गौण कर्म) مععول مطلق co-nate object धातुसाधित कर्म maf'ul mutlaq मफऊल मुतलक adverbial काल या स्थान बोधक क्रिया विशेषक कर्म maf'ul fiyh मफऊल फियो कारण सूचक maf'ul lah मफऊल लह مععول فيہ objecting time or place adverbial object denoting cause क्रिया विशेषक कर्म مععول لہ

مععول مطلق وہ حاصل مصدر ھی جو قبل فعل کے حالت مععولیت میں واقع ھو اور وہ مععول اور اوسکا فعل دونوں ایک سے مشتق ھوں یا معنی ملیں دونوں ایک ھو - مثلا زید کیا خوب چال چلا - اس ترکیب میں زید فعل اور کیا لفظ استفہام بمعنی تعجب اور خوب صفت اور چال موصوف - صفت موصوف ملکر مععول

مطلق واقع ہوا اور چلا فعل لازمی ماضی، مطلق پس فعل اپنی فاعل اور مفعول مطلق کے ساتھہ ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوا - مفعول بہ کا ذکر پہلے آچکا ہی -

مفعول فیہ وہ ہی جو کسی جگہہ یا وقت میں واقع ہو اور اسیکو ظرف بہی کہتے ہیں ظرف کی دو قسمیں ہیں - ظرف زمان و ظرف مکان - اکثر مفعول کے آخر لفظ میں علامت ظرفیت پوشیدہ رہتی ہی اور کبھی ظاہر مثلاً آج زید مدرسہ گیا اس ترکیب میں آج ظرف زمان اور مدرسہ ظرف مکان اور لفظ میں علامت ظرفیت پوشیدہ ہی یعنی مدرسہ میں اور زید فاعل اور گیا ہی فعل لازمی فعل اپنی فاعل اور ظرف زمان اور ظرف مکان سے ملکر جملہ فعلیہ خبر یہ ہوا -

مفعول لہ وہ ہی جسکے سبب فعل کیا جاوے خواہ وہ موجود یا اوسکے حاصل کرنے کی ضرورت ہو مثلاً گوپال نامردی سے نہ لڑا - یعنی سبب نامردی کے جو اوسکی ذات میں موجود تہی نہ لڑا - بدوں بمعنی دو زبر اور لفظ کو اور لئے سبب یا اور الفاظ دیگر جو ان معنی میں ہوں علامتیں مفعول لہ کی ہیں -

حال কৃদন্ত Participle কাল *hdl* وہ اسم ہی جو حالت فاعل اور مفعول کی بیان کرے اور جسکی حالت بیان کرے اوسکو ذوالحال کہتے ہیں حال اور ذوالحال ملکر جملے کا ایک جز ہوتا ہی مثلاً زید ہنستا آتا تہا - گوپال نے موہن کو ہنستے دیکھا -

تمیز وہ ہی جو شک وشبہہ کسی چیز کا دور کرے اور ممیز وہ ہی جسکا شک وشبہ دور ہوجاوے

تابع اوسکو کہتے ہیں جو پیچھے ایک کلمہ کے آوے یعنی جو اسم اول کسی فعل و فاعل کے واقع ہو اوسی طرح اسم دوم بہی اوسکا فاعل ہو - اور جو اسم اول مفعول واقع ہوا ہو تو اسم دوم بہی اوسکا مفعول ہو جس کلمے کے پیچھے تابع واقع ہوتا ہی اوسکو متبوع کہتے ہیں اور متبوع دوم بہی اوسکا مفعول ہو جس کلمے کے پیچھے تابع واقع ہوتا ہی متبوع ملکر ایک جز جملے کا ہوتا ہی -- اوسکی چار قسمیں ہوتی ہیں عطف حرف و تاکید و تابع مہمل بدل اور عطف بیان وہ تابع ہی کہ نسبت میں مقصود ہو - پس اگر مبدل منہ اور بدل ایک ہی ذات پر دلالت کریں تو اوسکو بدل الکل کہتے ہیں اور جس کلمے سے بدل واقع ہوتا ہی اوسکو مبدل منہ کہتے ہیں - جیسے میرے یہاں تمہارا بہائی سکندرخان آیا تہا یعنی جس ذات پر سکندرخان دلالت کرتا ہی اوسی ذات پر تمہارا بہائی بہی دلالت کرتا ہی پس تمہارا بہائی مبدل منہ ہی اور سکندرخان بدل ہی - اگر مبدل منہ اور بدل دونوں جدا جدا مفہوم ہوویں تو اوسکو

بدل غلط کہتے ہیں گویا پہلے بھولے سے کچھ اور کلمہ نکل جاوے اور پھر درست کرکے اور کچھ بولا جاوے جیسے میں گھر کو مدرسہ کو جاؤنگا جو کہ اکثر بولنے میں واقع ہوتا ہی -

تاکید وہ تابع ہی جوکہ اپنی متبوع کو کسی قسم کا استحکام پہنچاتا جاوے مثلاً میں کل لندن جاؤنگا بنارس جاؤنگا اس میں کسی قسم کا استحکام نہیں پایا جاتا - مگر میں کل لندن ضرور ضرور جاونگا - اس میں ضرور ضرور استحکام کا فائدہ دیتا ہی اسی طرحپر کہا زید نے ہمکو مارا ہاں مارا اس کے جواب میں تاکید نہیں ہی مگر ہاں ہاں مارا اس میں ہاں ہاں تاکید ہی -

تابع مہمل وہ ہی جو کسی لفظ کے بعد زینت کلام کسی لفظ دیگر کے واسطے استعمال کیا جاتا ہی مثلاً - جلدی سے روٹی اوٹی کھاکر باغ کی سیر کرو - اس میں روٹی تو ایک خوردنی‌شے کا نام ہی مگر اوٹی فقط زینت کلام کیواسطے لایا گیا ہی -

جس چیز کے دو نام ہوں اور اون دونوں میں سے جو زیادہ تر مشہور نام ہو اوس نام کو عطف بیان کہتے ہیں مثلاً - ابوظفر بہادرشاہ - بہادر شاہ عطف بیان ہی ابوظفر کا -

معطوف اوس تابع کو کہتے ہیں جو ایک تابع کے پیچھے دوسرا کلمہ بذریعہ حرف عطف کے معطوف ہو مثلاً رام اور گوپال نے کھانا کھایا اور گوبند نے سوہن کو جوتا پیٹا -

اوس کا بیان پہلے ہی مذکور ہوچکا ہی جس طرحپر ایک مفرد دوسرے مفرد پر معطوف ہوتا ہی اوسی طور پر جملہ بھی دوسرے جملہ پر معطوف ہوتا ہی اور کلمہ یا جملہ اول کو معطوف‌الیہ کہتے ہیں - جو کلمہ یا جملہ اوس پر عطف ہو اوسکو معطوف کہتے ہیں - چنانچہ مثال اول میں رام معطوف‌الیہ ہی اور گوبند معطوف -

خاتمہ بالخیر

DECLENSION OF PRONOUNS

Hindi Bengali Guz Mar pronouns	Hindi		Bengali		Marhatti		Guzrati		Urdu			English		
पुरुषवाचक सर्वनाम	एकवचन	बहुवचन	একবচন	বহুবচন	एकवचन	बहुवचन	એકવચન	બહુવચન	شخصی ضمائر	واحد	جمع	per sonal	Singular	plural
उत्तम पुरुष कर्ता	मैं, मैंने	हम, हमने	আমি	আমরা	मी	आम्ही	હું	હમે, આપણ	متکلم فاعل	میں	ہم	first person Nom	I	we
सम्बन्ध	मेरा री रे	हमारा री रे	আমার	আমা দিগের	माझा	आमचा	મારી	હમારો, આપણો	اضافي	میرا	ہمارا	pos	my mine	our, ours
कर्म	मुझको, मुझे	हमको, हमें	আমাকে	আমা দিগকে	मला	आम्हाला	મુને, હુને	હમને, આપણને	مفعول	مجھے	ہمیں	Obj	me	us
मध्यम पुरुष कर्ता	तू, तूने	तुम, आप तुमने, आपने	তুই	তোমরা আপনারা	तू	तुम्ही	તુ	તમે આપ	حاضر فاعل	تو	تم آپ	2nd pers Nom	Thou	you
सम्बन्ध	तेरा-री रे	तुमारा री-रे आपका, आपकी, के	তোমার	তোমা দিগের আপনা দিগের	तुझा	तुमचा	તારો, તુજ	તમારો, આપને	اضافي	تیرا	تمہارا آپکا	pos	thy, thine	your, yours
कर्म	तुझे, तुझको	तुम्हें, तुमको	তোকে	তোমা দিগকে আপনা দিগকে	तुला	तुम्हाला	તુને, તુજને	તમને, આપને	مفعول	تجھکو	تمکو آپکو	Obj	Thee	you

„	„		„		„		„		„			„		
	„	„	,	„	,	„	„	„	„	„	„	„	„	
प्रथम पुरुष कर्त्ता	वह उसने	वे, उनने उन्होंने	সে,তিনি, তা	তারা তাঁহারা	तो,ती,ते	ते,त्या,ती	તે	તેઓ	واسم اشارہ غائب فاعل	وہ اوسنے	وے انہوں نے	3rd pers Nom	he that she it	They those
सम्बन्ध	उसका	उनका उन्होंका	তার	তাহাদের	त्याची	त्याचा	તેનો	તેઓનો	اضافی	اوسکا	انکا	Pos	her hers its	Their
कर्म	उसको,उसे	उनको, उन्हें	তাকে	তাঁহাদিগকে	त्यांना	त्याना	તેને	તેમને	مفعول	اوسکو	اونکو	Obj	him her it	Them
कर्त्ता	यह,इसने	ये, इन्होंने	ইহা, ইনি	ইহারা	हा, ही, हे	हे	આ	આ	فاعل	یہ اسنے	یے انہوں نے	demo Nom	This	These
सम्बन्ध	इसका,कीके	इनका,की	ইহার	ইহাদের	याचाच्य	ह्याचा	આનો	આમનો	اضافی	اسکا	انکا	Pos	of this	of these
कर्म	इसको,इसे	इनको,इन्हें	ইহাকে	ইহাদিগকে	ह्याला इला याना	याना	આ	આ	مفعول	اسکو	انکو	Obj	to this	to these
सम्बन्धवाचक सर्वनाम कर्त्ता	जो ,जिसने	जिन्हें जिन्होंने	যে, যিনি	যাহারা	जो	जे	જે	જેઓ	موصول اسم فاعل	جو جسنے	جو جنہوں نے	Rel Nom	who which	which
सम्बन्ध	जिसका,की जिसके	जिनका जिनोंका जिनोंकी के	যাহার	যাহাদের	त्याच्या	त्याचा	જેનો	જેમનો	اضافی	جسکا	جنکا	Pos	whose	whose

DECLENSION OF PRONOUNS

Hindi beng mar & Guzrati pronouns सङ्केतसूचक सर्वनाम	Hindi		Bengali		Marhatti		Guzrati		Urdu			English		
	एकवचन	बहुवचन	একবচন	বহুবচন	एकवचन	बहुवचन	એકવચન	બહુવચન	صيغه ضماير	واحد	جمع	personal	Singular	Plural
कर्म	जिसको	जिनको जिन्होंको	যাহাকে	যাহা-দিগকে	ज्याला	ज्यानाला	જે	જેઓ	مفعول	جسكو	جنكو	Ob,	whom	whom
कर्ता	जो (जौन) जिसने	जो (जौन) जिन्होंने	সে তিনি	তারা, তাহারা	तो	ते	તે	તેઓ	اسم موصول فاعل	جسنے	جنہوں نے	Nom	who which	who which
सम्बन्ध	जिसका, की के	जिनका जिनकी, के	তাদের	তাহাদের	त्याचा	त्यांचा	તેનો	તેઓનો	اضافي	جسكا	جنكا	Pos	whose	whose
कर्म	जिसको, जिसे	जिनको जिन्हें	তাকে	তাহাদিগকে	त्यास	त्यांना	તેને	તેમને	مفعول	جسكو	جنكو	Obj	whom	whom
(प्रश्नवाचक सर्वनाम) कर्ता	कौन, क्या, किसने	कौन, क्या किन्होंने	কি, কে	কি কি কে কে	कोण, काय	कोण, काय	કોણ શું		استفهام فاعل	کون کسنے	کون کنہے	Inter Nom	which who what	who which what
सम्बन्ध	किसका, काहेका, की, के	किनका, कि, के	কাহার	কাহাদি-গের	कोणाचा	कोणाचा	કોનો, શેનો		اضافی	کسکا	کنکا	Pos	whose	whose
कर्म	किसको, काहेको, किसे	किनको, किन्हें	কাকে	কাহাদের	कोणाला	कोणाला	કોને, શું		مفعول	کسکو	کنکو	Obj	whom	whom

अनिश्चय वाचक सर्वनाम) कर्ता	कोई किसीने	सब, सभीने	কোন	সকল	कोणी काहीं	समस्त	કોઈ	સૌ	غیر معین ضمیر فاعل	کوئی کسیکے	تمام	Inter Dem Nom	Any	all
सम्बन्ध	किसीका किसीकी	सभीं का सभीं की	কোনের	সকলের	कोणाचा काहींचा	समस्तचा	કોઈનો	સૌનો	اضافی	کسیکا	تمام کا	Pos	of any	of all
कर्म	किसीको	सभींको	কোনকে	সকলকে	कोणाला काहींला	समस्तला	કોઈને	સર્વને	مفعول	کسیکو	تمامکو	obj	to any	to all
निजवाचक सर्वनाम कर्ता	आप		নিজ		आपण		પડે, પોતે આપે જાતે		فاعل	خود		Refl Nom	self	elre
सम्बन्ध	अपना,-नी-ने		নিজের		आपला		પડનો		اضافی	خودکا		Pos	own	own
कर्म	अपनेको		নিজকে		आपणाला		પડને		مفعول	خودکو		obj	self	selves

रीति वाचक सर्वनाम توصیفی Denoting Manner परिमाण वाचक विशेषण مقداریہ Quantity

ऐसा	এমন	असा	એવું	ایسا	so	उतना	ওতো	तितका	ઓટલો	اتنا	that much
जैसा	যেমন	जसा	જેવું	جیسا	such	इतना	এতো	एवढा	એટલો	اتنا	so much
कैसा	কেমন	कसा	કેવું	کیسا	how	कितना	কতো	केवढा	કેટલો	کتنا	how much
तैसा	তেমন	तसा	તેવું	ویسا	same	जितना	যতো	जेवढा	તેટલો	جتنا	as much
वैसा				ویسا	as	तितना	—	तेवढा		تنا	"

ইকার যোগ।

ই ি

দিন	হিম	মণি	লিপি	নিধি
दिन	हिम	मणि	लिपि	निधि
নারি	রবি	শনি	ধনি	ছবি
नारि	रवि	सनि	फरनाह्'	शोभा
কিরণ	নলিন	নাবিক	পথিক	বিকার
किरण	मलिन	नाविक	पथिक	विकार
নিবিড	শিশির	মিহির	মানিক	শাসন
निविड़ (वना)	शिशिर (ओस)	मिहिर (सूर्य)	माणिक	शासन

ঈকার যোগ।

ঈ ী

গীত	শীত	নীল	অগতী
गीत	शीत	नील	अगती
জীবন	রজনী	পদবী	অশতী
जीवन	रात	पदवी	असती

উকার যোগ।

উ ু

স্থূল	মূল	কটু	মধু	তনু
स्थूल, मोटा	मूल	कटु	मध	शरीर
লঘু	গুরু	ধেনু	ভালু	কুশ
लघु	गुरु	दूध देनेवाली गौ	भालू	कुश

অপটু	মুখর	সুলভ	কুশল
অপটু (মূর্খ)	মুখর (বাচাল)	সুলভ	কুশল
মধুর	অলঘু	কুকুর	শূকর
মধুর	অলঘু	কুকুর	শূকর

ঊকার যোগ।

ঊ ূ

কূপ	ভূত	রূপ	ধূপ
কূপ	ভূত	রূপ	ধূপ
নূতন	ভূষণ	কূজন	কর্পূর
নূতন	ভূষণ	কূজন	কর্পূর

ঋকার যোগ।

ঋ ৃ

তৃণ	গৃহ	ঘৃত	নৃপ
তৃণ	গৃহ	ঘৃত	নৃপ
কৃপণ	অমৃত	পৃথক	দৃষদ
কৃপণ	অমৃত	পৃথক	দৃষদ

একার যোগ।

এ ে

কেশ,	খেদ	ভেক	শেষ
কেশ	খেদ	ভেক	শেষ
কেবল	লেখক	সেবক	সেবক
কেবল	লেখক	সেবক	সেবক

অশেষ	শেখর	চেতন	বেতন
सब (पूरा)	चीवर	चेतन	तनखाह

ঐকার যোগ।

ৈ

তৈল	দৈন	শৈব	হৈম
तैल	दैन	शैव	हैम
তৈজস	শৈশব	অনৈক্য	অবৈধ
तैजस	शैशव	अनैक्य	अवैध

ওকার যোগ।

ও ো

ঘোর	গোল	চোর	ঘোর
घोर	गोल	चोर	घोर
ভোজন	বোতল	চকোর	ঘোটক
भोजन	बोतल	चकोर	घोटक

ঔকার যোগ।

ঔ ৌ

ধৌত	মৌন	লৌহ	তৌল
धौना	मौन	लोहा	तौलना
যৌবন	অগৌর	অগৌণ	পৌরব
यौवन	काला	स्वाधीन	यश

মিশ্র উদাহরণ।

সাধু	বায়ু	সেবা	পীনা
সাধ	বায়ু	যুক্তি	ছত্র
রাশি	হানি	মানি	সোনা
বাসুকী	হানি	সম্মানিত	নাম
নীলা	ধাতু	সুখী	রুচি
নীলা	ধাতু	সুখী	রুচি
বেণু	শিখা	সেতু	জাতি
মসী	ঘোড়া	নীচু	জ্ঞান
শৃগাল	দয়ালু	শিকার	নিরীহ
গীদড়	দয়াবান	শিকার	নিরভিলাষী
কোকিল	কৌতুক	সেনানী	বিলাস
কোয়েল	তামাসা	হুঁশিয়ার	দুঃখ
বিড়াল	বালিশ	বিপরীত	নিবারণ
বিল্লী	মন্ত্রী	বিরুদ্ধ	অনল বহুলা
অনুরোধ	সমুদায়	পরিশোধ	বিভাবরী
বিনয়	সমাস	যুদ্ধ	রাত্রি
কৌতূহল	পরিবার	দানশীল	পারলৌকিক
আনন্দ	কুটুম্ব	দানশীল	পরলোক সম্বন্ধি
পরিবেদনা	অনুমোদন	পরিবেশন	নিরভিমান
পরমাত্মা	মানবলীলা	পালন পোষণ	অভিমান রহিত

অনুস্বার যোগ।

১

বংশ	মাংস	হিংসা	বংশী
কংস	মাংস	সংখ্যা	বাঘরী

সংসার	মীমাংসা	সংশয়	সংবাদ
সমার	ন্যায়	ভসনা	সমাচার

বিসর্গ যোগ।

ঃ

অধঃ	দুঃখ	দুঃখী	পয়ঃ
নীচ	দুখ	দুখী	দুগ্ধ

চন্দ্রবিন্দু যোগ

কাঁচ	ফাঁদ	চাঁদ	হাঁস
যাচ	জাল	চাঁদ	মস্তক
শাঁখারি	সিঁদুর	তেঁতুল	বাঁশরী
সাখারী	সিন্দুর	ইমলী	কষিরা

উদাহরণ

গুড়	রুধির	গরু	এক
গুড়	রক্ত	গৌ	পিড
গুণ	বিগুর্ণ	অগুন	কান
গুণ	নির্গুণ	অগুণ	কসাই

প্রথম পার্ট—১ পাঠ।

ছোটগাছ	নদজল	বড়পাতা	লালফুল
ছোটা পেড়	খারাব পানী	বড়া পত্তা	লালফুল
পথছাড়	হাতধর	কোথা যাও	ফিরব
রস্তা ছোড়ো	হাথ পকড়	কাঁহা জাতে হো	ক্যা করতে হো

কাছে এস	বই পড়	বাড়ী যাও
পাস আও	কিতাব পঢ়ো	ঘর যাও
কি পড় ?	নূতন বাটী	কাল পাথর
ক্যা পঢ়তে হৈ ?	নয়া ঘর	কালা পত্থর
কপাট খোল	কলম দাও	সাদা কাগজ
কিবাড় খোলো	কলম দো	সফেদ কাগজ
আমি যাইব.	কাক ডাকিতেছে	পক্ষি উড়িতেছে
মৈঁ জাউঁগা	কাগ বোলতা হৈ	পঞ্ছি উড়তে হৈঁ
গরু চরিতেছে	হাত নাড়িতেছে	খেলা করিতেছে
গৌ চরতী হৈ	হাথ হিলাও	খেলতা হৈ
সাদা পাথর	ভিতরে এস	কাগজ রাখ
সফেদ পত্থর	অন্দর আও	কাগজ রখো
সে যাইবে	ভোর হইয়াছে	হরি আসিবে
বহ জাএগা	সুবহ হুয়া হৈ	হরি আবেগা

পাতা নড়িতেছে	তাহারা আসিবেন
পত্তা লহরাতা হৈ	বে আবেঁগে
আমরা যাইব	শ্যাম কাপড় পরিতেছে
হম জাবেঁগে	শ্যাম কপড়া পহনতা হৈ
আমার কাপড় পরা হইয়াছে	গোপালের পড়িবার বই নাই
মৈঁ কাপড়ে পহন চুকা হুঁ	গোপালকী পাস পঢ়নেকী কিতাব নহী হৈ
আমি কি করিয়া পড়িব	রাম এখনও শুইয়া আছে।
মৈঁ কিস তরহ পঢ়ূঁগা	রাম অভীতক সো রহা হৈ
সে সারা দিন খেলা করে	সদা সত্য কথা বলিবে
বহ দিন ভর খেলা করতা হৈ।	সদা সচ বাত বোলো
কখনও মিথ্যা কথা বলিও না।	কাহারও সহিত বিবাদ করিও না।
ঝূট কভী মত বোলো	কিসী সে ভী ঝগড়া মত করো
কাহারও ঘরে গিয়া উৎপাত করিও না	সারা দিন খেলা করিওনা।
কিসী কে ঘর জাকর ধূম মত করো	দিনভর মত খেলো

সংযুক্ত বর্ণ-संयुक्त वर्ण

য ফলা।

ঐক্য	বাক্য	আরোগ্য	অসাধ্য
मेल युक्त	वाक्य	चंगा	निरुपाय
রাজ্য	বাহ্য	যোগ্য	জ্যোতিষ
राज्य (राज)	बाहरी	लायक	ज्योतिष
পরিপাট্য	পদচ্যুত	ধনাঢ্য	উপাখ্যান
स्वच्छता	पद रहित	धनवान	कहानी
জাড্য	আঢ্য	অভ্যাস	রম্য
सर्दी	धनवान	अभ्यास	रमणीय
শয্যা	নস্য	শূন্য	ব্যবহার
बिछौना	सुंघनी	बराबर	बर्ताव
বাচ্য	সভ্য	দিব্য	কল্যাণ
वाक्य, शब्द	विचारवाला	सौगन्ध	भाग्यवान
অগম্য	আতিশয্য	শ্যামল	ধান্য
अकथनीय (नहीं जानने योग्य)	अत्यन्त	श्यामवर्ण	धान
দীপ্যমান	অবাধ্য	অন্যায্য	মধ্যম
जीवित	कहा न माननेवाला	अन्याय	लज्जा

সম্রাট	ঋণ	তীব্র	হিংস্র
सम्राट	क़र्ज़ो	तेज़	निर्दय
ব্যাঘ্র	শ্রীমান	ভ্রংশ	স্রোত
चीता	श्रीमान	नष्ट	धार
ত্রাস	ভ্রম।	শ্রান্ত	দ্রব্য
कमहीना	भ्रील।	द्राच	द्रव्य

২য় পাঠ- पाठ दुसरा।

পরের দ্রব্যে হাত দিও না, না বলিয়া পরের দ্রব্যে হাত দিলে চুরি করা হয়।

সুশীলও সুবোধ বালক সর্ব্বদা লেখা পড়া করে, সারাদিন খেলা করিয়া বেড়ায় না, সে কখনও মন্দ কর্ম্ম করে না ও মন্দ কথা মুখে আনে না কদাচ গুরু লোকের কথায় অবাধ্য হয় না তাহাকে যে কর্ম্ম করিতে বলে সে তাহাই করে।

আর রৌদ্র নাই তোমরা কে কে আমার সঙ্গে বেড়াইতে যাইবে আইস, চল যমুনাতীরে কিছুক্ষণ বেড়াইয়া বেড়াই, আজ পূর্ণিমা তিথি ঐ দেখ অশ্বত্থ গাছের ভিতর দিয়া পূর্ণ চন্দ্রের উদয় হইতেছে এখনও কত বড় দেখা যাইতেছে আর একটু উপরে উঠিলে, এত বড় দেখাইবে না।

पराए धनपर हात मत डालो। बिगर कहे पराए धन पर हात डालने से चोरी कहलाती है।

सीधे और समझदार लडके सदा लिखते पढते हैं, दिन भर खेलने के लिये बाहर नहीं निकलते, वह कभी खराब काम नही करते और न खराब बात मु हमें निका लते है। अपने बडों की बात का वह कभी नही टालते उसको जो काम करने के लिये कहा जाता है वह वही करते है।

धूप नहीं है, कौन कौन मेरे साथ बाहर चलोगे सो आओ चलो कुछ देर जमुना किनारे घुम आवें आज दिन पूर्णिमा है वह देखो बड वृक्ष के अन्दर पूर्ण चन्द्र का उदय होता है अभी कितना बडा दिखाई देता है और थोडा उंचा उठने इतना बडा नहीं दिखाई देगा।

৩য় পাঠ-পাঠ তীসরা।

আর রাত নাই প্রত্যুষে উঠিয়া মুখ ধুইয়া কাপড় পর এবং পড়িতে বস ভাল করিয়া না পড়িলে পড়া হইবে না, পড়া না বলিতে পারিলে, শিক্ষক মহাশয় রাগ করিবেন।

শ্যাম বড় সুবোধ। তাহার বাপ মা যখন, যাহা বলে সে তাহাই করে যাহা দেয় তাহাই খায়। যাহা পায় তাহাই পরে, ভাল খাব, ভাল পরিব, বলিয়া কখনও দৌরাত্ম করে না, সে তাহার নিজের ছোট ভাই ভগিনীদিগকে বড়ই ভাল বাসে কখন তাহাদের সহিত বিবাদ করে না, সকলের আগ্রে পড়িতে যায়, এজন্য তাহার পীতা মাতা তাহাকে অতিশয় ভালবাসেন। শ্যাম যখন পড়িতে যায় পথে খেলা করে না সকলের অগ্রে পাঠশালায় গিয়া আপনার জায়গায় বসে, বসিয়া বই খুলিয়া পড়িতে থাকে। গুরু মহাশয় যখন নূতন পড়া দেন মন দিয়া শুনে।

খেলিবার ছুটী হইলে যখন সকল বালক খেলিতে থাকে শ্যামও খেলা করে।

रात नहीं है मुंह धोकर कपड़े पहनना और पढ़ने बैठना अच्छी तरह पर न पढ़ने से पढ़ना नही आता पाठकी कठ न करने से गुरूजी गुस्से हो जाएंगे।

श्याम बड़ा समझदार है। उसके मा बाप जो कहते है वा वही करता है जो देते हैं वही खाता है। जो पाता है वही पहनता है अच्छे २ खाने अच्छे २ पहनने के लिये कभी बदमासी नहीं करता। वह अपने निज (खुद) छोटे भाई बहनों को बहुत ही प्यार करता है। कभी उनके साथ झगड़ा नहीं करता। सबसे पहले पढ़ने जाता है इस लिये उसके मा बाप उसको बहुत सा प्यार करते हैं। श्याम जिस समय पढ़ने जाता है (तो) रस्ते में नहीं खेलता। सब के पहले पाठशालामें जाकर अपनी जगह पर बैठता है। बैठके पुस्तक खोलकर पढ़ने सुरु करता है। गुरूजी जब नया पाठ देते हैं (तो) ध्यान देकर सुनता है।

खेलने की छुट्टी होने पर जब (कि) सब लड़के खेला करते हैं (तब) श्यामभी खेलता है।

ব্যাকরণ।

ব্যাকরণ।

যে পুস্তক পাঠ করিলে বাঙ্গালা ভাষা শুদ্ধ করিয়া লিখিতে ও বলিতে পারা যায় তাহাকে বাঙ্গালা ব্যাকরণ কহে।

বর্ণ নির্ণয়।

১। ই, ঈ, গ ঘ ইত্যাদি এক একটিকে বর্ণ কহে।

বর্ণ দুই ভাগে বিভক্ত। যথা—স্বর ও ব্যঞ্জন, বাঙ্গালা ভাষায় সমুদায় আটচল্লিশটি বর্ণ আছে। তাহার মধ্যে তেরটী স্বর ও পঁয়ত্রিশটি ব্যঞ্জন বর্ণ —

২। বর্ণগুলি লিখিবার রকম রকম আকৃতিকে অক্ষর বলে। যথা, অ, আ, ক, খ, প, ফ, ইত্যাদি।

প্রশ্ন।

১। ব্যাকরণ পড়ে কেন?

২। বাঙ্গালা ভাষায় কতকগুলি অক্ষর আছে?

৩। বর্ণ কয় ভাগে বিভক্ত ও তাহাদের নাম কি?

৪। স্বর ও ব্যঞ্জনের সংখ্যা কত?

৫। স্বরবর্ণের লক্ষণ কি?

৬। দীর্ঘ ও হ্রস্বের বিভিন্নতা কি?

স্বরবর্ণ।

স্বরবর্ণ সকল অন্য বর্ণের সাহায্য ব্যতীত উচ্চারিত হয়।

১। স্বরবর্ণ যথা—অ আ ই ঈ উ ঊ ঋ ৠ ঌ এ ঐ ও ঔ।

২। স্বরবর্ণ দুই প্রকার হ্রস্ব ও দীর্ঘ অ ই উ ঋ ঌ এই পাঁচটী হ্রস্ব। আ ঈ ঊ ৠ এ ঐ ও ঔ এই আটটি দীর্ঘ।

৩। হ্রস্ব উচ্চারণের অপেক্ষা দীর্ঘ উচ্চারণে অধিক সময় লাগে, যথা—ঈ ঊ

৪। ব্যঞ্জনবর্ণে স্বর যোগ করাকে বানান বলে। ব্যঞ্জনবর্ণে অ এবং ঌ ভিন্ন স্বর বর্ণ যোগ করিতে গেলে আর এক প্রকারে করিতে হয়। যথা—

শুদ্ধস্বর আ ই ঈ উ ঊ ঋ ৠ এ ঐ ও ঔ।

যুক্তস্বর া ি ী ু ূ ৃ ৄ ে ৈ ো ৌ।

ব্যঞ্জন বর্ণ।

পূর্ব্বে কিম্বা পরে স্বরবর্ণ না থাকিলে ব্যঞ্জনবর্ণ উচ্চারণ করা যাইতে পারে না বাঙ্গালা বর্ণমালা পড়িবার সময়ই সকল ব্যঞ্জন বর্ণই অকার যুক্ত থাকে। যে ব্যঞ্জনবর্ণে কোন স্বর নাই তাহাকে হসন্ত কহে হসন্ত, অক্ষরের নীচে (্) এই চিহ্ন দেওয়া থাকে।

ব্যঞ্জনবর্ণ যথা—ক খ গ ঘ ঙ। চ ছ জ ঝ ঞ। ট ঠ ড (ড়) ঢ (ঢ়) ণ। ত থ দ ধ ন। প ফ ব ভ ম। য (য়) র ল ব শ ষ স হ। ং ঃ ঁ

ঁ চন্দ্রবিন্দু স্বতন্ত্র বর্ণ নহে, উহা অনুনাসিক বর্ণের চিহ্ন স্বরূপ। ক হইতে ম পর্য্যন্ত পঁচিশটি বর্ণকে স্পর্শ বর্ণ কহে স্পর্শ বর্ণ পাঁচ ভাগে অথবা বর্গে বিভক্ত। প্রথমহইতে পাঁচ পাঁচটী বর্ণে এক একটী বর্গ হইয়া থাকে। আদি বর্ণ ধরিয়া বর্গের নাম হয়। যথা কবর্গ চবর্গ টবর্গ, তবর্গ ও পবর্গ।

য র ল ব এই চারিটির নাম অন্তস্থবর্ণ কহে। শ ষ স হ এই চারিটীর নাম উষ্মবর্ণ এবং ং অযোগ বাহ বর্ণ। উচ্চারণ স্থান ভেদে বর্ণ সকলের বিশেষ বিশেষ নাম হয়।

অ আ হ ইহাদের উচ্চারণ স্থান কণ্ঠ এই নিমিত্ত ইহাদিগকে কণ্ঠ কহে।

ক খ গ ঘ ঙ ইহাদের উচ্চারণ স্থান জিহ্বামূল এই নিমিত্ত ইহাদিগকে জিহ্বামূলীয় কহে।

ই ঈ চ ছ জ ঝ ঞ শ য (য়) ইহাদিগের নাম তালু, এই নিমিত্ত ইহাদিগকে তালব্য

বলে। ঋ ঋৃ ট ঠ ড (ড়) ঢ (ঢ়) ণ ষ ইহাদিগের উচ্চারণস্থান মূর্দ্ধা, এই জন্য ইহাদিগকে মূর্দ্ধান্য বলে।

৯ ত থ দ ধ ন ল স্ ইহাদিগের উচ্চারণ স্থান দন্ত এই জন্য ইহাদিগকে দন্ত কহে।

উ ঊ প ফ ব ভ ম ইহাদিগের উচ্চারণ স্থান ওষ্ঠ এই জন্য ইহাদিগকে ওষ্ঠ কহে।

• নাসিকা হইতে উচ্চারণ হয় এই জন্য ইহাকে অনুনাসিক বর্ণ বলে।

ঙ ঞ ণ ন ম এই পাঁচটি জিহ্বামূল তালু প্রভৃতির ন্যায় নাসিকা হইতেও উচ্চারিত হয় এই কারণে উহাদিগকে অনুনাসিক বর্ণও কহে।

পরস্পর সম্বন্ধ বিশিষ্ট কতকগুলি পদ লইয়া এক একটি বাক্য হয় যথা—রাম পিতৃসত্য পালনের নিমিত্ত রাজপদ পরিত্যাগ করিয়া বনে গমন করিয়াছিলেন পদ সকল পাঁচ ভাগে বিভক্ত যথা—বিশেষ্য, বিশেষণ, সর্ববনাম, অব্যয় ও ক্রিয়া।

বিশেষ্য।

যে শব্দ দ্বারা কোন ব্যক্তি, বস্তু, জাতি, গুণ বা কার্য্যাদির বোধ হয় তাহাকে বিশেষ্য বলে। যথা—হরি, কৃষ্ণ, রাম, সীতা ইত্যাদি ব্যক্তি অর্থ বিশেষ লোক বাচক, যে বলিয়া দেয়, এখানে কৃষ্ণ এই শব্দটী দ্বারা কোন বিশেষ ব্যক্তি কে বুঝাইতেছে এই জন্য কৃষ্ণ এই শব্দটি ব্যক্তি বাচক বিশেষ্য পদ।

কৃষ্ণ শব্দে যে মনুষ্যটিকে বুঝাইল সেটি বিশেষ্য পদ নয়, সেটি কৃষ্ণ এই শব্দের অন্য কৃষ্ণ এই ব্যক্তির নাম পদ। যেই পদ দ্বারা যে মনুষ্যটীকে বুঝাইল, তাহার নাম পদার্থ। পদ ও পদার্থের ভেদ এইরূপ ইহা সর্ব্বদা মনে থাকা উচিত।

বস্তু, যেমন জল, বায়ু, ফল, মূল, ইত্যাদি জল বায়ু প্রভৃতি বর্ণময় শব্দ গুলি বস্তু বাচক বিশেষ্য পদ ইহার দ্বারা যে বস্তু বুঝায় সে গুলি পদার্থ।

লিঙ্গ।

বাঙ্গালা ভাষায় লিঙ্গ দুই প্রকার। পুংলিঙ্গ ও স্ত্রীলিঙ্গ। বাঙ্গালা ভাষায় ক্লীবলিঙ্গ শব্দের সহিত পুংলিঙ্গ শব্দের প্রভেদ সচরাচর দৃষ্ট হয় না।

সুতরাং ক্লীবলিঙ্গ শব্দের উল্লেখের দরকার নাই।

পুলিংঙ্গ ও স্ত্রীলিংঙ্গ শব্দ।

যে শব্দ দ্বারা স্ত্রী জাতির বোধ হয় তাহাকে স্ত্রীলিঙ্গ, তাহা ভিন্ন সমুদায় পুংলিঙ্গ স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ যথা—মানবী, হরিণী, পুংলিঙ্গ যথা—মানব, হরিণ, বৃক্ষ, পর্ব্বত, মানবী ও হরিণী এই এই দুই শব্দ উচ্চারণ করিবামাত্র কি বোধ হইল মানবী শব্দে একটী স্ত্রীলোক হরিণী শব্দে একটী স্ত্রীজাতি বোধ হইল, অতএব এই দুইটী শব্দ স্ত্রীলিঙ্গ।

পুরুষ।

কারকের আশ্রয়কে পুরুষ বলে, যেমন হরি পড়িতেছে রামকে বল এখানে হরি কর্ত্তা-কারক ও রাম কর্ম্মকারক অতএব হরি ও রাম এক একটি কারকের আশ্রয় তজ্জন্য এক একটি পুরুষ বলিয়া গন্য হইয়া থাকে।

পুরুষ তিন প্রকার উত্তম মধ্যম ও প্রথম আমি উত্তম পুরুষ, তুমি মধ্যম পুরুষ, ও তিনি সে, গো, মনুষ্য ইত্যাদি প্রথম পুরুষ।

এই সকল পুরুষের রা, এরা, কে, এয, তে দ্বারা দিয়া, হইতে থেকে র, এর এতে প্রভৃতি যেসকল বর্ণ প্রযোগ হয় ঐ গুলিকে বিভক্তি বা চিহ্ন বহিয়া থাকে বিভক্তি দ্বারা বচন ও কারক বুঝায়।

পদ প্রকরণ অংশ।

শব্দ ধাতুকে প্রকৃতি বহে। শব্দ হরি, মেঘ, ফল, জল, ইত্যাদি। ধাতু যথা—ভূ, গম, স্থা, দৃশ ইত্যাদি।

প্রকৃতির উত্তর বিশেষ বিশেষ অর্থে যাহা যাহা হয় তাহার নাম প্রত্যয় যথা—লোক ইক লৌকিক।

বাক্যের অন্তর্গত এক একটি শব্দকে এক একটি পদ বলে। যথা, নিয়ত, পরের উপকার করা উচিত। এখানে উক্ত বাক্যের মধ্যে যে পাঁচটি শব্দ আছে তাহারা প্রত্যেকেই পদ।

বচন।

যাহার দ্বারা পদার্থের সংখ্যা বোধ হয় তাহাকে বচন বলে বচন দুই প্রকার এক বচন ও বহুবচন।

এক বচনে পদার্থের একত্ব সংখ্যার বোধ হয় যেমন বালক, বালিকা, গব, লতা।

বহুবচনে পদার্থের বহুত্ব সংখ্যার বোধ হয় যেমন বালকেরা বালিকারা। লতা সকল গব গুলি।

મતલબ-સંગ્રહ

ભાગ પાચમાં

ગુજરાતી અક્ષર પ્રકરણ

મૂળાક્ષરના બે ભાગ છે (૧) સ્વર (૨) વ્યંજન સ્વર ૧૦ છે

અ	**આ**	**ઇ**	**ઈ**	**ઉ**	**ઊ**
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
એ	**ઐ**	**ઓ**	**ઔ**	**અં**	**અઃ**
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

આ સ્વરો જ્યારે વ્યંજન સાથે વપરાય છે, ત્યારે નીચે મુજબ રૂપ બને છે ;

અ = ( ) આ = ા (કાનો) ઇ = િ (હ્રસ્વ ઇ) ઈ = ી (દીર્ઘ ઈ) ઉ = ુ (હ્રસ્વ ઉ) ઊ = ૂ (દીર્ઘ ઊ) એ = ે (એકમાત્ર) ઐ = ૈ (બેમાત્ર) ઓ = ો (કાનોમાત્ર), ઔ = ૌ (કાનોબેમાત્ર) અં = ં (અનુસ્વાર) અઃ = ઃ (વિસર્ગ)

વ્યંજનને આરૂપો લગાડતા બારાક્ષરી બને છે

વ્યંજનવિષે.

ગુજરાતી ભાષામા વપરાતા વ્યંજનો ૩૬ છે

ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ	ચ	છ	જ	ઝ	ઞ
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ	ત	થ	દ	ધ	ન
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
પ	ફ	બ	ભ	મ	ય	ર	લ	વ	શ
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श
ષ	સ	હ	ળ	ક્ષ	જ્ઞ				
ष	स	ह	ळ	क्ष	ज्ञ				

વ્યંજન પરીક્ષા

ઘર (घर)	બળદ (बैल)	હળદર (हल्दी)	રમત કર (खेलो)
મગ (मुग)	જમણ (भोजन)	વણકર (बुननेवाला)	જમણ જમ (जीमो)
તલ (तिल)	મગન (नाम)	ભણતર (अभ्यास)	સરસ ખડ (अच्छाघास)
જમ (जीमना)	છગન (नाम)	ચણતર (इमारत)	પડતર ઘર (खालीघर)
ખડ (घास)	શરત ([illegible])	ખસખસ (पोस्त)	[illegible]
વડ (वड)	કમર (कमर)		

વ્યંજનસ્વર=બારાક્ષરી

ક+અ (')=ક
ક+આ (ા)=કા
ક+ઇ (િ)=કિ
ક+ઈ (ી)=કી
ક+ઉ (ુ)=કુ
ક+ઊ (   )=કૂ
ક+એ (ે)=કે
ક+ઐ (ૈ)=કૈ
ક+ઓ (ો)=કો
ક+ઔ (ૌ)=કૌ
ક+અં (   )=કં
ક+અઃ (   )=કઃ

આ પ્રમાણે તમામ વ્યંજનોને સ્વર જોડાય છે. અને સ્વર જોડાતા કૌંસમા (Bracket) આપેલુ ટૂંકુ રૂપ વ્યંજનને લગાડાય છે, આ નિયમ ધ્યાનમા રાખી બધા વ્યંજનોનો આવો કોઠો (table) બનાવવો

મામા	લિપિ	પાદર	અનાજ
કાકા	રિતિ	કાદવ	સદાચાર
તાતા	નીતિ	બાળક	ગરમશાલ
બાગ	બીક	ગરીબ	ગિરધર
દાદા	બીર	વકીલ	શિખામણ

કાગડો કાકા કરે છે
ભેંસ દૂધ દે છે
દૂધ મીઠુ લાગે છે
મારે ઘોડે ચડવુ છે
ઘોડો લાત મારે છે
સૌએ સાચુ બોલવુ

દુકાનમા કાપડ છે
રામજી ભલો માણસ છે
હમેશા નિશાળે જવુ
માબાપ કહે તેમ કરવુ
મહેતાજીની આજ્ઞા માનવી
ભાઈ બેન પર હેત રાખવુ

જોડાક્ષરપ્રકરણ ।

	ક	મ	ય	ર
ક	ક્ક	ક્મ	ક્ય	ક્ર
ચ	ચ્ક	ચ્મ	ચ્ય	ચ્ર
ટ	ટ્ક	ટ્મ	ટ્ય	ટ્ર
ત	ત્ક	ત્મ	ત્ય	ત્ર(ત્ર)
ન	ન્ક	ન્મ	ન્ય	*
પ	પ્ક	પ્મ	પ્ય	પ્ર
ય	ય્ક	ય્મ	ય્ય	*
બ	બ્ક	બ્મ	બ	બ્ર
ર	ર્ક	ર્મ	ર્ય	*
લ	લ્ક	લ્મ	લ્ય	*
વ	વ્ક	વ્મ	વ્ય	વ્ર
શ	શ્ક	શ્મ	શ્ય	શ્ર

સુચના —ઊભી લીટીના અક્ષરો સાથે આ ૪ અક્ષરો જોડાઇ જેરૂપો બને છે તે અહીં બતાવ્યા છે

૧ એક્ષરની પહેલા જે 'ર' જોડવામાં આવે તેનો 'રેફ' 'ˆ' થાય છે, તથા પછાડે જે 'ર' જોડાય છે, તે આવા રૂપમા ' ્ર' જોડાય છે

જેમ ગર્ન=ગર્ન । મર્ગ=મર્ગ નમ્ર નમ્ર વિપર=વિપ્ર ।

ગુજરાતી ભાષામા જોડાક્ષરમા જોડ ારો શબ્દ ઘણે મોટે ભાગે અર્ધો લખાય છે ને તે પછીનો તેને અડાડીને લખે એટને જોડાક્ષર થાય છે ।

( ) ભાષામા વપરાતા રૂપો દર્શાવ્યા છે

પુનરાવર્તન

પરમેશ્વર સદા કૃપાળુ છે	ईश्वर सदा दयालु है
વાકયમા ચિન્હ વાપરના	वाक्यमें चिह्न देना चाहिये
તમારો હાથ સ્થિર નથી	तुमारा हाथ स्थिर नहीं है
વાકયમા ચાર શબ્દ છે	वाक्यमें च्यार शब्द है
નાટ્ય રચના રસિક છે	नाट्यकी रचना रसिक है
શ્રવણ માતા પિતાની આજ્ઞા માનનારહતો	श्रवण माता पिताकी आज्ञा माननेवाला था
સૂર્યનુ બીંબ તેજસ્વી છે	सूर्यकी बीम्ब तेजस्वी है
રોજ પ્રભુ સ્તુતિ કરવાનો સંકલ્પકર્યો	हरदम प्रभुकी स्तुति करनेकासङ्कल्पकिया है

શકુન્તલા કણ્વ ઋષીની પુત્રી થાય	शकुन्तला कण्वमुनिकी पुत्री लगती है
દુષ્યન્ત હિન્દુસ્તાનનો રાજા હતો	दुष्यन्त हिन्दुस्तानका राजाथा
પાંચાલી યુધિષ્ઠિરની પત્નિ હતી	पाञ्चाली युधिष्ठिरकी स्त्री थी
સર્વદા પ્રાત કાળે પ્રભુસ્તવન કરવુ	हरदम सबेरे ईश्वरका भजन करना

પાઠ ૧

મોતીનાલ કરીને એક છોકરો હતો, તેણે એક દિવસ નિશાળમાથી એક પેન છુપાવીને ઘેર આણી, તેની માને આપી માએ ઠપકો ન આપતા પેન રાખી રાખી થોડા દિવસ પછી મોતીનાલે એક છોકરાના ગજવામાંથી છાની રીતે એક પાવલી લઇ ઘરે આની પોતાની માને આપી, આવખતે તેની માએ તેની હુશીઆરીના વખાણ કર્યા અને પાવલી ઘરમાં મુકી, હવે આથી કરીને મોતીનાલ ધીમે ધીમે મોટી ચોરી કરતા શીખ્યો, અને તેમા પકડાવાથી તુરંગ મા ગયો, ત્યા તેને બહુ દુ ખ પડ્યુ

પાઠ ૨

રામજી કરીને એક છોકરો હતો, તે રોજ નિશાળે, ત્યા ભણે વર્ગ મા પહેલો નબર રાખે, આ છોકરો બહુ ગરીબ સ્વભાવનો હેતો બીજા લુચ્ચા છોકરાઓ તેને પજવે તો પણ તે સાંખે કાંઈ કરતો નહિ જેથી બીજા છોકરાઓ એ તેને ધીમે ધીમે પજવવો છોડી દીધો અન્તે તે ર૦ ક્રમના ઓખી નિશાળમાં ગરીબ અને ભલો છોકરો ગણાયો બીજા સાથે રમત ગમત મોહુ વખત ગાળતો નહિ પણ પાઠ કરતો જેથી તેનું નામ પહેલુ હતું અને દરમહિને ઇનામ મળતુ

પાઠ ૩

કૃષ્ણ મહારાજા વસુદેવના પુત્ર હતા અને બલદેવના નાના ભાઈ હતા કૃષ્ણે મથુરાનો ક્રુરરાજા કંસ જે પોતાનો મામો હતો તેને માર્યો, મહાભારતના યુધ્ધમા પાંડવોને મદદ કરી અધર્મી કૌરવોનો નાશ કર્યો દ્વારકામા યાદવોને વસાવી ત્યાં પોતાની રાજ્યધાની કરી લાબીમુદત રાજ્ય ભોગવ્યુ કાઠિયાવાડ ઘણાખરા રાજા —ચુડાસમા, જાડેજા વગેરે એમના વશજ છે

'અ' કારાત નારીજાતી—સાકર, મુછ, ખાડ, જાત, વાત, રાત, સુઠ વગેરે

'અ' કારાત નાન્યતરજાતિ—ઘર, ઇંટ, ગામ, શહેર, મન, માજર, રુપ વગેરે

'આ' કારાત નરજાતિ–રાજા, આત્મા, દેવતા, પિતા વગેરે

'આ' કારાત નારીજાતિ—ઇચ્છા, કાયા, દયા, આશા, કન્યા વગેરે

નોટ——આ સિવાય બીજા ઘણા ભેદ ગુજરાતી વ્યાકરણ જેવાથી જણા શે

વચન

વચન બે છે ૧ એકવચન ૨ બહુવચન

એક વચન—જો વસ્તુકે વિષય એક પણ બતાવે છે તે

બહુવચન—એક થી વધારે જે જણાવે તે

જેમ —	એકવચન	બહુવચન
	લાડવો	લાડવા
	ગાય	ગાયો
	ઘર	ઘરો, ઘરો
	રાણી	રાણીઓ

એકવચનના રુપમા આ, યો, ઉં, ઉં ઉમેરવાથી, અથવા અન્ત્યાક્ષર બદલવાથી કે નામને વિશેષણ કે ક્રિયાપદના રૂપ લગાડવાથી ઘણેભાગે બહુવચન થાય છે જેમ —

એક	અને	
બાઇડી	બાઇડીઓ, બાઇડીઉ	ઓ, યો, ઉ, ઉં ઉમેરવાથી
બેસ	બેસો, બેસુ	
દીકરો	દીકરા	અન્ત્યાક્ષર બદલવાથી
ચણીઓ	ચણીયા	
લાડુ	દશલાડુ	વિશેષણ રૂપથી
માણસ	બહુ માણસ	
બ્રાહ્મણ જમ્યો	બ્રાહ્મણ જમ્યા	ક્રિયાપદ
મજુર આવ્યો	મજુર આવ્યા	

JAIN LIBRARY

સૂચના—કેટલાકનામો બહુવચનમા વપરાતાનથી જેમ —પાણી મધ, તેલ,' આનાનામો પ્રવાહી જથ્થા સુચક છે

કેટલાક નામોનુ એકવચન હોતુ નથી જેમ —મગ, અડદ, ચોખા, ઘેવલા આનામો સમૂહસુચક છે

વિભક્તિ (Case)

ગુજરાતિભાષામા સાત વિભક્તિઓ છે તેના નામ તથા ચિહ્ન —

એક વચનમાં જે પ્રત્યય લાગે છે તે

પહેલી વિભક્તિ	શબ્દનુ મુળરુપ	ટીપ—આપ્રત્યય શબ્દના
બીજી વિભક્તિ	ને	મૂળરૂપ ઉપર લગાડાય છે
ત્રીજી વિભક્તિ	એ	
ચોથી વિભક્તિ	ને, મારે, સારુ, કાજે	
પાચમી વિભક્તિ	થી, થકી	
છઠ્ઠી વિભક્તિ	નો, ની, ની, નુ, ના	
સાતમી વિભક્તિ	મા, એ	

આસાત વિભક્તિઓ પોતાના પ્રત્યય સાથે વાક્યમા વપરાય છે, તે વખતે

શાસ્ત્રમા—ઉપયોગમાં વપરાય છે તેજાણવુ જરૂર નુ છે

પહેલી વિભક્તિ

કર્તા —રાજા બેઠો છે

સંબોધન —ગોરમહારાજ કાલે પધારજો

પરિમાણ —બેલોટા પાણી પીવુ

જગ્યા —હુ અમદાવાદ જાઉં છુ

વખત —એક કલાક બેસો

બીજી વિભક્તિ

કર્મ —મે વાઘને માર્યો તમે ચોપડી વાંચી *

ગામજીને લાકડી વાગી

ત્રીજી વિભક્તિ

કર્તા —રાજાએ ઇનામ વહેંચ્યુ

કરણ—લેખણે લખજો

કારણ —તાપે નનાઈ ગયો

ચોથી વિભક્તિ

સંબંધ —આ લાડુ રામજીને મારે છે

જમનને લીધે હુંગયો

પાચમી વિભક્તિ

કર્તા —વરનથી વચાય છે

* આ 'ચોપડી' શબ્દમા ને પ્રત્યય અધ્યાહાર છે જેને કેટલાક ઘેમાકરણી પ્રથમાગણે છે

કરણ :—અપ્પુથી વાગ્યુ
કારણ —ગરમીથી માથુ દૂખે છે
વિયોગ —હું સુરતથી નીકળ્યો
અન્તર —અમદાવાદથી વડવાણુ ૧૦૦ મેલ છે –
ન્યૂનાધિકતા —ભગુથી શંભુ મોટો છે.

છઠ્ઠી વિભક્તિ

સબધ —રાજાનો મહેલ.
દરિયાનુ માછલુ
બપોરનો આવ્યો હુ
બાપનુ મોસાળ

સાતમી વિભક્તિ

જગા —મોતે કાગળ ચોડ
નદીગા રેલ આવી
વખત —મહિને આવ્યો
ત્રણ વરસમા આવડો મોટો ।

સર્વનામ (Pronoun)

ગુજરાતી ભાષાના સર્વનામો .—

અ—હું, તુ, તે (આપુરૂષ વાચક છે એટલે હું પહેલો પુરૂષ તુ બીજો પુરૂષ, તે ત્રીજા પુરૂષમા વપરાય છે)

આ સિવાય આપ,, પોતે, કોણ એ ત્રણે પુરૂષમા સામાન્ય છે

બ—કેટલાક વિશેષણ વખતે સર્વનામના અર્થમા વાપરી શકાય છે જેમ —આ, એ, પેલો, શું, કયુ , જે, તે, કોઈ વગેરે

વિભક્તિ લાગતા સર્વનામના રૂપો

પહેલો પુરૂષ (હું)		બીજો પુરૂષ (તુ)		ત્રીજો પુરૂષ (તે)	
એ—વ	બ વ	એ—વ	બ—વ	એ—વ	બ—વ
૧ હું	અમે, આપણે	તુ	તમે, આપતમો	તે	તેઓ
૨ મને	અમને, આપણને	તને	તમને, તમોને	તેને	તેઓને, તેમને
૩ મે	અમે, આપણો	તે, તારે	તમે, તમોયે, આપને	તેણે	તેઓને, તેમણે
૪ મને,મારે	અમને,આપણને	તને	તમને તમોને	તેને	તેઓને, તેમને
૫ મુજથી	અમારાથી	તુથી	તમથી તમારા તારાથી	તેથી	તેમનાથી,તેઓનાથી
૬ મારાથી	આપણાથી			તેનોની	તેમનો—ના
૭ મારામા	અમારામા	તમમા	તમારામાં	તેમા	તેઓમાં, તમેનામા

१—પડે, પોતે કોણ	१—શુ
२—પડને, પોતાને, કોણ ને (કેને)	२—શાને, શેને
३—પડે પોતે, કોણે (કોણે)	३—શો, શે, શાને
४—પડને, પોતાને, કોણને (કેને)	४—શાનેમાટે શેને
५ —પડથી, પોતાથી કોણથી (કેનાથી)	५—શાથી, શાયકી, શેનેથી
६—પડનો, પોતાનો, કોણનો (કેનો) ની નુંનાના	६—શાનો ની નુનાંના શેનો
७—પડમા, પોતામા, કોણમા (કેમા)	७—શામા, શેમા

વિશેષણ.

વિશેષણના પ્રકાર ૨

૧ ગુણવાચક ૨ સખ્યાવાચક

ગુણવાચક—કોઇ પણ શબ્દ નામનો વધારો બતાવી કાઇ ગુણ જણાવે તે

સંખ્યાવાચક—ગણતીવાચક શબ્દો નામ, સર્વનામને સહાય ભૂત થાય તે

જેમ —ગુણવાચક તરીકે —રાતો, પીળો, મોટો, નાનો, સારો, ઠારો ઇ૦

સખ્યાવાચક —એક, બે, પાચ, સાત, પાચમો, પહેલો ઇ૦

સુચના —નામના પ્રકરણમા બતાવ્યા મુજબ વિભક્તિ વિશેષણોને લગાડાય છે જેમ —

રાતો (વિ)		લાલ (વિ)	એક (નામ)*		
એ વ	બ વ	એક વ ને બ વ એકજ છે	એક	બે	ત્રણ
૧ રાતો	રાતા	લાલ	એકને	બેને	ત્રણને
૨ રાતાને	રાતાઓને, રાતાને	લાલને	એકે	બેએ	ત્રણે
૩ રાતાએ રાતે	રાતાએ	લાલે	એકને	બેને	ત્રણને
૪ રાતાને	રાતાને, રાતાઓને	લાલને	એકથી	બેથી	ત્રણથી
૫ રાતાથી	રાતાથી, રાતાઓથી	લાલથી	એકનો	બેનો	ત્રણનો
૬ રાતાનો ની નુંના ના	રાતાઓના ની ઇ૦	લાલનો ની નુંનાના	ની નુ ના નાઇ		
૭ રાતામાં	રાતામાં, રાતાઓમાં	લાલમાં	એકમા	બેમા	ત્રણમા

* "એક" એ સંખ્યા વાચક વિશેષણમા ગણાય છે માટે બીજા નામમા બહુવચન છે

સુચના —વિશેષણ એકલુ વપરાય તો વિભક્તિ લગાડવાની જરૂર છે ,

જેમ —આંધળાથી ચલાયુ નહિ, લંગડે ખાધુ

પણ વિશેષ્ય સાથે આવે તો વિભક્તિ ના પ્રત્યય ઉડીજાય છે

જેમ —આંધળા માણસથી ચલાયુ નહિ, લંગડે માણસે ખાધુ

ક્રિયાપદ

ક્રિયાપદની પ્રથક ૩ જાતો છે ૧ અકર્મક ૨ સકર્મક ૩ ભાવકર્તીક

અકર્મક—ક્રિયાપદની ક્રિયા કર્તામાજ રહેનીહોય અને બીજા વિષયતરફ ન દોરાય (જે ક્રિયાપદ કર્મ વિનાનુ હોય) તે

સકર્મક—ક્રિયાપદની ક્રિયા કર્તાથીસૂચિત બીજા વિષયથી સમજાય (જે કર્મ વાળુ ક્રિયાપદ છે) તે

ભાવકર્તીક—જે ક્રિયાપદનો કર્તા અધ્યાહાર હોય અને કર્તા ક્રિયાનો ભાવજણાય તે

જેમ —અકર્મક —રામજી ઉઠયો

સકર્મક —બ્રાહ્મણો લાડુ જમ્યા, છોકરો ચોપડી લખે છે

ભાવકર્તીક —મને બહુ વાગ્યુ

કર્તા —ક્રિયાનો કરનાર જે ક્રિયાનો મુખ્ય શબ્દ છે જેમ '—છોટાલાલ બોલ્યો

કર્મ —કર્તાનુ-સૂચિત ફળ તે કર્મ જેમ —હુ લાડુ જમ્યો, તેણે લાકડી મારી

સુચના —ક્રિયાપદનો કર્તા જાણવામાટે ધાતુને 'નાર' "કોણ" એ પ્રત્યય લગાડી સવાલપૂછતા જે જવાબ આવેતે કર્તા જેમ ,—'છોટાલાલ બોલ્યો' એમા 'બોલ, ધાતુ છે, હવે 'બોલનાર કોણ ? છોટાલાલ' કર્તા

કર્મજાણવામાટે 'વાનુશુ ?' આશબ્દ લગાડી સવાલ પૂછવા થી જે જવાબ આવેતે કર્મ જેમ '—"હુ લાડુજમ્યો" એમાં 'જમ, ધાતુ એટલે 'જમવાનુ શુ ?' જવાબ'લાડુ, માટે ' લાડુ" કર્મ

ધાતુ=જે ગુજરાતી મૂળ ઉપરથી ક્રિયાપદના જુદા જુદા રૂપ બનેછે તે જેમ લખ , લખાયુ, લખનાર, લખશે વગેરે ક્રિયાપદમા ધાતુ 'લખ' જે પરથી અનેક ક્રિયાપદો થાય છે

ક્રિયાપદનાભેદ ત્રણ છે ૧ મૂળભેદ ૨ પ્રેરકભેદ ૩ સત્વભેદ ૪ સત્વપ્રેરક

મુળભેદ —મુળ ધાતુપર કાળના પ્રત્યય વપરાઇ બને છે જેમ —લખુ છુ,

પ્રેરકભેદ —મુળભેદના ધાતુને મરડીને પ્રેરણાના અર્થમા લગાડાય તે જેમ —લખાવુ છુ

સત્વભેદ —ધાતુ મરડાતા શકયતાના રૂપમા વપરાયતે જેમ —લખાય છે

પ્રેરક સત્વભેદ —શકયતા સાથે પ્રેરણા બતાવે છે તે જેમ —લખવાય છે

☞આબધા ઉદાહરણો નો ધાતુ 'લખ' છે

કાળવિષે ।

મુખ્યકાળ ત્રણ છે ૧ વતમાન કાળ ૨ ભૂત કાળ ૩ ભવિષ્ય કાળ

આ ઉપરાંત વતમાનમા ૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન ૨ અનિયમિત વર્તમાન ૩ વિધિવર્તમાન

ભૂતકાળમા ૧ સ્પષ્ટભૂત ૨ અનિયમિતભૂત ૩ સંકેતભૂત અને ભવિષ્યકાળ

આરીતે કુલ સાત કાળ થાય છે જે ચારે ભેદને લગાય છે તેના ઉદાહરણ નીચે આપ્યા છે

મુળભેદ — લખ ધાતુ — પ્રેરકભેદ

૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન કાળ

	એ ૧	બ-૧	એ ૧	બ ૧
પહેલો પુરૂષ	હુ લખુ છુ	અમે લખીએ છીએ	હુ લખાવુ છુ	અમે લખાવીએ છીએ
બીજો પુરૂષ	તુ લખે છે	તમે લખો છો	તુ લખાવે છે	તમે લખાવો છો
ત્રીજો પુરૂષ	તે લખે છે	તેઓ લખે છે	તે લખાવે છે	તેઓ લખાવે છે

અનિયમિત કાળ કરવામાટે ઉપરના કાળમા થી 'છ' રૂપ કાઢીનાખવુ જેથી હુ લખુ, હુ લખાવુ, તુ લખે, તુ લખાવે, અમે લખીએ, અમે લખાવીએ ઇ०

* ૩ વિધિ વર્તમાનકાળ

	એ ૧	બ-૧	એ-૧	બ-૧
નરજાતિ	લખવો	લખવા	લખાવવો	લખાવવા
નારીજાતિ	લખવી	લખવી	લખાવવી	લખાવવી
નાન્યતરજાતિ	લખવુ	લખવાં	લખાવવુ	લખાવવા

* ૪ સ્પષ્ટ ભૂતકાળ

નરજાતિ	લખ્યો	લખ્યા	લખાવ્યો	લખાવ્યા
નારીજાતિ	લખી	લખી	લખાવી	લખાવી
નાન્યતરજાતિ	લખ્યુ	લખ્યા	લખાવ્યુ	લખાવ્યા

* ૫ અનિયમિત ભૂતકાળ

નરજાતિ	લખતો	લખતા	લખાવતો	લખાવતા
નારીજાતિ	લખતી	લખતી	લખાવતી	લખાવતી
નાન્યતરજાતિ	લખતુ	લખતા	લખાવતુ	લખાવતા,

૬ સંકેત ભૂતકાળ

ટીપ —આકાળમા બધીજાતિ અને સર્વ વચનમા મૂળભેદમા "લખત" રૂપ છે અને પ્રેરક ભેદમા 'લખાવત' રૂપથાય છે

* આકાળો જાતિ સુચક છે એટલે બાકી કાળ જાતિ ત્રણે પ્રત્યયે છે ને બાકીના ચાર કાળ પુરૂષ વચનના પ્રત્યયને છે

મૂળભેદ		૭ ભવિષ્યકાળ	પ્રેરકભેદ	
	એ—વ	બ—વ	એ—વ	બ—વ
પહેલોપુરૂષ—	હુ લખીશ	અમે લખીશુ	હુ લખાવીશ	અમે લખાવીશુ
બીજો પુરૂષ—	તુ લખીશ	તમે લખશો	તુ લખાવીશ	તમે લખાવશો
ત્રીજો પુરૂષ—	તે લખશે	તેઓ લખશો	તે લખાવશે	તેઓ લખાવશે

સુચના —બીજા પુરૂષમા 'તુ લખજે' 'તમે લખજો' 'તુ લખાવજે 'તમે' 'લખાવજો' આરૂપપણ વપરાય છે

સભ્યભેદ		૧ સ્પષ્ટ વર્તમાન કાળ	સહ્ય પ્રેરક ભેદ	
	એ—વ	બ—વ	એ—વ	બ—વ
પે પુ	હુ લખાઉ છુ	અમેલખાઇએછીએ	હુ લખાવાઉ છુ	અમે લખાવાઇ એછીએ
બી પુ	તુ લખાય છે	તમે લખાઓ છો	તુ લખાવાય છે	તમે લખવો છો
ત્રી પુ	તે લખાય છે	તેઓ લખાય છે	તે લખાવાય છે	તેઓ લખાય છે

૨ અનિયમિત વર્તમાન

ઉપરના રુપોમા થી 'છુ, છીએ, છો' વગેરે 'છ' ના રૂપો કમી કરતા આ કાળના રૂપ થાય છે

૩ વિધિ વર્તમાન કાળ

નરજાતિ	લખાવો	લખાવા	લખાવવા	લખાવાવ
નારી	લખાવી	લખાવી	લખાવાવી	લખાવાવી
નાન્યતર	લખાવુ	લખાવા	લખાવાવુ	લખાવાવા

૪ સ્પષ્ટ ભૂતકાળ

નર	લખાયો	લખાયા	લખાવાયો	લખાવાયા
નારી	લખાઇ	લખાઇ	લખાવાઇ	લખાવાઇ
નાન્યતર	લખાયુ	લખાયા	લખવાયુ	લખાવાયા

૫ અનિયમિત ભુતકાળ

નર	લખાતો	લખાતા	લખાવાતો	લખવાતા
નારી	લખાતી	*લખાતી	લખાવાતી	લખાવાતી
નાન્યતર	લખાતું	લખાતા	લખાવાતું	લખાવાતા

, સંકેત ભુતકાળ

આકાળ ને ત્રણે પુરૂષ બાને ને વચનમા સહ્ય ભેદમા 'લખાત' અને પ્રેરક સહ્યના 'લખાવાત' રૂપ થાય છે

૭ ભવિષ્યકાળ

પે-પુ	હુ લખાઇશ	અમે લખાઇશુ	હુ લખાવાઇશ	અમે લખાવાઇશુ
બી-પુ	તુ લખાઇશ	તમે લખાશો	તુ લખાવાઇશ	તમે લખાવાશો
ત્રી-પુ	તે લખાશે	તેઓ લખાશે	તે લખાવાશે	તેઓ લખાવાશે

પ્રયોગ.

ક્રિયા નાયનેજકે જેના પ્રમાણે જાતિ, વચન, પુરૂષ ફરીતાકેતે જેમ

રાટલી ખાધી, લાડુ ખાધા, લલ્લુ જમ્યો લખી જમી

પ્રયોગ ૩ ત્રણ છે ૧ કર્તરી ૨ કર્મણી ૩ ભાવેપ્રયોગ

કર્તરી —જેમ કર્તા ક્રિયાનાથ હોતે જેમ લલ્લુ લાડુ જમ્યો

કર્મણી — જેમા કર્મ ક્રિયાનાથ હોયતે જેમ મે રોટલી ખાધી

* ભાવે —જેમા ક્રિયાનાથ ક્રિયા પદનોભાવ હોયતે —અમારાથી બેસાય છે

કૃદન્ત

ધાતુ ઉપર નામ, વિશેષણ કે અવ્યયના પ્રત્યય આવવાથી જે રૂપ બને છે તે જેમ —'લખ' ધાતુ નામ —લખનાર વિશેષણ —લખેલો, કૃદન્ત અવ્યય —લખીને

કૃદન્તના પ્રકાર મુખ્ય ત્રણ છે ૧ કૃદન્ત નામ ૨ કૃદન્ત વિશેષણ ૩ કૃદન્ત અવ્યય

કૃદન્ત નામ —વિધિવર્તમાન અને ભવિષ્યકાળ સૂચક છે જેમ —લખવુ, લખાવુ (વિ ક), લખવાનો (ભ કા)

કૃદન્ત વિશેષણ —વર્તમાન અને ભુતકાળ સૂચક છે જેમ —લખતો, લખતી (વ કા) લખ્યો, લખી (ભુ કા)

કૃદન્ત અવ્યય —જે કૃદન્તનુ રૂપ જાતિ, વચનથી બદલાતુ નથી તે જેમ —લખી, લખીને, લખતા

અવ્યય

અવ્યયના ચારભેદ છે ૧ ઉભયાન્વયી ૨ શબ્દયોગી ૩ ક્રિયાવિશેષણ ૪ કેવળ પ્રયોગી

ઉભયાન્વયી —બે શબ્દ અથવા બે વાકયને જોડનારો શબ્દ જેમ —રામજી અને લલ્લુ ગયા હુ તથા તુ જાગીએ મા કે બાપ છે શકર આવ્યો પણ બેઠો નહિ હું આવ્યો અને તમે ગયા તો, અને, કે, પણ, જો, રખેને, રખે, વળી તો, જો, તોપણ ઇ૦ શબ્દ ઉભયાન્વયી છે (આઅવ્યય વાકય યોગીપણ કહેવાય છે)

* આ પ્રયોગ અકર્મક ક્રિયાપદનો કર્તા ત્રીજી અથવા પાચમી વિભક્તિમા હોય, અથવા ક્રિયાપદ નાન્યતર જાતિ એકવચનમા હોય છે ત્યારે થાય છે

શબ્દયોગી —જે શબ્દ વિભક્તિના પ્રત્યયની પેઠે શબ્દની જોડે આવે છે તે, જેમ —ઘર ઉપર વાદળા છે મારી જોડે આવજો પર, જાગે, ઉપર, સાથે, જોડે, પાસે, કને, ઇ૦
(આ અવ્યય વિભક્ત્યર્થી પણ કહેવાય છે)

ક્રિયાવિશેષણ અવ્યય —જે શબ્દ ક્રિયાપદનો ગુણ બતાવતા અવિકારી રહે છે તે જેમ —ગામોં પછી આવજો અમે હમેશા આવશુ મણિલાલ ત્યાં રહેશે વગેરે

ક્યારે, મટ, ત્યા, જ્યા ત્યા, ના, નહિ આમ, કદાચ, ઘણુ કરીને વગેરે

સુચના -આઅવ્યયમા ગતિ, કાળ, સ્થળ રીત નકાર બતાવવાના અવિકારીનો સમાસ થાયછે

કેવળપ્રયોગી —માણસના મનની કોઇ તરેહની લાગણી ।। શબ્દો, જે વાકયથી અલગ રહી એકલા વપરાય છેતે જેમ —હે પ્રભુ મને બચાવ

અરરર, હે, વોયવોય, વાહવાહ સાબાસ, છટ, રે ઓ છીટ ઇ૦

સમાસ

બેકે વધારે શબ્દ એક સાથે જોડાઇ એક માફક વપરાય છે તે ને સમાસ કહે છે જેમ —કેરી અને પુરી (કેરીપુરી), હાલ અને જાત (હાજાત) ગાકે બાપ (માબાપ)

સમાસના ભાગ દ્વદ્વ—જોડાયલા નામો ને છુટા પાડતા વચમા અને કે શબ્દો ઉમે રાય તે દ્વદ્વ સમાસ જેમ,—માબાપ=મા કે બાપ, મા અને બાપ રામ લક્ષમણ=રામ કે લક્ષમણ રામ અને લક્ષમણ શીરોપુરી=શીરો ને પુરી, શીરો કે પુરી શીરો અને પુરી

તત્પુરૂષ—જોડાયલાનામો છુટા પાડતા વચમા વિભક્તિના પ્રત્યય ઉમેરાયતે જેમ —સુખપ્રાપ્ત=સુખને પ્રાપ્ત (બીજી તત્પુરૂષ) શાલાપત્ર=શાલાને માટેપત્ર (ચોથી તત્પુરૂષ) હસ્તકૃત=હાતે કરેલુ (ત્રીજી તત્પુરૂષ) ધર્માધ=ધર્મથી અધ (પાચમી તત્પુરૂષ) ગુરૂ વચન=ગુરૂનુ વચન (છઠી તત્પુરૂષ) સ્વર્ગવાસ=સ્વર્ગમા વાસ (સાતમી તત્પુરૂષ)

કર્મધારય—જે સમાસને છુડાપાડતા તેના તેજશબ્દો મૂકાતા કાઇન ઉમેરાયતે જેમ —પરમેસ્વર=પરમ+ઇસ્વિર=મોટોઇસ્વર મહારાજા=મહા+રાજા=મોટારાજા દીર્ઘવચન=દીર્ઘ+વચન=લરીબવચન ત્રીલોક=ત્રી+લોક=ત્રણલોક

બહુવ્રીહિ—જે શબ્દોની વચ્ચમા કોઇ અથવા જેનેકેતે એવા શબ્દો ઉમેરાય જેમ —ચતુર્ભુજ=ચતુર્+ભુજ=ચારછે હાથજેને પિતામ્બર=પિતા+અમ્બર=જેનેપીળુ વસ્ત્ર છે તે (ભગવાન)

મધ્યમપદલોપી—આસિવાય વચમાં ગમેતે શબ્દ ઉમેરાયતે જેમ —મૃગજળ=મૃગને છેતરનાર જળ મધમાખી=મધ બનાવનારી માખી વરાળબલ=વરાળથી ચાલનારૂ યન્ત્ર

मतलबसंग्रह.

भाग ६

अ आ इ ई उ ऊ ए ऐ

ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण त थ द ध न

प फ ब भ म य र ल व श

ष स ह ळ क्ष ज्ञ

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

[illegible]											
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
[illegible]											
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
[illegible]											
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
[illegible]											
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
[illegible]											
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः
[illegible]											
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
[illegible]											
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
[illegible]											
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
[illegible]											
झ	झा	झि	झी	झु	झू		झै		झौ	झं	झः
[illegible]											
ञ	ञा	ञि								ञं	ञः
[illegible]											
ट	टा	टि									
[illegible]											
ठ	ठा	ठि									

𑘚	𑘚𑘰	𑘚𑘱	𑘚𑘲	𑘚𑘳	𑘚𑘴	𑘚𑘹	𑘚𑘺	𑘚𑘻	𑘚𑘼	𑘚𑘽	𑘚𑘾
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
𑘛	𑘛𑘰	𑘛𑘱	𑘛𑘲	𑘛𑘳	𑘛𑘴	𑘛𑘹	𑘛𑘺	𑘛𑘻	𑘛𑘼	𑘛𑘽	𑘛𑘾
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
𑘜	𑘜𑘰	𑘜𑘱	𑘜𑘲	𑘜𑘳	𑘜𑘴	𑘜𑘹	𑘜𑘺	𑘜𑘻	𑘜𑘼	𑘜𑘽	𑘜𑘾
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
𑘝	𑘝𑘰	𑘝𑘱	𑘝𑘲	𑘝𑘳	𑘝𑘴	𑘝𑘹	𑘝𑘺	𑘝𑘻	𑘝𑘼	𑘝𑘽	𑘝𑘾
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
𑘞	𑘞𑘰	𑘞𑘱	𑘞𑘲	𑘞𑘳	𑘞𑘴	𑘞𑘹	𑘞𑘺	𑘞𑘻	𑘞𑘼	𑘞𑘽	𑘞𑘾
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
𑘟	𑘟𑘰	𑘟𑘱	𑘟𑘲	𑘟𑘳	𑘟𑘴	𑘟𑘹	𑘟𑘺	𑘟𑘻	𑘟𑘼	𑘟𑘽	𑘟𑘾
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
𑘠	𑘠𑘰	𑘠𑘱	𑘠𑘲	𑘠𑘳	𑘠𑘴	𑘠𑘹	𑘠𑘺	𑘠𑘻	𑘠𑘼	𑘠𑘽	𑘠𑘾
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
𑘡	𑘡𑘰	𑘡𑘱	𑘡𑘲	𑘡𑘳	𑘡𑘴	𑘡𑘹	𑘡𑘺	𑘡𑘻	𑘡𑘼	𑘡𑘽	𑘡𑘾
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
𑘢	𑘢𑘰	𑘢𑘱	𑘢𑘲	𑘢𑘳	𑘢𑘴	𑘢𑘹	𑘢𑘺	𑘢𑘻	𑘢𑘼	𑘢𑘽	𑘢𑘾
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
𑘣	𑘣𑘰	𑘣𑘱	𑘣𑘲	𑘣𑘳	𑘣𑘴	𑘣𑘹	𑘣𑘺	𑘣𑘻	𑘣𑘼	𑘣𑘽	𑘣𑘾
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
𑘤	𑘤𑘰	𑘤𑘱	𑘤𑘲	𑘤𑘳	𑘤𑘴	𑘤𑘹	𑘤𑘺	𑘤𑘻	𑘤𑘼	𑘤𑘽	𑘤𑘾
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
𑘥	𑘥𑘰	𑘥𑘱	𑘥𑘲	𑘥𑘳	𑘥𑘴	𑘥𑘹	𑘥𑘺	𑘥𑘻	𑘥𑘼	𑘥𑘽	𑘥𑘾
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः

𑘦	𑘦𑘰	𑘦𑘱	𑘦𑘲	𑘦𑘳	𑘦𑘴	𑘦𑘹	𑘦𑘺	𑘦𑘻	𑘦𑘼	𑘦𑘽	𑘦𑘾
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	म
𑘧	𑘧𑘰	𑘧𑘱	𑘧𑘲	𑘧𑘳	𑘧𑘴	𑘧𑘹	𑘧𑘺	𑘧𑘻	𑘧𑘼	𑘧𑘽	𑘧𑘾
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	य·
𑘨	𑘨𑘰	𑘨𑘱	𑘨𑘲	𑘨𑘳	𑘨𑘴	𑘨𑘹	𑘨𑘺	𑘨𑘻	𑘨𑘼	𑘨𑘽	𑘨𑘾
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
𑘩	𑘩𑘰	𑘩𑘱	𑘩𑘲	𑘩𑘳	𑘩𑘴	𑘩𑘹	𑘩𑘺	𑘩𑘻	𑘩𑘼	𑘩𑘽	𑘩𑘾
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
𑘪	𑘪𑘰	𑘪𑘱	𑘪𑘲	𑘪𑘳	𑘪𑘴	𑘪𑘹	𑘪𑘺	𑘪𑘻	𑘪𑘼	𑘪𑘽	𑘪𑘾
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
𑘫	𑘫𑘰	𑘫𑘱	𑘫𑘲	𑘫𑘳	𑘫𑘴	𑘫𑘹	𑘫𑘺	𑘫𑘻	𑘫𑘼	𑘫𑘽	𑘫𑘾
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	श.
𑘬	𑘬𑘰	𑘬𑘱	𑘬𑘲	𑘬𑘳	𑘬𑘴	𑘬𑘹	𑘬𑘺	𑘬𑘻	𑘬𑘼	𑘬𑘽	𑘬𑘾
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	ष
𑘭	𑘭𑘰	𑘭𑘱	𑘭𑘲	𑘭𑘳	𑘭𑘴	𑘭𑘹	𑘭𑘺	𑘭𑘻	𑘭𑘼	𑘭𑘽	𑘭𑘾
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	स
𑘮	𑘮𑘰	𑘮𑘱	𑘮𑘲	𑘮𑘳	𑘮𑘴	𑘮𑘹	𑘮𑘺	𑘮𑘻	𑘮𑘼	𑘮𑘽	𑘮𑘾
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	ह
𑘯	𑘯𑘰	𑘯𑘱	𑘯𑘲	𑘯𑘳	𑘯𑘴	𑘯𑘹	𑘯𑘺	𑘯𑘻	𑘯𑘼	𑘯𑘽	𑘯𑘾
ळ	ळा	ळि	ळी	ळु	ळू	ळे	ळै	ळो	ळौ	ळं	ळः
𑘎𑘿𑘬	𑘎𑘿𑘬𑘰	𑘎𑘿𑘬𑘱	𑘎𑘿𑘬𑘲	𑘎𑘿𑘬𑘳	𑘎𑘿𑘬𑘴	𑘎𑘿𑘬𑘹	𑘎𑘿𑘬𑘺	𑘎𑘿𑘬𑘻	𑘎𑘿𑘬𑘼	𑘎𑘿𑘬𑘽	𑘎𑘿𑘬𑘾
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
𑘕𑘿𑘗	𑘕𑘿𑘗𑘰	𑘕𑘿𑘗𑘱	𑘕𑘿𑘗𑘲	𑘕𑘿𑘗𑘳	𑘕𑘿𑘗𑘴	𑘕𑘿𑘗𑘹	𑘕𑘿𑘗𑘺	𑘕𑘿𑘗𑘻	𑘕𑘿𑘗𑘼	𑘕𑘿𑘗𑘽	𑘕𑘿𑘗𑘾
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञ

धडा पहिला।

पाठ पहिला।

दोन अक्षरी शब्द।

घर	फळ	मठ	कर	खप	तप
धर	मर	जर	पर	रथ	चढ
वर	नट	नथ	सप	खण	वक
भय	मन	धन	जा	आण	येश

धडा दुसरा।

पाठ दुसरा।

तीन अक्षरी शब्द।

ओळख	रकम	पदक	मजक	गपक
जखम	ठणक	तवक	कपट	गरम
नरम	नगर	नगर	गवत	कलम

धडा तीसरा।

पाठ तिसरा।

च्यार अक्षरी शब्द।

दलदल	गडगड	करवत	अजगर	करपट
चटपट	आगमन	सरवत	खळखळ	आयकर

धडा चौथा।

पाठ चौथा।

घोडा	चागला	मुलगा	आया	खाती
विहिर	कुत्रा	भाकर	माझा	के-हा

धडा पाचवा।

पाठ पाचवाँ।

तो घोडा कोठे आहे ? वह घोडा कहाँ है ?

ते घर कोणाचे आहे ? वह घर किसका है ?

तो मुलगा फार वाईट, आहे	वह लड़का बहुत खराब है
बाप ममताळु आहे	बाप ममताल है
रामचन्द्र काल गेला	रामचन्द्र काल गया
रायसिंघ आज आला	रायसिंघ आज आगया
हा आंबा चांगला आहे	यह आंब अच्छा है
तो मुलगा आला	वह लड़का आया
ही आई आली	वह मा आई

धडा सहावा ।

पाठ छठाँ ।

तो पहा बागवानाचा मुलगा	यह देखो मालीका लड़का
त्या विहिरीवर काय करित आहेस ?	उस कुवेपर क्या करता है ?
त्यास तू त्रास देऊ नयोस	उस्को तुम दिक मतकरो
माझा कुत्रा कोठे गेला ?	मेरा कुत्ता कहाँ गया ?
तू मला हात लावू नको हो	तु मेरे हाथ मतलगा
आई, मला भाकर दे	मां, मेरेको रोटीपानीको दे
रामा, माझे बरोबर चल	रामा, मेरे साथ चल
हा आंगरखा चांगला आहे	यह अङ्गरखा अच्छा है
हे पहा कडुनिंबाचे झाड	यह देखो निम्बका झाड़
तुला कोण हाका मारितो ?	तुमको कौन बुलाता है ?
सकाळी लवकर उठावे	प्रात कालको जलदी उठना चाहिए
आपण केव्हा आला ?	आप कब आये ?
आजची गोष्ट उद्यावर जाऊ देऊ नये	आजका काम कलपर मत छोडो

धडा सातवा ।

पाठ सातवाँ ।

हितोपदेश ।

अरे रामा, तू कधी खोटे बोलू नको, खोटे बोलणे हे मोठे पाप होय, तुझा खोटेपणा जरी दुसऱ्यास कळला नाही तरी तो ईश्वरास कळतो, जो माणुस खरा असतो तो सर्वांस आवडतो जो मुलगा आपल्या आईबापाचे हुकमात रहातो त्याजवर सर्वांचा

प्रीति असते या साठी आईबापाच्या आणि-गुरुजीच्या आज्ञेत रहाणा सारखे दुसरे काही नाही।

धडा आठवां

पाठ आठवां।

चांगला मुलगा लवकर उठून शाळेस जातो, आई बाप सांगतील तसे करीतो, गुरुजीच्या आज्ञेत रहातो,खोटे सांगत नाही, आपल्या कामात कधी चुक करीत नाही आणि जे काम आज करावयाचे आहे ते उद्यावर टाकीत नाही

धडा नववा

पाठ नवां।

वाईट मुलगा हट्ट करून मार खात असतो, शाळेत जाताना रडतो, आपला धडा बराबर पाठ करीत नाही आणि नेहमी खोटे बोलतो

धडा दहावा

पाठ दसवां।

अहमदाबाद येथें साखरेचा कारखाना काढण्या करीता एक मंडळी स्थापन होऊन तिने पांच लक्ष रुपयांचे भांडवल जमाविले आहे त्यांचे, दोन हजार भाग विकावयांचे असुन प्रत्येक भागाची किंमत अडीचशे रुपये आहे

आमचा धर्म।

आजकाल आमचा धर्म आमचाधर्म अशी हाकाटी जिकडे तिकडे फारच माजलेली आढळते, आमच्या धर्माचा ऱ्हास होत आहे, आमचा धर्म बुडत चालला,

आमच्या धर्मावरील आमच्याच लोकांची निष्ठा नष्ट होत चालली व आम्हीच आमच्या हातानें धर्म शिक्षणाची उपेक्षा चालविली असून आमच्यात धर्मशिक्षण देण्यात येत नाही असो हाकाटी माजवीत, सुटलो आहो! धर्माचा अभिमान सारखा गळत चालला आहे, धर्माभिमानी कोणी नाही, धर्माचा कैवार धरणारे पाहिजेत व धर्म निष्ठा वाढविण्याच्या कामी कोणी काहीच करीतनाही ही ओरड नुसती कोठें कानी यावयास लागलेली आहे, लक्षणे चांगली आहेत, चिन्हे शुभदिसतात, संशय नाही?

पण आमची धर्म सम्बन्धी स्थिति आहे कशी, होती कोणत्या प्रकारची, ही अशी झाली का आणि आमच्या धर्मासम्बन्धान्त सध्या करावयास हवें काय? इतक्याचा एकत्र विचार ही सध्या फार महत्वाची बाब होय, आम्ही इतर बाबतींतही सारखे अवनती कडे घसरत चाललों आहो, त्याचप्रमाणें धर्म सबधातही आम्ही अवनतीतच असून उन्नतीकडे जाण्याच्या तयारीचा रोखही पण आमच्यात अद्याप आढळून येत नाही केवळ दुर्दैवच होय, असें म्हणावे लागते।

आमचा धर्म सनातन आहे, आमचाधर्म सर्वांत श्रेष्ठ होय, कैक हजार वर्षांचा असा पुरातन आमचा धर्म, किती व्यापक, केवढा गूढ आणि कसला उदात्त आमचा धर्म इत्यादि शेखी आणि तीही केवळ शब्द मात्राचीच मिरविण्याच्या कामी मात्र आम्ही पूर्ण पटाईत आहों, पण असला सनातन, असला पुरातन, इतकाश्रेष्ट, एवढा उदात्त असा धर्म आम्हीं आज कोणत्या प्रकारें आचरीत आहो, किंवा असल्या श्रेष्ट धर्मावरील आमची निष्ठा किती अपूर्व व चल-आहे, याचा आपल्या मनाशीच आणि आपला आपण विचार करून पहाल म्हणजे काय आढळून येते हे काही सांगावयाला नको!

आमच्यातली धर्म निष्ठा कमी कमी होत चालली आहे, आमच्या धर्माचेंच आमच्यान्त अज्ञान असलेले आढळते, धर्म शिक्षण आणि धर्माचें ज्ञान कोठेंच व काहीही मिळू नये अशीच सर्वत्र परिस्थिती दिसते, धर्म हा केवळ उपेक्षेचाच मात्र विषय असे सांगण्याची प्रवृत्ति जिकडे तिकडे पहावयास मिळते आणि धर्मा पासून उदय पावणारे दृढतर निष्ठा व नीतिमत्ता हे कारड ठणठणीत असेच होऊन बसले आहेत। धर्माचा उच्छाद चालला आहे, धर्माचा थट्टा होत आहे आणि धर्माचीं सोंगे व ढोंगेंची तैंबढो जिकडे तिकडे मिरवताना आढळतात! शिव! शिव! काय ही स्थिति!!

पण त्याला उपाय नाही, जसा तो काळ आला, जशी तशी स्थिति प्राप्त झाली आणि निरुपयोगी असा प्रचार फार माजला आहे त्याचा शोक करून काहीच उपयोग नसतो, त्यास मनाप्रमाणे नाहीं तसा तो पुरुषधर्मही पण नव्हे, आली आहे ती वेळ, दैवानें दिली ती परिस्थिति आणि कर्मानें ओढविली ती सङ्कटें प्राप्त झाली असता धैर्यवान व शहाण्या आणि चतुर माणसाने कसे वागावयास पाहिजे ते सर्वास ठाऊकच असते, आमच्या धर्माच्या परिस्थितीचीही तीच व तशीच गोष्ट आहे, आम्हाला आमच्या सङ्कटकालान्त आपला रस्ता नीट व चांगला असा शोधून काढावयास हवा, आणि ज्या कारणाने ही सङ्कटे ओढवली, अशी परिस्थिति प्राप्त झाली, ती कारणे म्हणजे अनाचार आणि उपेक्षा याचे निर्मूलन करीत सुस्थिति प्राप्त करून घेण्याच्या तयारीस लागले पाहिजे।

म्हणजे आम्हाला धर्मोन्नति पाहिजे आहे, पण ती धर्मोन्नति म्हणजे काय ? धर्मसम्बन्धी सध्या आम्हाला काय काय करावयास पाहिजे ? अर्थात धर्म म्हणून जी बाब त्याविषयींचें आमचें राष्ट्रीय व व्यक्तिविषयक कर्तव्य कोणते आहे याचा एकदा आणि आधी ठाम निर्णय ठरावयाला पाहिजे। नुसता आणि केवळ किलकिलाट कितीहि माजविला तरी त्याचा वास्तविक असा उपयोग काहींच होणें नाही, म्हणून महाराष्ट्र देश, येथील धर्मसम्बन्धी सध्या आहे ती परिस्थिति आणि अशा स्थितीत आमचे कर्तव्य, या सर्वांचा विचार आणि खल होईल तितका व तेवढा थोडाच आहे आणि तसा खल होऊन याहो तरी निर्णय ठरला पाहिजे ही गोष्ट मुख्य व महत्वाची होय असे कोणासही वाटल्यावाचून राहावयाचें नाहीं।

धर्मसम्बन्धांत आरहा महाराष्ट्रीयासाठी काय काय करावयास पाहिजे असें या मला मतें वाटतें, त्या सर्वांचा एकवार उल्लेख करून त्या सर्वांची चर्चा करावी, विचार व्हावा, निर्णय ठरावा अशी आमच्या धर्मबंधु पाशी आमचे मागणे आहे आम्हाला रास्त वाटतात, योग्य दिसतात, आवश्यक भासतात त्या सर्वांचा एकत्र उल्लेख आम्ही करून ठेवीत आहो। म्हणजे कर्तव्यमर्यादा किंवा कार्याचा व्याप यांचें नुसते टांचण आम्ही सादर केले आहे असेच समजावे, त्या सर्व बाबती एकत्र करून व्यवस्थित असें त्याचे टांचण सादर करणे आम्हाला आवश्यक वाटते थोडी फार पुनरुक्ति होईल, चर्वित चर्वण असें वाटण्याचा संभव आहे, पण त्याला इलाज नाहीं।

आमच्या धर्मावरील आमच्याच लोकांची निष्ठा नष्ट होत चालली व आम्हीच आमच्या हातानें धर्म शिक्षणाची उपेक्षा चालविली असून आमच्यात धर्मशिक्षण टिकाव येत नाही अशी हाकाटी माजवीत सुटलो आहों! धर्माचा अभिमान सारखा गळत चालला आहे, धर्माभिमानी कोणी नाहीं, धर्माचा कैवार धरणारे पाहिजेत व धर्म निष्ठा वाढविण्याच्या कामी कोणी काहीच करीत नाही ही ओरड जुनी कोठें कानीं यावयास लागलेली आहे, लक्षणें चांगली आहेत, चिन्हें शुभदिसतात, संशय नाहीं ?

पण आमची धर्म सम्बन्धी स्थिति आहे कशी, होती कोणत्या प्रकारची, ही अशी झाली का आणि आमच्या धर्मतत्वांत सध्या करावयास हवे काय ? इतक्याचा एकत्र विचार ही सध्या फार महत्वाची बाब होय, आम्ही इतर बाबतीतही सारखे अवनती कडे घसरत चाललों आहों, त्याचप्रमाणें धर्म संबधातही आम्ही अवनतीतच असून उन्नतीकडे जाण्याच्या तयारीचा लेशही पण आमच्यात अद्याप आढळून येत नाहीं केवळ दुर्दैवच होय असें, म्हणावें लागते ।

आमचा धर्म सनातन आहे, आमचा धर्म सर्वांत श्रेष्ठ होय, कैक हजार वर्षांचा असा पुरातन आमचा धर्म किती व्यापक, केवढा गूढ आणि कसला उदात्त आमचा धर्म इत्यादि शेखी आणि तीही केवळ शब्द मात्राचीच मिरविण्याच्या कामी मात्र आम्ही पूर्ण पटाईत आहों, पण असला सनातन, असला पुरातन, इतका श्रेष्ट, एवढा उदात्त असा धर्म आम्हीं आज कोणत्या प्रकारें आचरीत आहो, किम्वा असल्या श्रेष्ट धर्मावरील आमची निष्ठा किती अपूर्णत्व पावत आहे, याचा आपल्या मनाशीच आणि आपला आपण विचार करून पहाता म्हणजे काय आढळून येते, हे कांहीं सांगावयाला नको !

आमच्यातली धर्म निष्ठा कमी कमी होत चालली आहे आमच्या धर्माचेंच आमच्यांत जास्त अज्ञान असलेलें आढळते, धर्म शिक्षण आणि धर्माचें ज्ञान कोठेंच व कांहीच मिळू नये अशीच सर्वत्र परिस्थिती दिसते, धर्म हा केवळ उपेक्षेचाच मात्र विषय असे समजण्याची प्रवृत्ति जिकडे तिकडे पहावयास मिळते आणि धर्मापासून उदय पावणारे इतर निष्ठा व नीतिमत्ता हे बारड ठणठणीत असेच होऊन बसले आहेत। धर्माचा उच्छाद चालला आहे, धर्माची थट्टा होत आहे आणि धर्माचीं सोंगें व ढोंगेंची तेवढी जिकडे तिकडे मिरवतांना आढळतात ! शिव ! शिव ! काय ही स्थिति ! !

पण त्याला उपाय नाहीं, जसा तो काळ आला, जशावी तशी स्थिति प्राप्त झाली आणि निरुपयोगी असा प्रकार फार माजला नाहीं त्याचा शोक करून कांहींच उपयोग नसतो, त्यास शहाणपणा नाहीं तसा तो पुरुषधर्मही पण नव्हे, आली आहे ती वेळ, देवानें दिली ती परिस्थिति आणि कर्मानें ओढविली ती सङ्कटें प्राप्त झाली असता धैर्यवान व प्रज्ञावान आणि चतुर माणसानें कसें वागावयास पाहिजे तें सर्वांस ठाऊकच असतें, आमच्या धर्माच्या परिस्थितीचीही तीच व तशीच गोष्ट आहे, आम्हांला आमच्या सङ्कटकालांतून आपला रस्ता नीट व चांगला असा शोधून काढावयास हवा, आणि ज्या कारणानें हीं सङ्कटें ओढवली, अशी परिस्थिति प्राप्त झाली, तीं कारणें घालवणें अनास्था आणि उपेक्षा यांचें निर्मूलन करीत सुस्थिति प्राप्त करून घेण्याच्या तयारीस लागलें पाहिजे।

म्हणजे आम्हांला धर्मोन्नति पाहिजे आहे, पण ती धर्मोन्नति म्हणजे काय? धर्मसम्बन्धी सध्या आम्हांला काय काय करावयास पाहिजे? अर्थात धर्म म्हणून जी बाब त्याविषयींचें आमचें राष्ट्रीय व व्यक्तिविषयक कर्तव्य कोणतें आहे याचा एकदा आणि आधीं ठाम निर्णय ठरावयाला पाहिजे। नुसता आणि केवळ किलकिलाट कितीहि माजविला तरी त्याचा वास्तविक असा उपयोग कांहींच होणें नाहीं, म्हणून महाराष्ट्र देश, तेथील धर्मसम्बन्धी सध्या आहे ती परिस्थिति आणि अशा स्थितींत आमचें कर्तव्य, या सर्वांचा विचार आणि खल होईल तितका व तेवढा थोडाच आहे आणि तसा खल होऊन कांहीं तरी निर्णय ठरला पाहिजे ही गोष्ट मुख्य व महत्त्वाची होय असें कोणासही वाटल्यावांचून रहावयाचें नाहीं।

धर्मसम्बन्धात आम्हां महाराष्ट्रीयांसाठीं काय काय करावयास पाहिजे असें या सध्या मतें वाटतें, त्या सर्वांचा एकवार उल्लेख करून त्या सर्वांची चर्चा करावी, विचार व्हावा, निर्णय ठरावा असें आमच्या धर्मबंधु पाशीं आमचें मागणें आहे आम्हांला रास्त वाटतात, योग्य दिसतात, आवश्यक भासतात त्या सर्वांचा एकत्र उल्लेख आम्ही करून ठेवीत आहों। म्हणजे कर्तव्यमर्यादा किंवा कार्यांचा व्याप यांचें नुसतें टांचण आम्ही सादर केलें आहे असेंच समजावें, त्या सर्व बाबतीं एकत्र करून व्यवस्थित असें त्यांचें टांचण सादर करणें आम्हांला आवश्यक वाटतें थोडी फार पुनरुक्ति होऊन, चर्वित चर्वण असें वाटण्याचा संभव आहे, पण त्याला इलाज नाहीं।

हवा खाणें।

हवा खाणे हे शब्द आपल्या कानावरून पुष्कळ वेळा जातात व आपण स्वताहि कधीं कधी यथेच्छ हवा खाऊन येतो। पण हवा खातो म्हणजे आपण तिला मेवा-मिठाईप्रमाणे किंवा फळफळावळी प्रमाणें खातों की काय ? तसे असते तर जितकी हवा जास्त खावी त्या मानानें आपले पोट भरून भूक कमी झाली असती। वास्तविक याच्या अगदीं उलट प्रकार दृष्टिस पडतो। म्हणजे आपण जों जों जास्त हवा खावी, तों तों क्षुधाहि जास्तच प्रदीप्त झाल्याचा अनुभव येतो।

आपण हवा खायाला गेलों असता थोडी बहुत हवा पोटात जाते, हें खरे आहे। तरी त्यापासून आपणाला तादृश नफा नुकसान काही नसते। मात्र त्या हवा खाण्यापासून जो व्यायाम होतो व जो शुद्ध व आल्हादकारक हवा आपल्या श्वासोच्छासाला म्हणजे फुप्फुसाला खायाला मिळते, त्यापासूनच आपले खरोखर हित होते। साराश, आपण जी हवा खातों ती तोंडाने नव्हे तर मुख्यत नाकानें खात असू। ती पोट भरण्या करिता नव्हे तर फुप्फुसाची क्षुधा शात करण्याकरितांच होय

शरीर निरोगी व सुदृढ रहावयाला जसें उत्तम अन्नपाणी पाहिजे, तशीच उत्तम व स्वच्छ हवा त्याच्या फुप्फुसाला मिळणें अवश्य आहे। मात्र आश्चर्य इतकेंच कीं, उत्तम अन्न मिळण्याकरिता मनुष्याचा प्रयत्न जसा दिसून येतो तसा तो उत्तम पाण्या करिता नसतो व हवेसबधानेंतर कित्येकाच्या स्वप्नातहि विचार येणें कठीण ! अन्नपाण्याच्या अभावी मनुष्य काहीं दिवसतरी जगू शकेल, पण तोच हवा न मिळाल्यानें किती वेळ दम धरील हे पहाणे असल्यास थोडा वेळ नाक तोंड बद केल्यानें सहज कळून येते। अर्थात् अन्नपाण्यापेक्षा हवेलाच जास्त महत्व आहे, असे कबूल करणे भाग पडते। प्राणिमात्राच्या अस्तित्वाला ती इतकी महत्वाची आहे म्हणूनच की काय, काहींसुद्धा प्रयास न पडता प्रत्येकाला ती मुबलक मिळावी अशीव्यवस्था परमेश्वराने केली आहे। अन्नपाण्यापासून आपल्याला काय उपयोग होतो, असे साधारण समजुतदार मनुष्याला आपण विचारल्यास तो लगेच उत्तर देईल की, अन्नपाण्याचे रस आपल्या शरीराच्या अवयवाना मिळून त्याचे पोपण होते। परन्तु तसाच प्रश्न हवेसबधाने केला असता त्याजकडून समाधानकारक उत्तर मिळेल की नाही याची शका आहे।

मराठी म्हणी proverbes

अचाट खाणे मसणात जाणे
अडक्याची गाय फटके न्याय
अडला नारायण गाढवाचे पाय धरी
अंथरूण पाहून पाय पसरावे
आई जेऊ घालीना व बाप भिक मागू देईना
आकाशाची कुऱ्हाड कोल्ह्याचे दातावर
आगीवाचुन कढ नाही व मायेवांचून रडे नाहीं
आज चांगले तर उद्या कामास येईल
आज मला तर उद्या तुला
आडवे आले तर कापून काढावें
आदाय पाहून खर्च करावा
आधीं करावा विचार मग करावा आचार
आधीं पहावे तोलून मग दाखवावे-बोलून
आंधळ्याचा हात ताटावर
आपन बुडून दगड दुसऱ्यास बुडवितो
आप मेला जग बुडाला
आपली गाय दुसऱ्याचे वेल खाय
आपलें तोंड आपणास आरशावाचुन दिसत नाहीं
आपल्याची लाथ परक्याची खेच
कामापुरता मामा
काल मेला व आज पितर झाला
खटपट करी तो पोट भरी
खाणे घरचे वाणे गोजणे
खैराचे झाड व म्हाताऱ्याचें पाड
गंगेतले पाणी गंगेत सोडणे
गरज सरो वैद्य मरो
गाजराची पुंगी वाजलीतर वाजली नाहीतर मोडून खाल्ली
घर लागलें जळूं विहीर लागला खणूं
घरात नाहीं दाणा व मला श्रीमंत म्हणा
घोंगडीला मी सोडतो पण घोंगडी मला सोडीत नाही
घण्याच्या झाडावर चढणे
चार दिवस सासुचे चार दिवस सुनेचे
चेल्याचे कान गुरूचे हाती
चोराच्या मनात चांदणे
चोराची पावले चोरास ठाऊक
ज्याचे कुडे त्याचे पुढे
ज्याचें लागावें त्याला द्यावें
जिकडे गेली वांझ तिकडे झाली सांज
तहान लागल्यावर विहीर खणणे
तिळभर दुखणे मणभर कुथणे
दुष्ट मरावे परंतु दुष्टाचा पालनकर्ता मरू नये
द्रव्याचे घरी द्रव्य गेले आणी बायकोचे घरी बायको गेली
दुखणे आले जोरावर पथ्य गेलें घेरावर
देईल दाता तर खाईल मागता
नाव सांगावे पण गांव सांगू नये
पापाचा घडा भरला म्हणजे फुटतो

मराठी के प्रचलित शब्द ।

मराठी	हिन्दी	मराठी	हिन्दी
पोट	पेट	मोजणे	गणना
बायको	स्त्री	शिकणे	सीखना
पुष्कळ	बहुत	बरा	अच्छा
भोंवताळीं	आसपास	पोरगा	छोकरा
शिवी	गाली	मुलगा	लड़का
म्हणणे	कहना	नवरा	वर
ओळखणें	पहचानना	डोलमा	स्वामी
तोंड	मुंह	खरा	सचा
विहिर	कुआ	शिडी	सिढ़ा
शपथ	सौगद	वाईट	खराब
येऊ देणे	आनेदेना	इकडे	इहां
लवकर	जलदी	तिकडे	वहां
उशीर	देरी	भाचा	भुवा
चल	चल	मला	मेरेको
उद्या	कल	तुला	तेरा
परवा	परसों	आमचा	हमारा
पुढें	अगाड़ी	तुमचा	तुम्हारा
मागें	पीछे	आहे	है
आणखि	और	माझा	मेरा
फार	ज्यादा	मेला	मरगया
यें	आ	तूप	घृत
कोठें	कहा	ठेवणे	रखना
गेला	गया	वेगळें	अलग
पहा	देखो	खाणे	खाना
म्हातारा	वृद्ध	लबाड	झुठा
थोर	बड	वेगळें होणे	अलगहोना
गोड	मिष्ट	निजणे	निद्रा लेना

मराठी व्याकरण।

१ व्याकरण विद्याहून मराठीचा ज्ञान होतो।

२ ह्याचे मुख्य भाग तीन आहेत (१) वर्ण विचार, (२) शब्द विचार आणी (३) वाक्य रचना।

३ अक्षराचा आणी त्या पासून त्याचे रूप होण्याचास वर्णविचार म्हणतात। ह्याचा मोठा विषय हिन्दी व्याकरणांत (पृष्ट न० २४—२८) पहा।

४ एक किंवा अधिक अक्षरां पासून जो अर्थ उत्पन्न होतो त्या स शब्द म्हणावे। ह्याची मराठी भाषेत आठ जाति आहेत—नाम, सर्वनाम विशेषण, क्रियापद, क्रिया विशेषण उभयान्वयी शब्द योगी आणी केवळ प्रयोगी।

५ प्रत्येक पदार्थाचे नांवाला नाम म्हणतात, जसें मनुष्य, पोथी इत्यादि। नामांत तीन भेद आहेत सामान्य विशेष आणी भाव वाचक।

६ ज्या जातिचा धर्म अनेकां वर असतो त्याला सामान्य नाम म्हणावें, जसें— मनुष्य, झाड इत्यादि।

७ एका एका व्यक्ति वाचक शब्दास विशेषनाम म्हणावें, जसें—काशी, गंगा इत्यादि।

८ पदार्थां चे भाव आणी त्याचे धर्मास भाववाचक नाम म्हणावें, जसे—मनुष्य पण, मनुष्य, इत्यादि।

९ नामास लिङ्ग वचन आणी विभक्ति, ही असतात।

१० नामास लिंग असते हें तीन आहेत—पुलिंग, स्त्रीलिंग आणी नपुंसकलिंग।

११ पुरुष वाचक शब्द पुलिंग म्हणावे, जसे—पुरुष।

१२ स्त्री वाचक शब्द स्त्रीलिंग म्हणावे जसे—स्त्री।

१३ ज्या नामा वरून पुरुष आणी स्त्रीजाति चा बोध होत नाही अथवा ज्यास दे, तें सर्वनाम लागते त्यास नपुंसक लिङ्ग म्हणावें जसे पान, फूल इत्यादि।

वचन विचार

१४ वचनें दोन आहेत,—एक वचन, आणी अनेक वचन।

१५ नामाची एक संख्यास एक वचन म्हणावें, जसे—घोडा मुलगा इत्यादि। नामाची एकापेक्षां अधिक संख्यास बहुवचन वा अनेकवचन म्हणावें, जसें— घोडे, मुलगे इत्यादि।

विभक्ति विचार

१६ माझा भाषा चा कोष्टक ४२ पृष्ठा मधे पहा।

सर्वनाम विचार

१७ सहा भाषा चा कोष्टक ४२—४६ पृष्ठा मधे पहा।

विशेषण विचार।

१८ नामा चा गुण अथवा त्याची संख्या दाखविणारा जो शब्द ते विशेषण म्हणावे जसे—ब्राह्मण, लंगडा, मूर्ख इत्यादि।

१९ संख्या दाखविणारा जो विशेषण असतो त्यास संख्या विशेषण जाणावें, जसे—दोन, तीन शंभर आदि। या विशेषणा चे तीन भेद आहेत—क्रमवाचक, संख्या वाचक आणी आवृत्ति वाचक जसे—(१) पहिला, दुसरा, पाचवा दहावा (२) अर्धा, पाव पाउण, दीड, अडीच, साडे सात (३) दुप्पट, तिप्पट, चौपट, दसपट, दश गुणित, शत गुणित।

क्रियापद विचार।

२० ज्या शब्दा च्या योगें कोणत्याही शब्दास क्रियापद म्हणावे जसे—करणे, बोलणें।

२१ सकर्मक, अकर्मक, उभयविध भावकर्तृक आणी सहाय असे अर्थावरून पाच आणी शक्य, प्रयोजक, गौण अथवा सिद्ध।

२२ ज्या क्रियाचा व्यापार कर्त्या पासून दुसऱ्या पदार्था वर असते त्यास सकर्मक क्रिया म्हणावे, जसे—बाळा पोथी वाचतो ज्या दुसऱ्या पदार्था वर क्रियाचे व्यापार निघतो तो कर्त्ता, जसे रामा पुस्तक वाचतो।

२३ ज्या क्रियेचा व्यापार कर्त्ता वरच असतो ते अकर्मक जाणावे, जसे—रामा असतो।

२४ क्रियापदाचे मूळ रूप धातु म्हणावें।

२५ जो धातु सकर्मक आणी अकर्मक ही असतो त्यास उभय विध धातु म्हणावें, जसे—मोडिले, मोडले इत्यादि।

२६ ज्या अकर्मक क्रिये चा भाव म्हणजे मूळ तोच कर्त्ता असतो व ज्याचा प्रयोग तृतीय पुरुष एक वचनी मात्र हो तो त्यास भाव कर्तृक क्रियापद जाणावे, जसे—फावले इत्यादि।

२७ जें क्रियापद धातु रूपांशी योजिले असतां त्याचा काळ व अर्थ फिरविते

ते सहाय क्रियापद म्हणावे, जसे अस, नस, जा ये, दे, लाग, बस पाहिजे, नको, नये, नलगे इत्यादि।

२८ ज्या क्रियापदांत शक्ति चा रूप आणी अर्थ असतो ते शक्य क्रियापद म्हणावे, जसे—ऐ, पुस्तक तुम्हाने वाचवितें म्हणजे हें पुस्तक वाचण्या ची तुला शक्ती आहे।

२९ जर एक मूळ कर्त्ता असून दुसऱ्या काडून एखादी क्रिया घडविण्या चा अर्थ जेव्हा मूळ धातूस अर्थ मूळ धातुस प्रत्यय लागून उत्पन्न होतो, तर त्या क्रिया, पदास प्रयोजक क्रियापद म्हणावे, जसे—राम गोविंदा काडून ते काम करवितो। जर यात मूळ धातु एकाक्षरी असता "विवणे" प्रत्यय लागतोस, जसे—खाविवणे, न्हाविवणे इत्यादि, आणी, अनेकाक्षरी असल्या तर "इवणे" प्रत्यय लागतोस, जसे—करवीणे बोलाविणे, इत्यादि।

३० सहाय रूपे धातूतून ज्याची रूपें मूळची भिन्न असतात आणी जी नियमित काळी, आणी नियमित पुरुषी मात्र साधतात त्यास गौण अथवा भिन्न क्रिया म्हण तात, ती पाहिजे, नको, न लगे आणी नये होत।

३१ क्रियापदास रूप, भेद, अर्थ, प्रयोग काळ, पुरुषलिङ्ग आणी वचन असतात।

३२ रूप दोन असतात करण जसे—होतो, करितो आणी अकरण, जसे—नाहीं नहसतों।

३३ अर्थाच्या भेदाने मूळ धातूच्या रूपान्त विकार होऊन जो नवा क्रिया रूप शब्द सिद्ध होतो तो भेद म्हणावा। मूळरूप भेद प्रयोजक भेद आणी शक्य भेद असे हे तीन भेद आहेत जसे मी पाहितो (१) त्या पाहिनें, मी पाहीन, (२) मी पाहवीन, त्या पाहविलें मी पाहवीन (३) माझ्याने पाहवते, पाहवतो पाहवेल।

३४ जोण्या क्रिया विषयीचा मनांतला निर निराला भाव जेणे करून त्यास अर्थ जाणावे। अर्था चे पाच भेद आहेत (१) स्वार्थ अर्थात् करण अथवा अकरण जाण विणार, जसे—तो गेला नाही (२) आज्ञार्थ अर्थात् आज्ञा उपदेश अथवा प्रार्थना जाणविणार जसे—रामा तू हें काम कर, तिकडे जाऊ न को (३) विध्यर्थ अर्थात् धर्म, गरजता अथवा योग्यता जाणविणार, जसे त्यानें पढावे त्याजाधें तुम्हीं त्यासी बोलू नये (४) संकेतार्थ अर्थात् शरत जाण विणार जसे—तो मला लिहिल तर मी जातो (५) संशयार्थ अर्थात् संशय बोधक जस—तो लिहिला असेल।

३५ जेथे वाक्यांत कर्त्ता, कर्म आणि भाव या च्या लिङ्ग वचना वरून क्रियापदा चे रूप फिरतें तेथें त्या विकारास प्रयोग जाणावें, असे प्रयोग चार आहेत (१) कर्तरी प्रयोग—रामा निजतो (२) कर्मणी प्रयोग—त्याणे पुस्तक वाचिलें (३) भावे प्रयोग—त्याणे त्यास मारिले (४) भाव कर्तरी प्रयोग तुम्ना फावले तर यूं जा

३६ क्रिया करते किंवा होते जो काळ बोध होतो त्यास काळ जाणावें काळ तीन आहेत वर्त्तमान (जो सध्या चालत आहेतो) जसे-तो लिहितो, आणी जो मागें गेला तो भूतकाळ, जसे तिणे पाहिले, पुढे येणारातो भविष्य, जसे तो येणार आहे।

	पुरुष	पुल्लिङ्ग	स्त्रीलिङ्ग	नपुंसक लिङ्ग
एक वचन	प्रथम	मी करितों	मीं करित्यें	मीं करितें
	द्वितीय	तू करितोस	तू करित्येस	तू करितेस
	तृतीय	तो करितो	तीकरिती	ते करिते
बहु वचन	प्रथम	आम्ही करितों	आम्ही करितों	आम्ही करितों
	द्वितीय	तुम्हीं करितां	तुम्ही करितां	तुम्ही करितां
	तृतीय	ते करितात	त्या करितात	तीं करितात

क्रीयाविशेषण म्हणजे क्रियाचा गुण प्रगट करनार, जसे—नीकर, झटकन, उभयान्वयी म्हणजे जो शब्द दोन शब्द या दोन वाक्य अन्वय करणार, जसे—परन्तु, जर, तर, ज्या शब्दा च्या दुसऱ्या शब्दाशीं योग होऊन त्याचा योग त्या दुसऱ्या शब्दचें सामान्य रूप होते तो शब्द शब्दयोगी म्हणावे जसे—घर, खाली, पुढे।

ज्या शब्दा च्या योगें मनाच्या विकाराचा बोध होतो तो शब्द केवळ प्रयोगी म्हणावे, जसे—अहाहा! छि!

वाक्यात शब्दांची रचना कस कशी करावी हे वाक्य रचना ही जाणावी।

इति।

छ भाषा की शब्दावली

Vocabulary of the six Languages

شرح شش زبانی

ছয় ভাষায় শব্দার্থ

છ ભાષાનો શબ્દ કોષ

सहा भाषा चे शब्दार्थ ।

कपड़ा सम्बन्धी

हिन्दी।	इंगेजी।	उर्दू।
अंगिया	Bodice	انگیا
अचकन	Tunic	اچکن
आस्तीन	Sleeve	استین
अस्तर	Lining	استر
एकरंगा लाल	Scarlet	ایک رنگا سرخ
ओढ़ना	Covering	اوڑھنا
कपड़ा	Cloth	کپڑہ
कलाबत्तु, लेस	Lace	لیس - کلابتو
कम्बल	Blanket	کمبل
कमरबंध	Belt	کمربند
कालीन	Turkish carpet	قالین
किरमिच	Canvas	قرمچ
कुरता, कमीज	Shirt	قمیص کرتا
किनारी	Border	کنار
कोट	Coat	کرتی
कोरी मलमल	Grey mulls	کوری ململ
कोरालकलाट	Grey shirting	کورا لنکلاٹ
खोली तकिये की	Pillow case	تکیہ کی کھولی
गज	Yard	گز
गद्दी	Cushion	گدّي
गलीचा	Carpet	دري غلیچہ
गलाबंध	Neck-tie	گلوبند
गमछा	Napkin	گمچھا
गांठ	Bale	گانٹھ
गिलाफ	Cover	غلاف
घाघरा	Gown	گھاگھرہ

PIECE GOODS

বঙ্গলা ।	ગુજરાતી ।	मराठी ।
স্ত্রীলোকদিগের জামা	કાચળી, ચોળી	काचोळी
একপ্রকার জামা	પડ, થર, પેગડુ	एका प्रकार चे चोवडी
আস্তীন	બાંય	बाही मस्तनी
অস্ত্র	અસ્તર	अस्तर
এক রকম লাল কাপড	કસુંબી રંગ	बिलायती कापड
অচ্ছাদন	ચાદર	वस्त्र
কাপড	લુગડું	कापड
ছরিগোটা	છીંત	कलावस्तु, फीत
কম্বল	ધાબળી, કામળી	घोंगडी, कांबळे
পোর বস্ত্র	પટ્ટો	पट्टा
গালিচা	કસુંબી શેતરંજી	कालीन
ক্যাম্বিস	કેનવાસ	कनविस
কামিজ	ખમીસ	खमीस
পাড়	કોર	किनारा
কোট, কুর্ত্তা	ડગલો, કોટ	कुडती, अंगरखा
কোরা মলমল	કોરો મલમલ	पाढरी मलमल
কোরা লং,ক্লাট	કોરોલોંગક્લોથ	पाढरैलकलाट
ওয়াড	અશીકાનું ગલેફ	तक्याची खोळी
গজ	વાર, ગજ	वार
গদী	ગોદડું, ગદી તકીયો	गादी
গালিচা	ગાલીચો, જાજમ, શેતરંજી	गलीचा
গলাবন্ধ	ગળપટો	मानवधन
গামছা	રૂમાલ	तोंड पुसणे
গাঁটি	ગાંસડી	बस्ता
গোল	ગિલેફ	आड, पडता
ঘাঘরা	ઘાઘરો	झगा

कपड़ा सम्बन्धी

हिन्दी।	इंग्रजी।	उर्दू।
नैनसुख	Jaconet	نین سکھ
नैनूजामदानी	Lappet	ملوں جامدانی
चद्दर	Sheet	چادر
चपकान	Tunic	چپکن
चोली	Bodice	چولی
छींट	Calico, chintz	چھینٹ
जांघिया	Breeches	جانگھیا
जामा	Robe	جامہ
जेब	Pocket	جیب
जीन	Drill	زین
टोपी	Cap	ٹوپی
डोरा	Thread	دھاگا
डोरिया	Dimity, stripe	ڈوریا
तकिया	Pillow	تکیہ
तोषक	Mattress	توشک
तौलीया	Towel	تولیا
थान	Piece	تھان
दामन	Skirt	دامن
दुशाल	Shawl	دوشالہ
दुपट्टा	Scarf	دوپٹا
धोती	Dhooti	دھوتی
पगड़ी	Turban	پگڑی
पुलिन्दा	Package	پلندہ
पीला नैनसुख	Orange-jaconet	زرد نین سکھ
पेटी	Chest	پیٹی
फर्श	Carpet	فرش

PIECE GOODS

বঙ্গলা ।	ગુજરાતી ।	मराठी ।
নয়নসুখ কাপড়	નેનસુખ	नैनसुख
নয়নসুখ জামদানি	લપેટો	नैनुकापड
বিছানার চাদর	ચાદર	चादर
একপ্রকার জামা	પડ આચ્છાદન	एका प्रकारचो बंडी
স্ত্রীলোকের জামা	ચોળી, કાચની કમખો	काचोळी
ছিট	છીટ	छीट, चीट
পাজামা	ચોરણો	चोलणा
পোষাক	ઝભો, જામો	झगा, जामा
জেব	ખીસું	खीसा
ভীন	શારડી કાણુપાડવાનું ઓઝાર	वेधन
টুপি	ટોપી	लहान टोपी
সুতা	દોરા, સુતર	दोरा, सूत
গির্টি ডোরা	કોથલો, ગુણી	पट्टे काढलेला
বালিশ	તકીયો	तक्या
গদী তোষক	સુજની, તળાઈ, ગોદડી રજાઈ	लेप
তোয়ালে	ટુવાલ	रुमाल
থান	થાન	थान
জামার ধার মোড়া	પોશાકનો ઘાઘરો (સ્ત્રીનો)	सोगा
শাল	શાલ, દુશાલ	शाल, पासोडी
উড়নী	દુપટ્ટા પીછોડી	गळपट्टा, दुपट्टा
ধুতী	વારનેચ ચડાવનેક પડ	धोतर
পাগড়ি	પાઘડી	पागोटे
গাঁটি	થાસડી દાગીનો	गठ्ठा
পীতরংয়ের নয়নসুক	પીળો નેનસુખ	पीवळे नैनसुख
সিন্দুক	પેટી	सन्दूक
গালীচা	ગાલીચો, રોનડી	गालीचा

कपड़ा सम्बन्धी

हिन्दी।	इंग्रेजी।	उर्दू।
फतूई	Jacket	جاکٹ - پہتوئی
फलालेन	Flannel	فلالین
बक्स	Box	بکس
बनात	Broad-cloth	بنات
बिस्तर	Bed	بستر
बैगनी नैनसुख	Purple jaconet	ارغوانی نینسکھ
मलमल	Muslin,mulls	ململ
मखमल	Velvet	مخمل
माटापिलाम	Matapalam	ماٹاپلیم
मोजा	Stockings	موزہ
रजाई	Quilt	رضائی
रेशम	Silk	ریشم
रेशमी कपड़ा	Gauze	ریشمی کپڑا
रूमाल	Handker-chief	رومال
लंकलाट	Shirtings	لنکلاٹ
लट्ठा	Calico	لٹّھا
लहंगा	Petticoat	لہنگا
सतरंजी	Carpet	غلیچہ - شطرنجی
सफेदलंकलाट	White-shirting	سفید لنکلاٹ
सफेद मलमल	White-mulls	سفید تربب
सनका बोरा	Gunny bag	سن کا بورہ
सनका वस्त्र	Canvas	سن کا کپڑا
सन	Hemp	سن
साटिन	T-cloth	ساٹن
सीटन	Sheeting	سوتی سیٹن
सूता	Twist, yarn	سوتا

PRICE GOODS

বঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
জাকিট	બાંડી, બદન	बंडी
পশমের বস্ত্র, ফ্লানেল	ફલાલી।	लोकरीचे मउ कापड
বাক্স	પેટી	पेटी
বনাত	બનાત	बनात
বিছানা	બિછાનું, બિસ્તરો	बिछाना
বেগুনী রঙ্গের নয়নসুখ	જાબલી નૈનસુખ	जामळा नैनसुख
মলমল	મલમલ	मलमल
মখমল	મખમલ	मखमल
মাটাপালাস	માટાપલાસ	माटाविलास
মোজা	મોજા	पायमोजा
লেপ	રજાઇ, ગોદડી	रजई लेंप
রেশম	રેશમ	रेशीम [कापड]
রেশমের কাপড	એકજાતનુ રેશમી કાપડ	एका प्रकार चे रेशम
রুমাল	રૂમાલ	रुमाल
লাকলাট	લકનાક	लकलाट
কেলিকো	લટ્ઠો, ચાદર પાટ	कापसा चे कापड छीट
ঘাঘরা	ઘાઘરો, ચણીયો	घागरा
গালিচা	રોવઠ, ગાલીચો	गलिचा, बिछायत
ধোয়া লাকলাট	ધોતુ લેકનાક	पाठरेंलकलाट
সাদা মলমল	ધોલુ મલમલ	पाढरे मलमल
শনের থোলে	થેલી ગુણી, કોથળો	तागाचे थैले
ক্যাম্বিশ	કેનવાસ	तागाचे कापड
শন	સણ	ताग
টিপ্পিন কাপড	સાટિન	साटण
চাদরের কাপড	ચાદર	चादर
সূতা	સુતર	लोकरी चें सुत

गल्ला और रूई

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू
अरवाचावल	Raw-rice	اروا چاول - برنج
अलसी	Lin-seed	السي
अरड	Rahar	ارهر
अनाज	Grain	غله
उसनाचावल	Boiled-rice	ارسنا چاول
उडद	Black kly	اُرد
कपास	Cotton	کپاس
कुलथी	Horse gram	گهوڑیکا دانه
खली	Oilcakes	کہلی
खाली	Empty	خالی
खाद	Manure	کهاد
गल्ला	Grain	غله
गेहूं	Wheat	گندم - گیہوں
चना	Gram	چنا
चावल	Rice	چاول
जौ	Barley	جَو
जुवार	Jowari	جوار
तीसी	Lin seed	السی - تیسی کا بیج
तिल	Sesanum	تل
दाल	Pulse	دال
धान्य	Paddy	دهان
बाजरा	Bajra	باجرا
भुट्टा	Maize	بهٹا - مکا
मटर	Pea	مٹر
मसूर	Lentil	مسور
रूई	Cotton	روئی

GRAIN AND COTTON

वङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
চাউল	ડાયાચોખા	कोंधळ्यातांदुळ
তিসি	અળસી	अळसी, जवस
অবহর	અડદ	तूर
আনাজ	દાણો, અનાજ	धान्य, गल्ला
এক প্রকার শস্য	ભાત	उखा तांदुळ
মাসকলাই	એક પ્રકારનું ધાન્য	उडद
কার্পাস	રૂ	कापुस
কুলথকলাই	કળથી	घणे
খোল	ખોળ	खळी
শালি	ખસી	रिकामा
সার	ખાદ	खत
শস্য	અનાજ	धान्य
গম	ઘઉં	गहू
ছোলা	ચણા	हरभरे
তণ্ডুল	ચોખા	तांदुळ
জব	જવ	यव, जव
এক প্রকার ধান্য	જુવાર	जोंधळे
তিসি	અળસી	अळसी
তিল	તલ	तीळ
ডাল	કઠોળ	डाळ
ধান	ધાન્ય	धान्य
বাজরা	બાજરી, બાજરો	बाजरी
ভুট্টা	મકાઈ	मक्का
মটর	વટાણા	वटाने
মুসুরডাল	મસુરની દાળ	मसूर
তুলা	રૂ	रूई

मसाला और दुसरा ।

हिन्दी ।	इंग्रजी ।	उर्दू ।
अद्रख	Ginger	ادرک
आमला	Myrabalan	اوله
इलायची	Cardamom	الائچی
कपूर	Camphor	کافور
रेवचीनी	Rhubarb	ریوند چینی
कस्तूरी	Musk	مسک - کستوری
केशर	Saffron	زعفران
चीनी	Sugar	شکر
जायफल	Nutmeg	جائےپھل - جوز
जीरा	Cummin-seed	زیرہ
तेजपता	Cassia leaf	تیزپتّا
धनिया	Coriander-seed	کوٹمیر دھنیا
पसारी	Druggist	پساری
पीपल	Long-pepper	پیپل
वहेड़ा	Beliric	بہیڑہ
मिश्री	Sugar-candy	نبات - مصری
मोमवत्ती	Candle	موم بتی
मोम	Wax	موم
लहसन	Garlic	لہسن
लौंग	Cloves	لئونگ
सिन्दूर	Vermillion	سندور
सोंठ	Dry Ginger	سونٹھ
सोडा	Soda	سوڈا
सौंफ	Aniseed	سئونف - بادیان
हल्दी	Turmeric	هلدی
हींग	Assafoetida	هینگ

SPICES AND OTHERS

बंगला ।	गुजराती ।	मराठी
আদা	આદુ	सुंठ
আমলকী	આમળાં	आवळा
এলাচী	એલચી	एलची
কর্পূর	કપુર	कापूर
রেউচিনি	રેવંચી	रेवाचीनी
মৃগনাভী	કસ્તુરી	कस्तूरी
জাফরাণ	કેશર	केशर
চিনি	ખાંડ	साखर
জায়ফল	જાયફળ	जायफळ
জিরে	જીરૂં	जीरा
তেজপত্র	તજ	तेजपात
ধনে	ધાણા	धणे
ভেষজ বিক্রেতা	ગાંધી	गांधी
পিপুল	પીંપર	पीपळ
বহড়া	બહેડા	बहेडा
মিছরী	સાકર	मिश्री
বাতী	મીણબત્તી	मेणबत्ती
মোম	મીણ	मेण
রশুন	લસણ	लसूण
লবঙ্গ	લવીંગ	लवंग
সিন্দুর	સિંદુર	सिंदूर
শুঁঠ	સુંઠ	ओलेसुंठ
সোডা	સોડા	सोडा
মৌরী	સુવા	सोवा
হরিদ্রা	હલદર	हळद
হিং	હીંગ	हींग

फलोंका

हिन्दी।	इंग्रेजी।	उर्दू।
अखरोट	Walnut	اخروٹ
अंजीर	Fig	انجیر
अंगुर	Grapes	انگور
अनूरस	Pine apple	اناس
अनार	Pomegranate	انار
अमरूद	Guava	امرود
आम	Mango	آم - انبہ
नारंगी	Orange	نارنگی - نارنج
कटहल	Jack-Fruit	کٹہل
झड़बेरी	Berry	جھڑ بیری
किसमिस	Raisin	کشمش
केला	Plantain	کیلا
खिरा	Cucumber	کھیرہ
गुलाब जामुन	Rose-apple	گلاب جامن
तरबूज	Water-melon	تربوزہ
नासपाति फल	Pear	ناشپاتی
नारेल	Coconut	نارکیل
पक्का	Ripe	پکا
पिस्ता	Pistachio nut	پستہ
पेमलीबेर	Plum	الو
फल	Fruit	پہل
बदाम	Almond	بادام
बैंगन	Brinjal	بینگن
सीताफल	Custard apple	شریفہ
सुपारी	Betelnut	سپاری
सेब	Apple	سیب

FRUITS

बङ्गला।	गुजराती।	मराठी।
आकरोट	અખરોટ	अखरोट
डुमुर	અંજીર	अंजीर
शुदआङ्गुर	અંગુર	अंगुर (तीफळ)
आनारस	અનારસ	एका प्रकारचेविलाय-
डालिम	દાડમ	अनार
पियारा	જમરૂખ	पेरू
आम	કેરી	आंबा
कमलालेबु	નારંગી	नारंगें
कँठाल	ફણસનુ ઝાડ	फळसाचेंझाड
कुल	બોર જેવું નાનું ફળ	लहान बोर
किस्मिस	દ્રાક્ષ	किसमिस
कला	કેળા	केळी
शसा	કાકડી, ચીભડુ	खिरा
गोलाप जाम	ગુલાબ જાંબુ	गुलाबजांभळे
तरमुज	કાલીંગડ, તડબુચ	तरबूज
एक प्रकार फल	નાસપતી	निवडुंग
नारिकेल	નાળીએર	नारळी
पेर पाका	પાકેલ	पिकलेफळ
पेस्ता	પિસ્તા	पिस्ता
नारङ्गी वृक्ष	મોટાબોર	मोठेबोर
फल	ફળ	फळ
बादाम	બદામ	बादाम
बेगुन	રીંગણ	वांगी
आताफल	સીતાફળ	सीताफळ
सुपारी	સોપારી	सुपारी
आपेल	સેપફળ	एकाप्रकारचीवनस्पति

तरकारी (शाक) सम्बन्धी ।

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू
अरण्डकाकडी	Pappaya	ارنڈ کاڑي
अरुई	Aurum	اروی
आलू	Potato	آلو
आमडा	Hog-plum	آمڑا
इमली	Tamarind	املی - تمرهند
ककडी	Cucumber	ککڑی
करौंदा	Goose berry	کروندہ
कैरी	Raw Mango	کیری
केला	Plantain	کیلا
गांठ गोबी	Cabbage	کرم کلہ
चना	Gram	چنا - چنہ
घिया	Pumpkin, Gourd	لئوکی
जमीकंद	Sweet potato	زمیں قند
धणिया	Corriander	کوتمیر
पेठा	White pumpkin	پیٹھا
पुदीना	Mint	پودینہ
फूलगोबी	Canliflower	پهول کوبي
बैंगन	Brinjal	بینگن
मटर	Pea	مٹر
मूली	Raddish	مولی
रतालू	Ging stalked-yam	رتالو - شعدالو
सकरकंद	Yam	شکرقند
सूंठ	Dry Ginger	ادرك
हरीमिर्च	Green chilly	هری مرچ

VEGITABLES

বঙ্গলা ।	ગુજરાતી ।	मराठी ।
পেপে	પપમ	काकडी
কচু	અળવી	अळवी
আলু	આલુ	बटाटे
আমড়া	આમળાં	आमडा
তেঁতুল	આમલી	चिंच
শসা	કાકડી	खिरा
টেপারী	કરમદા	एकाप्रकारचें फळ
কাঁচা আম	કાચી કેરી	कच्चा आंबा
কলা	કેળા	केळें
বাঁধাকপী	કોબી	गोबीसाग
ছোলা	ચણા	हरभरा
লাউ	ધીયા	भोपळा
শকরকন্দ আলু	કંદમૂળ	मूल, कंद
ধনে	ધાણા, કોથમીર	कोथम्बीर, धणा
কুষ্মাণ্ড	દુધી	कुम्हडा
সুগন্ধ পুদিনাশাক	પુદિનો	पुदिना
ফুলকপী	ફુલાવર, ફુલકોબી	कोबी
বেগুন	વીંગણુ	बीजाळा, वांगी
মটর	વટાણા	वाटाणा
মূলা	મુળી	मुळा
লাল আলু	રતાળુ સકરીયા	एकाप्रकारचीवनस्पति
শাখআলু	સકરકુંદ	गोडबटाटा
আদা	આદુ	आलें
কাঁচা লঙ্কা	હરી મરચાં	हिरवे मिरचे

धातु।

हिन्दी।	अंग्रेजी।	उर्दू
अभ्रक	Tal mica	ابرق
इस्पात	Steel	فولاد
कसौटी	Touch-stone	کسوٹی
कांसी	Bell-metal	کاسہ
गन्धक	Sulphur	گندھک
चकमक	Flint	سنگ مقناطیس
चांदी	Silver	سیم
चुम्बक	Magnet	چمک
जस्ता	Zinc	جستہ
तांबा	Copper	تانبا
धातु	Metal, Mineral	دھات
पत्थर	Stone	پتھر
पारा	Mercury	پارہ
पीतल	Brass	پیتل
फिटकड़ी	Alum	پھٹکری
बिल्लौर काच	Crystal	بلّور
भोडल	Talc	بھوڈل
रांगा	Pewter	رانگ
लोहा	Iron	لوہا
संगमरमर	Marble	سنگ مرمر
सिलकी चांदी	Bar silver	سل کی چاندی
सीसा	Lead	شیشہ
सुलेमानी	Agate	سنگ سلیمانی
सुरमा	Antimony	سرمہ
सोना	Gold	سونا - زر
सोना चांदी	Bullion	زر و سیم

METAL

বাঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
অভ্র	અબરક	अभ्रक
ইস্পাত	પોલાદ, ગજવેલ	पोलाद
কষ্টি পাথর	કસોટી, કસ	कसोटी, कस
কাঁসা	કાંસું	धातु
গন্ধক	ગંધક	गन्धक (गाधोडा)
চুম্বক লৌহ	ચકમક	गारगोटी चकमकी-
রূপা	રૂપું ચાંદી	चांदी
চকমকি পাথর	લોહચુમ્બક	लोहचुम्बक
দস্তা	જસત	जस्त
তাম্র	તાંબુ	तांबे
ধাতু	ખનીજ ધાતુ	धातु
প্রস্তর	પથ્થર	दगड, धोंडा
পারা	પારો	पारा
পীতল	પીતળ	पितळ
ফটকিরি	ફટકડી	फटकी
সাদা কাঁচ	બિલોરી કાચ	बिलोर
অভ্র	ભોડળ	अभ्रक
রঙ্গ	કથઈ	काथीस
লৌহ	લોઢું	लोखंड
প্রস্তর	સંગેમરમર	संगमरवरी
রৌপ্য	ચાંદી	चांदीचीसोन
সীসা	સીસું	शिसे
এক প্রকার প্রস্তর	સુલેમાની	सुलेमानी
রসাঞ্জন	સુરમો	सुरम्याचाधातु
স্বর্ণ	સોનું	सोने
স্বর্ণ ও রৌপ্য	લગડીનું સોનું	लगडीचेसोने

मनुष्यभेद

हिन्दी।	इंग्रेजी।	उर्दू।
अंधा	Blind	اندھا
ऐंचाताना	Squint eyed	اینچاتانا
कनकटा	Crop eared	کنکٹا
काला	Black	کالا
कुबड़ा	Hump Backed	کبڑا
कुवारो	Bachelor	کوارہ
कुवारी	Virgin-Spinster	کنواری
खूबसूरत	Beautiful	خوبصورت
गूंगा	Dumb	گونگا
चंगा	Healthy	چنگا
तोतला	Stammered	توتلا
दुबला	Thin	دبلا
नकटा	Noseless	نکٹا
नाकबैठा	Flat-nosed	ناک بیٹھا
पंगुल	Cripple	لنگڑا
पुरुष	Male	نر
बदसूरत	Ugly	بدصورت
बहरा	Deaf	بہرہ
बावना	Dwarf	باونا
बोखा	Toothless	بے دانت
मोटा	Fat	موٹا
रंडवा	Widower	رنڈوا
रोगी	Sick	بیما
लम्बा	Tall	لمبا
लंगड़ा	Lame	لنگڑہ
हिजड़ा	Eunuch	ھجڑہ

NATURAL OBJECT

बङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
অন্ধ	આધળુ	आंधळा
টেরা	વક્રદ્રીષ્ટીવાળુ	तिरवापा डाणे
কানকাটা	બુચા	कानकटा
কানা	કાણુ	काळा
কুব্জ	કુબડો	कुबडा
অনূঢ়া	કુંવારો	अविवाहिता पुरुष
কুমারী	કુમારિકા	कुमारी
সুন্দর	સુન્દર, શોભિતુ	सुन्दर
বোবা	મુગા	मुका
সবল	નિરોગી, આરોગ્ય	निरोगी
তোতলা	તોતલો	तोतला
পাতলা	સતાડવુ	पातळ
নাসিকা রহিত	નકટો	नकटा
চেপটানাক	સપાટપણુ	नाकबैठा
খঞ্জ	પાંગળો	पगुल
পুরুষজাতি	નર	पुरुष
কুৎসিত	બેડોળ, કુરૂપ	कुरूप
কালা, বধির	બહેરે	बहिरा
বামন	ઠાગણો	वामन
দন্তহীন	દાતનગરનુ બોખુ	बोंथरा
হৃষ্টপুষ্ট	જાડુ, મોટુ	पुष्ट (माहिती)
মৃতপত্নীক	રાંડેલો, વિધુર	ज्याचीबायको मेली-
পীড়িত	માંદુ	रोगी
দীর্ঘকায়, ঢেঙ্গা	ઉંચુ	लांब
খোঁড়া	લગડુ	लगडा
খোজা	હીજડો, નપુંસક	हिजरा

पशुओंका।

हिन्दी।	इंग्रेजी।	उर्दू
बकरा	He Goat	بکرا
बकरी	She Goat	بکری
बकरी का बच्चा	Kid	بکری کا بچہ
बन्दर	Monkey	بوزنہ - بندر
बन्दरी	Female Monkey	بندریا
बछेरा	Filly	بچھڑا
बछेरी	Colt	بچھڑی
बिल्ली	Cat	بلی
बैल	Ox	بیل
भालू	Bear	بھالو
भैंस	Female Buffalo	بھینس
मेंडक	Frog	مینڈک
रीछ	Bear	ریچھ
लंगूर	Ape	لنگور
लोमड़ी	Fox	لومڑی
सांड	Bull	سانڈ
सांप	Adder	سانپ
सूवर	Hog	سور
सूआ	Parrot	طوطا
सिंह	Lion	شیر ببر
सिंही	Lioness	شیرنی
सियाल	Jackal	گیدڑ
शेर	Tiger	شیر
शेरनी	Tigress	شیرنی
हाथी	Elephant	ہاتھی
हिरन	Deer	ہرن

QUADRUPES

বাঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
ছাগ	બકરો	बकरा
ছাগী	બકરી	बकरी
ছাগলের বাচ্ছা	બકરીનુ બચ્ચુ	बकरू
বানর	વાદરો	वानर
বানরী	વાદરી	वानरी
অশ্বের মাদীবাচ্ছা	વછેરી	घोडी
অশ্বশাবক	વછેરો	घोडयाचामुलगा
বিড়াল	મિલાડી	माजर
বলদ	બળદ	बैल
ভাল্লুক	રીછ	भालू
মহিষী	ભેસ	हैसा
বাড়	મેંટો	बेडक
ভালুকী	રીંછ	भालु
বানর	વાંદરૂં, માકડુ	माकड
খেঁকশিয়াল	શિયાળ, લોકડી	कोल्हा
ষাঁড়	ગોધો, સાઢ	वृषभ
বিষধরসর্প	સરપ, સાપ	सर्प
শূকর	ડુક્કર, સુવર	डकर
শুকপক্ষী	પોપટ, શુક	पोपट, राघु
সিংহ	સિંહ	सिंह
সিংহী	સિંહણ	सिंहीण
শিয়াল	શિયાળ	कोल्हा
ব্যাঘ্র	વાઘ	वाघ
বাঘিনী	વાઘણ	वाघीण
হস্তী	હાથી	हत्ती कुंजर
হরিণ	હરણ, હરિણ	हरिण

पैग्रेदार।

हिन्दी।	इगेजी।	उर्दू।
अग भाग	Member	عضو
अगूठा	Thumb	انگوٹھا
अगुली	Finger	انگلی
आंख	Eye	آنکھ
आंसू	Tear	آنسو
एडी	Heel	ایڑی
इन्द्रिय	Senses	نفس
ओंठ	Lip	لب ہونٹھ
कपाल	Forehead	ماتھا - پیشانی
कमर	Loin, Waist	کمر
कन्धा	Shoulder	کندھا
कलेजा	Liver	جگر
कनपटी	Temple	کن پٹی
कलाइ	Wrist	کلائی
कान	Ear	کان - گوش
काख	Armpit	بغل
काछ	Groin	جنگھاسا
कोहनी	Elbow	کوھنی
केश	Hair	زلف
खून	Blood	خون
खोपडी	Skull	کھوپڑی کاسہ
गला	Throat	گلا
गाल	Cheek	رخسار گال
घुटना	Knee	زانو
गर्भपात	Miscarriage	اسقاط - حمل
गर्भवती	Pregnant	حاملہ

शरीरका OF BODY

बङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
অঙ্গ	અંગ, અવયવ	गात्र, भाग
বৃদ্ধাঙ্গুষ্ঠ	અંગુઠો	अंगठा
অঙ্গুলি	આંગળી	बोट
চক্ষু	આંખ	डोळे
অশ্রু	આંસુ	आसू
গোড়ালী	એડી	टाच
বুদ্ধি, ইন্দ্রিয়	ઇંદ્રિય	इन्द्रिय
ওষ্ঠ	હોઠ	ओंठ
কপাল, ললাট	કપાળ	कपाळ
কটী, কোমর	કમર	कमर, कटि
স্কন্ধ	ખભો, ખાંધ	खांद
যকৃৎ	કલેજુ	काळीज
কানপাটী	લમણું	कानपट्टी
হাতের কব্জি	પોહુંચો	मणगठ
কর্ণ	કાન	कान
বগল	કાખ, બગલ	माडीचासांधा
কটকী	કમર, કેડ	बगल
কনুই	કોણી	कोपर
চুল, কেশ, লোম	નિમાળા, વાળ	केश
রক্ত	લોહી	रक्त
মাথার খুলি	ખોપરી	कपाळ
গলা	ગળુ, કંઠ	गला, कण्ठ
গাল	ગાલ	गाल
হাঁটু	ઘુંટણું	गुडघा
গর্ভপাত	ગર્ભપાત	गर्भपात, दुरावारे
গর্ভবতী	ગર્ભવતી	गरोदर, गर्भवती

शरीरका

हिन्दी।	अंग्रेजी।	उर्दू
चमड़ा	Skin	چمڑہ - چرم
चरबी	Fat	چربی
चूतड	Buttock	چوتڑ
चेहरा	Face	چہرہ
छाती	Breast	سینہ
जबाड़ा	Jaw	جبڑہ
जाघ	Thigh	ران
जीभ	Tongue	زبان
जुबान	Language	زبان
टाँग	Leg	ٹانگ
डाढी	Beard	دارھی
तन	Body	بدن
तिल	Mole	تل
थूक	Saliva	تھوک
दस्त	Stools	دارھی
दात	Tooth	دانت
नख	Nail	ناخن
नस	Sinew	نس
नाकका छेद	Nostrils	نتھنہ ناک کا سوراخ
नाडी	Pulse	نبض
नाभी	Navel	ناف
पगकी अगुली	Toe	پیرکی انگلی
पलक	Eye Lash	پلک
प्रसीना	Sweat	پسینا
पसली	Rib	پسلی

OF BODY

বঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
চর্ম্ম, ছাল	ચામડી	चामडी
চর্ব্বি পুষ্ট	ચરબી	चरबी
পাছা	કુલો	टुगण, नितम्ब
মুখ	ચહેરા	तोंड
বক্ষঃস্থল	છાતી	उर, छाती
চোয়াল	જડબુ	जवडी, थटवट
উরু	જંગ, સાથળ	मांडी, जांघ
জিহ্বা	જીભ	जीभ
ভাষা	ભાષા	भाषा
পদ পা	પગનો નળો	पाय, टांग
দাড়ি	દાઢી	दाढी
অঙ্গ	શરીર	आंग
তিল	તલ	तीळ
থু থু	થૂક, લાળ	थुंका
বাহ্য	દસ્ત, ઝાડા	झाडा
দাঁত	દાંત	दांत
নখ	નખ	नख
নস	નસ, સ્નાયુ	स्नायु
নাকের ছিদ্র	નસકોરાં	नथनी
নাড়ি	નાડી નાડ	नाडी
নাভি	ડુંટી, નાભી	बेंबी, नाभि
পদাঙ্গুলি	પગનીઆંગળી	पायाचेबोट
চক্ষুর পাতা	પલક	पलक
ঘর্ম্ম	પસિનો, પરસેવો	घाम
পাঁজর	પાંસળી	पासोंळी

शरीरका

हिन्दी।	इंग्रेजी	उर्दू।
पीठ	Back	پیٹھ
पुचा	Wrist	کلائی
पेट	Belly	پیٹ
पैर	Foot	پیر
पैरकातला	Sole	پیرتلا
वगल	Ankle	پیر کی کلائی
बाल	Hair	بال
बाह	Arm	بازو - بانہ
भौं	Eye-brow	ابرو
पलक	Eye lid	پلک
मगज	Brain	مغز
मन	Heart	دل
मास	Flesh	گوشت
मुठी	Fist	مٹھی
मुह	Mouth	منہ
मुत	Urine	پیشاب
मूछ	Whiskers	مونچھ
मेजा	Abdomen	نیچہ
रो	Fat	سعور
सांस	Rreath	سانس دم
सिर	Head	سر
सीना	Breast	سینہ
शरीर	Body	تن
रुची	Taste	ذائقہ
सुनना	Hearing	سننا
हड्डी	Bone	ہڈی

OF BODY

बङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
पृष्ठ	પીઠ	पृष्ट
वक्ष	પોહુચો	मणगट
পেট	પેટ ઉદર	पोट
পদ	પગ	पाय
পায়ের কিম্বা জুতার তলা	પગનુ તળીયુ	तळपाय
পায়ের গাঁইট	બગલ	बगला
চুল	બા, હાથ	केश
বাহু	ભમર	बाहुल्यापासून मन
ভ্রূ	ભ્રમર	भुवई
চক্ষুর পাতা	પોપચુ	पापणी
মস্তিষ্ক	મગજ, લમણ	मगज
মন	મન	मन
মাংস	માસ	मास
মুষ্টি	મુઠી	मूठ
মুখ	મો મોઢુ	तोंड
প্রস্রাব	મુત	मूत
গোঁফ	થોભા	मूछ
ভগ পেট	મગજ, ભેજુ	मगज
লোম	રુવા	लोंकरीचीवातडी
নিশ্বাস	દમ, સ્વાસ	दम
মস্তক	માથુ	कपाळ
স্তন	છાતી	उर, छाती
শরীর	શરીર	अंग
আস্বাদন	સ્વાદ, રૂચી	रुचि
শ্রবণ	સાભળવુ	ऐकणे
কণ্ঠি	હાડ	हाड

पेशेदारोंका

हिन्दी।	इंग्रेजी।	उर्दू।
अंग्रेज	Englishman	انگریز
कसेरा	Brazier	کسیرا
कसाई	Butcher	قصائی
कलवार	Distiller	کلوار
ख्रिस्टान	Christian	کرسٹان عیسائی
काबूली	Afgan	کابلی
कारीगर	Workman	کاریگر
किरानी	Clerk	محرر
किसान	Cultivator	کسان
कुम्हार	Potter	کمہار
कुंजड़ा	Vegetabler	کنجڑا
खुरादी	Turner	کھرادی
गवैया	Singer	گانیوالا
ग्रन्थकार	Author	مؤلف
गाड़ीवान	Coach man	گاڑیوان
गाठ बांधनेवाला	Baler	گانٹھہ باندھنے والا
ग्वाला	Milkman	گوالا
चरवादार, सईस	Groom	سہیس
चमार	Cobler	چمار
चित्रकार	Painter	مصور
छापावाला	Printer	چھاپنیوالا
सज	Judge	منصف
खगोलवेत्ता	Astralogcr	علم حیات داں
जुलाहा	Weaver	جولاہا
झींवर	Fisher-man	ماہی گیر
ज्योतिषी	Astronomer	نجومی

OE OCCUPATION

बङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
ইংরাজ	અંગ્રેજ	इंग्रेज लोक
কাঁসারি	કસારો	कसेरा
কসাই	કસાઇ	कसाई
ভাটিওয়ালা	કલાલ	कलाल
খৃষ্টান	ખ્રીસ્તી	ख्रीस्ती
কাবুলী	અફગાન, પઠાણ	पठाण
কারিগর	કારીગર	कारागीर
কেরাণী	ગુમાસ્તા, મહેતો	कारकून
চাসা	ખેડુત	शेतकरी, कुणबी
কুম্ভকার	કુંભાર	कुम्भार
উদ্ভিদ বিক্রেতা	શાક વેચનાર	भाजी वीकणारा
কন্দক	કાછી	फिरेसाकरणे
গায়ক	ગવૈયો	गाणारा
গ্রন্থকর্ত্তা	ગ્રન્થકાર, કર્તા	ग्रन्यकर्ता
কচুয়ান	ગાડીવાન	गाडीवान
গাঁট বাঁধে যে	ગાંસડીબાંધનાર	गाठबांधनार
ঘোড়াওয়ালা	ઘોડાવાળો	चाकर
সহীস	ચરવાદાર	घोडेवाला
জুতাসেলাই ওয়ালা	ચમાર	चाभार
চিত্রকর	ચિતારો	चित्रकार
ছাপাকর	છાપનાર	छापावाला
বিচারকর্ত্তা	ન્યાયાધિશ	न्यायाधीश
দৈবজ্ঞ	ખગોલવેત્તા	खगोलवेत्ता
তাঁতি	વણકર, શાળવી	विणकरी
ধীবর	મછીયારો, મછીમારનાર	मासेधरणारा
জ্যোতির্বিৎ	જ્યોતષી	ज्योतिषी

पेशदारोंका

हिन्दी ।	इंगरेजी ।	उर्दू ।
जौहरी	Jeweller	جوہری
तिरंदाज	Archer	تیرانداز
तमोली	Betel seller	تمولی
तेली	Oil man	تیلی
प्यादा	Foot man	پیادہ
दफतरी	Book-Binder	دفتری
दरजी	Tailor	درزی
दारपाल	Porter	دربان
दलाल	Broker	دلال
दुकानदार	Shop keeper	دوکاندار
धोबी	Washerman	دھوبی
नचवईया	Dancer	ناچنیوالا
भटीयारा	Baker	نان بائی
भिखारी	Beggar	بھکاری
नाई	Barber	حجام
मजदुर	Labourer	مزدور
महतर	Sweeper	مہتر
मोची	Shoe maker	موچی
मुटिया	Coolie	موٹیا
यहुदी	Jews	یہودی
माली	Gardner	مالی
मोदी	Grocer	مودی
रसोइया	Cook man	باورچی
रगरेज	Dyer	رنگریز
राजा	King	راجہ
रानी	Queen	رانی

OF OCCUPATION

বঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
জহরী	ઝવેરી	जवाहरी
তীরন্দাজ	તિરન્દાજ	तिरंदाज
তামলী	તબોલી	पानवाला
তেলী	ઘાંચી	तेली
চাপরাসী	પટાવાળો	चपरासी
দপ্তরী	પુસ્તક બાંધનાર	जल्दगार
দরজী	દરજી	शिंपी
দ্বারবান	દરવાન	दरवान
দালাল	દલાલ	दालाल
দোকানদার	દુકાનદાર	दुकानदार
রজক	ધોબી	धोबी, परीट
নর্ত্তক	નૃત્યનાચકરનાર	नाचनारा
বাটিওয়ালা	ભઠીઆરો	भाजण्याचे काम करणारा
ভিক্ষুক	ભિખારી	भिकारी
নাপিত	હજામ	न्हावी, नापित, हजाम
মজুর	મજુર	मेहनती
যে ঝাঁটদেয়, মেথর	ઝાડુદાર, મેહતર	भंगी
মুচি	મોચી	मोची, चामार
ভার বাহক	હેલકરી મજુર	हेलकरी
ইহুদী	યાહુદી	यहुदी
মালী	માળી	माली, बागवान
মুদী	ગાંધી	वाणी
বস্ত্রকারী	રસોઇઓ	स्वयपाकी
রং করে যে	રંગરેજ, રંગારો	रंगारी
ভূপতি	રાજા	राजा, भूपाल
রাণী	રાણી	राणी

पक्षियोंका ।

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
अन्डा	Egg	انڈا
उड़ना	Flying	اُڑنا
उल्लु	Owl	اُلو
कबूतर	Pigeon	کبوتر
काग	Crow	کئوا
कोचरी	Stork	لق لقا
कोयल	Cuckoo	کوئیل
गरुड़	Eagle	عقاب
गिध	Vulture	گدھہ
घोंसला	Nest	گھوسلا
चमगीदड़	Bat	چمگادڑ
चोंच	Beak	چونچ
चील	Kite	چیل
चिड़िया	Bird, sparrow	چڑیا
डोडकाग	Raven	زاغ دشتی
तीतर	Partridge	تیتر
पपैया	Swallow	ابابیل
पखेरू	Bird	پرند
पाख	Wings	بازو
पिंजरा	Cage	پنجرہ
बत्तक	Goose	بطخ
बाज	Hawk	باز
बुलबुल	Nightingale	بلبل
मुरगा	Cock	مُرغا
मुरगी	Hen	مُرغی
मोर	Peacock	مور

BIRDS.

बङ्गला ।	गुजराती ।	मराठी ।
ডিম্ব	ઇંડુ	अंडे
উড়িয়াজায	ઉડનુતે	उडणे
পেচক	ઘુવડ	घुबड
পায়রা	કબુતર	कबुतर
কাক	કાગડો	कावळा
বক	જળકુકડી	एक जातीचा पक्षी
কোকিল	કોયલ	कोयल
গৃধ্রজাতীয় পক্ষী	ગરૂડ	गरुड
শকুনী	ગીધ	गिधड
বাসা	માળો	घरटे, खोपा
বাদুড়	વાગોળ	पाकोळी
ঠোঁট	ચાંચ	चंचु
চিল	સમળી	घारटी, पतग
চটক	ચકલી	चिडिया
দাড়কাক	રણકાગડો	डोंबकावळा
টিটীভ পক্ষী	નેતર	तितर
চাতক	ચકવી	चिमणी
পক্ষী	પક્ષી	पारपद, पक्षी
ডানা, পক্ষ	પાંખ	पंख
খাঁচা	પાંજરૂ	पिंजरा
হংস	હંસ	हंस
শ্যেন পক্ষী	બાજ	ससाणा
শ্যামা পক্ষী	બુલબુલ	बुलबुल
মোরগ	કૂકડો	कोम्बडा
মুরগী	કૂકડી	कोम्बडी
ময়ূর	મોર	मोर

अफिम सम्बन्धी

हिन्दी ।	इंग्रेजी ।	उर्दू ।
अगाडीका	Before	پہلے کا
अफिम	Opium	افیون
आसरे	About	قریب
आवरेज	Average	اوسط
आखर, अंक	Figure	عدد
ईस्टाक	Stock	مجموعہ - ذخیرہ
ऊंचा	High	اونچا
उपर	Above	اوپر
आठवा	Eighth	آٹھواں
कमती	Less	کم
करो	Do, make	کرو
क्या किया ?	What did ?	کیا کیا
खरीदना	Buy, purchase	خریدنا
खरीददार	Buyer	خریدار
खरीदकिया	Bought	خریدا
खावो	Eat	کہاؤ
खाया	Ate	کہایا
खेल	Fraud	کہیل
ग्यारवा	Eleventh	گیارھواں
घबराता हूं	Fear	گھبراتا ہوں
घटाना	Declining	گھٹانا
चलानेवाला	Shipper	چلان والا
चीण	China	چین
बेशक	Certain	بیشک
चौथा	Fourth	چوتھا
छठा	Sixth	چھٹا

OF OPIUM

বঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
পূর্ব্ব	આગળનુ	पहिल्याचा
আফিম	અફીણ	अफु
প্রায়.	આશરે	भोवताली
মোট	સરેરાસ	सरासरीने भरणे
অঙ্কর	આકડા	अक
মাপ	જથ્થો	माडवल
উচ্চ	ઊંચું	उंच
উপর	ઉપર	वर, वरती
অষ্টম	આઠમો	आठवा
কম	ઓછુ	लहान
কর	કરો, કરવુ	करणे
কি করিয়াছ	શુ કર્યું ?	कायकेले
ক্রয় করা	ખરીદવુ	विकतघेणे
ক্রয় কর্ত্তা	ખરીદનાર	विकतघेणार
ক্রীত	ખરીધ્યુ	विकतघेतलेला
খাওয়া	ખાવુ	खाणे
খাইয়াছিল	ખાધુ	खातला
প্রতারণা	દગો	ठकबाजी, लबाडी
একাদশ	અગ્યારમો	अकरावा
ভীত হওয়া	ભય, બીવુ	भय
পতন হয়	ઘટવુ, ઘટાડે	कमकरणे
জাহাজওলা	ચડાવવાવાળો	गलबतावरचढवीणे
চিনদেশ	ચિન	चीना
নিশ্চয়	નક્કી	निश्चय
চতুর্থ	ચોથો	चौथा
ষষ্ঠম	છઠ્ઠે	सहावा

अफिम सम्बन्धी

हिन्दी।	अंग्रेजी।	उर्दू।
जवाबदेना	Reply	جواب دینا
जल्दी	Soon	جلدی
जहाज	Ship	جہاز
ज्यादा	More	زیادہ
ठिकानहो	Uncertain	بے ٹھیک
तमाम	All	تمام
तक	Till	تک
ताजा	Fresh	تازہ
तेज	High	گرم
तीसरा	Third	تیسرا
दड़ा	Average	دھڑا
दसवाँ	Tenth	دسواں
दुसरा	Second	دوسرا
दुतरफा	Both, Dull and high	دوطرف
धारताहू	Considering	خیال کرتا ہوں
नफा	Profit	نفع
नवा	Ninth	نواں
नहीबना	Undone	نہ بن پڑا
निश्चय	Certain	بیشک - ضرور
पहिला	First	اول
पाँचवा	Fifth	پانچواں
पीछा बेचना	Resell	دوبارہ بیچنا
पीछा बेचा	Resold	دوبارہ فروخت کیا
पेटी	Chest	پیٹی
राना	Old	پرانا
फरेब	Fraud	فریب

OF OPIUM

বঙ্গলা।	ગુજરાતી।	मराठी।
উত্তর	જવાબદેવો	उत्तर देणे
শীঘ্র	તુરતજ	लवकर
জাহাজ	વહાણ	गलबत
অধিক	વધારે	अधिक
অনিশ্চিত	અસ્થિર	अनिश्चित
সর্ব্ব	બધુ	सर्व
যে পর্য্যন্ত	જ્યાસુધી	पावेतो
নূতন	નવુ	नवीन
উচ্চ	ચડતો, ભારે	उच
তৃতীয়	ત્રીજો	तृतीया
গড়, মোট	સરેરાશ	मध्यम, सरासरीनेभरणे
দশম	દશમો	दहावा
দ্বিতীয়	બીજો	दुसरा
দ্রুতরক্ষা তেজী ও মন্দি	તેજી, મંદી	तेजआणी मंदी
বিবেচনা করা অনুমান করা	ધારવુ	मनासआणणे
লাভ	ફાયદો	नफा
নবম	નવમો	नववा
সম্পূর্ণ নিষ্পন্ন না হওয়া	અધુરૂ	झालेनाही
অসন্দিগ্ধ	નિશ્ચય	निससंदेह
প্রথম	પહેલુ	पहिला
পঞ্চম	પાચમુ	पांचवा
পুনরায় বিক্রয় করা	બીજીવારવેચવુ	पुन विक्री करणे
পুনরায় বিক্রয় করিয়াছি	પાછળથી વેચાયેલુ	पुन विक्रीझालेला
সিন্দুক	પેટી	पेटी
পুরাতন	જુનુ	म्हातारा
বিশ্বাসঘাতকতা	લુચ્ચાઇ	लबाडी ठकबाजी

जवाहिरातका ।

हिन्दी ।	इ ग्रे जी	उर्दू ।
अगुठी	Ring	چھلا
कसौटी	Touch stone	کسٹوٹی
किमती हीरा	Birlliand diamont	قیمتی هیرا
खान	Mine	کان
गोमेदक	Zircon	گئومیدک
चकमकपत्थर	Flint	چمک
जवाहिर	Jewel	جواهر
तामड़ा	Garnet	تامڑا
नीलम	Sapphire	نیلم
पत्थर	Pebble	سنگ
पन्ना	Emerald, ruby	پنا
पारा	Murcury	پارہ
पुखराज	Topaz	پکھراج
प्रवाल	Coral	مونگا
पिरोजा	Turquise	پیروزہ
मणि	Amethyst	منی
मुगा	Coral	مونگا
मोती	Pearl	گوهر
रत्न	Gem	رتن
लहशनिया	Beryle, Bestiye	لسنیا
लाल	Ruby	لال
सोना	Gold	زر
अकिक	Agate	عقیق
हीरा	Dimmond	هیرا

OF JEWLLER

বঙ্গলা।	ગુजराती।	मराठी।
অঙ্গরী	વીંટી	आगठी
কষ্টী প্রস্তর	કસોટી	कसोटी
উজ্জ্বল হীরক	ઉચ્ચો, હીરો	हीरा
খনি	ખાણ	खाण
গোমেদক	ગોમેદક	गोमेदक
চকমকি পাথর	ચકમક	चकमकीचा धोंडा
মনি মুক্তা	જવેરાત	जवाहिर
রক্ত বর্ণ মনি	તામડા	तामडा
ফিরোজা	નિલમ	नील
নুড়ি পাথর	પથ્થર	दगड
পদ্মরাগ মনি, লাল মনি	પાનુ	पन्ना
পারদ	પારો	पारा
নানা রঙ্গের মনি	પોખરાજ	पुष्पराज
পলা প্রবাল	પરવાળુ	प्रवाल
ফিরোজা	પિરોજ	पेरुजा
বেগুনী রঙ্গের মনি	મણિ	मणि
মুংগা	મુગા	मु गा
মোতি	મોતી	मोती
মুক্তা	રત્ન	रत्न
লহশনুয়া	લસણીયો	लहसनीया
লাল মনি	લાલ	लाल
স্বর্ণ	સોનુ	सोने
রত্ন বিশেষ	અકીક	स्फटिक
হীরক	હીરો	हिरा

FORM OF LETTERS

इंग्रेजी में प्रत्येक पत्र के छ विभाग होते हैं —

(१) पत्र लिखनेवाले का पता और पत्र लिखने की तारीख व मिती

(२) मान के साथ संबोधन।

(३) पत्र का सार वा भावार्थ।

(४) मान के साथ समाप्त करना।

(५) हस्ताक्षर।

(६) पत्र पानेवाले का नाम ठिकाना।

(१) पत्र लिखने वाले का पता और तारीख पत्र के दाहिनी ओर के सिरे पर लिखना चाहिये मकान का नम्बर और ठिकाना पहिले पंक्ति में नगर का नाम दूसरी पंक्ति में लिखना चाहिये उसके उपरांत तारीख मिती या मास का दिन और मास का नाम और सन का नाम तीसरी पंक्ति में लिखना चाहिये। यदि ठिकाना छोटा हो तो दूसरी पंक्ति में नगर का नाम लिख कर इस प्रकार लिखना चाहिये Salakia, Howrah

परन्तु पुर्जी में नगर का नाम न लिखकर केवल इसी प्रकार लिखा जासक्ता है —जैसे कि Monday, March 6th 1905 निम्न लिखित तारीख (Date) में से Date चाहे जिस प्रकार से लिख सक्ते हैं 6th March 1905, March 6th 1905 or the 6th March 1905 or —6 '03 or 6/30/5 यह सब रूप रूपान्तर केवल व्यापार सम्बन्धि पत्र में लिखे जाते हैं और Dated the 5th March 1905 केवल सरकारी पत्रों में लिखा जाता है।

पर याद रखना चाहिये कि व्यापार सम्बन्धि पत्रों में पत्र पानेवाले का नाम बाईं तरफ के सिरे पर लिखा जाता है। संबोधन शब्द के कुछ ऊपर।

(२) मान के साथ संबोधन शब्दों का प्रयोग इंगरेजी भाषा के पत्रों में पत्र प्रेरक और पत्र पानेवाले के मध्य में मित्रचारी पर निरभर है जोकि पत्र के उद्देश्य और अवकाश के अनुसार अनेक प्रकार से लिखेजाते हैं।

Sir अथवा Madam अनजान चिट्ठीवाले आपसमें लिखा करते हैं और सरकारी और व्यापार सम्बन्धी पत्रों में लिखा जाता है।

"Sir" सदा प्रयोग में आता है किन्तु व्यापार सम्बन्धी पत्रों में "Sirs" के स्थान में Gentleman का प्रयुक्त होना अति उत्तम है।

Dear Sir अथवा Dear Madam का उस समय प्रयोग करना उचित है जब कि पत्र भेजनेवाले और पत्र पानेवाले दोनों में भलीप्रकार जान पहचान हो।

My Dear Sir अथवा My Dear Madam गाढे हेलमेल के अवकाश पर लिखा जाता है। यह रुप केवल गाढी मित्रचारी वा माता पिता भाई बधु या और और निकटस्थ स्नेही नातेदारों को लिखा जाता है, जैसे—My Dear Gobind, My Dear Father

(३) पत्र के भावार्थ में यह ध्यान रखना चाहिये कि पत्र की भाषा भली प्रकार से सरल स्वाभाविक और सुन्दर रीति में होना चाहिये और उस में किसी अन्य भाषा का वाक्य सकेत वा अलङ्कार का होना निषेध है अतिशय अलंकारी कठिन गुढार्थ अनावश्यकीय अप्रमाणित सब अनोपयोगी वाक्य, पुनरुक्त कोई अधिक वाक्य और समस्त व्याकर्णीय खोट को एक मात्र प्रयोग से निकाल देना चाहिये।

(४) सम्बोधन के समाप्ति के अनेक प्रभेद है

सरकारी पत्र में साधारण रीति यह है —

I have the honour to be Sir Your most obdt servant Friend & co	or	I remain Sir Your most obdt servant Friend & co

वाणिज्य वा व्यापार सम्बन्धि रीति यह है —

We beg to remain Gentleman Your most obdt servant Friend &co	or	Yours faithfully Friend & co

जब कि Dear sir वा Dear madam से सम्बोधन करते हैं तो Yours truly yours obediently yours very sincerely, yours very truly, sincerely your या yours sincerely का प्रयोग उस समय होता है कि जब my dear sir या madam से किसी पत्र को सम्बोधन करते हैं।

नातेदार को सम्बोधन कर पत्र लिखने में भेजने वाला साधारणत अपना नाता लिख सक्ता है Your affectionate son, loving son कभी केवल yours affectionately भी लिखा जाता है

(५) हस्ताक्षर—स्पष्टऔर सुडौल अक्षरों मे होना चाहिये और बडी चतुराइ से सोचना चाहिये कि कोई २ अक्षर कहीं २ पर छोटा और कही २ पर बडा न हो।

(६) पता—लिफाफे की बाई ओर के किनारे से कुछ नीचे हटकर पहली पंक्ति में पत्रपाने वाले का नाम लिखना चाहिये। European लोगों को या उन लोगों को जिन का की रहन सहन European लोगों के ढग का है उनके नाम के पहले Mr (मिस्टर) अथवा उनके नाम के पश्चात Esquire (इसक्वायर=साहब लिखना चाहिये किंतु दोनों को एक साथ प्रथम और पश्चात प्रयोगमें लाना कदापि न चाहिये। और हिन्दूस्थानियोंके वास्ते केवल "बाबू" शब्द उनके नामके पहले प्रयुक्त हुवा करता है। University (युनिवर सिटी) अर्थात् विश्वविद्यालय की उपाधि भी कभी २ नाम के पश्चात् लिखी जाती है। यदि किसी पत्र में Care of (मार्फत) किसी के लिखना हो तो उसको दुसरी पक्ती में लिखना चाहिये। care of या संक्षेप रूप C/o है इसके पश्चात ग्राम वा डाकघर का नाम लिखना चाहिये जिसमें कि पत्र का पानेवाला रहता है फिर सबके शेष में उसके जिले का नाम लिखना चाहिये।

दुकानें और नौति के रुक्के और पुर्जे सदा अन्यम पुरुष Third person में लिखना चाहिये।

POSTAL APPLICATIONS

To

The director General Post office of India

CALCUTTA

Sir,

We, the inhabitants of Chakia, in the District of Mirzapur submit our humble application for your kind Considration —

The Village is not provided with a Post office and the nearest one is nearly at the Distane of 6 miles, consequently we get our letters once a week The letters sent from this Village numbering about 200 every week, in the shape of state Revenue, and shop keepers bills, Parcels, money orders &c The average remittance of Money is about 700 in a week you should not surprise at the small number of aritcles sent herefrom, but we say to our entire satisfaction that the amount will considerably increase by the establishment of a post office

We are ready to erect a suitable bulding for or the post office and, on account of rent, we promise to charge nothing

Hoping to receive your early and favourable attention on the subject mentioned above

We have the honour to be
Sir,
Your most obdt servant
(Names of some influencial Villa gers

Village Chakia
District Mirzapur,
Dated the 4th March 1905

डाक घर सम्बन्धिक निवेदन पत्र ।

(डाक घरके स्थापन करने के लिये)

श्रीमान

डाइरेक्टर जेनरल महोदय आव पोष्ट आफिसेज आव इण्डिया

कलकत्ता ।

मान्यवर महाशय,

हम लोग चकिया ग्राम ज़िला मिर्जापुरके निवासी नम्रता पूर्वक निवेदन पत्र आपके दयालु विचारके लिये आपकी सेवा मे समर्पण करते हैं। इस ग्राममें कोइ डाक घर नहीं है और जो डाक घर है भी वह लग भग छ मीलके अन्तर पर है जिस से हम लोग अपना पत्र सप्ताहमें एक बार पाते है। जो पत्र कि इस ग्राम से भेजे जाते हैं उन की सख्या प्रति सप्ताह दो सौ की होती है। सर्कारी, आमदानी दुकानदारों के बिल, मनिआर्डर आदि का साधारण चलान प्रति सप्ताह यहां से लग भग ७००) का होता है। यहा से चिट्ठीपत्रो की जो छोटीसी सख्या चलान की जाती है उस पर आपको आश्चर्य न करना चाहिये किन्तु हम निश्चय करके इस बात को प्रकाश करते हैं कि डाक घरके बन जानेपर यहा से रकम खूब अच्छी तरहसे बढ़ जाएगी।

हम लोग डाक घरके लिये एक मकान बनवा देंगे और आप से प्रतिज्ञा करते है उसका भाडा नहीं लेंगे।

हम लोग आशा करते हैं कि आप कृपाकर उक्त विषय पर शीघ्र ध्यान देंगे।

भवदीय

(थोडेसे सम्मानित ग्राम निवासियोंके नाम)

(TO OPEN AN ACCOUNT WITH SAVING BANK)

To

The post master, Bara Bazar post office,

Calcutta

Sir,

I have a mind to open an account with your Saving bank and for the same reason I send herewith Rs 150 (one hundred and fifty) only per bearer I request your favour to deposits the money properly As regards my identification I beg to inclose the certificates from P Manick Lall Joshi Deputy Collector and Lalla Bansidhar Tahsildar who personlly know me for a long time I have &c

(सेविंग बंक मे खाता खोलने की विनंती पत्र)

श्रीमान

पोस्ट मास्टर महोदय, बड़ाबाज़ार डाकघर

कलकत्ता

माग्यवर महाशय !

मैं आपकी सेविंग बेंक में अपना खाता खोलना चाहता हूं और इसी कारण मे आपकी सेवा में इस वाहक (बेरे) के हाथ केवल १५० (डेढ सौ रुपया भेजताहूं) मेरी यह प्रार्थना है कि आप कृपाकर इस रकम को मेरे नाम जमा करें और इस वाहक के हाथ पासबुक भेज कर मुझे बाधित करें ।

भवदीय

(INFORMING LOSS OF A PASS BOOK)

To

The Post master,

JHANSI

Sir,

With an entire sorrow I beg to report that my S B pass book No 18539 has been lost I request that you will kindly stop payment on the time being until the Pass is Signed & I want to know how to get a Duplicate Copy of the Pass book .

I have & c

(पास बुकके खोजाने की सूचना)

श्रीमान

पोस्ट मास्टर महोदय,

झांसी

मान्यवर महाशय,

अत्यन्त शोकके साथ में आपको सूचित करता हू कि मेरा पासबुक जिसका नं० १८५३९ था चोरी चला गया। मै निवेदन करताहू कि सिवाय मेरे आप किसी को रुपये न चुकावें । मै यह भी जानना चाहता हू कि उक्त पास बुक की दूसरी प्रति किस प्रकार से मिलेगी।

भवदीय

COMPLAINING OF ERRORS IN CALCULATING INTERESTS IN SAVINGS BANK PASS BOOK

To

The Post Master General

BENGAL

Sir,

By means of calculation I have found out that Rs 200 is due to me on account of interests on the money deposited in the savings bank with account No 2604 but only Rs 180 have been credited to my account I request for the favour of your early attention for finding out the difference

I have &c

सेविंग बंक की पासबुक मे अशुद्ध व्याज फैलाने की रिपोर्ट।

श्रीमान

पोस्टमास्टर जेनरल महोदय

बेगाल

मान्यवर महाशय,

हिसाब फैलाने से मालुम हुआ कि खाते नं० २६०४ के साथ जो रुपये जमा किये गए है, उनके व्याज के कारण मेरा २००) रुपयेका पावना होता है किन्तु मेरे नाम केवल १८०) रुपये जमा किये हैं। आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करता हू कि आप कृपा कर इस अन्तर को शीघ ही निकाल डाले।

COMPLAINT AGAINST POST MASTER FOR NON-PAYMENT ON A SUSPICION OF SIGNATURE

To

The Post master General

BENGAL

Sir

I regret to report that the post Master Dhurmtollah has not paid Rs 20 to my bearer on account of the interests for the money deposited in S B account No 8842 I signed the form of with drawal but on the pretext of incorrect signature refused payment and for the same I am put to a great trouble I accordingly, request you for the favour of an early order of the payment on examining the same.

I have &c

सही से शंका पाए जाने के कारण रुपये चुकती न करने के लिये पोस्ट मास्टर को रिपोर्ट

बेंगाल।

मान्यवर महाशय !

मैं आपको सेवा में आपके सूचनार्थ निवेदन करता हूं कि खाते नं० ८८४२ में मेरे नाम जो रुपये जमा हैं उनके ब्याज के २०) रुपये मेरेग्राहक के हाथ धर्मतल्ला के पोष्ट मास्टर साहबने नहीं दिये। मैंने अधिकार पत्र पर अपनी सही कर दी थी परन्तु अशुद्ध सही का बहाना करके उन्होंने रुपये चुकाने के लिये नहीं कर दी और इसी कारण मुझे बड़ी विपता भोगनी पड़ी। इसी के अनुसार मैं आप से प्रार्थना करता हूं कि आप कृपा कर इसकी परिक्षा करके रुपये चुकाने को उनको शीघ्र आज्ञा दीजिये। आपका

FOR TRANSFERRING ACCOUNTS OF SAVING BANKS

To

The Post master, Bara Bazar Post Office

CALCUTTA

Sir,

As I am going to Lucknow to reside there for a long time I beg that you will kindly allow me to draw the balance of my Saving Bank accounts I sent the Pass book per bearer

I have &c

निवेदन पत्र सेविंग बंक की हिसाबकी स्थानांतर करने का निवेदन पत्र।

मान्यवर महाशय।

क्योंकि मैं लखनऊ को जानेवाला हूं। मैं वहां बहुत दिन तक रहूंगा। इस लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूं कि मुझे अपने नामकी रोकड़ चौक डाक घर के सेविंग बंक में भरपाई की परवानगी दें और यह पासबुक मैं आपकी सेवा में भेजता हूं। भवदीय

AN ORDER FOR PAYMENT ON AN APPOINTED MAN'S SIGNATURE

To

The Post master, Sham Bazar CALCUTTA

Sir,

Pandit Pooran chand Trivedi is authorised to sign for me in future and draw Rs 50 from my accounts in your Post office savings bank A form to withdraw as signed by me is sent here with

I have &c.

किसी नियुक्त मनुष्यको सही करने का अधिकार देकर रोकड की भरपाईके लिये निवेदन पत्र।

श्रीमान् पोष्टमास्टर

शामबाजार—कलकत्ता

मान्यवर महाशय! पण्डित पुरन्दर त्रिवेदी का अधिकार दिया जाता है कि मेरे बदले में वह भविष्यत के लिये सही किया करे और मेरे नाम के ५०) रुपये वसूल कीया करे जो कि आपके डाक घरके सेविंग बंक में जमा है। अधिकार पत्र पर सही कर दी है।

भवदीय

बुक पाकेट की खोजाने की रिपोर्ट।

To
The Post Master General
BENGAL

Sir,
I have been informed that a packet containing two books was sent to me by Brij Basi Lall Bookseller from Jhansi on sunday last as per in voice enclosed but I have not received the packet nor can be traced out I therefore request the favour of your, making an early inquiry in the matter

I have &c

मान्यवर महाशय!

मुझ को मालुम हुवा है कि दो पुस्तकोंका एक पाकेट झांसी के किताबवाले व्रजबासी लालने मेरे नाम रवाने किया था जिसका कि इनवाइस मदकार दिया है। पर वह पाकेट मुझे नही मिला और न उसका कोई पता लगता है। इस लिये निवेदन है कि कृपाकर शीघ्र उसकी तलाश करें।

भवदीय

वी० पी० पाकेट की खोजाने की रिपोर्ट।

To
The Post Master General
CALCUTTA

Sir,
I sent a value payable packet to Kedar Nath 19 Chandni Chauk Delhi about a month ago, but I have neither received the packet nor the equivalent money I accordingly request your favour either to restore me the packet or to equivalent money

I have &c.

मान्यवर महाशय !

एक महिना हुआ कि मैंने दिल्ली शहर चादनी चौक न० १८ के पते पर केदार नाथ के नाम एक वी० पी० पाकेट रवाना किया था। पर न तो मुझे वह पाकेट मिला और न उसका रुपया। इस लिये निवेदन है कि आप कृपाकर वह पाकेट या उसका रुपया दिला दें।

भवदीय

चिठी खोजाने की रिपोर्ट।

To
The Post Master General
CALCUTTA

Sir,

On sunday last my son addressed a letter to me from Delhi but I have not received it nor any one else in my family I therefore request you to make an enquiry and restore the letter to me

I have &c

मान्यवर महाशय।

मेरे लड़केने गत रवीवार को मेरे नाम दिल्ली से एक पत्र भेजाया सो न तो वह पत्र मुझे मिला और न वह किसी घरके आदमी को मिला। कृपाकर उसकी तलाश करें और वह पत्र मुझे दिलावे

भवदीय

लेटरबक्स से प्रतिदिन चिठी न निकलनेकी रिपोर्ट।

To
The Post Master General
CALCUTTA

Sir,

I have the honour to inform you that the letter box at the head of the Sonapatti is not regularly cleared It causes, cosequently a great deal of trouble from the delay in despatching the letters of those men, who post their letters in it, I, therefore, request your favour to stop the irregularity

I have, &c

मान्यवर महाशय!

आपके सूचनार्थ मैं आप की सेवा में निवेदन करता हूं कि सोनापट्टी के सिरे पर जो लेटरबक्स है उस में से चिठ्ठिया प्रतिदिन नहीं निकाली जाती इस से चिठ्ठियों को रवानगी में बिलम्ब होने के कारण उन लोगों को बड़ी अड़चन होती है जो अपनी चिठ्ठिया उस में छोड़ा करते हैं। इसी लिये मेरी प्राथना है कि आप इस कष्टको दूर करें।

भवदीय

किसि नातेदार को मनीआर्डर पर सही करनेका अधिकार देने के लिये निवेदन पत्र।

To

The Post Master General

GWALIOR STATE

Sir,

I have the honour to request the favour of your kindly advising the post man to deliver money orders addressed to me, to my son who will sign for me for, their redirection from place to place causes sometimes a great delay and difficulty

I have &c

मान्यवर महाशय!

मैं आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करता हूं कि आप कृपा कर डाकिये को सूचित कर दें कि वह मेरे नाम के मनीआर्डर मेरे पुत्रके हाथ सौंप दिया करे जो कि मेरे बदले सही कर दिया करेगा, क्यों कि उनके सरनामे में बार २ स्थान २ से बदल हो जाने के कारण कभी २ बड़ी विलम्ब हो जाती है और बड़ा कष्ट उठाना पड़ता है।

भवदीय

(मनीआर्डरकी तलाश)

To

The Post Master

ARRAH

Sir,

I despatched a money order No 2145 for Rs, 10 only from the above Post Office on Monday last, but no receipt is acknowledged as yet I therefore, ask you to kindly find out the cause and let me know

I have, &c

मान्यवरमहाशय!

मैंने उक्त डाकघर से गत रवीवार को केवल १०) रुपये का मनीआर्डर नं० २१४५ भेजा था पर उसकी रसीद अभीतक न मिली। सेवा में निवेदन करताहूं कि आप कृपा कर इसकी जाच करके मुझे सूचित करें।

भवदीय

मान्यवर महाशय !

एक महिना हुवा कि मैंने दिल्ली शहर चादनी चौक नं० १८ के पते पर केदार नाथ के नाम एक वी० पी० पाकेट रवाना किया था। पर न तो मुझ वह पाकेट मिला और न उसका रुपया। इस लिये निवेदन है कि आप कृपाकर वह पाकेट या उसका रुपया दिला दे।

भवदीय

चिठी खोजाने की रिपोर्ट।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

On sunday last my son addressed a letter to me from Delhi but I have not received it nor any one else in my family I therefore request you to make an enquiry and restore the letter to me

I have &c

मान्यवर महाशय।

मेरे लड़केने गत रवीवार को मेरे नाम दिल्ली से एक पत्र भेजाथा सो न तो वह पत्र मुझे मिला और न वह किसी घरके आदमी को मिला। कृपाकर उसकी तलाश करें और वह पत्र मुझे दिलावे

भवदीय

लेटरबक्स से प्रतिदिन चिठी न निकलनेकी रिपोर्ट।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

I have the honour to inform you that the letter box at the head of the Sonapatti is not regularly cleared It causes, cosequently a great deal of trouble from the delay in despatching the letters of those men, who post their letters in it, I, therefore, request your favour to stop the irregularity

I have, &c

मान्यवर महाशय!

आपके सूचनार्थ में आप की सेवा में निवेदन करता हू कि सोनापट्टी के सिरे पर जो लेटरबक्स है उस में से, चिट्ठिया प्रतिदिन नही निकाली जाती इस से चिट्ठियो को रवानगी में विलब होने के कारण उन लोगों को बडी अडचन होती है जो अपनी चिट्ठिया उस में छोडा करते हैं। इसी लिये मेरी प्रार्थना है कि आप इस कष्टको दूर करे।

भवदीय

किसि नातेदार को मनीआर्डर पर सही करनेका अधिकार देने के लिये निवेदन पत्र।

To

The Post Master General

GWALIOR STATE

Sir,

I have the honour to request the favour of your kindly advising the post man to deliver money orders addressed to me, to my son who will sign for me for, their redirection from place to place causes sometimes a great delay and difficulty

I have &c

मान्यवर महाशय।

मैं आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करता हूं कि आप कृपा कर डाकिये को सूचित कर दें कि वह मेरे नाम के मनीआर्डर मेरे पुत्रके हाथ सौंप दिया करे जो कि मेरे बदले सही कर दिया करेगा, क्यों कि उनके सरनामे में बार २ स्थान २ से बदल हो जाने के कारण कभी २ बड़ी विलंब हो जाती है और बड़ा कष्ट उठाना पड़ता है।

भवदीय

(मनीआर्डरकी तलाश)

To

The Post Master

ARRAH

Sir,

I despatched a money order No 2145 for Rs, 10 only from the above Post Office on Monday last, but no receipt is acknowledged as yet I, therefore, ask you to kindly find out the cause and let me know

I have, &c

मान्यवरमहाशय!

मैंने उक्त डाकघर से गत रवीवार को केवल १०) रुपये का मनीआर्डर न० २१४५ भेजा था पर उसकी रसीद अभीतक न मिली। सेवा में निवेदन करताहूं कि आप कृपा कर इसकी जाच करके मुझे सूचित करें।

भवदीय

मनी आर्डर न मिलने की रिपोर्ट।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

My son from Karachi sent a money order to me in my address No 5 instead of No,6 Tara chand Dutt's Street It appears that the *money order is Missing Will you be kind enough to make a seaching enquiry about the same and oblige*

I have &c

मान्यवर महाशय !

मेरे पुत्र ने कराची से मनी आर्डर द्वारा २५) रुपैया भेजा है पर ताराचंद दत्त स्ट्रीट नं० ६ के बदले नं० ५ का ठिकाना दिया है। इस से मालुम होता है कि मनिआर्डर मारा गया। क्या आप कृपापूर्वक उसका पता लगा कर मुझे बाधित करेंगे।

भवदीय

जिस दिन रुपया जमा करने के लिये दिया जाए उसी दिन जमा न करके किसी और आनेवाली तारीख में जमा करने के कारण।-

पोस्ट मास्टरकी रिपोर्ट

To

The Post Master General

BENGAL

Sir,

I beg to report that I deposited Rs 100 to my account No 6492 on the first instant, but it is clear from the Pass book that the amount was deposited on the 6th Thus in the account of my interest I sustain a loss For the proof of which, the receipt is attached herewith I accordingly request your fovour for the pay ment of my credit on account of the deposit from the first instant

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैं आपके सूचनार्थ आपकी सेवामें निवेदन करता हू कि मैने अपने नाम खाते नं० ६४८२ में इस मासकी पहली तारीख के दिन १००) जमा किये थे परन्तु खाते से स्पष्ट प्रगट होता है कि वह रकम ८ तारीख के दिन जमा की गई थी। इस हिसाब से मेरे ब्याज में टोटा पडता है। जिसकी परिक्षा के लिये मैं उस की रसीद इसी के साथ आप की सेवामें भेजता हू। इसी के अनुसार आप से मेरी प्रार्थना है कि आप कृपा कर वह रकम पहली तारीख से मेरे नाम जमा करके मेरा रुपया मुझको चुका दे।

भवदीय

डाकव्यय घटाने के लिये
निवेदन पत्र ।

To

The Post Master General

CALCUTTA

Sir,

I have started a newspaper below five tolahs in weights, the circulation of which is 10000 per week I request the favour of your kindly granting me the privilege of paying half postage rates for all the future issues

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैंने एक समाचार पत्र निकाला है जो कि तौल मे पांच तोले से कम है और जिस की १०००० प्रतियों का वितरण (बांट) प्रति सप्ताह हुआ करता है। इस लिये मेरी आप से सविनय प्रार्थना है कि आप मुझ पर कृपा कर इसके भविष्य की समस्त प्रतियों के लिये डाकव्यय का दर आधा कर दें।

भवदीय

डाकमहसूल के लिये उजुर करना।

To

The Post Master General

BENGAL

Sir

I beg to inform you that the packet returned is under 5 tolahs while one anna the postage due is charged by your officials I shall feel highly obliged by your kindly cancelling the excess due, and ordering the immediate delivery of the packet.

I have &c

मान्यवर महाशय !

सेवामें निवेदन है कि यह पाकिट जो कि लौटकर आया है पांच तोले से कम है और आपके कर्मचारियों ने इस पर महसूल एक आना लगाया है। इस लिये सेवामें मेरी प्रार्थना है कि आप कृपाकर जो कुछ महसूल अधिक लगा है उसे खारिज कर दें और पाकेट के जल्दी पहुंचने की आज्ञा देकर मुझे बाधित करें।

भवदीय

देरी से पत्रादि के मिलने की रिपोर्ट।

To

The Post Master general

BENGAL

Sir,

The post marks on the cover enclosed show that the letter which was posted at Benares on the 10th Instant was due here on the 11th but owing to the carelessness of some of your officials, it was wrongly directed to chowringhee post office where it was detained for one day The delay placed me under a great deal of trouble I request your favour to take the proper steps to remedy the irregularity in future

I have &c

मान्यवर महाशय !

बंद किया हुआ लिफ़ाफा जो कि मैं आपकी सेवा में भेजता हूं उसकी मोहर से प्रगट होता है कि जो पत्र इसमें दस तारीखके दिन बनारस से भेजा गया था उसको यहां पर ११ तारीख के दिन पहुंचना था पर आपके किसी कर्मचारी ने अपनी असावधानी के कारण उसको भूल से चौरंगी के डाकघर में रवाना कर दिया जिस से कि वह मेरे पास उस दिन पहुंच न सका। इस देरीके कारण मुझको बड़ी विपत्ता भोगनी पड़ी। मेरी प्रार्थना है कि आप कृपा कर भविष्यतके लिये इसका उचित प्रबंध करें।

भवदीय

पोस्टमास्टर की रिपोर्ट।

To

The Post Master General

ALLAHABAD

Sir,

Babu Bankey Behari Lall, the present post master of Etawah post office is leading himself in a very rude and rough manner In complaining against him, we beg to observe, that he employes the peon for his private works There is always a great delay in the payment of money orders These are the irregularities on his part, which led many of us to draw out our savings bank deposits We pray, therefore, that an order may be issued for his removal

I have &c

मान्यवर महाशय!

बाबू बांकेबिहारी लाल जो अभी एटावा डाकघर के पोस्ट मास्टर हैं वह बहुत अनाड़ी और जङ्गली जान पड़ते हैं। उनकी रिपोर्ट करते समय हम लोग आपकी सेवा में निवेदन करते हैं कि आप इस पर विचार करियेगा कि वह चपरासी से अपना घरू काम लिया करते हैं और मनीआर्डर की अदाई में हरदम बड़ी देर हुआ करती है। उनकी ऐसी चाल चलनके कारण हम लोगोंमें से बहुतोंने सेविङ्ग बंक से अपने जमा किये हुए रुपये लौटा लेनेके लिये सोच विचार करचुके हैं। इस लिये आपकी सेवा में हम लोगों की प्रार्थना है कि कृपा कर उनको इस डाकघर से अलग कर दें।

भवदीय

(पता बदलने के लिये निवेदन पत्र)

To

The Post Master

Bara Bazar—Calcutta

Sir,

As I shall change my residence on the first Proximo from 5 Tarachand Dutt's st to 24 Dhakuria Road, I request you to redirect all the letters &c to my new address

I have, &c

मान्यवर महाशय!

सेवा में निवेदन है कि मै अबकी पहली तारिख से नं॰ ५ तारांचंद दत्त स्ट्रीट छोड़कर २४ नम्बर ढाकुरिया रोड जाकर रहूंगा इस लिये उस तारीख से मेरे नामके पत्रादि उसी ठिकाने पर पहुंचावें।

भवदीय

तार सवन्धिक पत्र व्यवहार ।

टेलीग्राफ आफिस खुलनेके लिए

निवेदन पत्र ।

To

The Director General
Covernment Telegraph Deptt
Calcutta

Sir,

We most humbly and respectfully beg to inform you that the public of this locality finds a great difficulty in the Telgraphic Communication. There is a great want of a Telegraphic branch office owing to the place being the centre of business We there fore, request the favour of your kindly opening the said branch for the convenience of the public.

Name of the Village
Name of the District
Full Date_______

We have the honour to be
Sir
Your most sers
(The names of respectable persons)

मान्यवर महाशय !

हमलोग बड़े मान आदर से आपकी सेवा में आपको सूचित करनेके लिये निवेदन करते हैं कि हमारे यहां के सर्व साधारण को तार समाचार के पाने और भेजने में बड़ी बाधा हुवा करती है। यहां पर टेलिग्राफ आफ़िस की शाखा के खुलने की बड़ी आवश्यकता है। इस लिये आपकी सेवा में हम लोग निवेदन करते हैं कि आप कृपाकर सर्व साधारण के सुभीते के लिये उक्त शाखा के खोलने की दया करें।

नाम ग्राम
नाम ज़िला
पूरी तारीख

भवदीय
आज्ञाकारी सेवक
(कुछ रईसों के नाम)

अधिक महसूल की रिपोर्ट।

To
The Superintendent
Government Telegraph office
Check Department
Calcutta

Sir

I have the honour to inform you that the booking clerk of Bara Bazar telegraph office charged for my telegram as 12 instead of as 8 to the rule, for the proof of which I submit a copy and receipt of the telegram I request therefore to refund me as 4 and instruct the booking clerk to be very full care in future

59 Cotton St
Calcutta
The 4th April 1905

I have the honour to be
Sir

मान्यवर महाशय!

मैं आपको सूचित करने के लिये आपकी सेवा मे निवेदन करता हूं कि बडी बाज़ार आफ़िस के बुकिङ्गक्लार्क ने मेरे तारका महसूल आठ आनेके बदले बारह आने लेलिये। इसके सबूत के लिये मैं आपकी सेवा में उस तार समाचार की प्रति और उसकी रसीद भेजता हू। इसलिये निवेदन है कि मेरे ४ चार आने फिरती किये जावें और उस बुकिङ्गक्लार्क को आगेसे सावधान होने के लिये सूचित करें॥

भवदीय

खारिज (कैंसिल तारका महसूल वापिस लेनेके लिये विनयपत्र)।

To
The Superintendent
Government Telegraph offices
Check Department
Calcutta

Sir

I have the honour to ask you for the refund of a telegram, al ready cancelled on the last monday the 13th Instant and the receipt of which is attached herewith

Awaiting for the favour of an early attention

I have &c

मान्यवर महाशय !

बडा बाज़ारके तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ सुकर जी है उनकी चाल चलन बहुत खराब है, वह तारकी लिखाई और जल्दी २ चलान कराईकी फीस दोकानियों और अनाड़ियों से मांगा करते हैं। पैसे धेलेके लिये झगड़ा भी किया करते हैं, इस कारवार के चलने से लोग तार घरसे फायदा नहीं उठाने पावेंगे। इस लिये आपकी सेवा में हम लोगों की प्रार्थना है कि आप कृपा कर इसकी जांच और उचित प्रबन्ध करें।

भवदीय

फुटकर दरख्वास्त।

पुलिस।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाशय !

मैं बड़े नम्रता के साथ आपकी सेवा में सविनय निवेदन करता हूं कि जो सिपाही कि हमारे मुहल्ला के नं० ४ व हलका नं० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बड़ी वेपरवाही किया करता है। गत रात्रिको नतो वह अपनी चौकी पर था और न गस्त पहरे पर पाया गया और फल यह हुवा कि बहुतसे चोरों ने आंकर सेंध लगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चलतू बने जिनको कि हम अंधेरे में पकड़ न सके; सब मिलाकर २०००) रुपैये की चोरी होगई। वेपरवाहीके सैकड़ों मामलों में से इस सिपाही की यह एक वे परवाही है और इसके कारण, चोरोंको और मुझे बड़ा नुकसान पहुंचा है।

उचित प्रबन्ध किये जाने और उस सिपाही को आगे से अधिक सावधान करने के लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूं।

भवदीय

(किसी के डूब जाने की रिपोर्ट।)

To

The Officer in charge of
Kalbhairo Thana
Benares

Sir,

The deadbody of a boy aged nine, the son of Babu Gopi Nath Agarwal a resident of this locality has been found floating in the tank of Company's Bagh within the jurisdiction of the Kalbhairo Thana kindly send soon an officer for a local enquiry

Date———
Address——— } Yours faithfully

मान्यवर महाशय !

काल भैरों के थाने की अमलदारी के दरमियान कम्पनी बाग के तालाब में इस इलाके के रईस बाबू गोपी नाथ अगर्वाल के नौ वर्ष के लड़के की लाश तैरती हुई दिखाई दी है। कृपाकर इस की जांच के लिये एक अफ़सर जल्दी से भेज दीजियेगा।

भवदीय

(बालक खो जाने की ढूंढ)

To

The Inspector
Kolutola Thana
Calcutta

Sir,

With a great anxiety I beg to request the favour of your assistance in finding out a boy of six who is missing since this evening, he was along the Road to the Pathshala as usual but did not re-

मान्यवर महाशय।

बडा बाजारके तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ मुकर जी है उनकी चाल चलन बहुत खराब है, वह तारको लिखाई और जल्दी २ चलान कराईकी फीस दोकानियों और अमालियों से मांगा करते है। पैसे धेलेके लिये झगडा भी किया करते हैं, इस कारबार के चलने से लोग तार घरसे फायदा नहीं उठाने पावेंगे। इस लिये आपकी सेवा में हम लोगो की प्रार्थना है कि आप कृपा कर इसकी जाच और उचित प्रबन्ध करें।

भवदीय

फुटकर दरखास्त।

पुलिस।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाशय।

मै बडे नम्रता के साथ आपकी सेवा में सविनय निवेदन करता हूं कि जो सिपाही कि हमारे दूला के न० ४ व हलका न० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बडो बेपरवाही किया करता है। गत रात्रिको नतो वह अपनी चौकी पर था और न गश्त पहरे पर पाया गया और फल यह हुआ कि बहुत से चोरोंने आकर सेंध लगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चलतू बने जिनको कि हम अंधेरे में पकड न सके, सब मिलाकर २०००) रुपैये की चोरी होगई। बेपरवाहीमें सैकडों मामलों में से इस सिपाही की यह एक बे परवाही है और इसके कारण चोरोंको और मुझे बड़ा नुकसान पहुंचा है।

उचित प्रबन्ध किये जाने और उस सिपाही को आगे से अधिक सावधान करनेके लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हु।

भवदीय

(किसी के डूब जाने की रिपोर्ट)

To

The Officer in charge of

Kalbhairo Thana

Benares

Sir,

The deadbody of a boy aged nine, the son of Babu Gopi Nath Agarwal a resident of this locality has been found floating in the tank of Company's Bagh within the jurisdiction of the Kalbhairo Thana kindly send soon an officer for a local enquiry

Date——— }
Address——— } Yours faithfully

मान्यवर महाशय !

कालभैरों के थाने की अमलदारी के दरमियान कम्पनी बाग के तालाब में इस इलाके के रईस बाबू गोपी नाथ अगरवाल के नौ वर्ष के लड़के की लाश तैरती हुई दिखाई दी है। कृपाकर इस की जांच के लिये एक अफ़सर जल्दी से भेज दीजियेगा।

भवदीय

(बालक खो जाने की ढूंढ)

To

The Inspector

Kolutola Thana

Calcutta

Sir,

With a great anxiety I beg to request the favour of your assistance in finding out a boy of six, who is missing since this evening, he was along the Road to the Pathshala as usual but did not re

मान्यवर महाशय !

बडा बाजारकी तार घरके बाबू जो हाल में बाबू रामनाथ मुकर जी है उनकी चाल चलन बहुत खराब है, वह तारकी लिखाई और जल्दी २ चलान कराईकी फीस दीहातियों और अनाड़ियों से मागा करते है। पैसे धेलेके लिये झगडा भी किया करते हैं, इस कारबार के चलने से लोग तार घरसे फायदा नही उठाने पावें गे। इस लिये आपको सेवा में हम लोगो की प्रार्थना है कि आप कृपा कर इसकी जाच और उचित प्रबन्ध करें।

भवदीय

फुटकर दरखास्त।

पुलिस।

To

The Commissioner of Police

Calcutta

Sir,

I most humbly and respectfully beg to invite your attention to the sad neglect of duty on the part of the constable, posted in our quarter No 4, ward No VIII Last night he was not found at his post nor on his rounds and the result was that a large number of thieves whom we could not get over in the dark, committed burglary and made away with a large sum of money and ornaments, to the value of 2000 in all Such a neglect of duty on the part of the constable is one of the hundreds of cases, and on account of which a great loss is sustained by me and others

Praying for the prompt action to be taken and to warn the constable to be more careful in future

I have &c

मान्यवर महाशय।

मैं बडे नम्रता के साथ आपकी सेवा में सविनय निवेदन करता हूं कि जो सिपाही कि हमारे टूला के नं० ४ व हलका नं० ८ में नियत किया गया है वह अपने काममें बडी बेपरवाही किया करता है। गत रात्रिको नतो वह अपनी चौकी पर था और न गश्त पहरे पर पाया गया और फल यह हुवा कि बहुत से चोरों ने आकर सेंध लगाई और बहुत सा रुपया पैसा ले देकर चलतू बने जिनको कि हम अंधेरे में पकड न सके, सब मिलाकर २०००) रुपैये की चोरी होगई। बेपरवाहीमें सैंकडों मामलों में से इस सिपाही की यह एक बे परवाही है और इसके कारण औरोंको और मुझे बडा नुकसान पहुंचा है।

उचित प्रबंध किये जाने और उस सिपाही को आगे से अधिक सावधान करनेके लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हु।

भवदीय

मान्यवर महाशय !

आज दो पहर के समय जब कि मैं आफिस चला गया तो मेरी मा को मालुम हुआ कि उसकी सोनेकी चूड़ियां और चार नग हीरे की अंगूठी नहीं मिलती, जोकि उसने अपनी सोनेके घरमें अलमारी के दराज़ में रखीथी। असल में मेरी शंका घरकी दाई नौकर और रसोइये पर है क्योंकि बाहरी आदमी ज़नान खाने तक नहीं पहुंच सका। कृपाकर आप इसको जल्दीसे जांच करें। मुझ पर आपका बड़ा जस होगा।

भवदीय

स्वास्थ सम्बन्धि ।

To

The Resident Medical Officer, Memorial Hospital

Sir,

As I have been suffering from liver complaints for a long time it has become absolutely necessary for me to be admitted into a hospital so that a sufficient Medical aid and attendance of a nurse may be available for myself

I Therefore, request the favour of your kindly providing me a separate room in your Hospital and quote the charges for the same

I remain &c.

मान्यवर महाशय !

मैं बहुत दिनों से यकृत रोग में कष्ट उठा रहा हूं इसलिये मुझे किसी अस्पताल में रहने की बड़ी ज़रूरत है, क्योंकि वहां पर मेरे रोग का उपाय और मेरी टहल सेवा अच्छी तरह पर होगी। इसलिये आप अपने अस्पताल में मेरे अलग रहने के लिये एक कमरा दें और इस विषय में उसकी फीस मुझको बतला दें।

ना ——
पता ——

भवदीय

---

turn since then He had full dress on him with a slate and the primary books in his arm He had also a gold Chain round his neck He is of fair complexion with a mole on his nose, about ft. 4 in hieght more over his foto is submitted herewith

I *remain &c*

मान्यवर महाशय!

मैं बड़े सोच विचार में पड़कर आपकी सेवा में निवेदन करता हूं कि आप कृपाकर मुझ को छ वर्ष के लड़के के ढूंढने की सहायता दें क्योंकि आज से गायब है। वह प्रतिदिन पाठशाला जाया करता था, सन्ध्या समय से,अभी तक लौटा नहीं। वह कपड़े लत्ते पहने हुवे था, बगलमें उसके सिलेट और किताब थी और उसके गलेमें सोनेकी सिकली पड़ी हुई थी। उसका रंग गोरा है, नाक पर उसके तिल है और वह कदमें ५ फुट लम्बा है। इसके सिवाय उसकी फोटो मैं आपकी सेवा में भेजता हूं।

भवदीय

(गहने की चोरी की रिपोर्ट)

To

The Superintendent of

Canning Street Thana
Calcutta

Sir

To day at midday, when I was at office My mother became aware that her gold brambles and four rings of diamond, which she had kept in a drawer of the shelf at her bedroom, were found missing My suspicion naturally falls upon the maid servant, the servant and the cook, for, it is not possible for an outsider to get into the zenana

I shall be highly obliged for the favour of your kind order for an early enquiry.

I have &c

मान्यवर महाशय !

आज दो पहर के समय जब कि मैं आफिस चला गया तो मेरी माको मालुम हुआ कि उसकी सोनेकी चूड़ियां और चार नग हीरे की अंगूठी नहीं मिलती, जोकि उसने अपने सोनेके घरमें अलमारी के दराज़ में रखीथी। असल में मेरी शंका घरकी दाई नौकर और रसोइये पर है क्योंकि बाहरी आदमी ज़नान खाने तक नहीं पहुंच सका। कृपाकर आप इसकी जल्दीसे जांच करें। मुझ पर आपका बड़ा जस होगा।

भवदीय

स्वास्थ्य सम्बन्धिक।

To

The Resident Medical Officer, Memorial Hospital

Sir,

As I have been suffering from liver complaints for a long time it has become absolutely necessary for me to be admitted into a hospital so that a sufficient Medical aid and attendance of a nurse may be available for myself

I Therefore, request the favour of your kindly providing me a separate room in your Hospital and quote the charges for the same

I remain &c.

मान्यवर महाशय !

मैं बहुत दिनों से यकृत रोग से कष्ट उठा रहा हूं इसलिये मुझे किसी अस्पताल में रहने की बड़ी ज़रूरत है, क्योंकि वहां पर मेरे रोग का उपाय और मेरी टहल सेवा अच्छी तरह पर होगी। इसलिये आप अपने अस्पताल में मेरे रहने के लिये एक कमरा दें और इस विषय में उसकी फीस मुझको बतला दें।

ता ——————
पता ——————

भवदीय

पथ्यकी रिपोर्ट।

To

The Resident Medical Officer

HOSPITAL

Sir,

I was ordered to taka sago, milk and pomegranate for my diet by Dr Watson, the surgeon but I am sorry to report that the diet mentioned above was not aleowed to me

I, therefore, request your favour to direct the nurse to carry out the orders of the surgeon

The———Hospital

Date in full———

I remain,
Sir
Your most obdt Sevt

मान्यवर महाशय।

डाक्टर वाटसन साहब ने मेरे पथ्यके लिये दूध, साबू और अनारकी आज्ञा दी है जो कि इस अस्पताल के सर्जन हैं। परन्तु मैं बड़े खेद के साथ प्रकाश करता-हूं कि उक्त पथ्य मुझको न मिला।

इस लिये आपकी सेवा में निवेदन है कि आप कृपाकर उस बीमार दार को आज्ञा दें कि जिस में वह सर्जन साहब की आज्ञा को पालन करे।

भवदीय

किसी नातेदारकी लाश मांगने के लिये दरखास्त।

To

The Resident Medical Officer

Of the———HOSPITAL

Sir,

I am informed that Debi Sahai an indoor patient No 21 ward No 8 died last night As I am his brother in relation I ask your dermission to kind remove his deadbody from the Hospital to

enable me to perform the last ceremoney according to our custom

Date———— I have the honour to be
Sir
Address———— Your most obdt Servant

मान्यवर महाशय !

मुझे मालुम हुआ है कि आपके अस्पताल में वार्ड नं० ८ का रोगी नं० २४ जिसका नाम देवीसहाय था वह कल रात को मर गया। क्योंकि मैं उसका नाते में भाई लगता हूं इस लिये मैं आपकी परवानगी चाहता हूं कि आप कृपा कर उसकी लाश मुझे अस्पताल से निकाल लेने दें कि जिस से मैं उसको अन्तिम क्रिया कर्म्म अपने धर्म्म शास्त्रके अनुसार कर सकूं।

परिक्षाके लिये किसी नातेदारकी लाशको न काटे जाने की दरखास्त।

To

The Superintendent

HOSPITAL

Sir,

I have come to know that my mother died last night in ward No 4 of your Hospital As we belong to the caste of a high class Brahman and as her parents, husband and children are still alive it would be a great sin to our caste to see her deadbody subject to a Post Mortem Examination

Most humbly, therefore I pray that you may be kind enough to permit me to take away the deadbody and perform our sacred ceremoney

Yours &c

मान्यवर महाशय !

मुझको मालूम हुआ है कि मेरी मा आपके अस्पतालके वार्ड नं० ४ में कल रात को मरगई। क्यों कि मैं उच्च जातिका ब्राह्मण हूं और उसके माता पिता, स्वामी

और लड़के वाले अभी जीवित हैं, इस लिये परिचा के कारण उसकी कटी कटी लाश का देखना मेरी जात बिरादरी के लिये बड़ा भारी पाप है।

इस लिये अति नम्रता पूर्वक आपकी सेवा में सविनय निवेदन करता हूं कि आप कृपा कर उसकी लाशके उठा ले जाने और शुद्ध रीति से उसकी क्रिया कर्म करनेके लिये मुझे परवानगी दें।

भवदीय

एलेट्रिक् ट्रामवे कम्पनी लिमिटेड कलकत्ता के सम्बन्ध में पत्र व्यवहार

हवड़ासे सियालदह तक एक लैन खुलने की दरखास्त।

To

The Superintendent

Electrict Tramway Company Limited

CALCUTTA

Sir,

We the inhabitants of Harrison Road and Bara Bazar most humbly and respectfully beg to inform you that the passengers between Howrah and Sealdah stations suffer a great loss on account of the carriage hire in arriving their proper destinations.

If for the interest of the public a line be opened between the important stations on the Harrison Road, we venture to say to your entire satisfaction, that a great source of income for the company may be had

We have, &c

मान्यवर महाशय !

हम लोग हरिसन रोड और बड़ो बाज़ार के रहवासी आपको सूचित करनेके लिये आपको सेवा में सविनय निवेदन करते हैं कि हवड़ा और सियालदह स्टेशनों के मध्यके यात्रियोंको अपने ठीक २ स्थान पर पहुंचने में गाड़ी भाड़ के कारण बहुत हानि उठानी पड़ती है।

यदि सर्व साधारण की भलाई समझ कर उन प्रसिद्ध स्टेशनों के मध्य में हरिसन रोड की सड़क पर एक लैम्प निकाल दी जाए तो हम साहस पूर्वक आपको संपूर्ण रीति से विश्वास देकर कहते हैं कि इस से कंपनी को बड़ा भारी लाभ होगा।

भवदीय

(रिज़र्वड् गाड़ी न मिलने की शिकायत)

To

The Station Master, Allahabad E I, Ry

Sir,

I beg to request with great respect that on the 12th instant, I duly deposited the fee for two reserved carriages to be attached to the Punjab mail running from Allahabad to Patna But, to the surprise of all the party concerned, the reserved carriages were not provided and no one had given attention to my enquiry I beg to refund my money and punish those holding themselves to be responsible for the mismanagement complained of

I have, &c

मान्यवर महाशय !

मैं बड़ा दुःखी हो कर आपकी सेवा में रिपोर्ट करता हूं कि इस मास की १२ तारीख को मैंने पंजाब मेलके साथ इलाहाबाद से पटना पहुंचने के लिये दो रिजर्व गाड़ियोंके मिलने के वास्ते दाम जमा किये थे। परंतु मेरी समस्त सम्बन्धक मण्डली अचम्भे में पड़ गई क्योंकि रिज़र्वड् गाड़िया नही मिली और मेरे लिये इस विषय मे किसी ने खोज न की। मैं अपना रुपया फिरती पाने के लिये और उन लोगों को दण्ड देने के लिये निवेदन करता हूं जो कि अपने कुप्रबंध के कारण इस रिपोर्टके उत्तर दायी हैं।

भवदीय

रेलवेकी कुलियोंकी रीपोर्ट।

To
The Station Master
HOWRAH
E I Ry

Sir,

I beg to report the most irritable conduct of the station coolies Last monday I had to go to Patna and was put to a great trouble They in a combined body, I beg to notice, ask the passengers too much charges for the conveyance of their luggage I asked a coolie No 3 to convey my single bundle luggage to the platform, he asked me as 8 to be paid for it I then asked No 5, 6, 7, 8, turn by turn one after the other, but all of them asked for the similar charges

Thus they are the hunters of the poor passengers I therefore request the favour of your kindly preparing a list of their proper charges for the consultation of the passengers to protect them selves from such grievances

I have &c

मान्यवर महाशय!

मैं इस्टेशन के बड़े टिर्रे कुलियों की रिपोर्ट आपकी सेवा में करता हू। गत सोमवार को मुझे पटना जाना था और मुझे बड़ी हलाकानी उठानी पड़ी। आप इस बात का विचार करिये कि वे एका करके यात्रियोंसे असबाब उठाने का दाम बहुतसा मागते हैं। मैंने कुली नं० ३ से प्लेट फार्म पर अपने असबाब की केवल एक गठरी पहुचाने के लिये कहा तिसपर उसने आठ आना मागा। इसके उपरात मैंने एक के बाद दूसरे से बारीबारी कर के नं० ४, ५, ६, ७, ८ तक से कहा पर सभोंने वही दाम मागे। इसी प्रकार वे लोग बेचारे यात्रियों को लूटते हैं। इस लिये आप की सेवा में निवेदन है कि आप कृपा कर यात्रियों के सुभीते के लिये कुलियो के दर दाम की एक तालिका तैयार करावें कि जिस से वे अपने आपको इस आपत्ति से बचावें।

भवदीय

(पानीपाण्डे की शिकायत)

To

The District Traffic Superintendent E I Ry

HOWRAH

Sir,

I beg to report against all the Pani Pandeys of the stations between Howrah and Patna They do not supply the passengers water during the tarin times They always keep the small quantity of water in their buckets They do not pay heed to the passengers exclaiming them for water The thirsty passengers on relising their buckets and leather bags holding the small quantity of water begin to rain their pices on account of their heeblessness The coming Pani Pandes then Collecting the remaining pices from the passengers and supplying a very few number of them a very few drops hastily disappear form the sight of them with a pretext to supply them water for the next time, while the train with a whistle leaves the station behind, Such is the miserable condion of the passengers on stations after statins that they can not quench their thirst on any station even at the cost of their money, I therefore, request you to take proper steps on the matter and to remove such grievances for the times in future

I have, &c

मान्यवर महाशय !

मैं आपकी सेवा में हवड़ा से लेकर पटना तक के स्टेसनो के समस्त यात्रीयों और पानी पाण्डे को रिपोर्ट करता हूं । गाड़ी के समय वे यात्रियों को पानी नहीं देते । वे लोग सदा अपनी बाल्टी में थोड़ा सा पानी रखते हैं । जो यात्रि कि पानी ! पानी ! चिल्लाते हैं उनकी वे परवाह नहीं करते । प्यासे यात्रि, उनकी बाल्टी मे थोड़ा सा पानी देखकर उस को वे पर

वाही के कारण पैसे बरसाना प्रारंभ करते हैं। तब धूर्त्त पानी पाण्डे यात्रियों से बरसते पैसे बटोर और उसमें से किसी २ यात्री को कुछ २ पानी की बूंदे दे टू कार तड़ाक फड़ाक उन की निगाह से और पानी के लानेके बहाने सटक जाते हैं और इधर गाड़ी सीटी देकर छू होजाती है। यात्रि लोग स्टेशन २ ऐसी दुर्दशा को प्राप्त होते हैं और पैसा खरचने पर भी वे किसी स्टेशन पर अपनी प्यास बुझा नहीं सक्ते। इस लिये आपकी सेवामें निवेदन करता हूं कि आप क्रपाकर उनको उचित दण्ड दें और भविष्यत के लिये इस दुःख को दूर करें।

भवदीय

(रसीद खोजाने की रिपोर्ट)

To

The Traffic managei E I Ry

HOWRAH

Sir,

With deep regret we beg to inform you that the receipt for 340 bags marked B D containing 600 maunds of mustard despatched from Patna to Howrah on the I3th march 1898 is lost by chance We, therefore, pray that you will be kind enough to deliver us the goods in question either on personal security or on indemnity note Awaiting the favour of an early attention

I have, &c

मान्यवर महाशय।

हम अत्यंत खेदके साथ आपकी सेवा में निवेदन करते हैं कि ३४० बोरे तौल ६०० मन सरसों के और बी, डी, निशान के पटना से तारिख १३ जुलाई० सन १८९८ ई० के दिन हवड़े को चलान किए गए हैं जिसकी रसीद अचानक कहीं खो गई हैं। इस लिये हमारी यह प्रार्थना है कि आप क्रपा कर या तो किसी की जमानत पर या किसी की जवाबदेही पर माल हमको दिलवाए। आशा है कि क्रपा कर शीघ्र उत्तर दीजियेगा।

भवदीय

गाडी मे कोई वस्तु भूल जाने की रीपोर्ट।

To

The station Master

INDORE

R M, Ry

Sir,

I beg to ask you to wire the station master Barnagar to take out my box made of bamboo from the first compartment of the carriage No 2125 left in behind by oversight

Will you be kind enough to return me the same on your possession ?

I have &c,

मान्यवर महाशय !

निगाह चूका जाने के कारण २४२५ न० की गाडी के पहले खन में मेरी बांस की पिटारी छूट गई है। सो आपको सेवा में निवेदन है कि आप बड नगर के ष्टेशन माष्टर को उसके निकाल लेने के लिये तार दें। क्या आप कृपाकर उसको अपने अधिकार में लेकर मेरे पास भेजेंगे ?

भवदीय

(ठिकट कलेक्टर की शिकायत)

To

The District Traffic Superintendent G I P Ry

Jubbulpore

Sir,

I have the honour to bring to your kind notice the following few lines for the favour of your early disposal My brother, on the evening of the 18th instant was very much insulted by

ing an advice for 400 bags of sugar on from Calcutta but we received only 380 We, therefore, request the favour of your kindly inquiring into the matter and letting us know the full particulars of this deficiency

I have, &c

मान्यवर महाशय !

आपको सेवा में सविनय निवेदन है कि एक रसीद नं० १८५ ता ८ जुलाई सन् १८०४ ई० की हमको आज मिली है जिस में लिखा है कि ४०० बोरा, चीनी का भेजा गया है पर हमको केवल ३८० बोरे मिले हैं। हमलोग इसलिये सविनय निवेदन करते हैं कि आप कृपा कर इस मामले की जाच करें और इस कमी के सपूर्ण समाचार से सूचित करें ।

भवदीय

अधिक महसूल की शिकायत ।

To

The Traffic Manager E I Ry

HOWRAH

Sir,

We have the honour to inform you that 300 bags weighing 900 maunds of gram were despatched from Delhi to Howrah on the 20th of July 1904 as per bill of lading No, 430 for the freight of which your office clerk charged us Rs 1000 instead of the prescribed sum of Rs 200 we beg to ask you to kindly enquire into the matter and refund us the overcharge Rs 800

Requesting the favour of an early attention

I have, &c

मान्यवर महाशय !

हमलोग आपकी सेवामें आपके सूचनार्थ निवेदन करते हैं कि ३०० बोरे चने के तौल में ८०० मन दिल्ली से ता० २० जुलाई सन् १८०४ ई० हवड़ा को चलान

किए थे, पर आपके दफ्तर के मोहर्रिर ने उस माल पर किराए के १०००) रुपया बैठाए हैं जो कि साधारण किराए के अनुसार २००) रुपये होना चाहिये। हम लोग निवेदन करते हैं कि आप कृपा कर इसकी जांच करें और ८००) रुपये जो कि अधिक लिये गए हैं वह फिरती दिलादें। कृपाकर इसका उत्तर शीघ्र दें।

भवदीय

(रिजर्व गाड़ी के लिये)

To

The District Traffic Superintendent G I P Ry
JHANSI

Sir,

I have the honour to inform you that a large marriage party requires a reserved accommodation in two 2nd class carriages on Saturday, the 18th Instant at the 5 down train

I hope that you will be kind enough to arrange for the carriages mentioned above

I have the honour, &c

मान्यवर महाशय!

मैं सूचनार्थ आपकी सेवा में निवेदन करता हूं कि इस मास की १८ तारीख शनीवार के दिन न॰ ५ डाउन ट्रेन में दूने दर्जे के दो रिज़र्व गाडियों की आवश्यकता एक बडी भारी बरात के लिये है।

मैं आशा करता हूं कि आप कृपा कर उक्त गाडियों का प्रबन्ध करेंगे।

भवदीय

असबाब न मिलने की शिकायत।

To

The Traffic Supdt E I Ry

Sir,

I beg to bring to your kind notice for the favour of your early attention I booked some luggage from Calcutta for Allaha-

lights therein We, the rate payers, bearing our due shares of the standing rates have a legitimate claim to beg for all the privileges of the Municipality

Along with the greatest inconvenience, good many cases of a bad character are likely to take their place in a dark lane

Would you be so much kind enough as to issue an early order for lights to be introduced into the said lane

We have, &c

मान्यवर महाशय !

(अमुक) वार्ड (महाल) नं०——के (अमुक) गली——मे अन्धेरे से अत्यन्त अड़चन होने के कारण वहां पर उनकी जांच और प्रकाश के प्रबन्ध के लिये हम सब आपकी सेवा में सविनय प्रार्थना करते हैं। उक्त गली के कर चुकानेवाले हम लोग म्युनिसिपेलिटी के समस्त विशेषाधिकारों के प्राप्त करने के लिये आपकी सेवा मे आश्रित होते है। इस अड़चन के साथही साथ अंधेरी गली मे अनेक दुर्गति के प्रकरण विशेषत हुवा करते हैं। हम चाहते हैं कि आप इस गली में प्रकाश के लिये शीघ्र आज्ञा दे कर हम लोगों पर कृपा करें।

भवदीय

पानी की कलकी परिक्षा के लिये।

To
The Superintendent Water Works
AGRA

Sir,

The extention and additional tap for premises No 20 of Kinari Bazar are completed and are ready for the favour of your inspection

I have, &c

मान्यवर महाशय।

किनारी बाज़ार के मकान नं० २० में विस्तार पूर्वक पानी की नल और टोंटी लग कर ठीक हो गई है और परीक्षा के योग्य है।

भवदीय

दुर्गन्ध आदि दूरकराने के लिये।

To

The Health Officer

Agra Municipality

Sir,

With due respect and humble submission I have the honour to bring to your kind notice against your anticipated sanction to a privy at promises No 26 Subz Mandi by the corner of the Kinari Bazar ready for construction I can prove by all means that the privy in question is materially injurious to the health and comfort of the large family of your petitioner

Requesting, therefore, the favour of your kindly with holding the sanction or I shall have to be deprived of my lodging

I have, &c

मान्यवर महाशय!

किनारी बाज़ार के कोने पर सब्ज़मंडी के पास मकान नं० २८ की सरहद्दी में आपकी आज्ञा से पखाना बनने को तयार है जिसके सम्बन्ध में आपके सूचनार्थ निवेदन है कि यदि मै इस बातको भली प्रकार से सिद्ध कर सक्ता हू कि वह पखाना अवश्य करके मेरे और मेरी गृहस्थि के सुख और स्वास्थ्य का बाधक है।

इसी लिये आपकी सेवा मे सविनय प्रार्थना है कि कृपा कर आप अपनी आज्ञा का विसर्जन करलें नहीं तो मुझको अपने रहने से निराश हो जाना पड़ेगा।

भवदीय

कीचड़की सफाई के लिये।

To

The Chairman

Of the Roadcess Committee,

Sir

I am desired by the society of the rate payers to submit the following observation for your favourable consideration —

पानी की आमद के लिए।

To

The Superintendent Water Works

BENARES

Sir,

As the premises no 10 Gaighat is now occupied I request the favour of your kindly ordering to restore the water connection as early as possible

I have, &c ,

मान्यवर महाशय

गायघाट का मकान नं॰ १॰ बस गया है इसलिये निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके फिर पानी पहुचने के लिये आज्ञा दे ।

भवदीय

(कर घटाने के लिये)।

To

The Chairman

Cawnpore Municipality

Sir,

I most humbly and respectfully beg to apply for a reduction of the present rate of my tax fixed by the late assessment I should never have and claim to the reduction of my tax, if my circum stance would never have grown worse than before The Collector, of my ward is fully informed of my circumstances I therefore, humbly submit my prayer that it may meet with your favourable consideration

I have &c

मान्यवर महाशय!

मैं आपके अधीन होकर आपकी सेवा में अपने चलती करके घटाए जाने के वास्ते आपकी सेवा में निवेदन करता हूं जोकि पिछले लगान में नियत किया गया था। यदि मेरी व्यवस्था पहले से बिगड़ी हुई न होती तो मैं अपने करके लिये विवाद न करता। मेरे वार्ड के कमिश्नर साहब को मेरी व्यवस्था सपूर्ण रीति से प्रगट है, इस लिये अधीनता पूर्वक मैं अपनी प्रार्थना आपकी सेवा में भेजता हूं कि इसका विचार दया भाव से किया जावे।

भवदीय

इनकम टैक्स के लगाने की तालिका का आवेदन पत्र।

To

The collector of Income Tax

BENARES

The 20 th day of July 1905

The humble petition of Gopal Ram Panday most Respectfully sheweth —

1 That your petitioner has been assessed at a sum of twenty five Rupees per annum

2 That the petitioner submits his account books to show that his General Merchandise in piece goods is found shorter than the taxable amount

3 That such income and profits actually found short from 1st Jany 1904 to 31st November 1904 i-e 11 Months

4 That during the period your petitioner had no other income or profits

5 Your petitioner therefore prays that he may be assessed according to the Act———(signed) Gopal Ram panday

I, Gopal Ram Panday, the petitioner named in the petition above declares that what is stated therein is quite right.

(Signed) Ram Gopal Panday

कोर्ट फी ⁄) एक आना।

सन् १८०५ ई० की जूलाई मास की २० तारीख

गोपालराम पाडेका सविनय निवेदन पत्र

नम्रता पूर्वक प्रकाश करता है कि :—

(१) आपके निवेदक पर वार्षिक लगान २५) रुपे हैं, जिसके वर्ष का मासान्त ३१ जनवरी सन १८०५ ई० को होगा।

(२) आपका निवेदक अपने कपडे के साधारण व्यापार के बही खाते आपकी सेवा में परिचार्थ उपस्थित करता है जो कि नियमानुसार लगान के रकम की अपेक्षा बहुत ही कम है।

(३) वास्तव में यह आय और यह लाभ प्रथम जनवरी सन १८०४ ई० से ३१ नवम्बर सन १८०४ ई० तक अर्थात् ११ मास में प्राप्त हुआ है।

(४) इस अवधि में आपके निवेदक को और किसी प्रकार की प्राप्ति नहीं हुई।

(५) आपका निवेदक प्रार्थनीय है कि उस पर एक नम्बर के अनुसार लगान लगाया जाए।

(सही) गोपालराम पाडे।

मैं गोपालराम पाडे, उक्त आवेदन पत्र का आवेदक प्रगट करता हूं कि जो कुछ इसमें उल्लेख किया गया है वह मेरे समझ में बिल्कुल ठीक और दुरुस्त है।

(सही) गोपालराम पाडे।

पानी छिड़कने वाले की शिकायत।

To

The Superintendent of Roads

CALCUTTA

Sir,

I beg to bring your kind notice that the road irrigators, appointed for the Bara Bazar, Harrison Road, irrigate the roads so carelessly that they do not care any passerby, whereby their garments are spoiled by the muddy and dusty showers from the earth by the action of the water, on the other hand, those appointed in the Manohor Pokhor-lane are in the habit of scarcely att-

ending their duty, thereby a considerable heap of dust is carried away into the houses of the noble residing there I, therefore, request the favour of your kindly making an inquiry and taking action in the matter

I have, &c

मान्यवर महाशय !

आपके सूचनार्थ में आपकी सेवा में निवेदन करता हूं कि वह पानी छिड़कने वाले जो कि बड़ीबाज़ार हरिसन रोड के लिये नियत किये गए हैं वे ऐसी असावधानी से पानी छिड़कते हैं कि किसी रस्ते चलते की परवाह नहीं करते जिसके कारण ज़मीन से धूल और मट्टी पानी के साथ उड़ कर उनके कपड़े लत्तों को नष्ट कर देते, हैं। इसके सिवाय जो कि मनोहर पोखर लेन के लिये नियत किये गए है वे अपने काम पर बहुत नागा किया करते हैं जिससे कि मनों धूल उड़ कर वहां के भद्र पुरुषों के घरों में चला जाता है। इस लिये मैं आपकी सेवा में निवेदन करता हू कि इसकी कृपा पूर्वक जांच और उचित प्रबन्ध किया जाए।

भवदीय

आवेदन पत्र।

श्रीश्री १०८ श्री मन्महाराजाधिराज राजराजेश्वरेषु।

To

The King's most Excellent Majesty

The humble Petition of Gopi Nath Khetri a Hindu inhabitant of Allahabad for India

Most respectfully sheweth

That your majesty's unfortunate petitioner was sentenced to the penalty of transportation for life on being convicted at the criminal sessions of High Court of Judicature at Allahabad, of culpable homicide which does not amount to murder

That the case notwithstanding the favourable circumstances in apparent, excited a great horror and dismay amongst the Hindus of Allahabad, who watched the trial throughout with much

concern but to no effect Yours humble petitioner most respectfully approaches your majesty in the last, that all the papers in connection with the unhappy case may be called for, and the justice be done for your unfortunate petitioner

That your humble petitioner most earnestly prays that your majesty's royal mercy may be brought to the afflicted

For this act of kindness Your majesty's humble petitioner as in duty bound shall ever pray

Gopi Nath

भारत वर्षकी अलाहाबाद नगरी के रहवासी
गोपीनाथ खत्री का सविनय निवेदन पत्र ।

अत्यत आदर भाव से प्रकाश करता है,

कि राज राजेश्वरके अभागे निवेदक को अलाहाबाद के मन मानी हाई कोर्ट की फौजदारी ने उस पर ऐसे खूनका अपराध लगा कर उसको काले पानी का दण्ड दिया है जो कि जीव हत्या के समान नहीं है ।

कि प्रत्यच में लाभ दायक व्यवस्थाके होने पर भी इस मुकदमे ने इलाहाबाद की हिन्दू समाज में हाहाकार मचादी, जोकि इस को जांच को सभाल इसके समस्त समधकों से लिया करते थे, पर इस से कुछ फल न निकला । शेष में राज राजेश्वर का निवेदन अत्यन्त आदर भाव से राज राजेश्वर की शर्णागत होता है कि इस दु ख दायक मुकदमे की जितनी लिखत पढ़त हुई हैं उन सब को राज राजेश्वर तलब करें और अपने दु खिया निवेदक का इन्साफ़ करें ।

कि राज राजेश्वर की राज सेवा में राज राजेश्वरका वे बस निवेदक अत्यन्त आदर भाव से प्रार्थना करता है कि राज राजेश्वर अपनी राजेश्वरी दयालता और कृपालता अपने दु खिया निवेदक पर प्रकाश करें ।

इस दयालता और कृपालता के प्रकाश किये जाने के कारण राज राजेश्वर का वे बस निवेदक अपना कर्त्तव्य पालन करने के लिये राज राजेश्वर की सदा सर्वदा ईश्वर आराधना किया करेगा ।

गोपीनाथ खत्री ।

To

His Excellency Lord Lansdown, the Most Noble, the Viceroy and the Governor General of India

The humble petition of Gopi Patel of Ganga pur, Benares, united provinces

Most respectfully sheweth

That your Excellency's humble petitioner most respetfully submits to lay before your Excellency's the papers attached, setting before his legal claims to the proprietory right to a village, named Gangapur in the district mentioned above, as your humble petitioner has been deprived of his right owing to the want of justice

Your humble petitioner will not waste your Excellency's time by giving the details of his case but begs earnestly that your Lordship may be pleased to carefully examine the merits of the case and enable your petitioner that he may have his legal rights restored by a reversion of the United Provinces Court s order

Your petitioner relying on the wisdom and mercy of his Imperial Majesty's Representatives in India, humbly beseeches for an early and favourable consideration of this appeal

And your petitioner in duty bound will ever pray

Gopi Patel

To

The Lieutenant Governor of the United Provinces

The humble petition of the inhabitants of the District of Fyzabad

Most Respectfully sheweth

(1) That your Honour's humble petitioners submit themselves for the favourable consideration of your honour

(2) That the landed property belonging to the temple in the Oudh religious Endowment fund is squandered by the trustees and Mahants by *living themselves in rich style*

(3) That they should carry out the temple management according to our shastras and the schedule No——of—

(4) That the petitioners request your Honour to make the proper arrangement of the temple before inquiry—

(Names signed by some Respectable persons)

ज़िले फ़ैज़ाबादके निवासियों का निवेदन पत्र।

बडे नम्र भाव से प्रगट करते हैं —

(१) कि आपके आधीन निवेदक आपके दयामय विचार के लिये आपकी सेवा में आश्रित होते हैं।

(२) कि महन्त और विश्वासपात्रियों के अमीरी ठाठ से रहनेके कारण मन्दिर की जायदाद में से अवध वासियों के धरम खाते का धन नष्ट हो रहा है।

(३) कि उनको मन्दिर का काम काज हमारे शास्त्र और दफा न० ——की ——पुस्तक के अनुसार चलाना चाहिये।

आपके निवेदकों की प्रार्थना है कि आप मन्दिर की जाच करके उसका उचित प्रबन्ध करें।

(कुछ रईसोंके नाम)

गया जिलेके देवीसिंध दुवे का सविनय निवेदन पत्र।

To

The District Magistrate or Collector

BANKIPORE

The humble petition
of Debi Singh Dubey
of Distt Gaya

Most respectfully sheweth,

(1) That your petitioner has a great portion of land, the greater part of which is covered by water

(2) That Ram Newas, the land lord of our village does not allow us to till the land by filling up the ditches with earth, as they are dug for the fishery purposes

(3) That your humble petitioner requests your favour prosecute the said Ram Nath according to schedule No———of——so that I your petitioner may be able to till his land

For this act of kindness your petitioner shall ever pray

Debisingh Dubey

बड़े आदर भावसे प्रकाश करता है कि —

(१) आपके निवेदक के पास बहुत सी ज़मीन है, जिसका कि बहुत सा भाग पानी से भरा है।

(२) हमारे ग्राम का जमीदार रामनिवास आपके निवेदक को इस पानी भरे भागको पाट कर जोतने नहीं देता क्योंकि वह मछली पकड़ने के अभिप्राय से खुदाया गया है।

(३) कि आपका निवेदक सविनय प्रार्थना करता है कि उक्त राम नाथ को सरकार———के दफा नं०———के अनुसार उस पर अभियोग नियुक्त करें। कि जिससे आपका निवेदक अपनी ज़मीन जोत सके।

(४) आपका निवेदक इस दया के बदले आपकी सदा सर्वदा ईश्वर आराधना किया करेगा।

(देबीसिंघ दुबे)

छुट्टी के लिये।

To

The Post Master General,

BENARES

Sir,

I most humbly beg to inform you, that owing to my son's marriage I am obliged to ask you the leave of one month only

Hoping that you will favour me by granting the same

I beg to remain

Sir

Your most obdt Servt

मान्यवर महाशय !

अपने पुत्रके विवाह के कारण मुझको केवल एक मास के छुट्टी की आवश्यकता है। आशा है कि आप कृपाकर स्वीकार करेंगे।

भवदीय

प्रशंसा पत्र पाने और नौकरी छोड़ने के लिये।

To

The Deputy Commissioner

BENARES

Sir,

With due respect and humble submission I beg to inform you that as I am to be appointed on any higher post in military department I request you therefore, to grant my resignation and favour me with a certificate

I beg to remain

Sir

Your most obdt Sevt

मान्यवर महाशय !

बड़े नम्रभाव के साथ विनय पूर्वक आपकी सेवा में निवेदन है कि मैं सैन्यदलमें किसी ऊचे पद पर नियुक्त होने वाला हूं-इस लिये सेवा में निवेदन है कि आप मेरा पद त्याग स्वीकार करें और एक प्रशंसा पत्र मुझ को दे कर कृपा करें।

भवदीय

To

His Highness the Maharajah

STATE

The humble petition of Gouri Shanker

May it please your Highness

(1) That the humble petitioner of your Highness has a piece of land near Charu's house, who forcibly builds a house on that land

(2) That the petitioner of Your Highness informed several times the *Kanungo* appointed in the village by Your Highness, but he did not listen to me

(3 That the petitioner therefore, requests the favour of your Highness to stop the progress of the building

I have the honour to remain
Sir
Your Highness most obdt Savt

पृथ्वीनाथ !

आपके दरबार में इस निवेदक की वदना स्वीकार हो कि आप के अभागे निवेदक की पास कुछ ज़मीन चारू के मकान के पास है जिस पर कि उसने ज़बरदस्ती से आप के निवेदक की ज़मीन पर घर बनवाता है।

(१) आपके निवेदक ने कइ बार इस ग्राम में आपके नियुक्त कानूगो साहब से कहा पर उन्हों ने मेरे कहने पर ध्यान न दिया।

(२) इस लिये आपका निवेदक आप के दरबार में प्रार्थना करता है कि उसका मकान बनना बद हो जाय ।

केदार नाथ पांड़े का सविनय निवेदन पत्र ।

To

The Secretary of the Board of Revenue

The humble petition of
Kedar Nath Pandey

Humbly and respectfully sheweth —

(1) That your humble petitioner suffering by so many calamities too numerous to mention that he is obliged submit himself under your kind control to secure any vacant post for himself

(2) That your petitioner submits his certificate for his proficiency to work as a head clerk in your office of which the post is now vacant

(3) That your petitioner hopes to be appointed on the post and pray God for your long life

Kedar Nath Pandey

नम्र और आदर भावसे प्रकाश करता है कि —

(१) आपका निवेदक इतनी अकथनीय आपत्तियोंका सहन कर रहा है कि आपके निवेदक को आपकी सेवामें किसी जगह के लिये स्वयं आश्रित होना पडा।

(२) आप का निवेदक अपना प्रशंसा पत्र आप की सेवामें प्रधान लेखक की योग्यता को प्रकाश करने के लिये समर्पण करता है, जोकि इस समय खाली है।

(३) आपका निवेदक उक्त स्थान पद नियुक्त होने और आप की ईश्वर आराधना के लिये आशा करता है।

केदारनाथ पाडे

नौकरी के लिये

To

The Superintendent

Central Printing Press

CALCUTTA

Sir

I have the honour to inform you with due respect that bad circumstances obliged me to secure any vacancy under your kind controul The copies of my certificates are attached herewith

Hoping the application to meet with your kind favour

I beg to remain

Sir

your most obdt Sevt

मान्यवर महाशय!

सेवा में सविनय निवेदन है कि बुरी व्यवस्था के कारण मैं आपकी सेवा में नियुक्त होना चाहता हूं। अपने प्रशंसा पत्र की प्रतियां सेवा में उपस्थित करता हूं। आशा है कि इस निवेदन से मुझ पर आप कृपा करें।

आपका

अटल आज्ञाकारी सेवक

सरनामा लिखने की रीति।

राज वर्गियों के नाम पत्र व्यवहार

पत्रारम—Madam *or* Sire, Most Gracious Sovereign, may it please your Majesty

पत्रात I remain *or* I have the honour to remain With the profoundest respect or veneration Madam *or* Sire, your Majesty's most faithful subject and oddt Servant

ठिकाना—To the Queen's *or* King's most Excellent Majesty

राजपुत्र की नाम में

आरम—Sir *or* Madam, May it please your Royal Highness

पत्रान्त—उपरोक्त अनुसार

ठिकाना—To His Royal Highness the Prince *or* Princess of Wales

पत्रारम्भ— राज गोत्र के नाम में उपरोक्त अनुसार

पत्रात—I have, the honour to be with great respect sir *or* Madam your Highness, most obdt Servant

ठिकाना—To his Highness the Prince Geonge *or* Her Highness the Princess

THE KING IN COUNCIL

मत्र सभा के समय राज राजेश्वर की नाम मे

Commence (पत्रारम) The humble petition of——— of the city of Manchester, (occupation) humbly sheweth

That your petitioner, &c &c

Conclude (पत्रात) Wherefore your petitioner humbly prays that Your Majesty will be graciously pleased to &c &c

And your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address (ठिकाना) To The King's most Excellent majesty in Council

HOUSE OF LORDS

Commence—My Lords, may it please your Lordships, *or* The humble petition of——of the city of Portsmouth
Humbly Sheweth,

That your petitioner &c &c.

Conclude—I have the honours to be, my Lords your lordship's most obdt & humble servant *or* and your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address—To The Right Honourable the Lords Spiritual and Temporal of the United Kingdom of Great Britain & Ireland in Parliament Assembled

THE HOUSE OF COMMONS

Commence—Gentlemen, may it please your Honourble House *or* the humble petition of——&c &c (as to House of Lords) I have the honour to be Gentlemen your most obedient and humble servants *or* and your petitioner as in duty bound shall ever pray

Address—To the Honourable the House of Commons of the United Kingdom of Great Britain and Ireland, in Parliament Assembled

THE NOBILITY AND GENTRY

Commence—my Lord Duke (*or* My Lady, *or* Madam)

Conclude—I have the honour to be, My Lord Duke *or* My Lady your Gracious's most Devoted and obedient servants

Address—To his Grace, the Duke *or* Her Grace the Duchess of Cambridge

MARQUIS OR MARCHIONESS

Commence—My Lord *or* My Lady *or* Madam

Conclude—I have the honour to be, My Lord Marquis, your Lord ships *or* madam or your ladyship's most humble and obedient servant

Address—To the most Noble the Marquis *or* Marchioness of Lansdown

Earl, Countess, Viscount, Viscountess Baron और Baroness के नाम

Commence—My Lord *or* My Lady *Conclude*—I have the honour to be, my Lord your Lordship's *or* my Lady, your Ladyship's most obedient and humble servant, *or* obedient servant (केवल Viscount और Viscountess को)

Address—To the Right Honourable Earl or Countess Viscount *or* Viscountess *or* Baron or Baroness of—

विशेष सूचना—उपरोक्त के ज्येष्ठ पुत्रों को उपरोक्तानुसार लिखते हैं और कनिष्ठ पुत्रों के नाम मे उनके नाम के साथ Right Honourable Lord लिखते हैं किन्तु Earl के कनिष्ट पुत्र और Viscount और Baron के पुत्रों को Esquires लिखते हैं और इनकी पुत्रियों को केवल Honourable उपरोक्त सब उच्चपदी के विलायत निवासी रईस हैं।

CLERGY (पादड़ी)

Archbishop (पादडीयोंका सर्दार)

Commence—My Lord Archbishop or May it please your Grace

Conclude—I remain with highest respect my Lord Archbishop Your Grace's most devoted and obedient servants

Address—To His Grace the Lord Archbishop of Canterbury

Bishop (पादड़ी)

Commence—My Lord Bishop

Conclude—I have the honour to be my Lord Bishop, your Lordship's most obedient servant

Address—To the Right Reverend the Lord Bishop of Connaught विशेष सूचना Calcutta के Bishop को most reverend से सम्बोधन करते है।

Dean and Archdeaon उतरती श्रेणी के पादड़ी।

Commence—Mr Dean, Mr Archdean or Reverened Sir

Conclude—I have the hohour to be, Reverened Sir or Mr Dean or Mr Archdean, Your most obedient servant

Address—To the Very Reverened the Dean of Amharst

भारत वर्षके शासक गण आदि।

VICEROY OF INDIA

Commence—May it please your Excellency

Conclude—I have the honour to be, My Lord, Your Excellency's most humble and obedient servant

Address—To his Excellency the most Honourable the Marquis of Lansdown G M S I, G, C M G- G, M I

LIEUTENENT GOVERNOR

Commence—May it please your honour

Conclude—I have the honour to be, Sir, your Honour's most humble and obedient servant

Address—To his Honour Sir Steuart Colvin Bayley K C S I C I E The Lieutinent Governor of Bengal

COMMANDER IN CHIEF

Commence—Sir, or may it please your Excellency

Conclude—I have the honour to be, Sir, your Excellency's most obedient servant

Address—To his Excellency the Commander in chief of India

MEMBER OF THE SUPREME COUNCIL OR OF A PROVINCIAL COUNCIL

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be, Sir, your most obdt Servt.

Commissioners, Judges, Magistrates, Superintendents of Police और और अफ़सरों के नाम।

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be Sir, your most obedient servant

Address—To——Esquire, Commissioner—Division—name of station obedient servant

देशी रजवाडों के नाम।

Commence—May it please your Highness

Conclude—I beg to remain Sir Your Highnesse's most obedient servant

Address—To His Highness the Maharajah of Udaipur

पदाधिकारी राजों के नाम।

Commence—Sir

Conclude—I have the honour to be, sir, your most obdient servant

Address—To Raja of BENARES

व्यापार संबन्धि चिट्ठी पत्री

विलायती पत्र व्यवहार।

मालकी मागकी चिठी।

Gentlemen,

We have the honour to inform you to ship five cases of paramata of the best quality, we are in great want of the above goods and request you to insure the same on our account

Yours faithfully

महाशय।

आपकी सेवा में निवेदन है कि आप कृपा कर परमटे के बढिया जिनिस के ५ बकस चलान करें। हमको उसकी बडी जरुरत है और मालका बीमा हमारे नाम में करदेवें

भवदीय

आढत नियत करने का पत्र।

Messrs——————

Gentlemen,

The popularity of your business is so highly entered in the commercial reports of Calcutta that our attention is attracted We, therefore, request you to undertake the agency of our firm, we will regularly despatch your consigned goods at respectable commission

A waiting for an early reply.

Yours

महाशय!

कलकत्ते के व्यापार सम्बन्धिक पत्र में आपका इतना भारी नाम है कि हम लोगों की इच्छा आपके साथ वारवार-करने की है। इसलिये हम सविनय निवेदन करते है कि हमारे कारबार की आढत आप स्वीकार करें। आपके पास हम बराबर माल भेजा करेंगे और उचित कमिशन लिया करेंगे। आशा है कि आप शीघ्र उत्तर देंगे।

भवदीय

(आढत मजूर करनेका पत्रोत्तर)

Messrs————————

Gentlemen !

We received your favour asking us to accept the agency of our firm We beg to inform you that we can offer you the commission at 5 per cent

Yours faithfully

महाशय !

आपका लिखा पत्र————का पाया जिससे मालुम हुआ कि आप हमारे अडतिये होना चाहते हैं। इस विषय में आप से निवेदन है कि हम आप को पांच रुपैये सैंकडा कमिशन देंगे।

भवदीय

(हुण्डी न सकारे जाने की पत्री)

Messrs————————

Gentlemen !

We are very sorry to inform you that your draft on Messrs————for———— was refused and sent back to us

We shall feel highly obliged, if you favour us with an early remittance to cover the amount mentioned above

महाशय !

आपकी सेवा में बडे खेद के साथ निवेदन है कि आपकी————की————के नाम हुण्डी सकारी न गई और हमारे पास लौटा दी गई। यदि आप उपरोक्त रकम भेजने की शीघ्र ही कृपा करें तो आपका हम पर बड़ा भारी अहसान होगा।

(हुण्डी के बदले रुपया लौटाने का पत्र)

Messrs————————

Gentlemen,

We are in receipt of your favour D————asking us that our drafts on Messrs————was refused and sent back to you

We are very sorry for delay and inconvenience We have sent another draft on Messrs————for—that covers the amount

Yours obdtly

महाशय!

आपका छपा पत्र————का मिला जिसमें आपने हम को————के नाम हुण्डी के न सकारने और उसको आपके पास लौटा देने के लिये लिखा सो हमको अपनी झंझट और विलम्ब के कारण बडा खेद है हमने फिर और————के नाम————की हुण्डी भेजी है, जिससे कि उसका भुगतान होजाएगा।

भवदीय

माग मंगाने वाले की जाचकी पत्री।

Messrs————

Dear Sirs,

Messrs————intend to open business with us in woolen goods Both of our firms are well known to you, we request you, therefore, to let us know the standing and credit of the Calcutta firm under notice

Yours faithfully

प्रियवर महाशय!

कलकत्ते के सेठ————हम से ऊनी कपडे का कारबार करना चाहते है। आप दोनों की गद्दी से जानकार हैं, इस लिये निवेदन है कि कलकत्ते के उपस्थित गद्दी के हैसीयत की आप हम को सूचना दे।

माग मगाने वाले के लिये प्रशंसा पत्र।

Messrs————

Dear Sirs,

We are in receipt of your letter of————asking us about————we recommend you that they are very rich merchants who have

proved themselves equally honest and trustworthy during the long period, we have dealt with them as agent, we advise you to open accounts with such a long standing firm

Yours faithfully

प्रियवर महाशय!

आपकी चिट्ठी——को लिखी मिली जिसमें आपने————के बारे में हमसे हाल मालुम करना चाहा हैं। हम उनको प्रशंसा करते हैं कि वे बड़े धनवान व्यापारी हैं। हम बहुत दिन से उनके आढ़तिये हैं जिस में हमने उनको मातबर और विश्वासी पाया। इस प्राचीन गद्दी के साथ कारबार खोलने के लिये हम आप को राय देते हैं।

कारबार में परिचय प्राप्त करने वाले को पत्रोत्तर।

Gentlemen,

We received your letter of——we asked our friends messrs ————about your firm who have highly spoken of you, we are ready to open a business connection with your firm, we will execute your all orders and you will be pleased to entrust with us We have received your cut sample with thanks, we agree with you regarding remittances and hope that you will favour us with orders

Yours faithfully

महाशय!

हमने आप का पत्र——का लिखा पाया हमने अपने मित्र——से आपके बारे में हाल मालुम किया जिन्हों ने कि आपकी बड़ी भारी प्रशंसा की है। हम आपके साथ कारबार खोलने के लिये तयार हैं। आप अपने मनमें किसी तरह का खटका न लावें और हम पर विश्वास रखें कि हम आपके सब मांगका माल चलान किया करेंगे। आपका दरखास्त नमूना पाकर हम आपको धन्यवाद देते हैं। आपकी राय के अनुसार मालको लागत पानेका राजी हैं और आशा करते हैं कि आप हमारे पास कृपाकर मांग भेजेंगे। भवदीय

जहाजी मालके बिलका स्वीकार पत्र।

Gentlemen,

We are glad to acknowledge the receipt of your letter enclosed with invoices and policies of insurance of goods, we ordered per s s Manchester We have sent you to day 2500 through the Charter Bank and wired them to pay the payment to you

Yours faithfully

महाशय!

आपने जो हमारे मागके अनुसार मेनचेस्टर जहाज द्वारा माल भेजा उसका बीजक और उसके बीमे का पट्टद नामा स्वीकार करते हैं। आज दिन हमारे यहा से २५०० पाउण्ड चार्टर बैङ्क द्वारा भेजा है और आपके यहा भुगतान करने के लिये तार दे दिया है।

भवदीय

(कड़ा तगादा)

Messrs__________________

Gentlemen!

It is very sorry to say that on many occasions we advised you to clear off accounts, but all in vain If you would not make the remittance at our earliest convenience we shall be obliged to take the hard steps against you

महाशय!

बड़े खेद का विषय है कि हमने कईबार आप से हिसाब साफ करने के लिये कहा पर आप बिलकुल ध्यान नही देते। यदि आप हमारे समयानुसार पाओना जल्दी से न देंगे तो हमको आपके साथ कडा बर्त्ताव करना पडेगा।

भवदीय

(पावोना भुगतान करने का पत्र)

Messrs________________

Dear Sir,

On receiving your favours of———send you herewith a bill of Exchange for______the balance on our accounts, hoping you will accept it—

महाशय!

आपका कृपापत्र——का मिला। हम आपके पास——की हुण्डी भेजते है, जो कि हमारे नाम बाकी निकलता है। आशा है कि आप स्वीकार करेंगे।

भवदीय

परिक्षार्थ माग का माल जहाज से चलान करने का सूचीपत्र।

Messrs Beatson & Co

CALCUTTA

Gentlemen,

We on receiving your price note send you the trial order for 250 Cwt of Patna table rice the quality of the sample already sent at the price offered by you On finding this order to our entire satisfaction, we shall be very glad The Sea insurance will only effect by us at home We regarding our payment inform to draw your invoice amount on the Bank of Manchester

Yours faithfully

Jackson & Co

मान्यवर महाशय!

आपने जो पटनिया चावल का नमूना और दर भेजा सो पाया आपके परिक्षार्थ चानेके पटनिया चावल आपके भेजे हुए नमूने और दामके अनुसार २५० हण्डर रवाना करता हूं। यह माग आपके पसन्द आने पर हमको बड़ी खुशी

कारबार मे परिचय प्राप्त करनें की चिठी पत्री।

Messers ____________

Gentlemen

Though there is no any sort of connection between you and us, yet we send our particulars to establish business connections with your firm We are the importers of the woolen goods from home, for the sale in the market here We shall be happy to deal with you in whole sale business if you be able to supply our orders regularly On receipt of the goods we shall remit the value by Telegraphic transfer or demand drafts as will suit you best

Regarding the character of our firm we beg to refer the matter to our Liverpool agent Messrs ______& Co Who will satisfy you——

Yours faithfully

महाशय!

यद्यपि आपके हमारे किसी प्रकार का सम्बन्ध नहीं है तथापि आपकी गद्दीके साथ कारबार चलाने के लिये हम अपना पुरा पुरा परिचय आपकी सेवामें विदित करते हैं। हम लोग बिलायती माल यहा बाज़ारमें बेचने के लिये मगाया करते है और यदि आप हमारी माग बराबर भेजते रहेंगे तो हम बेचने के लिये आपसे थोक माल मगाने में राज़ी है। हमारे पास माल पहुचने पर हम आपको मालकी लागत तार या हुण्डीद्वारा जिसमें आपका सुभीता हो भेज सक्ते है।

हमारी गद्दी के चाल मर्यादा के बारेमे आप हमारे लिवरपूल के अढतिये—— से मालुम करसक्ते है जो कि आपको दिल जमई कर देंगे।

भवदीय

गद्दी के नाम बदलने का विज्ञापन।

A notice is hereby given that the firm of Bell & Co No 6 Clive St Calcutta have under gone a change in their name Viz —John Bell & Co as the gentleman Mr John joined the firm as a princi

pal partner All the communications, therefore, should be made hen ceforth in the name of John Bell & Co

Bell & Co

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि न० ,६ क्लाइवस्ट्रीट, कलकत्ता के बेल ऐण्ड को० का नाम बदल गया है अर्थात् जौन बेल ऐण्ड को० कहा जाएगा। क्योंकि मिष्टर जौन महाशय आजसे हमारे कारबार के प्रधान साझीदार हुए हैं। अब आगे से पत्र व्यवहार और माल चलान जौन बेल कम्पनी के नाम में करना चाहिये।

बेल कम्पनी।

दलाल के लिये विज्ञापन।

Wanted a well qualified bioLer with through knowledge in piece goods He should be honest and deligent in canvassing business on respectable commission

Apply with testimonials within 30th september 1905 to —

John Bell & Co

हमको एक चलती पुर्जेदलाल की आवश्यकता है जो कि सूती कपड़े के काम में निपुण समझदार, ईमानदार और ग्राहकों का जुगाड़ अच्छी तरह कर सक्ता हो। ३० सपटेम्बर के भीतर दरखास्त प्रशंसा पत्र सहित पहुंचनी चाहिये।

जौन बेल ऐण्ड को०।

माल देने का पत्र।

Dear sir,

We sent our contract No—on the 11th Inst for 50 tons of linseed to be signed and sent back to us, but we did not receive it as yet we therefore request your favour to return the same with your signture without any further delay

yours faithfully

प्रियवर महाशय।

हमलोगों ने आपकी सेवा में इस मास को ११ वी तारीख को ५० टन तीसी का बिक्री पत्र (कण्ट्रेक्ट) नं०———की सही करने और हमारे पास फिर्ती करने के

लिये भेजा था परन्तु अभीतक हमारे पास न पहुंचा। इस लिये सेवा में निवेदन है कि आप हमारे पास सही करके जल्दी से भेज दें।

भवदीय

बिक्री पत्र के खण्डन की पत्री ।

Sir,

I did not receive the contract for goods properly signed by your firm up to this day I now therefore, consider it cancelled.

yours faithfully

महाशय !

माल के कन्ट्राक्ट पर आप का हस्ताक्षर अबतक न हुआ, इस लिये मैं उसको खण्डित समझता हू ।

आपका विश्वासी

माल छुड़ाने के लिये ।

Dear sir,

As the delivery time has been expired and the goods are lying in our godowns, we request you therefore to pay for and take the delivery of,

yours faithfully

प्रिय महाशय !

माल छुडाने का समय व्यतीत हो गया और माल हमलोगों के गोदाम में पड़ा हुआ हैं। इस लिये निवेदन है कि माल की लागत भर देवे और उसको छुडा ले ।

आपका विश्वासी

PROMISSORY NOTE पर सही मगाने का पत्र ।

Sir,

We herewith send you the promissory note for 8325, the value of the gods delivered on the—Inst We beg to draw your attention to sign the promissory note within 48 hours, if you would fail to do this, we shall have to take legal steps

yours faithfully

महाशय!

हमलोग आपके ३१२५) का परमेसरी नोट भेजते है जो कि ता'—की लिये हुए माल की लागत है। हम आपको सूचित करते हैं कि आप ४८ घटे के भीतर उस पर अपने हस्ताक्षर कर देवे नहीं तो हमलोग आप पर नालिश करेंगे।

आपका शुभचिन्तक

भुगतान पत्र।

Sir,

It took a long time, but you did not pay us any amount of money due upon you We are therefore obliged to ask you to pay us at once the sum of Rs——entered in the account books against your firm —If you would not do this within 48 hours, we should take hard steps against you Your faithfully

महाशय!

बहुत दिन बीत गए फिर भी आपने हमारा पाओना न दिया। इस लिये हम लाचार हो कर आपना पाओना—का इसी दम चुक्ती करने के लिये कहते हैं जो कि आप के नाम खाते में दर्ज है। यदि आप ४८ घटे के भीतर न देंगे तो हम आप से कड़ी चाल चलेंगे।

आपका विश्वासी

माल के पूरे भुगतान की चिठी।

Sir,

As your payment is too small to cover the credit, we advise you to pay us a greater amount than before During this month we received Rs—from you against your balance Rs—and the amount of the delivery of the goods Rs—so your balance Rs—we, therefore request you to pay us at least Rs—up to the current month Yours faithfully

महाशय!

आपने जो रुपे दिये हैं सो हमारे पाओने में से बहुत काम मिले हैं। इस लिये हम लोगोंको पहले से कुछ अधिक रुपे दे। इस मास में हम रु०——— पाया और आप से हम को रु०———चाहिये और आप के पास रु०——— का माल गया इस लिये आपके पास रु०———बाकी रहा सो कृपा कर इस मास में रु०———दीजिये।

आपका विश्वासी

नीलाम करने का पत्र।

Sir,

If you would not pay for and take delivery of the goods which are lying in our godown within—48 hours, we shall be obliged to resell the same on your account and risk

Yours faithfully

महाशय!

आप यदि ४८ घंटे में माल की लागत का भुगतान न दिजीयेगा और माल न लिजीयेगा जो कि हमारे गोदाम में पड़ा हुआ है तो हम उसको और नाममें आपकी झोंकी पर नीलाम कर देंगे।

भवदीय

निन्दित पत्र।

Messers——————

Gentlemen,

I received the goods with their invoices sent by you on the—— Instant, but on comparing the above, I find that three pairs of the cloths have been found short

I, therefore, request you to write me the cause and to send the same by Ry Or steamer at your own cost to make up the deficiency

Yours faithfully

महाशय!

आपने ———ता—को बीजक सहित माल भेजा सो पाया, परन्तु मिलान करने पर तीन जोड़ कपड़ा कम हुआ। इस लिये कृपाकर इसका कारण लिखें और अपनी गिरह से रेलवे या स्टीमर द्वारा कमी पूरी करने के लिये उक्त जोड़ भेजिये।

आपका विश्वासी

विलायती हुण्डी।

Calcutta 25th July 1905

To
The Manager of National Bank of India Ld,

Dear sir,

As we herewith send you a checque for Rs—to cover the amo-

unt of—,we request you to write your London office to pay to—

Yours faithfully

प्रिय महाशय !

क्योंकि हमने आपके पास रु०—का चेक पाउण्ड——के बदले में भेजा है। इस लिये आप कृपाकर अपने लन्दन के आफिस में—को अरपाइ करने के लिये लिख भेजिये।

आपका विश्वासी

हुण्डीका भाव मालूम करने की पत्री।

Dear sir,

Kindly inform us about the rate of draft for Rs—which you bought yesterday's sight on Babu——payable at Manchester and oblige

Yours faithfully

महाशय।

कृपाकर जो रु०—की हुण्डी कल दिन जो आपने मोल लिया है और जिसका भुगतान लदन में मिले गा उसका भाव बताइये।

आपका विश्वासी

हुण्डीका नमूना।

£ 200 Sterling

No 10 Calcutta 5th May 1905

At *six month's* after *sight* of this our first of exchange (first and third of the same tenor and date being unpaid) pay to *Messrs* ______ or order the sum of £ 200 (two hundred pounds sterling) with or without advise for value received

To Messers King & Co John Beatson & Co

Bankers London

न० १० पा० २०० स्टर्लिंग

कालकत्ता, ता० ५ जुलाइ सन १८०५ ई०

छ महीने की मुद्दत पीछे हमारी यह पहली हुण्डी (पहली और तीसरी हुण्डी

उसी तारीख और उसी सिलसिले की बिल चुकी है) मेसर्स जैकसन ऐण्ड को० को दे देना या इसके पा० २०० स्टर्लिंग अंकन (दो सौ पाउण्ड स्टर्लिंग नक़द देकर सही लेलेना । इस हुण्डी का रुपया यहां जमा है ।

जौन बौटमन ऐण्ड को०

(ऊपर) किंग ऐण्ड को०

कोठीवाल, लन्दन

बीजक का नमूना ।

Invoice of 100 bales of cotton bought by order of King & Co Asper s s "India" to London on account and risk of the concerned १०० गाठ रूईका बीजक जोकि किंगऐन्ड को० की माग आनेसे उन्ही के झोकी और खाते पर "इण्डिया" नामक जहाज में लण्डन चलान किया ।

Mark	Description जिनिस	Rs	As	P
J L & Co	100 Bales Cotton १०० गाँठ कपास की Wg B Mds 200 तौल कुल मन २०० Insurance @ ½% बीमादर ॥) सैकड़ा Commission @ 5% कमिशन दर ५) सैकड़ा	2500 107 1000		
	Cos Rs	3607		

Errors Excepted

Calcutta　　भूल चूक लेनी देनी

Jackson & Co

बिक्री जमा खर्च का नमूना ।

माल की बिक्री जमाखर्च किंग ऐण्ड को० के यहां से "इण्डिया" नामक जहाज द्वारा मिला और कलकत्ते से बौटमन ऐण्ड को० ने उनके खाते और झोकी पर

बेच दिया। Account sale of goods per s s "India" received from King & Co, and sold for their account and risk by Beatson & Co

100 Bales demy paper 16th @ Rs 60 १०० गांठ डिमाइ कागद ६०) पाउण्डकी दरसे	6000 00				
60 Packages red cloth @ Rs 20 ६० बेठन कपडे को २०) के दर से	1200 0-0				
Landing charges and Godown rent माल उतराई गोदाम भाडा	200 0 0	7200			
Commission on Rs 7200 at 5% कमिशन ७२००) का दर ५) सैंकड	360 0 0				
	560				

Net proceeds Rs 6640
बाकी बचे रुपै

Calcutta
1th July 1905

Errors and Omissions excepted
भूल चुक छूट छाड लेनो देनो
Beatson & Co

प्रशसा पत्र।

This to certify that Ram Nath worked under me as a Darban for four years He is active and intelligent in his duties, I will be glad indeed to hear him on his progress

Kedar Nath

यह प्रशसा पत्र राम नाथ को दिया जाता है जिसने कि मेरे यहां ४ वर्ष तक दर्वानी की है। यह अपने काम में खास काजी और चतुर है। वास्तवमें मैं इसकी उन्नति पर सन्तुष्ट होऊंगा।

केदारनाथ

धन्यवादित पत्र।

My Dear Amar Nath

I am exceedingly glad on receipt of youi showy card I send blessings upon you, the happy pair

Yours Truly
Gobind

प्रियवर अमर नाथ।

मै तुम्हारे विवाह का पत्र पा कर अत्यन्त प्रसन्न हुवा जिसके उत्तर में मैं अन्तः-करण से आशिर्वाद देता हूं कि परमेश्वर करे तुम दोनों का जोडा फला फूला बना रहे।

तुम्हारा हार्दिक गोविंद

शोक पत्र।

My Dear Gopi,

I am very sorry for death of your mother Such a uncertain loss, an irreparable one that cannot be cured lent must be endured Our consolation is that she is now amongst her friends and relatives that have gone before her and is in a happy land, where there is no sorrow, no grief and no parting

May God keep her soul in peace

Yours sincerely

सुहृद गोपी।

तुम्हारी माता के मृत्यु से मुझको अत्यन्त दुःख है। ऐसी होनहार मृत्यु को अवश्य सहन करना चाहिये जिसका कि इसके सिवाय कोई उपाय नहीं है हम लोग अपने आपको यही समझ कर ढाढस देते हैं कि अब वह अपने अपनेती और नाते दारों में है जो कि उसके पहले कूचकर चुके हैं औ उस दुःख भञ्जन देश में चली गई है कि जहां पर न शोक है न दुःख है और न वियोग है।

इश्वर करे उसकी आत्मा सुखी रहे।

आपका हार्दिक

निमन्त्रण पत्र।

Mr S's compliments to Mr D , and will feel much pleasure in his company to dinner on Thursday next at six o' clock An early reply will much oblige

Camden villas, Thursday April 19th 1905

मिष्टर एस का सलाम मिष्टर डी का प्रगट हो और आपको आगामी शुक्रवार को ६ बजे भोजन करने का निमन्त्रण बड़े आग्रह के साथ दिया जाता है। इसका शीघ्र उत्तर देकर बाधित कीजियेगा।

टकसालदेखनेकी लिये।

To

THE MASTER OF THE MINT

Sir

I Will fell much obliged of your kindly granting 5 of us the privilege of visiting the mint, at any day you may be pleased to appoint, and I hope earnestly, that you will not deny my request solicited

Calcutta
22nd April
1892

I beg to remain
Sir
Your most obedient servant
S L

मान्यवर महाशय!

जो दिन आप कृपाकर नियत करें उसी दिन का अधिकार पत्र टकसाल देखने के लिये पाच आदमियों के वास्ते प्रदान करें। आपका मुझ पर बड़ा अहसान होगा। मुझको पूरा भरोसा है कि आप मेरी प्रार्थना स्वीकार करेंगे।

भवदीय

हैण्ड नोट।

HAND NOTE

On demand I promise to pay to Baboo Beharilall Ram Pursad or order the sum of Rs 1000 Rs one thousand only with interest at five per cent per annum for value received in cash

Calcutta
13 April
1892

Yours Faithfully

T C SADKHA

बाबू बिहारी लाल राम प्रसाद से केवल एक हजार १०००) रुपया पाया जो की वे जब चाहें तब ५) पाच रुपया सालाना व्याज के हिसाब पर मुझसे वसूल कर सक्ते हैं।

हिन्दी पत्र व्यवहार।

अपने से बड़े को सिद्धश्री लिखा जाता है। परमेश्वर योगियों और राजा महाराजों के नाम १०८ श्री लिखी जाती है, पिता गुरु आदि को ६, स्वामी को ५, शत्रु को ४, मित्र को ३, भाई को २ और स्त्री तथा पुत्र को १ लिखनी चाहिये। छोटों के लिये स्वस्ती श्री लिखा जाता है। बड़े को प्रणाम और छोटों को आशिर्वाद लिखना उचित है और उनके नाम के पहले चिरञ्जीव लिखना चाहिये और बड़ों के सम्बन्धिक नाम के पहले परम पुज्य लिखा जाता है। बराबरी वाले को चिरञ्जीव नहीं लिखते इसकी जगह भाई लिख कर नाम लिखते हैं।

व्यवहार पत्र यों लिखा जाता है —

सिद्ध श्री रिवाड़ी शुभस्थान भाई बलदेवदास औंकिशन जोग लिखी कलकत्ते से देवीदास रामलाल को जैगोपाल बचना। आगे (हाल फिर मिती)

पुत्र की ओर से पिता को।

सिद्ध श्री सर्वोपमा परमपुज्य श्री पिताजी को देवीदास का प्रणाम।

अपरंच हाल यह है कि । मि फागुण वदी २ स १९६०॥

बराबरी वाले को।

स्वस्ती श्री सर्वोपमा सकल गुण निधान भाई देवीदास को राम २ राम चरण की बनारस से मालुम हो——— आगे (हाल फिर मिती)

छोटो की तरफ से बड़ोंको	बड़ों की तरफ से छोटोंको
श्रीचरण कमलेषु—	कल्याणवरेषु।—
प्रनाम शत कोटी निवेदनं मिद,—	परम शुभाशिर्वाद बासव सन्तोष विशेष।
१। दादा महाशय।	१। ভায়া!
२। জ্যেঠতাত মহাশয়।	२। বাপাজি!
৩। পিতাঠাকুর মহাশয়!	৩। বাপাজি!
8। খুড়া মহাশয়!	8। বাপাজি!
৫। অগ্রজ মহাশয়!	৫। ভায়া!
৬। দিদি মাতাঠাকুরাণী!	৬। ভায়া!
৭। মাতাঠাকুরাণী!	৭। বাপাজি!
৮। জ্যেঠ মাতাঠাকুরাণী!	৮। বাপাজি!
৯। খুড়ীমাতাঠাকুরাণী!	৯। বাপাজি!

उपदेश रत्नमाला।

(अक्कल शिखनेकी बातें)

१ तुरंत का बना, कुछ गर्म, और कोमल प्यारा भोजन सदैव भूख लगने पर किया करो। दूध, दही, घृत, मक्खन, मिसरी, काली मिरच, इलें और पके मीठे फल का सेवन किया करो।

२ मुखा, मड़ा, बदबूदार, बासी, अप्रिय, कड़ुवा भोजन कभी मत किया करो।

३ मनुष्य को उचित है कि यावत् जीव चराचर तथा प्राणी मात्र के साथ उपकार करे श्रेष्ठ वही है कि जिसका जीवन परोपकार ही में व्यतीत होता है।

४ माता, पिता, आचार्य और अतिथि तथा सत्योपदेश के करनेवाले विद्वानों की सेवा तन, मन, धन से करना चाहिये।

५ ठण्डा और स्वच्छ पानी सर्वदा छान कर पीओ, जहां दैववश से गदला कीचड़-मिला, रंग बेरंग और वर्षा का कच्चा पानी मिले उसे प्रथम आग पर गर्म करो, फिर ठण्डा करके छान कर पीओ। बिगर छाने पानी कभी न पीओ

६ रात्री में कभी दही मत खाओ, उससे नजला व खांसी पैदा होती है।

७ आठ गुण सदा काल सर्व मनुष्यों को शोभित करते हैं सुविद्या धारण करना, कुलीनता रखना, इन्द्रियों को दुष्ट मार्ग से रोकना, अध्ययन करना, बल वीर्य का बढ़ाना, थोड़ा बोलना, शक्ति अनुसार दानदेना और किये हुए उपकारको मानना।

८ समय का एक क्षणभी वृथा न जानेदो, समयानुसार सर्व कार्य करना चाहिये।

९ बालकपन से ही खटाई, लालमिर्च, मीठा कड़ुवा आदि अधिक मत खाओ।

१० अफीम, भंग, गांजा, और तम्बाखू आदि वस्तु मत खाओ और न पीओ।

११ बराबर तोल के शहद, घी, तथा शहद, पानी मत खाओ व पीओ, क्योंकि वह विष हो जाता है।

१२ प्रात काल के समय टट्टी जाने के पहिले थोड़ा सा ठण्डा पानी पीओ तो दस्त साफ होगा। मगर पानी पीकर थोड़ी देर टहल आना चाहिए।

१३ क्रोध करना पापकार्य है इस वास्ते क्रोध कभी मत करो।

१४ संतोष, साहस और धैर्यता से अत्यंत कठिन कार्य भी सिद्ध होजाते हैं।

१५ परमात्मा अपने भक्त उपासकों की सहायता किया करता है।

१६ किसी तुच्छ जीव को भी निरादर दृष्टि से नहीं देखना चाहिए।

१७ मल, मूत्र, छींक, आंसू भूख प्यास आदि के वेगों को रोकना न चाहिए।

१८ प्रातःकाल और संध्या के समय, मंद सुगंध शीतल हवा में टहलना उत्तम है।

१९ पांच तथा सात दिन में क्षौर (हजामत) करवाया करो।

२० लोभ सब पापों का मूल है और उसका आनंदभी तुच्छ तथा अल्प होता है इस लिए उसको त्याग देना ही अच्छा है।

२१ आपत्ति काल में केवल ईश्वर ही से उसकी निवृत्ति के लिये प्रार्थना करनी चाहिये परन्तु यदि मनुष्य प्रथम ही ईश्वराराधन में दत्तचित्तरहै तो आपत्तिका आना भी असम्भव है।

२२ हाथ, पैर, नाक, कान, शिर आदि सदैव स्वच्छ रखना चाहिए।

२३ शिर, कान, पैर और सब शरीर में चौथे दिन तेल की मालिश किया करो।

२४ कैसीही कष्टकी आपत्ति क्योंन आवे मनुष्य को स्वधर्म कदापि नहीं त्यागना चाहिए। क्योंकि स्वधर्ममें कल्याण तथा परधर्म में दुःख होता है।

२५ कसरत का अभ्यास रक्खो, इस से शरीर मजबूत रहता है।

२६ आंखों में अंजन दांतों में मंजन हर दिन लगाया करो।

२७ यदि धर्मात्मा बनने की इच्छा है तो इन आठ बातों का सदैव ध्यान रक्खो १ प्राणी मात्र पर दया २ परोपकार ३ दान ४ क्षमा ५ समानभाव ६ सत्य ७ उदारता ८ विनय।

२८ सदैव ठण्डे जल से, और शीतकाल में गर्म जल से स्नान किया करो तो कभी रोग नहीं होगा।

२९ वर्षा में मत भींगो, क्योंकि उससे सर्दी आदि तुरत ही हो जाया करता है।

३० सुखको, इच्छा है तो नम्रता, प्रियवादित्व धैर्य, चित्तकी शान्ति धारण करो।

३१ सदा याद रक्खो कि जो तुम्हारा शत्रु तुम्हारेसे अधिक बलवान् होतो तुमको वहां से, हट जाना चाहिये अथवा उससे [illegible] उसके सन्मुख होना ठीक नहीं।

३२ आपत्ति काल में सदा धैर्य रखना चाहिये और सुख प्राप्त होने पर अधिक हर्षमें मग्न होना उचित नहीं।

३३ अधिक प्रकाश वाली वस्तु और सूर्य आदि की तीव्र रोशनी को कभी नहीं देखना चाहिये, उससे आंख की रोशनी कम हो जाती है।

३४ जो सर्व जगत का निन्दापात्र हो उससे उदासीनता रखना, अर्थात् उसकी सगति कदापि नहीं करना चाहिये।

३५ कीर्ति का सम्पादन करना मनुष्यमात्र का मुख्य कर्त्तव्य है ससार में उसीका जन्म सुफल है जिसने ससारी पुरुषों से कीर्त्तिवान् नाम पाया।

३६ सर्वदा निर्मल वस्त्र धारण करना चाहिये, उससे रोग और आलस नहीं आता।

३७ अपने २ घरों को सुगंधित धूप तथा हवन आदि से सुगंधित रखना अति आवश्यक है। प्रात और सन्ध्या को सधि में भोजन, पढना, सोना स्त्री सग, आदि बुद्धि नाशक है।

३८ किसी मनुष्य की जीविका का नाश नहीं करना चाहिये क्योंकि ऐसा करने से तुमको कुछ लाभ न होगा।

३९ जिसको मृत्यु की याद सदा चित्त में लगी रहती है उससे पाप होना असम्भव है इस लिये मनुष्य को मृत्यु कदापि मनसे नहीं बिसराना चाहिये।

४० अपनी पत्नी से ही ऋतु समय में सगम करना चाहिये, दूसरे समय नहीं। रजस्वला, रोगणी पराई स्त्री के सग से सदा बचे रहो।

४१ शिर से अधिक बोझ मत लेजाओ उसकी हरारत से बुद्धि जाती रहती है।

४२ जो मनुष्य भूखा हो, कसरत करने, मार्ग में चलने या अन्य किसी कारण से थका हो, अथवा पेशाब पायखानेकी हाजत वाला हो, वह स्त्री सग कदापि न करे।

४३ सेवक का मुख्य धर्म यही है कि अपने स्वामी को सदा सर्वदा प्रसन्न रक्खे और उसीसे उसका कल्याण भी होना सम्भव है अन्यथा कदापि नहीं।

४४ अधिक ऊंचे और अधिक नीचे स्वर (आवाज़) से और जल्दी २ मत पढ़ो इससे स्वर खराब होता है।

४५ ऊंचे और कठोर आसन (बिस्तर) पर बैठना, सोना अच्छा नहीं।

४६ नाक में उगली और कान में तिनका कभी मत करो।

४७ दांतों को कभी मत चबाओ और नाखूनों को आपस में कभी मत घिसो।

४८ नाखूनों से पृथ्वी को कभी मत खोदो।

४८ ॥ पुरवैया व तेज हवा और ओस व तेज धूप में मत सोओ और मत बैठो ।

५० सदा स्मरण रहे कि प्रत्येक कार्य की सफलता उद्योगसेही होती है केवल मनोरथों से नहीं योग्य और लाभकारी वार्ता यदि बालक भी कहे तो मानना चाहिये परन्तु अयोग्य और हानिकारक गुरुकी भी नहीं माननी चाहिये यदि दुराचरण से निर्वाह भी होताहो तोभी त्यागना चाहिये ।

५१ नंगे पैरों, नंगे सिर, खाली हाथ, बिना छतरी, बिना छड़ी, और बिना दुपट्टा के कभी कहीं मत जाओ ।

५२ हवा, अग्नि, जल सूर्य, चन्द्रमा, गौ, ब्राह्मण, गुरु और वृद्ध पुरुष की ओर मुख करके थूकना, पेशाब या पायखाना करना अच्छा नहीं होता है ।

५३ बालक, बूढ़े, लालची, बेवकूफ, हत्यारा, कठोर, नपुंसक, राजद्रोही, डाकू, नशेबाज, कम हिम्मत, नास्तिक, डरपोक, निर्लज, पागल, ऐसे २ आदमियों से मित्रता मत करो, उनके पास मत बैठो, उन की बातें मत सीखो, तो तुमको कभी भय नहीं होगा ।

५४ बुद्धिमान् पुरुष को चाहिये कि किसी कार्य के अर्थ उपाय सोचने से प्रथमही उसकी हानि और लाभ भी सोच ले नहीं तो पीछे पछताना पड़ता है ।

५५ दान देकर पछताना न चाहिये क्योंकि इससे उसके प्रतिफलका नाश होताहै ।

५६ मनुष्य को अपने को अमर समझ कर विद्या और धन सञ्चय करना चाहिये और यह समझकर कि मृत्यु सदा काल मस्तक पर ही आरूढ़ हो रही है धर्माचरण रखना चहिये । जगतमें जन्म लेना और जीवन उसी मनुष्य का सफल है कि जो अपने वंश और जाति के उपकार तथा उन्नति के अर्थ सदैव उद्योग किया करे ।

५७ जुआ मत खेलो, और, कभी रंडी बाजी मत करो, न ऐसे लोगों के पास जाओ, न अपने पास बुलाओ घर की छिपी हुई बातें गैरों को मत सुनाओ, तिरस्कार को याद मत करो । अपने को छोटा, और दूसरों को सदा बड़ा मानते रहो ।

६१ मनुष्य का परम शत्रु आलस है इसका त्याग करना चाहिये ।
६२ सभा में जाने वाले मनुष्यों को उचित है कि सभा में जाकर पक्षपात रहित सम्मति दिया करें । यदि सम्पूर्ण मनुष्यों को प्रसन्न तथा अपने वश में करना चाहते हो तो पर पुरुष की निन्दा मत करो ।
६३ क्षण २ में क्रोध क्षण में हर्ष मत करो । दूसरे के दोषोंको मत देखो और उसके गुणों को सदा याद किया करो । राग द्वेष, क्रोध और चिन्ता पैदा करने वाले कामों को मत करो ।
६४ किसी के ऐश्वर्य को देखकर दुखित मत होओ ।
६५ दूसरे की छिपी हुई बातों को कभी प्रगट मत करो ।
६६ स्त्रियों को छिपी हुई बातें सुनाने और उनका विश्वास करने से अन्त में दुःख होता है ।
६७ सर्प और घातक पशुओं के पीछे मत दौड़ो । उदय हुए, तथा छिपते हुए सूर्य को मत देखो क्योंकि इससे दृष्टि में अन्तर आता है ।
६८ मुख को फाड़कर जम्हाई लेना, छींकना, हसना, और सोना उत्तम नहीं है ।
६९ पानी में तैरना, नंगे होकर घुमना, और उसमें पेशाब, पायखाना करना अपनी छाया को देखना ठीक नहीं है ।
७० शान्ति दया और धर्म का पालन करो, सदा मीठे वचन बोलो और सबसे प्रीति पूर्वक बर्ताव करो ।
७१ घर के काम काजों से फुरसत पाने पर सदा धर्म ग्रन्थों का अवलोकन करो ।
७२ सूर्योदय के पहिले और सध्या के समय नित्य सध्या करो इससे चित्त शुद्ध होकर सदैव अच्छे कामों की ओर लगता है ।
७३ स्वामी को योग्य है कि नौकर चाकर ऐसा नियत करे कि जिसपर अपना पूर्णरूपसे विश्वास हो नहीतो लाभ के बदले हानि उठानी पड़ेगी ।
७४ नदियों के बगका, सिंहादि घातक जन्तुओं का, सींगवाले वृषभादिकों का, शस्त्रधारी शत्रु का, स्त्रियोंका तथा राज कुलका विश्वास कदापि नहीं करना चाहिये ।
७५ व्यायाम करो घूमो फिरो, मानसिक शिक्षा या उन्नति के विचार से शरीर को निर्बल बनाना बड़ी भूल है । कुछ न कुछ हाथ से भी काम किया करो । धरती

८६ जिस मनुष्य ने अपनी इन्द्रियों को वश में कर लिया उसने तीनों लोक वश लिये। अपने स्वभाव को दुष्ट बनाना मानो अपनी आत्मा को रोगी करना।

८७ किसी मादक द्रव्य का सेवन न करो। कोई शारीरिक या मानसिक काम न करो जिस से बहुत थक जाओ और न आलस्य से बेकाम पड़े रहो।

८८ अपने किसी काम पर अधिक पश्चाताप न करो और किसी बात का शोक न करो। अपना शरीर और वस्त्र मले न रक्खो।

८९ कुसंगत अर्थात् दुष्टों की सभा में कदापि न बैठो क्योंकि वहां मद्यपान, अज्ञान, उपहास दम्भ, अभिमत, परनिन्दा निर्लज्जता, द्यूत, चोरी आदि अगणित दोष सदैव विद्यमान रहते हैं। प्रत्येक मनुष्य को चाहिये कि अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तु का संग्रह कदापि न करे।

१०० मनुष्य के प्रत्येक व्यवहार दृष्टि देने से उसका यथार्थ आचरण प्रतीत होता है।

१०१ याद रहे कि सुख भोग मनुष्यों को नहीं बिगाड़ते किन्तु मनुष्य ही सुख भोगों को बिगाड़ते हैं।

१०२ ऐसी खुराक खाओ जो झट हजम हो जाय और पुष्टिकारक हो।

१०३ खाने से आध घण्टा पहले और आध घण्टा बाद तक मिहनत नहीं करनी चाहिये परन्तु रात्रि के समय ब्यालू करने के बाद ही सो जाना अच्छा नहीं। ब्यालू करने के उपरान्त एक घण्टे तक कोई अनुकूल परिश्रम करके सोना चाहिये।

१०४ सदा अपने आप को ईश्वर की इच्छा पर छोड़ रहो निस्सन्देह यह तुमको लाभकारी होगा। उसी दिन को सुफल समझना चाहिये जो दिन सत्कर्म ईश्वर के स्मरण में व्यतीत हो।

१०५ ईश्वर को हर जगह जान उससे सदा डरते रहना सर्वदा सत्य बोलना झूठ कदापि न बोलना। सदा अच्छे मनुष्यों की सङ्गति करना यदि अच्छे लोग न मिले तो सङ्ग ही न करना। कहना थोड़ा पर करना अधिक स्वयं परिश्रम कर किसी काम को एक बारगी दूसरों पर ही आश्रित न रहना।

१०६ गुप्त भेद किसी से न कहना। अपने आचरण (चाल चलन) को सर्वदा उत्तम रखना। किसी से ईर्षा (डाह) न करना। अपनी निन्दा सुन क्रोधित न होना और अपनी प्रशंसा सुन प्रसन्न भी न होना।

हेन्दुस्थानी और परशीयन ग्रामार

किताबमें अंग्रेजी जानने वाला उरदू फ़ारसी और उरदू फ़ारसी जाननेवाला बहुत ही थोड़े अभ्यास से बिना किसी की सहायता खुद ही सीख सक्ता है। ताव रॉयल आठ पेजी २८१ पृष्ठकी है विलायती चिकने कागज पर सुन्दर छपी हुई है विलायती कपड़े की सुन्दर मजबूत जिल्द बधी हुई है इतनी कीमत होने पर भी कीमत केवल रुपेया ३) डाक खर्च ।=) रखा गया है तारीफ हम अपने मुहसे क्या करें अच्छे अच्छे अंग्रेजोंने और समाचारपत्रोंने तारीफ की है रामलाल नेमाणी नं० ५८ तुलापट्टी कलकत्ता।

भारतमित्र ता० १२ अगष्ट सन १९०४ ई०

बु दीननाथ देव बगाली है पर उर्दू फारसी वह इतनी जानते हैं कि अच्छे अच्छे दुस्थानी उतनी नहीं जानते। इस समयबूढे हो चुके है तथापि कुछ किये जाते हैं। को बनाई हुए पुस्तकके सहारे कितनेही आदमीबिना माष्टरके अगरेजीमें प्रविष्ट ए और उन्हें भारी जीवनकी राह मिला। कई नामी अगरेज विद्वानोंने उसकी शंसा की है। हालमें उनकी बनाई एक और कामकी पुस्तका छपकर प्रकाशित हुई है। उसका नाम है हिन्दुस्थानी एन्ड परशियन ग्रामर। इस पोथीसे अगरेजी पढे लोगोंको उर्दू और फारसी सीखनेका अच्छा सुभीता होगा। उस्तादकी बहुत काम मदद की जरूरत इस पोथीके हाथमें लेनेसे रह जाती है। इससे एक और लाभ है कि उर्दू जानने वाले अगरेजी ग्रामरको जरूरी बातें सहजमें जान सकते हैं। हरेक बात इतनी सफाई सुगम और थोड़े शब्दोंमें लिखी है कि पढकर प्रशंसा किये बिना रहा नहीं जाता। हिन्दुस्थानी और फारसी सीखने वाले यूरोपियनों के लिये यह बहुतही कामको चीज है। हिन्दुस्थानीभी इससे बहुत कुछ लाभ उठासकते हैं। ग्रामरके अन्तमें कई एक सुन्दर टुकडे गुलिस्ता, करीमा दीवाने हाफिज आदिसे छांट-कर दिये है। उनका अगरेजी अनुवाद साथ साथ दिया है। फिर तुलसीकृतरामायण संस्कृतके मोहमुद्गर, बङ्गलाकी महाभारत आदिके टुकड़े अङ्गरेजी तरजुमे सहित दिये हैं। मोहमुद्गरका अनुवाद अङ्गरेजी और उर्दू दोनों भाषाओंमें पद्यमय किया गया है। अन्तमें दीनानाथदेव महाशयको कुछ स्वरचित कविता है। आपको फारसी, उर्दू, हिन्दी संस्कृत और अङ्गरेजी [illegible] दखल है और बंगाली तो उनकी मातृ भाषाही है। पोथी सुन्दर कागज पर [illegible] टाइपमें छपी है उस पर विलायती कप ड़ेकी जिल्द बन्धी हुई है [illegible] ने अलग। मिलने का पता बाबू रामलालनेमाणी [illegible] कलकत्ता।

९६ जिस मनुष्य ने अपनी इन्द्रियों का वश में कर लिया उसने ... लिये। अपने स्वभाव को दुष्ट बनाना मानो अपनी आत्मा को ...
९७ किसी मादक द्रव्य का सेवन न करो। कोई शारीरिक या ... काम न करो जिस से बहुत थक जाओ और न आलस्य से ...
९८ अपने किसी काम पर अधिक पश्चात्ताप न करो और किसी ... शोक न करो। अपना शरीर और वस्त्र मैले न रक्खो।
९९ कुसंगत अर्थात् दुष्टों की सभा में कदापि न बैठो क्योंकि अज्ञान, उपहास, दम्भ, अभिमत, परनिन्दा निर्लज्जता, द्यूत, चोरी अगणित दोष उनमें विद्यमान रहते हैं। प्रत्येक मनुष्य को चाहिये आवश्यकता से अधिक वस्तु का संग्रह कदापि न करे।
१०० मनुष्य के प्रत्येक व्यवहार दृष्टि देने से उसका यथार्थ आचरण ...
१०१ याद रहे कि सुख भोग मनुष्यों को नहीं बिगाड़ते किन्तु मनुष्य ही ... को बिगाड़ते हैं।
१०२ ऐसी खुराक खाओ जो झट हजम हो जाय और पुष्टिकारक हो।
१०३ खानेसे आध घण्टा पहले और आध घण्टा बादतक मिहनत नहीं ... परन्तु शामके समय ब्यालू करनेके बाद ही सो जाना अच्छा नहीं। ब्यालू उपरान्त एक घण्टे तक कोई अनुकूल परिश्रम करके सोना चाहिये।
१०४ सदा अपने आप को ईश्वर की इच्छा पर छोड़ रहो निस्सन्देह यह तुमको ... कारी होगा। उसीदिन को सुफल समझना चाहिये जो दिन सत्कर्म ... स्मरण में व्यतीत हो।
१०५ ईश्वर का सब स्थान जान उससे सदा डरते रहना सर्वदा सत्य बोलना झूठ कद... बोलना। सदा अच्छे मनुष्यों की सङ्गति करना यदि अच्छे लोग न मि... सङ्ग ही न करना। कहना थोड़ा पर करना अधिक स्वयं परिश्रम कर... काम को एक बारगी दूसरों पर ही आश्रित न रहना।
१०६ गुप्त भेद किसी से न कहना। अपने आचरण (चाल चलन) को सर्वदा ... रखना। किसीसे ईर्षा (डाह) न करना। अपनी निन्दा सुन क्रोधित न ... और अपनी प्रशंसा सुन प्रसन्न भी न होना।

हिन्दुस्थानी और परशीयन ग्रामर

किताबके अंग्रेजी जानने वाला उरदू फ़ारसी और उरदू फ़ारसी जाननेवाला बहुत ही थोड़े अभ्यास मे बिगर किसी की सहायता खुदही सीख सका है। साथ रायल आठ पेजी २०१ पृष्ठकी है बिलायती चिकने कागज पर सुन्दर छपी हुई है बिलायती कपड़े की सुन्दर मजबुत जिल्द बंधी हुई है इतनी कीमत होने पर भी कीमत केवल रुपेया १) डाक खर्च ।) रखा गया है तारीफ़ हम अपने मुहसे क्या करें अच्छे अच्छे अंग्रेजोंने और समाचारपत्रोंने तारीफ़ की है रामनाम सिताबी न० ५८, तुलापट्टी कलकत्ता।

भारतमित्र ता० १३ अगष्ट सन १८०४ ई०

बू टोमनाथ देव बंगाली है पर उर्दू फारसी यह इतनी जानते हैं कि अच्छे अच्छे दुस्थानी इतनी नहीं जानते। इस समयवृद्ध हो चुके हैं तथापि कुछ किये जाते हैं। की बनाई हुई पुस्तकके सहारे कितने ही आदमी बिना मास्टरके अंगरेजोंने प्रविष्ट ए और उन्हें आगे सीखनेको मार्ग मिला। कई नामी अंगरेज विद्वानोंने उसकी शंसा की है। हालमें उनकी बनाई एक और कामकी पुस्तका छपकर प्रकाशित हुई है। उसका नाम है हिन्दुस्थानी एन्ड परशियन ग्रामर। इस पोथीसे अंगरेजी पढे लोगोंको उर्दू और फारसी सीखनेका अच्छा सुभेता होगा। उस्तादकी बहुत कम मदद की जरुरत इस पोथीको हाथमें लेनेसे रह जाती है। इससे एक और लाभ है कि उर्दू जानने वाले अंगरेजी ग्रामरकी जरुरी बातें मजेमें जान सकते हैं। हरेक बात इतनी सफाई से और थोड़े शब्दोंमें लिखी है कि पढकर प्रशंसा किये बिना रहा नही जाता। हिन्दुस्थानी और फारसी सीखने वाले यूरोपियनों के लिये यह बहुतसी कामकी चीज है। हिन्दुस्थानीभी इसमें बहुत कुछ लाभ उठासकते हैं। ग्रामरके अन्तमें कई एक सुन्दर टुकड़े गुलिस्तां, करीमा दीवाने हाफिज आदिसे छांट-करदिये है। उनका अंगरेजी अनुवाद साथ साथ दिया है। फिर तुलसीकृतरामायण संस्कृतके माहमुदर बङ्गलाको महाभारत आदिके टुकड़े अङ्गरेजी तरजुमे सहित दिये हैं। सोहमुदरका अनुवाद अङ्गरेजी और उर्दू दोनों भाषाओंमें पद्यमय किया गया है। अन्तमें [illegible] कृत स्वरचित कविता है। आपको फारसी, उर्दू हिन्दी संस्कृत और [illegible] देखतेहै और बंगाली तो उनकी मातृ भाषाही है। पोथी सुन्दर [illegible] में छपी है उस पर बिलायती कप- [illegible] मूल्य १) आने अलग। मिलने का [illegible] पता [illegible] बाजार कलकत्ता।

TESTIMONIALS

LUZACS ORIENTAL LIST LONDON

March, April 1905

Hindustani and Persian Gaammar, with pleasing thoughts By Dina nath Deva," Calcutta, 1904 "The author has taken considerable pains in Presenting to the student the principal rules relating to the orthography and etymology of the Hindustani and Persian languages These howeve, are not always expressed with sufficient accuracy or clearness, and may be occasionally puzzling to a beginner, though perfectly intelligible to an advanced student The alphabetical vocabulary of Hindustani, Persian, and Arabic words (pp 65—190) will be found very useful The words are translite ated according to tne system generally adopted by Orientalist but several mistakes—as "buht' fos "bahut' — and omissions of long vowel marks and diacritical points, occur Somce of the words are italicized, without any apparent reason It would have been better if the author, in place of this extensive vocabulary, had devoted a greater portion of the work to a more complete explanation of the etymology and syntax of these two languages The work concludes with 'pleasing Thoughts' (pp 192—272), comprising selections from the Gulistan, and the Karima of Sadi, with English translations — the latter in verse —, also a small extrac from the Hindi Ramayana of Tulsi Das, the sanskrit text of Sankara Acharya s Mohamudgara, with a Hindustani metrical translation, and excerpts from the Bengali Mahabharatá of Kasiram Das all of which are accompanied by English metrical translations, followed by a few Hindustani verses These from an interesting and instructive Reader, but the portion in Hindi, sanskrit, and Bengali seems to be out of place, and quite unnecessary, in a work purporting to impart instruction in the grammar of the Hindustani and Persian languages with which these languages have no affinity either in charactc or in grammatical structure

Babu Dina Natha Devas has rendered a service to the cause of oriental literature by compiling an Urdu Grammar with the help of the English Language The absence of a work which would assist a beginner unacquainted with Urdu to learn the language has hitherto been a drawback to students preparing for examinations especially Government Officials who are located far from educational centres, and where a competent teacher of the vernacular can rarely be procured This desideratum has been supplied in the present work In compiling it the author has consulted not only the current grammars on the subject but has also supplemented them with the ripe experience of such eminent scholars as Maulawi Hakim Saiyad Muhammad Sajjad of Lucknow and other learned men of Calcutta and the North West We wish the auther every success in his undertaking

31 May 1885
Statesman